

चिकित्सितपाठात्मकस्य हरिवंशस्य

श्लो क पा द सू ची

*The entire cost of preparation and production of this Volume of the Critical Edition of the Harivamśa has been borne by the Government of India ( Ministry of Education ) and the State of Maharashtra ( Education Department )*

. Dandekar, M. A., Ph. D., at the Bhandarkar Institute Press, Poona

and

√. Dandekar, Hon. Secretary, Bhandarkar Oriental Research Institute

Poona 4, ( INDIA )

( 15-3-1973 )

## POINTS TO BE NOTED

### IN CONNECTION WITH THE USE OF THE ŚLOKA-PADA-SŪCĪ OF HARIVAMSA

(1) In this Suci, we have taken into account the padas or verse-quarters occurring in the Constituted Text of Harivamśa. We have altogether ignored the star passages and Appendix passages.

(2) These verse-quarters are reproduced in Devanāgarī script in the alphabetical order as set forth below.

*Vowels* अ ( अ, अ ), आ इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ए, ऐ, ओ and औ—the scheme represented by अ, अ (shown within brackets after अ) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the vowels.

*Consonants* क ( क, क, का, का, का, कि, कि, कि etc ) ख, ग, घ, ङ, च, छ, ज, झ, ञ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, म, य, र, ( ङ ), ल, व, श, ष, स, ह—the scheme represented by क, क, क, का, का, का, कि, कि, कि etc, (shown within brackets after क) being made applicable *mutatis mutandis* to each of the consonants.

(3) Each verse-quarter is followed by the reference or references to the place or places where the verse-quarter occurs. These references are given in the serial order.

(4) The figure in black or Clarendon Type indicates the *adhyaya* in the constituted text of Harivamśa. The next figure in running type represents the number of the *śloka* in that *adhyaya*. Letters <sup>o</sup>, <sup>s</sup>, <sup>o</sup>, <sup>a</sup>, <sup>e</sup>, and <sup>r</sup> attached to the number of the *śloka* denote respectively the first, the second, the third, the fourth, the fifth, and the sixth padas of that *śloka*.

श्लोकपादसूची

[अ]कम्प्यमान इवाचल ]

[ अशौहिण्यो हि तस्यासन् ]

अ

[अ]कम्प्यमान इवाचल 39 31<sup>d</sup>  
 अकम्प्य पुरपोत्तम 90 4<sup>d</sup>  
 अकरैर्विप्रयुक्तार्या 41 6<sup>d</sup>  
 अकरोरुपुत्रकामस्तु 9 3<sup>d</sup>  
 अक्रोत्तमरे शत्रुन् 110 64<sup>d</sup>  
 अकरोदपिसत्तम 21 34<sup>d</sup>  
 अकरोद्दानवोत्तम 58 17<sup>d</sup>  
 अकरोद्यन्महाबाहु 91 1<sup>d</sup>  
 अकरोत्य मयाभव 21 32<sup>d</sup>  
 अकरोत्य यदि कृत 66 19<sup>d</sup>  
 अकर्मण्येषु वृक्षेषु 52 13<sup>d</sup>  
 अकस्मादेव चाहसत् 19 4<sup>d</sup>  
 अकस्माद्द्वेषिणी घोरा 40 26<sup>d</sup>  
 अकारणञ्च देवानां 43 36<sup>d</sup>  
 [अ]कारयन्मणिपर्वतम् 91 14<sup>d</sup>  
 अकिञ्चिदुबध्वा व विप्र 102 18<sup>d</sup>  
 अकुरत्सना च पतिते 116 10<sup>d</sup>  
 अकूपार इति श्रुति 65 42<sup>d</sup>  
 अकृताप्राणि भोदयन्ति 116 36<sup>d</sup>  
 अकृते श्राद्धकर्मेणि 9 42<sup>d</sup>  
 अकृत्वा पादयो शौच 3 106<sup>d</sup>  
 अकृत्वाथ हृत्वाथश्च 9 80<sup>d</sup>  
 अकृष्टपण्या पृथिवी 5 31<sup>d</sup>  
 अक्रियाविति सर्वथा 72 20<sup>d</sup>  
 अक्रुद्ध एव भगवान् 56 35<sup>d</sup>  
 अक्रुद् बुध मे प्रीतिम् 65 96<sup>d</sup>  
 अक्रुद् गच्छ भीष्म स्व 65 92<sup>d</sup>  
 अक्रुदयदा इति ते 29 27<sup>d</sup>  
 अक्रुदयचनं श्रुत्वा 69 27<sup>d</sup>  
 अक्रुदस्तु तदा रत्नम् 29 4<sup>d</sup>  
 अक्रुदस्तु महातेजा 65 100<sup>d</sup>  
 अक्रुदस्तुचक्रे साधेम् 29 30<sup>d</sup>  
 अक्रुदस्तु कयाभित्तु 69 31<sup>d</sup>

अक्रुदस्तु च प्रत्यक्ष 96 36<sup>d</sup>  
 अक्रुद् कुजुरान्धका 29 32<sup>d</sup>  
 अक्रुद् प्रददौ धीमान् 29 34<sup>d</sup>  
 अक्रुद् प्रदाशस इ 68 18<sup>d</sup>  
 अक्रुद् सुपुत्रे तस्मात् 24 8<sup>d</sup>  
 अक्रुदात्कानि कन्याया 25 5<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेणाकंतेजसा 71 2<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेणौप्रसेन्या तु 24 11<sup>d</sup> 28 42<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रे विष्टुषौ चापि 87 45<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेण्य महाभाग 28 38<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रे दन्तवचन तु 87 53<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेऽन्तरमन्विच्छन् 29 2<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेऽपि यथाज्ञस 67 1<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेण मरण श्रेय 78 8<sup>d</sup>  
 अक्रुद्रेण महामति 29 35<sup>d</sup>  
 अक्षकैर्वातैश्चैव 93 19<sup>d</sup>  
 अक्षयो मधुसूदन 95 7<sup>d</sup>  
 अक्षत्रियाश्च रात्रान 116 6<sup>d</sup>  
 अक्षयूते पराजित 89 31<sup>d</sup>  
 अक्षयप्रपत्ने चैव 97 10<sup>d</sup>  
 अक्षयश्चाप्ययश्चैव 113 34<sup>d</sup>  
 अक्षय चापि प्रेतेश्य 78 46<sup>d</sup>  
 अक्षय तव गात्र च 112 123<sup>d</sup>  
 अक्षय या क्षरन्त्यत्र 45 25<sup>d</sup>  
 अक्षय वदामिद्वाक्रो 10 51<sup>d</sup>  
 अक्षयगटे करीपस्य 72 8<sup>d</sup>  
 अक्षय श्रुतर्वा चाण्डू 89 17<sup>d</sup>  
 अक्षयन्वन्तमी ततो हृष्ट 89 37<sup>d</sup>  
 अक्षिणी विवृते चक्रे 67 35<sup>d</sup>  
 अक्षुद्रा सत्यवन्तश्च 109 50<sup>d</sup>  
 अक्षेप्यन्निपुणोऽपि च 89 20<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यं प्ररुर्षन्व 100 9<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यश्च शूरारणा 62 76<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्या तु सैन्यस्य 25 14<sup>d</sup>  
 अक्षौहिण्यो हि तस्यासन् 82 28<sup>d</sup>

अखिल धारविष्णुसि 45 18 <sup>६</sup>	अद्गराश्च बलवान् 80 12 <sup>६</sup>
अराच्छद्मरुवा भूत्वा 8 16 <sup>६</sup>	अद्गवद्गकलिङ्गनाम् 87 27 <sup>६</sup>
अराच्छ प्रक्षेप सन्नाय् 46 12 <sup>६</sup>	अद्गवद्गकलिङ्गैश्च 87 50 <sup>६</sup>
अराति पापकर्मणाम् 30 30 <sup>६</sup>	अद्ग सुमनस स्वाति 2 18 <sup>६</sup>
अगम खगमोऽभवत् 61 32 <sup>६</sup>	अद्ग प्रथमतो ज्ञेये 23 29 <sup>६</sup>
अगस्त्यगुप्तामाता य 87 12 <sup>६</sup>	अद्गासुनीधापत्यं वै 2 19 <sup>६</sup>
अगाधपरिखायुक्तम् 93 24 <sup>६</sup>	अद्गाना हलवर्धनम् 23 40 <sup>६</sup>
अगाध दुर्दिन महत् 61 13 <sup>६</sup>	अद्गान्यद्गान्कलिङ्गाश्च 117 29 <sup>६</sup>
अगाध योत्तमान च 55 47 <sup>६</sup>	अद्गारसेतुन्मत्स्य 23 130 <sup>६</sup>
अगाधोऽग्भसा पूर्णं 55 42 <sup>६</sup>	अद्गारस्य तु द्वायाद् 23 132 <sup>६</sup>
अगाधो भ्राज एव च 110 25 <sup>६</sup>	अद्गारा पुरह ऋतु 7 7 <sup>६</sup>
अगाधोऽसि जनार्दन 103 5 <sup>६</sup>	अद्गुष्टमात्रं पुरयम् 12 6 <sup>६</sup>
अगावह महागमानं 25 7 <sup>६</sup>	अद्गुष्टाद्गणो जात 2 51 <sup>६</sup>
अगावह सुमित्रश्च 98 16 <sup>६</sup>	अद्गुष्टाद्गणो भूमि 114 18 <sup>६</sup>
अगृभु सुपुत्रे वृष 24 20 <sup>६</sup>	अद्गाराश्च चराश्रिय 2 46 <sup>६</sup>
अगृह्णीतां वराह्याया 92 57 <sup>६</sup>	अद्गल चैव पुरत 2 11 <sup>६</sup>
अगावन्निमिवाहितम् 12 6 <sup>६</sup>	अद्गला प्राणिनां योनि 58 44 <sup>६</sup>
अग्निजिह्वो दुर्भलोमा 31 22 <sup>६</sup>	अद्गला द्वादशायताम् 93 27 <sup>६</sup>
अग्निनासिसमो भूव 2 43 <sup>६</sup>	अद्गल्ययच्च तत्वाथ 106 53 <sup>६</sup>
अग्निपुत्र कुमारस्तु 3 36 <sup>६</sup>	अद्गल्ययत्वा देवेन्द्र 97 14 <sup>६</sup>
अग्निमूर्तोऽग्निवर्चसाम् 30 35 <sup>६</sup>	अद्गल्यय कर्म तच्छ्रुत्वा 65 5 <sup>६</sup>
अग्निमास्त्योत्सिन् 36 46 <sup>६</sup>	अद्गल्यय रूपमास्त्याय 65 36 <sup>६</sup>
अग्निमाहवनीय च 30 21 <sup>६</sup>	अद्गल्यय श्रुत्पाणिनम् 85 10 <sup>६</sup>
अग्निमाहवनीयस्तु 110 17 <sup>६</sup>	अद्गिराम्मुह्यता प्राप्ती 79 22 <sup>६</sup>
अग्निष्टुदतिरात्रश्च 2 17 <sup>६</sup>	अद्गिरेणैव कालेन 79 6 <sup>६</sup> 82 21 <sup>६</sup> 86 41 <sup>६</sup>
अग्निष्टोमादथो यज्ञा 100 77 <sup>६</sup>	अद्गिष्टोद नाम तद्विष्य 13 25 <sup>६</sup>
अग्निष्वाचा इति प्याता 13 24 <sup>६</sup>	अद्गिष्टोदा नाम निप्रागा 13 25 <sup>६</sup>
अग्निस्वयंसमौ बुधि 97 9 <sup>६</sup>	अद्ग्युत भीतभीतवत् 109 36 <sup>६</sup>
अग्निहोत्रकुक्ष्येन 23 105 <sup>६</sup>	अद्ग्युतस्य तु द्वायाद् 23 81 <sup>६</sup>
अग्निहोत्राकुले काले 68 11 <sup>६</sup>	अद्ग्युतो नाम वीर्यवान् 23 81 <sup>६</sup>
अग्नि सुवणस्य गुरु 42 37 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्यतोऽभवत् 114 13 <sup>६</sup>
अग्नीनशिखिवाहितान् 13 29 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य वेदिन्या 23 70 <sup>६</sup>
अग्नीना वासुदयेन 110 23 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य द्वायाद् 15 31 <sup>६</sup>
अग्नीरोममय त्वात् 30 45 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य पत्न्यस्तु 23 74 <sup>६</sup>
अग्नीपोममय लोक 39 11 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य समेयिवात् 23 106 <sup>६</sup>
अग्नीपोमात्मके सथौ 68 11 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य नीत्या वै 23 95 <sup>६</sup>
अक्षर हवनीयस्य 110 13 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य द्विमीढश्च 23 73 <sup>६</sup>
अक्षरैर्मम यथा श्रुत्वा 13 57 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य त्रैवी 112 118 <sup>६</sup>
अक्षयभावेऽस्तु वा पुन 13 67 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य च पाथौ तौ 114 12 <sup>६</sup>
अक्षेयुज सोमसु 31 9 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य रघुतो जज्ञे 10 74 <sup>६</sup>
अक्षेय मयूरानाम् 47 44 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य सुताम् 28 8 <sup>६</sup>
अक्षेय देव च भास्वता 47 44 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य शतम् 24 33 <sup>६</sup>
अक्षेयुषो मदानासीत् 23 33 <sup>६</sup>	अद्ग्युतोऽस्य नादि 48 48 <sup>६</sup>

अज्ञानन्कादयपत्तस्मात् 8 4°  
 अज्ञांश्वोपयोक्ष्यन्ते 116 29°  
 अजितेन्द्रियमस्त्रियम् 118 17°  
 अजीजनस्युष्करिण्या 2 16°  
 अजेयश्चेति नत्वा त 108 60°  
 अजेयस्त्रिभिर्लोकै 112 108°  
 अजेय श्वाश्वतो नित्य 113 34°  
 अजेयो धलदेवोऽयम् 89 31°  
 अत्रैकपादहिर्बुध्न्य 3 42°  
 अत्रैक रसरोष्ट्र च 117 34°  
 अत्रिहिक्रण्टकन 52 22°  
 अट्थ्व पृथिवीं कृत्वा 46 26°  
 अट्ठुला जनयदा 116 12°  
 अणुधर्मैरतिनित्यम् 18 4°  
 अणुहस्तु नृपश्रेष्ठ 18 21°  
 अणुद् कस्य वै पुत्र 15 5°  
 अणुदारपार्थिवश्रेष्ठात् 15 4°  
 अणुहोऽप्यगमरपदम् 18 4°  
 अणुहो नाम तस्यासीत् 18 4°  
 अणुहो नाम पार्थिव 15 23°  
 अत ऊर्ध्वं व्युते धर्मे 117 3°  
 अतर्पयत तच्छ्रोत्र 118 2°  
 अतश्च धलयान्काल 115 26°  
 अतस्ते वर्तयिष्येऽहम् 15 65°  
 अतस्त्वं क्षमयायहम् 112 110°  
 अत परतरं वृष्या 70 38°  
 अतिश्रान्तस्य कालस्य 38 14°  
 अतिचन्द्रार्कमास्त्रै 93 34°  
 अतिधिसु कुनाज्जे 10 76°  
 अतिधिस्य हि मग्नोच 39 26°  
 अतिदान्ते घृह्णुर्मे 87 47°  
 अतिदैवैरमानुष्यै 65 25°  
 अतिदैवै कृत कर्म 62 11°  
 अतिदैवै तु कृष्णस्य 61 60°  
 अतिनामा सहिष्णुश्च 7 27°  
 अतिप्रतृद्धो मत्तश्च 67 9°  
 अतिप्रसक्तो पै वृष्टा 51 12°  
 अतिमातृपरुमेणाम् 62 87°  
 अति वायोरेष गतिम् 110 10°  
 अतिवृष्टिः कृता वृष्या 62 14°  
 अतिवृष्टेन लोकस्य 61 15°  
 अतिशस्तमाकाङ्क्षी 33 8°  
 अतिहृ-कविणीकिन 27 23°

अति सूर्यं च चन्द्रं च 31 140°  
 अतीदण्डपडाशत्रु 41 7°  
 अतीतानगतजश्च 115 22°  
 अतीतानगत वाक्यम् 118 1°  
 अतीतानगताना वै 7 46°  
 अतीता वर्तमानाश्च 7 6°, 37°  
 अतीत्य च यदून्सर्वान् 107 71°  
 अतीव त्रिषु लोकेषु 21 3°  
 अतीव त्वं हि लोकेऽसिन् 73 28°  
 अतीव देवा रक्षन्ति 78 13°  
 अतीव बलवन्त हि 90 2°  
 अतीव सुसुप्ते रूप 110 3°  
 अतीव सौम्य सोऽप्यासीत् 93 49°  
 अतीव हि पुरी रम्या 91 23°  
 अतीनामानुर्वी मेधा 79 7°  
 अत्यद्भुतमचिन्त्यं च 92 41°  
 अत्यद्भुतमिदं चासीत् 96 33°  
 अत्यद्भुतानि कर्माणि 1 3° 96 29°  
 अत्यन्त शिरसो हर्दमा 77 9°  
 अत्यर्थं भ्राम्यते वीर 99 20°  
 अत्र ते वर्तयिष्यामि 7 55° 11 16°  
 अत्र मे नारद प्राह 65 58°  
 अत्र मे भगवन्कि तु 43 31°  
 अत्र मे शङ्कते बुद्धि 65 46°  
 अत्र मे सनायस्त्रीम् 11 34°  
 अत्र वै निग्रहं कार्यं 75 21°  
 अत्र वींश्या विमग्नता 43 53°  
 अत्रिर्वसिष्ठो भगवान् 7 30°  
 अत्रिर्वशसमुत्पन्न 5 1°  
 अत्रिरेष्टानि गोत्राणि 23 12°  
 अथ कार्यनितोष स्वात् 113 10°  
 अथ वेनुमत पुत्र 23 57°  
 अथ चित्ररथस्यापि 23 36°  
 अथ तान्वाग्भिरप्राप्ति 108 34°  
 अथ ते गुरव दासा 118 29°  
 अथ तो जातहर्षो तु 58 1°  
 अथ दामोदर श्रीमान् 52 8°  
 अथ दिन्द्येन मधुर 62 10°  
 अथ दीर्घस्य कालस्य 42 23°, 27°  
 अथ दुर्गंधनो राजा 29 28°  
 अथ पर्यंतमृत तन् 103 21°  
 अथ पुत्रतदस्माणि 3 6°  
 अथ पुत्रानिमाहास 7 24°

अथ प्रविश्यधुदेवा 36 60<sup>१</sup>  
 अथ भीमरथस्थासीत् 26 23<sup>१</sup>  
 अथ भूत्वा कुमारी सा 27 10<sup>१</sup>  
 अथ मा प्रत्यभापत 100 51<sup>१</sup>  
 अथ रात्रौ चिरं ज्ञात 19 15<sup>१</sup>  
 अथ रामोऽनवीद्वान्य 110 11<sup>१</sup>  
 अथर्वणि च यन्मतम् 100 66<sup>१</sup>  
 अथर्चाङ्गिरसैरपि 20 12<sup>१</sup>  
 अथ चा कस्य पुत्रत्व 45 45<sup>१</sup>  
 अथ वा प्राणिनस्तात 83 9<sup>१</sup>  
 अथ वा रजवान्वितम् 13 86<sup>१</sup>  
 अथ विज्ञाय योगेन 29 35<sup>१</sup>  
 अथ सा दशमे मासि 27 11<sup>१</sup>  
 अथ सिंह प्रधावन्तम् 28 16<sup>१</sup>  
 अथ सिंह प्रसेनस्य 28 21<sup>१</sup>  
 अथ सौभपति श्रीमान् 73 18<sup>१</sup>  
 अथ सौमित्रिणा वाणि 44 49<sup>१</sup>  
 अथाकरो पुनर्वाचम् 102 10<sup>१</sup>  
 अथाक्षतमहावृष्ट्या 96 19<sup>१</sup>  
 अथाम्रव महारौरुम् 112 19<sup>१</sup>  
 अथाङ्गिरास्त्रिशूलेन 110 29<sup>१</sup>  
 अथात्सस्तु याणेन 110 22<sup>१</sup>  
 अथार्धभित्तपर्यन्ते 60 17<sup>१</sup>  
 अथान्तरिक्षे रा-पर्वे 91 42<sup>१</sup>  
 अथान्तरिक्षे व्यनद् 108 37<sup>१</sup>  
 अथान्यद्दुरादाय 88 21<sup>१</sup>  
 अथान्वगच्छत्रोविन्द 85 39<sup>१</sup>  
 अथापरे मद्राभागा 110 25<sup>१</sup>  
 अथाप्रवीतसमुद्रस्त 103 4<sup>१</sup>  
 अथाप्रवीतसमुद्रस्तु 103 8<sup>१</sup>  
 अथाभ्ययाचदून्कुद 81 51<sup>१</sup>  
 अथाभ्युत्थाय विमना 109 65<sup>१</sup>  
 अथामजःपुनस्त 70 31<sup>१</sup>  
 अथार्धगृहमासाव 92 2<sup>१</sup>  
 अथाहमकानामधिप 89 17<sup>१</sup>  
 अथाशुपरिपूर्णाक्षम् 95 10<sup>१</sup>  
 अथाष्टबाहु कृष्णस्तु 110 4<sup>१</sup>  
 अथास्त गच्छति तदा 68 1<sup>१</sup>  
 अथाह कृष्णमद्वृत् 70 8<sup>१</sup>  
 अथाद्गान्वाहिसो त्रिप 67 52<sup>१</sup>  
 अथैतान्मुननामवीत् 17 7<sup>१</sup>  
 अथैन सनातधीरा 19 24<sup>१</sup>  
 अथैन्द्रसतिरान्तीत 97 12<sup>१</sup>

अथोमचन्द्रश्रेण 91 56<sup>१</sup>  
 अथोवाच महातेजा 91 39<sup>१</sup>  
 अदम्भयुत्तय सचे 65 14<sup>१</sup>  
 अदशाद्वाहुवियरं 67 30<sup>१</sup>  
 अदात्तदायद्वसु 29 1<sup>१</sup>  
 अदितिर्दित्द्वंयुधैव 3 45<sup>१</sup>  
 अदितिर्देवतारणि 38 20<sup>१</sup>  
 अदितिर्देवमातेव 96 10<sup>१</sup>  
 अदितिस्तौ सुगौ प्रीत्या 92 56<sup>१</sup>  
 अदिति धर्पयामास 91 16<sup>१</sup>  
 अदिति सप्रविश्य वै 3 48<sup>१</sup>  
 अदिति सुरभि तथा 45 23<sup>१</sup>  
 अदिति सुरभिक्षोभे 45 21<sup>१</sup>  
 अदिति सुरभिस्तथा 45 36<sup>१</sup>  
 अदितेरपि पुत्राय 32 5<sup>१</sup>  
 अदितेरर्गभैपर्याये 62 35<sup>१</sup>  
 अदित्या भवन पुण्य 92 53<sup>१</sup>  
 अदित्या पुत्रजन्म तत् 32 6<sup>१</sup>  
 अदित्या उण्डले मोहान् 91 34<sup>१</sup>  
 अदुष्टास्तु खियो राजन् 118 36<sup>१</sup>  
 अदृश्यमहानरकम् 61 16<sup>१</sup>  
 अदृष्टश्चाधुतश्चैव 107 49<sup>१</sup>  
 अद्रिर्ददौ सुत वीर 24 28<sup>१</sup>  
 अद्रिश्चापि श्रमो नित्य 75 11<sup>१</sup>  
 अद्रि प्रक्षाल्यमानाभि 53 23<sup>१</sup>  
 अद्रुत चाकरोन्महव 90 9<sup>१</sup>  
 अद्रुतानि महायुते 105 2<sup>१</sup>  
 अद्य त्व जननी भीष्म 15 39<sup>१</sup>  
 अद्य त्वा नाचायिष्यामि 38 27<sup>१</sup>  
 अद्य द्रक्ष्यसि माघव 112 53<sup>१</sup>  
 अद्य नानयसि क्षिप्र 107 78<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति गोपाना 56 43<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति गोविन्द 86 40<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति तानीह 91 10<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति देवेन्द्रम् 118 17<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति नो राज्ञ 62 41<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति भूतानाम् 48 24<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति मासी द्वौ 62 46<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति याज्योऽह 60 24<sup>१</sup>  
 अद्यप्रभृति सैन्धवं 81 36<sup>१</sup>  
 अद्य बाहुतद्वज्र मे 112 56<sup>१</sup>  
 अद्य बाहुतद्वलेण 112 54<sup>१</sup>  
 अद्य मद्भागनिषिद्ध 38 16<sup>१</sup>

अथ सो निर्दृतास्तात 83 7<sup>o</sup>  
 अथ हि त्वं मया युद्धे 112 55<sup>o</sup>  
 अथापि च द्वितार्योय 31 108<sup>o</sup>  
 अथापि न निवतन्ते 3 17<sup>o</sup>, 21<sup>o</sup>  
 अथापि शुवि गात्रेय 43 48<sup>o</sup>  
 अथापि स चरत्युत 8 44<sup>o</sup>  
 अथाहमिममुखाद्य 61 27<sup>o</sup>  
 अथैव किं चिरेण स 53 3<sup>o</sup>  
 अथैव तु नगार्थेया 81 50<sup>o</sup>  
 अथैव दिवस पुष्य 84 14<sup>o</sup>  
 अथैव निश्चयप्राप्ति 53 9<sup>o</sup>  
 अद्रिकाया भविष्यति 13 39<sup>o</sup>  
 अद्रितीय प्रदरिषु 38 41<sup>o</sup>  
 अधमस्त्व मम मत 38 25<sup>o</sup>  
 अधर्मे एष युष्माकं 18 27<sup>o</sup>  
 अधर्मेनिरतस्य वै 15 56<sup>o</sup>  
 अधर्मोप्रायपुरुष 43 60<sup>o</sup>  
 अधर्मरुचयन्तात 5 19<sup>o</sup>  
 अधर्मशङ्कुना तो 9 91<sup>o</sup>  
 अधर्मे कुरु मा येन 5 9<sup>o</sup>  
 अधर्मे धीयमानस्य 23 141<sup>o</sup>  
 अधर्मे पादविग्रहे 36 43<sup>o</sup>  
 अध प्रह्लादशयने 15 4<sup>o</sup>  
 अधिकं शुकुम् तदा 8 35<sup>o</sup>  
 अधिपश्च महाबल 89 18<sup>o</sup>  
 अधिरुद्र गिरि मेरु 12 4<sup>o</sup>  
 अधिरुद्रा दगोत्तमम् 110 49<sup>o</sup>  
 अधिश्रयणवेलायां 68 5<sup>o</sup>  
 अधिष्ठानवरोत्तमम् 85 3<sup>o</sup>  
 अधीत्य युद्धं लभते च नैषिकीम् 118 49<sup>o</sup>  
 अधृष्य सर्वभूतानाम् 92 59<sup>o</sup>  
 अधृष्या सर्वभूताना 8 36<sup>o</sup>  
 अध्याप्य वेदशास्त्राणि 10 36<sup>o</sup>  
 अध्वन शतयोज्ञने 29 16<sup>o</sup>  
 अध्वयुर्ज्ञानसपथ 118 15<sup>o</sup>  
 अध्वयुर्भगवान्मृच्यु 20 23<sup>o</sup>  
 अध्वयुं सामग विप्रं 31 6<sup>o</sup>  
 अनन्तरदिममयुक्ते 32 27<sup>o</sup>  
 अनन्तस्यप्रमेयस्य 90 15<sup>o</sup>  
 अनन्त नीलधामसम् 70 11<sup>o</sup>  
 अनन्तं य विदुर्वागम् 90 3<sup>o</sup>  
 अनन्त शाश्वतो द्य 65 46<sup>o</sup>  
 अनन्तो भागिनामस्यु 38 9<sup>o</sup>

अनन्या प्रमदा लोके 87 38<sup>o</sup>  
 अनपत्या तु तस्यासीत् 99 6<sup>o</sup>  
 अनपरयोऽभवद्वाजा 23 125<sup>o</sup>  
 अनपाङ्गुल्य ता राजन् 22 23<sup>o</sup>  
 अनमातवस्य शून्यस्य 65 22<sup>o</sup>  
 अनमित्रममित्राणा 28 10<sup>o</sup>  
 अनमित्रसुतो निह 28 11<sup>o</sup>  
 अनमित्रस्तु धर्मात्मा 10 73<sup>o</sup>  
 अनमित्र महाबलम् 24 1<sup>o</sup>  
 अनमित्राच्छिनि वैशे 24 24<sup>o</sup> 98 25<sup>o</sup>  
 अनमित्रो रघुध्वज 10 73<sup>o</sup>  
 अनया धर्मवृष्ण्या 116 2<sup>o</sup>  
 अनया सह जाह्नव्या 43 41<sup>o</sup>  
 अनरण्यसुतो निह 10 72<sup>o</sup>  
 अनरण्यस्तु पुत्रोऽभूत् 10 71<sup>o</sup>  
 अनशब्देऽहमुत्सृज्य 22 42<sup>o</sup>  
 अनष्टद्रव्यता यस्य 23 154<sup>o</sup>  
 अनागतश्च सप्तैवे 7 41<sup>o</sup>  
 अनागतश्च सप्तैव 7 42<sup>o</sup>  
 अनायवत्ता रुद्रता 107 31<sup>o</sup>  
 अनाथा ह्य सत्रज्ञा 109 2<sup>o</sup>  
 अनाथा जगतो नाथ 42 36<sup>o</sup>  
 अनाथा ह्यपराध्यन्ते 115 23<sup>o</sup>  
 अनादत्त च यद्वान् 80 40<sup>o</sup>  
 अनादृष्टिश्च दुष्टिमान् 27 28<sup>o</sup>  
 अनादृष्टि महाबलम् 109 46<sup>o</sup>  
 अनादृष्टि यशस्विनम् 24 26<sup>o</sup>  
 अनादृष्टि कनक 24 18<sup>o</sup>  
 अनानीय च रुषिमणीम् 83 2<sup>o</sup>  
 अनानीय स्वसार तु 88 31<sup>o</sup>  
 अनासी च वषाहो च 29 13<sup>o</sup>  
 अनारोप्यमसमेध 71 40<sup>o</sup>  
 अनार्यस्वाह्वारास्तथा 16 15<sup>o</sup>  
 अनादृष्टिभये तस्मिन् 10 20<sup>o</sup>  
 अनादृष्टि चकार ह 65 39<sup>o</sup>  
 अनादृष्ट्या तदा राष्ट्र 29 32<sup>o</sup>  
 अनाहता दुद्रुभय 48 16<sup>o</sup>  
 अनीत्या हि नृणा गति 77 16<sup>o</sup>  
 अनिमित्तागम क्रोध 66 32<sup>o</sup>  
 अनिरुद्धमिति स्थानं 89 9<sup>o</sup>  
 अनिरुद्धनारीरगा 113 1<sup>o</sup>  
 अनिरुद्धस्य चैकस्य 109 71<sup>o</sup>  
 अनिरुद्धस्य मार्गणे 109 32<sup>o</sup>, 60<sup>o</sup>



अनिरुद्धस्य वदनं 107. 82<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धं गुणैर्दातुं 89 11<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धं योधयित्वा 108 98<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धेन सयुगे 108 48<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धे हते वीरे 109 27<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धो नदग्दृष्ट 108 26<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धो भयात्तेन 109 74<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धो रणे योद्धा 98 19<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धो वयोन्वितः 89 10<sup>a</sup>.  
 अनिरुद्धो हतो ब्रह्मन् 109 69<sup>a</sup>.  
 अनिर्णिक्तमविज्ञातं 117. 47<sup>a</sup>.  
 अनिर्दान्तस्त्रयाष्टाभि 87. 55<sup>a</sup>.  
 अनिर्दिष्टा मया भिक्षा 22 23<sup>a</sup>.  
 अनिष्ठस्य शिवा भार्या 3 35<sup>a</sup>.  
 अनिवायंममेघं च 90 10<sup>a</sup>.  
 अनिवायंमसहस्यं 112 109<sup>a</sup>.  
 अनिवायं भविव्यति 77. 45<sup>a</sup>.  
 अनिशं चाप्यविच्छिन्ना 106 46<sup>a</sup>.  
 [अ]निशिषष्टा दिवस्युत्पत् 48 28<sup>a</sup>.  
 अनीक भीमदिक्रमैः 110 55<sup>a</sup>.  
 अनीकं सुमहदाश्री 108 35<sup>a</sup>.  
 अनीकाप्राणि कर्पन्तः 84 20<sup>a</sup>.  
 अनुकन्यार्थमेव च 9 99<sup>a</sup>.  
 अनुकूलं तु ते देव 8 33<sup>a</sup>.  
 अनुकृत्वा वचन किंचित् 89 36<sup>a</sup>, 41<sup>a</sup>.  
 अनुगच्छन्ति विधेयं 113 45<sup>a</sup>.  
 अनुगच्छस्व मा भद्रे 9 6<sup>a</sup>.  
 अनुगम्यमानः कृप्यश्च 85 46<sup>a</sup>.  
 अनुग्रहाय लोकानां 12 23<sup>a</sup>.  
 अनुग्रहोऽस्ति मे सदा 112 119<sup>a</sup>.  
 अनुजन्मस्यैदुर्गणा 79 37<sup>a</sup>.  
 अनुजन्मस्य गोपाला 60 31<sup>a</sup>.  
 अनुजन्मस्युत्ततः सर्वे 118 6<sup>a</sup>.  
 अनुजन्मु पुरीमार्गे 78 41<sup>a</sup>.  
 अनुजन्मु सुरा सर्वे 42 5<sup>a</sup>.  
 अनुजज्ञे गृहं प्रति 95 1<sup>a</sup>.  
 अनुज्ञातो नरेन्द्रेण 44 44<sup>a</sup>.  
 अनुज्ञातो भगवता 12 18<sup>a</sup>.  
 अनुज्ञातौ नरेन्द्रेण 72. 25<sup>a</sup>.  
 अनुज्ञाप तवो ज्ञातीन् 94. 24<sup>a</sup>.  
 अनुत्तमं नाम तपः 20 3<sup>a</sup>.  
 अनुत्पन्नेषु नवसु 9. 3<sup>a</sup>.  
 अनुभ्यात्वा पुर यथौ 18. 3<sup>a</sup>.

अनुभ्यान्ति स्वकर्म तत् 16 18<sup>a</sup>.  
 अनुनीयमानो दुर्बुद्धिः 15 55<sup>a</sup>.  
 अनुनीयक्षराज्ञानं 28 29<sup>a</sup>.  
 अनुनेतुं तदा चेनं 5 14<sup>a</sup>.  
 अनुनेतुं न शक्यते 15 55<sup>a</sup>.  
 अनुप्रविश्य यवनः 85 48<sup>a</sup>.  
 अनुप्रविश्य योगेन 45 13<sup>a</sup>.  
 अनुप्राप्ते महीपतौ 81 7<sup>a</sup>.  
 अनुभूय सद्गोमया 107. 17<sup>a</sup>.  
 अनुमान्य तु सर्वैश्च 115 14<sup>a</sup>.  
 अनुमान्य सहामरैः 86 67<sup>a</sup>.  
 अनुमेने महाबाहुः 92 67<sup>a</sup>.  
 अनुयातश्च पौण्ड्रेण 87 27<sup>a</sup>.  
 अनुयात. सहस्रशः 34 5<sup>a</sup>.  
 अनुयातो महास्रुतिः 81. 14<sup>a</sup>.  
 अनुरागात्तत्तस्य 5 29<sup>a</sup>.  
 अनुलोमकर. सूर्यैः 41 15<sup>a</sup>.  
 अनुचक्षे पुराणज्ञाः 27 12<sup>a</sup>.  
 अनुशिष्टौ च सौ वीरौ 71. 6<sup>a</sup>.  
 अनुसृत्य दिवो लोकान् 46 8<sup>a</sup>.  
 अनुद्वादश हादश्च 3 59<sup>a</sup>.  
 अनुद्वादो हरिहरौ 31 79<sup>a</sup>.  
 अनुं च भरतर्षभ 22 29<sup>a</sup>.  
 अनुपदेशं सूताय 5 39<sup>a</sup>.  
 अनुपं सिन्धुराजस्य 84 22<sup>a</sup>.  
 अनुपौपयने कान्तैः 86 49<sup>a</sup>.  
 अनेकशास्त्रैस्त्वथ 106 49<sup>a</sup>.  
 अनेकशिरसां तात 3 85<sup>a</sup>.  
 अनेन तव धर्मेण 9 10<sup>a</sup>.  
 अनेन यद्दुस्सुखेन 105 18<sup>a</sup>.  
 अनेन शम्बर इत्वा 99 44<sup>a</sup>.  
 अनेन शिशुना यानन् 50 18<sup>a</sup>.  
 अनेन स्त्रीकल्पेण 77 10<sup>a</sup>.  
 अनेनास्तु कलुस्त्वस्य 9 44<sup>a</sup>.  
 अनोस्तु पुत्रो धर्मोऽमृत 23 113<sup>a</sup>.  
 अन्तकप्रतिमे तस्मिन् 43 58<sup>a</sup>.  
 अन्तकश्यामवदोर्गघा 6 21<sup>a</sup>.  
 अन्तरस्य सुयज्ञस्तु 26 6<sup>a</sup>.  
 अन्तरिक्षगता ये च 43 9<sup>a</sup>.  
 अन्तरिक्षास्तुभाषितम् 89 42<sup>a</sup>.  
 अन्तरूपैर्मघशैव 3 16<sup>a</sup>.  
 अन्तर्धानगता 62 7<sup>a</sup>.  
 अन्तर्धानगता देवा 75 33<sup>a</sup>.

अन्तर्धानमुपागम्य 112 98<sup>०</sup>  
 अन्तर्धान गतो विष्णु 47 9<sup>०</sup>  
 अन्तर्धान जगामाशु 60 34<sup>०</sup>  
 अन्तर्धानाद्भवजायत 2 27<sup>०</sup>  
 अन्तर्भूमिगतस्तत्र 9 53<sup>०</sup>  
 अन्तर्दानभविता शाय 17 8<sup>०</sup>  
 अन्तं भरतसत्तम 22 34<sup>०</sup>  
 अन्त-पुरागताना च 74 6<sup>०</sup>  
 अन्त पुरद्वारगतं 108 21<sup>०</sup>  
 अन्त पुर च कृष्णस्य 86 43<sup>०</sup>  
 अन्त पुरमशोभत 79 29<sup>०</sup>  
 अन्तो हि कर्मणामस्य 97 39<sup>०</sup>  
 अन्त्या मध्ये निवर्त्यन्ति 116 17<sup>०</sup>  
 अन्धकस्य वच श्रुत्वा 66 39<sup>०</sup>  
 अन्धक च महाबाहु 27 2<sup>०</sup>  
 अन्धक च शुभाक्ष च 113 63<sup>०</sup>  
 अन्धकाराशयदुहित्वा 27 16<sup>०</sup>  
 अन्धकारमिवाणंदम् 35 17<sup>०</sup>  
 अन्धकारीकृते लोके 112 28<sup>०</sup>  
 अन्धसवनविग्रमना 66 2  
 अन्धतोसलकौ हत्वा 76 8<sup>०</sup>  
 अन्धमहल महामल 76 5<sup>०</sup>  
 अन्ध्रे तदा महामले 76 9<sup>०</sup>  
 अन्नजा सुधि मत्पर्णा 40 29<sup>०</sup>  
 अन्नमूता भविष्यामि 5 51<sup>०</sup>  
 अन्धत्र ययुसूदनात् 97 35<sup>०</sup>  
 अन्धर्षवान्धरो देवि 48 38<sup>०</sup>  
 अन्धस्त्वाविक्षितो राजा 23 124<sup>०</sup>  
 अन्धस्त्वा धर्षयिष्यति 103 7<sup>०</sup>  
 अन्ध वर वृणीष्यात् 112 119<sup>०</sup>  
 अन्धशत्रु बुद्धान्वृष्णीना 95 6<sup>०</sup>  
 अन्धे च मन्ना यद्वच 74 12<sup>०</sup>  
 अन्धेऽप्येव गमिष्यति 103 6<sup>०</sup>  
 अन्धे वृषानारुह्य 60 33<sup>०</sup>  
 अन्धेर्षा सुमहानस्यै 82 6<sup>०</sup>  
 अन्धे स परिगायन्ति 55 25<sup>०</sup>  
 अन्धे ह्यगता भान्ति 33 24<sup>०</sup>  
 अन्धैश्च वृष्णिभि सार्धं 89 13<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धकिरणप्रस्तौ 51 6<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धरिहरो यूय 12 31<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धपितरो ह्यते 12 41<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धवाणवर्षं तत् 37 36<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमनुर्विनाम् 41 17<sup>०</sup>

अन्धोन्धमन्ये समरे 37 33<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमभिगन्त 81 93<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमभिजगमतु 44 45<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमभिधावताम् 82 9<sup>०</sup>, 12<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धममभ्यापन्त 109 61<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमिथुनैश्च 55 30<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धमृचुस्ते सर्वे 3 20<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धराष्ट्राभिमुत्ता 59 51<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धवेगाभिहत्वा 32 14<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धवतिपत्तामि 51 6<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धसद्वताम्बरी 58 5<sup>०</sup>  
 अन्धोन्धस्य हि ते सर्वे 109 17<sup>०</sup>  
 अन्धोन्ध जग्रतु क्रोधात् 112 17<sup>०</sup>  
 अन्धोन्ध सुमहात्मनो 110 72<sup>०</sup>  
 अन्धोऽप्येव गमिष्यति 103 4<sup>०</sup>  
 अन्धवच्छत त पूर्वं 114 7<sup>०</sup>  
 अन्धयुर्मार्गव सख्ये 90 6<sup>०</sup>  
 अन्धवर्तत भार्यं द्वे 45 23<sup>०</sup>  
 अन्धवायस्तु सुमहात् 9 34<sup>०</sup>  
 अन्धवासच सुदित 118 10<sup>०</sup>  
 अन्धास्ते य शिवा भार्यौ 118 22<sup>०</sup>  
 अन्धाद्दार्पणं कर्मणा 30 21<sup>०</sup>  
 अन्धित पुरुषोत्तमन् 108 94<sup>०</sup>  
 अन्धिता तीरवातिभि 83 40<sup>०</sup>  
 अन्धीयमानं वृष्णेन 85 61<sup>०</sup>  
 अन्धेपयन्परिश्रान्त 28 20<sup>०</sup>  
 अन्धेपितव्यप्रिग्राम 52 13<sup>०</sup>  
 अन्धेप्यमार्गा यमुषा 55 17<sup>०</sup>  
 अप पृव ससर्जादौ 1 23<sup>०</sup>  
 अपत्रान्तस्ततो रणत् 111 12<sup>०</sup>  
 अपक्रामन्त ते सर्वे 112 10<sup>०</sup>  
 अपगच्छापगच्छ त्व 112 49<sup>०</sup>  
 अपचरोण वेनस्य 2 15<sup>०</sup>  
 अपतन्वमुधातले 108 49<sup>०</sup>  
 अपतित्व खिया श्रेय 77 24<sup>०</sup>  
 अपत्य वृत्तिकानां स 3 36<sup>०</sup>  
 अपत्यानीद पोडन 3 54<sup>०</sup>  
 अपत्यार्थं ददाम्यहम् 43 44<sup>०</sup>  
 अपत्यार्थो तु कदासा 69 13<sup>०</sup>  
 अपध्यानाव यापाम्ना 96 1<sup>०</sup>  
 अपध्याना विमहाश्च 35 16<sup>०</sup>  
 अपध्वसेति बहुधा 9 91<sup>०</sup>  
 अपध्रतमनुभासा 14 2<sup>०</sup>

अपयाते तदाहरे 29 31<sup>o</sup>  
 अपयाने ततो बुद्धिं 29 14<sup>o</sup>  
 अपयानेऽभवन्मति 84 11<sup>o</sup>  
 अपयाने मतिं कृत्या 85 29<sup>o</sup>  
 अपरं केनचस्याय 31 143<sup>o</sup>  
 अपरावृत्तिवर्तिनाम् 45 10<sup>o</sup>  
 अपराश्राभवद्वय 93 64<sup>o</sup>  
 अपरे ये तु वैत्या वै 38 51<sup>o</sup>  
 अपरे विविधै शस्त्रै 81 49<sup>o</sup>  
 अपरे हा हता स्मेति 56 20<sup>o</sup>  
 अपर्णाभैरुपर्णां च 13 15<sup>o</sup>  
 अपर्षणि विनां पते 106 45<sup>o</sup>  
 अपश्यत्स्वगृह कृष्ण 94 1<sup>o</sup>  
 अपश्यन्ती च त गर्भं 48 4<sup>o</sup>  
 अपश्यन्वृष्णय सर्वे 81 1<sup>o</sup>  
 अपश्यमश्मन्मूढाभ 100 33<sup>o</sup>  
 अपश्य तत्र चैवाह 12 6<sup>o</sup>  
 अपश्य वदतां वर 103 24<sup>o</sup>  
 अपश्य शकटं मुनि 50 17<sup>o</sup>  
 अपश्य सपितामहान् 46 13<sup>o</sup>  
 अपश्य सप्त वै द्विजान् 16 3<sup>o</sup>  
 अपश्य समतिक्रम्य 103 1<sup>o</sup>  
 अपश्याम तथास्तिकात् 27 13<sup>o</sup>  
 अपात्रामत हर्षेण 107 16<sup>o</sup>  
 अपातय देवगणान् 37 43<sup>o</sup>  
 अपान पश्चिम कायम् 30 48<sup>o</sup>  
 अपापात्स्यज्यमाना वै 118 36<sup>o</sup>  
 अपापा विगतञ्जर 118 35<sup>o</sup>  
 अपापे पापहृदय 65 65<sup>o</sup>  
 अपामम सुरेसस्य 86 17<sup>o</sup>  
 अपामधस्तादुको वै 62 24<sup>o</sup>  
 अपायाद्भरवर्षभ 29 30<sup>o</sup>  
 अपातेना दुर्धर्ष 91 50<sup>o</sup>  
 अपावृते चन्द्रपये 36 40<sup>o</sup>  
 अपावृते महाहारे 36 44<sup>o</sup>  
 अपास्तधूर्विभस्माक्ष 50 13<sup>o</sup>  
 अपा च जनमेजय 20 19<sup>o</sup>  
 अपा तु वरुण राज्ये 4 3<sup>o</sup>  
 अपा पतिरभिजुह्व 113 19<sup>o</sup>  
 अपां पूर्णो यथा घनः 75 8<sup>o</sup>  
 अपि देवसमूहेषु 67 51<sup>o</sup>  
 अपि प्राप्स्याम्यई युद्ध 106 34<sup>o</sup>  
 अपि भेदेन वा सत् 15 52<sup>o</sup>

अपि मे स्मृति पुत्राय 50 14<sup>o</sup>  
 अपीदयदरिष्टस्य 64 19<sup>o</sup>  
 अपीदानी भयेऽनिष्पया 106 55<sup>o</sup>  
 अपुत्रस्य स राज्ञस्तु 25 12<sup>o</sup>  
 अपुत्रस्याय राज्ञस्तु 85 15<sup>o</sup>  
 अपुत्र पुत्रकामुत्र 85 12<sup>o</sup>  
 अपुत्र स तु धर्मात्मा 114 5<sup>o</sup>  
 अपुत्राणा विधीयते 69 14<sup>o</sup>  
 अपुत्रोऽपि च राजा स 26 15<sup>o</sup>  
 अपुनरावर्तिनीं गतिम् 13 48<sup>o</sup>  
 अपुनरानिति भूयते 85 8<sup>o</sup>  
 अपूर्वं भयमागतम् 109 13<sup>o</sup>  
 अपृच्छदर्मराजो हि 11 6<sup>o</sup>  
 अपृच्छ चैव दुर्धर्ष 12 8<sup>o</sup>  
 अपृच्छ तद्यथावृत् 104 3<sup>o</sup>  
 अपृच्छ तमह तात 11 31<sup>o</sup>  
 अपृथग्धर्मचरणा 2 33<sup>o</sup>  
 अपेय च जलार्थिनाम् 55, 43<sup>o</sup>  
 अपौरवा न तु मही 114 18<sup>o</sup>  
 [अ]प्यवन्दस्त्वान्यथाक्रमम् 113 58<sup>o</sup>  
 अपक्राश तदाक्राश 86 47<sup>o</sup>  
 अपशृण्व्य सुरासुरे 40 5<sup>o</sup>  
 अपमत्ता प्रमत्ता स 77 32<sup>o</sup>  
 अपमत्तैर्मम हितै 47 5<sup>o</sup>  
 अपममाण करिष्यन्ति 117 7<sup>o</sup>  
 अपम्रेय तथाक्षयम् 110 38<sup>o</sup>  
 अपम्रेय महाधनै 93 37<sup>o</sup>  
 अपमेया महोरसेधाम् 93 24<sup>o</sup>  
 अपमेयोऽनियोज्यश्च 97 37<sup>o</sup>  
 अपमृत्ता प्रपत्यन्ते 116 28<sup>o</sup>  
 अपास्त एव नगर 107 26<sup>o</sup>  
 अपाण्य योग ते सर्वे 14 3<sup>o</sup>  
 अप्रोक्षितोपयोगाच्च 10 17<sup>o</sup>  
 अप्सराभिश्च नादिवम् 46 11<sup>o</sup>  
 अप्सरोभिश्च माधव 91 42<sup>o</sup>  
 अप्सरोभि सम्मत्त 92 54<sup>o</sup>  
 अप्सु पारिप्लवा वृष्टीं 1 27<sup>o</sup>  
 अप्जालो वाल्यमास्याय 65 31<sup>o</sup>  
 अप्ययोमिरनुष्णमाह 36 8<sup>o</sup>  
 अप्वृष्टकालयोगात्मा 36 7<sup>o</sup>  
 अप्वृष्टतुमुल्ले च्युं 38 69<sup>o</sup>  
 अप्वमशा वायुभक्षाश्च 35 35<sup>o</sup>  
 अथवीचित्रलेखां नाम् 107 72<sup>o</sup>



अभ्यागासमरे महत् 110 37<sup>३</sup>  
 अभ्याशाभागतां ता तु 112 46<sup>३</sup>  
 अभ्यादो वतैते काल 67 61<sup>३</sup>  
 अभ्योक्ता यथाहुति 66 14<sup>३</sup>  
 अभ्यप्रतिमा युद्धे 47 12<sup>३</sup>  
 अभ्यैरपि हु सद्म् 10 36<sup>३</sup>  
 अभ्यैराहुत पुष्य 30 4<sup>३</sup>  
 अभ्यैरजितो युद्धे 77 27<sup>३</sup>  
 अभ्यर्पाऽप्रेत्यभाववित् 26 8<sup>३</sup>  
 अभ्यर्पाद्दन्वदास्य 118 20<sup>३</sup>  
 अभ्यर्पा वैरदीलश्च 65 69<sup>३</sup>  
 अभ्यानुप धेन्नि चैन 68 37<sup>३</sup>  
 अभ्यानुपाणि कर्माणि 63 4<sup>३</sup>  
 अभ्यिन्नाणा मिथकैरे 44 32<sup>३</sup>  
 अभ्यीपाममरेन्द्राणा 45 13<sup>३</sup>  
 अभ्यीपामुपयथस्थाना 55 56<sup>३</sup>  
 अभ्युक्त्वा विमद् तस्य 111 2<sup>३</sup>  
 अभ्युत्थंय पितृगणा 13 7<sup>३</sup>  
 अभ्यूर्तिमन्त्र पितर 13 49<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तयेव चास्वाद 118 2<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तारम्भनिर्मुक्त 34 40<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तार्थं पुरा चापि 65 42<sup>३</sup>  
 अभ्युत्ते निर्मिते पूर्वं 65 41<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरीपस्तु नाभाणि 10 68<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरीपोऽभवपुत्र 9 21<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तारा सलिलेश्वर 100 44<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे फलार्थिन 12 21<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरीयाश्च देवता 31 57<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे तस्य ता पूर्वं 1 24<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे द्वे चचार ह 41 15<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स्थितो युद्ध 112 90<sup>३</sup>  
 अभ्युत्ताराय चसुधा 68 31<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरेऽप्यस्यपतिम् 2 9<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे चौर स वै सखि 107 72<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे तु सन्नयो मम 9 62<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे तु सागो बलत 75 27<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे ते देवि सप्रस 99 43<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे त्रैलोक्यनाथस्य 107 75<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे त्वा गरुडस्तत्र 91 36<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे देवसमूहस्य 107 26<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे धनौघ सुमहान् 96 3<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे धृती मया शैल 61 28<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे बालो महान्ध 75 17<sup>३</sup>

अभ्युत्तरे भविष्ये दृष्टो वै 68 28<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे ममालुजो धाता 44 43<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे विज्ञायता कस्य 108 90<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे वै कुलपासन 108 88<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स कालो दैत्यानां 38 14<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स किल युद्धेषु 38 13<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स नापो देवानाम् 38 10<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स निधने हेतु 38 12<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स निर्गुणो युद्धे 38 8<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स पुण्डरीकाक्ष 68 19<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स रिपुरस्माक 38 5<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स विमहोऽस्माकम् 38 7<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे स विष्णुर्देवानां 38 9<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे दि पुल्लोत्कर्ष 108 93<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे शङ्खस्यैव च 31 70<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे शिरा अश्वशिरा 31 70<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे चेता ततस्तानि 71 7<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयाजयन्नराज 23 51<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयाजयन्नाजयिष्यन्ति 116 34<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयादवो यदि भवान् 66 4<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्तो गार्हित सद्भि 66 3<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्ताग्निनु दायदा 10 68<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्ताग्निस्तदस्मान्जित् 27 5<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्ताग्निस्तुतस्वासीद् 10 69<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्तान्प्रेष भोक्ष्यथ 60 25<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुक्तेर्विद्युत सितम् 94 2<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुद्धैर्गैव दायार्ह 85 3<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुष्यत जनार्दन 110 53<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुष्यत महावीर्य 108 39<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुष्यतो वृषा ह्येषो 106 10<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयुष्यस्तेऽपि चाप्राय 110 25<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोमो वेदाधरणम् 35 41<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोधस्य तु दायदा 9 44<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोध्याधिपतिभूत्वा 31 138<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोध्यायामयोध्याया 44 25<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोध्या चैव राष्ट्र च 10 4<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोनाजसृजत तु 20 38<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोनिजा योनिनाश्च 43 70<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोनिजाश्चपि तद् 43 10<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अयोमुख्य शम्बरश्च 3 66<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अरक्षितसो हर्षार 116 5<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अरक्ष्यमाणामावयु 2 34<sup>३</sup>  
 अभ्युत्तरे अरणीमित्र सरथा 5 20<sup>३</sup>

अरण्यमिदमल्पोदम् 52 13<sup>o</sup>  
 अरण्यश्च प्रकाशाश्च 7 25<sup>o</sup>  
 अरण्यं रूढशाङ्गलम् 55 51<sup>d</sup>  
 अरण्यानि च घत्स्यन्ति 117 30<sup>o</sup>  
 अरविन्दकृतापीडो 52 5<sup>o</sup>  
 अरविन्दाम्भनयन 64 23<sup>o</sup>  
 अराज्या ते प्रजा मूढ 22 28<sup>o</sup>  
 अराक्षीणि च यश्चक्रे 30 29<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषस्तयोपेक्ष 24 9<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषमसुरानीके 34 35<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषे मिरश्च 24 13<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषेनेस्तु सुता 28 44<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषेने पत्नीनाम् 3 54<sup>o</sup>  
 अरिद्वेष मद्वायिद 62 69<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषे चैव जानामि 45 5<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषं घृणभ वेति 31 144<sup>o</sup>  
 अरिद्वेषं प्रलदश्यत 64 1<sup>d</sup>  
 अरिष्टा तु महासत्त्वान् 3 93<sup>o</sup>  
 अरिष्टा सुरसा तथा 3 45<sup>b</sup>  
 अरिष्टो दाक्षणावृत्ति 64 7<sup>b</sup>  
 अरिष्टो नाम हि गवा 64 7<sup>o</sup>  
 अरिष्टो बलिपुत्रश्च 37 7<sup>o</sup>  
 अरिष्टो बलिपुत्रस्तु 33 20<sup>o</sup> 44 69<sup>o</sup>  
 अरिष्टो विनिपातित 69 20<sup>d</sup>  
 अरिष्टो घृणभश्चैव 46 25<sup>o</sup>  
 अरुणावरज श्रीमान् 34 46<sup>o</sup>  
 अरुणो गरुडस्तथा 3 84<sup>d</sup>  
 [अ]रुणधवीप्रमुखा स्त्रिय 73 32<sup>b</sup>  
 अरुण्यतो वसुतोमी 3 25<sup>o</sup>  
 अरुण्यत्या स्यजायत 3 29<sup>b</sup>  
 अरुण्यता तत्र विभो 69 12<sup>o</sup>  
 अरुण्यवर्तिन रूपाणि 32 17<sup>o</sup>  
 अरुण्यवीरपुरुषा 44 57<sup>o</sup>  
 अरुण्यता प्राणिनश्चासन् 31 134<sup>o</sup>  
 अरुण्येश्वरप्रकाशिते 37 11<sup>d</sup>  
 अरुण्यवाद्यासन द्रव्य 115 8<sup>o</sup>  
 अरुण्यं दिसमुदाचारं 91 31<sup>o</sup>  
 अरुण्यं घृतशुक्रा सर्वे 39 24<sup>o</sup>  
 अरुण्यं गिरिं देव 59 57<sup>o</sup>  
 अरुण्यं विद्या विभावसुम् 8 30<sup>b</sup>  
 अरुण्यं सर्वकन्याभि 106 49<sup>o</sup>  
 अरुण्यं ते दस्युभिर्घोरै 65 52<sup>o</sup>  
 अरुण्यं मर्चितमन्यप्रम् 94 23<sup>o</sup>

अरुण्यस्य च मित्यस्य 62 79<sup>d</sup>  
 अरुण्यं विदि मा कृष्ण 62 81<sup>o</sup>  
 अरुण्यनाभ्यां चक्रपे ह 51 17<sup>d</sup>  
 अरुण्यनाभ्यां चरन्वने 51 16<sup>b</sup>  
 अरुण्यनाभ्योपपादितम् 105 17<sup>d</sup>  
 अरुण्यार्थं च तान्तवन् 62 97<sup>o</sup>  
 अरुण्यो नाम कोरुष्यः 23 152<sup>o</sup>  
 अरुण्यवावासिनश्चैव 38 6<sup>o</sup>  
 अरुण्यवत्प्रविशारदा 107 47<sup>d</sup>  
 अरुण्यव्यविवारदा 109 51<sup>d</sup>  
 अरुण्यवत्परो धर्म 117 47<sup>o</sup>  
 अरुण्यन्तरानि चाड्याणि 29 26<sup>o</sup>  
 अरुण्यन्तेनतेयस्या 112 5<sup>o</sup>  
 अरुण्यन्तेनतेयस्या 44 57<sup>o</sup>  
 अरुण्यन्तेनतेयस्या 110 30<sup>o</sup>  
 अरुण्यो जनमायतम् 93 54<sup>d</sup>  
 अरुण्यो किरिप्यामि 47 35<sup>o</sup>  
 अरुण्यं वक्राना दितस्य 10 42<sup>o</sup>  
 अरुण्यं नारी तस्या स 1 37<sup>o</sup>  
 अरुण्यं पुरुषोऽभवत् 1 37<sup>b</sup>  
 अरुण्यं चैव धाता च 3 50<sup>o</sup>  
 अरुण्यं ते दैत्यसत्तम 108 92<sup>d</sup>  
 अरुण्यं कायामदीनात्मा 91 14<sup>o</sup>  
 अरुण्यं विरूपाक्ष 91 51<sup>o</sup>  
 अरुण्यं विनालाया 21 6<sup>o</sup>  
 अरुण्यं तु सा प्राण 5 46<sup>o</sup>  
 अरुण्यं तु दयाद 23 69<sup>o</sup>  
 अरुण्यं काशिराजस्तु 23 66<sup>o</sup>  
 अरुण्यं राजपुत्रश्च 23 63<sup>o</sup>  
 अरुण्यं गात्रस्यै 62 65<sup>o</sup>  
 अरुण्यं तैर्विराचन्ति 74 3<sup>o</sup>  
 अरुण्यं खेदेन माधव 82 20<sup>d</sup>  
 अरुण्यं समन्ताद्दे 93 7<sup>o</sup>  
 अरुण्यं द्रव्यं दैव्य 38 24<sup>o</sup>  
 अरुण्यं दूरप्रवासेन 77 34<sup>o</sup>  
 अरुण्यं सरक्षणे तेपा 23 98<sup>o</sup>  
 अरुण्यं तत्तत्कवचं 112 103<sup>o</sup>  
 अरुण्यं पुत्राग्रमादाय 6 29<sup>o</sup>  
 अरुण्यं मादमैशीलिन 117 41<sup>o</sup>  
 अरुण्यं निराश्रयम् 52 13<sup>o</sup>  
 अरुण्यं वादभिधुतास्तु 82 29<sup>o</sup>  
 अरुण्यं वीर्यपराधम् 85 62<sup>d</sup>  
 अरुण्यं वीर्यमदाश्वेच 62 47<sup>o</sup>

अल्पा गम्या परस्य न 84 6<sup>b</sup>  
 अल्पाना बहुभि सार्धं 81 52<sup>a</sup>  
 अरपोत्साहैरल्पयै 85 62<sup>a</sup>  
 अशकाना विभज्यन्ते 67 62<sup>a</sup>  
 अवकाशो स्वया दत्ते 86 37<sup>a</sup>  
 अवकीर्षं च लाजस्ता 96 19<sup>a</sup>  
 अवयच्छात्मनास्मान 58 36<sup>a</sup>  
 अवगीतमिद सर्वम् 52 0<sup>a</sup>  
 अवघुष्टे समाजे तु 75 9<sup>a</sup>  
 अवतारयामास मर्दा 23 39<sup>a</sup>  
 अवतार्ये महीतलम् 45 38<sup>a</sup>  
 अवतीर्णेषु मेदिनीम् 44 6<sup>b</sup>  
 अवतीर्णो भयायेह 68 27<sup>a</sup>  
 अवतीर्णो महीतलम् 43 76<sup>b</sup>  
 अवतीर्णोऽर्णयाकार 74 39<sup>a</sup>  
 अवतीर्यै गृहद्वारि 94 17<sup>a</sup>  
 अवतीर्यै स तादृशानु 92 50<sup>a</sup>  
 अवदन्वादा कृष्ण 113 49<sup>a</sup>  
 अवध्यममरेन्द्राणा 31 63<sup>a</sup>  
 अवध्यममरै सदा 3 104<sup>b</sup>  
 अवध्यश्च भविव्यसि 92 59<sup>b</sup>  
 अवध्यश्चापि न शत्रु 85 25<sup>a</sup>  
 अवध्य सर्वभूताना 91 37<sup>a</sup>  
 अवध्य सर्वैस्त्वाना 67 21<sup>a</sup>  
 अवध्या देवताना हि 3 74<sup>a</sup>  
 अवध्याश्च खिप प्राहु 5 52<sup>a</sup>  
 अवध्या स्वाम भगवन् 47 16<sup>a</sup>  
 अवधयो यो मया सरये 85 60<sup>a</sup>  
 अवध्योऽसौ कृतोऽस्माक 84 10<sup>a</sup>  
 अवनामितपाद्वाम् 55 29<sup>a</sup>  
 अवन्तिपुरवासिनम् 79 3<sup>a</sup>  
 अवन्दत महातेजा 39 19<sup>a</sup>  
 अवमत्याङ्गिर सुतान् 20 29<sup>a</sup>  
 अवमन्यत दुर्मति 96 27<sup>a</sup>  
 अवमृच्छ दुराधर्षो 96 62<sup>a</sup>  
 अवसर प्राययसे 17 3<sup>a</sup>  
 अवस्था ततो यानात् 68 15<sup>a</sup>  
 अवलेपाच्च पार्थिव 5 14<sup>b</sup>  
 अवश्य तु मया वाच्य 105 6<sup>a</sup>  
 अवश्य जिदशास्त्रेन 31 52<sup>a</sup>  
 अवश्य रिद्ध कतप्य 86 27<sup>a</sup>  
 अवश्यभाविन ज्ञात्वा 13 35<sup>a</sup>  
 अवसक्तैश्च मुद्गरै 33 12<sup>b</sup>

अवस्थाप्य च तत्सैन्य 88 7<sup>a</sup>  
 अवस्था कृपणा प्राप्त 112 116<sup>a</sup>  
 अवदन्वाजिनो रणे 25 11<sup>a</sup>  
 अवातारयत प्रभु 10 66<sup>a</sup>  
 अवाप श्रियमुत्तमाम् 26 10<sup>a</sup>  
 अवाप्य तपसो वीर्यं 97 21<sup>a</sup>  
 अविज्ञातगतिश्चैव 3 35<sup>a</sup>  
 अविज्ञाता तु सा तदा 108 11<sup>a</sup>  
 अविज्ञानान्मया कृष्ण 56 33<sup>a</sup>  
 अविद्यमाने मासे तु 10 13<sup>a</sup>  
 अविद्यो दुर्बल श्रीमान् 89 31<sup>a</sup>  
 अविहृद्देश पक्षिभि 65 54<sup>a</sup>  
 अविश्वासमनायुज्य 73 23<sup>a</sup>  
 अविश्वास्य कृत कर्म 65 81<sup>a</sup>  
 अविपह्य ततो मत्वा 58 17<sup>a</sup>  
 अवीजयेता त देव 70 23<sup>a</sup>  
 अवुद्गार्हेण दृष्टेन 76 21<sup>a</sup>  
 अवैक्षत तमप्रत 85 51<sup>b</sup>  
 अवैक्षत्सर्वतोदिशम् 29 12<sup>a</sup>  
 अवैष्णवस्य यज्ञस्य 39 27<sup>a</sup>  
 अव्यक्तयौवन कृष्णम् 68 18<sup>a</sup>  
 अव्यक्त कारण यत्तत् 1 17<sup>a</sup>  
 अव्यक्त प्रकृतिर्भुव 31 50<sup>a</sup>  
 अव्यक्त शाश्वतो देव 7 54<sup>a</sup>  
 अव्यक्ता व्यक्तलक्षणाम् 113 28<sup>a</sup>  
 अव्यक्तो व्यक्तलिङ्गस्य 32 3<sup>a</sup>  
 अव्यवच्छिन्नचाराधि 54 32<sup>a</sup>  
 अव्युच्छिन्नोऽभवद्वाप्रे 31 139<sup>a</sup>  
 अशक्तानामिव रणे 112 101<sup>a</sup>  
 अशक्तानिव मयन्ते 109 27<sup>a</sup>  
 अशनीनामिव स्वप्न 110 71<sup>a</sup>  
 अशपोऽसद्वैर्वावैर्य 43 29<sup>a</sup>  
 अशरीरा ततो वाणी 111 6<sup>a</sup>  
 अशस्त्र निर्मित पुरा 75 10<sup>a</sup>  
 अशस्त्र बाहुतेजसा 75 33<sup>b</sup>  
 अशाम्य वैरमुत्पन्न 65 82<sup>a</sup>  
 अशाम्य क्विल कथ्यते 38 7<sup>b</sup>  
 अशास्त्रविदिता प्रजा 116 30<sup>a</sup>  
 अक्षिप परमाह्ना 109 9<sup>a</sup>  
 अक्षिप्याममरो यथा 70 12<sup>a</sup>  
 अशीलित्थर्मणा युक्त 27 20<sup>a</sup>  
 अशोभयत्तन धनेन भूरिणा 85 67  
 अशौचे वर्तमानेन 15 51<sup>a</sup>

अष्टावन्ति त्रिधा हुतम् 38 11<sup>२</sup>  
 अश्मकुट्टा दरातपा 35 35<sup>२</sup>  
 अश्मवलयभतापत्यम् 24 26<sup>२</sup>  
 अश्मवया जनयामास 24 14<sup>२</sup>  
 अश्मभिश्चाष्टमरुते 37 10<sup>२</sup>  
 अश्मभिक्षायसघने 36 20<sup>२</sup>  
 अश्मभि क्षेपणीयैश्च 58 10<sup>२</sup>  
 अश्मवघ्राणि सुगन्ता 81 34<sup>२</sup>  
 अश्मवघ्रायुधापेता 31 78<sup>२</sup>  
 अश्मसारमय नून 56 22<sup>२</sup>  
 अश्रुतश्च सुतो जज्ञे 98 13<sup>२</sup>  
 अश्रुत श्रुतसेनायै 98 13<sup>२</sup>  
 अश्रौष घालकस्य वै 102 10<sup>२</sup>  
 अश्लक्ष्या वृष्ण्या पुत्र 66 5<sup>२</sup>  
 अश्लक्ष्यो मे मत पुत्र 66 3<sup>२</sup>  
 अश्वग्रीवोऽश्वयाहुश्च 24 12<sup>२</sup>  
 अश्वत्थामा महायुति 7 43<sup>२</sup>  
 अश्वमेघ कटियुगे 115 40<sup>२</sup>  
 अश्वमेघ ऋतु अष्ट 115 28<sup>२</sup>  
 अश्वमेघन यक्षयन्ति 116 33<sup>२</sup>  
 अश्वमेघन राजान 22 10<sup>२</sup>  
 अश्वसेनोऽश्वयाहुश्च 28 43<sup>२</sup>  
 अश्व विचारयामास 10 46<sup>२</sup>  
 अश्वानुष्टागर्दभाश्च 3 83<sup>२</sup>  
 अश्विनाद्भवन्पितो 44 2<sup>२</sup>  
 अश्विनोश्च परतप 92 48<sup>२</sup>  
 अश्विनो च महायज्ञो 34 2<sup>२</sup> 113 46<sup>२</sup>  
 अश्विनो च महोत्सो 107 52<sup>२</sup>  
 अश्विनो भिपना वरौ 8 38<sup>२</sup>  
 अश्विनो मरुतस्तथा 113 17<sup>२</sup>  
 अश्विन्या वा सुराभ्याभ्या 43 5<sup>२</sup>  
 अश्विन्या साधु ानामि 62 93<sup>२</sup>  
 अश्वामृशकृतो रादो 85 23<sup>२</sup>  
 अष्टकस्य सुतो रौहि 23 94<sup>२</sup>  
 अष्टबाहु सख्येण 112 66<sup>२</sup>  
 अष्टभि प्रत्यविष्यत्त 87 54<sup>२</sup>  
 अष्टमस्य तु मासस्य 47 36<sup>२</sup>  
 अष्टमस्य प्रज्ञापते 8 39<sup>२</sup>  
 अष्टमागमहाकव्यां 93 26<sup>२</sup>  
 अष्टमे च मया गर्भे 47 10<sup>२</sup>  
 अष्टमे मयि गर्भस्थे 47 32<sup>२</sup>  
 अष्टमे मासि ते द्विधौ 48 11<sup>२</sup>  
 अष्टम्या निदतो युद्ध 99 27<sup>२</sup>

अष्टयोजनविस्तारणाम् 93 27<sup>२</sup>  
 अष्टादशाना यर्षाणा 14 12<sup>२</sup>  
 अष्टापदेन चत्वारान् 89 40<sup>२</sup>  
 अष्टारयो नाम 7५ 23 65<sup>२</sup>  
 अष्टाविंशो भविष्या एव 13 30<sup>२</sup>  
 अष्टौ ताज्ञाद्द्विगीगर्भान् 43 44<sup>२</sup>  
 अष्टौ भार्या प्रकीर्तिताः 98 1<sup>२</sup>  
 अष्टौ महिष्य पुत्रिण्य 98 2<sup>२</sup>  
 अष्टौ रथसद्व्याणि 93 26<sup>२</sup>  
 अष्टौ दासद्व्याणि 91 52<sup>२</sup> 92 12<sup>२</sup>  
 अस्तुः प्रीयमानस्तु 89 29<sup>२</sup>  
 अस्तुद्वयसहित 107 26<sup>२</sup>  
 अस्तुद्वयद्वयेन 90 7<sup>२</sup>  
 अस्तुद्वयद्वयद्वयेन 68 6<sup>२</sup>  
 अस्तुद्वयद्वयद्वयेन 106 6<sup>२</sup>  
 अस्तु च रथो याति 103 19<sup>२</sup>  
 अस्तुना विचचार ह 3 38<sup>२</sup>  
 अस्तुनागतिभि षचि 81 15<sup>२</sup>  
 अस्तुं काञ्चन दिव्य 22 5<sup>२</sup>  
 अस्तुं सुवृषानस्य 98 27<sup>२</sup>  
 अस्तुञ्जन्त्यायुना क्षिप्त 76 26<sup>२</sup>  
 अस्तुर्ता वपुष्टमामेता 118 20<sup>२</sup>  
 अस्तुत्वाद् नदामस्थे 83 43<sup>२</sup>  
 अस्तुदेतस्त्वया दूत 44 39<sup>२</sup>  
 अस्तुद्विरिव मे मतम् 35 45<sup>२</sup>  
 अस्तुना सप्तपर्णाश्च 59 53<sup>२</sup>  
 अस्तुमौजान्तया धीर 28 7<sup>२</sup>  
 अस्तुदन्ती तु स्वां छायां 8 8<sup>२</sup>  
 अस्तुदन्ती स्म तत्सज्ञा 8 31<sup>२</sup>  
 अस्तुकरुपे प्रतस्त्रिया 35 41<sup>२</sup>  
 अस्तुष्येयानि दियानि 105 2<sup>२</sup>  
 अस्तुप्रामेण यो धीर 24 30<sup>२</sup>  
 अस्तुप्रामे हत कस 76 40<sup>२</sup>  
 अस्तुज्ञोऽयमश्वरते 116 14<sup>२</sup>  
 अस्तुप्रदायाद्योऽस्माभि 108 16<sup>२</sup>  
 अस्तुप्रतः प्रीद्विसे 103 30<sup>२</sup>  
 अस्तुदाय पुत्र महर् 8 25<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तमैवावहृत्परतो 3 5<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तमैवावहृत्परतो 3 9<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तमैवावहृत्परतो 3 6<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तमैवावहृत्परतो 110 5<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तस्य चागदुर्ध्वे 18 22<sup>२</sup>  
 अस्तुत्तस्यैकपर्णा तु 13 20<sup>२</sup>



असितान्धरसवीत 70 18°

असिभिर्मुलै शूलै 103 67°

असिभि शक्तिभिः शूलै 108 22°

असिलोमा पुलोमा च 31 76° 109 40°

अस्तीना पाल्यमानाना 87 76°

असुराणा च सर्वेश 112 111°

असुराणा विनाशाय 36 2°

असुरानथ राक्षसात् 3 3°

असुरै धृत्यते चापि 6 25°

असृजत्स पुन प्रजा 42 32°

असृजत्क्षविता ष्वोत्रि 59 50°

अस्तेन्य दुरतिक्रमम् 57 11°

अस्त याते दिनकरे 82 24°

अस्ति प्राप्तिश्च नाद्वाद्या 80 3°

अस्तुवत्प्लरोगणा 107 6°

अस्त्रमखविदा चर 112 19°, 87°

अस्त्रमखविदा श्रेष्ठ 110 43°

अस्त्र प्रह्वानिरस्तेन 112 41°

अस्त्र प्रह्वानिरो नाम 112 37°

अस्त्र यत्कथतेजसा 112 23°

अस्त्राणा वारणार्थाय 112 25°

अस्त्राणि न प्रयोज्यानि 15 51°

अस्त्रे विमुक्त बाणेन 112 71°

अस्त्रैरन्ये विलिभिन्ना 37 34°

अस्त्रैरस्त्राणि सवार्यै 88 22°

अस्त्रैश्चतुर्भिश्चत्वारि 112 26°

अस्त्रो मजा समभवत् 30 40°

अस्त्रदधे सुचिहितं 86 14°

अस्त्राक्रमपि महौ द्वौ 65 87°

अस्त्राकमिन्द्र प्रहाद 21 21°

अस्त्राक गौ परा वृत्ति 59 21°

अस्त्राक चापि यत्कार्यै 109 52°

अस्त्राक शानसयोग 17 10°

अस्त्राक तु दन वृत्ति 35 34°

अस्त्राक पापिय पदम् 106 31°

अस्त्राक बान्धवा सर्वे 83 17°

अस्त्राक बान्धवो जात 63 8°

अस्त्रादि मे भय कसात् 49 6°

अस्त्रानाप्यायिष्यन्ति 11 39°

अस्त्रानिच्छन्ति चापितुम् 85 28°

अस्त्राभिर्विपकृष्यताम् 38 10°

अस्त्राभिश्चापि दवता 109 53°

अस्त्राभि सप्ततन्त्रिषु 50 18°

अस्त्रिन्धारे महापृथे 110 49°

अस्त्रिण समरे सर्वे 38 66°

अस्त्रिणैव शृधे विष्यो 38 63°

अस्त्रिणमहति सत्रन्दे 38 67°

अस्त्रिण्यपि सुख्यक्त 99 37°

अस्त्रिणस कारियो नाम 55 48°

अस्त्रिणस्थाने िविनोऽय 51 33°

अस्त्रिणस्तु समये राज्ञ् 21 22°

अस्य कुर्मो महाराज 77 49°

अस्य हृत्वा नरेन्द्रस्य 78 26°

अस्य क्रोध समाताय 38 10°

अस्य गन्नेऽवलेपस्य 23 78°

अस्य चक्र प्रवृष्टानि 38 12°

अस्य प्लायी समाधिस्य 38 11°

अस्य रजक्रोधदग्धस्य 78 25°

अस्य देवान्धकारस्य 39 17°

अस्य पार न परयन्ति 39 16°

अस्य प्रभस्य महत 100 31°

अस्य प्राप्त कृतेन वै 17 9°

अस्य बुद्धिविशेषेण 65 46°

अस्या गर्भोऽष्टम क्त 46 15°

अस्त्राभि पश्चिम दृष्ट्वा 78 25°

अस्त्रापलस्य ते विप्र 35 54°

अस्त्रासुष्पस्थाने विद्वात् 2 42°

अस्त्राश्च देव गङ्गाया 43 35°

अस्त्रास्तनुत्तमोद्गारा 40 27°

अस्त्रा द्वि पीठने दोष 41 25°

अस्त्रेत्येव मतिर्दुने 10 12°

अस्त्रेद् प्राप्तने सर्वे 68 30°

अहत्वा सुधि गोविन्दम् 88 2°

अहमादौ पुरातेन 42 14°

अहमीज्यश्च यष्टा च 5 7°

अहमेव च पाठक 10+ 13°

अहं कदाचिद्गङ्गाया 100 32°

अह कसस्य चासासि 71 9°

अहकारस्तु महत 1 19°

अहकार च सत्यञ्च 113 29°

अह किलेन्द्रो देवानां 62 43°

अहं क्रोधश्च कामश्च 31 45°

अह गता नदीमार्थ 50 17°

अह च कारो भूतानां 10+ 14°

अह च दरदशैव 81 47°

अह च परममीत 103 28°

अहं तमो घनीभूतम् 104 13°  
 अहं तव विधेयाम्ना 43 29°  
 अहं तु तव पुत्रस्य 35 66°  
 अहं ते जननी पुत्र 77 55°  
 अहं ते पर्यता सप्त 104 13°  
 अहं स्वनेन गोविन्द 67 55°  
 अहं स्वभिजितो योगो 47 35°  
 अहं ररस्याद्य चसति 69 36°  
 अहं स्वं दृश्य पदयामि 38 26°  
 अहं निमित्तमिति चेत् 115 36°  
 अहं महापुरोगमाम् 46 8°  
 अहं मृतपतिः कृष्ण 62 35°  
 अहं यन्पि सामानि 104 19°  
 अहं यतोदां यास्यामि 47 31°  
 अहं य स भवानेव 58 46°  
 अहं यास्यामि भद्रं ते 8 10°  
 अहं युद्धोत्सुकतात् 67 54°  
 अहं व प्रपमो देव 60 25°  
 अहं वार्यो भविष्यामि 49 5°  
 अहं वा स्वजनं श्लाघ्य 65 66°  
 अहं वै हुमिलो नाम 73 24°  
 अहं वै ररतभाग्युयि 15 10°  
 अहं स पृथ गोमये 78 35°  
 अहं स भरतप्रेष्ठ 104 9°  
 अहं स्रग्मयिता जन्म 104 12°  
 अहं हि सद्गान्धने 65 47°  
 अहिच्छत्र सकामिपत्य 15 63°  
 अहितं स्वस्य वरास्य 66 34°  
 अहिंघ्नं सयंमृतेषु 20 2°  
 अहीनगोस्तु दायाद् 10 77°  
 अहृष्यत मुदा युव 48 26°  
 अहो कालो महावीर्यं 77 12°  
 अहो क्षिप्रमददयेन 77 25°  
 अहो जनादेनस्यास्य 99 40°  
 अहो हात वृत्तं कर्म 67 47°  
 अहो लालफले पके 57 7°  
 अहो ह्युष्ट्रमावाति 99 12°  
 अहो धार्ष्ट्यं च दुर्मने 103 17°  
 अहो धिक्किमिदं लोके 109 2°  
 अहो धिगिति देवाना 112 69°  
 अहो न शोभन रात्र् 106 38°  
 अहो नास्ति भयं नून 109 5°  
 अहो निष्कहणा यात्रा 77 23°

अहो नीचेन तपुषा 65 35°  
 अहो गृपरयोद्ग्रा 81 5°  
 अहो यत न शोभेतां 51 30°  
 अहो यत विपश्चा 58 77 17°  
 अहो मयातिपाल्येन 78 4°  
 अहो मे सुमिष कृष्ण 62 16°  
 अहोर्ष्यं मातुषो भार 58 35°  
 अहोरात्रैक्षणो दिव्य 31 23°  
 अहोरात्रैक्षतु पथ्या 79 5°  
 अहो वा व्रीकितं रयत् 71 11°  
 अहो वीर वयं दोषे 77 33°  
 अहो वीराल्वभाग्यया 77 56°  
 अहो धीर्यमहो धीर्यम् 108 17°  
 अहो वै महदाक्षर्यं 113 59°  
 अहो धृतमहो व्रतम् 2 13°  
 अहोऽप्य तपसो धीर्यं 2 13°  
 अहं स एव नातुपुत्रसे 44 17°  
 अज्ञानतरण मया 43 69°  
 अज्ञानतरण विष्णो 44 13°  
 अज्ञानतरणं सर्वं 43 62°  
 अज्ञानतरणे वृत्त 44 1°  
 अंशुमन्त्र तथा कथं 87 6°  
 अंशुमाशान धीर्यवान् 10 64°  
 अंशोऽस्ति युज्योर्जाता 9 8°  
 अशोस्त्वर्गो महात्मनि 45 14°  
 अशो भगव्यतिजेना 3 51°  
 आ  
 आ कचग्रहणादेवि 8 12°  
 आकल्पितसरो रौद्र 67 9°  
 आकाशप्रभवो वायु 30 38°  
 आकाशमरुतोरथसु 1 27°  
 आकाशमवि बाणौषे 81 36°  
 आकाशस्त्वोपरि रवि 62 23°  
 आकाशं छादयामासु 61 8°  
 आकाशं दुरीयामास 103 22°  
 आकाशात्पुं पत्रपं च 48 16°  
 आकाशादप्यसचार्यं 55 44°  
 आकाशादिव गोविन्द 76 28°  
 आकाशे तु स्थितो दिव्यु 32 31°  
 आकाशे वृश्चिने वदा 103 23°  
 आकाशे शब्दासकारो 62 51°  
 आकाशं चैन तरता 112 86°  
 आकाशं लाल्याग्रेण 110 51°

आफ्रीडं पद्मगेन्द्रस्य 56 18<sup>०</sup>.  
 आफ्रीडे चासकस्य ह 92 63<sup>१</sup>.  
 आणुदुर्दुरवक्राश्र 31. 82<sup>०</sup>.  
 आख्यास्यामि मतं तुभ्यं 8 12<sup>०</sup>.  
 आगच्छत द्रुतं देवा. 3. 48<sup>०</sup>.  
 आगतं शक्ररचनात् 90 24<sup>०</sup>  
 आगता च विपर्यन्तम् 50 17<sup>०</sup>.  
 आगतो नारमञ्च तम् 90 9<sup>०</sup>  
 आगतो भरणे कृते 10 10<sup>१</sup>  
 आगावहः पृथु. कद्गः 81. 99<sup>०</sup>.  
 आग्नीध्रश्चाग्निबाहुश्च 7. 9<sup>०</sup>.  
 आग्नेयमखं एभ्यश्च 10 26<sup>०</sup>.  
 आग्नेयं चैव सौम्यं च 113 33<sup>०</sup>  
 आग्नेयं तं महाभागम् 10 36<sup>०</sup>.  
 आग्नेयं प्रक्षमं यातम् 112 23<sup>०</sup>.  
 आग्नेयान्तर्हिते हरौ 112 21<sup>०</sup>.  
 आचक्ष्व मम केशव 104. 7<sup>०</sup>.  
 आचक्ष्वे विवस्वत. 8 29<sup>०</sup>.  
 आचारात्तनया रजे 21 27<sup>०</sup>.  
 आचारेणभ्यर्त्तकृतौ 79 4<sup>०</sup>  
 आचार्यत्वं चकार ह 18 18<sup>०</sup>  
 आचार्येषु शैलास्ते 43 74<sup>०</sup>  
 [आ]च्छाद्य रूपमग्निन्द्रा 8 15<sup>०</sup>  
 आच्छिद्य मम मन्दाया 77 56<sup>०</sup>.  
 आजगाम गृहद्वार 48 23<sup>०</sup>  
 आजगाम पुरीं रम्या 99 29<sup>०</sup>  
 आजगाम महारणेरी 85 37<sup>०</sup>  
 आजगाम महीतलम् 62 2<sup>०</sup>  
 आजगाम सुमूर्धत 76 4<sup>०</sup>  
 आजगाम सुवैवाथ 9 26<sup>०</sup>  
 आजगाम वनेचर 50 12<sup>०</sup>  
 आजगाम पङ्कजेन 80 2<sup>०</sup>  
 आजगाम समीप वै 86 56<sup>०</sup>  
 आजगाम हरि सभाम् 31 64<sup>०</sup>  
 आजगाम हलापुत्र 90 9<sup>०</sup>  
 आजगामतुस्तमुडेन 42 23<sup>०</sup>  
 आजगामयोदवपुरीं 100 9<sup>०</sup>  
 आजगाम कृष्णमन्दिरम् 100 7<sup>०</sup>  
 आजगाम ध्वजे चास्य 88 19<sup>०</sup>  
 आजगामोऽपरो वैश 23 94<sup>०</sup>  
 आजगार च लोकेषु 10 37<sup>०</sup>.  
 आजगार निरर्गलान् 29 34<sup>०</sup> 31. 128<sup>०</sup>.  
 आजगार रति. प्रभुः 21 23<sup>०</sup>.

आजगाराश्वमेधानां 10 53<sup>०</sup>.  
 आजगे पितृदायार्थं 23 64<sup>०</sup>.  
 आजगानवाहु सुमुत्त. 31 137<sup>०</sup>.  
 आजगानुवाहु सिंहास्य. 109 84<sup>०</sup>.  
 आजगीरो य परस्तेषां 61 4<sup>०</sup>.  
 आज्जिको नरकश्चैव 3 76<sup>०</sup>  
 आज्जितवान्वै सप्रामे 15 43<sup>०</sup>.  
 आज्जा च देवा महानां 72 11<sup>०</sup>.  
 आज्जापयत बुद्धिमान् 72 6<sup>०</sup>.  
 आज्जापयत वीर्यवान् 109 76<sup>०</sup>.  
 आज्जापय प्रियं किं ते 111 10<sup>०</sup>  
 आज्जाप्यनां ह्य केशी 46 25<sup>०</sup>.  
 आज्जपधूम समाप्राप 39 23<sup>०</sup>  
 आज्यनास सुवस्तुण्ड 31 23<sup>०</sup>.  
 आज्यभागा प्रवर्तन्तां 38 70<sup>०</sup>.  
 आज्यं महर्षिभिर्दत्तम् 38 11<sup>०</sup>.  
 आरमजं ते वपुर्व्योम्नि 58 42<sup>०</sup>  
 आरमजं मां किमारमना 43 29<sup>०</sup>.  
 आरमजानं तयेश्चर 23 165<sup>०</sup>.  
 आरमनश्च परस्य च 45 11<sup>०</sup>  
 आरमनः प्रपितामहम् 115 10<sup>०</sup>.  
 आरमन. स्वकुलस्य च 106 17<sup>०</sup>.  
 आरमनो वा परस्य वा 6 1<sup>०</sup>.  
 आरमनो विपुल यशं 27 31<sup>०</sup>  
 आरमनायामयं रूपं 89 47<sup>०</sup>.  
 आरमनृत्तप्रवृत्तानि 58 37<sup>०</sup>.  
 आरमना च विवृत कुत. 66 10<sup>०</sup>.  
 आरमा तेऽह यथा शश्वत् 62 81<sup>०</sup>  
 आरमानमारमना वाक्चम् 61 26<sup>०</sup> 81 9<sup>०</sup>  
 आरमानमारमना हि त्यम् 45 38<sup>०</sup>.  
 आरमान प्रथयित्वाह 6 4<sup>०</sup>  
 आरमानं मा वपुष्टमाम् 118 33<sup>०</sup>.  
 आरमान मा च रक्षस्व 107 81<sup>०</sup> 103 77<sup>०</sup>.  
 आरमानं योजयामास 45 49<sup>०</sup>  
 आरमा विशोचित. पापान् 28 31<sup>०</sup>.  
 आददान ह्य क्रोधात् 110 29<sup>०</sup>.  
 आददानमनां प्रवत् 5 8<sup>०</sup>  
 आदधरस्त्रोर्जित तेज 35 30<sup>०</sup>.  
 आदर्शश्च विमृषितम् 65 56<sup>०</sup>.  
 आदाने कृतलक्षणा 81 55<sup>०</sup>.  
 आदाय बिलमाविजाय 28 16<sup>०</sup>.  
 आदाय भरतर्षभ 29 4<sup>०</sup>  
 आदाय मणिपर्वतम् 94 16<sup>०</sup>.

आमुत विमुग पुतम् 108 43<sup>d</sup>  
 आमुगोऽय गिरिः पक्षे 61 36<sup>d</sup>  
 आमुत्य सहसा मुच 108 68<sup>d</sup>  
 आपप्य गांदिनीपुत्र 29 40<sup>d</sup>  
 आपभौ सपैतलत्र 61 17<sup>d</sup>  
 आपाप्य शृणुतेति च 65 11<sup>d</sup>  
 आ भूमिपालान्भोजान्स्यात् 27 23<sup>d</sup>  
 आभोगध्रवणावताम् 55 35<sup>d</sup>  
 आन्यन्तराश्च पादाश्च 109 33<sup>d</sup>  
 आमश्च पितरं तात 18 27<sup>d</sup>  
 आमश्च पौरान्प्रीतारमा 18 8<sup>d</sup>  
 आमपात्रे महाराज 6 28<sup>d</sup>  
 आयत्यां च तदारणे च 72 21<sup>d</sup>  
 आयस पात्रमादाय 6 25<sup>d</sup>  
 आयस पाहयन्त्यम् 33 9<sup>d</sup>  
 आयसैर्निगडाकारै 76 20<sup>d</sup>  
 आयसैश्च मदाचकै 93 25<sup>d</sup>  
 आयसं परिधै पूर्णै 33 11<sup>d</sup>  
 आयागभूत वसस्य 71 39<sup>d</sup>  
 आयातिर्यातिरद्वय 22 1<sup>d</sup>  
 आयातो मधुरा भूय 79 25<sup>d</sup>  
 आयान्तममणीहंर 112 16<sup>d</sup>  
 आयान्तमथ त दृष्ट्वा 112 51<sup>d</sup>  
 आयान्तमनुगच्छन्ति 113 46<sup>d</sup>  
 आयान्त पुरुरीत्तमम् 113 61<sup>d</sup>  
 आयुधागारिक तदा 71 38<sup>d</sup>  
 आयुधाना पुराणाना 81 55<sup>d</sup>  
 आयुधानि व्यसर्षयत् 40 3<sup>d</sup>  
 आयुधैरुपशोभितम् 32 23<sup>d</sup>  
 आयुधर्मानामावसु 21 10<sup>d</sup>  
 आयुहर्न्या वलग्लानि 117 4<sup>d</sup>  
 आयुष्मान्कीर्तिमान्ध्व 1 40<sup>d</sup>  
 आयुस्त्र च मर्याना 117 38<sup>d</sup>  
 आयु कीर्ति धन पुत्रान् 23 166<sup>d</sup>  
 आयु क्षेत्रायुपचय 30 27<sup>d</sup>  
 आयु प्रक्षयसरोधान् 117 39<sup>d</sup>  
 आयो पुत्र यशस्विनम् 13 26<sup>d</sup>  
 आयो पुत्रान्ता पद्म 21 11<sup>d</sup>  
 आराधयन्महादेवम् 85 10<sup>d</sup>  
 आरुच्यपर्वताप्राणि 92 45<sup>d</sup>  
 आरुक्षुभेहाबाहु 76 25<sup>d</sup>  
 आरुरोह तत कस 96 57<sup>d</sup>  
 आरुरोह दिव राजा 85 64<sup>d</sup>

आरुरोह मुदा युग 49 13<sup>d</sup>  
 आरुरोह रणे हरि 34 46<sup>d</sup>  
 आरुरोह रथे क्षिप्र 87 58<sup>d</sup>  
 आरुरोह विहगमम् 92 18<sup>d</sup>  
 आरुरोह सुरद्विपम् 34 3<sup>d</sup>  
 आरुरोह गहद सर्वे 113 6<sup>d</sup>  
 आरुरोह जनानध्वान् 87 59<sup>d</sup>  
 आरुरोह हरिता सर्वे 109 37<sup>d</sup>  
 आरुरोहान्तं नागम् 62 2<sup>d</sup>  
 आरुरोह स तपेयुक्तरा 112 86<sup>d</sup>  
 आरुरोपयामास तदा 92 42<sup>d</sup>  
 आरुरोपयामास पत्नी 71 42<sup>d</sup>  
 आरुरोपयित्वा घेगेन 71 51<sup>d</sup>  
 आरुरोप्य भ्रातृण कृष्ण 102 22<sup>d</sup>  
 आरुरोप्यामानमारमनि 12 15<sup>d</sup>  
 आरुरोह गहद तूर्णै 113 5<sup>d</sup>  
 आरुरोहचपल कृष्ण 56 1<sup>d</sup>  
 आरुरोहणार्थं पुर्यास्ते 81 27<sup>d</sup>  
 आरुरोहन्ता विमर्दन्ता 81 43<sup>d</sup>  
 आरुरोपासत तु वसत सं 16 13<sup>d</sup>  
 आरुरोनाद रुदन्तीयु 77 22<sup>d</sup>  
 आरुरोपनिर्महीपति 10 70<sup>d</sup>  
 आरुरोप पायज्ञात्मकम् 30 42<sup>d</sup>  
 आरुरोस्त्रिभुविक्रान्त 56 17<sup>d</sup>  
 आरुरो जामु रगगणा 61 41<sup>d</sup>  
 आरुरोगौ विरेजतु 71 30<sup>d</sup>  
 आरुरोश्च युवनाश्रतु 9 45<sup>d</sup>  
 आरुरो तिष्ठान संहिती 81 7<sup>d</sup>  
 आरुरो नासिन्त्यने शक्य 52 8<sup>d</sup>  
 आरुरोश्चजनभूयिष्ठ 85 3<sup>d</sup>  
 आरुरो वै सेवता कर्म 35 39<sup>d</sup>  
 आरुरोनाम्बासिरोत्पट्टौ 71 6<sup>d</sup>  
 आरुरोस्त्रिभुविक्रान्तम् 93 34<sup>d</sup>  
 आरुरोस्त्रिभुविक्रान्त सखि 107 64<sup>d</sup>  
 आरुरोक्वै मधुसूदनम् 94 13<sup>d</sup>  
 आरुरो तश्च दशार्हश्च 26 21<sup>d</sup>  
 आरुरोयो नृपनिर्मदात् 23 157<sup>d</sup>  
 आरुरोभुष्टय तथैव च 30 22<sup>d</sup>  
 आरुरोर्गर्भेच्यत्यासि 47 37<sup>d</sup>  
 आरुरोर्गर्भस्य 71 27<sup>d</sup>  
 आरुरोद्दहमात्रेण 58 47<sup>d</sup>  
 आरुरोर्भगवन्पुत्रे 21 14<sup>d</sup>  
 आरुरोर्बुद्धिकथ 81 6<sup>d</sup>

भावयोरत्वं महाभागे 9 11°  
 भावयित्तमिवभाति 90 14°  
 भावयित्तमुत्सन्ध 57 19°  
 भावयैनाभिगम्भीरा 55 33°  
 भावयैयति लोकाणा 40 12°  
 भावाभ्या भुक्तभोजनम् 52 9°  
 भावाभ्यां रोपयुक्त्या 72 24°  
 भावाहप्रतिवाहौ च 24 10° 28 40°  
 भावाहयस्तदा पीप्ल 110 33°  
 भावा खलु न दाक्तौ स्व 70 16°  
 भावा जहि न यत्रोर्वी 42 28°  
 भावा ते सचिवौ स्वाव 17 1°  
 भावा देवावृषींश्वेव 5 35°  
 भाविकानि च घृत्माणि 92 14°  
 भाविद्धपुच्छे हृषित 57 16°  
 भाविष्य परिच धोर 108 24°  
 भाविदेश सभा शुभाम् 91 31°  
 भावृष्वद्यभ्ययाद्गीर 82 8°  
 भावृता ह्रस्वर्केर 85 62°  
 भावृथ दिवि लीलया 34 44°  
 भा वृष्णिधशाहृद्यामि 1 22°  
 भा शापाशैव कर्हिचिन् 8 12°  
 भाशां च विचरिष्यति 62 48°  
 भाशिपश्च शुभा पुण्या 117 60°  
 भाशीर्भिरनुरूपाभि 92 56°  
 भाशीर्वादा प्रयुज्यन्ते 5 38°  
 भाशीस्तु पुरुष दृष्ट्वा 117 49°  
 भाश्वर्यं इत्यभिहित 100 26°  
 भाश्वर्यंपर्यमरिल 113 82°  
 भाश्वर्यमिति ते सर्व 50 19°  
 भाश्वर्यमेतल्लोकेषु 100 78°  
 भाश्वर्यवान्दो नास्मानु 100 78°  
 भाश्वर्यंश्वेव धन्यश्च 100 23°  
 भाश्वर्यंश्वय नान्योऽस्ति 113 75°  
 भाश्वर्यं खलु देवानाम् 100 22°  
 भाश्वर्यं दृष्टानसि 104 9°  
 भाश्वर्यं धनुषो गृहे 71 47°  
 भाश्वर्यं परम विष्णु 30 56° 100 78°  
 भाश्वर्यं परम वेदा 100 65°  
 भाश्वर्यं भवता विना 70 36°  
 भाश्वर्यं खलु लोकानां 100 44°  
 भाश्वर्यां चासि भूतेषु 100 49°  
 भाश्वर्यांश्वेव धन्याश्च 100 71°

भाश्वर्येणैह रपिणा 70 38°  
 भाश्वर्यो भगवानेक 100 60°  
 भाश्वर्यस्थानसुताम् 55 38°  
 भाश्वर्यार्ण निमर्गज्ञा 65 16°  
 भाश्वर्येषु महाभागान् 31 55°  
 भाश्वर्या सर्वथाद्या 109 20°  
 भाश्वर्यशुभानीन्द्रियाणि 32 37°  
 भाश्वर्यस्थ यदुश्रेष्ठम् 100 21°  
 भासन चाग्निवर्णाम 46 5°  
 भासात्प्रायणि विविशु 95 12°  
 भासन्न विप्रकृष्ट वा 116 1°  
 भासन्युर्वैपुत्रो ताव 14 1°  
 भासन्ये तुपिता सुप्त 3 52°  
 भासन्येचरा धान्ता 16 24°  
 भासन्यैसहस्राणि 31 134°  
 भासन्य्यायमुषेऽन्वरे 7 8°  
 भाससाद भद्रातेजा 9 73°  
 भाससाद भद्राथल 81 89°  
 भाससाद सुदुर्मति 85 48°  
 भासा विष्णुमानाना 77 19°  
 भासीरकाशिकुलोद्भव 23 61°  
 भासीरकृष्णाभिपेदे हि 62 66°  
 भासीर्ब्रह्मविचार 26 4°  
 भासीर्ब्रह्मैवविद्ययात् 32 10°  
 भासीर्यज्ञवन पुत्र 23 100°  
 भासीर्युषो गृहद्वेष 87 18°  
 भासीर्यतिज्ञा कूर्य 5 6°  
 भासीर्यसुभर्मण पुत्र 15 33°  
 भासीर्यदीनगुर्णम 10 77°  
 भासीर्येव समुद्रान्ता 6 39°  
 भासीर्यस्य सगता 5 1°  
 भासीर्यज्ञा प्रतापवान् 43 49°  
 भासीर्यस्य प्रतापान् 6 21°  
 भासीर्य चैव सोमेन 70 27°  
 भासुरेणान्तरात्मना 44 66°  
 भासेर्युक्ते ततस्त्र 10 48°  
 भासे सार्धं वज्जेन 43 15°  
 भासा गात्रपर्यै वीरो 96 47°  
 भासा भायं तयोस्तस्मात् 27 3°  
 भासा मा समुद्रोक्षन्तौ 70 14°  
 भासीर्योऽवाश्रमपदं 118 9°  
 भास्वाय गरुडम्बदा 110 10°  
 भास्वाय तामसीं विद्या 108 82°

आस्थाय तिमिरं महत् 30 18<sup>d</sup>  
 आस्थाय भ्रुकुटीं नरा 109 62<sup>d</sup>  
 आस्थाय स रथ वीर 88 3<sup>d</sup>  
 आस्थिता गरुड छोते 110 20<sup>d</sup>  
 आस्थितो गरुड देव 109 88<sup>d</sup> 113 8<sup>d</sup>  
 आस्थितो गरुड राम 110 7<sup>d</sup>  
 आस्थितो यदुन्दन 108 63<sup>d</sup>  
 आस्थै सहधरोद्गारै 56 32<sup>d</sup>  
 आदत्त दुन्दुभीन्सर्वे 84 17<sup>d</sup>  
 आद रवा भगवान्ब्रह्मा 62 38<sup>d</sup>  
 आद मा सत्यभामा च 113 9<sup>d</sup>  
 आदरिष्यति राजेन्द्र 115 41<sup>d</sup>  
 आदरिष्ये मणिमिति 28 18<sup>d</sup>  
 आदर्ता चाग्निहोत्रस्य 21 2<sup>d</sup>  
 आदर्ता राजसूयस्य 10 23<sup>d</sup>  
 आदवस्य नयानो वा 46 22<sup>d</sup>  
 आदवेषु महत्सु च 62 80<sup>d</sup>  
 आहारमेकपणन 13 17<sup>d</sup>  
 आहार फलमूलानि 6 13<sup>d</sup>  
 आदिच्छन् स्वक राज्य 15 62<sup>d</sup>  
 आहुकश्चाहुको चैव 27 18<sup>d</sup>  
 आहुकश्चैव सो राजा 109 28<sup>d</sup>  
 आहुकस्य च वा खिय 94 15<sup>d</sup> 96 7<sup>d</sup>  
 आहुकस्य तु काश्याया 27 25<sup>d</sup>  
 आहुक प्राद कृष्णस्तु 109 33<sup>d</sup>  
 आहुक वसुदेव च 113 62<sup>d</sup>  
 आहुक विनयाश्रित 95 9<sup>d</sup>  
 आहुकीं चाप्यवन्तिभ्य 27 24<sup>d</sup>  
 आहुर्वेदविदो विप्रा 31 9<sup>d</sup>  
 आहुता रुग्निमणा तेऽपि 89 14<sup>d</sup>  
 आहुतो बलदेवस्तु 89 24<sup>d</sup>  
 आहुवेदमुवाच ह 115 6<sup>d</sup>  
 आहुतो वरुणेनापि 115 17<sup>d</sup>  
 आहुत्य मणिदण्डले 97 29<sup>d</sup>  
 आहुत्य यदुसिद्धान्यं 93 61<sup>d</sup>  
 आहुत्य यदुसिद्धान्यं 93 64<sup>d</sup>  
 आहुयश्चिरं युद्धे स 113 19<sup>d</sup>  
 आह्वानं तत्र सचक्रे 72 13<sup>d</sup>  
 आहुति कैशिकश्चैव 80 10<sup>d</sup>  
 इ  
 इक्षुमत्सु च देशेषु 62 54<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुः कुलनन्दन 31 143<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुणा परित्यक्त 9 45<sup>d</sup>

इक्ष्वाकुमुत्पाश्रय 7 33<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरभवास्तु 9 38<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर्ज्यैष्ठ्याप्राद 9 18<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुः राजो राजा 66 5<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुः प्रथमया 10 79<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुश्च नभागश्च 9 1<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरिदक्षिणम् 9 38<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकौ सस्थिते तात 9 43<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरपि चीशन्ती 99 10<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरनुपभुक्तानि 50 17<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरदेव प्रथिवीं 5 13<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरि पुरुषोत्तम 110 46<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर युद्धदुर्मदे 110 47<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरे यत्र देव स 70 31<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर निरीक्षसे 39 28<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर महर्षिभि 39 20<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुराभिर्गिरिवने 59 27<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुराभिर्गिरिवने 3 67<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर इति धृति 9 5<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर सुयुधता गता 9 14<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर धर्मपरायणाम् 9 9<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर सुपुत्रे तुम्यं 10 58<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुरतश्च मानुष्य 17 8<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर कुम्भाण्डवचने 106 32<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर कृष्णस्य जन्मे 25 17<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर गोपगणा वाक्य 61 20<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर चारवरध्यातु 95 8<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर चरितमिदं महारमनाम् 118 51<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर तच्छृणु कौरव 101 5<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर तत्राभवरत्न 110 72<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर तद्वचन सत्यं 12 40<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर तस्य प्रजापते 5 6<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर ने समय इत् 5 10<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर नरपतिरात्मवाह्यदासी 118 42<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर निश्चित्य चाप्यहम् 11 19<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर पारिक्षितो राजा 113 83<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर वरुणवरस्य लाङ्गले 90 19<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर प्रकाम्बुद्वित्रिशब्द 108 43<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर प्राधान्यत स्थिता 98 2<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर धुष्यस्य भारत 104 15<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर प्रज्ञानुदासनम् 11 37<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर मत्सवा शम मजेत् 22 35<sup>d</sup>  
 इक्ष्वाकुर ने धीयते मति 106 57<sup>d</sup>

इति मे वतेते मति 12 8<sup>d</sup>  
 इति रोरूपते भृशम् 77 38<sup>d</sup>  
 इति वदा समाप्यते 98 27<sup>d</sup>  
 इति चाचक्षरन्ति हि 113 53<sup>d</sup>  
 इति विद्याधरोरगा 61 36<sup>d</sup>  
 इतिवृत्तेश्च बहुभि 43 16<sup>c</sup>  
 इति वेदविद् प्राहु 11 2<sup>c</sup>  
 इति व्योमिन् श्यवस्थिता 13 30<sup>b</sup>  
 इति श्रुत्वा वचस्तथ्यम् 89 42<sup>b</sup>  
 इति ससर्वंय सर्वे 75 39<sup>b</sup>  
 इति सर्गे सनातन 1 19<sup>d</sup>  
 इति सचोदित वृष्ण 110 42<sup>b</sup>  
 इति सयोधयन्कृष्णम् 96 71<sup>a</sup>  
 इति सस्त्य गोविन्द 97 42<sup>a</sup>  
 इति जेहादभावत 8 4<sup>b</sup>  
 इतिहाससमन्वितम् 115 2<sup>b</sup>  
 इतिहास तमृषिणा 118 4<sup>c</sup>  
 इतिहासे पुरातनम् 15 66<sup>b</sup>  
 इतो वय गमित्याम 19 26<sup>a</sup>  
 इत्यभ्युपतिना प्रोक्त 45 31<sup>a</sup>  
 इत्यर्थे चाहमागत 46 19<sup>b</sup>  
 [इत्ययंकृद्वचन वदन 50 14<sup>d</sup>  
 इत्युक्तवन्त तमहम् 11 28<sup>a</sup> 12 18<sup>a</sup>  
 इत्युक्त चाणुद ते 113 79<sup>a</sup>  
 इत्युक्त पुण्डरीकाक्ष 91 38<sup>a</sup>  
 [इत्युक्त प्रह्लादतर्करन्द 110 22<sup>d</sup>  
 इत्युक्त स तु कृष्णेन 85 61<sup>a</sup>  
 इत्युक्त स निराक्रामन् 9 93<sup>a</sup>  
 इत्युक्त स स्मित वरुना 101 15<sup>a</sup>  
 इत्युक्त सोऽधिरुदस्तु 113 5<sup>a</sup>  
 इत्युक्ता पितृभि मा तु 13 34<sup>a</sup>  
 इत्युक्तास्त्युज्ज्विमा 118 19<sup>a</sup>  
 इत्युक्तो रोचयामास 89 21<sup>a</sup>  
 इत्युक्तो विमुना राजा 23 31<sup>a</sup>  
 इत्युक्तोऽह भगवता 13 1<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वा सख्य गते 95 4<sup>b</sup>  
 इत्युक्त्वा स्वरमाणा सा 108 11<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वा नारद याते 46 20<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वान्तरधीयत 11 41<sup>d</sup>  
 इत्युक्त्वा भगवान्देव 14 11<sup>a</sup> 19 12<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वा भरतर्षभ 85 32<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वा ससरात्रेण 107 66<sup>a</sup>  
 इत्युक्त्वा तता हृष्टा 107 42<sup>a</sup>

इत्युक्त्वा पुरा व्यास 97 41<sup>a</sup>  
 इत्येतदाख्यानमुदाहृत य 118 50<sup>a</sup>  
 इत्येतद्भद्रमस्तु ते 115 34<sup>d</sup>  
 इत्येतान्पुरव सर्वात् 30 53<sup>a</sup>  
 इत्येवमनुशुश्रुम् 6 13<sup>d</sup>  
 इत्येवमनुशुश्रुम् 1 35<sup>d</sup>  
 इत्येवमाधासयत 118 1<sup>a</sup>  
 [इत्येवमाह पितामह 31 10<sup>f</sup>  
 इत्येवमाह्वयामास 89 36<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त कुम्भाण्ड 106 38<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त कृष्णस्तु 109 24<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त महसन् 106 14<sup>a</sup>, 21<sup>a</sup> 113 41<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्ता वचन 107 44<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्ता रुर्ता 107 39<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त कृष्णेन 109 32<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्ते वचने 107 47<sup>a</sup>, 57<sup>a</sup> 108 89<sup>a</sup>  
 109 46<sup>a</sup>, 57<sup>a</sup>, 70<sup>a</sup>, 76<sup>a</sup> 110 66<sup>a</sup> 111 7<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त्वा प्रहसन् 110 59<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त्वा वचन 112 62<sup>a</sup>  
 इत्येवमुक्त्वा सरथ 108 80<sup>a</sup>  
 इत्येवमनुस्तेऽन्योऽथ 109 15<sup>a</sup>  
 इत्येव ता हृदन्यश्च 109 9<sup>a</sup>  
 इत्येव वाऽपपूर्णाक्षी 107 30<sup>a</sup>  
 इत्येव याचितो वर 3 63<sup>a</sup>  
 इदमत्यद्भुत कर्मे 90 15<sup>a</sup>  
 इदमन्तरमित्येव 19 17<sup>a</sup>  
 इदमद्य महाधोर 113 24<sup>a</sup>  
 इदमाह प्रियवद 61 26<sup>d</sup>  
 इदमेवविधि कृत्वा 109 7<sup>a</sup>  
 इद कर्म त्वया कृष्ण 109 42<sup>a</sup>  
 इद कलियुग विधि 85 59<sup>a</sup>  
 इद किं निति सप्रला 50 25<sup>a</sup>  
 इद चक ससुद्यतन् 112 109<sup>b</sup>  
 इद च वाक्यसदमे 17 11<sup>a</sup>  
 इद जात हलामुष 110 13<sup>d</sup>  
 इद तु ते कार्येऽतम 107 56<sup>a</sup>  
 इद तु सुमत्कष्ट 109 30<sup>a</sup>  
 इद तृतीय वक्ष्यामि 7 14<sup>a</sup>  
 इद ते सतत सौम्य 77 7<sup>a</sup>  
 इद नरहय युद्ध 67 54<sup>a</sup>  
 इद भगवते स्वया 6 11<sup>d</sup>  
 इद महाकाव्यसृष्टेर्महात्मन 118 43<sup>a</sup>  
 इद यज्ञियमातिष्य 39 25<sup>a</sup>

इदं रूप न शोभते 8 31<sup>d</sup>  
 इद वचनमग्रवीत् 29 9<sup>d</sup> 102 7<sup>d</sup>, 20<sup>d</sup> 109 38<sup>d</sup>  
 इद वचनमनुवन् 75 9<sup>d</sup> 92 31<sup>d</sup> 109 58<sup>d</sup>  
 इद वचनमुत्तमम् 85 53<sup>d</sup>  
 इदं शृण्वन्नराधिप 22 46<sup>d</sup>  
 इद समुदित घोर 85 25<sup>d</sup>  
 इन्द्रकूटश्च नामत 103 15<sup>d</sup>  
 इन्द्रकेतुप्रतीकाश 93 15<sup>d</sup>  
 इन्द्रजित्सर्वजिचैव 3 68<sup>d</sup>  
 इन्द्रतापनवातापी 31 76<sup>d</sup>  
 इन्द्रयुगलर प्रति 93 54<sup>d</sup>  
 इन्द्रयुगो इत कोपात् 7 6<sup>d</sup>  
 इन्द्रसेना यतो गर्भे 23 99<sup>d</sup>  
 इन्द्र पुत्रो निहन्ता ते 3 100<sup>d</sup>  
 इन्द्र समुपवृत्त्यन्ति 34 8<sup>d</sup>  
 इन्द्र स्थान तथोत्तमम् 21 36<sup>d</sup>  
 इन्द्राचैव धनजय 24 23<sup>d</sup>  
 इन्द्राणीमर्चयिष्यन्ती 87 32<sup>d</sup>  
 इन्द्रादवरजोऽभवत् 32 5<sup>d</sup>  
 इन्द्रण सह सम्राम 77 27<sup>d</sup>  
 इन्द्रोत शौनक राजा 22 11<sup>d</sup>  
 इन्द्रो भवामि धर्मण 21 20<sup>d</sup>  
 इन्द्रोऽसि तात भूताना 21 25<sup>d</sup>  
 इममर्थमनर्थेवत् 5 11<sup>d</sup>  
 इम ते पितर वृद्ध 77 54<sup>d</sup>  
 इम नारायण ह्रवा 38 16<sup>d</sup>  
 इम मे प्रियदर्शने 83 46<sup>d</sup>  
 इम श्लोक महार्थे त्व 18 30<sup>d</sup>  
 इम सलिलसङ्केद 43 41<sup>d</sup>  
 इमानि मणिरत्नानि 92 10<sup>d</sup>  
 इमान्प्राणेश्वरान्गृह्य 47 27<sup>d</sup>  
 इमान्पासन्नराधिप 16 19<sup>d</sup>  
 इमामवस्था नीता त्व 107 36<sup>d</sup>  
 इमामवस्था नीतासि 107 38<sup>d</sup>  
 इमामवस्था नीतोऽपि 108 96<sup>d</sup>  
 इमामवस्थां पश्यन्स्व 77 4<sup>d</sup>  
 इमाश्चोदाहरन्त्यत्र 27 19<sup>d</sup>  
 इमास्ते किं करिष्यन्ति 77 53<sup>d</sup>  
 इमा च माया गृह्णीष्व 35 69<sup>d</sup>  
 इमा मिथ्याभिज्ञानि च 28. 45<sup>d</sup>  
 इमा विस्मृति विज्ञाय 26 28<sup>d</sup>  
 इमा हि स्मृति दक्षस्य 2 56<sup>d</sup>  
 इमाः समभिगच्छन्ति 100 45<sup>d</sup>

इमे ते कुण्डले देव 91 59<sup>d</sup>  
 इमे ते पृथिवीपाला 81 10<sup>d</sup>  
 इमे ते मद्राणा सार्धे 40 37<sup>d</sup>  
 इमे स्वा त्वरयन्तीह 49 19<sup>d</sup>  
 इमे स्वा मद्रविदुष 40 38<sup>d</sup>  
 इमे स्वा सप्त मुनय 40 40<sup>d</sup>  
 इमे नो यान्पगाम्नात 56 28<sup>d</sup>  
 इमौ च बालकौ मद्र 8 11<sup>d</sup>  
 इमौ ते ध्रुवणौ शूर्यौ 77 8<sup>d</sup>  
 इमौ निपतितौ भूमौ 51 30<sup>d</sup>  
 इयमप्यायतपाज्ञी 43 27<sup>d</sup>  
 इय च स्वा सरिच्छ्रेष्ठा 83 40<sup>d</sup>  
 इय च माधुरी भूमि 84 8<sup>d</sup>  
 इय द्वारवती नाम 86 6<sup>d</sup>  
 इय हि प्रहृतिर्द्वैपै 113 39<sup>d</sup>  
 इयेप बलवान्दय 67 32<sup>d</sup>  
 इरावत्यां महाभोजौ 97 9<sup>d</sup>  
 इरा वृक्षरतावली 3 92<sup>d</sup>  
 इरिण तद्वन सर्वै 67 10<sup>d</sup>  
 इरिण समपद्यत 53 19<sup>d</sup>  
 इला नाम तु यत्प्रासीत् 23 45<sup>d</sup>  
 इल्वत् खस्मस्तथा 3 77<sup>d</sup>  
 इप ऊर्जस्तनुपश्च 7 17<sup>d</sup>  
 इपीकास्तम्बमालाद्य 20 38<sup>d</sup>  
 इपुसाह्ना निकुम्भाश्च 59 54<sup>d</sup>  
 इष्टधर्मेषु लोकेषु 78 12<sup>d</sup>  
 इष्टश्चासीन्महाराजन 23 117<sup>d</sup>  
 इष्ट दान तपो नाम 117 46<sup>d</sup>  
 इष्ट देसे न्ययेदायत् 94 23<sup>d</sup>  
 इष्टया भरतसत्तम 9 4<sup>d</sup>  
 इह त्व जातसवृद्ध 65 77<sup>d</sup>  
 इह त्वास्ते त्रिनयन 106 56<sup>d</sup>  
 इह त्वा नाभिज्ञानाति 99 21<sup>d</sup>  
 इह धर्माधिक्यमाना 117 50<sup>d</sup>  
 इह सपतितो भुवि 100 80<sup>d</sup>  
 इह सौहृदता यातु 62 84<sup>d</sup>  
 इहापि यत्तासुक्त 78 10<sup>d</sup>  
 इहास्मान्वाक्यमग्रवीत् 92 32<sup>d</sup>  
 इहैव मामभिगच्छस्व 83 28<sup>d</sup>  
 ई  
 ईजे क्रतुज्ञते पुण्ये 31 141<sup>d</sup>  
 ईज्यो यज्ञरसोऽभवत् 36 7<sup>d</sup>  
 ईतय प्रथम जन्म 62 63<sup>d</sup>



इति वृकाणां दृष्टा तु 53. 1<sup>०</sup>.  
 ईदयो भयमागतम् 77. 31<sup>०</sup>.  
 ईदयोः कामसंकाशाः 99. 35<sup>०</sup>.  
 ईदयो जनितः सुतः 66. 7<sup>०</sup>.  
 ईरपन्मुखनिःशालैः 36. 51<sup>०</sup>.  
 ईरा भवन्तस्तस्येति 96. 3<sup>०</sup>.  
 ईरो न स व्यकम्पत 36. 30<sup>०</sup>.  
 ईश्वरस्य हि तस्येमां 32. 2<sup>०</sup>.  
 ईश्वरः पक्षिवाहनः 93. 8<sup>०</sup>.  
 ईश्वरः स महाबलः 87. 27<sup>०</sup>.  
 ईश्वरानुचरो हरिः 94. 16<sup>०</sup>.  
 ईषत्तमःसंवृतासु 68. 2<sup>०</sup>.  
 ईषद्विगाहमानायां 68. 9<sup>०</sup>.  
 ईहन्ते काष्ठशङ्खभिः 117. 34<sup>०</sup>.  
 ईहया सुखिनो लोकाः 116. 25<sup>०</sup>.  
 ईहामृगगणाकीर्णै 33. 4<sup>०</sup>.  
 ईहामृगगणाकीर्णौ 36. 23<sup>०</sup>.  
 उ  
 उक्तस्तस्मादधोक्षजः 96. 32<sup>०</sup>.  
 उक्तः संरुच्यया वाचा 43. 21<sup>०</sup>.  
 उक्ताश्च यस्माद्युष्माभिः 12. 34<sup>०</sup>.  
 उक्तास्ते विस्ताराः सर्वे 113. 73<sup>०</sup>.  
 उक्तोऽथ वचनं प्रियम् 106. 35<sup>०</sup>.  
 उक्तोऽयं हरिवंतास्ते 115. 1<sup>०</sup>.  
 उक्त्वा चातर्हिता क्षिप्रं 107. 85<sup>०</sup>.  
 उक्त्वा स्थपतवस्तदा 86. 16<sup>०</sup>.  
 उक्त्वं वृहद्वधं चैव 104. 17<sup>०</sup>.  
 उग्रसेन इति खयातः 44. 60<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनपुरोगमाः 79. 26<sup>०</sup>. 86. 8<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुतस्य वै 46. 2<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुतं भुवि 45. 4<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुतः कंसः 96. 26<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुतायाश्च 48. 21<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुते धाम्ने 67. 63<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनसुतो राजा 65. 11<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनस्तु कृष्णस्य 78. 1<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनस्तवपं शोचयः 66. 7<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनस्य रक्षार्थं 96. 28<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनस्य रूपेण 73. 18<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनस्य हस्तिप 73. 36<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनहिते स्थितः 80. 5<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनं च राजानं 95. 5<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनं नरपतिं 86. 76<sup>०</sup>.

उग्रसेनं न संगतयः 68. 33<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनं पुरस्कृत्य 95. 17<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनं विचेतसम् 77. 47<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनः सहायस्यः 27. 30<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनात्मजे कण्ठे 87. 46<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनानुगौ भूत्वा 79. 40<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनोऽभयद्राजा 80. 8<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनोऽभिपिक्तश्च 83. 11<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनो महीपतिः 78. 40<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनो यद्वृग्गुह्य 78. 16<sup>०</sup>.  
 उग्रसेनो यथौ राज्ञ 94. 14<sup>०</sup>.  
 उग्रानुपस्य राजेन्द्र 15. 38<sup>०</sup>.  
 उग्रानुपः कस्य सुतः 15. 30<sup>०</sup>.  
 उग्रानुपः स चोरितकः 15. 29<sup>०</sup>.  
 उग्रानुपेन यस्वार्थे 15. 28<sup>०</sup>.  
 उग्रा हिसागिहाराश्च 16. 15<sup>०</sup>.  
 उग्रेण तपसा वस्त्राः 26. 18<sup>०</sup>.  
 उग्रेण पृथिवीं जित्वा 23. 141<sup>०</sup>.  
 उग्रेण त्रिधिना जित्वा 23. 144<sup>०</sup>.  
 उग्रे परमदुर्धरे 112. 38<sup>०</sup>.  
 उच्चान्चानि भूतानि 1. 36<sup>०</sup>.  
 उच्चैःश्रवसमथानां 4. 8<sup>०</sup>.  
 उच्छिद्यन्तं काञ्चनं महन् 93. 39<sup>०</sup>.  
 उच्छिद्यन्तेन समीपतः 47. 44<sup>०</sup>.  
 उच्छिद्यन्तेनाग्रहस्तेन 36. 65<sup>०</sup>.  
 उच्छिद्यन्तैः श्यामपर्वभिः 57. 6<sup>०</sup>.  
 उच्छ्वसन्तीव पर्वताः 54. 9<sup>०</sup>.  
 उज्जहारारिसुदनः 30. 11<sup>०</sup>.  
 उज्जहारार्णवाभ्यम्होम् 65. 40<sup>०</sup>.  
 उज्जानक इति स्मृतः 9. 52<sup>०</sup>.  
 उत्कर्णो नष्टचेतास्तु 67. 36<sup>०</sup>.  
 उत्कलश्च गयश्चैव 9. 15<sup>०</sup>.  
 उत्कलस्योचरा राजन् 9. 16<sup>०</sup>.  
 उत्कलस्तु वरं प्रादात् 9. 76<sup>०</sup>.  
 उत्कलस्य नियोगाद्रे 9. 65<sup>०</sup>.  
 उत्कलं दर्शयामास 9. 75<sup>०</sup>.  
 उत्कलेन महाहम्ना 9. 61<sup>०</sup>.  
 उत्तमश्च ह्येन्द्राणां 67. 20<sup>०</sup>.  
 उत्तमह्रवं च मर्येषु 60. 6<sup>०</sup>. 7<sup>०</sup>.  
 उत्तमं वपुरास्त्रितः 32. 31<sup>०</sup>.  
 उत्तमागारिकाश्रान्ये 74. 13<sup>०</sup>.  
 उत्तमाङ्गलास्तस्य 61. 49<sup>०</sup>.  
 उत्तमा च पृथिव्यर्षे वै 86. 29<sup>०</sup>.

उत्तमौजाश्च शल्यश्च 81 45°  
 उत्तरस्या तथा दिशि 27 23°  
 उत्तरस्यां दिशि तथा 7 8°  
 उत्तर नगरद्वारम् 81 43°  
 उत्तर नरयादन 34 18°  
 उत्तर नृपते सुत 78 44°  
 उत्तरान्ते समुद्रस्य 30 18°  
 उत्तरान्तं कुरुप्रान्त्य 21 7°  
 उत्तरापथदेशस्य 9 40°  
 उत्तरा च धनाधिप 38 68°  
 उत्तरा दिशमस्यै 93 16°  
 उत्तरेण गिरेस्तदा 12 5°  
 उत्तश्चुरपरिश्रान्ता 37 2°  
 उत्तस्थु प्रीतमनस 60 19°  
 उत्तानपाद् जग्राह 2 7°  
 उत्तानपादाप्यतुर 2 7°  
 उत्तानपादाऽऽज्ञनयद् 2 9°  
 उत्तानशायिन दृष्ट्वा 68 18°  
 उत्तारयितुमर्हसि 69 17°  
 उत्तिष्ठ गच्छ दुर्मेधे 51 24°  
 उत्तिष्ठत इति ध्रुवन् 36 65°  
 उत्तिष्ठति मजे तस्मिन् 53 13°  
 उत्तिष्ठतु भवान्शीघ्र 109 75°  
 उत्तिष्ठदुद्रकासर्पं 56 4°  
 उत्तिष्ठ नरशार्ङ्ग 77 58°  
 उत्तिष्ठमान शुश्रुभे 53 14°  
 उत्तिष्ठ शतपत्राक्ष 40 41°  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ बाहूनाम् 106 17°  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ भद्र ते 107 25°  
 उत्तिष्ठोत्तिष्ठ वत्सेति 48 44°  
 उरिथता वृथिवीतरान् 87 34°  
 उत्पतन्निरिबोर्गै 81 18°  
 उत्पतन्निश्च गगन 35 4°  
 उत्पतेयुरथाका 43 74°  
 उत्पत्तिश्च निरोधश्च 2 53°  
 उत्पत्तिं विलोर्णैव 3 1°  
 उत्पल चासकृत्पादि 67 37°  
 उत्पल्योत्पल्य गगनात् 61 41°  
 उत्परस्यति पुमास्त्रीच 73 34°  
 उत्पन्नदोषप्रभव 106 57°  
 उत्पन्नमात्रश्चोवाच 35 51°  
 उत्पन्नं कुमुदं चैव 98 15°  
 उत्पन्नसप्त मानसान् 3 96°

उत्पन्ना ये कृतयुगे 117 20°  
 उत्पन्ना ये स्वधाया तु 13 61°  
 उत्पन्ना चाचि भ्रमेण 2 8°  
 उत्पन्नास्त्रिदिवौकस 43 47°  
 उत्पन्नात् गुह्यैत्या सा 108 6°  
 उत्पन्नात् रजश्चापि 81 92°  
 उत्पन्नात् रथादौर 88 23°  
 उत्पन्नात्तानु शयनात् 42 24°  
 उत्पन्नानि च नोलानि 50 41°  
 उत्पन्नाश्च पर्यतानेप 107 76°  
 उत्पन्नाश्च बलिना वर 89 45°  
 उत्पन्नाश्च यमदण्डवत् 64 20°  
 उत्पन्नाश्चारीपयामास 92 65°  
 उत्पन्नाश्च ह्यत्र इत्यन्ते 51 35°  
 उत्पन्नाश्चामास तदा 20 44°  
 उत्पन्नाश्च स्य वसुध्वीम् 43 45°  
 उत्पन्ने तु सहसा स्वैभ्य 109 13°  
 उत्पन्नाश्च भुजगत्राक्ष 31 61°  
 उत्पन्ने पुत्रगृहीनी 77 41°  
 उत्पन्नसत्यसयोग 43 60°  
 उत्पन्नसत्त्वयवृण 52 15°  
 उत्पन्नसर्ज महार्णव 86 38°  
 उत्पन्नान्ते नराधिपा 41 12°  
 उत्पन्नाद्दनासात्सर्वे वै 109 67°  
 उत्पन्नस्य महाभुज 86 25°  
 उत्पन्नस्य मथुरामाणु 85 35°  
 उत्पन्नस्य सागरे वास 55 49°  
 उत्पन्नस्योत्पन्नस्य गच्छन्ति 112 8°  
 उत्पन्नस्युत्पन्नस्य तौधराद् 86 34°  
 उद्भवप्रवणसच्छिष्ट 72 4°  
 उद्भवच्छिष्टाकर 70 3°  
 उद्भवान्नमप्यसौ 13 67°  
 उद्भवामतनूरुद् 68 21°  
 उद्भिष्टत्पुनलोवात् 70 29°  
 उद्भिष्टत्पुनपिनेस 40 42°  
 उद्भिष्टत्पुन सर्वे 53 12°  
 उद्भवानपु शोभना 60 11°  
 उद्भवामहा सर्वे 72 9°  
 उद्भवाम्गच्छेण 34 21°  
 उद्भवाम्गच्छेण 3 57°  
 उद्भवेषु नगाभाण 54 16°  
 उदानोर्ध्वं शरीरिण 30 48°  
 उदानो व्यान पृ ६ च 30 47°

उद्दीक्षामाधन्योन्य 70 30°	उपजहुस्ततस्तस्मै 83 21°
उद्दीक्षय नियतेन्द्रिया 92 31°	उपतस्कुर्मैद्वाधत्म् 31 58°
उद्दीर्घां कौरवपेभ 102 33°	उपतस्कुमुनिगणा 35 24°
उद्दीर्घ्यां दिशि दुर्धेपे 4 14°	उपतस्कु कुराप्रप्या 86 2°
उद्दीर्घ्यैश्च महानीये 81 98°	उपतस्कु सहाप्सरा 48 17°
उद्दीक्षत ततोऽद्दसन् 108 56°	उपतस्यु सुरगणात् 34 33°
उद्गाता मधमि विनाम् 44 11°	उपतस्थे यत्र हित्वा 62 8°
उद्गात्राप्नो होमलिङ्ग 31 25°	उपतस्थे यदाप्रजम् 86 64°
उद्दिश्य देवानुत्सृष्टं 20 33°	उपतस्थे महात्मान 40 8°
उद्देशतो धर्मशीला 117 6°	उपदानयो सुतां रेभे 23 47°
उद्देशेन नरश्रद्ध 117 25°	उपदानयो ह्यसिता 3 71°
उद्धृत रथेन तेजसा 34 30°	उपनिन्मुर्मैद्वाभागा 23 79°
उद्धृतो देवभागस्य 24 25°	उपनिन्मुस्तस्तानि 92 8°
उद्भूतानीद् सर्वेषा 66 22°	उपनिन्त्ये जनार्दने 103 2°
उद्भूतैश्च महावाते 43 32°	उपनीतोत्तरच्छदा 72 7°
उद्भूता पृथिवी देवी 31 30°	उपनीय पयो धृतम् 69 29°
उद्यच्छत्रेव सङ्घा 48 28°	उपप्रेक्षत तत्रस्वी 85 17°
उद्यतस्येव सूर्यस्य 76 17°	उपहुतक्षणा निरय 69 10°
उद्यत धोरदर्शनम् 6 6°	उपयाहकसृञ्जयश्च 27 8°
उद्यत द्विपता हेतो 33 13°	उपभोगेन क्षाम्यति 22 37°
उद्यत किल पापहृत् 67 50°	उपभोगे परित्यज 55 44°
उद्यतायुधनिश्चिन्ता 38 30°	उपमद्गुल्फा नहु 24 9°
उद्यते धारणाश्च तु 112 23°	उपयुज्य च गा सर्वे 16 13°
उद्यद्गास्करवर्णान् 93 4°	उपयुजन्त भारत 16 12°
उद्यक्षिप निनाकर 110 7°	उपयेमे महाबाहु 88 40°
उद्यम्य च परश्वधान् 108 53°	उपयेमे हृरीनेत्र 88 43°
उद्यम्योत्तमतेजसम् 34 36°	उपयुंषि तत्रापि 62 29°
उद्यानवनरूपचा 44 55°	उपलभ्य यथाविधि 86 15°
उद्यानवनसबाधा 93 4°	उपविष्ट ततो राम 83 55°
उद्यानानि तिला शीला 109 59°	उपविष्टानुवाच ह 96 24°
उद्यानेषु समन्तत 109 36°	उपविष्टेषु सर्वेषु 89 5°
उद्यानैरपन्नोभिता 86 46°	उपसर्ष्यो भवान्वाह 67 19°
उद्योग विजुल चतु 33 1°	उपस्थानगृह यत्र 93 52°
उद्दङ्गुप्रशरणात् 114 15°	उपस्थाय च गोविन्द 103 16°
उद्गासयति दर्पित 44 24°	उपस्थितश्च आद्रश्य 11 41°
उद्गमगमत्कस 65 1°	उपस्थितेऽतिपात 3 47°
उद्गनाद् च सिद्धयत् 89 44°	उपसृष्ट च वीर्येषु 46 10°
उद्गप्य सहसा कृत्वा 87 41°	उपस्थानात्मधैव च 28 33°
उद्गर्गानीतमागा सा 83 39°	उपाकृमाष्टहवक 31 27°
उन्मुक्तो निलवित्रस्त 16 23°	उपागम्य भयादस्मान् 102 7°
उन्मूलानय वृक्षास्तान् 2 37°	उपातिष्ठन् गोविन्द 91 58°
उपगम्य जनार्दन 95 9°	उपातयज्ञो देवेभ्य 115 39°
उपगम्यामरीदितान् 2 38°	उपादाय तु वैदमी 89 8°

उपाध्यायस्तु देवाना 23 117<sup>d</sup>  
उपानीयत वारुणी 83 19<sup>d</sup>  
उपायत समारब्धा 5 50<sup>d</sup>  
उपाय पश्य येन त्व 5 50<sup>d</sup>  
उपाय शृणु मे विभो 45 17<sup>d</sup>  
उपायादुपपादिता 91 22<sup>d</sup>  
उपायाद्धारकां विष्णु 92 70<sup>d</sup>  
उपायान्मथुरां तत 80 7<sup>d</sup>  
उपायेन महामना 85 65<sup>b</sup>  
उपाये शास्त्रचिन्तकै 15 55<sup>b</sup>  
उपायो लोकविश्रुत 43 65<sup>d</sup>  
उपावर्तन्त सर्वदा 31 87<sup>d</sup>  
उपावृत्तमहापथा 86 51<sup>d</sup>  
उपावृत्तासु वै गोपु 68 6<sup>d</sup>  
उपासङ्गस्तथा मद्गु 28 39<sup>d</sup>  
उपासहस्य तु सुवी 98 17<sup>d</sup>  
उपासतश्च देवेश 14 12<sup>d</sup>  
उपासाचकिरे दैत्या 47 13<sup>d</sup>  
उपासाचकिरे विष्णु 40 10<sup>d</sup>  
उपासाचकिरे हृष्टा 64 24<sup>d</sup>  
उपाशुवतमास्थाय 10 3<sup>d</sup>  
उपेक्षसे दानवेन्द्र 108 75<sup>d</sup>  
उपेक्षित इव व्याधि 65 23<sup>d</sup>  
उपेतानि गृह्णपै 93 30<sup>d</sup>  
उपेन्द्र इति कृष्ण त्वां 62 44<sup>d</sup>  
उपेन्द्रप्रमुखास्तदा 95 12<sup>d</sup>  
उपोपविशु मीता 96 20<sup>d</sup>  
उभय जयता वर 15 64<sup>b</sup>  
उभयोरपि तत्रासीत् 109 73<sup>d</sup>  
उभयोरिव घृतयो 44 47<sup>d</sup>  
उभयोर्देवदैत्ययो 112 76<sup>b</sup>  
उभयो सेनयो राजन् 81 91<sup>d</sup> 82 6<sup>d</sup>  
उभाम्यामपि सयोगे 62 73<sup>d</sup>  
उभाम्यामभवद्दोर 75 29<sup>d</sup>  
उभाम्यामभिवर्धित 114 14<sup>b</sup>  
उभाम्या चापि विद्विष्ट 73 37<sup>d</sup>  
उभावपि सम प्रेम्णा 49 8<sup>d</sup>  
उभावपि समाहितौ 114 12<sup>d</sup>  
उभावभ्यश्चक्षदा 92 56<sup>d</sup>  
उभावेकनारीरी स्व 58 46<sup>d</sup>  
उभे कंसस्य ते भायै 80 3<sup>d</sup>  
उभे सभ्ये पुरीं घोरा 60 26<sup>d</sup>  
उभौ चन्द्रिवाकौ 79 7<sup>d</sup>

उभौ तापि कृष्णेन 97 10<sup>d</sup>  
उभौ तावपि पर्यसु 79 8<sup>b</sup>  
उभौ तावभिन्मत्तु 79 3<sup>d</sup>  
उभौ तौ परमाचार्यौ 82 12<sup>d</sup>  
उभौ पुरुषसत्तमौ 98 20<sup>d</sup>  
उभौ रामजनादेनौ 79 4<sup>d</sup>  
उभौ विविशतुर्वीरौ 96 61<sup>d</sup>  
उ मा इति निषेधन्ती 13 18<sup>d</sup>  
उमा तासा चरिष्ठा च 13 21<sup>d</sup>  
उमेत्येगभवत्स्थायता 13 19<sup>d</sup>  
उरगाधिपति साक्षात् 55 48<sup>d</sup>  
उरश्राव्योरसा हन्तुम् 67 32<sup>d</sup>  
उरसा पातयामास 38 48<sup>d</sup>  
उरोभि समपीडयत् 63 23<sup>b</sup>  
उर्वशी वरयामास 21 4<sup>d</sup>  
उर्वश्या सहितो राजा 21 8<sup>d</sup>  
उर्वश्या चक्षिरे यस्य 20 44<sup>d</sup>  
उल्लूक कैतवेयश्च 81 44<sup>d</sup>  
उल्लूकी प्रायुल्लूकान् 3 82<sup>d</sup>  
उल्का निर्घातनादेन 66 27<sup>d</sup>  
उल्लिप्तन्वै गामक्षिभि 66 25<sup>d</sup>  
उवाच कसो नृपति 72 15<sup>d</sup>  
उवाच किं मया कार्यं 8 9<sup>d</sup>  
उवाच कुम्भाण्डसुतां 107 57<sup>d</sup>  
उवाच चैन कुपिता 19 7<sup>d</sup>  
उवाच चैन भगवान् 19 12<sup>d</sup>  
उवाच चैनाश्वतुर 100 68<sup>d</sup>  
उवाच चोप्रसेनस्य 46 6<sup>d</sup>  
उवाच त्रिदशै सह 85 43<sup>d</sup>  
उवाच देवता सर्वा 32 31<sup>d</sup>  
उवाच परममीता 19 24<sup>d</sup>  
उवाच परम वाच्य 41 1<sup>d</sup>  
उवाच परमाद्भुतम् 107 22<sup>d</sup>  
उवाच भगवन्मात्र 45 22<sup>d</sup>  
उवाच भरतश्रेष्ठ 11 20<sup>d</sup>  
उवाच मधुसूदन 95 18<sup>d</sup>  
उवाच मुनिरप्यय 100 21<sup>d</sup>  
उवाच धनुमन्दनम् 86 40<sup>d</sup>  
उवाच यदुमसदि 78 17<sup>d</sup>  
उवाच राजा गोविन्द 85 56<sup>d</sup>  
उवाच हर्षती वाच्य 77 47<sup>d</sup>  
उवाच वचनं धीमान् 109 46<sup>d</sup>  
उवाच वदतां वर 57 7<sup>d</sup> 80 35<sup>d</sup>

उवाच वदता श्रेष्ठ 22 26°  
 उवाच धैर्य नाथमे 5 47°  
 उवाच व्यथिता देवी 73 30°  
 उवाच शुभया गिरा 38 64°  
 उवाच हृदि मद्रावित् 81 9°  
 उवाचेद वचोऽर्थवत् 109 66°  
 उवाह मधुसूदन 92 36°  
 उवाह महिर्षी भोजा 97 4°  
 उवाह लीलया पक्षी 92 43°  
 उवाच शत्रुतापन 26 7°  
 उवाचो यज्ञमखिल 26 6°  
 उवाचो महाबाहु 23 26°  
 उवाचो तस्य अग्रह 20 31°  
 उवाचो वाक्यममवीत् 34 51°  
 उवाचो नरस्य पल्पस्तु 23 21°  
 उवाचो नरस्य पुत्रास्तु 23 23°  
 उवाचो न च धर्मज्ञ 23 20°  
 उवाच सह सयुक्त 108 12°  
 उवाच कथञ्चोचना 107 30°  
 उवाच नाम सुवा तस्य 109 72°  
 उवाच भाव हृदा चक्रे 107 13°  
 उवाच मनोरथ चक्रे 107 10°  
 उवाचा दूरेषामास 107 67°  
 उवाचा वचन श्रुत्वा 107 79°  
 उवाचां घर्षिताया हि 108 16°  
 उवाचा वर्षेताधमजा 107 11°  
 उवाचो हस्तनी दानै 107 61°  
 उवाचो सर्वा समागता 107 31°  
 उवाचो हर्षवती दानै 107 11°  
 उवाचा परिवत्सरम् 1 26°  
 उवाचो ना भै किमेव एव 107 23°  
 उवाचो यदुक्ता देव्यासि 107 40°  
 उवाचो शीघ्र स्वमप्येव 107 12°  
 उवाचो शृणुष्व कल्याणि 107 14°  
 उवाचो पाल्नाभि योगितम् 48 35°  
 उवाचो पिणो मुकुटिन 31 86°  
 उवाचो मान इवेवेन 58 30°  
 उवाचो माना समन्तत 108 46°  
 उ  
 उवाचो वैश्वयोध तत् 9 9°  
 उवाचो युद्धसमर्था 72 22°  
 उवाचो प्रीतिमनसौ 42 27°  
 उवाचो सद्धारिणी 17 1°

उवाचो युवरीताक्ष्य 107 31°  
 उवाचो रसाजयाय एव 21 15°  
 उवाचो मर्हयं सवे 5 8°  
 उवाचो सात्त्वयुगानि 100 56°  
 उवाचो वैश्वतोऽन्तरे 3 46°  
 उवाचो धैर्य नृवीरास्ते 96 6°  
 उवाचो धैर्य नभोगता 75 39°  
 उवाचो पितर कन्या 13 31°  
 उवाच सर्वे सुखप्रीता 56 43°  
 उवाचो इरावतीश्च 116 11°  
 उवाचो वर्षेदते वास्या 3 105°  
 उवाचो प्रभृतयो राजन् 7 29°  
 उवाचो योगप्रतिक्षिप्ते 37 43°  
 उवाचो पुरु शतयुग्म 2 17°  
 उवाचो राजनयायुगात् 2 18°  
 उवाचो जगत् सुतेजस 7 15°  
 उवाचो वर्षेबाहुर्महायुति 20 2°  
 उवाचो वर्षेबाहुश्च सोमज 7 22°  
 उवाचो वर्षेमाचक्रमे तस्य 20 5°  
 उवाचो वर्षेमाचक्रमे पक्षी 95 2°  
 उवाचो वर्षेमाचक्रमे वली 91 40°  
 उवाचो वर्षेरेतसमव्ययम् 85 8°  
 उवाचो वर्षेरेतोमा स्युर्वाच 109 83°  
 उवाचो चार्यानि बाह्यन्त 81 34°  
 उवाचो वर्षेस्तु तस्यविष्ट 35 48°  
 उवाचो वर्षेस्तु विनिर्मित 35 50°  
 उवाचो वर्षेस्तु ह्युला भूमि 116 19°  
 उवाचो वर्षेस्तु मयुरा 80 17°

न

नक्षत्रं एव महारथ 23 112°  
 नक्षत्रं चर्माविवद्वाज 108 57°  
 नक्षत्राक्षस्य समताम् 28 28°  
 नक्षत्राजो महत्बल 28 16°  
 नक्षत्रान्त गिरिचर 28 19°  
 नक्षत्रान्त गिरिं चैव 109 35°  
 नक्षत्रान्त गिरिं जित्वा 26 14°  
 नक्षत्रस्य तु द्वितीयस्य 23 114°  
 नक्षत्रं सा जनयामास 23 106°  
 नक्षत्रासत्तरणो जज्ञे 23 107°  
 नक्षत्रेण निहतो हृष्ट 28 21°  
 नक्षत्रे सह यथायोग 38 69°  
 नक्षत्रसामयजुषा धोष 31 139°  
 नक्षत्रसामयजुषा सत्यम् 100 66°

ऋग्भिर्यजुर्भि सामभि 20 12<sup>०</sup>  
 ऋचक्षायर्षणानि च 104 19<sup>०</sup>  
 ऋचीकस्य महारमन 7 31<sup>०</sup>  
 ऋगीकानमदमिस्तु 23 85<sup>०</sup>  
 ऋचेयुतनयो रात्र् 23 43<sup>०</sup>  
 ऋचेयुश्च जलेयुश्च 23 7<sup>०</sup>  
 ऋचेयोस्तु महाराज 23 42<sup>०</sup>  
 ऋचो ब्रह्मर्षिसरकृता 3 54<sup>०</sup>  
 ऋचो यजूषि सामानि 1 35<sup>०</sup>  
 ऋजुयष्टिलता यथा 71 32<sup>०</sup>  
 ऋज्वासीनो यथान्याय 109 66<sup>०</sup>  
 ऋणं च विनयश्च 116 28<sup>०</sup>  
 ऋण वै प्रतिश्रुतेऽय 69 24<sup>०</sup>  
 ऋतुपर्णसुतस्वासीव् 10 70<sup>०</sup>  
 ऋतुपर्णो महायज्ञा 10 69<sup>०</sup>  
 ऋतवश्च भविष्यन्ति 116 14<sup>०</sup>  
 ऋनद कालयोगाश्च 30 27<sup>०</sup>  
 ऋतव सप्रवर्तेन्ता 38 73<sup>०</sup>  
 ऋतुचक्र प्रभवति 9 31<sup>०</sup>  
 ऋतुपर्यायशिषिर्है 59 43<sup>०</sup>  
 ऋते तु पृथिवी लोके 100 47<sup>०</sup>  
 ऋते देवप्रसादाद् 19 8<sup>०</sup>  
 ऋते राम महाबाहु 101 17<sup>०</sup>  
 ऋत्विक्पुरोदिताचार्यान् 115 6<sup>०</sup>  
 ऋत्विग्भिर्द्रुमूर्धा दैत्याना 6 26<sup>०</sup>  
 ऋत्विग्भिर्द्रुमूर्धा वैश्व 15 46<sup>०</sup>  
 ऋत्विजश्चाप्रवीत्सुद्ध 118 18<sup>०</sup>  
 ऋत्विज पाथिवाश्रय 118 7<sup>०</sup>  
 ऋद्धि समृद्धि विपुलाश्च भोगान् 31 153<sup>०</sup>  
 ऋश्यश्चन्द्रप्रभायेन 23 37<sup>०</sup>  
 ऋषभाक्ष निरीक्ष्य तम् 92 30<sup>०</sup>  
 ऋषय सह गन्धर्वै 38 37<sup>०</sup>  
 ऋषय सप्रचक्षते 40 19<sup>०</sup>  
 ऋषय ससितप्रता 40 38<sup>०</sup>  
 ऋषय साप्रत दिवि 7 31<sup>०</sup>  
 ऋषयोऽत्र न मुह्यन्ति 2 53<sup>०</sup>  
 ऋषयोऽत्र मया भोक्ता 7 16<sup>०</sup>  
 ऋषयो देवता यज्ञा 104 19<sup>०</sup>  
 ऋषयो वा न मा तापै 31 42<sup>०</sup>  
 ऋषयो वेदपारगा 23 14<sup>०</sup>  
 ऋषिभक्तगिरिद्राणी 117 29<sup>०</sup>  
 ऋषिकान्ता महापत्नी 97 32<sup>०</sup>  
 ऋषिहृतमद्भुतवीर्यैर्कर्मणाम् 118 51<sup>०</sup>

ऋषिभिर्द्वगन्धर्वै 113 17<sup>०</sup>, 50<sup>०</sup>  
 ऋषिभिश्च महाभारौ 109 86<sup>०</sup>  
 ऋषिभिस्त्वौ नियुक्तौ तु 5 37<sup>०</sup>  
 ऋषिभि पूजितस्त्वौस्तु 40 1<sup>०</sup>  
 ऋषिभि श्रूयते षाषि 6 16<sup>०</sup>  
 ऋषिभिः समुदाहृता 117 49<sup>०</sup>  
 ऋषिमध्ये सुरेषु च 62 74<sup>०</sup>  
 ऋषिर्मातोऽत्रिवशे च 23 9<sup>०</sup>  
 ऋषिवशेषु भगवन् 35 26<sup>०</sup>  
 ऋषि नाम्नाय देवलम् 3 37<sup>०</sup>  
 ऋषि विज्ञापयामास 35 25<sup>०</sup>  
 ऋषीकाधिपतिस्तथा 89 18<sup>०</sup>  
 ऋषीणामिष यो वृत्त 65 18<sup>०</sup>  
 ऋषीणा कदन इत्या 38 59<sup>०</sup>  
 ऋषीणा च स वर्तते 91 35<sup>०</sup>  
 ऋषीणा ब्रह्मवर्चसाम् 39 21<sup>०</sup>  
 ऋषीणा मानुषाणा च 91 6<sup>०</sup>  
 ऋषीन्देवान्सगन्धर्वान् 3 3<sup>०</sup>  
 ऋषींश्चोपा प्रवक्ष्यामि 7 8<sup>०</sup>  
 ऋषेरङ्गिरस पुत्रा 7 29<sup>०</sup>  
 ऋषे परिपदा श्रुतम् 118 1<sup>०</sup>  
 ऋष्यन्तरविवाह्याश्च 23 90<sup>०</sup>  
 ए  
 एक एव उवरो लोके 111 9<sup>०</sup>  
 एक एव तु काल स 117 45<sup>०</sup>  
 एककायान्तरगणौ 51 4<sup>०</sup>  
 एकचक्रो महाबाहु 3 68<sup>०</sup>  
 एकचर्वौ महावीर्यौ 51 4<sup>०</sup>  
 एकदुष्टकृत्कारिण्य 77 17<sup>०</sup>  
 एव देहानि तिष्ठन्ति 35 28<sup>०</sup>  
 एकदेहो द्विधा हृत 56 26<sup>०</sup>  
 एकदहौ द्विधा कृतौ 51 4<sup>०</sup>  
 एकदहौ महायत्नौ 58 46<sup>०</sup>  
 एकनिमाणनियुक्तौ 51 3<sup>०</sup>  
 एकपद्मगामतिपन्ति 116 7<sup>०</sup>  
 एकपत्नीयतमिदं 73 21<sup>०</sup>  
 एकपादा द्विपादाश्च 33 26<sup>०</sup>  
 एवप्रमाणौ लोकानौ 51 5<sup>०</sup>  
 एकभायदर्शितश् 56 26<sup>०</sup>  
 एकमप्रघर्षी कान्तौ 51 2<sup>०</sup>  
 एकमाणीरक्षिस्तां 93 28<sup>०</sup>  
 एकमाणीनमेकात् 80 64<sup>०</sup>  
 एकलव्यस्य पुत्र च 87 5<sup>०</sup>

एकलव्यो बृहत्क्षय 81 44<sup>o</sup>  
 एकलव्यो महाराज 24 27<sup>o</sup>  
 एकदण्णा वसुधरा 54 13<sup>d</sup>  
 एकविंशच्छतानि च 91 13<sup>d</sup>  
 एकवैणीधरा सर्ग 91 13<sup>o</sup>  
 एकवैणीधरा स्त्रिय 92 26<sup>d</sup>  
 एकवैपधरायैक 51 3<sup>o</sup>  
 एकशङ्खास्तथा नार्य 116 35<sup>o</sup>  
 एकशय्यासनशानौ 51 3<sup>d</sup>  
 एकशृङ्गा इति ख्याता 13 53<sup>o</sup>  
 एकश्रफधर श्रीमान् 42 52<sup>o</sup>  
 एकश्च मे मतो राशि 1 11<sup>o</sup>  
 एकस्तम्भैश्च भूयितम् 72 3<sup>d</sup>  
 एकस्त्वमनपत्यश्च 35 27<sup>o</sup>  
 एकस्त्वमसि लोकाना 62 10<sup>o</sup>  
 एकस्व पुरपोत्तम 100 22<sup>d</sup>  
 एकस्थानचर हृत 52 36<sup>d</sup>  
 एकस्व शिशुना गतौ 51 4<sup>d</sup>  
 एकस्वार्थाय यो हन्यात् 6 1<sup>o</sup>  
 एक गोब्राह्मण स्यूतम् 45 29<sup>d</sup>  
 एक मृदुतर मेते 42 17<sup>o</sup>  
 एक वशाधर स्वैका 10 56<sup>o</sup>, 57<sup>o</sup>  
 एक सद्ब्रह्मालत्र 108 44<sup>o</sup>  
 एक पञ्चजनो नाम 10 63<sup>o</sup>  
 एक दानुनिग्रहण 107 51<sup>o</sup> 108 42<sup>o</sup>  
 एक शोको हि नारीणाम् 69 14<sup>o</sup>  
 एकदशश्वन्द्रहा राहु 31 77<sup>o</sup>  
 एकाम प्रयत्नैश्च 4 23<sup>o</sup>  
 एका तत्र निराङ्गरा 13 18<sup>o</sup>  
 एका एव भोज्यते जगत् 47 56<sup>d</sup>  
 एकामृश सदस्त्राणि 109 79<sup>o</sup>  
 एकान्दशैते कथिता 3 44<sup>o</sup>  
 एकान्दशैति मानवा 96 14<sup>d</sup>  
 एकान्दशैति थाम्नाहु 96 11<sup>o</sup>  
 एकार्णवगति प्रभु 31 28<sup>d</sup>  
 एकानवसते लोके 30 16<sup>o</sup>  
 एकान्जत्रे अष्टाम् 31 28<sup>o</sup>  
 एकानवविमुक्त च 62 62<sup>o</sup>  
 एकार्णवान्नुनिचये 42 20<sup>o</sup>  
 एकानये तदा लोके 42 25<sup>o</sup>  
 एकहमिति मे मति 14 12<sup>d</sup>  
 एकहेतु महाभागु 101 7<sup>o</sup>  
 एवैव वै तदुभय 118 30<sup>o</sup>

एवैव स सुहृत्तैः 109 80<sup>o</sup>  
 एवैनामल्पमेव 55 10<sup>o</sup>  
 एकैरुसोपरि तदा 108 47<sup>o</sup>  
 एकैरु तत्र चोदान 109 36<sup>o</sup>  
 एकैरु शतशो रातन् 109 59<sup>o</sup>  
 एकैक सप्तधा चक्रे 3 108<sup>o</sup>  
 एको वैवस्वतस्तेषां 7 39<sup>o</sup>  
 एतच्च निवर्तितम् 112 111<sup>d</sup>  
 एतच्चानुमत मम 45 14<sup>d</sup>  
 एतच्छत च दृष्ट च 104 24<sup>o</sup>  
 एतच्छूराव इरुश्रेष्ठ 104 25<sup>d</sup>  
 एतच्छूरा तदा वाक्य 110 16<sup>o</sup>  
 एतच्छूराय्यवीदेन 26 17<sup>o</sup>  
 एतच्छूराव वचलस्य 78 30<sup>o</sup>  
 एतच्छूराव सुरा सर्वे 31 53<sup>o</sup>  
 एतस्कार्ये विचिन्तयन् 109 25<sup>d</sup>  
 एतैरे कथित मया 90 16<sup>d</sup>  
 एतैरे प्रथम राजन् 7 10<sup>o</sup>  
 एतत् सर्वमाख्यात 89 52<sup>o</sup>  
 एतन्नैविष्यमुच्यते 59 21<sup>o</sup>  
 एतत्पादेन पातितम् 50 18<sup>o</sup>  
 एतत्सर्वै यथावृत्तम् 104 7<sup>o</sup>  
 एतत्सर्वै वदित्वयि 11 40<sup>d</sup>  
 एतसोमस्य ते जन्म 20 47<sup>o</sup>  
 एतद्वयं च वासोऽय 55 56<sup>o</sup>  
 एतदाख्यातमिच्छामि 11 8<sup>o</sup>  
 एतदाश्वयंसूतस्य 32 9<sup>o</sup>  
 एतदाश्वयंसूत हि 51 37<sup>o</sup>  
 एतदाश्वयंसभवत् 38 80<sup>o</sup>  
 एतदाश्वयंसमाख्याने 30 57<sup>o</sup>  
 एतदिच्छामि वेदितुम् 11 2<sup>o</sup>  
 एतदिच्छाम्यह ध्येतु 11 14<sup>o</sup> 15 8<sup>o</sup>  
 एतदुत्सवानाज 31 151<sup>o</sup>  
 एतद्वैरसभाय्य 61 53<sup>o</sup>  
 एतद्ब्राह्मण्ये चते 31 28<sup>o</sup>  
 एतद्यत्तनुह्ल व 84 8<sup>o</sup>  
 एतद्युद्धसुखे व्रतम् 75 20<sup>o</sup>  
 एतद्युद्धमत्प्रवृत्तन 42 51<sup>o</sup>  
 एतद्दे श्रोतुमिच्छामि 11 4<sup>o</sup>  
 एतद्वीरोत्पलश्याम 54 24<sup>o</sup>  
 एतन्मे कृष्ण कास्त्वयैः 62 88<sup>o</sup>  
 एतन्मे कृष्ण विज्ञाय 78 29<sup>o</sup>  
 एतन्मे सर्वमाचक्ष्व 10 29<sup>o</sup>

एतयोश्च हि को युद्ध 106 61<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे वृष्या 99 41<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे कुम्भ 37 37<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे गोपा 83 19<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे गोभि 50 12<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे तात 15 61<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे दीना 77 38<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे प्राप्ता 50 7<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे ब्रह्मा 35 53<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे भीमा 56 14<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे मेघा 32 13<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे राजा 84 12<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे बायु 73 14<sup>०</sup> 100 17<sup>०</sup>  
 एतस्मिन्नन्तरे काले तु 5 32<sup>०</sup> 23 58<sup>०</sup> 29 24<sup>०</sup> 64 10<sup>०</sup>  
 83 1<sup>०</sup> 87 1<sup>०</sup>  
 एत कदम्बमगद्व 55 57<sup>०</sup>  
 एत क्रुद्धमवाप्तवान् 115 18<sup>०</sup>  
 एत मे सशय विप्र 2 52<sup>०</sup>  
 एत सपरिगृह्णीष्व 89 35<sup>०</sup>  
 एतानपि हनिष्यामि 73 37<sup>०</sup>  
 एतानि हृत्वा कर्माणि 31 128<sup>०</sup>  
 एतानि शशिकल्पानि 81 4<sup>०</sup>  
 एतानुत्पाय धर्मात्मा 13 48<sup>०</sup>  
 एतानुत्पाय पुत्रोत्सव 13 38<sup>०</sup>  
 एतान्परिष्वज्य वदा 113 63<sup>०</sup>  
 एताम्पच्छीतनिर्देश्यान् 36 12<sup>०</sup>  
 एतान्यन्तुप्रहृष्टानि 54 27<sup>०</sup>  
 एतान्युक्तानि कौरव्य 7 38<sup>०</sup>  
 एतान् स यादवाम्सर्वान् 65 11<sup>०</sup>  
 एतावच्छतकोऽप्येव 78 36<sup>०</sup>  
 एतावदुक्त्वा ते सर्वे 18 32<sup>०</sup>  
 एतावद्भूत्वा भगवान् 112 129<sup>०</sup>  
 एतावानिह वासश्च 85 26<sup>०</sup>  
 एतास्तु योगेश्वरयोगभावा 31 153<sup>०</sup>  
 एतां परमदुर्लभाम् 65 96<sup>०</sup>  
 एते कश्यपदायादा 3 93<sup>०</sup>  
 एतेऽङ्गवराजा सर्व 23 41<sup>०</sup>  
 एते धान्ये च वदव 31 149<sup>०</sup>  
 एते धान्ये च राजान 80 16<sup>०</sup>  
 एते चापि महाभागो 13 23<sup>०</sup>  
 एते हपसि तिष्ठत 35 36<sup>०</sup>  
 एते स्वकिरस युवा 23 72<sup>०</sup>  
 एते दिग्धा वराह्याव 31 46<sup>०</sup>

एते दुर्गसहा नृपा 81 43<sup>०</sup>  
 एते देवेषु ये मुष्या 107 68<sup>०</sup>  
 एते दैत्या विनिहता 44 75<sup>०</sup>  
 एते धन्या द्विजश्रेष्ठ 100 53<sup>०</sup>  
 एतेन बहवो महता 75 23<sup>०</sup>  
 एतेन सुरमाक्रम्य 96 66<sup>०</sup>  
 एतेनैव प्रयत्नेन 69 21<sup>०</sup>  
 एते युवा महात्मान 13 43<sup>०</sup>  
 एते बाह्यकम्पुञ्ज्या 27 4<sup>०</sup>  
 एते महर्षयस्ताव 7 11<sup>०</sup>  
 एतेऽमृतत्व सप्राप्ता 27 14<sup>०</sup>  
 एते यथाविपुजाणा 23 164<sup>०</sup>  
 एते युगसद्गच्छान्ते 3 55<sup>०</sup>  
 एते रुद्रास्त्राद्यादित्या 113 58<sup>०</sup>  
 एते लोक्य सेतव 100 53<sup>०</sup>  
 एते लोकहितार्थम् 31 148<sup>०</sup>  
 एते यत्सविदोपाश्च 6 49<sup>०</sup>  
 एते विवस्वतो वदो 10 79<sup>०</sup>  
 एते रुद्रावनगता 61 3<sup>०</sup>  
 एते वै दानवा श्रेष्ठा 3 79<sup>०</sup>  
 एते वै योगविभ्रटा 13 9<sup>०</sup>  
 एतेपामात्मभूताणा 40 39<sup>०</sup>  
 एतेषां काव्यमुत्थाप 7 46<sup>०</sup>  
 एतेषां कीर्तिताना तु 7 34<sup>०</sup>  
 एतेषा मानसी कन्वा 13 13<sup>०</sup>, 25<sup>०</sup>, 44<sup>०</sup>, 55<sup>०</sup>  
 एतेषु वनमुक्येषु 21 8<sup>०</sup>  
 एतेष्वायत्तमस्तु य 81 46<sup>०</sup>  
 एते सप्त महात्मान 7 44<sup>०</sup>  
 एते सप्तर्षयोऽपरे 7 22<sup>०</sup>  
 एते समथ्य राजान 89 19<sup>०</sup>  
 एतेऽस्त्रविदुष सर्वे 37 8<sup>०</sup>  
 एते स विस्तरस्ताव 13 11<sup>०</sup>  
 एते ऋषि गणा पञ्च 10 31<sup>०</sup>  
 एतैश्च कारणे क्षीमान् 113 72<sup>०</sup>  
 एते सद्गुणे योद्धु 110 46<sup>०</sup>  
 एतौ पक्षो भविष्यन्ति 43 64<sup>०</sup>  
 एतौ युद्धविदो रज 65 86<sup>०</sup>  
 एतौ रङ्गगतौ युद्धे 72 19<sup>०</sup>  
 एतौ हरदा यजेन्नेत्रेण 73 7<sup>०</sup>  
 एतौ हि वसुदेवत्व 96 44<sup>०</sup>  
 एत्य यादवनन्दन 32 5<sup>०</sup>  
 एतनेव नादापरम् 42 36<sup>०</sup>  
 एत पृच्छ महाभागम् 11 41<sup>०</sup>



पुमिस्त्वमभिपिच्यस्व 62 42<sup>a</sup>  
 पुमि सह समागन्तु 110 47<sup>a</sup>  
 पलापत्रश्च शङ्खश्च 3 86<sup>a</sup>  
 पवमवृरवचनै 109 54<sup>a</sup>  
 पवमक्षतचारित्र्यै 65 17<sup>a</sup>  
 पवमभ्यर्चित कृष्ण 92 61<sup>a</sup>  
 पवमस्त्विति तान्विमार् 39 29<sup>a</sup>  
 पवमस्त्विति ता गृह्य 35 71<sup>a</sup>  
 पवमस्त्विति शक्रुत्तम् 85 43<sup>a</sup>  
 पवमस्त्विति सहस्र 36 1<sup>a</sup>  
 पवमस्त्विति सोऽप्यग्नि 35 62<sup>a</sup>  
 पवमाम्नु श्यमानस्तु 65 97<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञापयान तु 76 23<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञापयामास 61 7<sup>a</sup>  
 पवमाज्ञाप्य राज्ञ स 72 12<sup>a</sup>  
 पवमात्मानमारामा मे 35 47<sup>a</sup>  
 पवमादिव्य तान्द्रह्या 43 75<sup>a</sup>  
 पवमातेकलग्रस्य 77 20<sup>a</sup>  
 पवमाते रुद्रन्वीपु 78 5<sup>a</sup>  
 पवमालोक्यामास 94 1<sup>a</sup>  
 पवमास्तीन्द्रमक्षय 2 37<sup>a</sup>  
 पवमाह पुन पुन 85 42<sup>d</sup>  
 पवमाह भजापति 100 69<sup>d</sup>  
 पवमाहु परे लोके 35 37<sup>a</sup>  
 पवमुकलत कृष्ण 86 35<sup>a</sup>  
 पवमुकस्त प्राह 86 31<sup>a</sup>  
 पवमुकस्ततो वाण 106 18<sup>a</sup>  
 पवमुकस्तु ह्यणेन 111 12<sup>a</sup>  
 पवमुत्तरस्तु मा वृद्ध 43 28<sup>a</sup>  
 पवमुत् स वृत्तस्तु 44 44<sup>a</sup>  
 पवमुक्त सित वृत्त्या 100 23<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता ततो गङ्गा 100 41<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता ह दासिणी 13 40<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता तु सा भीरु 99 16<sup>a</sup>  
 पवमुक्ता दैत्यमुक्ता 107 16<sup>a</sup>  
 पवमुक्तास्तु ह्यणेन 86 11<sup>a</sup>  
 पवमुक्तास्तु ते गापा 63 14<sup>a</sup>  
 पवमुक्ते तद्वा देव्या 107 13<sup>a</sup>  
 पवमुक्ते तु वचने 109 68<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो ज्वरस्तदा 110 68<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो भगवता 38 64<sup>a</sup>  
 पवमुक्तो मुनिश्रेष्ठ 100 24<sup>a</sup>  
 पवमुक्तोऽस्मि कृष्णेन 104 23<sup>a</sup>

पुवमुक्त्वा तत कृष्ण 81 8<sup>a</sup> 112 102<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा तु ते सर्वे 3 49<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा तु भगवान् 31 47<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा पति भोज 77 52<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा परिध्वज्य 113 70<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा महादेव 112 113<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा यदु तात 22 28<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा वचो घोर 48 36<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा स देवेन 13 74<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा स भगवान् 31 64<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा स राजर्षि 22 41<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वा सुरगणान् 38 79<sup>a</sup>  
 पुवमुक्त्वारितां वाच 112 10<sup>a</sup>  
 पुवमुधे प्रभापन्त 118 23<sup>a</sup>  
 पुवमुत्तमरत्तानि 91 11<sup>a</sup>  
 पुवमुर्जितवीर्यस्य 77 45<sup>a</sup>  
 पुवमेवत्वयो ट्यस्य 59 17<sup>a</sup>  
 पुवमेवत्पुरा गीत 19 34<sup>a</sup>  
 पुवमेवत्पुरा पृत् 19 30<sup>a</sup>  
 पुवमेतन्मया पूर्वं 43 46<sup>a</sup>  
 पुवमेतानि कर्माणि 97 40<sup>a</sup>  
 पुवमेव पुरा प्रथ 11 6<sup>a</sup>  
 पुवमेव भविष्यति 116 30<sup>a</sup>  
 पुवमेवामनीद्वाता 22 29<sup>a</sup>  
 पुवमेव दशाहांग 97 36<sup>a</sup>  
 पुवमेव निहृत्त्या वै 65 44<sup>a</sup>  
 पुवमेव महाबाहु 31 142<sup>a</sup> 97 28<sup>a</sup>  
 पुवमेपा च शौर्षर्षे 16 11<sup>a</sup>  
 पुवमेपा पुरी क्षिप 81 48<sup>a</sup>  
 पुवमेपा हितार्थाय 40 33<sup>a</sup>  
 पुवमेपोऽवतीर्णो वै 113 71<sup>a</sup>  
 पुव कथयवत्सस्य 52 29<sup>a</sup>  
 पुव कथयतामेव 113 55<sup>a</sup>  
 पुव कथयतोरेव 106 39<sup>a</sup>  
 पुव क्षाप्तमना कृष्ण 62 37<sup>a</sup>  
 पुव गत्या परा काष्ठा 117 5<sup>a</sup>  
 पुव चतुर्विधै सैऽथै 81 19<sup>a</sup>  
 पुर्व च श्रुतमस्मानि 11 2<sup>a</sup>  
 पुर्व जगति बहन्ते 41 30<sup>a</sup>  
 पुर्व तद्दानव दैन्य 33 31<sup>a</sup>  
 पुव तापेकनिर्माणै 79 40<sup>a</sup>  
 पुवं तु ता समादिव्य 47 57<sup>a</sup>  
 पुवं ते कुर्वत कृष्ण 69 25<sup>a</sup>

एवं ते विखिता सर्वे 56 49<sup>a</sup>  
 एवं ते समय चक्रुः 17 2<sup>a</sup>  
 एवं तौ ब्राह्म्यमुत्तौर्णौ 52 1<sup>a</sup>  
 एवं त्रीण्यस्य शत्रूनि 10 18<sup>a</sup>  
 एवं त्वमसि देवाना 62 20<sup>a</sup>  
 एवं दक्षाम्भि मनये 42 48<sup>a</sup>  
 एवं देवतिकायास्ते 3 57<sup>a</sup>  
 एवं द्वारवर्ति चैव 84 34<sup>a</sup>  
 एवं धर्मं च ते वृद्धि 14 9<sup>a</sup>  
 एवं निश्चल्य गोविन्द 103 6<sup>a</sup>  
 एवं प्रभावो येन्य स 6 42<sup>a</sup>  
 एवं प्रवर्तिते गर्भे 30 46<sup>a</sup>  
 एवं प्रमाया नृणा योनि 48. 42<sup>a</sup>  
 एवं प्राष्टुहुणान्सर्वांन् 54 41<sup>a</sup>  
 एवं बहुविध वृष्ण 68 39<sup>a</sup>  
 एवं बहुविध चाप्य 5 53<sup>a</sup>  
 एवं ह्यवति गोविन्दे 78 16<sup>a</sup>  
 एवं सुवति तत्त्व वै 83 18<sup>a</sup>  
 एवं ह्यवति चाप्य तु 38 28<sup>a</sup>  
 एवं सुवस्तस्तेऽन्येन्य 110 49<sup>a</sup>  
 एवं भवतु भद्रं ते 112 123<sup>a</sup>  
 एवं भवत्सु युक्तेषु 85 20<sup>a</sup>  
 एवं भविष्यते बाण 112 128<sup>a</sup>  
 एवं भविष्यन्ति तदा 117 37<sup>a</sup>  
 एवं मम परा प्रीति 60 28<sup>a</sup>  
 एवं मयि निराहये 43 34<sup>a</sup>  
 एवं मिथ्याभिदास्तेन 28 31<sup>a</sup>  
 एवं यज्ञवराहेण 31 30<sup>a</sup>  
 एवं यद्यपराद्धोऽह 43 33<sup>a</sup>  
 एवं ययाते शापेन 23 127<sup>a</sup>  
 एवं राज्य च ते स्फूर्ति 15 40<sup>a</sup>  
 एवं यत्साम्पालयती 52 7<sup>a</sup>  
 एवं यागिवपुस्तृण्य 72 25<sup>a</sup>  
 एवं विभज्य वृथिवी 22 21<sup>a</sup>  
 एवं विभज्य राज्यानि 4 10<sup>a</sup>  
 एवं विलुन्ति क्षोरे 117 1<sup>a</sup>  
 एवं विविधरूपाणि 106 30<sup>a</sup>  
 एवं वृक्षैरदागैस्तु 52 36<sup>a</sup>  
 एवं शात्या सुवासार्त्त 22 31<sup>a</sup>  
 एवं शुश्रूष्यो दाते 117 42<sup>a</sup>  
 एवं शीमरु सक्षेपात् 113 84  
 एवं श्रुत्वा प्रपन्न वै 47 9<sup>a</sup>  
 एवं स वृष्णो गोपीनां 63 35<sup>a</sup>

एवं स चिन्तयावित् 106 62<sup>a</sup>  
 एवं स चिन्तयित्वा तु 61 29<sup>a</sup>  
 एवं स दिव्यैर्भौमैश्च 86 74<sup>a</sup>  
 एवं स देवदैत्यानां 97 30<sup>a</sup>  
 एवं स मणिमाहृत्य 28 30<sup>a</sup>  
 एवं सम्पन्नप्रवृत्तेषु 41 16<sup>a</sup>  
 एवं स यत्नवान्कस 47 8<sup>a</sup>  
 एवं स विलपन्नेव 46 31<sup>a</sup>  
 एवं स विश्वायसुनाजुगित 118 39<sup>a</sup>  
 एवं सजश्वतामेव 75 29<sup>a</sup>  
 एवं सद्रूपणकरी 107 28<sup>a</sup>  
 एवं सद्रूपिता साध्वी 107 27<sup>a</sup>  
 एवं हि विहिते योगे 78 24<sup>a</sup>  
 एवं ह्यपरमेतस्मात् 97 38<sup>a</sup>  
 एवं कसत्य सद्भ 67 20<sup>a</sup>  
 एवं कृत्वा मनोमयम् 35 46<sup>b</sup>  
 एवं कृष्ण इति ख्यात 85 21<sup>a</sup>  
 एवं घोरो प्रद स्वार्ती 66 25<sup>a</sup>  
 एवं चाद् च सुव्रत 35 60<sup>a</sup>  
 एवं चैकशत हत्वा 97 16<sup>a</sup>  
 एवं ते कथित सौम्य 99 25<sup>a</sup>  
 एवं ते कृष्णते पुत्र 56 16<sup>a</sup>  
 एवं ते त्रिषु लोकेषु 23 78<sup>a</sup>  
 एवं ते ह्युपद्व्यादौ 15 65<sup>a</sup>  
 एवं ते पौरवो वश 23 122<sup>a</sup>  
 एवं ते चामनो नाम 31 92<sup>a</sup>  
 एवं ते वैष्णव श्रीमान् 31 100<sup>a</sup>  
 एवं ते सुभ्रु सदेश 83 49<sup>a</sup>  
 एवं दृष्टोऽसि भगता 12 17<sup>a</sup>  
 एवं देवमयश्चैव 39 9<sup>a</sup>  
 एवं देवानुवर्तिनाम् 46 24<sup>b</sup>  
 एवं यज्ञपरिभवत् 38 59<sup>a</sup>  
 एवं धाता विधाता च 113 78<sup>a</sup>  
 एवं नारायणो नृत्वा 32 4<sup>a</sup>  
 एवं शर पर चैव 39 16<sup>a</sup>  
 एवं यौष्कर्यो नाम 31 20<sup>a</sup>  
 एवं बाण रणे तित्वा 113 65<sup>a</sup>  
 एवं धाण स्थितो युद्धे 112 13<sup>a</sup>  
 एवं महाविद्या मध्ये 40 47<sup>a</sup>  
 एवं मन्वन्तरे हात 3 94<sup>a</sup>  
 एवं मानुषको वरत 47 6<sup>a</sup>  
 एवं मे वृष्ण संदश 67 66<sup>a</sup>  
 एवं मे प्रथमः वृष्ण 62 65<sup>a</sup>

एष मे प्रथमो देव 112 118°  
 एष मे विषयो महान् 30 51°  
 एष मे समय कृत 113 43°  
 एष मे सतयो प्रज्ञान् 30 54°  
 एष मोह रात कृष्ण 56 15°  
 एष लोकमयो देव 39 9°  
 एष वर्षानि शिशिर 36 11°  
 एष वामुभयोरस्तु 98 14°  
 एष विष्णुरिनि त्पात्र 32 5°  
 एष विष्णो सुरेशस्य 31 109°  
 एष वीतमले ज्योतिः 59 47°  
 एष वै पितृभक्तश्च 11 40°  
 एष वै प्रथम कल्प 13 12°  
 एष वै मुदिता भजा 2 21°  
 एष वो यदुत्तमन्द 113 64°  
 एष वो विदधे भयम् 110 28°  
 एष श्रीमान्नृपसुत 9 65°  
 एष सततं कर्तुं 67 50°  
 एषा गच्छाम्यह भीरु 107 84°  
 एषा ते वैष्णवी चर्या 113 81°  
 एषा ते स्वस्य वशस्य 35 70°  
 एषामरीदं वसता 84 6°  
 एषामर्थे प्रयच्छामि 62 45°  
 एषा मूर्धाभिगच्छामि 83 46°  
 एषा मे हवत्रता प्रीति 46 19°  
 एषा भूधरणाज्ञाना 53 4°  
 एषा नृपतिमुष्याना 81 12°  
 एषा प्रीत प्रयच्छामि 60 27°  
 एषां स्वसार पञ्चासन् 27 29°  
 एषा द्वियन्ता गावश्च 76 22°  
 एषोऽभिरन्तकालस्य 35 61°  
 एषोऽस्तक पुरा मूर्त्वा 33 15°  
 एषोऽसि परिदृष्टार्थं 86 25°  
 एषोऽस्य शूरयुग्मलाय 67 57°  
 एषोऽहमस्य विद्ध्ये 108 79°  
 एषोऽहं सगण देस्य 31 63°  
 एषो ब्रह्मवस्थित 112 9°  
 एषाश्चर्याणि दृश्यन्ते 100 53°  
 एहि देशव वातेति 68 17°  
 एषागच्छ यतोदेति 51 21°  
 एषाहि जप मा बाण 112 61°  
 एषोहि जवर युष्यस्य 110 67°  
 एषोहि युष्यस्य रणे 112 59°

एषोहि राजन्धर्मान् 77 48°

पे

ऐश्वर्यानी चाभवद्गार्वा 26 27°  
 ऐन्द्रेण पयसा सि क 54 12°  
 ऐन्द्र विनिहित पदे 62 26°  
 ऐरावतनातथाद् 61 5°  
 ऐरावतगत सख्ये 37 47°  
 ऐरावतमथादिनात् 4 8°  
 ऐरावतदिरागत 109 43°  
 ऐरावतो महापन्न 3 87°  
 ऐश्वर्यविधिमास्थित 113 40°  
 ऐश्वर्यं भूष एष च 23 166°  
 ऐश्वर्यं मुनिसरद्वयम् 20 28°  
 ऐश्वर्येणाश्वमाविश्य 118 34°

ओ

ओषा इव महार्णवम् 68 29°  
 ओषा इव समुद्रस्य 84 15°  
 ओषैश्च चारिराजस्य 86 46°  
 ओषै पवनपिशिसे 53 18°  
 ओषधीना परित्राण 34 25°  
 ओषधीर्षे मूर्तिमती 6 35°  
 ओषधीस किवायोनि 36 8°  
 ओषध्यला समुद्रला 20 15°

औ

औप्रसेति स दुधात्मा 96 63°  
 औप्रसेति समालोक्य 75 4°  
 औत्तमस्तामसश्चैव 7 4°  
 औत्तमेयान्महाराज 7 16°  
 औत्पातिकमिद् घोषे 51 32°  
 औद्भिदो भद्रिता कश्चित् 115 40°  
 और्वस्तथा वर प्रादात् 10 55°  
 और्वला भार्गवलाय 10 34°  
 और्वस्तु चारुर्मादि 10 36°  
 और्वस्यपि प्रभाजला 35 63°  
 और्वसाभ्रमनासाय 10 25°  
 और्व प्रणवसर्वाद् 35 64°  
 और्व पूर्वं स तेजस्वी 35 23°  
 और्वं सवरोको विभु 30 14°  
 और्वेण निर्मिता पूर्वं 35 72°  
 औवा नामास्तकोऽजल 35 50°  
 औवा वसिष्ठयुग्म 7 11°  
 औपदेश्य सुयोजितै 47 -1

क

क भाश्रमस्तवाप्तोऽस्ति 22 27<sup>१</sup>  
 क पुते पितर स्युता 11 1<sup>१</sup>  
 कबुत्स्यङ्ग्यां गा नाम 22 2<sup>१</sup>  
 कबुत्स्यो नाम वीथेयान् 9 44<sup>१</sup>  
 कबुदोद्गमिमाण 64 4<sup>१</sup>  
 कबुभिन्स्तु त लोक 9 32<sup>१</sup>  
 कबुभिनि हतेऽरिष्टे 65 4<sup>१</sup>  
 कबुभी नाम धार्मिक 9 24<sup>१</sup>  
 कबुभी वृपरूपदृक् 44 69<sup>१</sup>  
 कक्षालका सखीमिव 44 8<sup>१</sup>  
 कक्षेत्रमिरिव सवृद्ध 112 4<sup>१</sup>  
 कक्षे महति सवृद्ध 36 49<sup>१</sup>  
 कक्षेयुतनयारत्वासन् 23 15<sup>१</sup>  
 कक्षेयु स्थण्डिलेयुश्च 23 6<sup>१</sup>  
 कक्षोपरि विलम्बिते 75 43<sup>१</sup>  
 कक्षा चैव वराङ्गना 27 29<sup>१</sup>  
 कक्षुनाङ्गसुभूमय 27 28<sup>१</sup>  
 कक्षिच्छाङ्गैर्गदापाणे 106 24<sup>१</sup>  
 कक्षित्तव बलाश्रयात् 106 25<sup>१</sup>  
 कक्षिन्निभि क्रमै पूर्वे 106 28<sup>१</sup>  
 कक्षिन्नेलोक्थराज्य ते 106 22<sup>१</sup>  
 कक्षिद्गमन भयेत् 106 11<sup>१</sup>  
 कक्षिदिन्द्रस्तव भयात् 106 33<sup>१</sup>  
 कक्षिद्दीशरतोपेण 106 31<sup>१</sup>  
 कक्षिद्द्वेष्टेरपराभवम् 106 56<sup>१</sup>  
 कक्षिद्दुष्ट मनस्तव 107 32<sup>१</sup>  
 कक्षिद्द्राज्यमवाप्स्यति 106 26<sup>१</sup>  
 कक्षिद्द्विष्णुपरित्रास 106 23<sup>१</sup>  
 कक्षिद्दुष्पचनस्तात 106 30<sup>१</sup>  
 कक्षिद्द्वैराचर्नि तात 106 27<sup>१</sup>  
 कक्षिन्नारायण द्वव 106 29<sup>१</sup>  
 कक्षे जलनिधेस्तदा 29 33<sup>१</sup>  
 कक्षेच्छङ्कुटीमठम् 49 23<sup>१</sup>  
 कक्ष्यामलितमुत्साघ 74 35<sup>१</sup>  
 कक्ष्यायां विदलीकृत 67 35<sup>१</sup>  
 कक्ष्यैःशृणुगृहेस्था 53 25<sup>१</sup>  
 कठिनत्व गतानि चै 59 40<sup>१</sup>  
 कठिनत्व धनधन 64 3<sup>१</sup>  
 कठिन वेद् धारम् 42 17<sup>१</sup>  
 कठिन वैटभोऽभवत् 42 16<sup>१</sup>  
 कठोरनृणमाभाति 59 32<sup>१</sup>  
 कण्टकीभि प्रवृद्धाभि 53 22<sup>१</sup>

कण्टकीवाटसङ्कुलम् 49 22<sup>१</sup>  
 कण्डाग्राहाक्षिरस्तासु 76 40<sup>१</sup>  
 कण्डमूरानलम्बिना 55 10<sup>१</sup>  
 कण्ठ द्विन्नमिवाभ्यम् 64 19<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकश्च भारत 19 19<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकश्च योगात्मा 15 12<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकस्तयापर 18 17<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकस्य चैव ह 15 68<sup>१</sup>  
 कण्ठरीको द्विजवैभ 19 16<sup>१</sup>  
 कण्ठरीकोऽपि योगात्मा 19 28<sup>१</sup>  
 कण्ठयमान सतत 46 30<sup>१</sup>  
 कतरचन्द्रयु सौम्य 71 39<sup>१</sup>  
 करिव्यतानि क ते वाण 112 90<sup>१</sup>  
 कथमन्यैरनाचीर्ण 118 31<sup>१</sup>  
 कथमदभुजो रणे 112 54<sup>१</sup>  
 कथमस्य मया कार्ये 58 33<sup>१</sup>  
 कथमश प्रयुज्यताम् 43 8<sup>१</sup>  
 कथमशावतरण 43 9<sup>१</sup>  
 कथमेव कृता नाम 107 29<sup>१</sup>  
 कथयन्ति महात्मान 90 2<sup>१</sup>  
 कथयन्तो नचोभनम् 51 33<sup>१</sup>  
 कथयन्नेव यलवान् 54 41<sup>१</sup>  
 कथयन्त कुल तेषा 1 19<sup>१</sup>  
 कथयन्त नृचिस्मिते 8 9<sup>१</sup>  
 कथयन्त सुखावहम् 30 57<sup>१</sup>  
 कथयामास ता कथाम् 1 14<sup>१</sup>  
 कथयामास भारत 104 2<sup>१</sup>  
 कथयामास राजर्षे 118 13<sup>१</sup>  
 कथयिष्यामि तच्छृणु 7 18<sup>१</sup>  
 कथयेद्दिद नित्यश 23 163<sup>१</sup>  
 कथ कार्यमिदं कार्ये 108 4<sup>१</sup>  
 कथ गच्छत्यथो पिद्वन् 11 13<sup>१</sup>  
 कथ गतिर्गतिमताम् 30 54<sup>१</sup>  
 कथ च दत्तमस्मानि 11 33<sup>१</sup>  
 कथ च महल्लोकस्य 39 5<sup>१</sup>  
 कथ च भगवाचिष्णु 30 3<sup>१</sup>  
 कथं च शक्रास्ते दारुं 11 13<sup>१</sup>  
 कथं च ससमस्तेषा 15 6<sup>१</sup>  
 कथं च समय हरवा 113 42<sup>१</sup>  
 कथं चास्तेन कालं 104 7<sup>१</sup>  
 कथं जाता महाबलाः 10 54<sup>१</sup>  
 कथ जीविमुत्सहे 109 7<sup>१</sup>  
 कथ जीविमुत्सहे 107 27<sup>१</sup>

कथ ज्ञास्यामहे सखि 107 57<sup>d</sup>  
 कथ ज्ञेयो भवेद्गौरु 107 49<sup>g</sup>  
 कथ तत्रासतस्तस्य 39 4<sup>e</sup>  
 कथं त्व चिन्तयामि 109 21<sup>d</sup>  
 कथ एव दोषदुष्टा वै 107 35<sup>g</sup>  
 कथ दीनेन कतेव्य 77 10<sup>g</sup>  
 कथ द्रक्ष्यामि शुष्यन्त 77 54<sup>g</sup>  
 कथ धारयिता चासि 5 47<sup>e</sup>  
 कथं पापं करिष्यन्ति 109 49<sup>g</sup>  
 कथ पुष्टिरवाप्यते 11 8<sup>b</sup>  
 कथ प्रगाशिता पुत्रा 3 14<sup>e</sup>  
 कथ प्राचेतसस्य स 2 51<sup>e</sup>  
 कथ प्राणान्तिके घोरम् 77 31<sup>e</sup>  
 कथ बहुयुगे काले 9 29<sup>g</sup>  
 कथ मानुषमात्रेण 77 26<sup>g</sup>  
 कथ यास्याम विद्विद्याम् 83 16<sup>d</sup>  
 कथ दक्ष्याम विधया 77 13<sup>e</sup>  
 कथ वै गन्तुमर्ह्य 18 28<sup>d</sup>  
 कथ वै भ्रातृदेवरवम् 11 1<sup>e</sup>  
 कथ शान्तिर्भवेन्मम 110 65<sup>f</sup>  
 कथ शशुरता गत 2 52<sup>d</sup>  
 कथ समुद्र स्तब्धोद 104 4<sup>e</sup>  
 कथ स सगरो जात 10 25<sup>g</sup>  
 कथ चक्षुष्य वै प्रजा 3 16<sup>e</sup>  
 कथ स्वपिति धर्मान्ते 39 5<sup>e</sup>  
 कथ स्वस्ति भवेन्मम 108 4<sup>d</sup>  
 कथ ह्यकीर्या सयुक्त 115 37<sup>e</sup>  
 कथान्ते बहुवार्यिके 12 20<sup>b</sup>  
 कथा बहुविधाश्चित्रा 115 9<sup>e</sup>  
 कथाभिस्तुप्रदिष्टभि 40 19<sup>e</sup>  
 कथानि पूर्ववृत्तानि 43 16<sup>e</sup>  
 कथामितलवुद्धिमात्र 11 15<sup>b</sup>  
 कथा यत्र समुत्पन्ना 13 49<sup>g</sup>  
 कथायोगेन ताम्सर्वात्र 117 20<sup>e</sup>  
 कथितमिदं हि समासविकृते 118 51<sup>e</sup>  
 कथितं कस्तवय विधि 99 13<sup>d</sup>  
 कथित तत्रमिच्छामि 99 15<sup>e</sup>  
 कथित तस्य गौरवात् 44 39<sup>b</sup>  
 कथितं भवता पुण्य 1 4<sup>e</sup>  
 कथितं भवता विप्र 1 8<sup>e</sup>  
 कथित सागरगमे 83 49<sup>b</sup>  
 कथितानि मया साधो 105 5<sup>e</sup>  
 कथितो नारदेन मे 85 26<sup>f</sup>, 54<sup>b</sup>

कथ्यते वैष्णव यदा 31 92<sup>d</sup>  
 कथ्यमान द्विजातिभि 11 2<sup>b</sup>  
 कथ्यमान पुरातनम् 7 56<sup>b</sup>  
 कथ्यमानां मया चित्रा 1 15<sup>e</sup>  
 कदम्बपादप्रप्राय 52 22<sup>g</sup>  
 कदम्बशिरस युवा 56 1<sup>d</sup>  
 कदम्बा वायुपहिता 73 15<sup>d</sup>  
 कदम्बैर्वासित वनम् 54 6<sup>b</sup>  
 कदाचिच्चारयत्नेन 65 27<sup>e</sup>  
 कदाचिन्काशिराजस्य 24 8<sup>e</sup>  
 कदाचिनु तदा कृष्ण 55 1<sup>e</sup>  
 कदाचिपुत्रपृदिनी 50 4<sup>b</sup>  
 कदाचिदभवत्तत्र 107 1<sup>b</sup>  
 कदाचिद्ब्रह्मदत्तस्तु 19 2<sup>g</sup>  
 कदाचिद्भरतर्षभ 91 26<sup>b</sup>  
 कदाचिन्मृगया यात 28 15<sup>e</sup>  
 कदाचिल्लभते वामम् 19 33<sup>b</sup>  
 कद्रुसुनिध्व लोनेश 3 45<sup>e</sup>  
 कनिष्ठाद्रिगणनन्दनात् 24 24<sup>g</sup> 98 25<sup>d</sup>  
 कनीयान्भरतर्षभ 23 30<sup>d</sup>  
 कनीयास्तव चाप्ययम् 49 8<sup>b</sup>  
 कन्दराकीर्णकाननाम् 36 22<sup>d</sup>  
 कन्दरेषु नदीषु च 73 11<sup>d</sup>  
 कन्दरामरुदगीषु 55 14<sup>e</sup>  
 कन्यागणसमायुक्ता 107 16<sup>b</sup>  
 कन्या चारुनती तथा 98 6<sup>f</sup>  
 कन्या चास्य बहुधरा 28 41<sup>d</sup>  
 कन्या चैव सुमध्यमा 8 11<sup>b</sup>  
 कन्या जीवितुमुत्सहे 107 29<sup>b</sup>  
 कन्या त्रिगवैराजस्य 25 6<sup>e</sup>  
 कन्यापुत्रवर महर्ष 96 2<sup>e</sup>  
 कन्या भद्रवती तथा 93 9<sup>d</sup>  
 कन्याभावाच्च सुशुभ्रा 9 18<sup>d</sup>  
 कन्यायास्तद्व्यतिक्रमम् 108 13<sup>d</sup>  
 कन्याया नारदो महर्ष 3 12<sup>e</sup>  
 कन्यार्यां भरतश्रेष्ठ 2 16<sup>e</sup>  
 कन्याया सा व्यजायत 26 18<sup>e</sup>  
 कन्या वै जनमेजय 23 45<sup>b</sup>  
 कन्या वृर्यो तथैव च 13 47<sup>b</sup>  
 कन्या च वासुदेवाय 29 34<sup>e</sup>  
 कन्यां ता बलदेवाय 9 27<sup>e</sup>  
 कन्या ता वर्यर्षिणीम् 48 21<sup>e</sup>  
 कन्यां द्वौ च प्रजापती 8 6<sup>d</sup>

कन्या पुत्रांश्च धनुर 13 46°  
 कन्या प्रदद्याद्योगारता 15 7°  
 कन्यैव चाभवश्चित्यं 48 29°  
 कन्यैव भूत्वा लोकास्वान् 13 35°  
 कपर्दी रैवतस्तथा 3 43°  
 कपालद्वयदेहिनम् 100 33°  
 कपालार्भ्यां समानृत 100 36°  
 कपिलश्च वन ययौ 98 22°  
 कपिल च महारमान 23 54°  
 कपिलो चामनस्तथा 3 66°, 89°  
 कपीवानकपीवाश्च 7 18°  
 कपोतरोमा कस्त्यथ 27 17°  
 कफवर्गे भवेच्छुक्र 30 43°  
 कफस्य हृदय स्थान 30 43°  
 कफ सोमो विभाव्यते 30 45°  
 कवन्धानि समुत्सथु 82 7°  
 कवन्धादस्थित सत्ये 38 47°  
 कम्पमानाणैवप्रभे 74 16°  
 कम्पमानैरिवाग्बुद्धे 81 19°  
 कम्पयन्तौ भुव धीरो 82 10°  
 कम्पिताना तु ज्ञाखिनाम् 61 39°  
 कम्बलाश्वतरावुभौ 3 87°  
 कम्बलाश्वतरौ नागौ 70 23°  
 कम्बुग्रीवा सुवचंस 31 86°  
 करदानमम शासनात् 65 83°  
 करद्वैरविगर्हिता 41 6°  
 करभारप्रपीडिता 117 23°  
 करमादाय वाणिकम् 65 84°, 69 3°  
 करवीरकरभि च 93 19°  
 कर च श्रीधरस्तस्य 74 27°  
 कर चानडुद् सर्पि 69 29°  
 कर चोपायनानि च 69 30°  
 करंधमस्तु धैदानो 23 12°  
 करान्धवहनसनिभः 5 21°  
 कराल केशिरेव च 31 77°  
 करिष्यति मनोमयम् 99 48°  
 करिष्यति महातेजा 2 21°  
 करिष्यन्ति च सकोच 117 41°  
 करिष्यसि जगद्धितम् 6 3°  
 करिष्यसि मनोहराम् 93 3°  
 करिष्यामो विधान ते 18 29°  
 करिष्याम्यद्दसुतरम् 110 15°  
 करिष्ये कस्यघातनम् 47 56°

वरिष्ये साह्यमुत्तमम् 35 54°  
 करीपवासुद्धिधाह्न 63 30°  
 करीपमोक्षितौ षचित् 51 8°  
 करीपाकीर्णयसुधं 49 23°  
 करीपेण च महस्य 75 11°  
 करीपेषु प्रकृतषु 68 8°  
 वरुण वीरहर्षणम् 118 3°  
 करपश्च प्रपश्च 9 2°  
 करपस्य तु कारूपा 9 36°  
 करूपाधिपतिन्मथा 81 38°  
 करूपाधिपतेर्वीर 24 22°  
 करूषेषु प्रकृतोऽय 75 22°  
 करेण कार्लो यपुपा 34 37°  
 करे मरुपृथय गोविद् 96 23°  
 करोति कद्वन महत् 67 5°  
 करोति निन्द महत् 59 13°  
 करोति रणमूर्धनि 112 92°  
 करोत्यन्यस्य सत्त्रियाम् 59 29°  
 करोति कद्वन महत् 46 24°  
 कर्कशा यान्ति मारुता 54 38°  
 कर्कटकधनत्रयौ 3 88°  
 कर्कटकपुर सैरै 70 24°  
 कर्णधारो रणे रणे 41 2°  
 कर्णपूरमनोरमौ 58 6°  
 कर्णोल्लोतोऽज्ञवां लो हि 42 15°  
 कर्तव्यनागो भ्राजेते 55 53°  
 कर्तव्य नात्र सदाय 109 44°  
 कर्तव्य पारलौकिकम् 78 12°  
 कर्तव्य मे महत्कर्म्म 72 17°  
 कर्तव्यशाना च कर्तार 65 13°  
 कर्तव्ये भगवान्प्रसु 45 28°  
 कर्तव्यो न परिग्रह 77 33°  
 कर्तव्यो निग्रहो मया 55 54°  
 कर्तव्यो भगवान्मुखी 35 74°  
 कर्तव्यो यस्त एव हि 72 20°  
 कर्तार सुलभा लोके 78 13°  
 कर्ता शिल्पचर्ता धर 3 40°  
 कर्ता शिल्पसहस्राणां 3 40°  
 कर्तासि तद्दत्तन्द्रित 96 70°  
 कर्तुमर्हति क पुमान् 96 64°  
 कर्तुमर्हसि भाषितम् 62 88°  
 कर्तुं मातृवचस्तव 8 26°  
 कर्तुं लोकस्य चानघ 11 22°

कर्तुं व्यवसितो नृप 10 38<sup>d</sup>  
 कर्तुंगा दास्यते फलम् 115 42<sup>d</sup>  
 कर्ममस्य प्रजापते 2 6<sup>d</sup> 4 12<sup>d</sup> 13 58<sup>d</sup>  
 कर्मं हृष्यस्य वै तदा 92 61<sup>d</sup>  
 कर्मं चाभ्यरगामिनाम् 100 50<sup>d</sup>  
 कर्मं चारत्त्वमुत्तमम् 15 54<sup>d</sup>  
 कर्मं चैव शशास तद् 92 55<sup>d</sup>  
 कर्मज निहते दैत्ये 58 58<sup>d</sup>  
 कर्मज फलमुच्यते 11 11<sup>d</sup>  
 कर्मणा च विरोधत 107 34<sup>d</sup>  
 कर्मणा चोपपादितम् 107 37<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन तस्य ह 10 52<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन ते तात 16 27<sup>d</sup>  
 कर्मणा तेन दैत्यस्य 38 33<sup>d</sup>  
 कर्मणा परितोषित 67 55<sup>d</sup>  
 कर्मणाप्रतिम भुवि 89 9<sup>d</sup>  
 कर्मणा मनसा वाचा 20 1<sup>d</sup> 22 39<sup>d</sup>  
 कर्मणामनुसधानं 101 2<sup>d</sup>  
 कर्मणामानुपूर्व्यां च 30 2<sup>d</sup>  
 कर्मणाश्रयभूतस्य 30 57<sup>d</sup>  
 कर्मणा गहना गतिम् 32 2<sup>d</sup>  
 कर्मं तत्रेदावादन्य 96 64<sup>d</sup>  
 कर्मं तद्विपत्तीकृतम् 65 48<sup>d</sup>  
 कर्मो वा कर्मलोऽपि वा 40 15<sup>d</sup>  
 कर्मभिश्चानुचिन्त्यताम् 75 23<sup>d</sup>  
 कर्मभित्तोपिता दिव्ये 62 38<sup>d</sup>  
 कर्मभि सोऽनुमीयते 65 25<sup>d</sup>  
 कर्मभि स्वैर्जित शुभै 85 64<sup>d</sup>  
 कर्मभूमिनिहस्थाना 41 24<sup>d</sup>  
 कर्माणि तव हृद्यवान् 67 55<sup>d</sup>  
 कर्माणि विपुधातिन 30 1<sup>d</sup>  
 कर्माण्यपरिमेशानि 105 1<sup>d</sup> 106 1<sup>d</sup>  
 कर्माण्युक्तानि वै राजन् 105 4<sup>d</sup>  
 कर्मतदनुसूय च 5 34<sup>d</sup>  
 कर्मकाणां हृषिर्बुद्धि 59 21<sup>d</sup>  
 कर्मकाण्युगवैधर्म्मि 62 40<sup>d</sup>  
 कर्मणापोमुख बली 83 30<sup>d</sup>  
 कर्मणापुत्रहृष्टामि 83 45<sup>d</sup>  
 कर्मणेन च बुद्ध्याभ्या 65 5<sup>d</sup>  
 कर्मणेन महायादौ 83 43<sup>d</sup>  
 कर्मणेनास्य गर्भस्य 48 6<sup>d</sup>  
 कर्मन्मर्कणन्त 89 45<sup>d</sup>  
 कर्मनाथ उदूत७म् 51 15<sup>d</sup>, 16<sup>d</sup>

कर्ममाण्युदूतलम् 51 26<sup>d</sup>  
 कलमापवषाण्डुपु 59 39<sup>d</sup>  
 कलमापवसस्येपु 59 45<sup>d</sup>  
 कलमानताप्राप्तु 62 52<sup>d</sup>  
 कलडायासपद् धोर 89 26<sup>d</sup>  
 कलसिंहात्ममेव च 30 26<sup>d</sup>  
 कलिङ्गराजस्तच्छ्रुत्वा 89 32<sup>d</sup>  
 कलिङ्गस्य तथानीकं 87 68<sup>d</sup>  
 कलिङ्गं च ननादृत 97 15<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपतिश्चैव 80 10<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपतिं तथा 87 5<sup>d</sup>  
 कलिङ्गाधिपतेरपि 89 44<sup>d</sup>  
 कलिङ्गा पुण्ड्रकाश्चैव 23 32<sup>d</sup>  
 कलिस्तव हि विनाशाय 65 69<sup>d</sup>  
 कलेर्भागे तवैव च 44 4<sup>d</sup>  
 कल्को विष्णुपता नाम 31 148<sup>d</sup>  
 कल्पयित्वा च भागत 67 44<sup>d</sup>  
 कल्पयेय गवा स्थान 61 27<sup>d</sup>  
 कल्पस्य परिमाणत 23 30<sup>d</sup>  
 कल्पान्तेषु पुन पुन 7 54<sup>d</sup>  
 कल्पितेय मया भूमि 86 5<sup>d</sup>  
 कल्पितै रणकोविदे 81 16<sup>d</sup>  
 कल्पो नि शेष उच्यते 7 52<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता ऋक्षचरवरा 86 9<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता राशयोऽव्यया 72 8<sup>d</sup>  
 कल्प्यन्ता सूपकल्पिता 72 11<sup>d</sup>  
 कलमापपादस्य सुत 10 71<sup>d</sup>  
 कलमाप खसुमन्मया 110 24<sup>d</sup>  
 कल्याणत्वात्तरपते 27 8<sup>d</sup>  
 कल्याण सामवाप्यसि 19 12<sup>d</sup>  
 कयच च महायन्त्रम् 5 23<sup>d</sup>  
 कयचासिगदाप्राप्तान् 112 8<sup>d</sup>  
 कयचेपु महास्त्रन 87 76<sup>d</sup>  
 कय्यादाश्च पिन्दनपि 30 23<sup>d</sup>  
 कय्यापार्थिवप्रचोदितै 84 18<sup>d</sup>  
 कदोशरगमत्तदा 91 7<sup>d</sup>  
 कश्च कालं प्रसूतस्य 85 56<sup>d</sup>  
 कश्च त्वं विकृताकार 73 20<sup>d</sup>  
 कश्चिच्छक्ते जिनीविपु 67 51<sup>d</sup>  
 कश्चिच्छक्ते महाशुभे 109 89<sup>d</sup>  
 कश्चिज्यानाति तत्त्वेन 107 48<sup>d</sup>  
 कश्मीरराजो गोनर्द 81 38<sup>d</sup>  
 कश्यपश्च महातृपि 7 30<sup>d</sup>

कश्यप लोकभावनम् 42 43<sup>b</sup>  
 कश्यप ससुपस्थिता 42 41<sup>a</sup>.  
 कश्यपाद्भिज्जिरे 3 70<sup>b</sup>  
 कश्यपादिति न धृतम् 3 58<sup>b</sup>  
 कश्यपाय त्रयोदश 2 47<sup>d</sup> 3 24<sup>b</sup>  
 कश्यपाय निवेदिता 42 40<sup>d</sup>  
 कश्यपाय वसुधराम् 31 106<sup>d</sup>  
 कश्यपेन महात्मना 43 16<sup>d</sup> 45 32<sup>b</sup>  
 कश्यपे शापमुत्सृजत् 45 31<sup>d</sup>  
 कपायस्य च ससर्गं 75 19<sup>a</sup>  
 कपायाश्चैव कुम्भश 72 10<sup>b</sup>  
 कपायीकृतलोचन 75 8<sup>b</sup>  
 कपाये हानिरुच्यते 117 45<sup>b</sup>  
 कपायोपहृषे काले 117 13<sup>a</sup>  
 कस्तद्वेषेष्टमर्हति 58 40<sup>d</sup>  
 कस्तद्वह्नियितुं शक्तः 60 9<sup>a</sup>  
 कस्तस्या जावितेनार्थे 107 54<sup>d</sup>  
 कस्ता धर्पयितु शक्त 45 25<sup>a</sup>  
 कस्तव भगसि रुद्राणा 63 5<sup>a</sup>  
 कस्तव वृष्णिहृल सर्वे 99 40<sup>a</sup>  
 कस्तादेषोऽनिरुद्धस्य 109 14<sup>a</sup>  
 कस्ताबोद्धिजेत मन 77 35<sup>d</sup>  
 कस्मिन्काले यभूव इ 15 5<sup>b</sup>  
 कस्मिन्देरो नृपो जज्ञे 87 8<sup>a</sup>  
 कस्मिन्प्रतिष्ठितो वश 114 1<sup>a</sup>  
 कस्मिन्वरोऽथ जज्ञिवान् 15 30<sup>b</sup>  
 कस्मिँल्लोके च ते गणा 13 3<sup>b</sup>  
 कस्तचित्त्वध कालस्य 79 3<sup>a</sup> 80 1<sup>a</sup> 84 1<sup>a</sup> 96 53<sup>a</sup>  
 100 5<sup>a</sup> 118 11<sup>a</sup>  
 कस्तचित्पुरवासिन 9 90<sup>d</sup>  
 कस्त चैय क्षुपेति वै 26 17<sup>b</sup>  
 कस्त त्वमिति यच्चाह 73 29<sup>a</sup>  
 कस्त वा वेन वा कार्पं 40 45<sup>a</sup>  
 कस्त वा वदयता यामि 56 34<sup>a</sup>  
 कस्त्यान्ववाये क्षुतिमान् 87 8<sup>a</sup>  
 कस्त्येदमनुलेपनम् 71 23<sup>b</sup>  
 कस्त्येद कर्म चेति च 50 25<sup>b</sup>  
 कस्त्येद सुमहद् हृदम् 55 47<sup>d</sup>  
 कद्वा घाह्य यादवम् 65 8<sup>b</sup>  
 कद्वायरजमेव च 65 8<sup>d</sup>  
 क काम करवाणि ते 12 12<sup>d</sup>, 17<sup>d</sup>  
 कचिराल सुमोदतु 79 40<sup>d</sup>  
 क वा दधार नियम 39 3<sup>a</sup>

क वा योगमुपात्त स 39 3<sup>b</sup>  
 कस कंस विनाशाय 48 34<sup>a</sup>  
 कस गर्भकृते महान् 65 48<sup>b</sup>  
 कसगोपस्य समता 48 12<sup>f</sup>  
 कसदेहमदूत 76 37<sup>d</sup>  
 कसदेह यथाक्रमम् 78 43<sup>b</sup>  
 कसद्विष्टेन चेतसा 74 32<sup>d</sup>  
 कसनारीप्रलापाश्च 78 3<sup>a</sup>  
 कसनाशार्थमच्युत 76 25<sup>d</sup>  
 कसपरन्त्यो हतं कस 77 1<sup>a</sup>  
 कंसभ्रातरमूर्धितम् 76 46<sup>b</sup>  
 कसमाता प्रवेपती 77 38<sup>b</sup>  
 कसराजपुरीं प्रभो 70 39<sup>b</sup>  
 कसवक्त्रस्य शोषेण 76 16<sup>a</sup>  
 कसवैकृतदासिन 66 40<sup>d</sup>  
 कसश्चके नराधिप 96 53<sup>d</sup>  
 कसश्च विनिपातित 83 11<sup>b</sup>  
 कससस्कारकारणात् 77 50<sup>d</sup>  
 कसस्तस्मिन्हृते बुधि 87 24<sup>b</sup>  
 कसस्तु पितर बध्वा 96 52<sup>a</sup>  
 कसस्त्रीणा सविस्तरम् 77 59<sup>b</sup>  
 कसस्य करदायक 45 35<sup>d</sup>  
 कसस्य च भयाघस्त 69 7<sup>a</sup>  
 कसस्य चरितानुग 67 9<sup>d</sup>  
 कसस्य निधनक्रियाम् 78 40<sup>d</sup>  
 कसस्य निधनाविरम् 78 2<sup>d</sup>  
 कसस्य पुरतो न्यस्ता 48 27<sup>a</sup>  
 कसस्य बलसन्धयम् 78 23<sup>d</sup>  
 कसस्य भयमाहृतम् 96 41<sup>d</sup>  
 कसस्य मत्सर चैव 74 24<sup>a</sup>  
 कसस्य विफले यत्ने 47 28<sup>a</sup>  
 कसस्य सद्गतेऽवशा 69 23<sup>d</sup>  
 कसस्य हि वध श्रेयान् 78 7<sup>a</sup>  
 कसस्ताज्ञा पुरस्कृत्य 72 14<sup>a</sup>  
 कसस्तानुग्रहमाप्नुयाम् 78 28<sup>d</sup>  
 कस्तस्यापचिति चरन् 80 2<sup>d</sup>  
 कस्तस्यापि मुखे र्वेद 76 14<sup>a</sup>  
 कंसस्याभाववदसिवात् 75 40<sup>d</sup>  
 कस्तस्यारिष्टसञ्चितम् 47 9<sup>b</sup>  
 कस्तस्याशुभकर्मण 78 25<sup>d</sup>  
 कस्तस्यास्य हृते हृतम् 78 4<sup>d</sup>  
 कस हृत्साईवा गतम् 76 35<sup>d</sup>  
 कस च हपिताव्रवीत् 48 33<sup>d</sup>



कंसं त्वाच देवकी 48. 21<sup>d</sup>.  
 कंसं परुषभापिणम् 76. 23<sup>d</sup>.  
 कंसं मातेव जल्पती 48. 44<sup>d</sup>.  
 कंसः कृष्णस्य वै तदा 76. 39<sup>d</sup>.  
 कंसः कृष्णेन तेजसा 76. 34<sup>d</sup>.  
 कंसः पापरतिश्चैव 78. 9<sup>d</sup>.  
 कंसः प्रेतगतोऽपि सन् 78. 32<sup>d</sup>.  
 कंसः स यिनशिष्यति 44. 82<sup>d</sup>.  
 कंसः सभ्येन पाणिना 75. 35<sup>d</sup>.  
 कंसः संरक्तलोचनः 66. 39<sup>d</sup>.  
 कंसा कंसवती तथा 27. 29<sup>d</sup>.  
 कंसाज्ञया समुचितं 69. 3<sup>d</sup>.  
 कंसादींश्चापि तान्सर्वान् 45. 12<sup>d</sup>.  
 कंसाद्भयं चकारोमं 50. 29<sup>d</sup>.  
 कंसाभार्यं जनादैनः 97. 24<sup>d</sup>.  
 कंसाभारयो निपातितः 96. 43<sup>d</sup>.  
 कंसापातकदुर्दुमिः 48. 21<sup>d</sup>.  
 कंसारिरतुलं वचः 86. 26<sup>d</sup>.  
 कंसेन विनिपातिताः 48. 8<sup>d</sup>.  
 कंसेन स निरस्यते 71. 4<sup>d</sup>.  
 कंसेनादीर्घैर्दानिना 85. 98<sup>d</sup>. 69. 16<sup>d</sup>.  
 कंसेनापि समाज्ञतः 75. 7<sup>d</sup>.  
 कंसेनाशुभबुद्धिना 66. 6<sup>d</sup>.  
 कंसे भूयः समेष्यामि 67. 67<sup>d</sup>.  
 कंसे विनिहते कृष्ण 62. 86<sup>d</sup>.  
 कंसो गच्छतु मूढताम् 47. 37<sup>d</sup>.  
 कंसो न ममृषे च तम् 80. 5<sup>d</sup>.  
 कंसो नाम रिपुर्ध्वंसी 73. 29<sup>d</sup>.  
 कंसो नाम विशालाक्षः 44. 62<sup>d</sup>.  
 कंसो निर्यन्ततां गतः 76. 31<sup>d</sup>.  
 कंसोऽप्युद्धिमानसः 71. 54<sup>d</sup>.  
 कंसो यरतं करिष्यति 47. 32<sup>d</sup>.  
 कंसो वासि यथातथा 66. 6<sup>d</sup>.  
 कंसो वै रङ्गसंसदि 76. 29<sup>d</sup>.  
 कः श्वसन्श्च नेङ्गते 40. 17<sup>d</sup>.  
 काकपक्षपरः श्रीमात् 55. 2<sup>d</sup>.  
 काकपक्षधरातुभौ 52. 2<sup>d</sup>.  
 काकपक्षधरैर्दोषैः 49. 26<sup>d</sup>.  
 काकी तु जनयामास 3. 82<sup>d</sup>.  
 काकी इयेनी च भारी च 3. 81<sup>d</sup>.  
 काकोत्प्रासोऽयभापय 71. 46<sup>d</sup>.  
 काङ्कन्त्याः कृष्णदर्शनम् 92. 27<sup>d</sup>.  
 काङ्कभागासत्रागमम् 83. 10<sup>d</sup>.

काङ्कन्त्यास्य रणे यथम् 108. 61<sup>d</sup>.  
 काङ्कितप्रये समागमे 35. 56<sup>d</sup>.  
 का च धारयितुं द्राक्षा 45. 45<sup>d</sup>.  
 काञ्चननमभचरणौ 42. 7<sup>d</sup>.  
 काञ्चनस्याप्ररत्नस्य 100. 55<sup>d</sup>.  
 काञ्चनं पातमादाय 6. 18<sup>d</sup>.  
 काञ्चनं महदासनम् 95. 17<sup>d</sup>.  
 काञ्चनाप्राणि भासन्ति 93. 32<sup>d</sup>.  
 काञ्चनाञ्जनराजनीः 61. 37<sup>d</sup>.  
 काञ्चने निपसाद् ह 100. 13<sup>d</sup>.  
 काञ्चनेर्भोगिसोपलैः 93. 30<sup>d</sup>.  
 काञ्चनी वज्रभूपितः 76. 30<sup>d</sup>.  
 काण्डपृष्ठाः श्रोत्रियाश्च 116. 7<sup>d</sup>.  
 कातरं पाशयममवीत् 56. 32<sup>d</sup>.  
 काट्टवेयास्तु बलिभः 3. 86<sup>d</sup>.  
 काननानि वनानि च 52. 10<sup>d</sup>.  
 काननेषु मदाश्विताः 54. 26<sup>d</sup>.  
 काननैर्नन्दनप्रसूयैः 93. 13<sup>d</sup>.  
 कानिचिच्छादितानीव 61. 38<sup>d</sup>.  
 कानोने चापि जानामि 62. 9<sup>d</sup>.  
 कान्त तिष्ठ गृहाण माम् 71. 33<sup>d</sup>.  
 कान्तनारीनरगणा 86. 45<sup>d</sup>.  
 कान्तपुत्राखतोऽभवत् 23. 135<sup>d</sup>.  
 कान्तया सह संगतम् 99. 32<sup>d</sup>.  
 कान्तवचनो निरासुखे 64. 23<sup>d</sup>.  
 कान्त युञ्जिजुमारस्ववं 99. 22<sup>d</sup>.  
 कान्तं पद्मपल्लवाक्षं 107. 60<sup>d</sup>.  
 कान्ता गोपक्षिणो निशि 63. 19<sup>d</sup>.  
 कान्ता जननीरमा 86. 49<sup>d</sup>.  
 कान्तात्तस्मन्त्वरं द्रष्टुं 8. 35<sup>d</sup>.  
 कान्तारिष्यदसन्नातौ 47. 53<sup>d</sup>.  
 कान्तारिः सर्वतो वृत्तम् 65. 55<sup>d</sup>.  
 कान्तां शैवल्यनूर्ध्वताम् 55. 35<sup>d</sup>.  
 कान्तिद्युतिसमन्विता 89. 4<sup>d</sup>.  
 कान्तिश्चन्द्रमसो यथा 24. 17<sup>d</sup>.  
 कान्तेन सह संयुक्ता 108. 11<sup>d</sup>.  
 कान्त्या लक्ष्म्या प्रसादेन 60. 7<sup>d</sup>.  
 कान्यत्रामो चयं हुनः 11. 13<sup>d</sup>. 32<sup>d</sup>.  
 कापाली गहश्चैव 93. 18<sup>d</sup>.  
 कामकामा रतिः शुभा 99. 46<sup>d</sup>.  
 कामक्रोधपरायणाम् 21. 35<sup>d</sup>.  
 कामां कामरूपिणम् 38. 41<sup>d</sup>.  
 कामगा कामरूपिणी 86. 69<sup>d</sup>.

वामगा रत्नभूषिताम् 42 8<sup>d</sup>  
 कामगेषु विद्वंगमा 13 59<sup>b</sup>  
 कामचारी यथा गज 78 35<sup>d</sup>  
 कामपत्नी हि कन्येया 99 46<sup>o</sup>  
 कामयामास कामिनी 99 10<sup>b</sup>  
 कामरागाणि शतश 71 9<sup>o</sup>  
 कामरूपी महासुर 44 69<sup>d</sup>  
 कामरूपी वरानन 55 1<sup>d</sup>  
 कामवीर्योऽचितेजस्वी 91 36<sup>o</sup>  
 कामन्याहारिणश्चैव 92 14<sup>o</sup>  
 कामस्तव जनार्दन 92 13<sup>b</sup>  
 कामस्तव यशवतिन 18 20<sup>b</sup>  
 काम क्रोधमथो रतिम् 1 26<sup>b</sup>  
 काम तस्य गति सूक्ष्मा 39 8<sup>b</sup>  
 कामात्तमपि वादयन् 55 12<sup>b</sup>  
 कामात्मानो दुरात्मान 117 18<sup>o</sup>  
 कामाहोवेप्यवर्तेत 5 3<sup>d</sup>  
 कामिनी कामिनीस्तस्य 19 3<sup>o</sup>  
 कामेन व्यथितेन्द्रिया 99 16<sup>b</sup>  
 कामै सवे समेधिता 88 43<sup>f</sup>  
 काम्पित्य द्रुपदायैव 15 64<sup>o</sup>  
 काम्पित्यात्पृषतोऽभ्ययात् 15 61<sup>b</sup>  
 काम्पित्ये नगरे ते तु 18 14<sup>o</sup>  
 काम्पित्ये नगरोत्तमे 15 4<sup>d</sup> 17 4<sup>b</sup>  
 काम्पित्ये समरो नाम 15 20<sup>o</sup>  
 काम्पित्ये सहचारिण 18 24<sup>b</sup>  
 काम्बोजानां तथैव च 10 42<sup>d</sup>  
 काम्बोजान्पारदास्तथा 10 38<sup>b</sup>  
 काम्बोजा पङ्कवा खया 10 31<sup>b</sup>  
 काम्य सवृतमैधुन 21 3<sup>b</sup>  
 काम्या नाम महाबाहो 2 6<sup>o</sup>  
 काम्यापुत्राश्च चत्वार 2 6<sup>o</sup>  
 कारण किञ्चिद्रूपत 40 41<sup>o</sup>  
 कारण तच्च कीतय 4 22<sup>d</sup>  
 कारण त्व न वै पुत्र 48 46<sup>o</sup>  
 कारण श्रावितश्चास्मि 15 47<sup>o</sup>  
 कारणानन्दगोपस्य 65 22<sup>o</sup>  
 कारणैरनुमीमहे 66 24<sup>b</sup>  
 कारणैस्त्वत्प्रवर्तिते 43 33<sup>b</sup>  
 कारण्डवापुण्डलिनीं 55 36<sup>o</sup>  
 कारयस्तग्मुदधर 40 25<sup>b</sup>  
 कारयिष्यति वै सुखी 65 39<sup>d</sup>  
 कारयिष्यामि गोयज्ञ 59 60<sup>o</sup>

कारण्य तुरु देवेश 43 34<sup>o</sup>  
 कारण्य खलु नारीषु 78 5<sup>d</sup>  
 कारण्यात्समवारयन् 10 34<sup>d</sup>  
 कारण्यो दन्तवक्त्रश्च 80 10<sup>o</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य तनया 23 157<sup>o</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य धीमत 31 97<sup>b</sup>  
 कार्तेवीर्यस्य यो जन्म 23 163<sup>o</sup>  
 कार्तेवीर्याङ्गुनो नाम 112 91<sup>o</sup>  
 कार्तेवीर्योऽत्रिसप्तवत् 23 139<sup>d</sup>  
 कार्तो नाम महायत्न 15 35<sup>b</sup>  
 कार्तिकेय इति स्मृत 3 36<sup>f</sup>  
 कार्तिकेयमतेन च 106 31<sup>b</sup>  
 कार्तिकेयश्च वीर्यवान् 106 56<sup>b</sup>  
 कार्यमत्र विधीयताम् 113 11<sup>d</sup>  
 कार्यमाधानमात्मन 47 10<sup>d</sup>  
 कार्य कार्यविशारदे 108 10<sup>b</sup>  
 कार्य पाथिव्यिमहे 43 8<sup>d</sup>  
 कार्य साहाय्यमथ वै 108 33<sup>b</sup>  
 कार्यात्कार्यान्तर गता 44 18<sup>d</sup>  
 कार्या भूमिसमा सर्वा 81 50<sup>o</sup>  
 कार्यार्थ प्रतिभाति मे 44 14<sup>d</sup>  
 कार्येणामित्ररशन 91 33<sup>d</sup>  
 कार्णि कमललोचनम् 99 8<sup>b</sup>  
 काल ह्यभिविद्युत 105 19<sup>d</sup>  
 काल पूव गुणा शत्रु 48 41<sup>o</sup>  
 कालकल्प दुरासदम् 112 37<sup>o</sup>  
 कालरूपैश्च मुसलै 37 9<sup>o</sup>  
 कालक कालक्षेयश्च 31 75<sup>o</sup>  
 कालश्च कालमेधाभ 36 31<sup>o</sup>  
 कालतुल्य सपत्नानां 77 12<sup>o</sup>  
 कालनाभस्तथैव च 3 64<sup>f</sup>, 78<sup>b</sup>  
 कालनिर्माणयोपिनौ 65 86<sup>b</sup>  
 कालनिर्घां हि ता गतिम् 115 25<sup>d</sup>  
 कालनेमिनमुत्तमम् 37 8<sup>d</sup>  
 कालनेमिसुखा हवा 38 66<sup>b</sup>  
 कालनेमिरिति रयात 36 47<sup>o</sup>  
 कालनेमिर्निपातित 30 17<sup>f</sup> 38 60<sup>d</sup>  
 कालनेमिर्भौ दैत्य 36 59<sup>o</sup>  
 कालनेमिमहादैत्य 44 61<sup>o</sup>  
 कालनेमिमहासुर 38 32<sup>b</sup>, 58<sup>b</sup>  
 कालनेमिहता युधि 37 44<sup>d</sup>  
 कालनेमि पुरस्त्वस्य 37 14<sup>o</sup>  
 कालनेमि भयावहम् 36 60<sup>d</sup>



कासारसलिल यथा 77 54<sup>d</sup>  
 कां च काष्ठा समासाद्य 117 2<sup>d</sup>  
 काश्चित्कण्ठे न्यपीडयत् 38 52<sup>b</sup>  
 काश्चित्पेदेषु जग्राह 38 52<sup>a</sup>.  
 कितयैरक्षकोविदै 69 24<sup>b</sup>  
 किमत कार्यमुत्तरम् 109 61<sup>d</sup>  
 किमत परम तप 35 40<sup>d</sup>  
 किमन्यत्करवाणि ते 85 59<sup>d</sup>  
 किमपरमिच्छसि किं प्रवीमि ते 118 51<sup>d</sup>  
 किमर्थमिह सप्राप्ता 110 20<sup>d</sup>  
 किमर्थमुग्रसेनेन 66 19<sup>d</sup>  
 किमर्थं गोपधेयेण 63 7<sup>d</sup>  
 किमर्थं च परित्यज्य 85 2<sup>d</sup>  
 किमर्थं च नाकादीना 10 28<sup>d</sup>  
 किमर्थं चादिदेयेन 39 2<sup>d</sup>  
 किमर्थं चाम्बुद्वयाम् 99 36<sup>d</sup>  
 किमर्थं चैव भवता 15 30<sup>d</sup>  
 किमर्थं तनयेषु वै 8 28<sup>d</sup>  
 किमर्थं तेन ते बाला 104 6<sup>d</sup>  
 किमर्थं दिव्यमारमान 30 5<sup>d</sup>  
 किमर्थं न निवारित 115 20<sup>d</sup>  
 किमर्थं नाभिभापसे 77 55<sup>b</sup>  
 किमर्थं भगवान्निवृणु 31 11<sup>d</sup>  
 किमर्थं युद्धमुत्सृज्य 112 13<sup>d</sup>  
 किमर्थं श्वातवानसि 43 25<sup>d</sup>  
 किमाश्रयं परम् 100 38<sup>d</sup>, 47<sup>f</sup>  
 किमाश्रयं गयि मुने 100 37<sup>d</sup>  
 किमाहारविहारिण 117 1<sup>d</sup>  
 किमिदं ते चिकीर्षितम् 99 15<sup>d</sup>  
 किमिदं स्वरितं तात 77 43<sup>d</sup>  
 किमिदं त्वं विहन्यसे 107 45<sup>d</sup>  
 विमिदं ब्रूहि नस्तस्य 110 12<sup>d</sup>  
 किमिदं लोकविख्यात 108 31<sup>d</sup>  
 किमुर्वि स्वमत्राद्बुद्धी 42 42<sup>b</sup>  
 किमु वृष्णिमहारथा 93 28<sup>f</sup>  
 किमेतदिति चान्योन्य 109 17<sup>d</sup>  
 किमेतन्नाभिजानीम 100 27<sup>d</sup>  
 किमेव चिन्तयाविष्ट 109 20<sup>d</sup>, 23<sup>d</sup>  
 किमेव चिन्तयाविष्टा 109 67<sup>d</sup>  
 किमेव बद्धमचोऽसि 110 58<sup>d</sup>  
 किमेव भयविक्रवा 112 7<sup>b</sup>  
 किमेव वतंसेज्यथा 99 11<sup>d</sup>  
 किमेव शत्रुमुद्यतम् 108 75<sup>d</sup>

किय-नो वै पितृगणा 13 3<sup>d</sup>  
 किरदेवगानरणे 36 26<sup>d</sup>  
 किरन्ति पौरा सर्वोस्तान् 113 60<sup>d</sup>  
 किरोटच्छन्नमूर्धजम् 32 23<sup>b</sup>  
 किरोटलान्छनेनापि 68 22<sup>d</sup>  
 किरोटिनो ह्म्वदिस्ता 31 86<sup>d</sup>  
 किरोटिनाकर्वणेन 62 10<sup>d</sup>  
 किरिपैकराते हत 105 11<sup>d</sup>  
 किरोर ह्य चोदित 33 21<sup>b</sup>  
 किरोरप्रतिमो महान् 27 20<sup>b</sup>  
 किरोरस्वसिहर्षात् 33 21<sup>d</sup>  
 किरोरारवि चञ्चलौ 52 7<sup>d</sup>  
 किरोरौघै रथैश्च 37 7<sup>b</sup>  
 किरर समनुमात 86 23<sup>d</sup>  
 किरुणा सदृशाणा 92 37<sup>d</sup>  
 किं करिष्यामहे सर्वे 65 79<sup>d</sup>  
 किरुराहतो मया 96 3<sup>b</sup>  
 किरुरैवैत्समाहृतम् 95 13<sup>b</sup>  
 किं करोमि प्रगाधि माम् 86 25<sup>d</sup>  
 किं करोमीति चाब्रवीत् 103 2<sup>d</sup>  
 किंकर्माणं किमीहन्त 117 2<sup>d</sup>  
 किंकिणीजालनिर्घोषं 33 3<sup>d</sup>  
 किंकिणीशतनिर्घोषं 108 57<sup>d</sup>  
 किं कुर्मैत्यनुवस्तदा 103 16<sup>b</sup>  
 किं कुर्वामो न शोचति 11 8<sup>d</sup>  
 किं श्रीडसि महादेव 113 35<sup>d</sup>  
 किं चकार महाबाहु 85 5<sup>d</sup>  
 किं च त्वं साधु जानीये 65 73<sup>d</sup>  
 किं च मे गमने नदीम् 50 11<sup>b</sup>  
 किं चाहं त्वं दास्यामि 38 62<sup>d</sup>  
 किंचिच्छ्रितवमेणा 36 54<sup>d</sup>  
 किंचिच्छ्रष्टु शालिषु 2 35<sup>d</sup>  
 किंचिच्चारुगणाकुले 68 12<sup>d</sup>  
 किंचिस्तन्यापट्टचन 70 20<sup>d</sup>  
 किंचिदुप्यनुवन्कोषात् 66 39<sup>d</sup>  
 किंचिदुप्यविधिन्तयन् 100 36<sup>d</sup>  
 किंचिदनुत्थिते सोमे 68 9<sup>d</sup>  
 किंचिदावृतमौलिना 83 23<sup>b</sup>  
 किंचिनुत्पाद्य कारणम् 52 28<sup>d</sup>  
 किं जातमिति चाब्रवीत् 48 23<sup>b</sup>  
 किं वृत्तं समुत्पद्य 65 25<sup>d</sup>  
 किं तु लोकहितार्थं 78 34<sup>d</sup>  
 किं तु शक्यमिदं कार्यं 107 62<sup>d</sup>

किं श्वभिधनचर्जिता 23 14<sup>d</sup>  
 किं स्व सर्वाग्रो विभु 44 17<sup>d</sup>  
 किंनरोद्गीतमधुरा 73 12<sup>a</sup>  
 किंनरोगयक्षाणा 107 68<sup>a</sup>  
 किंनर्यं ह्व सवसा 109 1<sup>d</sup>  
 किं निमित्त भविष्यति 115 33<sup>d</sup>  
 किं नु ते करण वीर 77 22<sup>a</sup>  
 किं नु यदपति ते पुत्र 50 10<sup>a</sup>  
 किं नु श्रादस्य वै फलम् 11 33<sup>d</sup>  
 किं पुत्र शयन विना 77 43<sup>b</sup>  
 किं पुन प्रथिवीतले 67 51<sup>d</sup>  
 किं प्रमणा किमापुष 117 2<sup>b</sup>  
 किं भयन्तोऽन्तरिक्षगा 112 8<sup>d</sup>  
 किं भविष्यति लोरेषु 70 36<sup>a</sup>  
 किं मूय कथयामि ते 113 84<sup>d</sup>  
 किं मूयो वर्णयामि ते 6 49<sup>d</sup>  
 किं मया देव कर्तव्य 86 65<sup>a</sup>  
 किं मा क्षिप्तसि दोषेषु 73 25<sup>a</sup>  
 किं मा दग्धुमिद्वेष्यसि 113 30<sup>d</sup>  
 किं मा नारद् भावसे 100 64<sup>d</sup>  
 किं मा वक्ष्यन्ति रूपिता 73 22<sup>a</sup>  
 किं मिथ्यागार्जितेन ते 112 59<sup>d</sup>  
 किं मेरो पाशंग वयम् 110 12<sup>d</sup>  
 किं मे स्नानेन दु स्नान 50 11<sup>a</sup>  
 किं मोहयसि न सर्वान् 113 40<sup>a</sup>  
 किं वय सति गन्तव्ये 77 37<sup>a</sup>  
 किं वा ते प्रार्थित भूय 11 27<sup>a</sup>  
 किं वा मयि न वतते 40 45<sup>d</sup>  
 किंवीर्यंश्च यभूव ह 15 6<sup>b</sup>  
 किंवीर्यं कालयवन 85 6<sup>a</sup>  
 किं दोषे याहि योजय 53 13<sup>b</sup>  
 कीटमूपकसर्पश्च 117 24<sup>a</sup>  
 कीटवा नागलोकस्य 70 34<sup>a</sup>  
 कीनासो हामदम्भवी 28 6<sup>d</sup>  
 कीर्णं नागरनै कान्तै 84 21<sup>a</sup>  
 कीर्णं नानाहताद्रुमै 55 51<sup>d</sup>  
 कीर्णं चायसमण्डले 53 19<sup>d</sup>  
 कीर्णां क्षत्रियकोटीभि 31 104<sup>a</sup>  
 कीर्णां भूतगणैर्धैरै 47 45<sup>a</sup>  
 कीर्तन स्थिरकीर्तना 1 21<sup>a</sup>  
 कीर्तना सुखमेपते 7 46<sup>b</sup>  
 कीर्तनीय सुरैरपि 83 13<sup>b</sup>  
 कीर्तयन्तो महात्मन 27 12<sup>d</sup>

कीर्तियन्तु किदिपम् 106 51<sup>d</sup>  
 कीर्तयित्वा पृथुं नृपम् 6 46<sup>b</sup>  
 कीर्तयिष्यामि तच्छृणु 13 5<sup>b</sup>, 6<sup>d</sup> 15 14<sup>b</sup>  
 कीर्तयिष्यामि तान्शृणु 24 34<sup>d</sup>  
 कीर्तयेयमद् राजन् 4 24<sup>a</sup>  
 कीर्तित कीर्तनीयस्य 31 151<sup>a</sup> 32 9<sup>d</sup>  
 कीर्तित कार्तिवर्धनम् 20 47<sup>d</sup>  
 कीर्तिता मनवस्तत 7 6<sup>a</sup>  
 कीर्तिता लोकवीराणा 23 164<sup>d</sup>  
 कीर्तिता ह्यनयो मया 23 133<sup>d</sup>  
 कीर्तिता कीर्तिवर्धना 7 49<sup>b</sup>  
 कीर्तिता प्रथिवीपाल 7 13<sup>a</sup>  
 कीर्तिता स्थाणुजन्मा 3 93<sup>d</sup>  
 कीर्तिताश्च भवेन्नर 22 45<sup>b</sup>  
 कीर्तिर्धैरिश्च लक्ष्मीश्च 20 26<sup>a</sup>  
 कीर्तिर्भवति शाश्वती 75 25<sup>b</sup>  
 कीर्तिश्च हरिवाहने 118 32<sup>d</sup>  
 कीर्तिं कीर्तिमता वर 10 37<sup>d</sup>  
 कीर्तिं चाप्यनिवर्तिनीम् 10 51<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमानमत शृणु 20 47<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमान निबोध मे 32 9<sup>d</sup>  
 कीर्त्यमान शृणु मया 1 20<sup>a</sup>  
 कीर्त्यमानास्त्रिबोध मे 7 16<sup>b</sup>  
 कीर्त्यमां पुरातने 1 11<sup>b</sup>  
 कीर्त्यर्थं च सुतस्तव 78 34<sup>b</sup>  
 कीर्त्यमाणो जनाद्देन 109 77<sup>d</sup>  
 कीर्तिरागान्यमाणश्च 53 24<sup>a</sup>  
 कीर्त्यन्ननिपातैश्च 75 31<sup>a</sup>  
 कुतुरस्य सुतो घण्टु 27 17<sup>a</sup>  
 कुतुर भङ्गमान च 27 16<sup>a</sup>  
 कुतुराणामिम वश 27 31<sup>a</sup>  
 कुक्षिरित्येवसादय 3 52<sup>b</sup>  
 कुक्षामे गोपयित्वात् 63 34<sup>d</sup>  
 कुक्षरस्यार्तचेतस 74 35<sup>b</sup>  
 कुक्षरात्कालक्षिप्तान् 81 69<sup>a</sup>  
 कुक्षरौ युद्वकाङ्क्षिणौ 71 6<sup>a</sup>  
 कुटीभिश्च प्रवृद्धाभि 72 3<sup>a</sup>  
 कुटुम्बस्येश्वरी स्वासीत् 94 27<sup>a</sup>  
 कुटुम्बस्तथापरा 63 27<sup>b</sup>  
 कुण्डलाय भद्रासुर 91 16<sup>d</sup>  
 कुण्डले चाहते शुभे 96 67<sup>b</sup>  
 कुण्डलेन विराजता 83 23<sup>d</sup>  
 कुण्डलैरपर मत्तं 70 18<sup>a</sup>

कुण्डलोत्तमयोग्याभ्यां 68 22<sup>o</sup>  
 कुण्डा घृषा नैकृत्तिना 116 33<sup>o</sup>  
 कुण्डिनस्योऽन्यदाक्षयाः 87 12<sup>o</sup>  
 कुण्डिन न प्रवेद्यामि 88 2<sup>o</sup>  
 कुतश्चागम्यते रौम्य 71 21<sup>o</sup>  
 कुतस्ते शान्तिरारम्भा 66 33<sup>o</sup>  
 कुतस्त्वत्सररु शुभे 107 73<sup>o</sup>  
 कुतो नो भयमागतम् 109 14<sup>o</sup>  
 कुतो वायमिहागत 103 90<sup>o</sup>  
 कुतो घो भयमागतम् 40 45<sup>o</sup>  
 कुतो घो विप्रहो देवा 40 45<sup>o</sup>  
 कुत्र वास्य निराम स्यात् 35 57<sup>o</sup>  
 कुथास्वास्तरणेषु च 42 11<sup>o</sup>  
 कुनेत्तारश्च मानवा 115 23<sup>o</sup>  
 कुन्तिस्तस्मारमजोऽभयत् 26 20<sup>o</sup>  
 कुन्तेर्षष्ठ सुतो जज्ञे 26 20<sup>o</sup>  
 कुन्त्यस्य श्रुतदेवाया 24 20<sup>o</sup>  
 कुन्त्या निर्यातविष्यामि 62 97<sup>o</sup>  
 कुन्त्याश्च प्रमुख प्रोक्ता 105 15<sup>o</sup>  
 कुन्त्या प्रसुरतो विशु 97 17<sup>o</sup>  
 कुपन कोपन म्रथ 31 72<sup>o</sup>  
 कुब्जाया श्रुतविम्बरा 71 34<sup>o</sup>  
 कुब्जा दृष्टवातुर्भूय 71 22<sup>o</sup>  
 कुमार इति विद्धि माम् 12 16<sup>o</sup>  
 कुमारकोटयो याश्चिमा 84 6<sup>o</sup>  
 कुमारभवयोरिह 106 61<sup>o</sup>  
 कुमारसहितोऽमवीत् 112 106<sup>o</sup>  
 कुमार जनयामाम 10 11<sup>o</sup>  
 कुमार दस्तुद्वतम् 20 36<sup>o</sup>, 40<sup>o</sup>  
 कुमार धर्मैर्भिन्तम् 62 92<sup>o</sup>  
 कुमार स्कन्धगहाया 49 14<sup>o</sup>  
 कुमारात्प्रदुता भवात् 116 28<sup>o</sup>  
 कुमाराविव पाचको 51 8<sup>o</sup>  
 कुमारास्ते यथाकाल 10 61<sup>o</sup>  
 कुमारैरपरैर्वृत 89 3<sup>o</sup>  
 कुमारो दस्तुद्वतम् 20 40<sup>o</sup>  
 कुमारोऽभूमद्वावल 9 88<sup>o</sup>  
 कुमारो वृकृद्गीलिश्च 98 11<sup>o</sup>  
 कुमारो तु कनीयसै 9 78<sup>o</sup>  
 कुमारैश्चापि तिस्रो वै 28 33<sup>o</sup>  
 कुमार्य सप्त चाप्यासन् 27 26<sup>o</sup>  
 कुमुदोऽकुलमुदक 59 38<sup>o</sup>  
 कुम्भनाभा गर्दभाश्च 3 63<sup>o</sup>

कुम्भाण्डदुहिता पुन 107 47<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डदुहिता वास्य 107 39<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डमिदममवीत् 106 20<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डयचर्नरेय 108 78<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्ड वष्यतां क्षीप्रम् 108 88<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डश्चिन्त्याविष्ट 106 53<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डसगृहीत तु 108 52<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डसगृहीताधे 112 33<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डस्तम्भद्वितयान् 106 51<sup>o</sup>, 62<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डस्य षच धुरमा 108 98<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डो नाम चाणस्य 112 12<sup>o</sup>  
 कुम्भाण्डो वाचयममवीत् 108 75<sup>o</sup>, 89<sup>o</sup>  
 कुम्भामयामुपपन्नोभिता 65 53<sup>o</sup>  
 कुम्भाश्च विनिषेद्यन्ताम् 60 11<sup>o</sup>  
 कुररीणामिव प्रभो 77 19<sup>o</sup>  
 कुररीणामिनाकाशे 109 12<sup>o</sup>  
 कुरक्षेत्र चकार ह 23 107<sup>o</sup>  
 कुरक्षेत्रे नरर्वम 14 4<sup>o</sup>  
 कुरक्षेत्र पितृप्रताम् 16 3<sup>o</sup>  
 कुरु वासाधरस्य वै 36 2<sup>o</sup>  
 कुरक्षेत्रे च देवास्ते 43 72<sup>o</sup>  
 कुरुष्व विपुचध्रष्ट 93 4<sup>o</sup>  
 कुरुष्व वनतेय स्य 110 15<sup>o</sup>  
 कुरु सागर मद्भ्रच 103 7<sup>o</sup>  
 कुरु सवरणात्तथा 23 107<sup>o</sup>  
 कुरुनयोत्तरान्गत्या 8 15<sup>o</sup>  
 कुरुन्त्युत्तरान्वयम् 103 13<sup>o</sup>  
 कुरोश्च पुत्राश्चत्वार 23 109<sup>o</sup>  
 कुरो पीत्रस्य राज्ये तु 22 8<sup>o</sup>  
 कुरो हृत्वा सुख स्थान 59 28<sup>o</sup>  
 कुरो सर्वे पितामह 43 9<sup>o</sup>  
 कुर्यो विफलमन्यथा 113 42<sup>o</sup>  
 कुर्यतस्तु कथास्तास्ता 43 17<sup>o</sup>  
 कुर्यैर्दिग्गम घनै 59 16<sup>o</sup>  
 कुर्यन्धोर महास्वनम् 110 19<sup>o</sup>  
 कुर्यन्तीषु नदीषु च 62 53<sup>o</sup>  
 कुर्यैर्दीक्षा सहस्रस्य 34 13<sup>o</sup>  
 कुर्याणस्य वपुर्धोर 67 56<sup>o</sup>  
 कुर्याण शुभकर्माण 55 21<sup>o</sup>  
 कुर्यात् रूपसपत्ना 107 38<sup>o</sup>  
 कुरस्य निकृतितात 10 11<sup>o</sup>  
 कुल नो धर्षित महत् 108 16<sup>o</sup>  
 कुलाहारा निराश्रया 107 29<sup>o</sup>

कृत्वाणि कुल्युधप 77 57<sup>d</sup>  
 कुलान्यस्माकमाद्ये 38 12<sup>d</sup>  
 कुलापदेशिनः सर्वे 108 32<sup>d</sup>  
 कुले गर्भो भविष्यति 47 31<sup>d</sup>  
 कुले पूज्ये यथास्काम 43 77<sup>d</sup>  
 कुले महति विद्ययात् 65 78<sup>d</sup>  
 कुलोपक्रोशानकरी 107 29<sup>d</sup>  
 कुल्यायै च स भ्रातृणा 29 8<sup>d</sup>  
 कुवलाधस्तु पुत्राणा 9 64<sup>d</sup>  
 कुवलाध न्यवोजयत् 9 49<sup>d</sup>  
 कुवलाध सुत प्रादात् 9 61<sup>d</sup>  
 कुवलाध सुनक्षत्र 9 47<sup>d</sup>  
 कुशा इत्यभिविश्रुत 10 75<sup>d</sup>  
 कुशला नृत्तसामसु 96 54<sup>d</sup>  
 कुशादे कारधामास 96 55<sup>d</sup>  
 कुशाख्यलीं द्वारवतीं 25 16<sup>d</sup>  
 कुशामकुसुमाना च 58 6<sup>d</sup>  
 कुशिकस्तस्य चात्मज 23 82<sup>d</sup>  
 कुशिमस्तु तपस्तेषु 23 83<sup>d</sup>  
 कुशिकस्य तु गौरव 47 47<sup>d</sup>  
 कुशीलानापर्यनूयिष्ठ 116 23<sup>d</sup>  
 कुशोपेच तदा पिण्ड 11 19<sup>d</sup>  
 कुसुमैर्भूषितामिराम् 89 23<sup>d</sup>  
 कुसुमै पारिजातस्य 107 3<sup>d</sup>  
 कुहर दुष्पदद्वय 3 89<sup>d</sup>  
 कूर्मैः कुडववत्राश्च 31 81<sup>d</sup>  
 कूर्मै धयश्च मे मत 100 35<sup>d</sup>  
 कूर्मैः लक्षणगोभिनीम् 55 33<sup>d</sup>  
 कूर्मैणाभिहितं पूर्वं 100 84<sup>d</sup>  
 कूर्मो मानुषवरस्वयम् 100 37<sup>d</sup>  
 कूर्मं च लवणाग्मत 117 30<sup>d</sup>  
 कृकणेयुस्तथै च 23 6<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रमानः क्रुदुभि 96 51<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रेण निहतो बली 23 131<sup>d</sup>  
 कृच्छ्रेण महता युक्तः 6 13<sup>d</sup>  
 कृतकर्मणि पावके 36 37<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा गदाधर 38 54<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा नराधिप 9 75<sup>d</sup>  
 कृतकर्मा महाबल 85 40<sup>d</sup>  
 कृतकार्ये गते काले 44 1<sup>d</sup>  
 कृतकार्येण धीमता 85 61<sup>d</sup>  
 कृतकार्योऽप्रवीदीमान् 85 53<sup>d</sup>  
 कृतकार्या हि शास्तास्तु 45 23<sup>d</sup>

कृतकृत्य इवामग्न 19 13<sup>d</sup>  
 कृतकृत्योऽभवत्तदा 104 1<sup>d</sup>  
 कृतकृत्योऽभ्यमापत् 79 9<sup>d</sup>  
 कृतकौतुकमङ्गला 87 32<sup>d</sup>  
 कृतस्यसाहितस्य वा 4 24<sup>d</sup>  
 कृतज्ञस्यो हृषीकेश 86 1<sup>d</sup>  
 कृतत्रेतादियुक्तानि 7 48<sup>d</sup>  
 कृतदारोऽभवत्प्रभु 2 31<sup>d</sup>  
 कृतधन्या तथैव च 23 137<sup>d</sup>  
 कृतपूर्वं तदा घोरं 91 17<sup>d</sup>  
 कृतपूर्वं करिष्ये वा 65 76<sup>d</sup>  
 कृतप्रतिवृत्तेश्चैत्र 75 30<sup>d</sup>  
 कृतवृद्धिर्नृपभद्रा 89 11<sup>d</sup>  
 कृतमन्यो हरिष्यति 23 152<sup>d</sup>  
 कृतमेव वचस्तथ 8 27<sup>d</sup>  
 कृतवर्मान्प्रनस्तेषा 28 5<sup>d</sup>  
 कृतवर्माणमेव च 65 10<sup>d</sup>  
 कृतवर्मा विभेदाज्ञौ 87 64<sup>d</sup>  
 कृतवागसि गोविन्द 109 41<sup>d</sup>  
 कृतवाग्युण्डरीकाश्च 97 40<sup>d</sup>  
 कृतवाग्मपुत्रं दन 96 29<sup>d</sup>  
 कृतवासो हि न पुरे 106 59<sup>d</sup>  
 कृतवीर्यं कृतौजाश्च 23 137<sup>d</sup>  
 कृतवीर्यात्प्राहुः 23 137<sup>d</sup>  
 कृतशीघ्रं शरावापी 15 58<sup>d</sup>  
 कृतस्ते कमलेश्च 104 4<sup>d</sup>  
 कृतास्तस्वयनो विप्रै 15 50<sup>d</sup>, 58<sup>d</sup>  
 कृत कर्मणि चाश्रयीत् 92 67<sup>d</sup>  
 कृत इच्छोःन धीमता 96 69<sup>d</sup>  
 कृत ते कथनस्युत 104 4<sup>d</sup>  
 कृतं वैशिजिघासया 67 53<sup>d</sup>  
 कृत गिरिगृद् गोपा 61 53<sup>d</sup>  
 कृत तरुगद्रेत्येन 67 10<sup>d</sup>  
 कृत तेन महात्मना 31 96<sup>d</sup>  
 कृत दूतेन यत्कार्यं 44 42<sup>d</sup>  
 कृत देव मदकर्म 38 57<sup>d</sup>  
 कृत नक्षत्रतागतम् 104 7<sup>d</sup>  
 कृत भयवता स्वयम् 109 45<sup>d</sup>  
 कृत मे सुमहत्कार्यं 85 54<sup>d</sup>  
 कृत शृन्दावन श्रेम 67 48<sup>d</sup>  
 कृत क्षेम पुन घन्या 97 1<sup>d</sup>  
 कृत सैन्यक्षयश्चापि 84 11<sup>d</sup>  
 कृताणा न स शोच्यस्तु 109 8<sup>d</sup>

कृष्णानामिदं वच 78 25<sup>1</sup>  
 कृष्णा च प्रतिज्ञया 10 1<sup>3</sup>  
 कृष्णो मातमादाय 8 26<sup>0</sup>  
 कृमिलाश्वश्च पद्मम् 23 97<sup>5</sup>  
 कृमेस्तु कृमिला पुरी 23 25<sup>5</sup>  
 कृम्या कृमिरजायत 23 23<sup>5</sup>  
 कृन्तं मलिनमेव वा 86 60<sup>5</sup>  
 कृन्तो वा मलिनो वापि 86 62<sup>0</sup>  
 कृष्ण इत्युच्यते सुत 65 58<sup>5</sup>  
 कृष्ण कस्यादपूर्ववत् 110 11<sup>0</sup>  
 कृष्ण कृष्ण महादेव 112 107<sup>0</sup>  
 कृष्ण कृष्ण महाबाहो 56 27<sup>0</sup> 62 11<sup>0</sup> 110 41<sup>0</sup>, 46<sup>0</sup>,  
 65<sup>0</sup> 111 7<sup>0</sup>  
 कृष्ण कृष्णेति चासकृत् 67 52<sup>0</sup>  
 कृष्णकैत प्रपद्य 109 82<sup>0</sup>  
 कृष्णप्रीवस्तुद्विरुति 106 47<sup>5</sup>  
 कृष्णत्रैरैरिनाहस्य 74 35<sup>0</sup>  
 कृष्णश्वरमुजग्रामौ 110 72<sup>0</sup>  
 कृष्ण तात न पदत्रेय 67 19<sup>0</sup>  
 कृष्ण त्व षट्सुमहंसि 109 78<sup>5</sup>  
 कृष्णरत्न सातुपेषु च 32 1<sup>0</sup>  
 कृष्णदर्शनसुतेन 76 12<sup>0</sup>  
 कृष्णदर्शनलालस 67 1<sup>5</sup>  
 कृष्ण दिश्या च ते चेष्टा 63 6<sup>0</sup>  
 कृष्णदेह विवेश स 111 2<sup>5</sup>  
 कृष्णद्वैपायनत्रेच 23 120<sup>0</sup>  
 कृष्ण धर्मेमवाप्ससि 69 18<sup>0</sup>  
 कृष्णपक्षस्य वै तिथौ 47 34<sup>0</sup>  
 कृष्ण पर्याप्तवाक्योऽसि 100 24<sup>0</sup>  
 कृष्णप्रणिहितेक्षण 75 35<sup>5</sup>  
 कृष्णप्रणिहितेक्षणा 63 25<sup>5</sup>  
 कृष्णप्राणामहासूच 110 29<sup>0</sup>  
 कृष्णप्रियायै भूयसरं 93 3<sup>0</sup>  
 कृष्णवाणागिराद्वा 112 4<sup>0</sup>  
 कृष्णबाहुदलाश्रया 96 68<sup>5</sup>  
 कृष्णबाहुस्तोभत 67 38<sup>5</sup>  
 कृष्णमार्कटकर्मण 62 3<sup>0</sup> 86 31<sup>0</sup> 109 38<sup>0</sup>  
 कृष्णमष्टिष्टकारिणम् 66 35<sup>0</sup>  
 कृष्णमनुतविन्मम् 58 17<sup>5</sup>  
 कृष्णममालमं रूपे 110 11<sup>0</sup>  
 कृष्णमप्रतिमौ नस्तम् 112 51<sup>0</sup>  
 कृष्णमानन्दनि रसै 76 43<sup>0</sup>  
 कृष्णमाह विचेतन 110 65<sup>5</sup>

कृष्णमित्यन्धका स्मृता 28 8<sup>0</sup>  
 कृष्णमुत्तीर्य विष्टितम् 56 41<sup>5</sup>  
 कृष्णमूचुरिघातवत् 61 24<sup>0</sup>  
 कृष्णमूचुरिर्द्वैतपिण 67 18<sup>0</sup>  
 कृष्ण रक्षितुमहंसि 101 11<sup>0</sup>  
 कृष्णलीलानुकारिण्य 63 26<sup>0</sup>  
 कृष्णवर्मो युगान्ताम 34 34<sup>0</sup>  
 कृष्णवाक्य निषेध च 86 71<sup>5</sup>  
 कृष्णश्रापि बभूव ह 5 16<sup>0</sup>  
 कृष्णश्राप्यैसनिधि 113 75<sup>5</sup>  
 कृष्णसकराणुभौ 52 1<sup>5</sup> 54 42<sup>5</sup> 71 2<sup>5</sup> 76 8<sup>5</sup>  
 कृष्णसकराणौ चैव 65 85<sup>0</sup>  
 कृष्णसकराणौ चोभौ 51 1<sup>0</sup>  
 कृष्णसद्वेगेनेरित 76 14<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तु कुत्रा कामार्तो 71 35<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तु तेन माणै 74 32<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तु परवीरहा 84 24<sup>5</sup>  
 कृष्णस्तु यदुनन्दन 94 17<sup>5</sup>  
 कृष्णस्तु यौवन इष्टा 63 15<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तु रथमुत्तमम् 81 79<sup>5</sup>  
 कृष्णस्तु विदितार्यो वै 69 26<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तु गहत्सता 112 113<sup>5</sup>  
 कृष्णस्तोसलक पुन 76 1<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तोसलमुदम्य 76 3<sup>0</sup>  
 कृष्णस्तविरितविक्रम 71 44<sup>5</sup>  
 कृष्णस्य कृष्णवदना 52 33<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य गतिगामिन्य 63 26<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य च परस्व च 59 1<sup>5</sup>  
 कृष्णस्य च महात्मन 110 71<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य नगतीपते 101 1<sup>5</sup>  
 कृष्णस्य जयकाङ्क्षिण 75 38<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य दर्शन शक 62 1<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य निघनाकाङ्क्षी 64 15<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य पतितो मूर्धा 71 20<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य प्रमुख स्थित 86 22<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य भरतश्रेष्ठ 51 37<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य सुखपद्मम् 76 13<sup>5</sup>  
 कृष्णस्य वेऽप्यरक्षरत 93 58<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य रूषितो ह्य 67 30<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य वचन क्षुब्ध 109 51<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य वचकाङ्क्षिणी 112 44<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य वचपतिनम् 77 54<sup>0</sup>  
 कृष्णस्य विदितारमन 86 54<sup>5</sup>



कृष्णस्य व्रजयोषित 63 27<sup>d</sup>  
 कृष्णस्य शुभदर्शनाम् 87 39<sup>b</sup>  
 कृष्णस्य शुशुभे भुज 67 43<sup>d</sup>  
 कृष्णस्य समुदाहृतम् 28 45<sup>b</sup>  
 कृष्णस्य साक्षात्त्रिविव 62 99<sup>a</sup>  
 कृष्णस्याक्रियतालये 109 63<sup>d</sup>  
 कृष्णस्याङ्घ्रिकर्मण 86 70<sup>b</sup>  
 कृष्णस्यानुमते तदा 86 80<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यानुमते स्वयम् 83 1<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यापि निमित्तानि 67 2<sup>a</sup>  
 कृष्णस्याप्रतिमांजस 111 2<sup>d</sup>  
 कृष्णस्यामिततेजस 106 4<sup>b</sup>  
 कृष्णस्यास्य पराक्रमम् 96 25<sup>b</sup>  
 कृष्णस्योरगपुगव 56 40<sup>b</sup>  
 कृष्ण कमललोचनम् 51 13<sup>b</sup> 64 24<sup>b</sup> 75 1<sup>d</sup>  
 113 70<sup>b</sup>  
 कृष्ण कृष्णमिवाचलम् 32 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण कृष्णमृगोक्षणा 63 31<sup>d</sup>  
 कृष्ण गूढ -यवेशयन् 49 30<sup>d</sup>  
 कृष्ण गोपाङ्गना राधौ 63 24<sup>a</sup>  
 कृष्ण गौर प्रभु बभुं 13 47<sup>a</sup>  
 कृष्ण च वसुदेवतम् 65 49<sup>d</sup>  
 कृष्ण चेदमुपाच ह 58 31<sup>d</sup>  
 कृष्ण चैराववीर्यहीत 69 2<sup>a</sup>  
 कृष्ण जग्मु प्रधानत 60 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण जलदग्म्भीर 71 34<sup>a</sup>  
 कृष्ण नाथमुपाधिता 67 14<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रहरता श्रेष्ठ 109 19<sup>a</sup>  
 कृष्ण यलनिपूदन 62 8<sup>d</sup>  
 कृष्ण भाण्डीरवासिनम् 55 24<sup>b</sup>  
 कृष्ण भद्रायस्तमुप 75 4<sup>a</sup>  
 कृष्ण यदृष्टवानहम् 104 3<sup>d</sup>  
 कृष्णे यक्षस्यताडयत् 67 29<sup>d</sup>  
 कृष्ण वचनमप्रवीन् 54 21<sup>d</sup>  
 कृष्ण विज्ञापयान्नास 86 57<sup>a</sup> 101 8<sup>a</sup>  
 कृष्ण वि-याधनु शरै 81 81<sup>a</sup>  
 कृष्ण मन्मथ शुरता 65 1<sup>a</sup>  
 कृष्ण वदन्प्रशिष्यरान् 56 2<sup>a</sup>  
 कृष्ण क.मागना-नरम् 76 26<sup>b</sup>  
 कृष्ण वा-ततरो भयम् 63 20<sup>a</sup>  
 कृष्ण कुन्ताम-सिरताम् 71 27<sup>b</sup>  
 कृष्ण कृष्णाञ्जननिभ 64 16<sup>a</sup>  
 कृष्ण पद्मनिभक्षण 63 10<sup>a</sup>

कृष्ण पद्मपलाशाक्ष 67 44<sup>a</sup>  
 कृष्ण परमद्विषित 78 30<sup>b</sup>  
 कृष्ण पुण्यामनि-वृत् 86 79<sup>b</sup>  
 कृष्ण प्रहरता वर 112 100<sup>b</sup>  
 कृष्ण प्रहरता श्रेष्ठ 110 69<sup>a</sup>  
 कृष्ण प्राक्षेपयत्तदा 85 30<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्राण्योतिषं ययौ 91 43<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रोवाच वर वै 59 3<sup>d</sup>  
 कृष्ण प्रोवाच वचन 110 27<sup>a</sup>  
 कृष्ण धीदामतश्चित 58 19<sup>a</sup>  
 कृष्ण सत्यपराक्रम 76 23<sup>d</sup>  
 कृष्ण समितिदुर्जय 109 65<sup>b</sup>  
 कृष्ण सकर्षणश्चैव 110 18<sup>a</sup>  
 कृष्ण सरक्षितो यया 96 15<sup>d</sup>  
 कृष्ण स्वलक्षित मुहु 111 3<sup>a</sup>  
 कृष्णाक्षालोहितार्क्षीश्च 89 35<sup>a</sup>  
 कृष्णानिनोत्तरालङ् 44 9<sup>a</sup>  
 कृष्णारकृष्णतरश्च क 40 17<sup>d</sup>  
 कृष्णायससमप्रत्यय 25 9<sup>a</sup>  
 कृष्णायाङ्घ्रिकारिणे 86 72<sup>b</sup>  
 कृष्णार्थं वैरमभवत् 87 24<sup>a</sup>  
 कृष्णे किं प्रत्यपद्यत 85 4<sup>b</sup>  
 कृष्णे च भवतो द्वेषात् 66 23<sup>a</sup>  
 कृष्णेन च महात्मना 29 29<sup>d</sup>  
 कृष्णेन त्वां प्रथपितम् 29 5<sup>b</sup>  
 कृष्णेन परमच्छेद्वा 110 66<sup>a</sup>  
 कृष्णेन मनसा दृष्टा 87 35<sup>a</sup>  
 कृष्णेन यमुताडद 57 1<sup>a</sup>  
 कृष्णेन वरुणो जित 97 13<sup>d</sup>  
 कृष्णेन विहित वास 53 35<sup>a</sup>  
 कृष्णेन सद् सगत 67 31<sup>b</sup>  
 कृष्णेन सद् ससद्म् 69 39<sup>d</sup>  
 कृष्णेन द्वियमाणं तु 88 1<sup>a</sup>  
 कृष्णेनाद्भुतवर्मणा 97 12<sup>d</sup>  
 कृष्णेनामिततेजसा 112 49<sup>b</sup>  
 कृष्णेनामितभुदिना 102 15<sup>b</sup>  
 कृष्णेनामिप्रपातिना 28 31<sup>a</sup>  
 कृष्णे रनिपरायणे 64 1<sup>a</sup>  
 कृष्णेनरुद्रभित्तये 54 9<sup>b</sup>  
 कृष्णो गिरिरिवाचल 64 14<sup>d</sup>  
 कृष्णो गिरिरिवाचर 61 29<sup>a</sup>  
 कृष्णो गार्धिन्दनां गत 62 8<sup>b</sup>  
 कृष्णा विष्णु प्रजापति 3 111<sup>b</sup>

कृष्णो ज्ञातीन्समानाप्य 66 36<sup>d</sup>  
 कृष्णोऽथ रौद्रिणेश्च 70 7<sup>a</sup>  
 कृष्णो द्दरां पितर 95 4<sup>a</sup>  
 कृष्णो द्विपममोदयत् 74 29<sup>d</sup>  
 कृष्णो नाग इव श्वसन् 109 46<sup>b</sup>  
 कृष्णोपस्थानिकोऽभरत् 94 3<sup>b</sup>  
 कृष्णोऽपि कालयवन 84 35<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि गोपसहित 60 35<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि त गिरिश्रेष्ठ 61 64<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽपि मूले दौलस्य 61 58<sup>a</sup>  
 कृष्णोऽप्यमितविक्रम 67 33<sup>b</sup>  
 कृष्णो बभ्रुगत मणिम् 29 35<sup>b</sup>  
 कृष्णो भुनक्त्वाम्थां त 111 1<sup>a</sup>  
 कृष्णो भोगरतीं रन्धाम् 97 32<sup>a</sup>  
 कृष्णो महात्मा सहस्रात्रगाम 115 7<sup>a</sup>  
 कृष्णो राममयाववीत् 29 17<sup>d</sup>  
 कृष्णो राम महाद्युतिम् 89 46<sup>b</sup>  
 कृष्णो रीशविधानवित् 71 31<sup>d</sup>  
 कृष्णो वचनमववीत् 113 41<sup>b</sup>  
 कृष्णो विसर्जयामास 76 37<sup>a</sup>  
 कृष्णो विस्वापयन्मजम् 51 15<sup>b</sup>  
 कृष्णो वै दामवचनम् 51 36<sup>b</sup>  
 कृष्णो वै विपुल हृदम् 55 47<sup>b</sup>  
 कृष्णो हत्वा तु कुञ्जरम् 74 37<sup>d</sup>  
 कृष्णोऽहं ब्राह्मण स च 102 23<sup>b</sup>  
 कृष्णो हि सुरवायंपु 93 6<sup>a</sup>  
 कृष्यते सा स वेगेन 83 39<sup>a</sup>  
 कृष्यन्तां प्रथिता सीमा 59 23<sup>a</sup>  
 कृष्यमाणस्य नातुणा 48 35<sup>b</sup>  
 कृष्यमाण तु तत्तन 71 52<sup>a</sup>  
 कृष्यमाण यथा भुङ्गम् 56 21<sup>f</sup>  
 कृष्यमाण स कृष्णेन 76 36<sup>a</sup>  
 क्लृप्तस्वसमाकीर्णं 42 9<sup>a</sup>  
 क्लृप्ता पटुरा कृता 54 6<sup>d</sup>  
 क्लृप्तव्यामिनिर्न्या 91 49<sup>a</sup>  
 क्लृप्त्वाचितयसूरा 109 62<sup>a</sup>  
 क्लृप्तस्यधाचापि 85 28<sup>a</sup>  
 क्लृप्तावाचमिभि 53 1<sup>b</sup>  
 क्लृप्तिकृतिस्त्वा प्राक्कोशम् 108 37<sup>a</sup>  
 क्लृप्तस्वोऽप्ययातार 33 26<sup>a</sup>  
 क्लृप्तु कृष्ण इदिति 56 20<sup>a</sup>  
 क्लृप्तोयद्वाहना 33 25<sup>b</sup>  
 क्लृप्तवचनवाहना 33 25<sup>d</sup>

क्लृप्तस्वमृदिता रथे 37 32<sup>b</sup>  
 क्लृप्तदृष्टिणि सुमुचु 118 4<sup>a</sup>  
 क्लृप्तदोषयत्किंवा 43 71<sup>b</sup>  
 क्लृप्तदोषविलोपना 117 8<sup>b</sup>  
 क्लृप्तिदि विद्वलीकृताः 37 45<sup>b</sup>  
 क्लृप्तिदाप्याविलेक्षणा 109 62<sup>d</sup>  
 क्लृप्तिद्वमन्तो रथिरम् 108 49<sup>a</sup>  
 क्लृप्तिन्मन्त्रचर्चत् 61 10<sup>f</sup>  
 क्लृप्तिन्मन्त्रस्यता मता 117 6<sup>b</sup>  
 क्लृप्तिपण्डमण्डितम् 84 21<sup>d</sup>  
 क्लृप्तयश्च समन्तत 59 54<sup>d</sup>  
 क्लृप्ताना वनराजा 34 9<sup>a</sup>  
 क्लृप्तमन्त महात्मान 4 13<sup>a</sup>  
 क्लृप्तमानिति विधुत 23 56<sup>d</sup> 93 50<sup>d</sup>  
 क्लृप्तमा-वलद्वर्षित 31 76<sup>b</sup>  
 क्लृप्तवीर्यशतहृदी 3 67<sup>d</sup>  
 क्लृप्तवेषप्रतिच्छन्न 34 45<sup>a</sup>  
 क्लृप्ता सरितश्चैव 59 40<sup>a</sup>  
 क्लृप्तिरेपु धनेपु च 59 45<sup>b</sup>  
 क्लृप्तिर्यादि कार्येण 63 9<sup>a</sup>  
 क्लृप्त जानश्च पीर्यवान् 85 6<sup>b</sup>  
 क्लृप्त वायमिदानीत् 108 30<sup>a</sup>  
 क्लृप्त सुप्तप्रहारोऽय 77 36<sup>a</sup>  
 क्लृप्तापि निशि सुप्तत 109 69<sup>b</sup>  
 क्लृप्तमौ पातितो दुर्मौ 51 29<sup>d</sup>  
 क्लृप्तमौ पातितो वृषी 51 28<sup>a</sup>  
 क्लृप्तिरभरितेन च 11 18<sup>a</sup>  
 क्लृप्त कल्पार्थस्य 76 27<sup>a</sup>  
 क्लृप्त स्व तु गर्भेण 66 14<sup>a</sup>  
 क्लृप्त वपसा हृद 65 72<sup>a</sup>  
 क्लृप्त वा ते पितरो न्ये स्म 11 13<sup>a</sup>  
 क्लृप्त वादीये ज्ञानस्य 110 20<sup>f</sup>  
 क्लृप्तवाच जाभिता 47 43<sup>b</sup>  
 क्लृप्तवन्धै सुयोजिते 60 32<sup>d</sup>  
 क्लृप्तव्यापि त पथ्या 88 20<sup>a</sup>  
 क्लृप्तवस्य च माहात्म्य 113 80<sup>d</sup>  
 क्लृप्तवस्य विद्विधिभि 93 22<sup>d</sup>  
 क्लृप्तवस्य मतिन्नात्र 84 30<sup>a</sup>  
 क्लृप्तवस्य महात्मन 93 52<sup>d</sup> 104 4<sup>b</sup> 110 16<sup>d</sup>  
 क्लृप्तवस्यारम्भोऽभवत् 89 6<sup>a</sup>  
 क्लृप्तवस्योपशृण्वत् 100 16<sup>d</sup>  
 क्लृप्तव गच्छे स्थितम् 112 74<sup>d</sup>  
 क्लृप्तव वाच्यमयवीत् 110 41<sup>a</sup>

देशव समुपस्थिता 103 14 <sup>१</sup>	देशी तुरगतत्तम 67 29 <sup>१</sup>
देशव केशिमथन 112 39 <sup>१</sup>	देशी नाम हयो जात 44 67 <sup>१</sup>
देशव परधीरहा 94 24 <sup>१</sup>	देशोपु बल-द्वय 76 35 <sup>१</sup>
देशव पुनरेयाह 84 14 <sup>१</sup>	देशाचिन्नरके पुन 11 11 <sup>१</sup>
देशव शत्रुसूदन 112 75 <sup>१</sup>	देशराणा नैर्गन्धै 55 15 <sup>१</sup>
देशव सह यादवै 84 32 <sup>१</sup>	देशरा पुष्पवर्षे 73 16 <sup>१</sup>
देशव सह रुविमण्या 89 13 <sup>१</sup>	देशरी जातिक्रम 76 25 <sup>१</sup>
देशव सुमहायल 87 40 <sup>१</sup>	देशरी निरवमद 44 66 <sup>१</sup> 67 6 <sup>१</sup>
देशवान् पुरे शिशु 99 30 <sup>१</sup>	देशैर्भवे प्राप्स्यते सुरत्म् 35 56 <sup>१</sup>
देशवाय महाहार्णि 92 9 <sup>१</sup>	देशस ह्य शङ्खवान् 110 7 <sup>१</sup>
देशवायासधुमेन 76 15 <sup>१</sup>	देशासतिरराकारे 107 87 <sup>१</sup>
देशवेन निधेशिरा 86 73 <sup>१</sup> 93 44 <sup>१</sup>	देशासतिखरोपम 93 42 <sup>१</sup>
देशवेन बलेन च 96 63 <sup>१</sup>	देशासेनेव मन्दर 83 24 <sup>१</sup>
देशवेन महद्यथा 96 67 <sup>१</sup>	देशिकस्य च धनुषा 82 2 <sup>१</sup>
देशवेन महात्मना 97 11 <sup>१</sup> 109 70 <sup>१</sup>	देशिकस्य तु भीष्मक 87 11 <sup>१</sup>
देशवेनाभिपूजिता 82 25 <sup>१</sup>	देशिक पञ्चभिश्चापि 81 83 <sup>१</sup>
देशवेनाहृत स्वयम् 93 57 <sup>१</sup>	देशोरक मानयान 63 18 <sup>१</sup>
देशवो नाम नाश्रा त्व 67 58 <sup>१</sup>	कोकिलश्च सदामदौ 93 65 <sup>१</sup> 94 6 <sup>१</sup>
देशवो विश्वकर्मण 86 26 <sup>१</sup>	कोटिभूत नितामय 112 56 <sup>१</sup>
देशवो वृष्णिपुत्र 97 3 <sup>१</sup>	कोटिशिवापि बहुधा 110 37 <sup>१</sup>
देशानारूप्य दु खिता 77 52 <sup>१</sup>	कोटिसरयैर्बैर्द्वै 41 21 <sup>१</sup>
देशा केदान्त एव च 99 39 <sup>१</sup>	कोऽत्र दोषो ममात्मन 43 30 <sup>१</sup>
देशिदन्तक्षत्रापि 67 43 <sup>१</sup>	को न पासुपरीताङ्ग्य 77 6 <sup>१</sup>
देशिनस्तु तमग्यादौ 67 16 <sup>१</sup>	कोप कृष्ण समादधे 61 25 <sup>१</sup>
देशिनस्ते द्विधाभूते 67 49 <sup>१</sup>	कोप सिगृह्य धर्मात्मा 5 53 <sup>१</sup>
देशिन चापि जानामि 45 4 <sup>१</sup>	कोप यच्छत राजान 2 39 <sup>१</sup>
देशिन सोऽभिदुद्भवे 67 15 <sup>१</sup>	कोपास्त मगधेश्वर 81 87 <sup>१</sup>
देशिन हयदानवम् 67 17 <sup>१</sup>	कोपाद्धर्मसमन्वित 16 9 <sup>१</sup>
देशिन हयमाहवे 67 48 <sup>१</sup>	कोऽप्येव रमते द्व 65 35 <sup>१</sup>
देशिन पापदर्शिन 49 10 <sup>१</sup>	को भवाऽस्मिन्निहागत 85 56 <sup>१</sup>
देशिन प्रेपितो दूत 67 3 <sup>१</sup>	को भिरवा स्वस्तिमान्मेजेत् 38 26 <sup>१</sup>
देशिना सह बुद्धाय 67 22 <sup>१</sup>	को भोगवा को घृतिमान् 40 17 <sup>१</sup>
देशिनो दशना सुखात् 67 40 <sup>१</sup>	कोऽय यत्न भवत्रन्ना 108 32 <sup>१</sup>
देशिनो दुष्टचेतस 67 56 <sup>१</sup>	कोऽय विधिर्न जानामि 50 27 <sup>१</sup>
देशिनो मम च ध्रुवम् 65 32 <sup>१</sup>	कोऽय शक्रमहो नाम 59 3 <sup>१</sup>
देशिनो रूपमावभौ 67 41 <sup>१</sup>	कोऽय शीलव्यतिक्रम 99 13 <sup>१</sup>
देशिवक्त्रविलसन्तु 67 38 <sup>१</sup>	कोलश्लोथ्य पार्थिव 23 129 <sup>१</sup>
देशी कृ णमुपाद्भवत् 67 28 <sup>१</sup>	कोलिसपर्पा माद्विपका 10 44 <sup>१</sup>
देशी हेराकरो मृणाम् 67 4 <sup>१</sup>	को बरो च प्रदीयताम् 12 33 <sup>१</sup> 47 14 <sup>१</sup>
देशी च इत्यससक 67 39 <sup>१</sup>	को वा धर्मो विधीयते 22 27 <sup>१</sup>
देशी च तुरगाधम 62 69 <sup>१</sup>	कोविदाराश्च पुष्पिता 59 83 <sup>१</sup>
देशी चाशुद्यतधीय 67 16 <sup>१</sup>	को वै पिपीलिकरत 19 8 <sup>१</sup>
देशी तुरगदानव 67 7 <sup>१</sup>	कोशमापूरय सदा 41 6 <sup>१</sup>

कौशसचयरक्षिण 92 9 <sup>d</sup>	प्रमेणान्तरधीयत 91 42 <sup>d</sup>
कौशसि यो मानुषे लोके 46 23 <sup>d</sup>	क्रमेणैतेन भारत 7 37 <sup>d</sup>
कौ श्यतेन न विस्रयेद् 62 13 <sup>d</sup>	प्रभो येन प्रवर्तित 15 12 <sup>d</sup>
कौदहलमवीच 11 34 <sup>d</sup>	प्रव्यादानखनेजमा 110 43 <sup>b</sup>
कौदहलसमाविष्ट 100 48 <sup>d</sup>	प्रयादानि च भूतानि 38 43 <sup>b</sup>
कौदहलादिद् वानय 59 3 <sup>d</sup>	प्रव्यादाद् ब्रह्मरूपेण 117 16 <sup>d</sup>
कौग्यस्ता पाण्डुराग्रहत 24 22 <sup>d</sup>	प्रव्यादेननुयातानि 81 57 <sup>d</sup>
कौमार व्रतमास्थाय 35 27 <sup>d</sup> 47 46 <sup>d</sup>	प्रव्यादो धाषते लोकान् 44 66 <sup>d</sup>
कौरवाणा धुरधर 23 118 <sup>b</sup>	कार्यधैवानुमानपि 80 12 <sup>b</sup> 89 17 <sup>d</sup>
कौरवा ऐक्यास्तथा 81 45 <sup>b</sup>	नायस्य वसुदेवेन 82 2 <sup>d</sup>
कौशाम्यो मालवश्चैव 81 42 <sup>d</sup>	क्राथोऽशुमान्श्रुतरां च 88 4 <sup>d</sup>
कौशिकस्य सुतास्तात 16 5 <sup>d</sup>	क्रत्वविश्रान्तगामिना 55 3 <sup>d</sup>
कौशिकाना महात्मनाम् 23 88 <sup>d</sup>	क्रान्तुकाम इवौजसा 38 36 <sup>d</sup>
कौशिका यद्व स्मृता 23 90 <sup>d</sup>	क्रियतामत्र मन्दिरम् 86 14 <sup>d</sup>
कौशिकी त्व भविष्यसि 47 47 <sup>d</sup>	क्रियतामविचारितम् 59 61 <sup>d</sup>
कौशिकीं सश्रयिष्यन्ति 117 28 <sup>d</sup>	क्रियता किं विचार्यते 59 29 <sup>d</sup>
कौशिको गालवश्चैव 7 44 <sup>d</sup>	क्रियतेऽति पुन पुन 8 28 <sup>d</sup>
कौशिक्या सुतसोमाया 98 16 <sup>d</sup>	क्रियते न च ते सुभु 107 32 <sup>d</sup>
कौशेयेन च भास्वता 63 20 <sup>b</sup>	क्रियन्ता मञ्जराटाश्च 72 7 <sup>d</sup>
कौसल्य काशिराजश्च 80 13 <sup>d</sup>	क्रिद्मार्णविरितस्तत 53 26 <sup>b</sup>
कौसल्या सुपुत्रे सुतान् 27 1 <sup>d</sup>	क्रियातश्च विनि सूत 75 27 <sup>b</sup>
क्रनुदन्तश्चित्तोसुर 31 22 <sup>b</sup>	क्रियाचरसमाज्ञातम् 75 10 <sup>d</sup>
क्रनुमङ्गिरस शिवम् 2 18 <sup>d</sup>	क्रियालोपश्च लोकाना 41 25 <sup>d</sup>
क्रनुरिन्द्रेण ते विभो 118 27 <sup>d</sup>	क्रियावन्त प्रजावन्त 1 33 <sup>d</sup>
क्रनुर्वैसिष्ठ पुरह 12 14 <sup>d</sup>	क्रियां च पुण्या लभते गुणान्वित 118 46 <sup>d</sup>
क्रथकैशिकभर्ता तान् 87 30 <sup>d</sup>	क्रिया काश्चित्करिष्यति 12 35 <sup>d</sup>
क्रथकैशिकमुत्प्याश्च 88 5 <sup>d</sup>	क्रीडता लीलया पुरा 31 115 <sup>d</sup>
क्रथकैशिकमुत्प्यास्तु 87 10 <sup>d</sup>	क्रीडता वासुदेवेन 96 35 <sup>d</sup>
क्रथकैशिकमुत्प्यास्ते 88 15 <sup>d</sup>	क्रीडतो सह गोपाले 54 2 <sup>d</sup>
क्रथस्य त्वशुमान्वरो 87 11 <sup>d</sup>	क्रीडध्व सह वानध्वै 79 31 <sup>d</sup>
क्रन्दन्ति स्म गृहे गृहे 53 5 <sup>d</sup>	क्रीडन्त बहुधा युद्धे 108 44 <sup>d</sup>
क्रन्दन्त्यो विस्मयन्त्यश्च 51 20 <sup>d</sup>	क्रीडन्त मधुसूदन 97 17 <sup>b</sup>
क्रन्दमाना जगन्नाथ 67 14 <sup>d</sup>	क्रीडन्त शिशुलील्या 56 9 <sup>b</sup>
क्रन्दमाना व्रजं जग्मु 56 14 <sup>d</sup>	क्रीडन्तावनिलानलौ 36 36 <sup>d</sup>
क्रमन्त कालनेमिाम् 36 57 <sup>b</sup>	क्रीडन्ति प्रजयोपित 63 28 <sup>d</sup>
क्रममाणश्चिभि क्रमै 38 20 <sup>d</sup>	क्रीडन्तौ वत्सराजानु 51 9 <sup>d</sup>
क्रममाण हृषीकेशम् 31 87 <sup>d</sup>	क्रीडन्निव च द्यूदेसु 108 91 <sup>d</sup>
क्रमविक्रमसत्कृत 31 24 <sup>d</sup>	क्रीडमानो च्यहोडयत् 96 33 <sup>d</sup>
क्रमराष्ट्रानि राज्यानि 3 110 <sup>d</sup>	क्रीडमानौ हथिरवचिद् 52 6 <sup>b</sup>
क्रम प्रणीय पाञ्चाल 19 29 <sup>d</sup>	क्रीडावयन्त्या मणिना 28 23 <sup>d</sup>
क्रमेण विपरीतेन 76 38 <sup>d</sup>	क्रीडाभिरपरानितौ 58 7 <sup>d</sup>
क्रमेण स पिपासद 4 10 <sup>b</sup>	क्रीडाभिरभितोभितौ 51 6 <sup>b</sup>
क्रमेण सह स्त्रन्धास्त 91 40 <sup>d</sup>	क्रीडाभिश्वरतुर्षनम् 58 8 <sup>d</sup>

श्रीशिवहारे नारीभि 108 3<sup>d</sup>  
 श्रीशिवहारोपगत 107 1<sup>a</sup>  
 श्रीशामु विविधामु वा 96 48<sup>d</sup>  
 श्रीदितय प्रजे मम 65 34<sup>d</sup>  
 श्रीदित्वा देवकीसुत 75 40<sup>b</sup>  
 श्रीदित्वा शिशुना यथा 74 3<sup>b</sup>  
 कुन्दस्वपारमभयगात् 8 29<sup>f</sup>  
 कुन्द पारिणित रूपम् 118 23<sup>b</sup>  
 कुन्दानाद्रवतो वीरान् 88 17<sup>o</sup>  
 कुन्दा भिन्सुमैहीतलम् 43 74<sup>d</sup>  
 कुन्दा लोकपितामह 31 42<sup>b</sup>  
 कुन्दा सूक्ष्मां पिपीत्सिकाम् 19 4<sup>d</sup>  
 कुन्दैर्महर्षिभिस्तात 4 22<sup>o</sup>  
 कुन्दो दुष्टपराक्रम 67 5<sup>b</sup>  
 कुन्दो भरतसत्तम 23 77<sup>d</sup>  
 कुन्दो रुद्र पशुनिव 10 37<sup>d</sup>  
 कुन्दो विव्याध मार्गणे 88 20<sup>b</sup>  
 कूरा सुद्धि समभवत् 16 7<sup>o</sup>  
 कूरा लक्षणवर्तिता 117 36<sup>d</sup>  
 क्रोधदीप्तो गदाधर 38 44<sup>d</sup>  
 क्रोधरत्नान्मुद्रात्तस्य 76 17<sup>d</sup>  
 क्रोधवर्धन पूव च 31 74<sup>o</sup>  
 क्रोधश्च सकलो गृणाम् 116 29<sup>b</sup>  
 क्रोधसरत्तनयना 76 8<sup>o</sup>  
 क्रोधसरत्तलोचन 108 55<sup>d</sup>  
 क्रोधसरत्तलाचना 109 18<sup>b</sup>  
 क्रोधासरत्तनयन 38 34<sup>o</sup>  
 क्रोधादभिययौ यदून् 80 7<sup>f</sup>  
 क्रोधादश्रुणयवतयन् 89 48<sup>d</sup>  
 क्रोधाद्द्विगुणविक्रम 67 30<sup>d</sup>  
 क्रोधाद्दुधितरत्ताक्ष 38 29<sup>o</sup>  
 क्रोधाक्षि श्वसतस्तस्य 37 39<sup>o</sup>  
 क्रोधन तज्जल तस्य 56 8<sup>o</sup>  
 क्रोधेनाभिप्रज्जवाल 108 65<sup>d</sup>  
 क्रोधेनारुजते द्रुमान् 67 23<sup>d</sup>  
 क्रोधो हि तेषा प्रदहेत् 66 12<sup>o</sup>  
 क्रोशामण्डलविन्तार 100 33<sup>o</sup>  
 क्रोशमात्र निरामये 55 46<sup>d</sup>  
 क्रोशमान च मेघवत् 31 102<sup>d</sup>  
 क्रोष्टा नीलोऽङ्गिकस्तथा 23 134<sup>d</sup>  
 क्रोष्टुन्वजाश्च दानवा 31 89<sup>b</sup>  
 क्रोष्टारेवाभवत्पुत्र 26 1<sup>a</sup>  
 क्रोष्टाभायै बभूवुत् 24 1<sup>b</sup> 28 9<sup>d</sup>

क्रोष्टोर्हि वदा ध्रुवेम 23 168<sup>o</sup>  
 क्रोष्टोस्तु शृणु राजेन्द्र 23 167<sup>o</sup>  
 क्रोष्टप्रयास्तथापरे 31 84<sup>b</sup>  
 क्रोष्टेन दिधि कामगाम् 36 24<sup>b</sup>  
 क्रोष्टो नाम महागिरि 13 14<sup>b</sup>  
 क्रिदपश्रोत्तरच्छदा 54 15<sup>d</sup>  
 क्रिदं शैवलपद्मिलम् 100 34<sup>d</sup>  
 क्रिदयते कृष्ण देवकी 69 13<sup>b</sup>  
 क्लीया ह्व विचेतस 108 31<sup>d</sup> 109 67<sup>d</sup>  
 क्लेद्यामास चपलं 43 20<sup>o</sup>  
 क्लेदिते धरणीतले 70 2<sup>d</sup>  
 क्लेशमेवानुवर्तसे 35 27<sup>d</sup>  
 क गच्छामिस्त्वया विना 77 15<sup>d</sup>  
 क गच्छामि महाभुज 83 46<sup>d</sup>  
 क गच्छामीति वै मुहु 9 92<sup>b</sup>  
 क च गोपारवमशुभ 65 34<sup>o</sup>  
 क च देवप्रभायेन 65 34<sup>o</sup>  
 क च भावविपर्यय 35 42<sup>b</sup>  
 कचिच्छिन्नाभ्रसस्थितै 59 16<sup>d</sup>  
 कचिगञ्जीकरमुक्ताभ 59 16<sup>o</sup>  
 कचिज्जानुभिरुद्दृष्टै 51 9<sup>o</sup>  
 कचित्कन्दम्बहासादय 54 11<sup>o</sup>  
 कचित्केसरवर्षसम् 33 7<sup>b</sup>  
 कचित्कचिदुद्रप्रार्थ 86 51<sup>o</sup>  
 कचिदासीनमासने 40 16<sup>d</sup>  
 कचिद्वायम्कचि क्रोडन् 55 11<sup>o</sup>  
 कचिद्दुर्दिनसकाशै 59 16<sup>o</sup>  
 कचिद्दसतावन्योन्य 52 6<sup>o</sup>  
 कचिद्भ्रमप्रदिग्धाङ्गी 51 8<sup>o</sup>  
 कचिद्भ्रनगतो युवा 55 12<sup>d</sup>  
 कचिद्भिद्भ्रान्तरेपिणौ 52 6<sup>d</sup>  
 क ते स मुहुटो वीर 77 9<sup>o</sup>  
 क दारा क च सयोग 35 42<sup>o</sup>  
 क मे घस क मे पुत्र 77 38<sup>o</sup>  
 क वास्यसि मया रुद्र 71 33<sup>o</sup>  
 क्षणदाक्षयसद्धते 70 1<sup>d</sup>  
 क्षण तात प्रतीक्षताम् 70 9<sup>d</sup>  
 क्षणे न सतिष्ठति जीवलोक 117 51<sup>o</sup>  
 क्षणा निमेधा काष्ठाश्च 30 26<sup>o</sup>  
 क्षणा सयरसरत्तथा 104 20<sup>f</sup>  
 क्षणेन काल्यवन 85 52<sup>o</sup>  
 क्षणेन च विहीना स्य 77 16<sup>o</sup>  
 क्षणेन तद्रजस्थानम् 53 19<sup>o</sup>

क्षणेन नृपसत्तम 103 30<sup>१</sup>  
 क्षणेन भस्मसाक्षीता 56 10<sup>०</sup>  
 क्षणेन समतिक्रान्तः 103 13<sup>०</sup>  
 क्षणेन समनुप्राप्ता 107 86<sup>०</sup>  
 क्षणेनादर्शन इदाव् 65 27<sup>४</sup>  
 क्षणेनैव प्रमाण स 12 10<sup>०</sup>  
 क्षत च वपुरात्मन 38 34<sup>१</sup>  
 क्षत्रधर्मरत सदा 9 79<sup>१</sup>  
 क्षत्रधर्मा जयद्रथ 81 44<sup>४</sup>  
 क्षत्रधर्मे स्ववस्थित 81 71<sup>१</sup>  
 क्षत्रमिन्द्रभयावहम् 21 12<sup>४</sup>  
 क्षत्र भुवि परिश्रुतम् 114 3<sup>४</sup>  
 क्षत्रियाणां कुरुश्रेष्ठ 10 27<sup>०</sup>  
 क्षत्रियाणां परिश्रुत 115 28<sup>१</sup>  
 क्षत्रियाणां बलवता 42 50<sup>०</sup>  
 क्षत्रियाणां महात्मनाम् 81 68<sup>१</sup>  
 क्षत्रियाणां महौजसाम् 10 28<sup>४</sup>  
 क्षत्रियाणां वपुर्भिश्च 41 20<sup>०</sup>  
 क्षत्रिया गार्हस्पित्ति 115 35<sup>०</sup>  
 क्षत्रिया भरतश्रेष्ठ 9 35<sup>०</sup>  
 क्षत्रिया युद्धदुर्मदा 9 36<sup>४</sup>  
 क्षत्रिया वाजिमेघन 118 17<sup>०</sup>  
 क्षत्रियेण विधित्तता 23 65<sup>१</sup>  
 क्षत्रियैर्विप्रयोजिता 42 39<sup>४</sup>  
 क्षत्रिये दक्षार्जुत्तिभि 42 44<sup>१</sup>  
 क्षन्तुमर्हसि मे त्रक्षन् 43 33<sup>०</sup>  
 क्षन्तुमर्हसि मे विभो 62 36<sup>४</sup>  
 क्षमया परया युत 31 93<sup>४</sup>  
 क्षमा त्वच्च प्रयुता च 100 50<sup>०</sup>  
 क्षमापराक्रममय 37 21<sup>०</sup>  
 क्षमावलेन मनसा 38 23<sup>०</sup>  
 क्षमा मूर्द्धहो मुखम् 58 38<sup>१</sup>  
 क्षमावन्तौ मनीषिणौ 3 37<sup>४</sup>  
 क्षमा मनसि सथाप 65 98<sup>४</sup>  
 क्षमा योऽतीत्य भापसे 38 24<sup>४</sup>  
 क्षयमक्षयवर्चस 52 11<sup>४</sup>  
 क्षयवृद्धित्वव व्यक्ता 36 4<sup>०</sup>  
 क्षय यासन्ति दाक्षिण 43 56<sup>०</sup>  
 क्षय सृष्टि च भारत 104 22<sup>१</sup>  
 क्षयाप दितिवशास्य 31 61<sup>०</sup>  
 क्षयाप पृथिवीन्द्राणां 44 13<sup>०</sup>  
 क्षयोद्यान्या परिचर्तमान 117 61<sup>४</sup>  
 क्षयो भुवि मया १६ 45 10<sup>०</sup>

क्षयोऽय भविता महान् 106 67<sup>१</sup>  
 क्षरज्जलानां शैलानां 54 28<sup>०</sup>  
 क्षरज्जलानां महता 37 34<sup>४</sup>  
 क्षरन्दीपु पयो बहु 62 50<sup>४</sup>  
 क्षरन्तु विक्षान्द्रीणां 33 17<sup>०</sup>  
 क्षरेषु येन वत्सहा 6 7<sup>४</sup>  
 क्षान्तमेव तद्दानेन 66 37<sup>०</sup>  
 क्षानकुक्षिपयोधरा 61 21<sup>१</sup>  
 क्षितिनाथ गतायुषम् 77 2<sup>१</sup>  
 क्षिति क्षितितले स्थित 100 48<sup>१</sup>  
 क्षिति सर्वेऽभ्यघावन्त 113 2<sup>०</sup>  
 क्षिति शैथिल्यमेव्यति 43 55<sup>४</sup>  
 क्षितौ ताडहि दानयान् 44 83<sup>४</sup>  
 क्षितौ समभिवर्तत 111 3<sup>४</sup>  
 क्षिपक्षारायण रणे 38 22<sup>४</sup>  
 क्षिप्यद्भवां महीधरात् 36 51<sup>४</sup>  
 क्षितचित्त इव श्वसन् 110 64<sup>४</sup>  
 पिसि वदुषुष दृष्टा 66 1<sup>०</sup>  
 क्षित क्रोधेन दानव 73 24<sup>१</sup>  
 क्षितानि पचनेनाग्नि 43 31<sup>०</sup>  
 क्षिप्ते रित्ररि चुक्रोच 76 24<sup>०</sup>  
 क्षितोऽक्षसगदाविरम् 37 35<sup>१</sup>  
 क्षिप्यमाणमनेकदा 65 99<sup>१</sup>  
 क्षिप्यमाणैश्च मुसले 35 5<sup>०</sup>  
 क्षिप्यमाणोऽसुरेन्द्रेण 38 23<sup>०</sup>  
 क्षिप्रकारी महाबल 112 31<sup>४</sup>  
 क्षिप्रमर्चय वध्यताम् 76 21<sup>४</sup>  
 क्षिप्रमात्प्रातुनर्हसि 71 23<sup>४</sup>  
 क्षिप्रमाणन्तुमर्हसि 91 37<sup>४</sup>  
 क्षिप्रमाज्ञापय विभो 43 8<sup>०</sup>  
 क्षिप्रमानय मे कान्त 107 83<sup>०</sup>  
 क्षिप्रमानयितु वजात् 65 83<sup>१</sup>  
 क्षिप्रमारोहयन्त्विति 81 39<sup>४</sup>  
 क्षिप्रमावेदये चेद् 96 69<sup>०</sup>  
 क्षिप्रमुक्तेश्च पर्वते 35 7<sup>१</sup>  
 क्षिप्रमेव वधिष्यामि 38 17<sup>०</sup>  
 क्षिप्र वष्य स मे भवेत् 56 37<sup>४</sup>  
 क्षिप्र विरान्तु यूपानि 61 54<sup>०</sup>  
 क्षिप्र समभिवर्तेश्व 81 73<sup>०</sup>  
 क्षिप्र सवाह्वतां व्रत 52 20<sup>४</sup>  
 क्षिप्र ससाध्यतां कस 62 69<sup>०</sup>  
 क्षीणपुण्यसिच महम् 77 1<sup>१</sup>  
 क्षीणप्रहरणा रणे 32 12<sup>१</sup>

क्षीण विस्तारयिष्यति 68 28<sup>d</sup>  
क्षीणाकारासु तारासु 70 3<sup>e</sup>  
क्षीणा जवेन हृदयाम् 29 16<sup>e</sup>  
क्षीरमासीदनुपम 6 17<sup>e</sup>  
क्षीरमूर्जंस्कर चंद्र 6 19<sup>e</sup>  
क्षीरवत्य इमा गाव 59 10<sup>e</sup>  
क्षीर रधिरमेव च 6 31<sup>d</sup>  
क्षीर सयत्र भावयेत् 6 8<sup>d</sup>  
क्षीराद्यथा दधि भवेत् 39 12<sup>e</sup>  
क्षीरिकाट्टक्षसघाता 43 70<sup>e</sup>  
क्षीरिण्यो द्विगुण गाय 59 48<sup>e</sup>  
क्षीरोदस्यामृतोदध 30 18<sup>e</sup>  
क्षीरोदस्योत्तरा दिशम् 45 47<sup>e</sup>  
क्षुद्रकाणा समन्तत 108 61<sup>e</sup>  
क्षुद्रा क्षुद्रपरिच्छदा 117 17<sup>e</sup>  
क्षुधा मे बाधते सात 35 51<sup>e</sup>  
क्षुब्ध नरवानीक 81 53<sup>e</sup>  
क्षुब्धविक्रम महार्णवौ 36 15<sup>d</sup>  
क्षुभिता सागरगमा 83 38<sup>e</sup>  
क्षुरतीक्ष्णाप्रचरण 64 2<sup>e</sup>  
क्षुरपर्पतमण्डलम् 38 41<sup>e</sup>  
क्षुरान्गान्मौरवाण्पाराण् 91 44<sup>e</sup>  
क्षुवत्तस्तु मनोस्तात 9 38<sup>e</sup>  
क्षेत्रजोऽह सुनस्त्रेव 73 38<sup>e</sup>  
क्षेत्र सर्वस्य कर्मण 62 30<sup>e</sup>  
क्षेत्राणि रसवन्त्यस्या 44 58<sup>e</sup>  
क्षेत्रे वैचित्रवीर्यक 23 120<sup>e</sup>  
क्षेपण क श्च भ मन्येत् 66 11<sup>e</sup>  
क्षेपणाद्यस्य मुह्यन्ति 38 43<sup>e</sup>  
क्षेपणीयाश्च मुद्रा 81 34<sup>e</sup>  
क्षेपणाधिश्च मुद्रा 33 11<sup>d</sup> 37 9<sup>d</sup> 81 78<sup>d</sup>  
क्षेपणैर्मुष्टिभिश्च 75 31<sup>e</sup>  
क्षेप्ता कूरभापिणम् 89 43<sup>e</sup>  
क्षेप्तुकामखिलोचन 112 30<sup>e</sup>  
क्षेमको नाम राक्षस 23 58<sup>d</sup>  
क्षेमधन्सुतस्त्वासीत् 10 77<sup>e</sup>  
क्षेमधवा तत स्मृत 10 76<sup>d</sup>  
क्षेमप्रचारवहुल 49 24<sup>e</sup>  
क्षेमस्य चेतुमान्पुत्र 23 69<sup>e</sup>  
क्षेम सुभिक्षमारोग्य 117 25<sup>e</sup>  
क्षेमी तरति कीर्तिमात् 6 46<sup>e</sup>  
क्षेमो नाम महायणा 23 69<sup>e</sup>  
क्षेमो मुदितगोकुल 60 4<sup>e</sup>

क्षोभयन्धरणीतलम् 38 49<sup>e</sup>  
क्षोभयेयुर्मदोदधिम् 43 74<sup>e</sup>  
क्षोभयेऽह परामिमाम् 46 23<sup>e</sup>  
क्षोभित स महाइद 56 3<sup>e</sup>  
क्षोभितानि महीक्षिताम् 105 7<sup>d</sup>  
क्षोभितास्ते महासुरा 31 69<sup>d</sup>  
क्ष्वेदमानैश्च पत्तिभि 81 20<sup>d</sup>  
क्ष्वेदयन्ती प्रगायन्ती 58 3<sup>e</sup>  
क्ष्वेदितार्क्षोदितरव 74 27<sup>e</sup> 81 22<sup>e</sup>  
क्ष्वेदितार्क्षोदितेन च 74 21<sup>e</sup>  
क्ष्वेदितार्क्षोदितोरुष्टे 81 92<sup>e</sup>

ख

खगाना गतिरुच्यते 62 25<sup>e</sup>  
खगाना च विकृजितम् 73 13<sup>e</sup>  
खगराकारागोचरैः 55 44<sup>e</sup>  
खट्वाङ्ग इति विश्रुत 10 64<sup>e</sup>  
खड्गचर्मधर तदा 108 58<sup>e</sup>  
खड्गचर्मधर व तु 108 59<sup>e</sup>  
खड्गचर्मधरोद्ग्रे 81 18<sup>e</sup>  
खड्गचर्मपरधधान् 112 8<sup>e</sup>  
खड्गपाणिश्च यादव 108 60<sup>e</sup>  
खड्गभादाय चर्म च 68 23<sup>e</sup>  
खड्गमुद्यम्य ताश्चापि 89 44<sup>e</sup>  
खड्ग च कनकसहस्रम् 47 40<sup>e</sup>  
खड्गी चर्मो शरासर्नी 23 150<sup>e</sup>  
खनित्रैश्च पुरी हुतम् 81 35<sup>e</sup>  
खन्यमाने महाणवे 10 48<sup>e</sup>  
खमस्थिराणा विषय 62 31<sup>e</sup>  
खमाल्दं नृचक्षुष 61 13<sup>e</sup>  
खमुत्पेतुरथ प्राणा 29 17<sup>e</sup>  
खर ह्युच्यते दैत्य 44 72<sup>e</sup>  
खरयूथेन महता 57 12<sup>e</sup>  
खरलम्बावुभावपि 37 6<sup>e</sup>  
खरस्तारकले तार्ध 57 20<sup>e</sup>  
खरोद्भवदनाश्चैव 31 81<sup>e</sup>  
खळा बला च राजेन्द्र 23 8<sup>e</sup>  
खसा तु यक्षरक्षासि 3 92<sup>e</sup>  
खस्य कालवदन 31 77<sup>e</sup>  
खस्य पितृवर्ती च 16 4<sup>e</sup>  
ख च गा चैव पूरयन् 38 36<sup>e</sup>  
ख धभूवातनिप्रमम् 61 16<sup>e</sup>  
ख सपात ह्व द्विज 115 37<sup>d</sup>  
ख सा देवालय देवी 48 36<sup>e</sup>

खादितुं भोक्तुमेव वा 67 34<sup>d</sup>  
 खानयामास पार्थिव 10 47<sup>f</sup>  
 खिन्नो ह्यस्त्युपवासेन 16 37<sup>e</sup>  
 सूरनेमिसमुद्गतम् 81 92<sup>d</sup>  
 सूरिदौरयने भूमिं 67 8<sup>e</sup>  
 सूरिनिर्दारयन्महीम् 57 15<sup>d</sup>  
 सुरोद्धारणमुत्तेन 67 27<sup>e</sup>  
 खेचराणां महात्मनाम् 3 85<sup>d</sup>  
 खेचरा खे समन्तत 61 40<sup>d</sup>  
 खेचरीव च गां गता 86 45<sup>d</sup>  
 खेचरैश्च महाप्रहै 31 37<sup>d</sup>  
 खेदात्कृष्णनापिणी 42 13<sup>d</sup>  
 खे नदत्सु सन्नन्तत 61 14<sup>d</sup>  
 खेलेन रुधिरस्त्रये 114 12<sup>b</sup>  
 खे सगतान्यवाद्यन्त 75 36<sup>e</sup>  
 ख्यात कल्माषपादो वै 10 70<sup>e</sup>  
 ख्यात्रास्त्रस्य महात्मन 29 47<sup>b</sup>  
 ख्यातिमन्तह्यपस्तेषा 28 32<sup>e</sup>  
 ख्याति कन्येति यास्यसि 9 11<sup>b</sup>  
 ख्यातिं गच्छेयमीश्वर 112 125<sup>d</sup>  
 ख्यातिं यदुपयास्यति 86 5<sup>e</sup>  
 ख्यातिं यास्यामि कर्माभि 21 25<sup>d</sup>  
 ख्यातो लोके भविष्यति 67 58<sup>d</sup>  
 ख्यातीं ख्यातिमता वरी 27 18<sup>d</sup>  
 ख्यायते यस्य नाज्ञा वै 23 132<sup>d</sup>  
 ग  
 गगनक्षोभणं पुरम् 34 39<sup>d</sup>  
 गगन भूर्दिशश्चैव 113 77<sup>e</sup>  
 गगनं सागरस्य वै 54 37<sup>d</sup>  
 गगनादिव पर्वतम् 112 80<sup>d</sup>  
 गगनाद्गृहसर्वाहा 38 53<sup>e</sup>  
 गगनाधोऽच्छिन्नाकार 55 18<sup>e</sup>  
 गगने तव गात्राणा 54 22<sup>e</sup>  
 गङ्गा सह सागर 43 49<sup>d</sup>  
 गङ्गा परिचरिष्यति 43 40<sup>d</sup>  
 गङ्गासमिस्तुतं च्युव 90 14<sup>d</sup>  
 गङ्गासुखाभिर्दिव्याभि 43 7<sup>e</sup>  
 गङ्गासुखाममचूर्णी 110 16<sup>e</sup>  
 गङ्गासायने देहायै 23 80<sup>e</sup>  
 गङ्गा सर्वाङ्गशोभना 43 27<sup>b</sup>  
 गङ्गासिन्धुप्रकाशानि 93 11<sup>e</sup>  
 गङ्गां दृष्ट्वा महर्षय 23 79<sup>b</sup>  
 गङ्गां स्निग्धा घन्वा 100 38<sup>e</sup>

गच्छ कृष्णस्य निलय 66 38<sup>d</sup>  
 गच्छ हात यथासुखम् 18 31<sup>d</sup>  
 गच्छतो भरतर्षभ 103 18<sup>d</sup>  
 गच्छदय दानपति 65 83<sup>e</sup>  
 गच्छ त्व दूत माचिरम् 44 42<sup>b</sup>  
 गच्छत्विष्य यमुमुती 43 65<sup>e</sup>  
 गच्छ देवि यथासुखम् 8 12<sup>d</sup>  
 गच्छ दोषेण कालो हि 118 33<sup>e</sup>  
 गच्छ धर्मिष्ठ माचिरम् 70 15<sup>d</sup>  
 गच्छ्च सहिवा सर्वे 108 15<sup>e</sup>  
 गच्छ निद्रे मयोत्सृष्टा 47 26<sup>e</sup>  
 गच्छन्ती पितुरन्तिकम् 9 13<sup>b</sup>  
 गच्छन्तु धनिनो वजा 50 17<sup>d</sup>  
 गच्छ मासुत देवेषाम् 86 67<sup>e</sup>  
 गच्छ विज्ञाप्यता कृष्ण 77 50<sup>e</sup>  
 गच्छ सोम सहायत्व 36 2<sup>e</sup>  
 गच्छानया सह त्व तु 49 2<sup>e</sup>  
 गच्छाम दिवसुत्तमम् 38 61<sup>b</sup>  
 गच्छाम द्वारका पुरीम् 113 5<sup>b</sup>  
 गच्छामो मधुसूदन 45 46<sup>d</sup>  
 गच्छाणवज्रल सर्पं 56 36<sup>e</sup>  
 गच्छाणव महीपाल 43 24<sup>e</sup>  
 गच्छाव वृथिवीतरम् 44 80<sup>b</sup>  
 गच्छेरन्यत्र कश्यपात् 45 45<sup>b</sup>  
 गजकुम्भोपमलनी 48 30<sup>e</sup>  
 गजचर्मचयोपमम् 100 34<sup>d</sup>  
 गजदन्तहृत्तोष्ठिष 75 2<sup>e</sup>  
 गजदन्तेन वेदाव 75 5<sup>e</sup>  
 गजमङ्गस्य पीर्यवान् 87 67<sup>b</sup>  
 गजमेक यथा वने 108 63<sup>d</sup>  
 गजरूपेण च्छाह 91 7<sup>e</sup>  
 गजवाजिस्वरोद्घातौ 85 21<sup>e</sup>  
 गजवाजिरथीर्वस्ते 108 46<sup>e</sup>  
 गज स्वेष्टेय गात्रु 74 30<sup>e</sup>  
 गजा ह्य समन्तत 108 37<sup>b</sup>  
 गजा ह्यन्ये सलका 61 10<sup>e</sup>  
 गजानीकैरिवाकीर्ण 54 37<sup>e</sup>  
 गजारोहमथोत्थणम् 74 37<sup>d</sup>  
 गजाश्चातिथरात्त्रय 81 94<sup>e</sup>  
 गजेनापाय वङ्गस्तु 87 67<sup>e</sup>  
 गजेन्द्र ह्य त मन्म 89 45<sup>e</sup>  
 गजेन्द्रचर्मवमनाः 31 85<sup>e</sup>  
 गजेन्द्रदशनाङ्कित 67 43<sup>d</sup>



गजेन्द्राम्भोदवपुष 33 7<sup>०</sup>  
 गजेन्द्रांश्च महामति 31 107<sup>६</sup>  
 गजेन्द्रयास्तथा रथै 107 18<sup>०</sup>  
 गजैर्गञ्जा हयैरथा 82 4<sup>०</sup>  
 गजैर्गञ्जा हि सकुद्धा 87 74<sup>०</sup>  
 गजैश्च जलदोषमै 81 23<sup>०</sup>  
 गजैश्च मदसिञ्चिते 81 20<sup>०</sup>  
 गणयन्तु मम स्त्रिय 47 4<sup>१</sup>  
 गण श्रीधरश्च विद्धि 3 90<sup>०</sup>  
 गणाश्चैव पदातिनाम् 84 6<sup>०</sup>  
 गणिकानां वृथङ्मञ्जा 74 9<sup>०</sup>  
 गण्डरीलाद्द्वालिनीम् 36 22<sup>०</sup>  
 गण्डरीलैश्च दक्षिणै 37 10<sup>०</sup>  
 गण्डरीलैश्च दक्षिणै 33 30<sup>०</sup>  
 गण्डूपाय त्वयुत्राय 24 29<sup>०</sup>  
 गतमेघजलाशया 59 31<sup>६</sup>  
 गतसत्त्वा गतासव 38 53<sup>०</sup>  
 गतस्य यमसाद्गन् 77 49<sup>६</sup>  
 गत सुकृतिना लोक 11 31<sup>०</sup>  
 गत किल भवाभ्यद्गन् 78 27<sup>६</sup>  
 गत सूर्यसख तात 46 8<sup>०</sup>  
 गतागताम्या यो नेता 30 29<sup>०</sup>  
 गताभ्रे विमले श्योश्चि 61 62<sup>०</sup>  
 गता वनङ्कतुहलात् 73 10<sup>६</sup>  
 गतासुप्रतिमोऽभवत् 65 6<sup>६</sup>  
 गतासुविहृतानना 91 49<sup>६</sup>  
 गतासु स जगाम ह 58 52<sup>६</sup>  
 गतासु स पपातोव्यो 71 13<sup>०</sup>  
 गतिमिशामनुत्तमाम् 19 26<sup>०</sup>  
 गतिमेतामप्रमच 13 72<sup>०</sup>  
 गतिर्गतिमतामपि 30 37<sup>६</sup> 44 16<sup>६</sup>  
 गतिर्भवति मेदिनी +4 78<sup>६</sup>  
 गतिस्त्वत्र तपोमथी 62 29<sup>०</sup>  
 गतिं तत्त्वेन चिन्तयन् 116 4<sup>०</sup>  
 गतिं प्राप सुदुर्लभाम् 19 37<sup>६</sup>  
 गतिं यास्यन्ति पार्थिवा 23 149<sup>०</sup>  
 गतिं येमतरगिणीम् 43 18<sup>०</sup>  
 गतिं शमद्माह्वाना 62 31<sup>०</sup>  
 गते कृष्णे ततो नन्दी 112 114<sup>०</sup>  
 गते चानङ्गता पुरा 99 46<sup>०</sup>  
 गते ह्येव मम वच 46 7<sup>०</sup>  
 गते देवकिनन्दने 93 2<sup>०</sup>  
 गते द्वादशवार्षिके 10 20<sup>०</sup>

गते यास्यन्ति यादवा 65 80<sup>६</sup>  
 गतेऽर्थे दुरतिक्रमे 78 31<sup>६</sup>  
 गतेऽर्धरात्रसमये 102 7<sup>०</sup>  
 गने शक्रे सत कृष्ण 63 1<sup>०</sup>  
 गतेषु तेषु गोपेषु 50 26<sup>०</sup>  
 गतेऽग्निं पुन सर्वा 107 17<sup>०</sup>  
 गतोऽन्तर्धानमीश्वर 47 57<sup>०</sup>  
 गतो वैवस्वतश्च 105 21<sup>०</sup>  
 गत्वा गोपस्त्वमेप्यति 45 32<sup>६</sup>  
 गत्वा च शोणितपुर 105 12<sup>०</sup>  
 गत्वान्तिकं चरारोहा 9 8<sup>०</sup>  
 गत्वा चैन्यभयात्तदा 5 44<sup>०</sup>  
 गत्वा स मिथिलां प्रभु 29 28<sup>०</sup>  
 गत्वा समुद्र तेजस्वी 79 12<sup>०</sup>  
 गदया च जयानाद्यत् 81 87<sup>०</sup>  
 गदश्यास्य सुबाबुभौ 25 7<sup>६</sup>  
 गदा कौमोदकी च ह 81 59<sup>६</sup>  
 गदा गदाभृता श्रष्ट 82 18<sup>०</sup>  
 गदा गुरांश्च दानवा 37 27<sup>६</sup>  
 गदा तस्यापरे करे 81 64<sup>०</sup>  
 गदानिपातैर्भगद्गता 37 28<sup>०</sup>  
 गदानिपातो रामस्य 82 17<sup>०</sup>  
 गदापरिघतोमरं 112 94<sup>०</sup>  
 गदापरिघयुद्धेषु 79 22<sup>०</sup>  
 गदापरिघशक्तीनां 43 71<sup>०</sup>  
 गदापरिघसपूर्ण 33 5<sup>०</sup>  
 गदापाणिरदक्ष्यत 34 16<sup>०</sup>  
 गदापाणिरवस्थित 33 14<sup>०</sup>  
 गदाभिश्चैव गुर्धोभि 81 78<sup>०</sup>  
 गदाभिश्चोमरैस्त्वया 108 23<sup>०</sup>  
 गदामादाय वीर्यवान् 81 86<sup>०</sup>  
 गदायुजस्य बाहुभि 38 32<sup>६</sup>  
 गदायुसल्लङ्घके 110 50<sup>०</sup>  
 गदायुद्धविशारदौ 82 16<sup>०</sup>  
 गदायुद्ध कुरूपति 90 13<sup>०</sup>  
 गदायुद्धपु विश्वतौ 82 11<sup>६</sup>  
 गदाशिक्षा ततो दिव्या 29 28<sup>०</sup>  
 गदाश्रुलासिपाणय 108 49<sup>०</sup>  
 गदासयोगमिच्छति 68 26<sup>०</sup>  
 गदिनो ये गदाभिरते 81 49<sup>०</sup>  
 गदे गृहीत्वा विक्रान्तौ 82 9<sup>०</sup>  
 गदे च कृतवर्मणि 87 45<sup>०</sup>  
 गदेन चेदिराजस्य 82 2<sup>०</sup>

गन्तव्यस्तेन दारुणः 65. 65<sup>१</sup>.  
 गन्तव्यं चापि नि सङ्गम् 109 36<sup>१</sup>.  
 गन्तव्या नात्र संतापः 3 20<sup>१</sup>.  
 गन्तुं भरतपार्दूल 105. 5<sup>१</sup>.  
 गन्तुं घृन्दारवनं प्रति 53 7<sup>१</sup>.  
 गन्तुं वैवस्वतक्षयम् 74 25<sup>१</sup>.  
 गन्तुं शक्यं महासुत 109 78<sup>१</sup>.  
 गन्धकालीं यशस्विनीम् 15. 39<sup>१</sup>.  
 गन्धमादनपादेषु 21. 7<sup>१</sup>.  
 गन्धमादनमेव च 103 15<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वरूपयश्चैव 61. 36<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वनगराकारः 108 80<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वपतयस्तथा 107. 2<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वराजः प्रोवाच 118 93<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वराजोऽतिबलः 6 34<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वाणामधिपति 4. 7<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वाणां च याः कन्याः 91. 12<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वानमितौजसः 3. 93<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वाप्सरश्चैव 2 48<sup>१</sup>. 43. 68<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वा मुनयस्तथा 31. 48<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वासुरमुख्यानां 92. 23<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वैरप्सरोगणैः 31. 38<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वैरप्सरोभिश्च 23. 147<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वैः साप्सरोगणैः 2. 95<sup>१</sup>. 6 33<sup>१</sup>. 38 56<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वो नारादृष्टया 23 148<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वोत्तरायणार्णां 44. 5<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वोत्तराक्षसाम् 1. 2<sup>१</sup>. 2 50<sup>१</sup>. 3. 1<sup>१</sup>. 107. 63<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वो घ्रापविश्रवौ 31 119<sup>१</sup>.  
 गन्धाम्नाती द्विपाचिव 71 15<sup>१</sup>.  
 गन्धर्वाश्च हृदयंगमान् 83 22<sup>१</sup>.  
 गन्धेन कमलस्य च 55. 6<sup>१</sup>.  
 गन्धैः कोलाहला घान्ति 5-4. 33<sup>१</sup>.  
 गन्धोद्गममिवाकार्तं 107. 3<sup>१</sup>.  
 गमनं ते महाराज 77. 20<sup>१</sup>.  
 गमनाय च ते सञ्जा 69 28<sup>१</sup>.  
 गमनाय सति चक्रे 109 87<sup>१</sup>.  
 गमनायोपतस्थिरे 69 30<sup>१</sup>.  
 गमिष्यति युगक्षये 115 32<sup>१</sup>.  
 गमिष्यन्ति युगक्षये 116 17<sup>१</sup>.  
 गमिष्यन्ति स्त्रियोऽभ्यन्तः 116 39<sup>१</sup>.  
 गमिष्यामः शिष्याय वै 69 2<sup>१</sup>.  
 गमिष्यामि यथागतम् 100 24<sup>१</sup>.  
 गम्भीरमक्षोभ्यञ्च 55. 41<sup>१</sup>.

गम्यतां कीरवश्रेष्ठ 101. 16<sup>१</sup>.  
 गम्यतां च यथासुखम् 83 49<sup>१</sup>.  
 गम्यतां पुत्रकाश्रैति 12 27<sup>१</sup>.  
 गम्यस्य तु गया स्मृता 9 16<sup>१</sup>.  
 गम्यं कृष्णं प्रजाजिनौ 2. 28<sup>१</sup>.  
 गम्यं गां तथैव च 23 53<sup>१</sup>.  
 गरिष्ठश्च वरिष्ठश्च 31. 75<sup>१</sup>.  
 गरुडस्येन चोरितक्तः 30. 17<sup>१</sup>.  
 गरुडस्यो जनादेनः 91. 41<sup>१</sup>.  
 गरुडस्यो महाबाहुः 91. 47<sup>१</sup>.  
 गरुडस्य च दर्शनात् 94 10<sup>१</sup>.  
 गरुडस्य च सप्ताने 112 76<sup>१</sup>.  
 गरुडस्योपरिस्थितम् 94 11<sup>१</sup>.  
 गरुडं चैव पक्षिणाम् 4. 8<sup>१</sup>.  
 गरुडं पततां श्रेष्ठं 92 19<sup>१</sup>.  
 गरुडः कालनेमिनम् 38 48<sup>१</sup>.  
 गरुडः पततां वरः 92. 43<sup>१</sup>.  
 गरुडः पद्मगरिषुः 56 39<sup>१</sup>.  
 गरुडानना खड्गमुखाः 31. 84<sup>१</sup>.  
 गरुडेनाथ पक्षिणा 112 81<sup>१</sup>.  
 गरुडे पक्षिणां वरे 92 42<sup>१</sup>.  
 गरुडानिव पद्मम् 108 79<sup>१</sup>.  
 गरुडानिव वीर्यवान् 88. 23<sup>१</sup>.  
 गरुडान्पक्षिणां श्रेष्ठ 62. 23<sup>१</sup>.  
 गरुणैव सद्वाच्युतम् 10. 35<sup>१</sup>.  
 गरुणैव सद्वाच्युतः 10. 28<sup>१</sup>.  
 गरुणैव इव मण्यन्तः 61. 42<sup>१</sup>.  
 गरुणीभिस्तत्ततः 53 23<sup>१</sup>.  
 गरुणीस्तम्भमूर्धेषु 53 25<sup>१</sup>.  
 गरुणेषु नदरुषु च 70 4<sup>१</sup>.  
 गरुणोद्गारानिस्वनम् 49. 24<sup>१</sup>.  
 गरुणोद्गारहासिषु 59 55<sup>१</sup>.  
 गरुणस्य हि सुतं बालं 22. 9<sup>१</sup>.  
 गरुणैस्तस्य वाचसौवाः 112. 57<sup>१</sup>.  
 गरुणैतीति जना विदुः 59. 13<sup>१</sup>.  
 गरुणैर्नामिव वीर्यदम् 33. 10<sup>१</sup>.  
 गरुणैर्माने यथा घनम् 75. 3<sup>१</sup>.  
 गरुणैर्माने यथा घने 74. 26<sup>१</sup>.  
 गरुणितेन च मेघानां 61. 19<sup>१</sup>.  
 गरुभः परिरक्षति 57. 13<sup>१</sup>.  
 गरुभकाले स्वसर्पेण 48. 11<sup>१</sup>.  
 गरुभृन्तनमेतन्ने 48. 46<sup>१</sup>.  
 गर्भमापत्त देवकी 48. 8<sup>१</sup>.

गर्भमाधाय कश्यप 3 103<sup>d</sup>  
 गर्भमोक्षे यथामुग्गम् 47 35<sup>d</sup>  
 गर्भस्यानामपि गति 46 29<sup>d</sup>  
 गर्भस्यान्वो यधिष्यति 47 29<sup>d</sup>  
 गर्भस्ये यदि वाक्यते 46 16<sup>d</sup>  
 गर्भे तद्दहेरेष तु 48 10<sup>d</sup>  
 गर्भे दुर्धरमप्युक्तम् 25 10<sup>d</sup> 85 14<sup>d</sup>  
 गर्भे निवृत्तमात्मा 48 4<sup>d</sup>  
 गर्भार्ग्यां परितोषय 45 38<sup>d</sup>  
 गर्भार्ग्यां भयविक्रम 48 20<sup>d</sup>  
 गर्भार्ग्युक्तिरुर्ध्वजा 48 27<sup>d</sup>  
 गर्भापक्वतैनादीनि 69 23<sup>d</sup>  
 गर्भापसाने नट्टनं चकार 30 19<sup>d</sup>  
 गर्भास्ते तिलममिता 10 59<sup>d</sup>  
 गर्भास्ते सस्यं पृथ हि 47 2<sup>d</sup>  
 गर्भे चेषुददां वातम् 3 100<sup>d</sup>  
 गर्भेऽपि नियतो मृत्यु 48 47<sup>d</sup>  
 गर्भो धापे कथञ्चन 20 37<sup>d</sup>  
 गर्भोऽम्सभरो ज्ञेय 30 41<sup>d</sup>  
 गर्भो हव यथाय वै 65 50<sup>d</sup>  
 गर्विताविद्वद्वाङ्मूल 64 3<sup>d</sup>  
 गर्विता सुहृद्व दृता 78 19<sup>d</sup>  
 गर्हता यमुदेवं च 66 18<sup>d</sup>  
 गलधन्धान्महावपा 9 100<sup>d</sup>  
 गवामरिस्वमापन्न 44 69<sup>d</sup>  
 गवामिद हि शान्तये 61 54<sup>d</sup>  
 गवामुद्वेज्जो भृदात् 64 4<sup>d</sup>  
 गवामेव हि गोलाक 62 32<sup>d</sup>  
 गवारोहेषु चपल 64 6<sup>d</sup>  
 गवां कारणतवश्च 45 31<sup>d</sup>  
 गवा घोष्य चानव 56 43<sup>d</sup>  
 गवा धाप कदाचन 49 10<sup>d</sup>  
 गवां च गत्रविक्रम 62 37<sup>d</sup>  
 गवा चैव परिक्षय 116 16<sup>d</sup>  
 गवा चैव मुखाय च 53 7<sup>d</sup>  
 गवां चैव मुखानहम् 53 2<sup>d</sup>  
 गवा तक्कदन द्यूता 61 26<sup>d</sup>  
 गवा त्रणाप दुर्मति 96 39<sup>d</sup>  
 गवा त्रणापमिच्छता 96 37<sup>d</sup>  
 गवा नीराज्जोस्तवे 80 34<sup>d</sup>  
 गवा पिशितभोजन 67 6<sup>d</sup>  
 गवां वाक्येन चोदित 62 34<sup>d</sup>  
 गवा वै सप्तरात्रिकी 62 14<sup>d</sup>

गर्गं गणकारकारिणी 53 32<sup>d</sup>  
 गवां मूयो गुरु मृत्यु 42 37<sup>d</sup>  
 गवां हम्भारयाधित 61 56<sup>d</sup>  
 गवां हम्भारयेण च 53 6<sup>d</sup>  
 गर्वा देवो प्रयत्तात् 60 10<sup>d</sup>  
 गयेधुक्तिनडका 116 35<sup>d</sup>  
 गयेपणरथ हुतम् 87 59<sup>d</sup>  
 गयेपणस्य मृत च 87 57<sup>d</sup>  
 गयेपणोऽपि धैष तु 87 55<sup>d</sup>  
 गद्वाननीद यान्यातम् 52 10<sup>d</sup>  
 गाणरार्थं तगाशयम् 106 6<sup>d</sup>  
 गाण्टीयधन्वा वीभ्रस्तु 101 4<sup>d</sup>  
 गाण्टीय चाग्निना दक्षम् 105 17<sup>d</sup>  
 गाता चतुर्णां वेदानां 44 11<sup>d</sup>  
 गात्रया गात्रयुक्त 98 12<sup>d</sup>  
 गात्रविन्दश्च धीर्यवान् 98 12<sup>d</sup>  
 गात्राश्रागदिर प्रख्या 37 38<sup>d</sup>  
 गात्रेभ्यस्तस्य जज्ञिरे 1 36<sup>d</sup>  
 गात्रेऽपि परिदग्ध वै 8 3<sup>d</sup>  
 गात्रैर्विस्तभूयै 76 33<sup>d</sup>  
 गाथा अच्यत्र गायन्ति 31 136<sup>d</sup>  
 गाथा प्रति तमाहुकम् 27 19<sup>d</sup>  
 गाथा प्रीतेर्महर्षिभि 13 56<sup>d</sup>  
 गान्धर्वे ब्रह्मणेऽतितके 9 23<sup>d</sup>  
 गान्धारतनया हता 105 15<sup>d</sup>  
 गा-धारदेशजश्चैव 23 132<sup>d</sup>  
 गान्धारराज सुषळ 80 15<sup>d</sup>  
 गा-धारविषयो महात् 23 132<sup>d</sup>  
 गान्धारपिपति तथा 87 7<sup>d</sup>  
 गा-धारी चैव माद्री च 24 1<sup>d</sup> 28 9<sup>d</sup>  
 गान्धारी जनयामास 24 1<sup>d</sup> 28 9<sup>d</sup>  
 गान्धारी भरतधृत् 93 44<sup>d</sup>  
 गान्धारी सुवि विख्याता 43 52<sup>d</sup>  
 गा-धारीमावहद्दीमान् 97 16<sup>d</sup>  
 गान्धारो नाम पार्थिव 23 132<sup>d</sup>  
 गान्धार्यां विनियुज्यताम् 43 63<sup>d</sup>  
 गायन्ति स्म रत्नित्रिया 55 25<sup>d</sup>  
 गायन्तीत परिश्रुतम् 27 12<sup>d</sup>  
 गायन्त्यस्ता वराहना 63 29<sup>d</sup>  
 गायन्त्य कृष्णचरित 63 25<sup>d</sup>  
 गार्ग्येण परमार्पिणा 96 45<sup>d</sup>  
 गार्हपत्येन विधिना 30 21<sup>d</sup>  
 गावश्च परिरक्षिता 83 17<sup>d</sup>

गावश्वाकारागा दिवि 62 38<sup>d</sup>  
 गावस्ता सह यूयै 62 39<sup>d</sup>  
 गावस्तेनैव मर्मण 61 33<sup>m</sup>  
 गाव कृष्णसमीपगा 64 10<sup>d</sup>  
 गाव शीकरवेजिता 61 22<sup>d</sup>  
 गावो गिरिवर सर्वा 59 30<sup>d</sup>  
 गावो गोवृषभेक्षण 55 27<sup>d</sup>  
 गावो वत्ससमाकुल्य 60 28<sup>d</sup>  
 गावो वासाश्च बत्सला 67 49<sup>d</sup>  
 गावो वर्षपरराजिता 61 24<sup>d</sup>  
 गावो वर्षभयात्तीर्णा 63 3<sup>d</sup>  
 गावो वै वृषभेक्षण 113 43<sup>d</sup>  
 गावोऽसहैवत विद्धि 59 20<sup>d</sup>  
 गावो हि पूज्या सतत 59 61<sup>d</sup>  
 गाश्च ते रक्षतो विष्णो 45 41<sup>d</sup>  
 गाश्च सूर्यो रसान्सोम 38 74<sup>d</sup>  
 गाश्चैव सविदोपत 59 57<sup>d</sup>  
 गावधैवाह्वयसु च 68 7<sup>d</sup>  
 गास्तु वै जनयामास 3 91<sup>d</sup>  
 गास्तव किं परिरक्षसि 63 7<sup>d</sup>  
 गास्तन्ति दिवि देववा 62 44<sup>d</sup>  
 गा गाव दासिन यथा 63 19<sup>d</sup>  
 गां गता इव तोषदा 54 20<sup>d</sup>  
 गा गतायास्तवाज्ञया 43 35<sup>d</sup>  
 गादिर्नां नाम सा गां तु 24 7<sup>d</sup>  
 गादीशुद्रो महायवा 29 25<sup>d</sup>  
 गादीं तस्मास्तु गादीस्व 28 37<sup>d</sup>  
 गां दोग्ध्रं समकाल्यद् 16 6<sup>d</sup>  
 गां प्रोक्षयित्वा धर्मण 17 10<sup>d</sup>  
 गा समयच्छ मे देव 113 41<sup>d</sup>  
 गिरयश्च बनानि च 59 20<sup>d</sup>  
 गिरिकुञ्जं द्रोद ह 114 10<sup>d</sup>  
 गिरिकृतमिवोच्छ्रितम् 32 24<sup>d</sup>  
 गिरिक्षिपत्तपोपेक्ष 28 39<sup>d</sup>  
 गिरिणा कल्पमानेन 61 39<sup>d</sup>  
 गिरिणा पादपेन वा 31 43<sup>d</sup>  
 गिरिमध्ये महात्मना 105 13<sup>d</sup>  
 गिरिर्भूमि स्थित दृष्ट्वा 60 21<sup>d</sup>  
 गिरिवज्रप्रचूनेन 60 35<sup>d</sup>  
 गिरियज्ञं प्रति प्रभो 60 9<sup>d</sup>  
 गिरियज्ञं वध वने 59 28<sup>d</sup>  
 गिरियज्ञं प्रवर्तताम् 59 59<sup>d</sup>  
 गिरियज्ञा वय गोया 59 27<sup>d</sup>

गिरिवरामिद्विज्यताम् 59 59<sup>d</sup>  
 गिरिरुद्रामवाहृण 61 35<sup>d</sup>  
 गिरिमोवर्धनो नाम 45 35<sup>d</sup>  
 गिरिभूय्या समयुते 60 18<sup>d</sup>  
 गिरिशृङ्गनिर्भेयुद् 110 50<sup>d</sup>  
 गिरिशृङ्गप्रदतार 43 71<sup>d</sup>  
 गिरिशृङ्गं ज्यदारयत् 110 62<sup>d</sup>  
 गिरिशृङ्गोपम बली 76 3<sup>d</sup>  
 गिरिं गोवर्धन रम्य 57 2<sup>d</sup>  
 गिरिं त परिवार्यं ह 61 51<sup>d</sup>  
 गिरि सव्येन पाणिना 61 30<sup>d</sup>  
 गिरि स शिल्पैरुत्त 61 47<sup>d</sup>  
 गिरि सुप्रभया गिरा 60 24<sup>d</sup>  
 गिरिणा विकराणि च 66 27<sup>d</sup>  
 गिरिना द्रूलपाणिनम् 4 6<sup>d</sup>  
 गिरी सशिखरावुमी 82 10<sup>d</sup>  
 गिरेर्गोभि समाकुल 60 15<sup>d</sup>  
 गिरेभ्य प्रविष्टानि 61 38<sup>d</sup>  
 गिरे शृङ्ग द्विधा कृतम् 91 57<sup>d</sup>  
 गिरी कालजरेऽच्युत 16 26<sup>d</sup>  
 गीनमन्सरसा तदा 107 4<sup>d</sup>  
 गीतं सनत्कुमारेण 11 7<sup>d</sup> 15 66<sup>d</sup>  
 गीयन्ते ब्रह्मवादिभि 31 149<sup>d</sup>  
 गीमिमैङ्गल्युक्तभि 48 17<sup>d</sup>  
 गीभि परममन्त्राभि 34 47<sup>d</sup>  
 गुणकाय वर ददौ 71 19<sup>d</sup>  
 गुणको नाम वरासीन् 71 16<sup>d</sup>  
 गुणवृक्षा तु भगवान् 10 9<sup>d</sup>  
 गुणशीलाभिजनत 107 74<sup>d</sup>  
 गुणहीना प्रजास्तत 117 3<sup>d</sup>  
 गुणान्देवावृषसाथ 27 12<sup>d</sup>  
 गुणास्तव्येन कर्मणा 117 48<sup>d</sup>  
 गुणेषु दृष्ट्युत्ताना 78 12<sup>d</sup>  
 गुणेषु परिवर्तताम् 117 43<sup>d</sup>  
 गुणे कर्माभितिरुति 117 48<sup>d</sup>  
 गुणोपेता कुलोद्भवा 88 40<sup>d</sup>  
 गुप्तदीपैयलान्वितै 81 100<sup>d</sup>  
 गुप्त राक्षसकोटीभि 31 123<sup>d</sup>  
 गुप्तो बलाहकगणै 34 6<sup>d</sup>  
 गुप्त्ये वासगानुत् 79 21<sup>d</sup>  
 गुहकर्मसु घोषता 65 14<sup>d</sup>  
 गुरुणा मे हता इति 45 22<sup>d</sup>  
 गुरुपुर तदाच्युत 79 15<sup>d</sup>

गोपा गोधनजीविन 59 20 <sup>d</sup>	गोपास्तेनैव विधिना 83 4 <sup>o</sup>
गोपा गोपद्विवक्ष्य ता 67 45 <sup>b</sup>	गोपीना नगरीनिश्च 53 15 <sup>o</sup>
गोपानामपि मे राज्ये 76 19 <sup>o</sup>	गोपीना जनिस्त्वन्म 49 25 <sup>d</sup>
गोपाना क्रन्दिन्तेन च 67 15 <sup>d</sup>	गोपीना मार्गागामिनी 53 16 <sup>d</sup>
गोपाना तद्भ्रुच धुरता 67 23 <sup>o</sup>	गोपीना सुखसचार 52 23 <sup>o</sup>
गोपाना तुमुलो जवे 61 56 <sup>o</sup>	गोपीनिश्च समन्तत 53 28 <sup>d</sup>
गोपाना नन्दिवर्धन 56 27 <sup>b</sup>	गोपीभि परिगीयते 51 36 <sup>d</sup>
गोपाना भयवर्धना 52 33 <sup>d</sup>	गोपीपु च यथाकाम 52 31 <sup>o</sup>
गोपाना वचन श्रुत्वा 63 10 <sup>o</sup>	गोपेपु महदद्भुतम् 51 27 <sup>d</sup>
गोपाना विपुल धनम् 60 27 <sup>d</sup>	गोपेपु मुदितेषु च 65 4 <sup>b</sup>
गोपाना हर्षवर्धन 60 15 <sup>d</sup>	गोपैरभ्यागतैस्तथा 68 8 <sup>d</sup>
गोपाना हर्षवर्धिनी 60 2 <sup>b</sup>	गोपैरायुर्वेमाणासु 70 5 <sup>o</sup>
गोपान्कृष्ण समासाच 67 68 <sup>o</sup>	गोपैर्मथितपादपम् 52 9 <sup>d</sup>
गोपान्बुद्धान्समानीय 69 1 <sup>o</sup>	गोपैर्युधप्रकल्पिता 61 57 <sup>b</sup>
गोपाभ्या रत्नसन्निधौ 72 21 <sup>b</sup>	गोपैर्व्यग्रकरचूडाम् 53 29 <sup>b</sup>
गोपा मार्गगता भान्ति 53 17 <sup>o</sup>	गोपे सर्वे समन्वित 65 84 <sup>d</sup>
गोपा मुदितमानसा 55 25 <sup>b</sup>	गोपे सह बनेचर 78 35 <sup>b</sup>
गोपायन य कुरुते 30 7 <sup>o</sup>	गोपो वाक्यमुवाच ह 59 4 <sup>o</sup>
गोपायसि यथा तात 49 7 <sup>o</sup>	गोप्तारश्चाप्यगोप्तार 117 31 <sup>o</sup>
गोपाल हृतलक्षण 45 39 <sup>b</sup>	गोप्वस्त ददुषु विष्णुम् 51 20 <sup>b</sup>
गोपाल २पुर्ण गोपा 58 15 <sup>o</sup>	गोप्राहणपरित्राणात् 45 30 <sup>o</sup>
गोपालवसति गते 45 42 <sup>b</sup>	गोभानोस्तु सुतो राजा 23 123 <sup>o</sup>
गोपालयेदमास्थाय 58 13 <sup>d</sup>	गोभिलोकाश्च रक्षिता 62 39 <sup>b</sup>
गोपालस्त्वपरे गाश्च 60 33 <sup>o</sup>	गोभिरतृणनिम्नाभि 49 17 <sup>o</sup>
गोपालस्त्वपरे त्तिता 58 21 <sup>d</sup>	गोभि समवकीर्णसु 70 4 <sup>o</sup>
गोपालास्त्वपरे इद्व 58 20 <sup>o</sup>	गोभि सह परिव्रजन् 55 17 <sup>b</sup>
गोपालांश्च यन्तोद्गाम् 63 17 <sup>o</sup>	गोभि सूर्यस्य वारिद 59 17 <sup>b</sup>
गोपाला कृष्णमेवान्ये 55 25 <sup>o</sup>	गोमत्या सम्बन्धेदायन् 23 60 <sup>d</sup>
गोपाला सयै एव ते 56 14 <sup>b</sup>	गोवध स्त्रीवधोऽपि वा 65 63 <sup>b</sup>
गोपाली रत्नप्लरास्तत्र 25 10 <sup>o</sup> 85 14 <sup>o</sup>	गोवर्धनधर श्रीमान् 63 1 <sup>o</sup>
गोपालीरपरे सह 58 20 <sup>b</sup>	गोवर्धननगोपणे 49 16 <sup>b</sup>
गोपालैदृशकालज्ञे 83 19 <sup>o</sup>	गोवर्धनशिलातले 62 3 <sup>d</sup>
गोपालै कृष्णपर्क्षीये 58 21 <sup>o</sup>	गोवर्धनत्वानुचरौ 58 7 <sup>o</sup>
गोपालै क्रीडितालयम् 49 26 <sup>b</sup>	गोवर्धनस्योत्तरत 57 3 <sup>o</sup>
गोपालै सह क्रीडितुम् 52 8 <sup>d</sup>	गोवर्धेनो यथा रम्य 54 25 <sup>o</sup>
गोपालै सहितायुधौ 58 11 <sup>b</sup>	गोवादेवपि ये वृक्षा 52 11 <sup>o</sup>
गोपालो याद्व यथा 68 28 <sup>o</sup>	गोविन्द हति लोकासवा 62 43 <sup>o</sup>
गोपा वननिवासिन 57 25 <sup>b</sup>	गोविन्दुत्तपालितम् 100 9 <sup>o</sup>
गोपा वनविचारिण 51 28 <sup>b</sup>	गोविन्दुमरविन्दोश्च 67 26 <sup>o</sup>
गोपावेत्ता समानांघात् 78 18 <sup>o</sup>	गोविन्दुरामौ सप्राप्तौ 79 31 <sup>o</sup>
गोपास्त पर्वधारयन् 50 25 <sup>d</sup>	गोविन्दस्य महाभाग 101 3 <sup>o</sup>
गोपांश्चास्यसवद्वान् 61 20 <sup>o</sup>	गोविन्द वदुषु हुडा 88 6 <sup>o</sup>
गोपांश्चोत्सवलालयान् 59 2 <sup>d</sup>	गोविन्द निश्चित शरी 88 8 <sup>b</sup>

गोविन्द पुरुषोत्तमम् 104 25<sup>d</sup>  
 गोविन्दगमनेऽर्थ 79 29<sup>d</sup>  
 गोविन्दाभिमुखो यथा 67 16<sup>d</sup>  
 गोविन्दे चैव समाने 86 39<sup>d</sup>  
 गोविन्देन हत दृष्ट्वा 64 22<sup>d</sup>  
 गोविन्देनाभिपूजित 86 53<sup>d</sup>  
 गोविन्देनोपलक्षित 102 19<sup>d</sup>  
 गोविन्दं समुपस्थिते 79 32<sup>d</sup>  
 गोविन्दो न च तं लेभे 28 14<sup>d</sup>  
 गोवृष तु गवामपि 4 9<sup>b</sup>  
 गोवज्ज गोपनादितम् 49 29<sup>b</sup>  
 गोवज्ज गोस्तशिव 49 21<sup>d</sup>  
 गोव्रजे नन्दगोपस्य 50 1<sup>d</sup>  
 गोषु चापि कृतो यावत् 92 13<sup>d</sup>  
 गोषु चैव जनार्दन 83 55<sup>d</sup>  
 गोषु चैव प्रहृष्टासु 62 50<sup>d</sup>  
 गोषु तिष्ठति भूतले 45 34<sup>d</sup>  
 गोषु प्रावासु च तथा 65 3<sup>d</sup>  
 गोषु नागेन्द्रविज्रमौ 57 26<sup>d</sup>  
 गोषु यद्यस्ति यो दृया 60 24<sup>d</sup>  
 गोषु वत्सेष्वयो नृषु 52 31<sup>d</sup>  
 गोष्ठान्विपरिधावति 64 7<sup>d</sup>  
 गोष्ठश्च परिधावत 45 43<sup>d</sup>  
 गोष्ठेषु गोम्यो वत्सेभ्य 49 11<sup>d</sup>  
 गोष्ठेषु न रतिं लेभे 64 9<sup>d</sup>  
 गोष्ठेष्वदति रूपिणी 59 55<sup>d</sup>  
 गौतमोऽथ भरद्वाज 7 30<sup>d</sup>  
 गौरवात्तव चागत 62 34<sup>d</sup>  
 गौरीं नाम पतिप्रताम् 9 83<sup>b</sup>  
 गौर्ताम दिवि विश्रुता 13 52<sup>b</sup>  
 गौर्मुखा प्राद्रवन्मही 5 43<sup>b</sup>  
 प्रसन्नित स्म महात्मन 112 36<sup>d</sup>  
 प्रसिद्धं किं पुनर्जम् 61 55<sup>d</sup>  
 प्रस्त्वानिति माधव 79 14<sup>d</sup>  
 प्रस्य स्वमांनुना सूर्य 66 29<sup>d</sup>  
 प्रदत्त स तु लब्धवान् 8 44<sup>d</sup>  
 प्रहनक्षप्रवचुरे 32 27<sup>d</sup>  
 प्रहनक्षप्रहासिनी 37 17<sup>d</sup>  
 प्रहीतुमहसुरपदे 22 24<sup>d</sup>  
 प्रहीतु वरुणाय 96 50<sup>b</sup>  
 प्रहातु यागधर्मिणम् 85 39<sup>d</sup>  
 प्रहीतुं समुपागतम् 96 40<sup>d</sup>  
 प्रहीतवति स वासन 47 47<sup>b</sup>

भ्रामणो सर्वदेवानाम् 34 3<sup>d</sup>  
 भ्रामाणा वा तद्भाभवत् 6 10<sup>d</sup>  
 भ्रामान्भोगाश्च पुष्कलान् 18 31<sup>b</sup>  
 भ्रामायुताडये राष्ट्रेश्च 41 22<sup>d</sup>  
 भ्रामा शतसहस्ररा 41 21<sup>d</sup>  
 भ्राम्याभ्यर्भान्वेश्वा 44 36<sup>d</sup>  
 भ्राम्याश्च विपयाश्चैव 30 52<sup>d</sup>  
 भ्राह्म्य लालयित्वाश्च 118 33<sup>d</sup>  
 ग्लह्ण एको ममापर 89 35<sup>b</sup>  
 ग्लह्ण तस्य महात्मन 89 29<sup>d</sup>

घ

घटयानो नरेन्द्राणां 46 30<sup>d</sup>  
 घटान्दिव्यपयोधरान् 62 58<sup>d</sup>  
 घट्याभास पाथिवम् 85 49<sup>d</sup>  
 घण्टाभिश्च प्रलम्बाभि 59 58<sup>d</sup>  
 घण्टामालाकुला रणे 108 71<sup>d</sup>  
 घण्टामालाकुला शक्ति 112 43<sup>d</sup>  
 घननीलास्तुदागमे 37 15<sup>d</sup>  
 घन चक्रेण पादितम् 104 5<sup>d</sup>  
 घर्मदोषपरित्यक्त 54 40<sup>d</sup>  
 घर्ममाप्ति निरामये 53 33<sup>d</sup>  
 घर्मान्ते तोयदो व्योम्नि 108 26<sup>d</sup>  
 घर्मान्तेष्विव तोयदा 109 37<sup>d</sup>  
 घर्मान्ते सागरगत 81 24<sup>d</sup>  
 घर्मापाये यथा घन 74 31<sup>d</sup>  
 घातनीभिश्च सुर्वीभिः 37 11<sup>d</sup>  
 घातपितृवत्तमन शत्रु 85 65<sup>d</sup>  
 घृणया स विसर्जित 23 61<sup>d</sup>  
 घृतपूर्णेषु कुम्भेषु 10 60<sup>d</sup>  
 घृतस्त्वस्वामजोऽभवत् 23 133<sup>d</sup>  
 घृतानु हुदुहो जष्टे 23 133<sup>d</sup>  
 घोराणां भयानहा 61 8<sup>d</sup>  
 घोराणां विपेषु 85 30<sup>d</sup>  
 घोरेणा महावेगा 112 70<sup>d</sup>  
 घोरेणा भयावहाम् 108 71<sup>d</sup>  
 घोरें तालवन दैव्य 44 72<sup>d</sup>  
 घोरें मयुवनं नाम 44 22<sup>d</sup>  
 घोरे वनमुपाधित 44 26<sup>d</sup>  
 घोरा नरवरस्यया 105 22<sup>d</sup>  
 घोरा निर्दाकारिण 32 14<sup>d</sup>  
 घोरा वृष्टमुद्यास्तया 31 82<sup>d</sup>  
 घोराश्रितपत्रस्य 52 30<sup>d</sup>

घोरिण तमसाविष्टा 35 14<sup>०</sup>  
 घोरिण तमसा वृता 32 19<sup>०</sup>  
 घोषमेव जगाम ह 51 30<sup>०</sup>  
 घोषयन्त्यपरे जना 75 34<sup>०</sup>  
 घोषरथ्यास्तु सर्वश 70 8<sup>०</sup>  
 घोषवृद्धा समागता 53 6<sup>०</sup>  
 घोषस्यास्य न विद्यते 51 33<sup>०</sup>  
 घोषस्यैवाग्रपादनी 51 28<sup>०</sup>  
 घोष सागरघोषवान् 53 4<sup>०</sup>  
 घोषाणा भूषण वनम् 50 16<sup>०</sup>  
 घोषावासेषु सुप्तेषु 68 3<sup>०</sup>  
 घोषे तत्प्राकृतैर्नैरे 53 10<sup>०</sup>  
 घोषे दामोदर इति 51 36<sup>०</sup>  
 घोषे निवसतस्तदा 51 37<sup>०</sup>  
 घोषोऽय नगरायते 52 15<sup>०</sup>  
 गता पापमिम वात 67 48<sup>०</sup>  
 गन्धि लानेव दुर्गुत्तान् 59 26<sup>०</sup>  
 गन्धि देवान्सगन्धर्वान् 32 11<sup>०</sup>

च

चक्रमे वासवस्तदा 118 13<sup>०</sup>  
 चक्रमे वालुदंयका 87 14<sup>०</sup>  
 चक्रपं च महारथे 76 35<sup>०</sup>  
 चक्रपै यमुना राम 83 32<sup>०</sup>  
 चक्रार च हरोद च 50 6<sup>०</sup>  
 चकार च हल इस्ते 83 30<sup>०</sup>  
 चकार चोदितो यत्न 74 23<sup>०</sup>  
 चकार नगर्तो धुन 31 29<sup>०</sup>  
 चकार तप उत्तमम् 31 32<sup>०</sup>  
 चकार तस्या पुर्या वै 86 43<sup>०</sup>  
 चकार दैत्याःसलिलाशायस्थम् 30 20<sup>०</sup>  
 चकार निर्गुपं घोर्ष 64 11<sup>०</sup>  
 चकार त्रियमापगा 27 7<sup>०</sup>  
 चकार बलदर्शनम् 81 8<sup>०</sup>  
 चकार मधुरो वीर 79 2<sup>०</sup>  
 चकार मिथ्याःपविशङ्कितारमा 118 39<sup>०</sup>  
 चकार रोप सफल 81 68<sup>०</sup>  
 चकार वायोराद्धान 86 63<sup>०</sup>  
 चकार स महामुर 108 62<sup>०</sup>  
 चकारारमनुखैरायम् 37 54<sup>०</sup>  
 चकारारमवशानुगम् 37 54<sup>०</sup>  
 चकारारमवशे वीर्यात् 37 55<sup>०</sup>  
 चकाराश्रिमैर्हायता 20 46<sup>०</sup>

चकारारगर्हित दाय 108 69<sup>०</sup>  
 चकाराभिप्रदक्षिणम् 20 14<sup>०</sup>  
 चकाराभ्यधिक खेह 8 16<sup>०</sup>  
 चकारारणम्घेजम् 67 27<sup>०</sup>  
 चकारातो ररास ह 74 34<sup>०</sup>  
 चकारोरोगभोजन 62 7<sup>०</sup>  
 चकारो काननावृत्तम् 53 30<sup>०</sup>  
 चक्रदेवे सुतक्षत्रे 87 45<sup>०</sup>  
 चक्रदेवो दन्तवदत्र 87 61<sup>०</sup>  
 चक्रद्विधाकृत तस्य 91 57<sup>०</sup>  
 चक्रपाटनजा घोरा 112 122<sup>०</sup>  
 चक्रवन्धमकारयन् 50 19<sup>०</sup>  
 चक्रममतिचक्रस्य 112 40<sup>०</sup>  
 चक्रमुद्यम्य समरे 38 44<sup>०</sup>  
 चक्ररङ्गरपातैश्च 112 3<sup>०</sup>  
 चक्रवर्ती सुतो जज्ञे 23 49<sup>०</sup>  
 चक्रवाकस्त्वमागना 16 27<sup>०</sup>  
 चक्रवाकस्तनतया 55 33<sup>०</sup>  
 चक्रवाकस्तनतया 59 37<sup>०</sup>  
 चक्रवाका सविट्टीये 19 18<sup>०</sup>  
 चक्रवाको मुखस्तनी 83 36<sup>०</sup>  
 चक्रवालिरररुत 63 35<sup>०</sup>  
 चक्र क्षिपति शत्रुषु 38 13<sup>०</sup>  
 चक्र चक्रगादाधर 34 36<sup>०</sup>  
 चक्र जप्राह धीर्यवान् 112 39<sup>०</sup>  
 चक्रं ते दर्पेक्षमन 112 92<sup>०</sup>  
 चक्र भूप क्षेप्तुकाम 112 106<sup>०</sup>  
 चक्राते तस्य नाम ह 114 13<sup>०</sup>  
 चक्राते वेदसहिता 115 9<sup>०</sup>  
 चक्रानुयाते सहितान् 97 18<sup>०</sup>  
 चक्रानुष करोग्यइम् 111 10<sup>०</sup>  
 चक्रानुषारमन क्रुद्ध 99 26<sup>०</sup>  
 चक्रास्व ह्वाभाति 61 50<sup>०</sup>  
 चक्रि र विजिगीषव 89 23<sup>०</sup>  
 चक्रुरर्कं प्रदक्षिणम् 32 35<sup>०</sup>  
 चक्रुरानन्दित वग्म् 33 30<sup>०</sup>  
 चक्रुर्गोभा द्विनै सह 60 17<sup>०</sup>  
 चक्रुर्याद्वसत्तमा 86 12<sup>०</sup>  
 चक्रुर्वास्तुपरिमदान् 86 11<sup>०</sup>  
 चक्रुर्जैव प्रदक्षिणम् 56 41<sup>०</sup>  
 चक्रुस्ते जलदाहाया 61 9<sup>०</sup>  
 चक्रुस्ते तस्य सत्क्रियाम् 78 43<sup>०</sup>  
 चक्रुस्ते यदुपुगमा 78 42<sup>०</sup>

चक्रु सर्वे तथा च ते 86 61<sup>f</sup>  
 चक्रे चक्रगदाधर 113 47<sup>d</sup>  
 चक्रे चक्रभृता वर 30 6<sup>d</sup>  
 चक्रे चित्ररथ प्रभु 4 7<sup>f</sup>  
 चक्रेण पुरुषोत्तम 97 7<sup>f</sup>  
 चक्रे तालस्वन प्रभु 74 26<sup>d</sup>  
 चक्रे निवेश सौमित्रि 44 45<sup>e</sup>  
 चक्रे सुरेश पुरुहूतमेव 30 20<sup>d</sup>  
 चक्रेश्च दैत्यप्रवरा 33 30<sup>e</sup>  
 चक्रेश्च सपरश्वधै 37 9<sup>f</sup>  
 चक्रोचित हृदयेद्यते 68 26<sup>f</sup>  
 चक्रोद्यतकर दृष्ट्वा 112 97<sup>e</sup>  
 चक्रुर्दत्त्वा सविज्ञान 13 74<sup>f</sup>  
 चक्रुर्विष्य सविज्ञान 13 72<sup>d</sup> 15 1<sup>e</sup>  
 चक्षुषा क्रोधदीप्तम् 85 42<sup>e</sup>  
 चक्षुष्मन्तो हि तद्यत् 12 26<sup>d</sup>  
 चचार च यथोद्देशम् 94 16<sup>e</sup>  
 चचार तद्हनवर 55 1<sup>e</sup>  
 चचार सुतिमान्प्रभु 55 12<sup>f</sup>  
 चचार नगशृङ्गेषु 73 11<sup>e</sup>  
 चचार परम धर्मम् 26 8<sup>e</sup>  
 चचार मध्ये देवाना 34 22<sup>e</sup>  
 चचार रूचिर कृष्ण 55 39<sup>f</sup>  
 चचार विपुल तप 9 96<sup>d</sup> 22 41<sup>d</sup> 27 6<sup>f</sup>  
 चचार समर वीर 81 67<sup>e</sup>  
 चचारान्त पुररुत 18 2<sup>e</sup>  
 चचाल धरणीधर 61 33<sup>d</sup>  
 चचालान्त पुर स्वर् 71 45<sup>e</sup>  
 चक्षुर्धन्ते स्म ते सुखम् 57 25<sup>d</sup>  
 चक्षुर्धन्ती रमन्तौ स्म 52 7<sup>e</sup>  
 चक्षुर्धैश्च ऋचिलचित् 55 11<sup>f</sup>  
 चण्ड करहृचि सदा 44 65<sup>d</sup>  
 चतस्रश्च दिश सर्वा 104 15<sup>e</sup>  
 चतस्रो जज्ञिरे तेषां 98 7<sup>e</sup>  
 चतस्रोऽरिष्टनेसये 3 24<sup>d</sup>  
 चतस्रो विद्युत स्मृता 3 54<sup>d</sup>  
 चतुरङ्गबल म्यूह 81 51<sup>e</sup>  
 चतुरङ्गवैयुक्ता 41 8<sup>e</sup>  
 चतुरङ्गस्य पुत्रस्तु 23 38<sup>e</sup>  
 चतुरङ्गो महायशा 23 37<sup>f</sup>  
 चतुरस्तान्सुरीघत 23 47<sup>f</sup>  
 चतुर परस्वजात् 22 31<sup>f</sup>

चतुरो नियतान्कर्णात् 23 30<sup>e</sup>  
 चतुरोऽन्यादिबोध मे 13 50<sup>f</sup>  
 चतुरो बालकान्गृह्य 103 28<sup>e</sup>  
 चतुरो भूरितेजस 23 140<sup>f</sup>  
 चतुरोऽलभतात्मजात् 27 16<sup>f</sup>  
 चतुर्णामपि सयुगे 110 40<sup>d</sup>  
 चतुर्णां तु पिता योऽसौ 19 13<sup>e</sup>  
 चतुर्थं चैतद्वन्तरम् 7 21<sup>d</sup>  
 चतुर्थं तु निबोध मे 13 61<sup>f</sup>  
 चतुर्थं ते वर दधि 112 124<sup>e</sup>  
 चतुर्थ्या हि धर्मस्य 101 9<sup>e</sup>  
 चतुर्दश वने तद्या 31 118<sup>e</sup>  
 चतुर्दश वनेजसत् 31 116<sup>f</sup>  
 चतुर्दश सहस्राणि 91 13<sup>e</sup>  
 चतुर्दशैते मन्वव 7 49<sup>e</sup>  
 चतुर्दशशतुर्बाहु 109 82<sup>e</sup>  
 चतुर्दशानि चत्वारि 86 17<sup>e</sup>  
 चतुर्द्विगुणपांगस 32 23<sup>f</sup>  
 चतुर्धा तेजसो मार्ग 65 43<sup>e</sup>  
 चतुर्धा प्रसुरीश्वर 31 111<sup>e</sup>  
 चतुर्धा चिदपे तदा 37 51<sup>d</sup>  
 चतुर्धा विभजियति 13 36<sup>d</sup>  
 चतुर्धा स्वा गति जग्मु 40 14<sup>e</sup>  
 चतुर्भिर्विभूयो धारै 87 56<sup>d</sup>  
 चतुर्भिश्चतुर धारै 88 13<sup>f</sup>  
 चतुर्भि सागर्गुण 34 12<sup>e</sup>  
 चतुर्गुणान्तपर्याये 32 17<sup>e</sup>  
 चतुर्गुणेशो लोकाना 58 45<sup>e</sup>  
 चतुर्गुणा रथनेन्द्र 87 31<sup>e</sup>  
 चतुर्गोत्रनमापतम् 93 37<sup>f</sup>  
 चतुर्विंशे युगे चापि 31 110<sup>e</sup>  
 चतुर्वेदपञ्चमिन् 109 82<sup>d</sup>  
 चतुर्षु युक्ताश्चत्वार 34 19<sup>e</sup>  
 चतुश्चक्र सुवपुष 33 2<sup>e</sup>  
 चतुश्चरणसंश्लिष्ट 100 34<sup>e</sup>  
 चतुष्पादप्रवृत्त च 117 42<sup>e</sup>  
 चतुष्पाद धनुर्वेदे 79 6<sup>e</sup>  
 चतु सागरभोगत्त्व 58 45<sup>e</sup>  
 चत्वारोऽराजमागौश्च 86 7<sup>e</sup>  
 चत्वारोद्गारहासिनी 44 56<sup>e</sup>  
 चत्वारश्चक्रवर्णदत्ता 17 8<sup>e</sup>  
 चत्वारश्च प्रजापते 7 39<sup>e</sup>  
 चत्वारस्य चारमज्ञा 23 128<sup>d</sup>



चत्वारिंशदशोपमा 27 26<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 10 49<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 3 59<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 7 36<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 86 33<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 9 41<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 18 25<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 85 57<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 112 20<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 110 33<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 7 5<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 13 4<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 18 13<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 15 17<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 62 45<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 81 50<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 92 15<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 83 24<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 34 49<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 37 16<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 41 14<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 3 61<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 48 30<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 47 42<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 37 58<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 30 32<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 31 6<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 61 16<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 31 74<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 32 35<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 58 24<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 49 1<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 104 20<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 79 38<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 31 89<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 114 2<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 114 3<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 32 24<sup>a</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 32 26<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 67 33<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 75 5<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 53 21<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 44 8<sup>d</sup>

चत्वारिंशदशोपमा 54 23<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 73 2<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 36 8<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 86 19<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 19 16<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 31 7<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 23 35<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 23 35<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 93 12<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 44 56<sup>d</sup> 86 42<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 8 20<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 112 77<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 68 25<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 83 46<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 110 60<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 61 6<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 16 34<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 112 69<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 110 51<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 44 72<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 113 52<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 45 24<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 57 24<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 100 38<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 31 108<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा श्रीमान् 31 39<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा सर्वस्य 6 38<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा सविता गोमि 52 20<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 100 32<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 109 32<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 31 12<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 39 6<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 85 1<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 40 21<sup>b</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 7 45<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 78 26<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 22 22<sup>b</sup>, 32<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 70 36<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 67 50<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा 108 62<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 28 40<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा च 24 10<sup>d</sup>  
 चत्वारिंशदशोपमा तथा चाप 110 5<sup>d</sup>



चित्रकल्पलक्षणं च 93. 17<sup>६</sup>.  
 चित्ररुद्रश्च श्रवणकश्च 87. 68<sup>६</sup>.  
 चित्रकस्याभवनपुत्राः 24. 19<sup>६</sup>, 28. 43<sup>६</sup>.  
 चित्रकाञ्चनपेदिकैः 94. 2<sup>६</sup>.  
 चित्रनिर्वोयदोभितः 74. 14<sup>६</sup>.  
 चित्रपट्टगताम्बुल्यान् 107. 66<sup>६</sup>.  
 चित्रया वनमालया 63. 21<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखाप्रवीद्वचः 107. 79<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखाप्रवीद्वाक्यम् 107. 61<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा मनस्विनी 108 4<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा मनोजवा 107. 85<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखामप्सरसं 107. 58<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा यशस्विनी 108 5<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा वचः त्रिभुजम् 107. 32<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा वराप्सराः 107. 6<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखा स्वयंभूतम् 107. 67<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखां भयातुरा 108 9<sup>६</sup>.  
 चित्रलेखे वदस्वैनं 107. 74<sup>६</sup>.  
 चित्रवर्षां च पर्जन्यः 116. 18<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनवर्षेणः 81. 37<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनस्य वीर्यवान् 81. 85<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनः सुते चास्य 98 16<sup>६</sup>.  
 चित्रसेनो महाशयः 81. 81<sup>६</sup>.  
 चित्रा चित्रवती तथा 98 16<sup>६</sup>.  
 चित्रा सुमन्वति पुनः 25. 3<sup>६</sup>.  
 चित्रासु वनराजिषु 55 15<sup>६</sup>, 59. 52<sup>६</sup>.  
 चित्रां नाम कुमारीं च 25. 3<sup>६</sup>.  
 चित्रितां विश्वरूपिणा 93. 10<sup>६</sup>.  
 चित्रेश्वरप्रयत्नस्य 26 3<sup>६</sup>.  
 चिन्तयन्नायंमारमनः 112. 82<sup>६</sup>.  
 चिन्तयन्कार्यमारमनः 112. 81<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाभिदरीता सा, 27. 8<sup>६</sup>.  
 चिन्तयामास माधवः 86 13<sup>६</sup>.  
 चिन्तयामास वीर्यवान् 47. 9<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाविष्टचेतसः 109. 69<sup>६</sup>.  
 चिन्तयाविष्टदेहा सा 108 4<sup>६</sup>.  
 चिन्तां कर्तुं वृषा देव 109. 23<sup>६</sup>.  
 चिरलष्टं यमक्षयात् 79. 17<sup>६</sup>.  
 चिरलष्टेन पुत्रेण 79. 24<sup>६</sup>.  
 चिरप्रनष्टं च सुतं 99 49<sup>६</sup>.  
 चिरप्रवृत्तानि विधिसमावात् 117. 61<sup>६</sup>.  
 चिरश्रुतमहिं दमम् 92. 34<sup>६</sup>.  
 चिरसुतं नराधिपम् 88. 53<sup>६</sup>.

चिरं तु भयता कालं 70 35<sup>६</sup>.  
 चिरं युगवैरपि 9. 60<sup>६</sup>.  
 चिरं विप्रोपिवी मजे 76. 46<sup>६</sup>.  
 चिरात्प्रभृति कुम्भाण्ड 106 33<sup>६</sup>.  
 चिरात्प्रभृति मे वक्तुं 109 39<sup>६</sup>.  
 चिराय प्रतिगृह्यताम् 78 38<sup>६</sup>.  
 चिरायावाङ्मृतो दीनः 112. 61<sup>६</sup>.  
 चिह्नान्यायतनानि च 86. 7<sup>६</sup>.  
 चिह्नंस्तीरानुदासिभिः 83 35<sup>६</sup>.  
 चीरसंयुतगात्राश्च 31. 85<sup>६</sup>.  
 चीरं वर्णं च विविधं 117. 33<sup>६</sup>.  
 चुकोप निद्राच्छेदेन 85 50<sup>६</sup>.  
 चेदितान. सबाह्विकः 81 38<sup>६</sup>.  
 चेदिरात्रप्रियेप्सया 87. 1<sup>६</sup>.  
 चेदिरात्रश्च वीर्यवान् 80. 10<sup>६</sup>.  
 चेदिरात्रश्च संगताः 81. 47<sup>६</sup>.  
 चेदिराजस्य हि वसोः 87. 18<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्दानवानीके 36 35<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्बलदर्शितौ 42. 19<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्लोकसिद्धाभिः 58 7<sup>६</sup>.  
 चेरतुर्वंसस्यूयानि 54 1<sup>६</sup>.  
 चेरतुस्तत्र यादवौ 81 54<sup>६</sup>.  
 चेरतुस्तन्महद्भनम् 54 42<sup>६</sup>.  
 चेरतुः परमश्रीतौ 57. 4<sup>६</sup>.  
 चेरुर्बलदुर्गुग्वा. 61. 10<sup>६</sup>.  
 चेरमां शब्द इत्येयं 81 30<sup>६</sup>.  
 चेरुर्विद्याधरैः साधं 75. 38<sup>६</sup>.  
 चेरुर्वै चरितं तस्य 63. 27<sup>६</sup>.  
 चेरुर्व्याचमुदा दिवि 34 32<sup>६</sup>.  
 चेरुस्ते देवदानवाः 37 23<sup>६</sup>.  
 चेरुश्च धरणीधराः 48 14<sup>६</sup>.  
 चैत्ययूयशवाङ्किता 97. 33<sup>६</sup>.  
 चैत्यवृक्षेषु सहसा 106 44<sup>६</sup>.  
 चैत्रा परिणता सती 26. 15<sup>६</sup>, 18<sup>६</sup>.  
 चैत्रासाधं सुनीधस्य 87. 17<sup>६</sup>.  
 चैत्रशालनार्थिनी 50. 17<sup>६</sup>.  
 चोदयामास तं सुनिम् 115. 10<sup>६</sup>.  
 चोद्धितः कालधर्मेण 67. 15<sup>६</sup>.  
 चोद्धितः शोचमुद्दिश्य 19. 25<sup>६</sup>.  
 चोद्धितः पुरुषर्षभः 106 32<sup>६</sup>.  
 चोद्धितः पुरुषोत्तमः 109. 54<sup>६</sup>.  
 चोद्धितैर्विश्ववर्मेणा 93. 23<sup>६</sup>.  
 चोद्धितो देवराजेन 35. 22<sup>६</sup>.

चौदितोऽहं स्वयंभुवा 100 67<sup>६</sup>.  
 चौदिसौ विष्णुघाषयेन 36 32<sup>६</sup>.  
 च्यवनस्य पुत्रः कृतकः 23 117<sup>६</sup>.  
 चौदमनानेन वै भुवाम् 74 22<sup>६</sup>.  
 चौरप्रायाश्च राजानः 116 12<sup>६</sup>.  
 चौरवद्वादबन्धनम् 96 51<sup>६</sup>.  
 चोराक्षोरक्षये चापि 117 22<sup>६</sup>.  
 चोराक्षोरस्य हतारिः 117 22<sup>६</sup>.  
 च्युतः पुनर्विन्दति घातमनः स्थितिम् 118 46<sup>६</sup>.  
 च्युता धर्माश्च दाशधात् 117. 17<sup>६</sup>.

छ

छात्राण्यर्पा विराजन्ते 81 4<sup>६</sup>.  
 छत्रेण भियमाजेन 113 18<sup>६</sup>.  
 छन्दोगोऽप्ययुर्वे च 18 18<sup>६</sup>.  
 छन्दमानो वरेणाय 10 19<sup>६</sup>.  
 छथमग्निमिव प्रजे 56 45<sup>६</sup>.  
 छथं तद्देविकाभिश्च 72 5<sup>६</sup>.  
 छन्नो मायाधरो यज्ञी 108 82<sup>६</sup>.  
 छन्नो हि तमसा सोम 117 46<sup>६</sup>.  
 छागयुषैश्च सपूर्णं 65 54<sup>६</sup>.  
 छागलिः पुरमित्रश्च 81 41<sup>६</sup>.  
 छादनार्थं प्रकीर्णैश्च 53 25<sup>६</sup>.  
 छादयन्तं दिशो दश 36 53<sup>६</sup>.  
 छादयन्तो नभस्तलम् 32 13<sup>६</sup> 61. 11<sup>६</sup>.  
 छाद्यामास वेशवम् 112 65<sup>६</sup>.  
 छाद्यित्स्वारमनारमान 45 40<sup>६</sup>.  
 छाद्यित्स्वारमनो वयुः 65 35<sup>६</sup>.  
 छादिताञ्छीतरदिमभि 36 21<sup>६</sup>.  
 छादितो वसुदेवेन 66 17<sup>६</sup>.  
 छायापत्नीसहायो वै 31 27<sup>६</sup>.  
 छाया सखा नरेश्वर 8 9<sup>६</sup>.  
 छात्वा बाहुस्तद्वक्ष ते 23 153<sup>६</sup>.  
 छात्वा वनं स सौमित्रि 44 53<sup>६</sup>.  
 छिद्रदर्शी सुनेत्रश्च 18 16<sup>६</sup>.  
 छिद्राण्याकाशयोनीनि 30 51<sup>६</sup>.  
 छिद्रान्वेषी तयोस्तदा 58 12<sup>६</sup>.  
 छिद्रेषु प्रहरन्त्येते 38 78<sup>६</sup>.  
 छिनत्ति मम मूलाभि 65 62<sup>६</sup>.  
 छिन्दन्तश्चोत्तमाङ्गानि 87 75<sup>६</sup>.  
 छिन्दन्वज्रेण साध्वारान् 35 12<sup>६</sup>.  
 छिन्नदग्धमरोद्दणम् 6 37<sup>६</sup>.  
 छिन्नबाहुर्महासुर 112 105<sup>६</sup>.  
 छिन्नपक्षा इवाचरा 35 16<sup>६</sup>.

छिन्ननिश्चिरोरसः 37 44<sup>६</sup>.  
 छिन्नमूलमिदं वृक्षम् 35. 26<sup>६</sup>.  
 छिन्नमूलाः सा संवृत्ताः 77. 6<sup>६</sup>.  
 छिन्नमूलो निरालम्बः 73 5<sup>६</sup>.  
 छिन्नमूलो ह्ययं वना 66 36<sup>६</sup>.  
 छिन्नमनी सा सहसा 50 22<sup>६</sup>.  
 छिन्नहारेण वक्षसा 76 33<sup>६</sup>.  
 छिन्न बाहुसदृशं च 31 146<sup>६</sup>.  
 छिन्नाशरवं वृथा वृद्धः 65 74<sup>६</sup>.  
 छत्तामि सशय सात 11 30<sup>६</sup>.

ज

जगच सर्वा देवेनाः 113 78<sup>६</sup>.  
 जगतश्च जगरपते 67 66<sup>६</sup>.  
 जगतस्त्रासजननं 35 6<sup>६</sup>.  
 जगतः प्रथम भागं 34 26<sup>६</sup>.  
 जगतः प्रभवो ह्यसि 113 31<sup>६</sup>.  
 जगतः सन्नमोपमम् 71 47<sup>६</sup>.  
 जगतः सार्वलौकिकम् 30 7<sup>६</sup>.  
 जगतोऽप्यस्य भाजनम् 68 21<sup>६</sup>.  
 जगतो जगतीपते 20 16<sup>६</sup>.  
 जगतो ददनाकाङ्क्षी 35 49<sup>६</sup>.  
 जगतप्रहरण रियद्व 62 21<sup>६</sup>.  
 जगत्प्रियो धर्मेतील. 9 12<sup>६</sup>.  
 जगत्सर्वं कृतो योऽयं 45 14<sup>६</sup>.  
 जगत्यां च यथानयम् 44 1<sup>६</sup>.  
 जगत्यां विनिकीर्णस्य 58 53<sup>६</sup>.  
 जगत्यां सतत्त्वियन्ति 44 18<sup>६</sup>.  
 जगत्येषा हि शाश्वती 41 24<sup>६</sup>.  
 जगत्सद्वैवगन्धर्व 11 37<sup>६</sup>.  
 जगत्सवतेकाम्भोदै 36 16<sup>६</sup>.  
 जगत्स्यावरजगमम् 42 38<sup>६</sup>. 100 61<sup>६</sup>.  
 जगत्स्यात्यति शाश्वतम् 68 30<sup>६</sup>.  
 जगदर्थं द्विधा कृतो 58 46<sup>६</sup>.  
 जगदर्थं समागतान् 40 43<sup>६</sup>.  
 जगदिषधश्चि च खे 112 58<sup>६</sup>.  
 जगद्दक्षये त्यजस्व माम् 35 51<sup>६</sup>.  
 जगद्वितार्थं कुरु 42 51<sup>६</sup>.  
 जगद्वं तानृपिगणान् 35 31<sup>६</sup>.  
 जगद्वं स दुरात्मनः 74 24<sup>६</sup>.  
 जगाम गतिस्तिष्ठा वै 13 74<sup>६</sup>.  
 जगाम घोवसवाम 67 13<sup>६</sup>.  
 जगाम च पुरीं दीना 73 35<sup>६</sup>.  
 जगाम च महासुनि 118 9<sup>६</sup>.

जगाम तत्र प्रद्युम्न 89 3<sup>०</sup>  
 जगाम तत्र यत्रास्ते 112 113<sup>०</sup>  
 जगाम तद्विधा इत्वा 71 53<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदशेश्वर 62 9<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिव देव 86 53<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिव हृष्ट 35 71<sup>०</sup>  
 जगाम त्रिदिवारथम् 86 70<sup>०</sup>  
 जगाम पर्यतयैव 3 104<sup>०</sup> 9 63<sup>०</sup>  
 जगाम ब्रह्मणा सार्धं 38 79<sup>०</sup>  
 जगाम ब्रह्मदत्तोऽथ 19 23<sup>०</sup>  
 जगाम भगवानृषि 118 5<sup>०</sup>  
 जगाम मार्गं बलवान् 110 9<sup>०</sup>  
 जगाम यमुनातीर 55 27<sup>०</sup>  
 जगाम यमुना नदी 56 8<sup>०</sup>  
 जगाम यमुना नदीम् 50 4<sup>०</sup>  
 जगाम रथमास्थाय 26 13<sup>०</sup>  
 जगाम रथमुख्येन 67 1<sup>०</sup>  
 जगाम रोपमुत्सृज्य 118 8<sup>०</sup>  
 जगाम पमुधातरन् 108 74<sup>०</sup>  
 जगाम विमना भृशम् 48 51<sup>०</sup>  
 जगाम विष्णु रज देश 45 47<sup>०</sup>  
 जगाम शरणायाय 20 45<sup>०</sup>  
 जगाम क्षिप्रं राम 89 47<sup>०</sup>  
 जगाम स रथा नाच 22 8<sup>०</sup>  
 जगाम सत्तुलो मेधे 61 61<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमाविश्य 48 29<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमेव तु 73 35<sup>०</sup>  
 जगामाकाशमेव ह 31 47<sup>०</sup>  
 जगाम्राथ ततो विष्णु 47 23<sup>०</sup>  
 जगामादर्शनं हृद्वात् 56 40<sup>०</sup>  
 जगामामितदक्षिण 70 33<sup>०</sup>  
 जगामाशु पुरीं प्रति 87 44<sup>०</sup>  
 जगामारत दिनकर 77 59<sup>०</sup>  
 जगामैकविनिश्चयम् 27 8<sup>०</sup>  
 जगामैको भज राम 83 1<sup>०</sup>  
 जगृह्णन्ति स्तनां धार्णी 63 33<sup>०</sup>  
 जगृह्णन्तु गामिन 60 33<sup>०</sup>  
 जगृह्णस्ते प्रचेतस 2 44<sup>०</sup>  
 जग्मुर्जनिधन चापि 42 30<sup>०</sup>  
 जग्मुर्माण्डियकारणात् 71 15<sup>०</sup>  
 जग्मुर्गृह्णन्तसौ 76 46<sup>०</sup>  
 जग्मुर्जुक्तौ तु सरसौ 57 2<sup>०</sup>  
 जग्मुराति महामृध 35 8<sup>०</sup>

जग्मुर्गोपगणा घोष 56 46<sup>०</sup>  
 जग्मुर्निर्वरतां नृपा 62 63<sup>०</sup>  
 जग्मुर्भयसमाहृत्वा 108 50<sup>०</sup>  
 जग्मुर्निगतसकल्पा 66 40<sup>०</sup>  
 जग्मुस्ते वै मुदा युता 31 53<sup>०</sup>  
 जग्मु कसनिचेदानम् 71 14<sup>०</sup>  
 जग्मु वृत्तयुगं चैव 40 35<sup>०</sup>  
 जग्मु सवल्पाहना 100 86<sup>०</sup>  
 जग्मु स्पन्दनवाहना 70 8<sup>०</sup>  
 जग्माह प्राहवद्विभु 83 17<sup>०</sup>  
 जग्माह च चतुर्मुख 112 29<sup>०</sup>  
 जग्माह उरलिता दीप्ता 108 71<sup>०</sup>  
 जग्माह तदन्नूरत 71 50<sup>०</sup>  
 जग्माह पुरुषव्याघ्र 112 94<sup>०</sup>  
 जग्माह पुरुषोत्तम 108 73<sup>०</sup> 110 42<sup>०</sup> 112 31<sup>०</sup>  
 जग्माह प्रथम राम 81 61<sup>०</sup>  
 जग्माह मधुसूदन 112 72<sup>०</sup>  
 जग्माह सुष्टिक रत्ने 76 1<sup>०</sup>  
 जग्माह सुसरोत्तमम् 81 63<sup>०</sup>  
 जग्माह रणमूर्धनि 108 42<sup>०</sup>  
 जग्माह वारुण सोऽञ्ज 112 22<sup>०</sup>  
 जग्माह विधिष्वरमधु 88 34<sup>०</sup>  
 जग्माह चैष्वज सोऽञ्ज 112 26<sup>०</sup>  
 जग्माह विरसि कुन्द 112 78<sup>०</sup>  
 जग्माह स गृहस्तदा 112 37<sup>०</sup>  
 जग्माह सस तान्गर्भान् 48 1<sup>०</sup>  
 जग्माहात्मविशुद्धये 28 29<sup>०</sup>  
 जघने तद्गन इत्वा 44 46<sup>०</sup>  
 जघान कृष्ण श्रीवाया 110 70<sup>०</sup>  
 जघान चांशाक्षत्रु 87 56<sup>०</sup>  
 जघान चैधा सदृश 88 16<sup>०</sup>  
 जघान जनमेजय 10 14<sup>०</sup>  
 जघान तुरगांश्चाज्ञौ 81 80<sup>०</sup>  
 जघान दानवान्सर्वान् 21 22<sup>०</sup>  
 जघान निश्चित शरै 88 17<sup>०</sup>  
 जघान नृपतिं प्रसू 31 101<sup>०</sup>  
 जघान परमाखिवि 29 19<sup>०</sup>  
 जघान पुरुषव्याघ्र 97 25<sup>०</sup>  
 जघान पुरुषयागौ 31 119<sup>०</sup>  
 जघान पुररोत्तम 79 15<sup>०</sup> 96 12<sup>०</sup>, 42<sup>०</sup>  
 जघान यो नरव्याघ्र 97 8<sup>०</sup>  
 जघान राम सक्त्र 87 69<sup>०</sup>  
 जघान सचिवे सार्धे 31 1-5<sup>०</sup>

जयान सहितान्सर्वात् 97 10 <sup>१</sup>	जज्ञे शूरो महायज्ञ 85 10 <sup>१</sup>
जयानापतत परान् 87 42 <sup>१</sup>	जज्ञे दौर्गिर्महायज्ञा 25 4 <sup>१</sup>
जयानार्थांश्च रत्नेन 108 68 <sup>१</sup>	जज्ञे धायस्तको राजा 9 46 <sup>१</sup>
जयानाष्टपदेनैव 89 43 <sup>१</sup>	जज्ञे सत्यरतेः पुत्र 18 32 <sup>१</sup>
जयानैकप्रहरिण 74 37 <sup>१</sup>	जज्ञे स मृगरेचन 98 19 <sup>१</sup>
जयानैकार्णवे घोरे 38 18 <sup>१</sup>	जज्ञे सर्वगुणोपेत 15 22 <sup>१</sup>
जयानोरसि दैत्य स 57 18 <sup>१</sup>	जज्ञे सह गरिण सै 10 25 <sup>१</sup>
जमत्तुर्हिमपातेश्च 36 14 <sup>१</sup>	जज्ञे सकल्प पृथ च 3 29 <sup>१</sup>
जम्बुस्त्यासिचर्मिण 37 33 <sup>१</sup>	जज्ञे सनतिमान् राजा 15 34 <sup>१</sup>
जम्भामानि च सर्वथा 5 26 <sup>१</sup>	जज्ञे सुतपस सुत 23 27 <sup>१</sup>
जम्बुवृत्ते ययाकाम 51 28 <sup>१</sup>	जम्बुद्विधामप शान्ता 48 14 <sup>१</sup>
जज्ञाते गुणसपन्नै 28 35 <sup>१</sup>	जदाभार समुद्रदत् 40 7 <sup>१</sup>
जज्ञाते चित्रयोधिनौ 98 18 <sup>१</sup>	जदामण्डलधारिण 47 13 <sup>१</sup>
जज्ञाते तनयो भूभे 28 36 <sup>१</sup>	जदामण्डलमुद्रदत् 44 7 <sup>१</sup>
जज्ञाते तनयो दृष्ये 24 3 <sup>१</sup>	जटी मुण्डोऽपि वा भव 66 6 <sup>१</sup>
जज्ञाते देयवचसो 24 11 <sup>१</sup> 28 42 <sup>१</sup>	जनकस्य महारमन 31 115 <sup>१</sup>
जज्ञाते निनाडोऽस्मुकौ 98 20 <sup>१</sup>	जननी च भविष्यति 45 17 <sup>१</sup>
जज्ञातेऽन्तर्धिपालिनौ 2 37 <sup>१</sup>	जननी पृथिवीपते 23 103 <sup>१</sup>
जज्ञाते पुनरेव हि 3 50 <sup>१</sup>	जनन्या तपतां वर 8 24 <sup>१</sup>
जज्ञिरे गात्रयन्त्येने 98 12 <sup>१</sup>	जनमेजय हरयेव 114 3 <sup>१</sup>
जज्ञिरे सत्य पुत्राश्च 88 44 <sup>१</sup>	जनमेजय युद्धेषु 105 22 <sup>१</sup>
जज्ञिरेऽनेकमस्तका 3 86 <sup>१</sup>	जनमेजयस्तु नृपति 115 3 <sup>१</sup> , 4 <sup>१</sup>
जज्ञिरेऽम्बाश्च जातय 2 48 <sup>१</sup>	जनमेजयस्य के पुत्रा 114 1 <sup>१</sup>
जज्ञिरे पञ्च पुत्रास्तु 26 11 <sup>१</sup>	जनमेजयस्य पुत्रो तु 23 111 <sup>१</sup>
जज्ञिरे षडव सुता 27 3 <sup>१</sup>	जनमेजयस्य राजर्षे 23 18 <sup>१</sup>
जज्ञिरे वीर्यवत्तरा 28 2 <sup>१</sup>	जनमेजयेन यत्पृष्ट 1 6 <sup>१</sup>
जज्ञिरे सत्यभामायां 98 7 <sup>१</sup>	जनमेजयो महाप्राज्ञ 1 7 <sup>१</sup>
जज्ञिरे सोमदत्तात् 23 116 <sup>१</sup>	जनमेजयो महाराज 23 17 <sup>१</sup>
जज्ञे कुलविधर्षेन 23 37 <sup>१</sup>	जनयति च सुवाग्गुणैरुपेतात् 118 47 <sup>१</sup>
जज्ञे च रश्मकवध्यात् 26 11 <sup>१</sup>	जनयति नवाग्भुभि 59 6 <sup>१</sup>
जज्ञे जह्नु प्रतापयात् 23 75 <sup>१</sup>	जनयामास पक्षिराद् 92 44 <sup>१</sup>
जज्ञे तत्र महायथा 31 112 <sup>१</sup>	जनयामास पञ्च वै 21 12 <sup>१</sup> 23 53 <sup>१</sup>
जज्ञे सस्य विनाशन 24 33 <sup>१</sup>	जनयामास पार्श्विबम् 15 4 <sup>१</sup>
जज्ञेऽत्रिभंगवानृषि 20 1 <sup>१</sup>	जनयामास मातृ 23 20 <sup>१</sup> , 119 <sup>१</sup>
जज्ञे दशरथसाथ 31 110 <sup>१</sup>	जनयामास शैलराद् 13 15 <sup>१</sup>
जज्ञे नारायण प्रभु 49 77 <sup>१</sup>	जनयित्वा तत सा तं 9 14 <sup>१</sup>
जज्ञे परमकोपन 35 50 <sup>१</sup>	जनस्त समुपागमत् 56 18 <sup>१</sup>
जज्ञे पुनर्वसुस्तस्मात् 27 17 <sup>१</sup>	जनस्थाने वसन्कार्ये 31 118 <sup>१</sup>
जज्ञे प्राज्ञोऽथ मागध 5 33 <sup>१</sup>	जनस्थानमिहितसार्थे 65 90 <sup>१</sup>
जज्ञे यस्य प्रसूतस्य 24 16 <sup>१</sup>	जनस्थानस्य भवार्थ च 84 9 <sup>१</sup>
जज्ञे राजा महायज्ञ 25 11 <sup>१</sup>	जनस्तीरस्तु कचेतस 102 6 <sup>१</sup>
जज्ञे वीर सुरगणै 23 19 <sup>१</sup>	जनं च विप्रदुर्वाणौ 51 10 <sup>१</sup>
जज्ञे वृष्यिकुले प्रभु 48 12 <sup>१</sup>	जन क्षयमुपैष्यति 116 24 <sup>१</sup>

जन सर्वोऽभ्यस्यक 116 40 <sup>b</sup>	जरासधमभिप्रेषु 81 8 <sup>o</sup>
जनानिमान्धनौघैस्तु 86 54 <sup>a</sup>	जरासधमुपाद्रवत् 81 88 <sup>b</sup>
जना येऽस्मिन्कृपाधना 86 59 <sup>a</sup>	जरासधश्च नो राजा 85 27 <sup>a</sup>
जनार्दनमयाचैव 100 4 <sup>a</sup>	जरासधश्च सप्तभि 81 83 <sup>d</sup>
जनार्दनमिद वच 92 58 <sup>d</sup>	जरासधस्तत क्रुद्ध 81 14 <sup>a</sup>
जनार्दनवदो स्थित 92 46 <sup>d</sup>	जरासधस्तु तच्छ्रुत्वा 82 22 <sup>a</sup>
जनार्दन पुरस्कृत्य 82 55 <sup>a</sup>	जरासधस्तु भूमिप 87 17 <sup>d</sup>
जनार्दनेन द्वारवर्ती च ता दुरीम् 85 67 <sup>a</sup>	जरासधस्य कल्याण्यौ 80 3 <sup>o</sup>
जनार्दनेनोऽपि सहित 100 87 <sup>a</sup>	जरासधस्य चरणे 82 17 <sup>o</sup>
जना शेषपुरस्कृता 117 10 <sup>b</sup>	जरासधस्य दारुण 81 95 <sup>d</sup>
जनीघप्रतिनादिता 86 48 <sup>b</sup>	जरासधस्य निघने 105 15 <sup>a</sup>
जनीघप्रतिनादिते 74 16 <sup>b</sup>	जरासधस्य नृपते 82 26 <sup>o</sup>
जनीघप्रतिनादेन 75 6 <sup>a</sup>	जरासधस्य पाथिवा 80 8 <sup>b</sup>
जनौघे परिवार्यताम् 81 33 <sup>d</sup>	जरासधस्य यादवा 82 27 <sup>b</sup>
जन्म चाधममुत्तमम् 1 3 <sup>d</sup>	जरासधस्य राज्ञस्तु 82 5 <sup>a</sup>
जन्म चास्मासु गर्हितम् 63 6 <sup>b</sup>	जरासधस्य वृष्णिभि 87 24 <sup>d</sup>
जन्मतस्तुपपद्यते 48 50 <sup>d</sup>	जरासध गदायुदे 90 5 <sup>o</sup>
जन्मप्रभृति चाप्येतौ 96 45 <sup>a</sup>	जरासध ततोऽभ्ययात् 87 71 <sup>a</sup>
जन्मप्रभृति दिघ्यैस्ते 60 5 <sup>a</sup>	जरासध तु ते जित्वा 82 26 <sup>a</sup>
जन्म प्राप्यसि वृत्तितम् 13 38 <sup>d</sup>	जरासधं पुरस्कृत्य 87 23 <sup>o</sup>
जन्ममैराजत चापि 97 25 <sup>a</sup>	जरासध महाबलम् 87 52 <sup>b</sup>
जयतो धा वृत्तो रति 75 27 <sup>a</sup>	जरासध मदीपतिम् 82 30 <sup>b</sup>
जयस्तेन कलिङ्गानां 89 18 <sup>a</sup>	जरासध समाश्रित्य 96 52 <sup>a</sup>
जयध्वजश्च नाङ्गालीत् 23 157 <sup>a</sup>	जरासध प्रवापवाद् 80 1 <sup>d</sup> 87 1 <sup>d</sup>
जयध्वजस्य पुत्रस्तु 23 158 <sup>a</sup>	जरासध स्वसुतवर्गे 87 22 <sup>o</sup>
जयन्तो ये नयन्तश्च 103 14 <sup>a</sup>	जरासधान्तिक वीरा 81 70 <sup>o</sup>
जयन्त्यन्धकवृष्णय 95 7 <sup>a</sup>	जरासधे च विग्रह 84 3 <sup>d</sup>
जय बाण महाङ्गादौ 109 89 <sup>a</sup>	जरासधेन चाभिर्मो 81 97 <sup>d</sup>
जयध्वम् पुरस्कृत्य 32 29 <sup>a</sup>	जरासधेन चोदित 81 74 <sup>b</sup>
जयस्व वृष्ण चाणूर 75 39 <sup>a</sup>	जरासधे महीपतौ 82 24 <sup>a</sup>
जयार्थं च दिवैरुप्याम् 36 2 <sup>d</sup>	जरासधो घृत्तजत 81 19 <sup>d</sup>
जयाशीर्षिर्मैहाबलम् 58 56 <sup>d</sup>	जरासधो नराधिप 81 3 <sup>b</sup> 87 26 <sup>a</sup>
जयाशीर्षचनैस्सयेते 45 37 <sup>a</sup>	जरासधो वृद्धावय 81 32 <sup>o</sup>
जये दत्ताताक्षस्य 36 39 <sup>a</sup>	जरासधोऽभिससृत् 81 89 <sup>b</sup>
जरा नाम निपादाना 98 23 <sup>a</sup>	जरासधा महाबल 81 87 <sup>d</sup> 82 15 <sup>b</sup> 87 19 <sup>a</sup>
जराया बहुवो दोषा 22 24 <sup>a</sup>	जरासधो मदीपति 81 6 <sup>b</sup>
जरासक्रमणे तदा 23 127 <sup>b</sup>	जरासधो व्यबस्थित 81 51 <sup>b</sup>
जरासक्रमणे पूर्वं 114 17 <sup>a</sup>	जरा स्वपि समाचाय 22 22 <sup>o</sup> , 32 <sup>a</sup>
जरासधकरभ्युता 82 18 <sup>b</sup>	जरा न शासति वधू 92 60 <sup>a</sup>
जरासधपुरोगमा 81 25 <sup>a</sup>	जरा मे प्रतिगृह्णीष्व 22 21 <sup>o</sup>
जरासधप्रियैरिण 80 9 <sup>d</sup>	जलकालविचारिण 62 47 <sup>d</sup>
जरासधनपाचापि 84 35 <sup>o</sup>	जडपर्मगृहेराया 47 23 <sup>d</sup>
जरासधमयेन च 25 15 <sup>d</sup>	जलजैर्भूषिता शुभे 55 31 <sup>b</sup>

जलजैरितोदकाय् 55 31<sup>d</sup>  
 जलजैश्चाप्यपो हरि 86 74<sup>d</sup>  
 जलजै वृषुर्माश्रिता 55 31<sup>d</sup>  
 जलजै प्राणिभि कीर्णा 55 31<sup>d</sup>  
 जलदाना समागमे 37 34<sup>d</sup>  
 जलप्रक्षयणान्त्रितै 61 35<sup>d</sup>  
 जलस्पष्टितगामिनी 83 37<sup>d</sup>  
 जलस्यार मयवेते 30 51<sup>d</sup>  
 जलहारीभिरायुतम् 49 28<sup>d</sup>  
 जल द्रुपेय वृषिन् 65 100<sup>d</sup>  
 जल स्तम्भय साधो ख 103 11<sup>d</sup>  
 जलावलिघातत्रयम् 31 131<sup>d</sup>  
 जलानि जलदक्षये 59 30<sup>d</sup>  
 जलेन जलदागमे 59 46<sup>d</sup>  
 जलेन समभिमुता 42 28<sup>d</sup>  
 जलैर्यलादकोरवृष्टै 54 9<sup>d</sup>  
 जलोत्परीडाकुला र्वेद 41 19<sup>d</sup>  
 जलोपवासमन्थासीत् 31 33<sup>d</sup>  
 जलेन प्रथयौ बुद्ध 88 3<sup>d</sup>  
 जवेनान्यर्द्वयापि 81 82<sup>d</sup>  
 जवेनावर्जित चैव 59 13<sup>d</sup>  
 जहार कन्यां कामास 9 90<sup>d</sup>  
 जहार इन्द्रस्य सुत 99 3<sup>d</sup>  
 जहार च शिर कापान् 88 9<sup>d</sup>  
 जहार तरसा सर्वान् 20 20<sup>d</sup>  
 जहार दितिनन्दन 91 34<sup>d</sup>  
 जहार दिनकर्म च 37 53<sup>d</sup>  
 जहार नरको बडी 91 12<sup>d</sup>  
 जहार पृथिवीमिमाय् 65 36<sup>d</sup>  
 जहार यज्ञिया गाय 45 20<sup>d</sup>  
 जहार लक्ष्मीं सोमस्य 37 52<sup>d</sup>  
 जहाराष्ट्र तमपतरा 109 72<sup>d</sup>  
 जहाराष्ट्रु स मेदिनीम् 31 88<sup>d</sup>  
 जहास च महाहास 48 33<sup>d</sup>  
 जहास दानव क्रोधात् 38 28<sup>d</sup>  
 जहास मध्ये वृक्षाभ्या 51 23<sup>d</sup>  
 जहासोर्षेस्त कस 46 20<sup>d</sup>  
 जहासोर्षे लनवदा 71 32<sup>d</sup>  
 जहि त पापदूर्यम् 91 35<sup>d</sup>  
 जहीदि निद्रा सद्जा 40 37<sup>d</sup>  
 जहपुद्गैष्टलोमान 96 1<sup>d</sup>  
 जहृष्यता च भारत 7 18<sup>d</sup>  
 जह्रास्तु दधित वृत्र 23 81<sup>d</sup>

जंगमाजगमैवृत्तम् 12 37<sup>d</sup>  
 जागति कोद्र क देते 40 17<sup>d</sup>  
 जागति च यथा देव 44 41<sup>d</sup>  
 जागति वाग्दक्षये 40 23<sup>d</sup>  
 जागति मधुमुद्ग 40 22<sup>d</sup>, 24<sup>d</sup>  
 जातकर्मदिभिर्गुणै 49 3<sup>d</sup>  
 जातकामा च तं प्रति 89 7<sup>d</sup>  
 जातकौतुहलकादा 11 31<sup>d</sup>  
 जातप्रेषु बोयेषु 62 82<sup>d</sup>  
 जातनाय स भगवान् 20 39<sup>d</sup>  
 जातमात्रे हत रूपम् 100 3<sup>d</sup>  
 जातमात्रोऽप्याहित 99 18<sup>d</sup>  
 जातसगाविद्ं द्वा 71 10<sup>d</sup>  
 जातरागा पृथिव्यर्षे 43 64<sup>d</sup>  
 जातरूपमयै पशै 70 20<sup>d</sup>  
 जातरूपस्य शुभ्रस्य 92 6<sup>d</sup>  
 जातवैरण चेतसा 66 21<sup>d</sup>  
 जातस्याजुतर्मण 65 24<sup>d</sup>  
 जात क्षाररसायनम् 52 19<sup>d</sup>  
 जात किञ्च युतार्थिना 73 9<sup>d</sup>  
 जात बुद्ध्या वृद्धे 62 74<sup>d</sup>  
 जात कुलकरो मुनि 45 18<sup>d</sup>  
 जाता नातिस्तार मृगा 16 22<sup>d</sup>  
 जातानि पृथिवीपते 10 62<sup>d</sup>  
 जाता वदोन्म भागीरे 23 72<sup>d</sup>  
 जातायावा वत समम् 47 36<sup>d</sup>  
 जाता वृद्धस्य चारमना 23 22<sup>d</sup>  
 जाता प्याया दशार्णेषु 16 17<sup>d</sup>  
 जाता शिवजला सर्वा 56 44<sup>d</sup>  
 जाता सत्यवती तवा 13 40<sup>d</sup>  
 जातात्मीयनारकमा 3 76<sup>d</sup>  
 जातास्मि दग्ता वर 9 7<sup>d</sup>  
 जाता कौशिकद्वारवादा 14 4<sup>d</sup>  
 जाता सस महागामा 18 14<sup>d</sup>  
 जातिस्मरणसम्भवम् 16 24<sup>d</sup>  
 जाति स्मरति पैर्विकीम् 92 94<sup>d</sup>  
 जातेस्तुभवा वृथामति 48 26<sup>d</sup>  
 जातेन निवृत्तेन चै 09 24<sup>d</sup>  
 जातेष्वेतेषु गर्भेषु 47 28<sup>d</sup>  
 जातो जातो महाबाहो 101 11<sup>d</sup>  
 जातोऽप्यजातवर्षं याति 48 46<sup>d</sup>  
 जातो मृग्युतनाथा वै 5 9<sup>d</sup>  
 जातो वृष्णिउ देवर्षा 91 21<sup>d</sup> 118 72<sup>d</sup>



जाती चाणूरसुष्टिकी 44 73<sup>d</sup>.  
 जाती श्रोत्रियदायादौ 18 16<sup>o</sup>  
 जात्यन्तरगतो हेप 38 17<sup>a</sup>.  
 जात्यन्तरेषु सर्वेषु 15 13<sup>o</sup>.  
 जात्या हि याद्व वृष्णा 66 21<sup>a</sup>.  
 जानतो भरतपैम 3 112<sup>d</sup>.  
 जानन्त्या त्वं महाराज 19 25<sup>a</sup>.  
 जानन्दिद्येन चक्षुषा 65 100<sup>b</sup>  
 जानन्धर्मं घसिष्ठस्तु 10 8<sup>a</sup>.  
 जानामि कंसं समूर्तं 45 4<sup>a</sup>.  
 जानामि भवतो भावं 62 91<sup>a</sup>.  
 जानामि सा तदानय 14 13<sup>a</sup>.  
 जानाम्यपहृतं स्वयम् 48 43<sup>a</sup>.  
 जानाम्यर्जुनसभम् 62 91<sup>a</sup>.  
 जानीष्वं मां नरर्षभा. 96 24<sup>d</sup>  
 जानुभिश्चाद्मनिर्वीपै 75 32<sup>o</sup>  
 जानुभ्यां जगतीं चैव 58 52<sup>a</sup>.  
 जानुभ्यां तौ श्यवस्थितौ 31 90<sup>b</sup>.  
 जाने त्वां पुरयोत्तमम् 112 107<sup>b</sup>.  
 जाने विनृष्वसा दत्ता 62 91<sup>a</sup>.  
 जामदग्न्य इति रयात् 31. 109<sup>a</sup>  
 जामदग्न्य पुत्र पुत्रः 31 108<sup>d</sup>.  
 जामदग्न्यात्तया रामान् 87 13<sup>a</sup>.  
 जामदग्न्येन रामेण 42 39<sup>a</sup>.  
 जामाता एभयत्तस्य 87 24<sup>a</sup>.  
 जाम्बवत्यस्य पौरवी 98 4<sup>b</sup>.  
 जाम्बवत्यामज्ञापत् 100 1<sup>d</sup>.  
 जाम्बवत्या निभृषित. 93 41<sup>d</sup>  
 जाम्बवत्या सुतो जज्ञे 98 8<sup>a</sup>.  
 जाम्बवन्तं दृढसं ह 28 25<sup>d</sup>.  
 जाम्बवन्तं महाबलम् 28 25<sup>d</sup>.  
 जाम्बवाश्च पराजित. 105 20<sup>d</sup>.  
 जाम्बूनद इवादीप्तः 93 43<sup>a</sup>.  
 जाम्बूनदमयं दिव्यं 93 56<sup>a</sup>.  
 जाम्बूनदमयाग्नयत्र 92 4<sup>a</sup>.  
 जयतेन्द्रियगोचरा 30 49<sup>d</sup>  
 जयन्ते पुत्रेभ्य ह 3 55<sup>d</sup>.  
 जयन्ते प्रह्लादादिभः 13 9<sup>d</sup>.  
 जयमाने जगद्गने 48 14<sup>d</sup>, 15<sup>d</sup>.  
 जयैत्तस्मात्स्वयं हन्त 27 0<sup>a</sup>  
 जारुष्यामाहूतिं क्राय 97. 5<sup>a</sup>  
 जिगाय पुन्यात्तम 97. 18<sup>d</sup>, 20<sup>d</sup>.  
 जिगाय पृथिवीमेक 23 138<sup>a</sup>.

जिगाय पृथिवीं हत्वा 10 26<sup>a</sup>.  
 जिगाय भरतधेष्टं 97. 17<sup>a</sup>.  
 जिघांसन्तो जनार्दनम् 87. 49<sup>d</sup>.  
 जिघांसुसलायुधम् 81 86<sup>d</sup>.  
 जिघांसुर्हि यद्वृन्दः 80 2<sup>a</sup>.  
 जिघृक्षुर्यवनेश्वरः 85 39<sup>b</sup>.  
 जिगीषिषुर्न स ह्यति 65. 74<sup>a</sup>  
 जिज्ञासां पारये चक्रे 25 8<sup>o</sup>  
 जितक्रादो महासुर 106 54<sup>b</sup>.  
 जितपूर्वो विभिः शर्मैः 68 33<sup>b</sup>.  
 जितमित्येव हृष्टोऽथ 89 30<sup>a</sup>.  
 जितरोपोऽपि धर्मवित् 89 33<sup>a</sup>.  
 जितराम्यो न चायधीत् 90 5<sup>d</sup>.  
 जिता मे दानवाः सर्वे 32 32<sup>a</sup>  
 जितो वा वसुधातले 112 61<sup>d</sup>.  
 जित्वा जीवन्विरजित 105 12<sup>a</sup> 108 5<sup>d</sup>.  
 जित्वा तु मार्गधं सत्ये 82 30<sup>a</sup>  
 जित्वा पाशधर इत्थम् 77 28<sup>d</sup>.  
 जित्वा पृथ्वीं सलागराम् 22 15<sup>b</sup>.  
 जित्वा वाण महासुरम् 113 6<sup>d</sup>.  
 जित्वा यक्षाश्च सयुगे 77 26<sup>a</sup>.  
 जित्वा शक्यपुरोगमान् 21 20<sup>b</sup>.  
 जित्वा सर्वांश्चिद्वैकृत 106 28<sup>d</sup>  
 जिष्णु वृष्णश्च वर्णत 109 82<sup>b</sup>  
 जिह्वं वाक्यं नराधिपात् 89 39<sup>b</sup>.  
 जिह्वयौष्टौ पुत्र पुत्रः 64 3<sup>b</sup>  
 जीमूत इव वेगमान् 31 68<sup>d</sup>.  
 जीमूतघनदीप्तोवा 31 66<sup>a</sup>.  
 जीमूतघननिस्त्रव 31 66<sup>a</sup>  
 जीमूतघनसमाश 31 66<sup>a</sup>  
 जीमूतपुत्रो धुकति 26 22<sup>a</sup>.  
 जीमता देव वागोऽथम् 112 111<sup>a</sup>.  
 जीमन्या परिदेवनम् 77 37<sup>a</sup>.  
 जीमन्नाहं प्रदास्यामि 113 43<sup>a</sup>.  
 जीमन्प्रतिगमिष्यसि 112 53<sup>a</sup>.  
 जीवन्मुक् कथं च स 106 3<sup>d</sup>.  
 जीमपुत्रा त्वया पुत्र 99 36<sup>a</sup>  
 जीवन्तीयकर्मपैश्च 92 41<sup>a</sup>.  
 जीवितं नाथ कामये 106 10<sup>b</sup>.  
 जीवितं मे प्रदीयताम् 56 34<sup>d</sup>.  
 जीवितं वसुदेवस्य 45 44<sup>a</sup>.  
 जीवितान्तरकरिं तदा 108 73<sup>b</sup>.  
 जीवितान्ते महीतले 75. 44<sup>d</sup>.

जीवितार्थी ततो बाणः 112 115<sup>०</sup>.  
 जीवितार्थहरी घोरा 40 27<sup>०</sup>  
 जीवितुं स्पृश्येवारी 107 29<sup>०</sup>  
 जीविते चास्य का दया 78 9<sup>०</sup>  
 जीवितौ तस्य तेजसा 105 21<sup>०</sup>.  
 ज्युषिता च वत्स्यामि 73 22<sup>०</sup>.  
 ज्युष्टुं श्रेयं शस्त्राणां 87. 77<sup>०</sup>.  
 जुह्वानस्य मङ्गलो वै 3 95<sup>०</sup>.  
 जृम्भणं नाम सोऽप्यर्धं 112 31<sup>०</sup>.  
 जृम्भते च तदा वृष्य 111 4<sup>०</sup>.  
 जृम्भमाणैव गगने 112 44<sup>०</sup>  
 जृम्भमाणो दिशो दश 35 52<sup>०</sup>.  
 जृम्भमाणो मुहुर्मुहुः 40 25<sup>०</sup>.  
 जेतस्यानीन्द्रियाण्यदादौ 44 29<sup>०</sup>.  
 जेतव्या रिपवः सर्वे 44 28<sup>०</sup>.  
 जेता त्वमसि कस्तव 113. 4<sup>०</sup>.  
 जेठारं च महाबलम् 28 10<sup>०</sup>  
 जेतुमिच्छाम स घयम् 89 21<sup>०</sup>  
 जेष्याम समिविजयम् 106 29<sup>०</sup>  
 जैमीपुत्रस्य तु तथा 13 23<sup>०</sup>  
 शतयश्च सहोपिता. 63 2<sup>०</sup>.  
 शतिकायं चिकीर्षन्तु 96 28<sup>०</sup>  
 शतिकायांपंसिद्धये 80 5<sup>०</sup>.  
 शतिति संहितस्य वै 31 103<sup>०</sup>  
 शतितेभ्योऽभयसुरार्थम् 29 31<sup>०</sup>  
 शतित्योऽभयसुरार्थं 77 46<sup>०</sup>  
 शतीनां च व्यथां दृष्ट्वा 76 24<sup>०</sup>.  
 शतीनां नन्दिवर्धन 62 11<sup>०</sup> 77 12<sup>०</sup>.  
 शतीनिद्रुयाय ह 85 24<sup>०</sup>  
 शतीन्सर्गन्समागताम् 63 10<sup>०</sup>  
 शतीन्समापरांस्तस्य 57 21<sup>०</sup>  
 शतान् हंसि भारत 104 12<sup>०</sup>  
 शते समानवंदास्य 87 22<sup>०</sup>  
 शान्वा केसिनिद्रुद्व 84 35<sup>०</sup>.  
 शान्वा सुष्ठुराद् व्ययम् 86 60<sup>०</sup>  
 शान्वा साष्टनिश्चपात् 53 6<sup>०</sup>  
 शान्वा तु परदानं वत् 85 17<sup>०</sup>  
 शान्वा रथमेव होत्राणां 62 79<sup>०</sup>.  
 शान्वा प्रमाणां युष्पथाश्च 3 20<sup>०</sup>  
 शान्वा विष्णुं शिरतिगनं 48 1<sup>०</sup>  
 शान्वाविद्यान्नातने 117. 13<sup>०</sup>  
 शान्वापि मम मानवा 62 46<sup>०</sup>  
 शेषं कर्वाणरोष वै 75 15<sup>०</sup>.

श्रेयो धीर्यं बलान्वित. 108 97<sup>०</sup>.  
 श्याघाततलनिर्घोष 37 25<sup>०</sup>.  
 श्याघोपश्च महात्मन 31 139<sup>०</sup>.  
 श्याघोपश्च महात्मनाम् 87. 77<sup>०</sup>.  
 श्यामघस्य महात्मन 26 28<sup>०</sup>.  
 श्यामघस्याभवद्भार्या 26 18<sup>०</sup>.  
 श्यामघ पालितो हरिः. 26 11<sup>०</sup>.  
 श्यामघोऽवसदाश्रमे 26 12<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठभावेन मान्यस्ते 113 30<sup>०</sup>  
 श्येष्ठं भ्रातरमब्रवीत् 101 5<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठं पशुपते त्रिय 3 62<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठं पुत्ररातस्यासिद् 9 24<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठं सकर्षणो नाम 50 2<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठा च धरवर्णिनी 13 21<sup>०</sup>  
 श्येष्ठा परती महाराज 25 1<sup>०</sup>.  
 श्येष्ठं कानिष्ठमप्येषां 2 55<sup>०</sup>.  
 श्योतिर्भालिपु भार्गव 13 51<sup>०</sup>.  
 श्योतिर्भिर्गगनं यथा 96 56<sup>०</sup>.  
 श्योतिश्चभ्रुषि तेजश्च 30 52<sup>०</sup>.  
 श्योतिषामपिपु शरणि 36 7<sup>०</sup>.  
 श्योतिषामीरणं श्योति 34 25<sup>०</sup>.  
 श्योतिषां च महात्मनाम् 62 27<sup>०</sup>.  
 श्योतिषां चेश्वरेष्वर 36 3<sup>०</sup>.  
 श्योतिषां चोपरि स्थितः 36 6<sup>०</sup>.  
 श्योतिषे परिकीर्तिता 3 30<sup>०</sup>  
 श्योतिष्टोमहविर्भागी 110 26<sup>०</sup>.  
 श्योतिष्मत वतगाय 112 95<sup>०</sup>.  
 श्योतिष्मान्युतिमान्दृश्य 7 2<sup>०</sup>.  
 श्योतीपि घनतुषाणि 59 49<sup>०</sup>.  
 श्योतीपि च प्रजादान्ते 48 15<sup>०</sup>.  
 श्योतिष्पाद्भिर्निताः 110 56<sup>०</sup>.  
 श्यस्य च महात्मातिर 110 71<sup>०</sup>.  
 श्वरं शत्रुनिद्रुत् 111 1<sup>०</sup>.  
 श्वरं समितिनोभय 111 6<sup>०</sup>  
 श्वरः साशास्त्रद्वयमता 111 12<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 5<sup>०</sup>  
 श्वरेणादितिमौजसा 110 61<sup>०</sup> 111 3<sup>०</sup>.  
 श्वरे तेनामिषोऽयम् 111 6<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 5<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 110 61<sup>०</sup> 111 3<sup>०</sup>.  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 6<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 5<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 110 61<sup>०</sup> 111 3<sup>०</sup>.  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 6<sup>०</sup>  
 श्वरानिद्रुत्समागतं 111 5<sup>०</sup>

ज्वलन्तमिव पावकम् 20 38<sup>d</sup>.  
ज्वलन्तमिव च तेजसा 56 7<sup>d</sup>.  
ज्वलितताम्रप्रतीकाया 44 7<sup>d</sup>.  
ज्वालागर्भं महागदः 110 68<sup>d</sup>.  
ज्वालाप्रज्वलितं इदम् 55 46<sup>d</sup>.  
ज्वालामाली निरिन्धन 35. 49<sup>d</sup>.  
ज्वालावलीदवर्द्धनैः 108 85<sup>d</sup>.

श

शहरं. शकुनिशैव 3 64<sup>d</sup>.  
शपनक्रानुलिसाङ्गी 55 38<sup>d</sup>.

स

स पत्ने पितरो देवाः 12 41<sup>d</sup>  
स पनमन्वयुः सर्वे 80 9<sup>d</sup>.  
सश्रुनिष्ठापचहुलं 49 25<sup>d</sup>.  
सश्रुमाणो धरार्थं सुरैः 67. 28<sup>d</sup>.  
सद्यः कार्यं शचीपतेः 109 52<sup>d</sup>.  
सद्यः परमाश्रयित् 112 102<sup>d</sup>  
सद्यः रणमूर्धनि 112 104<sup>d</sup>.  
सद्यःप्रेण निद्वयाखं 112 89<sup>d</sup>.  
सद्यःके पर्यवस्थितम् 112 95<sup>d</sup>.  
सद्यः नाधिचचार स 91 11<sup>d</sup>  
सद्यः मांसं स्वयं चैव 10 15<sup>d</sup>  
सद्यः मे शोचपं मुखम् 35 38<sup>d</sup>  
सद्यः घटप्रसक्तं धोरं 38 46<sup>d</sup>  
सद्यः सर्वं यथाभवत् 89 47<sup>d</sup>  
सद्यः सर्वं विज्ञानामि 45 9<sup>d</sup>.  
सद्यःपि भवता श्रुतम् 41 27<sup>d</sup>  
सद्यःयुधावतरण 83 12<sup>d</sup>.  
सद्यःप्रमभवत्तदा 94 9<sup>d</sup>  
सद्यःपुरवा स्वरित कंसः 48 22<sup>d</sup>  
सद्यःपुरवा नन्दगोपस्य 53 12<sup>d</sup>.  
सद्यःपुरवा मोहमगमत् 19 19<sup>d</sup>  
सद्यःपुरवा सैद्दिगोपस्य 56 29<sup>d</sup>.  
सद्यःपुरवा चासुदेवस्य 96 4<sup>d</sup>  
सद्यःपुरवा विष्णुगदित 41 1<sup>d</sup>.  
सद्यःपुरवे हि श्रुयो जयः 44 29<sup>d</sup>.  
सज्जलं वज्रनिषेपै 59 15<sup>d</sup>.  
सजातिगुणयुक्तभिः 58 8<sup>d</sup>.  
सद्व्यामरणोपेता 55 37<sup>d</sup>  
सत उरसारथामाम 6 9<sup>d</sup>.  
सत एतन्मम वच 59 61<sup>d</sup>.  
सत एनमहं शरम् 6 6<sup>d</sup>.  
सत एनं नृपा म्तेष्ट्या 85 16<sup>d</sup>.

सत एव हि धर्मस्य 16 2<sup>d</sup>.  
सतश्चक्रपे वसुधा 106. 41<sup>d</sup>.  
सतश्चक्रं सद्द्वारं 112 94<sup>d</sup>.  
सतश्चक्रेण गोविन्द 103 22<sup>d</sup>.  
सतश्चचाल वसुधा 75 41<sup>d</sup>  
सतश्चन्द्रनक्षत्रैश्च 109 77<sup>d</sup>. 113 60<sup>d</sup>.  
सतश्च योर्गं प्राप्स्यन्ति 14 8<sup>d</sup>  
सतश्चरास्तु व्यादिष्टा 109 34<sup>d</sup>  
सतश्चक्रोप बलवार 83 30<sup>d</sup>. 90 9<sup>d</sup>  
सतश्चक्रयुगपादाय 87 26<sup>d</sup>  
सतस्त्रस्तुमद्दुष्टं 108 38<sup>d</sup>.  
सतस्त्रदनमक्षय 95 13<sup>d</sup>  
सतस्त्रद्वैयतो ज्ञाया 9 27<sup>d</sup>  
सतस्त्रद्वैरुणो देवः 113 25<sup>d</sup>.  
सतस्त्रद्वैशु गोविन्द 97 43<sup>d</sup>  
सतस्त्रद्वैरुणं छत्रं 92 18<sup>d</sup>.  
सतस्त्रद्विपदिरवाजी 112 22<sup>d</sup>.  
सतस्त्रम सद्यःपते 32 34<sup>d</sup>.  
सतस्त्रमार्यवप्राप्तं 29 39<sup>d</sup>  
सतस्त्रयोर्विचित्राश्च 83 57<sup>d</sup>  
सतस्त्रास्तिरस्तु विरये 9 95<sup>d</sup>.  
सतस्त्रास्ते वदौ राज्यं 20 19<sup>d</sup>.  
सतस्त्रास्या हयापास्तु 29 17<sup>d</sup>.  
सतस्त कामसकारं 99 32<sup>d</sup>  
सतस्तं चक्रवाकी द्वौ 17 1<sup>d</sup>  
सतस्तं पाण्डुर शौरि. 94 8<sup>d</sup>  
सतस्तं मुद्रयित्वा तु 85 31<sup>d</sup>  
सतस्तं वाग्भिरुप्राभिः 108 87<sup>d</sup>.  
सतस्त्रानववीरप्रभु 12 23<sup>d</sup>  
सतस्त्रानववीरैश्च 12 29<sup>d</sup>  
सतस्त्राभिः सदैवायु 20 8<sup>d</sup>.  
सतस्त्रा साम्बयामास 92 35<sup>d</sup>.  
सतस्तु देव्या रूपेण 107 6<sup>d</sup>  
सतस्तु पर्यता सत 103 14<sup>d</sup>.  
सतस्तु वारुण सैन्यम् 113 13<sup>d</sup>  
सतस्त्रयंनिनादेव 74 21<sup>d</sup>.  
सतस्त्रयंनिनादैश्च 109 63<sup>d</sup>. 110 1<sup>d</sup>.  
सतस्त्रयंप्रणादश्च 94 12<sup>d</sup>  
सतस्त्रयंप्रणादश्च 112 50<sup>d</sup>.  
सतस्त्रे वृण्डले दार्या 92 55<sup>d</sup>.  
सतस्त्रे क्षत्रिया सर्वे 81 74<sup>d</sup>.  
सतस्त्रे जलदा वृष्णा 61 8<sup>d</sup>.  
सतस्त्रेण प्रज्वलितम् 103 24<sup>d</sup>.

ततस्ते तस्मिन् स्मृत्या 19 22<sup>o</sup>  
 ततस्ते तन्महद्भूत 46 17<sup>o</sup>  
 ततस्ते दीनमनस 109 61<sup>o</sup>  
 ततस्ते दीर्घमध्वान 113 6<sup>o</sup>  
 ततस्तेनाभिसतसा 108 45<sup>o</sup>  
 ततस्ते पुनरागम्य 12 32<sup>o</sup>  
 ततस्ते पुनराजाति 14 5<sup>o</sup>  
 ततस्ते धाष्यपूर्णाक्षा 109 18<sup>o</sup>  
 ततस्ते धाद्रवा सर्वे 96 20<sup>o</sup>  
 ततस्ते युद्धमार्गजा 112 35<sup>o</sup>  
 ततस्ते योगविभ्रष्टा 14 4<sup>o</sup>  
 ततस्तेपा स्वन श्रुत्या 108 19<sup>o</sup>  
 ततस्ते सद्दिता सर्वे 112 1<sup>o</sup>  
 ततस्तेशुभगाकारै 110 70<sup>o</sup>  
 ततस्तेश्वारपुरीषे 108 13<sup>o</sup>  
 ततस्ते स क्रम सर्वे 15 54<sup>o</sup>  
 ततस्ते कुरुजया सुषै 71 35<sup>o</sup>  
 ततस्ते पतितौ दृष्ट्वा 73 5<sup>o</sup>  
 ततस्ते यदुनन्दनौ 79 38<sup>o</sup>  
 ततस्तेरितमगागम्य 29 9<sup>o</sup>  
 ततस्ते प्रस्थितो वीर 77 21<sup>o</sup>  
 ततस्ते गृह्य चरणे 47 36<sup>o</sup>  
 तत कथान्ते तत्राहम् 104 3<sup>o</sup>  
 तत कथान्ते नृपति 115 10<sup>o</sup>  
 तत कदाचित्पश्यामि 12 5<sup>o</sup>  
 तत कदाचिद्दु खेन 103 20<sup>o</sup>  
 तत कदाचिद्दुर्मात्मा 101 7<sup>o</sup>  
 तत कर्मल्लोचने 107 60<sup>o</sup>  
 तत कर्म चकारात्थ 21 34<sup>o</sup>  
 तत कस्यो महातेजा 96 55<sup>o</sup>  
 तत कालाख्ययो महान् 29 37<sup>o</sup>  
 तत काले स्थिते तु 89 1<sup>o</sup>  
 तत काले शिषे पुष्ये 79 36<sup>o</sup>  
 तत किल्बिलापान्द 61 56<sup>o</sup> 75 16<sup>o</sup> 91 27<sup>o</sup>  
 107 8<sup>o</sup>  
 तत किंकरसैन्य तन् 110 37<sup>o</sup>  
 तत किंकरसैन्य तु 108 14<sup>o</sup>  
 तत कुम्भे महासर्पे 85 30<sup>o</sup>  
 तत कृष्णस्य वचन 86 38<sup>o</sup>  
 तत कृष्णस्य वचनात् 29 35<sup>o</sup>  
 तत कृष्ण सुपर्णेन 94 16<sup>o</sup>  
 तत कृष्णो भोजयित्वा 104 1<sup>o</sup>  
 तत क्रमेण धाव स 53 20<sup>o</sup>

तत क्रमेण राज्यानि 4 1<sup>o</sup>  
 तत क्रमेण सर्वोल्लात् 107 71<sup>o</sup>  
 तत श्रीकालिदास तन् 107 17<sup>o</sup>  
 तत कुद्रा महर्षेय 5 14<sup>o</sup>  
 तत कुद्रो महाबाहु 112 100<sup>o</sup>  
 तत खाद्यपित्तस्य 81 56<sup>o</sup>  
 तत पञ्चपत्राक्ष 86 4<sup>o</sup>  
 तत पञ्चन्यधापेण 97 4<sup>o</sup>  
 तत पर्वतजालानि 103 1<sup>o</sup>  
 तत पिता मे सुप्रीत 11 20<sup>o</sup>  
 तत पिपीलिकरत् 19 3<sup>o</sup>  
 तत पीता महात्मान 23 79<sup>o</sup>  
 तत पुनर्देवगणे 6 18<sup>o</sup>  
 तत पुनर्महात्मान 5 20<sup>o</sup>  
 तत पुरर्पासिद्धे सा 95 16<sup>o</sup>  
 तत पूजामवाप्सति 62 46<sup>o</sup>  
 तत पूरो सकासाद्दे 22 35<sup>o</sup>  
 तत प्रभुभित्तयेव 81 90<sup>o</sup>  
 तत प्रजायन्ति पुनश्च पादवा 118 45<sup>o</sup>  
 तत प्रयुयुषु सर्वे 79 26<sup>o</sup>  
 तत प्रदीप्तस्तु विभु 110 69<sup>o</sup>  
 तत प्रध्माप्य स शङ्ख 110 35<sup>o</sup>  
 तत प्रध्माय जलत्र 113 21<sup>o</sup>  
 तत प्रभङ्गनो वायु 42 12<sup>o</sup>  
 तत प्रभाते विमले 70 1<sup>o</sup> 86 1<sup>o</sup> 109 64<sup>o</sup>  
 तत प्रभृति राजेभ्य 2 49<sup>o</sup> 90 14<sup>o</sup>  
 तत प्रल्म्भ दुर्दृत्त 58 51<sup>o</sup>  
 तत प्रत्ययेते पुण्या 62 55<sup>o</sup>  
 तत प्रवृत्ते युद्ध 29 12<sup>o</sup>  
 तत प्रविशन्तिमेला 74 20<sup>o</sup>  
 तत प्रविश्य सद्गता 108 2<sup>o</sup>  
 तत प्रवेदो सख्दी 96 63<sup>o</sup>  
 तत प्रव्याहता सर्वे 57 25<sup>o</sup>  
 तत प्रसाप्ते द्दने 110 19<sup>o</sup>  
 तत प्रसादयामाम 13 30<sup>o</sup>  
 तत प्रसादयामाम् 29 32<sup>o</sup>  
 तत प्रसिद्धवदन 75 35<sup>o</sup>  
 तत प्रसूतः कृष्ण 74 24<sup>o</sup>  
 तत प्रहस्य भगवान् 106 12<sup>o</sup>  
 तत प्राग्भ्योतिर्प नाम 91 53<sup>o</sup>  
 तत प्राप्सो नराभ्यां तु 96 11<sup>o</sup>  
 तत प्रायाह्वारवती 92 66<sup>o</sup>  
 तत प्रायत्र दृत् 89 26<sup>o</sup>

ततः प्राच्यदनुप्रासा 54. 3<sup>०</sup>.  
 ततः प्राचीये पट्टं सा 107. 67<sup>०</sup>.  
 ततः शक्रस्यवचनान् 10. 38<sup>०</sup>.  
 ततः शकुनयो दीप्ता 102. 3<sup>०</sup>.  
 ततः शक्रस्तु तान्गृह्य 62. 58<sup>०</sup>.  
 ततः शङ्खप्रणवेन 110. 36<sup>०</sup>.  
 ततः शङ्खं समानीय 110. 34<sup>०</sup>.  
 ततः शतसदृशाणि 112. 18<sup>०</sup>.  
 ततः शमदमाभ्यां च 31. 34<sup>०</sup>.  
 ततः शरदि युक्तानां 62. 49<sup>०</sup>.  
 ततः शरैर्वैश्वदेव्या 113. 22<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिमुपापमत् 110. 17<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिनिर्मुक्तैः 91. 47<sup>०</sup>.  
 ततः शान्तिरनाष्टिः 81. 96<sup>०</sup>.  
 ततः शुश्राव तं राजा 85. 12<sup>०</sup>.  
 ततः शैवानभिज्ञय 95. 11<sup>०</sup>.  
 ततः श्रीमान्दृष्टिकेदाः 100. 11<sup>०</sup>.  
 ततः स तप आस्थाय 85. 64<sup>०</sup>.  
 ततः स दुःखसंतप्तः 22. 11<sup>०</sup>.  
 ततः स ब्राह्मणखदा 19. 17<sup>०</sup>.  
 ततः स मानयामास 95. 14<sup>०</sup>.  
 ततः समारथाय रथं 102. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स राजा कौरव्य 9. 73<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वदशादीप्याम् 96. 7<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वं यथावृत्तं 8. 29<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वाणि दिग्धानि 95. 12<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वोपवनोक्तानि 112. 2<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वे दुरादर्शाश्च 94. 13<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वं दक्षिणं च 67. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स शूलरहितः 44. 49<sup>०</sup>.  
 ततः सर्वं प्रयत्ने 59. 9<sup>०</sup>.  
 ततः सह तया रेमे 88. 35<sup>०</sup>.  
 ततः सह भया शुक्रया 104. 2<sup>०</sup>.  
 ततः सहैव शक्य 91. 39<sup>०</sup>.  
 ततः संचिन्त्य तु पुनः 3. 4<sup>०</sup>.  
 ततः सचिन्त्य मनसा 83. 61<sup>०</sup>.  
 ततः सपूज्य गरुडं 95. 1<sup>०</sup>.  
 ततः संमन्त्रयामासुः 84. 10<sup>०</sup>.  
 ततः संवायमापद्याः 20. 39<sup>०</sup>.  
 ततः संसर्गमागम्य 15. 59<sup>०</sup>.  
 ततः संस्मारितो मया 19. 26<sup>०</sup>.  
 ततः सा चिन्तयापिष्टा 107. 58<sup>०</sup>.  
 ततः सा निर्मिता धान्वा 86. 44<sup>०</sup>.

ततः सा संनतिदीप्ता 19. 5<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनि पूर्वम् 95. 9<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनेः पुत्रं 79. 23<sup>०</sup>.  
 ततः सांदीपनेः पुत्रः 79. 18<sup>०</sup>.  
 ततः सुखं प्रकीर्णसु 57. 26<sup>०</sup>.  
 ततः सुग्मनिसुग्मौ च 47. 49<sup>०</sup>.  
 ततः सूर्यं चिरोदिते 78. 42<sup>०</sup>.  
 ततः सैन्येन महया 81. 88<sup>०</sup>.  
 ततः सोमस्य वचनात् 2. 44<sup>०</sup>.  
 ततः सोविप्रहा सूखा 83. 41<sup>०</sup>.  
 ततः स्थानसहस्रैस्त्वं 47. 48<sup>०</sup>.  
 ततः स्र द्वारकां प्राप्ताः 103. 30<sup>०</sup>.  
 ततः स्वपिति धर्मान्ते 40. 23<sup>०</sup>.  
 ततः स्वायतलक्षणा 86. 34<sup>०</sup>.  
 ततोऽभूराय दत्तवान् 29. 3<sup>०</sup>.  
 ततो गन्तांसि सागरम् 45. 28<sup>०</sup>.  
 ततो गम्भीरनिर्घोषा 89. 40<sup>०</sup>.  
 ततो ग्रामस्य मध्येऽहं 102. 2<sup>०</sup>.  
 ततोऽज्जाश्वं हति तौ 114. 13<sup>०</sup>.  
 ततो जयमुदीरयेत् 1. 0<sup>०</sup>.  
 ततो जरासंधयत् 84. 13<sup>०</sup>.  
 ततो ज्ञातोन्तमानाध्य 65. 7<sup>०</sup>.  
 ततो ज्ञानमथाप्स्यथ 12. 24<sup>०</sup>.  
 ततो ज्वरं कनकविचित्रभूपणं 110. 73<sup>०</sup>.  
 ततोऽथ वितयो नाम 23. 52<sup>०</sup>.  
 ततो दक्षः सुतां प्रादात् 3. 13<sup>०</sup>.  
 ततो ददर्श वृथिवीम् 85. 62<sup>०</sup>.  
 ततो दशसु मारुते 10. 61<sup>०</sup>.  
 ततो दाहाभ्युच्यते 110. 66<sup>०</sup>.  
 ततो दीक्षितमासीनम् 101. 8<sup>०</sup>.  
 ततो दूतस्य वचनात् 44. 46<sup>०</sup>.  
 ततो हृष्टुव गरुडम् 113. 1<sup>०</sup>.  
 ततो देवकिन्दन्तः 93. 30<sup>०</sup>.  
 ततो देवगणाः सर्वे 112. 73<sup>०</sup>.  
 ततो देवध्रवाः पुनः 24. 18<sup>०</sup>.  
 ततो देवाश्च नागाश्च 31. 48<sup>०</sup>.  
 ततो देवाः सगन्धर्वाः 82. 13<sup>०</sup>.  
 ततो देयेषु नर्दन्सु 112. 48<sup>०</sup>.  
 ततो देव्यास्तं रूपेण 107. 7<sup>०</sup>.  
 ततो द्वादश वर्षाणि 85. 10<sup>०</sup>.  
 ततो द्वारवर्तीमध्ये 108. 1<sup>०</sup>.  
 ततो द्वारवर्ती गत्वा 102. 19<sup>०</sup>.  
 ततो न निगृहीतः सः 99. 4<sup>०</sup>.

सतोऽन्तरमापेण 115 19<sup>०</sup>  
 सतो नमिन्द् महादेव 112 83<sup>०</sup>  
 सतो मादो महानभूत् 76 7<sup>०</sup>  
 सतोऽनिरद्वस्य गृध्रे 109 1<sup>०</sup>  
 सतो निर्भासितं रपं 8 35<sup>०</sup>  
 सतो निवार्योदानसं 20 36<sup>०</sup>  
 सतो निष्प्रभतां याते 112 4<sup>०</sup>  
 सतो नीरानार्थे वै 60 29<sup>०</sup>  
 सतोऽन्तरिक्षे यागामीत् 82 20<sup>०</sup>  
 सतोऽन्त पुरमध्ये सत् 94 22<sup>०</sup>  
 सतोऽन्या मधुसूदन 88 40<sup>०</sup>  
 सतोऽन्ये तपसा युजा 7 37<sup>०</sup>  
 सतोऽपरं महावीर्यां 3 75<sup>०</sup>  
 सतोऽपसृत्य सनुद् 89 44<sup>०</sup>  
 सतो यडी चषदेयं 87 62<sup>०</sup>  
 सतो यदुतिथे काले 21 29<sup>०</sup>  
 सतो याणसमीपस्था 108 29<sup>०</sup>  
 सतो याणसदृशैर्षे 108 64<sup>०</sup>  
 सतो सुबुधिरं जना 50 23<sup>०</sup>  
 सतोऽमवी महादेव 112 128<sup>०</sup>  
 सतो भगवतादिष्टौ 36 32<sup>०</sup>  
 सतो भय विष्णुमय 33 1<sup>०</sup>  
 सतो भवन्त ध्रौप्यन्ति 63 12<sup>०</sup>  
 सतोऽभिसन्धि पके वै 3 12<sup>०</sup>  
 सतो भूमौ प्रतिष्ठित 91 27<sup>०</sup>  
 सतो भूय स्वकर्मणा 14 7<sup>०</sup>  
 सतो भूः स्तुतिवाचयेन 100 51<sup>०</sup>  
 सतोऽभ्ययाङ्गिरिश्रष्टम् 92 19<sup>०</sup>  
 सतोऽभ्युपगमावष्टा 8 34<sup>०</sup>  
 सतोऽभ्युपगमाद्विद्या 3 103<sup>०</sup>  
 सतोऽभ्युपगमाद्राज्ञ 6 40<sup>०</sup>  
 सतो मनासि गोपीना 96 47<sup>०</sup>  
 सतो मनोगतिं याति 19 33<sup>०</sup>  
 सतो मन्वन्तरेऽतीति 4 17<sup>०</sup>  
 सतो मामवधीद्वच 100 46<sup>०</sup>  
 सतो मामाह गोविन्द 101 13<sup>०</sup>  
 सतो मामाह भगवान् 100 64<sup>०</sup>  
 सतो माहेश्वर युगम् 43 59<sup>०</sup>  
 सतो मा मानयेन्द्राय 42 46<sup>०</sup>  
 सतो मा वरुणोऽभ्येत् 45 22<sup>०</sup>  
 सतो मा व्रीडितं ज्ञात्वा 101 16<sup>०</sup>  
 सतो मुख्यतमा सर्वे 84 20<sup>०</sup>  
 सतो मुसुदिर जना 94 20<sup>०</sup>

सतो मूर्धाभिभूतं व 108 75<sup>०</sup>  
 सतो मोह प्रपठेते 113 39<sup>०</sup>  
 सतोऽम्बरतल्पस्थास्ते 113 7<sup>०</sup>  
 सतो यद्दमाभिभूतस्तु 20 45<sup>०</sup>  
 सतो यदोदा सनुदा 51 13<sup>०</sup>  
 सतो यदोदां गहंभ्यै 51 35<sup>०</sup>  
 सतो यान्तु वन पुा 59 30<sup>०</sup>  
 सतो यास्यायद् रथी 103 11<sup>०</sup>  
 सतो युगाते भूतानाम् 35 60<sup>०</sup>  
 सतो युदानि वृष्णीना 82 1<sup>०</sup>  
 सतो योगमयाप्तस्य 17 11<sup>०</sup>  
 सतो योरस्वामि सयुगे 21 20<sup>०</sup>  
 सतो रचान्तनयन 56 8<sup>०</sup>  
 सतो रजि महावीर्यं 21 24<sup>०</sup>  
 सतो रथे प्रज्वलितै 35 4<sup>०</sup>  
 सतो रथे सपुरौ 37 29<sup>०</sup>  
 सतो रामो महायाहु 110 41<sup>०</sup>  
 सतो रामो रपाञ्चित 29 21<sup>०</sup>  
 सतोऽर्धसुदधि साक्षान् 103 2<sup>०</sup>  
 सतोऽर्जुनेन तरसा 15 63<sup>०</sup>  
 सतोऽर्जय ममुच्यैर्षे 103 13<sup>०</sup>  
 सतोऽर्धरात्रसमये 50 20<sup>०</sup>  
 सतोऽध्वरतसस्तस्य 20 4<sup>०</sup>  
 सतो रेभे सुरैश्वर्यम् 21 36<sup>०</sup>  
 सतो लोकहित वाच्य 31 51<sup>०</sup>  
 सतो लोको ष्यमुद्यत 12 22<sup>०</sup>  
 सतोऽव्युच्यत तदा 53 10<sup>०</sup>  
 सतो वचनमप्रवीत् 89 34<sup>०</sup> 113 63<sup>०</sup>  
 सतो वनान्तरगत 83 18<sup>०</sup>  
 सतोऽव्युत्थ्य सदसा 108 70<sup>०</sup>  
 सतो वय पुन सर्वे 103 29<sup>०</sup>  
 सतो विज्ञाय पटस्थ 107 65<sup>०</sup>  
 सतो विभाण्डकस्तस्य 23 39<sup>०</sup>  
 सतो विभ्राजितं तेन 18 12<sup>०</sup>  
 सतो विरोधे देवानां 3 97<sup>०</sup>  
 सतो विनीणदेहास्ते 112 20<sup>०</sup>  
 सतो वृष्ण्यन्धका कृ ० 25 15<sup>०</sup> 28 17<sup>०</sup>  
 सतो वै देवमीडुपम् 24 1<sup>०</sup> 28 10<sup>०</sup>  
 सतो वैयभयत्रहा 5 43<sup>०</sup>  
 सतो वैन्य महाराज 5 41<sup>०</sup>  
 सतो वैवस्वत देव 79 17<sup>०</sup>  
 सतोऽञ्चोच नरोत्तम 101 14<sup>०</sup>  
 सतो व्रजस्य भाण्डानि 61 59<sup>०</sup>

ततोऽधराकृदित्येव 85 23<sup>१</sup>  
 ततोऽसृजत्पुनर्गद्गा 1 31<sup>१</sup>  
 ततोऽस्रबलवेगेन 112 70<sup>१</sup>  
 ततोऽस्र प्रत्यवाद्यत् 10 36<sup>१</sup>  
 ततोऽस्र वैष्णव घोरम् 113 23<sup>१</sup>  
 ततोऽस्र सुमहावेग 112 72<sup>१</sup>  
 ततोऽस्रे ज्वलिते पुन 113 27<sup>१</sup>  
 ततोऽस्माभिलदा तात 102 11<sup>१</sup>  
 ततोऽस्य विज्ञाय चिकीर्षित तदा 115 7<sup>१</sup>  
 ततोऽस्य सभ्यमूढ ते 5 15<sup>१</sup>  
 ततो हत्वा जरासध 22 14<sup>१</sup>  
 ततोऽहमशुभ यज्ञान् 100 73<sup>१</sup>  
 ततोऽहमथमेत वै 12 19<sup>१</sup>  
 ततो हर्म्ये दायाना तु 107 19<sup>१</sup>  
 ततो हृत्धरो मत् 110 65<sup>१</sup>  
 ततोऽह कामयामि ध्वा 99 23<sup>१</sup>  
 ततोऽह तस्य दुर्बुद्धे 15 43<sup>१</sup>  
 ततोऽह तस्य वचनात् 12 1<sup>१</sup>  
 ततोऽह तानपश्य वै 15 2<sup>१</sup>  
 ततोऽह देवदेवेन 106 35<sup>१</sup>  
 ततोऽह नातिधर्मिष्ठान् 16 3<sup>१</sup>  
 ततोऽह परमप्रीत 106 37<sup>१</sup>  
 ततोऽह प्रस्थितस्तदा 102 18<sup>१</sup>  
 ततोऽह व्युत्थित्येन्येन 101 18<sup>१</sup>  
 ततो हाहावृत्ता सर्वा 48 24<sup>१</sup>  
 ततो हिमकरोत्सृष्टा 36 13<sup>१</sup>  
 ततो हिरभ्यरुशिपु 47 19<sup>१</sup>  
 ततो हृष्टमना हृष्य 81 2<sup>१</sup>  
 ततो हैमवती वाक्य 107 14<sup>१</sup>  
 ततोऽज्ञानवर्नि देवा 43 69<sup>१</sup>  
 ततोऽमुमन्व गोविन्द 88 12<sup>१</sup>  
 तत्कथ्यमानममृतम् 115 2<sup>१</sup>  
 तत्कर्मोत्सामित्तुष्टु 64 22<sup>१</sup>  
 तत्कपायस्य सक्षणम् 117 11<sup>१</sup>, 13<sup>१</sup>, 14<sup>१</sup>  
 तत्कालययनो युध्वा 85 32<sup>१</sup>  
 तत्कारमणीयाद्गी 43 40<sup>१</sup>  
 तत्कालं ज्ञातिभिर्वृत 83 20<sup>१</sup>  
 तत्कालं ज्ञातिभि साधै 54 42<sup>१</sup>  
 तत्कृष्ण परिचित्यताम् 69 21<sup>१</sup>  
 तत्तथा न तदयथा 12 29<sup>१</sup>, 33<sup>१</sup>  
 तत्तदुपमुपागत 65 44<sup>१</sup>  
 तत्तस्य कर्षतो बद्ध 51 17<sup>१</sup>  
 तत्तस्या यचने शुस्था 19 10<sup>१</sup>

तत्तालवनमुत्तमम् 57 24<sup>१</sup>  
 तत्तालवनमुत्सृज्य 58 1<sup>१</sup>  
 तत्तावत्कतुंमईसि 9 51<sup>१</sup>  
 तनु तालवन दृगा 57 11<sup>१</sup>  
 तत्तनुपूर्वा वक्ष्यामि 11 7<sup>१</sup>  
 तत्ते प्रतिकरिष्यामि 65 75<sup>१</sup>  
 तत्ते मम कृते नृप 31 98<sup>१</sup>  
 तत्तेऽह सप्रवक्ष्यामि 1 6<sup>१</sup> 31 12<sup>१</sup>  
 तत्तवतो मम शोभने 107 74<sup>१</sup>  
 तत्तदवर्षां च नामत 18 25<sup>१</sup>  
 तत्तदवर्षां निरुत्सुक 7 24<sup>१</sup>  
 तत्तददृष्टार्थंवा वाचा 40 44<sup>१</sup>  
 तत्तदमित्छाम्यह देवि 99 13<sup>१</sup>  
 तत्तया समुदाहृतम् 58 41<sup>१</sup>  
 तत्त किमिदमत्यर्थ 107 43<sup>१</sup>  
 तत्त्वान्वेषी तथा दुःख 49 7<sup>१</sup>  
 तत्तपद्भ्रममपद्भ्रजम् 30 16<sup>१</sup>  
 तत्तपद परमं ब्रह्म 104 11<sup>१</sup>  
 तत्तपयो दधि चोत्तमम् 60 18<sup>१</sup>  
 तत्तपस्त्वन्मनाश्चासि 109 49<sup>१</sup>  
 तत्तपर प्रयत् श्राद्धी 11 9<sup>१</sup> 14 11<sup>१</sup>  
 तत्तपरा व्रतमास्थिता 3 101<sup>१</sup>  
 तत्तपदयन्ति दिवौरुत 58 40<sup>१</sup>  
 तत्तदुत्तरसे भ्रातृव् 9 20<sup>१</sup>  
 तत्तप्रणय निबोधस्व 115 31<sup>१</sup>  
 तत्तप्रमायेऽकरोहुदि 87 40<sup>१</sup>  
 तत्तप्रयच्छस्व मानाहं 29 36<sup>१</sup>  
 तत्तप्रवतेस्व वशाय 35 30<sup>१</sup>  
 तत्तप्रसीदस्व भगवत् 31 49<sup>१</sup>  
 तत्तत्र कन्यामवाप स 26 16<sup>१</sup>  
 तत्तत्र कार्यं विधीयताम् 107 46<sup>१</sup>  
 तत्तत्र कालं मनो वाच 1 28<sup>१</sup>  
 तत्तत्र गाथा महातरा 22 36<sup>१</sup>  
 तत्तत्र गोवर्धनं चैव 52 27<sup>१</sup>  
 तत्तत्र धामरदासैश्च 74 8<sup>१</sup>  
 तत्तत्र ज्ञे स्वय द्रवा 1 25<sup>१</sup>  
 तत्तत्र जम् कुम्णा वै 1 5<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तत्र निषेदिता 93 53<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तत्र प्रजा सर्वा 6 12<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तत्र प्रभासद्भि 94 2<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तत्र विशा पते 9 34<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तत्र समासेन 1 10<sup>१</sup>  
 तत्तत्र तद्युद्धमभवत् 20 34<sup>१</sup>

सत्र तस्यासतः कालः 50. 1<sup>०</sup>.  
 सत्र तं बालसूर्याभे 49. 30<sup>०</sup>.  
 सत्र ता वरहेमाभाः 92. 23<sup>०</sup>.  
 सत्र तेषां नृवीराणाम् 62. 87<sup>०</sup>.  
 सत्र त्वं शिशुरेवादी 45. 39<sup>०</sup>.  
 सत्र त्वामुपयासति 43. 27<sup>०</sup>.  
 सत्र त्यां शतदण्डाः 47. 46<sup>०</sup>.  
 सत्र दामोदरो वाक्यं 57. 7<sup>०</sup>.  
 सत्र दिव्याम्बरधरा 9. 5<sup>०</sup>.  
 सत्र देवाः समस्तः 113. 45<sup>०</sup>.  
 सत्र देवो हुताशनः 30. 44<sup>०</sup>.  
 सत्र न स्याद्विचारणा 75. 15<sup>०</sup>.  
 सत्र निक्षिप्य दारकम् 48. 19<sup>०</sup>.  
 सत्र यण्डोः श्रिया जुष्टे 43. 51<sup>०</sup>.  
 सत्र पुण्या वसुवतीः 92. 20<sup>०</sup>.  
 सत्र प्रासादमुष्यो वै 93. 51<sup>०</sup>.  
 सत्र भूतानि सर्वाणि 7. 53<sup>०</sup>.  
 सत्र मञ्जवद्दद्यात् 96. 56<sup>०</sup>.  
 सत्र मन्त्रयतामेवं 46. 14<sup>०</sup>.  
 सत्र मह्यः समापेतुः 96. 54<sup>०</sup>.  
 सत्र मिथ्याप्रलापं ते 86. 15<sup>०</sup>.  
 सत्र यत्नपरो भव 49. 4<sup>०</sup>.  
 सत्र याद्वपुंगवाः 84. 31<sup>०</sup>.  
 सत्र युद्धमभून्मदत् 91. 53<sup>०</sup>.  
 सत्र रक्षो विधीयताम् 101. 12<sup>०</sup>.  
 सत्र राजश्रिया वृतः 43. 39<sup>०</sup>.  
 सत्र वैवतकी नाम 84. 27<sup>०</sup>.  
 सत्र चासि ह्य भेत्तव्यं 49. 10<sup>०</sup>.  
 सत्र विघ्नं चरन्ति स्म 91. 4<sup>०</sup>.  
 सत्र विष्णुश्च शक्रश्च 3. 50<sup>०</sup>.  
 सत्र बुद्धतमस्त्वैकः 59. 4<sup>०</sup>.  
 सत्र वृष्यन्धकाः सर्वे 91. 25<sup>०</sup>.  
 सत्र वैदूर्यवर्णानि 92. 21<sup>०</sup>.  
 सत्र वै विहितः साक्षात् 93. 29<sup>०</sup>.  
 सत्र दारकस्तवया कृष्ण 109. 43<sup>०</sup>.  
 सत्र क्षिप्रास्तु ये देवाः 20. 35<sup>०</sup>.  
 सत्र शूराः समाख्याताः 1. 9<sup>०</sup>.  
 सत्र पश्चिमद्वाराणि 10. 59<sup>०</sup>.  
 सत्र सख्यैवो रूप 7. 18<sup>०</sup>.  
 सत्र सर्वे च दंष्ट्रिणः 3. 90<sup>०</sup>.  
 सत्र सुमज्जे निशि 50. 22<sup>०</sup>.  
 सत्र सोमगतिर्ब्रह्म 62. 27<sup>०</sup>.  
 सत्रस्थ एव भगवान् 86. 63<sup>०</sup>.

सत्रस्थैरुपधार्यते 78. 10<sup>०</sup>.  
 सत्र स्पन्दोलिकाभिश्च 58. 10<sup>०</sup>.  
 सत्र स्म दानया घोराः 32. 11<sup>०</sup>.  
 सत्र हरवा पद्ममेध्यान् 59. 29<sup>०</sup>.  
 सत्राकुम्भद्वलापुषः 89. 32<sup>०</sup>.  
 सत्राजामुर्नराधिपाः 89. 14<sup>०</sup>.  
 सत्राग्निः सर्वलोकानां 20. 1<sup>०</sup>.  
 सत्रादितिमुपासन्तीम् 92. 54<sup>०</sup>.  
 सत्रानिन्युः सहस्राः 89. 25<sup>०</sup>.  
 सत्रानिहृद्हरणं 109. 45<sup>०</sup>.  
 सत्रानिहृदं द्रुपा सा 107. 72<sup>०</sup>.  
 सत्रानुपन्धश्च महान् 109. 44<sup>०</sup>.  
 सत्रान्तरिक्षं बहुधा 108. 35<sup>०</sup>.  
 सत्रान्तर्द्वितमेव च 11. 31<sup>०</sup>.  
 सत्रापां प्रथमो भागः 30. 41<sup>०</sup>.  
 सत्रापि सहजां हीलां 43. 25<sup>०</sup>.  
 सत्राप्यावीचकमभूर् 115. 18<sup>०</sup>.  
 सत्राप्यं वसनां पापः 52. 28<sup>०</sup>.  
 सत्रापतर लोकानां 45. 37<sup>०</sup>.  
 सत्रावशिष्टान्मनुजान् 43. 57<sup>०</sup>.  
 सत्राश्वं नया दष्टं 70. 37<sup>०</sup>.  
 सत्रासनमलं कृत्य 91. 31<sup>०</sup>.  
 सत्रासनानि मुख्यानि 74. 10<sup>०</sup>.  
 सत्रासीनेषु सर्वेषु 91. 26<sup>०</sup>.  
 सत्रासीत्तरकेणास्य 91. 54<sup>०</sup>.  
 सत्रासी गोषु निरतः 45. 35<sup>०</sup>.  
 सत्राहमासे निरतः 35. 59<sup>०</sup>.  
 सत्राहृताश्च राजानः 89. 2<sup>०</sup>.  
 सत्रेनो दारकौ गत्वा 49. 3<sup>०</sup>.  
 सत्रेह च विधीयतः 30. 29<sup>०</sup>.  
 सत्रैकलव्यसंवासाः 84. 28<sup>०</sup>.  
 सत्रैका जगृहे पुत्रान् 10. 57<sup>०</sup>.  
 सत्रैव गजयूथानि 93. 66<sup>०</sup>.  
 सत्रैव गुरुकं भाण्डं 70. 6<sup>०</sup>.  
 सत्रैव त्वां भगिन्पर्ये 47. 47<sup>०</sup>.  
 सत्रैव पार्वती नाम 45. 48<sup>०</sup>.  
 सत्रैव बलकेशवी 70. 30<sup>०</sup>.  
 सत्रैव बसुरष्टमः 43. 48<sup>०</sup>.  
 सत्रैवान्तरधीयत 14. 11<sup>०</sup>. 19. 12<sup>०</sup>. 4:  
 108. 80<sup>०</sup>. 112. 129<sup>०</sup>.  
 सत्रैवान्तर्दिगस्ते च 103. 19<sup>०</sup>.  
 सत्रैवा देवकी या ते 46. 15<sup>०</sup>.  
 सत्रोपविष्टः प्रसूत् 106. 20<sup>०</sup>.



तत्रोपविष्टांस्त्रान्वीरान् 95. 18<sup>०</sup>.  
 तत्रोवाच महामतिः 86. 13<sup>६</sup>.  
 तत्रोपा काममोहिता 107. 57<sup>६</sup>.  
 तत्रोपा नाम भामिनी 107. 9<sup>६</sup>.  
 तत्रोपा विभिमता दृष्ट्वा 108. 8<sup>०</sup>.  
 तत्रौजसा महातेजाः 88. 33<sup>०</sup>.  
 तत्स बालो बृहद्दं 71. 51<sup>०</sup>.  
 तत्सर्पभवनं महत् 56. 4<sup>६</sup>.  
 तत्सर्वमुपनीयताम् 60. 12<sup>६</sup>.  
 तत्सर्वं पुण्डरीकाक्षः 100. 79<sup>०</sup>.  
 तत्सर्वं वासुदेवस्य 85. 45<sup>०</sup>.  
 तत्सुरासुरसंयुक्तं 35. 3<sup>०</sup>.  
 तत्सृष्टं पद्मयोनिना 112. 88<sup>६</sup>.  
 तत्सैन्यं निहतेश्वरम् 85. 66<sup>६</sup>.  
 तत्सैन्यं प्रत्यपद्यत 85. 65<sup>६</sup>.  
 तत्सैन्यं महद्रायाद्गै 85. 24<sup>०</sup>.  
 तत्सन्निभतमिषामाति 35. 11<sup>०</sup>.  
 तत्स्यादित्यवगम्यताम् 89. 41<sup>६</sup>.  
 तथा कष्टकित्तुर्दुर्मैः 53. 22<sup>६</sup>.  
 तथा कर्म महत्कृत्वा 92. 70<sup>०</sup>.  
 तथा कारीपयः स्मृताः 23. 90<sup>०</sup>.  
 तथा काठीयकान्यपि 92. 15<sup>६</sup>.  
 तथा कुण्डलिनोऽसुराः 31. 86<sup>०</sup>.  
 तथा कुह जनादन 101. 12<sup>६</sup>.  
 तथा कृष्णाजिनान्वराः 31. 85<sup>०</sup>.  
 तथा क्षणमुद्दृत्ताग्नां 96. 12<sup>०</sup>.  
 तथा शाण्डीवधन्वानं 97. 17<sup>०</sup>.  
 तथा गुरुसमतेः प्रभुः 23. 54<sup>६</sup>.  
 तथा गुरुसमतेः पुत्राः 23. 55<sup>६</sup>.  
 तथा योग्यवला च स्त्री 23. 8<sup>०</sup>.  
 तथा घोरमन्तव 91. 45<sup>०</sup>.  
 तथा चित्रान्नादं प्रभुम् 13. 37<sup>६</sup>.  
 तथा चैत्ररयोपमैः 93. 13<sup>६</sup>.  
 तथा चैलापद्मरिणः 117. 21<sup>६</sup>.  
 तथा तच्छृणु दानव 106. 12<sup>६</sup>.  
 तथा तथापि दुर्गोऽयं 112. 93<sup>०</sup>.  
 तथा तात करिष्यामि 21. 23<sup>०</sup>.  
 तथा तृप्ति न गच्छामि 115. 13<sup>०</sup>.  
 तथा ते शान्ति संक्षयम् 106. 63<sup>६</sup>.  
 तथा त्वं देव माण्डोत्सि 86. 24<sup>०</sup>.  
 तथा द्वापरयोऽन्यथा 10. 74<sup>६</sup>.  
 तथा देयार्थिभिः सदा 20. 30<sup>६</sup>.  
 तथा दानववंशजाः 107. 68<sup>६</sup>.

तथा देवान्सवासवान् 22. 6<sup>६</sup>.  
 तथा द्विहायना दम्बाः 116. 18<sup>०</sup>.  
 तथा नागपतिं तोये 97. 26<sup>०</sup>.  
 तथा न्यानि सितानि च 59. 41<sup>०</sup>.  
 तथा न्ये चापि राक्षसाः 31. 127<sup>६</sup>.  
 तथा न्ये पृथिवीपालाः 85. 27<sup>६</sup>.  
 तथा न्ये सैन्धवाधनाः 23. 90<sup>६</sup>.  
 तथा न्येऽर्द्धिष्णिवीराणां 82. 3<sup>०</sup>.  
 तथा पद्मावती चैव 28. 34<sup>०</sup>.  
 तथा परिषपाणयः 31. 78<sup>६</sup>.  
 तथा पत्त्वलकर्षकाः 116. 18<sup>६</sup>.  
 तथा पुत्रसहस्रिणः 31. 134<sup>६</sup>.  
 तथा पुत्रं महायत्नम् 87. 4<sup>६</sup>.  
 तथा प्रकृतयः स्थूलाः 7. 23<sup>६</sup>.  
 तथा प्रत्यापयस्व माम् 19. 9<sup>६</sup>.  
 तथा प्राणेश्वरान्नातिः 39. 14<sup>०</sup>.  
 तथा ब्राह्मण्यवत्सयोः 18. 16<sup>०</sup>.  
 तथा बाहूद्भयो नृपः 10. 50<sup>६</sup>.  
 तथा भद्रस्य भक्षिणः 116. 34<sup>६</sup>.  
 तथा भुजामश्लिष्टेन 83. 26<sup>०</sup>.  
 तथा भद्रः प्रवर्तताम् 41. 30<sup>६</sup>.  
 तथा मन्दाकिनीतटे 21. 6<sup>६</sup>.  
 तथा मन्दाकिनी नदी 93. 21<sup>६</sup>.  
 तथा महर्षिप्रमवा इमा गिरः 118. 45<sup>६</sup>.  
 तथा मे दक्षिणे भवान् 110. 48<sup>०</sup>.  
 तथा यज्ञफलानां च 115. 32<sup>०</sup>.  
 तथा रैवतकं गिरिम् 109. 35<sup>६</sup>.  
 तथा लघुशरणयः 31. 79<sup>०</sup>.  
 तथा श्लोको जनार्दानात् 39. 12<sup>०</sup>.  
 तथा यजस्य संघयान् 92. 3<sup>०</sup>.  
 तथा वनगतः शौरिः 96. 42<sup>०</sup>.  
 तथा बल्कलवाससः 31. 85<sup>६</sup>.  
 तथा वृद्धिः द्रमागत 117. 44<sup>६</sup>.  
 तथा वेदेषु देवैश्च 39. 13<sup>०</sup>.  
 तथा दाहृशिरा विभुः 3. 66<sup>६</sup>.  
 तथा दाससहस्रजाः 97. 39<sup>६</sup>.  
 तथा धूरः सपरमजिम् 98. 10<sup>६</sup>.  
 तथा शृणु मदीपने 3. 2<sup>६</sup>.  
 तथा सत्यवती नृप 23. 85<sup>०</sup>.  
 तथा सिंहासनानि च 92. 4<sup>६</sup>.  
 तथा सुदुष्टप्रतिबलः 96. 38<sup>०</sup>.  
 तथा स्त्रियति विनिर्गता 47. 57<sup>६</sup>.  
 तथाहं तच्च मे मतम् 58. 45<sup>०</sup>.

तथाई महद्येतन 102 13<sup>०</sup>  
 तथाई नायगन्तव्य 63 11<sup>०</sup>  
 तथाई भयताप्युक्त 109 25<sup>०</sup>  
 तथा हिरण्यलोमान 4 14<sup>०</sup>  
 तथा हि योमानं तं 85 8<sup>०</sup>  
 तथा इत्योत्थिता बुद्धि 68 35<sup>०</sup>  
 तथेत्यभिहितो भर्ता 3 102<sup>०</sup>  
 तथेत्याह ततो मुनि 10 57<sup>०</sup>  
 तथेत्युक्ता तथा च सा 8 13<sup>०</sup>  
 तथेत्युपरग च तस्यासीत् 17 2<sup>०</sup>  
 तथेत्युपरग च ते तर्षे 16 12<sup>०</sup>  
 तथेत्युपरग तु गुरुः 113 12<sup>०</sup>  
 तथेत्युपरग पुनर्नदी 112 85<sup>०</sup>  
 तथेत्युपरग स तद्युद्ध 110 23<sup>०</sup>  
 तथेत्येवाम्रवीरहृण 79 12<sup>०</sup>  
 तथेत्येवाम्रवीरज्ञा 21 26<sup>०</sup>  
 तथेय हि त्यया कार्या 86 29<sup>०</sup>  
 तथेय कामान्विविधासमश्रुते 118 44<sup>०</sup>  
 तथेय च मनो नित्यम् 104 23<sup>०</sup>  
 तथेय च विसमूह 76 31<sup>०</sup>  
 तथेय च श्रुतवांग 88 14<sup>०</sup>  
 तथेय च समारूढी 114 13<sup>०</sup>  
 तथेय ज्ञातिलुब्धस्य 77 46<sup>०</sup>  
 तथेय तस्मिन् प्रज्ञ 16 32<sup>०</sup>  
 तथेय तव दुर्धर्षे 118 32<sup>०</sup>  
 तथेय तव सोऽर्जुन 62 81<sup>०</sup>  
 तथेय त्रिदिश देया 31 62<sup>०</sup>  
 तथेय परिहर्षयन् 83 5<sup>०</sup>  
 तथेय पुत्रो भगवान् 7 31<sup>०</sup>  
 तथेय प्राह तान्सर्वान् 83 5<sup>०</sup>  
 तथेय बलदा शक्र 109 21<sup>०</sup>  
 तथेय भरतर्षभ 103 29<sup>०</sup>  
 तथेय भ्रातर चास्य 78 45<sup>०</sup>  
 तथेय मरुतोऽभवन् 3 109<sup>०</sup>  
 तथेय मेरुस्तावर्णा 7 5<sup>०</sup>  
 तथेय यवनाधिप 85 34<sup>०</sup>  
 तथेय रामोऽतिबल 96 17<sup>०</sup>  
 तथेय वनवेपेण 83 53<sup>०</sup>  
 तथेय वसुधा जित्वा 68 33<sup>०</sup>  
 तथेय यद्वै शुचिभि 6 48<sup>०</sup>  
 तथेय सह गोपीभि 83 5<sup>०</sup>  
 तथेनाद्भिरसस्त्र 20 12<sup>०</sup>  
 तथेयाद्यापि ददयन्ते 16 26<sup>०</sup>

तथेयानामताश्च ये 7 6<sup>०</sup>  
 तथेयान्त्तं पुरं मुनि 10 4<sup>०</sup>  
 तथेयान्त्तरतां गंग 113 17<sup>०</sup>  
 तथेयान्भयद्वयासीत् 23 5<sup>०</sup>  
 तथेयान्दुर्धुगे युगे 117 50<sup>०</sup>  
 तथेयान्सीनमुत्सङ्गे 70 32<sup>०</sup>  
 तथेयान्ति तत्रानघ 86 65<sup>०</sup>  
 तथेयान्दतिभीन्मकौ 96 52<sup>०</sup>  
 तथ्यमेतन्मम वच 35 54<sup>०</sup>  
 तदण्डमकरोद्भूष 1 26<sup>०</sup>  
 तदण्डमुदकेशयम् 1 25<sup>०</sup>  
 तदद्भुतमपूजयत् 35 64<sup>०</sup>  
 तदद्भुतमिवाभवत् 112 19<sup>०</sup>  
 तदद्भुतं दैत्यसदृशगार् 33 32<sup>०</sup>  
 तदानीकपुर सरम् 112 11<sup>०</sup>  
 तदनुविचिन्त्य यन्व वीतमन्यु 118 42<sup>०</sup>  
 तदनुष्ठीयता वच 78 32<sup>०</sup>  
 तदनेन तयोमेण 38 60<sup>०</sup>  
 तदप्यतिबले विष्णु 92 42<sup>०</sup>  
 तदप्यमितेजसा 93 55<sup>०</sup>  
 तदप्यचसित हृत्त्र 113 67<sup>०</sup>  
 तदप्युत्पाद्य कृष्णार्थम् 93 56<sup>०</sup>  
 तदप्रतिहत युद्ध 8 45<sup>०</sup> 112 67<sup>०</sup>  
 तदभूजुमुल युद्ध 42 26<sup>०</sup>  
 तद्वरण्य इमसानाम 67 7<sup>०</sup>  
 तद्वचन्ति दिवीकस 58 42<sup>०</sup>  
 तद्वचद्द्वय सचिन्त्या 43 1<sup>०</sup>  
 तदर्थं या समागता 82 26<sup>०</sup>  
 तदशब्दयमचिन्त्य च 79 19<sup>०</sup>  
 तदसकृपेयमेकरुष 110 38<sup>०</sup>  
 तदसकृत्तपनुप 36 29<sup>०</sup>  
 तदस्त्रशस्त्रप्रथित 37 35<sup>०</sup>  
 तदस्मारु गुरुस्त्व हि 62 41<sup>०</sup>  
 तदस्माकं परा यज्ञा 100 72<sup>०</sup>  
 तदस्माकं विनिश्चितम् 109 52<sup>०</sup>  
 तदस्य कश्यपस्यार 45 34<sup>०</sup>  
 तदस्य सर्पराजस्य 55 54<sup>०</sup>  
 तदस्या श्रुतवन्त स्य 41 27<sup>०</sup>  
 तदह स्वस्या विष्णो 44 19<sup>०</sup>  
 तदह ध्रोतुमिच्छामि 106 2<sup>०</sup>  
 तदह समनुप्राप्त 62 34<sup>०</sup>  
 तदा वृद्धो बडे सुत 108 82<sup>०</sup>  
 तदापूर उदहलात् 70 31<sup>०</sup>

सदानवयवनं महत् 44 4<sup>5</sup>  
 सदास वक्ष्य मात्स्य 51 19<sup>6</sup>  
 सद्दिनतल भित्त्वा 100 18<sup>6</sup>  
 सद्दिव्यक्षगन्धर्व 82 14<sup>6</sup>  
 सद्दुर्दैव्यप्रतिभम् 71 49<sup>3</sup>  
 सद्दुर्लभसन्निभम् 71 40<sup>3</sup>  
 सद्दुर्विस्तार पुत्रस्य 35 59<sup>6</sup>  
 सद्द्वारयस्य गाक्षेय 19 30<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 113 16<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 81 22<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 12 31<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 11 27<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 11 31<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 108 11<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः रत 109 49<sup>3</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तुमईति 8 23<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तु मे 1 8<sup>6</sup> 15 9<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तुमईति 15 6<sup>6</sup> 23 1<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तुमईति 110 62<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः भोगवन्धनम् 56 29<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 88 32<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तु 49 7<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः लक्षणम् 116 23<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 115 41<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 35 6<sup>6</sup> 37 21<sup>6</sup> 42 25<sup>6</sup> 44 47<sup>6</sup>  
 75 33<sup>6</sup> 81 52<sup>6</sup> 87 73<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 79 23<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः महायाहु 91 21<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः रक्षोभि 9 33<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः तस्य दैव्यस्य 44 51<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः वनचारिणा 53 32<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः पर्ययागतम् 100 84<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 60 1<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 93 40<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः मनुष्यदनात् 39 10<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः स्वयं बुद्ध्या 110 14<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः यद्विदितम् 65 93<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः बाणैःपि 106 60<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 6 24<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः स्मृतम् 1 38<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 34 46<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 21 28<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः वैश्वान 104 18<sup>6</sup>

सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 53 30<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 22 3<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 23 50<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 9 68<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 24 21<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 108 60<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 43 22<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 62 98<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 54 17<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 117 36<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 24 32<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 46 30<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 3 22<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 3 48<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 13 75<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 7 14<sup>6</sup>, 26<sup>6</sup> 10 55<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 15 67<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 72 17<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 100 66<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 36 46<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 42 46<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 59 28<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 112 67<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 84 7<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 112 110<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 39 8<sup>6</sup> 91 54<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 45 16<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 99 24<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 91 1<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 108 89<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 7 20<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 87 37<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 9 54<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 2 55<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 34 21<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 110 24<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 2 34<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 13 16<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 23 22<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 35 24<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 35 60<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 10 55<sup>6</sup>  
 सद्दुर्लभकृष्णबाणैः 31 34<sup>6</sup>

तपसा निर्मित महत् 112 67<sup>f</sup>  
 तपसा निष्फलेन च 16 37<sup>d</sup>  
 तपसानेन सुवत 31 40<sup>b</sup>  
 तपसा प्रज्ञाचर्येण 7 52<sup>e</sup>  
 तपसा भावितात्मन 3 80<sup>d</sup>  
 तपसे छतमानस 85 63<sup>d</sup>  
 तपसे सशितवत 3 104<sup>f</sup> 9 63<sup>d</sup>  
 तपसोऽन्तेऽस्य महाव्यसा 22 42<sup>b</sup>  
 तपसोऽन्तेऽस्य भगवान् 31 52<sup>e</sup>  
 तपस्तेषु महाभाग 20 17<sup>e</sup>  
 तपस्तेषु महाराज 2 10<sup>e</sup>  
 तपस्तेषु सुदारुणम् 35 23<sup>f</sup> 85 9<sup>d</sup>  
 तपस्युदे रवान्सदा 23 13<sup>d</sup>  
 तपस्यिनो महावीर्या 3 65<sup>e</sup>  
 तपस्वी ब्राह्मणश्च त्वां 23 153<sup>e</sup>  
 तपस्वी सत्यविरुक्ति 2 17<sup>b</sup>  
 तप परमदुश्चरम् 2 3<sup>d</sup> 23 139<sup>f</sup>  
 तप प्रकर्षादिति पुराणम् 50 19<sup>f</sup>  
 तप फलेन वा राजन् 19 8<sup>e</sup>  
 तप शरीरा सर्वास्त्रा 13 20<sup>e</sup>  
 तप सत्य च भारत 104 17<sup>b</sup>  
 तपान्ते जलदो यथा 37 1<sup>d</sup>  
 तपोऽतप्य सुदुश्चरम् 12 4<sup>d</sup>  
 तपोदीर्घेण चतुषा 97 41<sup>b</sup>  
 तपोबलसमाधिभि 96 1<sup>b</sup>  
 तपो प्रज्ञ च दाश्वतम् 6 17<sup>d</sup>  
 तपोभूतस्तपस्विनाम् 30 36<sup>b</sup>  
 तपोमूलस्तपोधन 7 20<sup>b</sup>  
 तपोयज्ञार्थवेदाना 116 14<sup>e</sup>  
 तपोरतिरकल्माष 7 20<sup>e</sup>  
 तपो वर्षशत तेषु 23 104<sup>e</sup>  
 तपो वर्षाणि राघव 31 118<sup>b</sup>  
 तपो वा नियमोऽपि वा 16 37<sup>f</sup>  
 तपो वा रक्षव प्रजा 118 16<sup>b</sup>  
 तपोवीर्यासमुपपन्न 12 11<sup>e</sup>  
 तप्तकाश्रमभूपणम् 32 22<sup>b</sup>  
 तप्तवृण्डलभूपणम् 34 42<sup>b</sup>  
 तप्यमानासपस्वीभि 47 13<sup>e</sup>  
 तमदूर जनाईन 29 35<sup>d</sup>  
 तमप्रिमभिषेचयत् 110 17<sup>f</sup>  
 तममगो द्विज हृन्वा 101 18<sup>e</sup>  
 तमतिप्रान्तमर्षादम् 5 8<sup>e</sup>  
 तमत्रिर्द्विज इन्द्रा 5 17<sup>e</sup>

तमध्यासन्त निर्वृता 53 35<sup>d</sup>  
 तमग्वा भावविकचै 63 31<sup>e</sup>  
 तमन्वयुर्जरासध 80 16<sup>e</sup>  
 तमन्वयुर्दुःखगणा 34 47<sup>e</sup>  
 तमन्वयुर्दुःपाश्र्वै 88 4<sup>e</sup>  
 तमपास च तत्रैव 114 9<sup>e</sup>  
 तमपृच्छ सनातनम् 12 19<sup>b</sup>  
 तमप्याहुर्मनुष्येन्द्र 31 112<sup>e</sup>  
 तमप्रतिमकर्माण 38 44<sup>e</sup>  
 तमसा निष्प्रभ सर्वै 32 18<sup>e</sup>  
 तमसा नीलरचेत 35 16<sup>b</sup>  
 तमसा युज्यते सदा 113 39<sup>e</sup>  
 तमस्त्यश्च कथ घोर 104 5<sup>e</sup>  
 तमह शृङ्गया वाचा 43 36<sup>e</sup>  
 तमशुमान्महाबाहु 88 11<sup>e</sup>  
 तम प्रोत्सार्थं चतुषा 36 6<sup>e</sup>  
 तमागस्कारिण वृर 31 126<sup>e</sup>  
 तमादिदुरत्य देव 10 48<sup>e</sup>  
 तमापतन्तमुद्भूत 64 14<sup>e</sup>  
 तमापतन्त दृष्ट्वैव 108 20<sup>e</sup>  
 तमापतन्त प्रमुखे 64 16<sup>e</sup>  
 तमापतन्त त्रिव्याध 87 72<sup>e</sup>  
 तमापतन्त सप्रेक्ष्य 67 12<sup>e</sup>  
 तमाविशचदा विष्णु 9 65<sup>e</sup>  
 तमाद् हृण्य क्रासौ भो 79 13<sup>e</sup>  
 तमाद् हृण्य सहृष्ट 70 15<sup>e</sup>  
 तमाद् वेशो हृष्ट 70 34<sup>e</sup>  
 तमाद् सस्मित हृण्य 58 34<sup>e</sup>  
 तमाद्दामितदग्निम् 69 26<sup>b</sup>  
 तमाद्दृतिरभापत 89 30<sup>b</sup>  
 तमिडा प्रत्युवाच ह 9 6<sup>d</sup>  
 तमिन्द्रो रुषित पुन 3 108<sup>b</sup>  
 तमुक्त्वा कर्म साकरोत् 51 14<sup>d</sup>  
 तमुचुर्मंशानपय 35 26<sup>e</sup>  
 तमुत्तङ्गैऽप विप्रार्थि 9 50<sup>e</sup>  
 तमुत्सृज्य तदात्मान 12 21<sup>e</sup>  
 तमुपश्रुत्य सङ्क्रुद्ध 90 9<sup>e</sup>  
 तमुपानारय स नृप 85 13<sup>e</sup>  
 तमुपाश्रममुद्यत 10 9<sup>d</sup>  
 तमुपेक्षितवानय 29 31<sup>b</sup>  
 तमुपेत्य महादिव 112 109<sup>e</sup>  
 तमुपेन्द्रमारिदम् 79 37<sup>b</sup>  
 तमुवाच जनाईन 103 3<sup>d</sup>

तस्मिन्नन्वर्हिते देवे 15. 1<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नपरितोषो यः 10 10<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नद्विनि निवृत्ते 74 1<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नानाजनाकीर्णं 74 16<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नारायणाश्रमे 40 34<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नक्षिपतिते देवा 20 11<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नक्षिपतिते दैत्ये 38 50<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नुरपातलक्षणे 32 17<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नुरपरे राजन् 85 26<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नेव क्षणे प्राप्ते 108 12<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नेव ततः षाडे 86 23<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नेव महायज्ञे 5 33<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नेव मुहूर्ते तु 65 101<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्नेव भ्रजस्थाने 52 1<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्पर्यायनिवृत्ते 60. 34<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्पुरवरक्षेत्रे 93 29<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्पुरवरे नद्य 93 63<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्प्रयाते दुर्भवे 9 66<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्महाशिरस्यखे 112 42<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्भूमी निपतिते 100 20<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मयुधनस्थाने 44 53<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मुक्ते दिशः सर्वम् 112 68<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मन्त्रे महादाने 31 106<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मन्त्रादवससदि 78 3<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मुद्गे सुदारणे 112 53<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्वनगते नृपे 10 3<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्निष्करे ऋजिते 118 14<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्निविहते स्वया 9 58<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्निवर्द्धे निवृत्ते 38 55<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्निवर्द्धे योधाना 82 7<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्निमाने पर्यङ्कं 12 6<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्सन्ने समाले तु 115 5<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्समरमूर्धनि 112 5<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मुते न वर्तन्ते 40 24<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्मुपिहिता सर्वे 93 53<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्स्थातु स्व आश्रमे 9 57<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्हते नाम्नि भद्रे 6 2<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्हते महामन्त्रे 89 50<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्हेलोके वरस्त्रिय. 77 21<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्ध पुरुषोत्तमे 62 73<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्प्रायपतिते 09 31<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्स्तु देवसदसे 21 27<sup>०</sup>.  
 तस्मिन्स्तु मध्यमाने वै 5 16<sup>०</sup>.

तस्मिन्स्तु द्युरियते दैत्ये 35 73<sup>०</sup>.  
 तस्मै चुक्रोध वै वृष्ण. 71 12<sup>०</sup>.  
 तस्मै दत्तानि चास्त्राणि 31 113<sup>०</sup>.  
 तस्मै दत्तो वराभ्रादात् 23 140<sup>०</sup>.  
 तस्मै शुन्धुनिवर्द्धणे 9 61<sup>०</sup>.  
 तस्मै मद्रा ददौ मीत. 2 11<sup>०</sup>.  
 तस्मै रावे महारत्ने 9 76<sup>०</sup>.  
 तस्य कर्माप्यहं विप्र 90 3<sup>०</sup>.  
 तस्य वा परिदेवना 44 40<sup>०</sup>.  
 तस्य इत्वा मदात्मन 10 36<sup>०</sup>.  
 तस्य वृष्णभुजोद्धता. 67. 40<sup>०</sup>.  
 तस्य कृष्णाभिपक्षस्य 76 4<sup>०</sup>.  
 तस्य वृष्णो महाबल 88 22<sup>०</sup>.  
 तस्य श्रीधामिर्गोत्र 58 8<sup>०</sup>.  
 तस्य गङ्गा च तत्सद 23 76<sup>०</sup>.  
 तस्य गर्भस्य ता दिश 20 8<sup>०</sup>.  
 तस्य गर्भस्य मार्गेण 48 8<sup>०</sup>.  
 तस्य गोवर्धनो नाम 52 24<sup>०</sup>.  
 तस्य गोव्रजवासिन 65 32<sup>०</sup>.  
 तस्य गौरवदर्शनात् 73 19<sup>०</sup>.  
 तस्य चक्षुःसमुत्थेन 40 49<sup>०</sup>.  
 तस्य चन्द्रोपम वज्रम् 92. 31<sup>०</sup>.  
 तस्य चातु ह्यङ्गुल 109 88<sup>०</sup>.  
 तस्य चास्तुत्पत्तिप्यतः 110 3<sup>०</sup>.  
 तस्य चायं ऋतु वृष्ण 59 8<sup>०</sup>.  
 तस्य चारयतः सोऽथ. 10 47<sup>०</sup>.  
 तस्य चास्मिन्दिशः 20 29<sup>०</sup>.  
 तस्य चित्ररथः सुत 23 34<sup>०</sup>.  
 तस्य चिन्तयतस्त्वेवं 47 11<sup>०</sup>.  
 तस्य चैत्ररथी भार्या 9 84<sup>०</sup>.  
 तस्य चैवोद्यमानस्य 59 14<sup>०</sup>.  
 तस्य तत्प्रापश्मन 20 46<sup>०</sup>.  
 तस्य तत्प्राप्य दुष्प्राप्यम् 20 28<sup>०</sup>.  
 तस्य तद्दृचन श्रुत्वा 109 81<sup>०</sup>.  
 तस्य तद्दृचन इयावं 76 39<sup>०</sup>.  
 तस्य तां तरसा सर्वे 112 76<sup>०</sup>.  
 तस्य ते दुष्यत वृष्ण 62 85<sup>०</sup>.  
 तस्य द्रुपबल हत्वा 64 19<sup>०</sup>.  
 तस्य दानारथिर्वीर. 23 37<sup>०</sup>.  
 तस्य दीप्तशरीरस्य 112 36<sup>०</sup>.  
 तस्य दूतस्य तच्छुत्वा 44 38<sup>०</sup>.  
 तस्य देवबलस्य ह 34 19<sup>०</sup>.  
 तस्य देशस्य साधिनाम् 55 21<sup>०</sup>.

तस्य देह सुलोचित 76 38<sup>६</sup>  
 तस्य देहे प्रक्रान्ते 76 41<sup>६</sup>  
 तस्य दैत्यस्य चनेग 38 46<sup>६</sup>  
 तस्य दैत्यस्य दुर्बुदे 44 43<sup>६</sup>  
 तस्य दैवी स्थिता बुद्धि 86 19<sup>६</sup>  
 तस्य द्वारयतीपते 86 56<sup>६</sup>  
 तस्य नाह गतिं जाने 65 24<sup>६</sup>  
 तस्य नि श्वासनातेन 9 56<sup>६</sup>  
 तस्य नि स्य भोगिन 113 2<sup>६</sup>  
 तस्य नेत्रे सप्रग्धने 75 43<sup>६</sup>  
 तस्य पत्नी गले बद्धा 9 97<sup>६</sup>  
 तस्य पद्मवामयाक्रम्य 56 30<sup>६</sup>  
 तस्य पर्वतमुख्यस्य 92 38<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रस्यमापन्न 44 61<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रशतस्यासन् 23 156<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रशत त्वासीत् 9 38<sup>६</sup> 23 40<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रशत दग्ध 9 72<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रस्य धीमत् 20 43<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रा बभूवुर्दि 28 5<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रा बभूवुस्ते 21 10<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्राश्च दाराश्च 56 11<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रास्त्रय शिष्टा 9 78<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रा शतारयास्तु 23 168<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रे सनञ्जिस्तु 9 70<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रोऽभयद्वैव 5 2<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रोऽभवन्मधु 23 161<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रो मदानासीत् 44 23<sup>६</sup>  
 तस्य पुत्रो यदुज्ज्वल 85 57<sup>६</sup>  
 तस्य प्रसुरह विभो 29 10<sup>६</sup>  
 तस्य प्रस्तुरिर्वीरस्य 76 16<sup>६</sup>  
 तस्य फेन सुतोऽभवत् 23 26<sup>६</sup>  
 तस्य बाहुमहसस्य 112 104<sup>६</sup>  
 तस्य बाहुसहस्य तु 23 143<sup>६</sup>  
 तस्य भग्नोत्तमाङ्गस्य 58 54<sup>६</sup>  
 तस्य भस्म तदा शितं 110 61<sup>६</sup>  
 तस्य भार्याद्वयं चैव 45 36<sup>६</sup>  
 तस्य भार्याभवत्पत्न्या 8 1<sup>६</sup>  
 तस्य भार्यात जातमी 26 17<sup>६</sup>  
 तस्य भाषोऽपदानमी 23 40<sup>६</sup>  
 तस्य भीमस्य सुत 26 22<sup>६</sup>  
 तस्य भ्रानुस्रव त्वासीत् 9 33<sup>६</sup>  
 तस्य मध्ये सहस्रास्य 70 17<sup>६</sup>  
 तस्य मल्लद्वयस्य वै 72 13<sup>६</sup>

तस्य मूल हि युद्धस्य 115 20<sup>६</sup>  
 तस्य यस्यावित तेत्र 20 15<sup>६</sup>  
 तस्य यज्ञे पुरा गीता 13 56<sup>६</sup>  
 तस्य योगो विघातस्य 62 78<sup>६</sup>  
 तस्य रश्मीऽगृह्णाथ 19 16<sup>६</sup>  
 तस्य राज्ञ सुनिर्मिता 84 29<sup>६</sup>  
 तस्य राज्ञो वसो कन्या 13 35<sup>६</sup>  
 तस्य रूपमभूत्तदा 58 53<sup>६</sup>  
 तस्य रूपं यभूव ह 61 41<sup>६</sup>  
 तस्य रूपं यत्स्यासीत् 81 31<sup>६</sup>  
 तस्य लोके सुदुर्मते 109 5<sup>६</sup>  
 तस्य वपंसहस्राणि 40 35<sup>६</sup>  
 तस्य वशाकरा नृप 10 50<sup>६</sup>  
 तस्य वशाकरा भुवि 23 29<sup>६</sup>  
 तस्य वशमह राजान 15 14<sup>६</sup>  
 तस्य यश निबोध मे 19 35<sup>६</sup>  
 तस्य यज्ञे महाराज 22 43<sup>६</sup>  
 तस्य वाचस्य पर्याय 100 58<sup>६</sup>  
 तस्य वाक्य विचिन्तयन् 46 20<sup>६</sup>  
 तस्य वाचिसद्वलं तु 108 58<sup>६</sup>  
 तस्य वाचिमय वेग 9 74<sup>६</sup>  
 तस्य विक्रमतो भूमि 31 89<sup>६</sup>  
 तस्य विपुचलापीना 37 38<sup>६</sup>  
 तस्य विप्रस्य भवने 102 9<sup>६</sup>  
 तस्य विष्णो सुरेशस्य 31 10<sup>६</sup>  
 तस्य विस्तरमारयास्ये 4 18<sup>६</sup>  
 तस्य वै पुत्रमिधुन 27 18<sup>६</sup>  
 तस्य वै सनत पुत्र 15 35<sup>६</sup>  
 तस्य शङ्खस्य शब्देन 94 9<sup>६</sup>  
 तस्य शार्ङ्गो विशाखश्च 3 38<sup>६</sup>  
 तस्य शापान्महासुने 23 156<sup>६</sup>  
 तस्य शुक्रो वदी प्रीत 22 5<sup>६</sup>  
 तस्य शृङ्गाणि चाभयन् 61 38<sup>६</sup>  
 तस्य शैलस्य विपुल 61 57<sup>६</sup>  
 तस्य शैलस्य सानुपु 61 31<sup>६</sup>  
 तस्य सत्यं प्रति सुत 15 31<sup>६</sup>  
 तस्य सत्यवथा नाम 10 21<sup>६</sup>  
 तस्य सत्यवतो नाम 9 88<sup>६</sup>  
 तस्य सन्धयवदृत्तस्य 45 2<sup>६</sup>  
 तस्य सपदिदं जगत् 3 111<sup>६</sup> 7 54<sup>६</sup>  
 तस्य सकल्प भार्गीय 18 10<sup>६</sup>  
 तस्य सविद्भूतदा 18 19<sup>६</sup>  
 तस्य सस्रभयवामास 70 28<sup>६</sup>

त च दिव्य द्रुमश्रेष्ठ 94 23<sup>d</sup>  
 त च देना व्यवसित 43 21<sup>d</sup>  
 त च पञ्चजन धोर 91 59<sup>d</sup>  
 त च राजानमाहुकम् 91 30<sup>d</sup>  
 त च राजा स मागध 82 8<sup>d</sup>  
 त च वृद्ध प्रियसुत 69 18<sup>d</sup>  
 तं च शक्रस्य दयित 94 19<sup>d</sup>  
 त चाधमोधिक सोऽथ 10 53<sup>d</sup>  
 त चाल विपर्य मद्दत् 37 62<sup>d</sup>  
 त चित्रसेन सरन्ध 81 83<sup>d</sup>  
 तं जगाद हृदोत्तमम् 56 17<sup>d</sup>  
 तं जघान महाधोर 91 50<sup>d</sup>  
 त जयाय सुरेन्द्राणां 38 37<sup>d</sup>  
 त जिगाय ततो रुक्मी 89 28<sup>d</sup>  
 त तथा पतित दृष्टा 106 40<sup>d</sup>  
 त तपन्तमिवादिर्यं 35 24<sup>d</sup>  
 त तं वृणीष्य भद्र ते 112 126<sup>d</sup>  
 तं तु कृष्णश्च गोपाश्च 58 56<sup>d</sup>  
 त तु गर्भं प्रयत्नेन 48 9<sup>d</sup>  
 त तु यद् गते दृष्टा 9 98<sup>d</sup>  
 तं तु द्रुवुर्द्वैत्यगणा 37 59<sup>d</sup>  
 त स्वजामोऽथ वै ययम् 66 34<sup>d</sup>  
 त शैलोऽथान्तरगतं 37 2<sup>d</sup>  
 त स्व प्रत्यभिज्ञानीहि 107 70<sup>d</sup>  
 त ददेयमद् सुरा 85 42<sup>d</sup>  
 त दिव्य विष्टर विना 70 27<sup>d</sup>  
 त दृगिमतस ज्ञात्वा 112 82<sup>d</sup>  
 तं ददय धारं महाला 62 4<sup>d</sup>  
 त दृष्टा चित्तयामास 55 47<sup>d</sup>  
 तं दृष्टा दुद्रुवुर्गोषा 67 14<sup>d</sup>  
 तं दृष्टा निर्वयी हृष्ट 85 38<sup>d</sup>  
 तं दृष्टा परमप्रीता 5 40<sup>d</sup>  
 त दृष्टा प्रमुरो तस्य 112 49<sup>d</sup>  
 तं दृष्टा सुनय माहु 2 21<sup>d</sup>  
 तं दृष्टा सर्वनियुक्त 72 2<sup>d</sup>  
 तं देशमगमद्यत्र 51 25<sup>d</sup>  
 त देशमाजगामाहु 38 55<sup>d</sup>  
 तं द्रक्ष्यप ससृद्ध च 69 4<sup>d</sup>  
 त नमस्कुरु नारत 113 78<sup>d</sup>  
 तं निवार्यं ततो प्रह्ला 20 41<sup>d</sup>  
 त नृपं जाम्भन्वच 118 19<sup>d</sup>  
 त पिता मन हस्तन 11 17<sup>d</sup>  
 त पुन शरवर्षण 108 69<sup>d</sup>

त प्रक्षालयता जले 114 11<sup>d</sup>  
 त प्रत्यविष्यत्कारुप 87 53<sup>d</sup>  
 त प्रत्यविष्यत्सप्तत्या 88 8<sup>d</sup>  
 त प्रदाय हृषीकेश 98 14<sup>d</sup>  
 त प्रविष्टो हृषीकेश 103 25<sup>d</sup>  
 त प्रयेक्ष्यन्ति वै सर्वे 62 75<sup>d</sup>  
 त प्रस्थितमभिप्रक्ष्य 100 25<sup>d</sup>  
 त विभेदादभि बुद्ध 87 72<sup>d</sup>  
 त द्रक्ष्यवाहित क्षात 21 4<sup>d</sup>  
 त भागवतमव्ययम् 70 29<sup>d</sup>  
 त भूयो जनयामास 3 9<sup>d</sup>  
 त मणि बभ्रवे पुन 29 39<sup>d</sup>  
 त मन्त्र मनसा बद्ध 70 33<sup>d</sup>  
 त महीशयने सुत 77 2<sup>d</sup>  
 त मा पदय सभापन्न 35 67<sup>d</sup>  
 त मुद्गयित्वाय घट 85 34<sup>d</sup>  
 त मुमोच हरि स्वयम् 111 7<sup>d</sup>  
 त मूर्च्छुर्पाश्राय तदा 20 43<sup>d</sup>  
 त मे त्व पुनराणय 79 11<sup>d</sup>  
 त यत् प्रत्युवाच ह 22 22<sup>d</sup>  
 त वज्र कृष्णपूर्वज 83 3<sup>d</sup>  
 त वारय महाकाय 9 58<sup>d</sup>  
 त वासुदेव श्रीमन्त 85 53<sup>d</sup>  
 त वित्तस्य महापक्षौ 38 48<sup>d</sup>  
 त विविके नगागत 62 8<sup>d</sup>  
 तं वै शूद्र च शकरम् 20 36<sup>d</sup>  
 त वै विद्धि महाराज 1 18<sup>d</sup>  
 त वै स्वयभूभंगवान् 31 35<sup>d</sup>  
 तं व्रान्त सुपर्जन 42 5<sup>d</sup>  
 त शीघ्रितमुल्ल दृष्टा 99 33<sup>d</sup>  
 त शायन महारमान 40 10<sup>d</sup>  
 तं शरत्कुसुमापीडा 59 30<sup>d</sup>  
 त शशाप तत शोघात् 8 20<sup>d</sup>  
 त श्रुत्वा निन्द धोरम् 109 13<sup>d</sup>  
 तं सङ्गिरथा कसस्य 69 30<sup>d</sup>  
 त सतरात्रे सपूर्णे 99 3<sup>d</sup>  
 त समाचर भार्गव 14 10<sup>d</sup>  
 त समाजमनुत्तमम् 96 61<sup>d</sup>  
 त समुद्राश्च नद्यश्च 5 25<sup>d</sup>  
 त सर्पमिव सर्पन्त 81 61<sup>d</sup>  
 त सर्वे याद्वा सुख्या 78 41<sup>d</sup>  
 तसुरोषोऽप्रतिरथ 23 44<sup>d</sup>  
 तमुल्लामध्यगच्छत 23 45<sup>d</sup>

४ सोममग्निं लोक च 39 11°  
 तंसो सुरौघो रात्रिषु 23 46°  
 तं स्र कीक्षन्ति भूतानि 36 57°  
 च स्र वृष्टाभिनन्दन्ति 63 2°  
 च स्यन्दनमधिष्ठाय 112 87°  
 च हत वेदिनि दृष्ट्वा 67 45°  
 च हत परिदेवन्त्य 71 14°  
 च हत्वा वदिनि युद्धे 67 44°  
 च हत्वा पुण्डरीकाक्ष 74 39° 76 42°  
 च हत्वा रथमारुह्य 87 70°  
 च हनिष्यसि विक्रम्य 15 52°  
 चा गाव प्रस्रुता यज्ञैः 60 30°  
 चा गाव सस्ररात्रण 61 4°  
 चाङ्गधानं महाप्याहु 91 4°  
 चाङ्गधानं शिलातले 48 2°  
 चात नैवविधा भूमौ 77 43°  
 चादयो विग्रहे दृत्त 109 41°  
 चाभिरेदहद्वोर 2 37°  
 चानधर्मैविदो मन्दान् 113 38°  
 चानन्दान्भास्करो यथा 93 41°  
 चानयाचन्त चतुर 17 6°  
 चानरीन्धारवृष्टिभि 81 82°  
 चानईं समरे हन्या 45 16°  
 चानामव्य सद्योगतात् 40 2°  
 चा नायो जम्पुरद्भुता 107 17°  
 चानि किं न विकस्यसे 112 90°  
 चानि तेषा विमानानि 113 56°  
 चानि दूराघकृष्टपनि 52 12°  
 चानि दृष्ट्वा महातपा 10 18°  
 चानि पुत्रसत्तान्यस्य 21 28°  
 चानि चाणसहस्राणि 108 62°  
 चानि भे चतुर्महैसि 105 3°  
 चानि रत्नौघकृष्टानि 74 7°  
 चानि शष्पाण्ययाव्यनि 59 46°  
 चानि धाद्धानि दत्तानि 11 13°  
 चानि सन्तीह सर्वाणि 92 16°  
 चानि सर्वाणि परधाम 66 31°  
 चानि सर्वाण्यदृश्यन्त 79 35°  
 चानुबत्त्वा विररान् ह 96 3°  
 चानुवाच जरासध 81 71°  
 चानुवाच तत कृष्ण 100 28°  
 चानुवाच ततो ब्रह्मा 47 18°  
 चानुवाच हरिद्वयान् 40 44°

चानुवाच हषावेश 103 17°  
 चानुपीन्तुत्तमागधौ 5 35°  
 चान्कवि सप्तमश्रैव 16 8°  
 चान्क्षत्रियगणाहात 13 51°  
 चान्गर्भाक्षिदपुस्त 10 60°  
 चान्वनौघान्सतिमिरान् 32 20°  
 चान्दानयराणा सर्वे 13 42°  
 चान्टपुा कृणामन्नवीन् 110 46°  
 चान्टपुाचिन्तयस्तत्र 110 20°  
 चान्धनेनाभिपूरय 86 59°  
 चान्नमस्यस्य भार्गव 13 70°  
 चान्पानाहस्तप्रथितान् 36 21°  
 चान्प्रत्ययुक्त्ससर्वेषा 87 51°  
 चान्यभेद जनार्दन 81 84°  
 चान्नमजयानानेकसव 109 22°  
 चान्यवन्ति स्र लोका वै 11 36°  
 चान्यजस्य महाभागान् 11 38°  
 चान्याकाशतनिकाशानि 52 10°  
 चान्येवास्या कारयिष्ये 86 7°  
 चान्समीदय महोत्पातान् 102 5°  
 चापनीये यथा घण्टे 75 43°  
 चापयन्त्येन तेजसा 62 48°  
 चाभिधर्मो ह्यय लोक 20 16°  
 चाभिर्हंतो न सदेह 109 56°  
 चाभ्यामन्तर्दधे तदा 42 32°  
 चाभ्यामागमने प्रीति 65 93°  
 चाभ्यामाज्ञावित सैन्य 36 15°  
 चाभ्यामुत्क्रामतेषाभ्या 38 33°  
 चाभ्यामेकस्तु पद्माक्ष 71 50°  
 चाभ्यामेव स जग्नाह 57 19°  
 चाभ्यां जपहृत्त्रिषा 36 46°  
 चाभ्यां ते सखिल व्यक्तु 78 46°  
 चाभ्यां प्रयाजितो राज्यात् 26 12°  
 चाभ्या प्रीतो ददा मात्य 71 18°  
 चाभ्या बलाभ्यां सज्जे 35 1°  
 चाभ्या बलाभ्या सहस्रा 37 23°  
 चाभ्यां भीना सुरासुरा 36 23°  
 चाभ्या सृष्टे प्रयुक्ताभ्या 81 55°  
 चाभ्या युद्धं सुदास्यम् 75 29°  
 चाभ्या युधि निरन्ताभ्यां 72 21°  
 चाभ्यां समवतीर्णानि 81 60°  
 चाभ्यां स विदो दशभि 87 62°  
 चाभ्या सह नियोत्स्येते 65 87°



शामन्त प्रसवां दृष्ट्वा 20 37<sup>६</sup>  
 ता समानय भद्र ते 113 10<sup>६</sup>  
 शामसस्य मनोरंते 7 21<sup>६</sup>  
 शामसस्यान्तरे मनो 7 19<sup>६</sup>  
 शामसेनास्त्राङ्गेन 35 13<sup>६</sup>  
 शामस्या छादयामास 108 8<sup>६</sup>  
 शामापतन्तीं सप्रक्ष्य 108 73<sup>६</sup>  
 शामावसत्पुरा कृष्ण 86 52<sup>६</sup>  
 शामासनवतीं रम्या 95 15<sup>६</sup>  
 शामाद् कृष्ण कुञ्जेति 71 23<sup>६</sup>  
 शामाद् निद्रा सविता 48 5<sup>६</sup>  
 शामाद्दुरसतीं नाम 107 37<sup>६</sup>  
 शामिदस्येव होषाच 9 6<sup>६</sup>  
 शामिन्द्रवचनाद्गत्वा 93 7<sup>६</sup>  
 शामियेष च स प्रभु 27 10<sup>६</sup>  
 शामुत्याप्य परिष्वस्य 88 28<sup>६</sup>  
 शामुवाच हसन्तीं तु 71 27<sup>६</sup>  
 शामेकभारसयुक्ता 18 23<sup>६</sup>  
 शामेकामाद्दुहस्पताम् 96 14<sup>६</sup>  
 शामेव रजनीं कन्या 48 12<sup>६</sup>  
 शामेव भुवतीं दृष्ट्वा 83 47<sup>६</sup>  
 शाम्रताक्षो जलान्तक 98 7<sup>६</sup>  
 शाम्रतुङ्गनखी सुभ्रू 87 37<sup>६</sup>  
 शाम्रा कोषवना इरा 3 45<sup>६</sup>  
 शाम्राया परिकीर्तिता 3 81<sup>६</sup>  
 शाम्रावशा प्रकीर्तिता 3 83<sup>६</sup>  
 शाम्राष्टनयनापाद्नी 87 36<sup>६</sup>  
 शाम्रकश्च महाबल 3 68<sup>६</sup>  
 शाम्रकाचित्रकुमुदे 32 27<sup>६</sup>  
 शाम्रणायैद् कल्पते 11 55<sup>६</sup>  
 शाम्रस्तु क्रोतविलारम् 33 9<sup>६</sup>  
 शाम्रागणपताक्रिनी 37 17<sup>६</sup>  
 शाम्रापङ्क्तिरिवाम्बरात् 53 15<sup>६</sup>  
 शाम्रापतिमिषोदितम् 108 2<sup>६</sup>  
 शाम्राभिश्चिन्नमम्बरम् 59 38<sup>६</sup>  
 शाम्रामकथयत्पुरा 20 39<sup>६</sup>  
 शाम्रा नाम यनास्त्रिनीम् 20 29<sup>६</sup>  
 शाम्रा पत्रञ्च सशायम् 20 41<sup>६</sup>  
 शाम्रे कस्य सुतो ह्ययम् 20 41<sup>६</sup>  
 शालजङ्घा इति श्रुता 23 158<sup>६</sup>  
 शालजङ्घान्महेद्धान् 10 26<sup>६</sup>  
 शालजङ्घान्यैव च 23 160<sup>६</sup>  
 शालजङ्घो महाबल 23 158<sup>६</sup>

शालपक्षानि सद्दिवी 57 8<sup>६</sup>  
 शालपक्षश्च पातितै 57 22<sup>६</sup>  
 शालशब्द स तं श्रुत्वा 57 14<sup>६</sup>  
 शालशब्देन तं कृष्ण 64 72<sup>६</sup>  
 शालस्त्रमभवदयाम 62 5<sup>६</sup>  
 शालस्त्रनमिव द्विष 57 14<sup>६</sup>  
 शालानां तमघो दृष्ट्वा 57 17<sup>६</sup>  
 शालैस्तीर्विपुलस्कन्धे 57 6<sup>६</sup>  
 शावती पोषणे नृप 10 60<sup>६</sup>  
 शावती प्रापयिष्याम 92 13<sup>६</sup>  
 शावत्स्यात्यति मे यश 83 49<sup>६</sup>  
 शावदेव च विस्तीणम् 93 37<sup>६</sup>  
 शावदेवापर भूय 89 28<sup>६</sup>  
 शावद्विगुणभाषतम् 53 21<sup>६</sup>  
 शावद्वृत्त समन्तत् 100 33<sup>६</sup>  
 शावन्त्येव सहस्राणि 27 23<sup>६</sup>  
 शावमात्र प्रवृत्ति 16 18<sup>६</sup>  
 शावन्त्योन्वगतौ बाली 51 3<sup>६</sup>  
 शावन्त्योन्वययातुभौ 81 66<sup>६</sup>  
 शावन्त्यो-यावल्हदाङ्गौ 64 18<sup>६</sup>  
 शावत्पुभौ सुवसनी 71 15<sup>६</sup>  
 शावतिष्ठपरिभृती 72 24<sup>६</sup>  
 शावत्सुनौ कृष्यमाणौ 51 16<sup>६</sup>  
 शावागतौ समालोक्य 42 20<sup>६</sup>  
 शावानय ममाज्ञया 65 92<sup>६</sup>  
 शावापतन्तौ स्वरितौ 74 23<sup>६</sup>  
 शावायुधानि विन्ध्य 79 39<sup>६</sup>  
 शा चार्यमाणो पितृभि 63 24<sup>६</sup>  
 शावाद् धरवर्णाङ्गौ 71 3<sup>६</sup>  
 शावुद्दिश्य वनीकसां 73 3<sup>६</sup>  
 शावुद्यतमहागदौ 82 10<sup>६</sup>  
 शावुद्यताशुपारौ तु 36 17<sup>६</sup>  
 शावुभावनुत्सिद्धौ 71 30<sup>६</sup>  
 शावुभाषाद्भुवौ तोषे 42 31<sup>६</sup>  
 शावुभौ जलगर्भस्थौ 42 22<sup>६</sup>  
 शावुभौ दाववोत्तमौ 44 73<sup>६</sup>  
 शावुभौ मधुकैटभौ 98 18<sup>६</sup> 42 23<sup>६</sup>, 30<sup>६</sup>  
 शावुभौ मह्यपुगवौ 72 25<sup>६</sup>  
 शावुभौ वज्रसद्वदौ 71 36<sup>६</sup>  
 शावुचतुल्लदा सर्वात् 5 35<sup>६</sup>  
 शावुचतुर्भय सर्वं 5 34<sup>६</sup>  
 शावेव मानुषीं दीक्षा 58 8<sup>६</sup>  
 शाश्च प्राग्भ्योतिपपति 91 15<sup>६</sup>

ताश्रैवाप्सरसस्तदा 107 7<sup>d</sup>  
 तासामपत्यान्यभवन् 3 53<sup>d</sup>  
 तासामपत्यान्यष्टाना 98 1<sup>d</sup>  
 तासामरालपद्मिणि 109 11<sup>d</sup>  
 तासा प्रथितसीमन्ता 63 34<sup>d</sup>  
 तासां नामानि मे शृणु 3 25<sup>d</sup>  
 तासा परमहूलानि 93 60<sup>d</sup>  
 तासा परमनारीणाम् 92 30<sup>d</sup>  
 तासा पुरवर भौम 91 14<sup>d</sup>  
 तासा वाग्वाभिष्णोति 109 10<sup>d</sup>  
 तासा भर्ता प्रभाकर 23 9<sup>d</sup>  
 तासा यथाहं हर्म्याणि 94 26<sup>d</sup>  
 तासा रुद्रितशब्देन 53 6<sup>d</sup> 67 16<sup>d</sup>  
 तासा विरूपित ध्रुत्वा 56 26<sup>d</sup>  
 तासा हर्म्यतलस्थाना 109 12<sup>d</sup>  
 तासु कृष्णो मुद लेभे 55 16<sup>d</sup>  
 तासु चक्रे मनस्वदा 113 8<sup>d</sup>  
 तासु देवा खगा गाव 2 48<sup>d</sup>  
 तासु वीणा सहस्रना 88 44<sup>d</sup>  
 तासु वीर्यनवाच्छत्र 1 23<sup>d</sup>  
 तासु सृष्टासवथा देवा 44 81<sup>d</sup>  
 तास्यस्य सूर्य गीत च 63 28<sup>d</sup>  
 तास्यस्य वदन कान्त 63 19<sup>d</sup>  
 तास्त पयोधरोत्ताने 63 23<sup>d</sup>  
 तास्ता हि गतयो मम 45 13<sup>d</sup>  
 तास्तिके श्याणुजगमात् 13 16<sup>d</sup>  
 तास्तु कामदुष्टा गाव 53 31<sup>d</sup>  
 तास्तु ग्वाव स घोषश्च 53 35<sup>d</sup>  
 तास्तु पद्मीकृता सर्वा 93 25<sup>d</sup>  
 तास्तु सभ्रान्तवदना 51 21<sup>d</sup>  
 तास्तपत्वानि मे शृणु 3 26<sup>d</sup>, 45<sup>d</sup> 98 2<sup>d</sup>  
 ता कल्प्य प्रसन्नारामा 3 98<sup>d</sup>  
 तां गां वै हिसित्तु तदा 16 7<sup>d</sup>  
 ता गुहा मुमुकुन्दस्य 85 46<sup>d</sup>  
 तां च तत्रोपसगम्य 96 16<sup>d</sup>  
 तां च द्रह्यसि गोविन्द 69 8<sup>d</sup>  
 तां च पद्मोत्पलवती 55 28<sup>d</sup>  
 तां चन्त नदीं श्रेष्ठां 55 40<sup>d</sup>  
 तां च श्याक्यातुमर्हसि 30 2<sup>d</sup>  
 तां घोषाय तदा निद्रां 47 26<sup>d</sup>  
 तां तथा यदतीं दृष्ट्वा 107 22<sup>d</sup>  
 ता तथावादिनां साप्तीम् 9 9<sup>d</sup>  
 तां तां जतिं शुण्ठिसताम् 14 6<sup>d</sup>

ता तु कुम्भजां तत कृष्ण 71 31<sup>d</sup>  
 ता तु रूपेण कान्तेन 8 40<sup>d</sup>  
 ता तु सर्वानिवद्याज्ञीं 118 13<sup>d</sup>  
 ता ददर्श ततः कृष्ण 87 33<sup>d</sup>  
 ता ददर्श दशार्द्राणाम् 93 8<sup>d</sup>  
 ता ददौ न तु कृष्णाय 87 16<sup>d</sup>  
 ता ददौ भीष्मकश्चापि 87 25<sup>d</sup>  
 ता दर्शयस्व समरे 110 67<sup>d</sup>  
 ता दीर्यमाणा महतीं 112 6<sup>d</sup>  
 ता दृष्ट्वा ववृधे काम 87 39<sup>d</sup>  
 ता परिध्वज्य भाविनीम् 96 17<sup>d</sup>  
 तां पुरीं द्वारका दृष्ट्वा 93 9<sup>d</sup>  
 तां प्रथुषंशुरादाय 5 43<sup>d</sup>  
 ता प्रविश्य तल सर्वे 89 23<sup>d</sup>  
 ता प्रविश्य भजन्तीह 104 10<sup>d</sup>  
 ता भार्या मुदितोऽप्रवीच 98 14<sup>d</sup>  
 ता माता प्रत्यवेधयत् 13 16<sup>d</sup>  
 ता माया समयामास्ता 36 17<sup>d</sup>  
 ता मुखे समभावयत् 8 37<sup>d</sup>  
 ता मेने शृत्सुमन्नमन 48 37<sup>d</sup>  
 ता यशोदासुता विदि 65 49<sup>d</sup>  
 ता विचूज्य महावेगां 83 51<sup>d</sup>  
 ता वै क्रोधाच्च मोहाच्च 10 14<sup>d</sup>  
 ता वै रोषाच्च बाहवाच्च 8 19<sup>d</sup>  
 ता वै सर्वे गुमनस 96 15<sup>d</sup>  
 ता शसुकामो भगवान् 8 29<sup>d</sup>  
 ता शोकसलिले गमाम् 69 17<sup>d</sup>  
 ताश्च भोजान्घर्षात्तथा 95 6<sup>d</sup>  
 ताश्च राज्य शरै सर्वात् 88 26<sup>d</sup>  
 तांश्च सर्वान्प्रजोक्त 83 51<sup>d</sup>  
 ताश्चापि नष्टान्विज्ञाय 3 23<sup>d</sup>  
 तांश्चापि मतिजगद् 103 16<sup>d</sup>  
 ताश्चासुगान्समुत्साय 45- 19<sup>d</sup>  
 तां श्रुत्वा माधवीं हर्षीं 100 6<sup>d</sup>  
 तां समुद्रस्य महिषीं 55 39<sup>d</sup>  
 तां सूर्यसदनप्रसदां 97 34<sup>d</sup>  
 तास्तथा सुवतः सर्वात् 5 11<sup>d</sup>  
 तांस्तानिच्छामि चेदित्तुम् 1 13<sup>d</sup>  
 तांस्तु दृष्ट्वा महाभागान् 3 7<sup>d</sup>  
 तांस्तु प्रज्वलतो दृष्ट्वा 113 28<sup>d</sup>  
 तांस्तु वैश्यगणान्नात 13 59<sup>d</sup>  
 तांस्तीनभीष्यतो राज्य 17 5<sup>d</sup>  
 तां हृष्टमनस सर्वे 42. 10<sup>d</sup>

ता कृष्णमनुष्यविरै 63 30<sup>d</sup>  
 ता कृष्ण पर्यवारयन् 92 28<sup>d</sup>  
 ता क्षरन्ति न च क्षीर 59 12<sup>d</sup>  
 ता क्षिप्र पूत्रयामास 94 24<sup>d</sup>  
 तितिक्षुरभवद्राजा 23 26<sup>d</sup>  
 तितिक्षु च महाबलम् 23 20<sup>d</sup>  
 तितिक्षोस्तु मजा, शृणु 23 25<sup>d</sup>  
 तियो नवम्यां पूत्रा च 47 51<sup>d</sup>  
 तिमिना सह विप्रद 83 12<sup>d</sup>  
 तिमिरक्षस्त्वसृक्षराद् 36 9<sup>d</sup>  
 तिमिरं समपद्यत 103 21<sup>d</sup>  
 तिमिरापुतमाक्रान् 61 9<sup>d</sup>  
 तिमिररूपेण त बाल 79 14<sup>d</sup>  
 तिमिरोद्धारिकिरण 33 10<sup>d</sup>  
 तिमिरोद्यपरिक्षिप्तम् 40 5<sup>d</sup>  
 तिमिरोद्यपरिक्षिप्ता 32 18<sup>d</sup>  
 तिमिरोद्य विदारयन् 40 42<sup>d</sup>  
 तिरो चर्पन्तमभ्ययम् 55 21<sup>d</sup>  
 तिर्यगापतरक्षाक्ष 36 52<sup>d</sup>  
 तिर्यग्दृष्टं च गगने 37 40<sup>d</sup>  
 तिर्यग्गतमुद्वल्यन् 51 17<sup>d</sup>  
 तिर्यग्योनिगतैष्वपि 5 53<sup>d</sup>  
 तिर्यग्योनिषु ते ज्ञानु 19 31<sup>d</sup>  
 तिष्ठ तिष्ठ न मे जीवन् 110 58<sup>d</sup>  
 तिष्ठ तिष्ठ न मेऽप्य स्वं 112 52<sup>d</sup>  
 तिष्ठ तिष्ठेति च तदा 108 38<sup>d</sup>  
 तिष्ठवीच भस्मान्न 65 33<sup>d</sup>  
 तिष्ठते देववच्छ्रीमान् 31 108<sup>d</sup>  
 तिष्ठतिवति समाज्ञाप्य 74 17<sup>d</sup>  
 तिष्ठत्त्वममयो यूयम् 110 28<sup>d</sup>  
 तिष्ठत्वमिति जुकोश 108 27<sup>d</sup>  
 तिष्ठन्तमपराजितम् 92 25<sup>d</sup>  
 तिष्ठन्नारापणस्यासे 44 6<sup>d</sup>  
 तिष्ठत्त्वेह महाबाहो 29 18<sup>d</sup>  
 तिष्ठेथा देवचोदित 21 22<sup>d</sup>  
 तिष्ठेदानीं न मेऽद्य त्व 112 93<sup>d</sup>  
 तिष्ठेदानीं स्थिरो भव 113 24<sup>d</sup>  
 तिष्णं प्रपत्सते पञ्चात् 43 59<sup>d</sup>  
 तिष्णे रक्षते शतक्रतो 61 62<sup>d</sup>  
 तिष्ठश्च भागस कक्ष्या 74 20<sup>d</sup>  
 तिरु कन्यास्तु मेनायां 13 15<sup>d</sup>  
 तिरुो योगबलाश्रित्वा 13 20<sup>d</sup>  
 तिरुो वै परासाश्रित्वा 23 74<sup>d</sup>

तीक्ष्णदृष्ट्यायुधेन वै 67 30<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णयज्ञसततीभि 93 25<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णरदिमार्गिनोपयन् 59 50<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णशुक्लै समेदंन्तै 87 37<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णशुक्लोच्छोचन 64 2<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णोद्भूतवैशान्ता 83 37<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णार्थापवानाम् 55 33<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै गृह्य महानदीम् 83 32<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै विप्रवणाविधि 100 32<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैष्वपि दुरासदम् 55 45<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै शक्रेण मायया 118 30<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैर्गौ पङ्कदिग्वाज्ञौ 71 30<sup>d</sup>  
 तीक्ष्ण रोपमय विपम् 34 32<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णप्रनखविक्षितान् 110 54<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णेनाभ्यहनत्तदा 112 78<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै जनमेजय 8 40<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णस्तु दुःखालम्बा 5 19<sup>d</sup>  
 तीक्ष्ण दुर्दिन चासीत् 100 17<sup>d</sup>  
 तीक्ष्ण भोजहृष्ययो 29 12<sup>d</sup>  
 तीक्ष्ण समेतोऽभवत् 81 92<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णो विप्रदक्षदा 35 1<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णयोश्च च तत्र ह 55 28<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णाना महाबल 67 21<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णा वाजिना धरा 23 132<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैश्च जलोपेतै 81 23<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै समभवद्गीर 98 23<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै मतिमातृषु 22 15<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैस्तोश्च द्विजोत्तम 23 1<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैस्तोश्च परतप 23 3<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैस्तोस्तु प्रवक्ष्यामि 23 122<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैस्तोस्तु सुतो वद्धि 23 123<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैरत्र च सक्षितम् 61 52<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैकालो हि गर्भिणी 48 13<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैकालो नराधिप 15 10<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैर्निर्वातविस्वत 110 57<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैर्मापद्यते नम 54 10<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैरीलेषु सवेत 117 19<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैसहजन प्रभुश्च 70 27<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैरेवम्यधिकैश्च 8 28<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैस्तिस्रै देवतैर्वाण 112 119<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णै नाम तेऽप्योग्यम् 3 46<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैश्चैव भारत 20 35<sup>d</sup>  
 तीक्ष्णैर्वाणैश्चैव 60 15<sup>d</sup>

गुहा स्रृणभोजना 60 19<sup>१</sup>  
 गुट्टुनिहते दैये 58 58<sup>१</sup>  
 गुट्टुर्वेक्षण पुत्रा 20 11<sup>१</sup>  
 गुट्टुर्वेष्टुदनम् 38 37<sup>१</sup>  
 गुट्टुश्व गदाधरम् 34 47<sup>१</sup>  
 गुट्टुश्व जनार्दनम् 79 28<sup>१</sup>  
 गुणमस्तुपपात ह 64 15<sup>१</sup>  
 गुणमासीमहास्वन 109 12<sup>१</sup>  
 गुणं चापि ययौ बिलम् 28 25<sup>१</sup>  
 तूर्यवोपाश्व सर्वना 75 37<sup>१</sup>  
 तूर्यप्रणादवोपैश्व 60 14<sup>१</sup>  
 तूर्णोमृतेषु सर्वेषु 109 19<sup>१</sup>  
 तृणत्रावीश्व सर्वेश 3 93<sup>१</sup>  
 तृण तत्र यवर्धत 53 33<sup>१</sup>  
 तृणानि तरुभि सह 61 19<sup>१</sup>  
 तृणानि शतपत्राक्ष 54 27<sup>१</sup>  
 तृणान्येव चचार सा 8 15<sup>१</sup>  
 तृणान्यपि पतस्त्रग्रौ 55 45<sup>१</sup>  
 तृणै पुष्टा सप्तगता 59 10<sup>१</sup>  
 तृतीय द्वारपर युगम् 43 68<sup>१</sup>  
 तृतीय चतरे रित्रह 51 32<sup>१</sup>  
 तृतीया तव पूर्वैर्पा 23 103<sup>१</sup>  
 तृतीयामेकपात्रकाम् 13 15<sup>१</sup>  
 तृतीये तु मुहूर्तै सा 107 86<sup>१</sup>  
 तृसन्धेतानि ते गुणै 77 57<sup>१</sup>  
 तृसिं यान्ति महामृथ 38 43<sup>१</sup>  
 तृसिं यान्ति पथासुखम् 38 71<sup>१</sup>  
 तृसोऽमृतसुतेरित 62 66<sup>१</sup>  
 तृपिता गोपकन्यका 63 32<sup>१</sup>  
 तृपिता-यादवे भोक्तु 81 57<sup>१</sup>  
 ते कथ भगवन्नरा 115 23<sup>१</sup>  
 ते कालयवन चैव 84 13<sup>१</sup>  
 ते कृताञ्जलय सर्वे 32 29<sup>१</sup>  
 ते कृष्णस्य वच क्षुत्वा 103 18<sup>१</sup>  
 ते कृष्ण सर्पपतय 56 13<sup>१</sup>  
 ते क्रुद्धा दारवर्षेण 87 60<sup>१</sup>  
 ते गता रजनपर्वतम् 42 6<sup>१</sup>  
 ते गत्वा दूरमन्वान 88 6<sup>१</sup>  
 ते गदाचक्रनिदग्धा 38 53<sup>१</sup>  
 ते गदापरिधरुषे 33 28<sup>१</sup>  
 ते गदाभिश्च सुर्वीनि 37 9<sup>१</sup>  
 ते गिरिव्रजवह्ण्य 110 21<sup>१</sup>  
 ते ग्राम्यधर्मनिरता 18 20<sup>१</sup>

ते च गोपा समागम्य 69 27<sup>१</sup>  
 ते चरा सर्वत सर्वे 109 58<sup>१</sup>  
 ते च विदितिताह्व्या 92 12<sup>१</sup>  
 ते च सर्वे महपय 35 63<sup>१</sup>  
 ते च सर्वे यथावेदम 66 40<sup>१</sup>  
 ते चापि विजिता रणे 90 6<sup>१</sup>  
 ते चाप्यभ्यवद्वरेण्णा 92 58<sup>१</sup>  
 ते चासा रक्षिणो वृद्धा 92 29<sup>१</sup>  
 ते चैवेति नियोधत 12 31<sup>१</sup>  
 तेज भाष्यायविव्यति 9 59<sup>१</sup>  
 तेजसा कश्यपोपम 45 34<sup>१</sup>  
 तेजसा च बलेन च 41 20<sup>१</sup>  
 तेजसा चास्य यादव 68 29<sup>१</sup>  
 तेजसा ज्वलनाकार 46 4<sup>१</sup>  
 तेजसा तेन सयुक्त 112 96<sup>१</sup>  
 तेजसारमसमान्भुषि 43 12<sup>१</sup>  
 तेजसा दीप्तिसमयम् 62 4<sup>१</sup>  
 तेजसा नियमेन च 8 36<sup>१</sup>  
 तेजसा निर्दहन्निव 2 22<sup>१</sup>  
 तेजसाप्यायितस्तदा 9 63<sup>१</sup>  
 तेजसाप्यायित सदा 21 30<sup>१</sup>  
 तेजसा प्रज्वलन्सुत 20 15<sup>१</sup>  
 तेजसा प्रतिबुध्यत 10 49<sup>१</sup>  
 तेजसा भास्करोपम 31 111<sup>१</sup>  
 तेजसाभ्याहृत तेज 115 39<sup>१</sup>  
 तेजसा भ्रष्टतेजसा 35 21<sup>१</sup>  
 तेजसास्येन शक्यते 9 60<sup>१</sup>  
 तेजसा चपुवा चैव 32 21<sup>१</sup>  
 तेजसा सहतेन चै 8 35<sup>१</sup>  
 तेजसा स्येन ते विष्णु 9 59<sup>१</sup>  
 तेजसो धर्षेन तदा 21 34<sup>१</sup>  
 तेजस्तस्य च भूपते 85 45<sup>१</sup>  
 तेजस्तेजस्विनश्चैव 62 36<sup>१</sup>  
 तेजस्तेजस्विनामपि 30 36<sup>१</sup>  
 तेजस्त्वभ्यधिक हात 8 5<sup>१</sup>  
 तेजस्वेनावसिष्ठते 115 39<sup>१</sup>  
 तेजस्वी दानशीलश्च 21 1<sup>१</sup>  
 तेज सक्षिप्य सिष्ठत 1 32<sup>१</sup>  
 तेज सभृत्य दुर्धर्षे 3 104<sup>१</sup>  
 तेज सोमस्य भास्वत 20 13<sup>१</sup>  
 ते जातवेदस सर्वे 110 24<sup>१</sup>  
 ते जाता श्रोत्रियकुले 18 24<sup>१</sup>  
 तेजोभिरवरोहत 43 13<sup>१</sup>

तेजोयुक्ताहापस्विनः 13. 43<sup>d</sup>.  
 तेजोराशिमानिर्जितम् 90. 2<sup>d</sup>.  
 तेजोवीर्यबलोपेतः 87. 16<sup>d</sup>.  
 ते तत्र रमणीयेषु 84. 23<sup>d</sup>.  
 ते तथेति मङ्गल्यहम् 86. 15<sup>d</sup>.  
 ते तदा स सुसंमूलाः 21. 35<sup>d</sup>.  
 ते तन्वानास्तनूस्तत्र 32. 8<sup>d</sup>.  
 तेऽतप्यन्त मद्भक्षपः 2. 33<sup>d</sup>.  
 ते समुत्तुर्दिनाः सर्वे 18. 29<sup>d</sup>.  
 ते तस्य सत्वसंधस्य 32. 33<sup>d</sup>.  
 ते तामपश्यन्पतितां 50. 24<sup>d</sup>.  
 ते तु गोत्रकरा राजन् 23. 14<sup>d</sup>.  
 ते तु ज्ञानप्रदातारः 12. 30<sup>d</sup>.  
 ते तु तद्वचनं श्रुत्वा 3 17<sup>d</sup>.  
 ते तु प्रक्षरपयः सर्वे 40 16<sup>d</sup>.  
 ते तु युक्त्या रथवरं 71. 1<sup>d</sup>.  
 ते तु सर्वे समानार्थाः 47. 16<sup>d</sup>.  
 ते ते श्रेयो विधास्तस्मिन् 11. 38<sup>d</sup>.  
 ते दृष्टमाना और्वेण 35. 21<sup>d</sup>.  
 तेऽद्वित्या दक्षकन्यया 3. 49<sup>d</sup>.  
 ते देवदानवाः प्रीताः 21. 17<sup>d</sup>.  
 ते देवाः पृथिवीतले 43. 70<sup>d</sup>.  
 ते धर्मेचारिणो नित्यं 14. 7<sup>d</sup>.  
 तेन कार्यस्तवया सह 109. 44<sup>d</sup>.  
 तेन क्षीरेण रक्षांसि 6. 32<sup>d</sup>.  
 तेन खल्वग्रयस्सुप्ति 100. 76<sup>d</sup>.  
 तेन खल्वसि देवानां 100 63<sup>d</sup>.  
 तेन खल्वसि योनिस्तवम् 100. 44<sup>d</sup>.  
 तेन खल्वसि लोकाणां 100. 50<sup>d</sup>.  
 तेन तद्विषयाश्रयः 67. 12<sup>d</sup>.  
 तेन तस्मै वरं प्रादात् 10 19<sup>d</sup>.  
 तेन त्वात् न नास्तीति 9. 57<sup>d</sup>.  
 तेन ते च महासैलाः 93. 68<sup>d</sup>.  
 तेन तेन विधानेन 45. 12<sup>d</sup>.  
 तेन ते'वर्तयन्तीह 6 29<sup>d</sup>.  
 तेन ते समरे सर्वे 108 28<sup>d</sup>.  
 तेन त्रियदानीं बहला 10. 11<sup>d</sup>.  
 तेन वृक्षस्य पुत्रा वै 3. 10<sup>d</sup>.  
 तेन दुष्टप्रचारेण 67. 11<sup>d</sup>.  
 तेन देहेन सो गिरिः 60. 34<sup>d</sup>.  
 तेन द्वादश वर्षाणि 10. 10<sup>d</sup>.  
 तेन धर्मरथेनाथ 23. 35<sup>d</sup>.  
 तेन नष्टेषु धेदेषु 31. 94<sup>d</sup>.

तेन नारायणः स्मृतः 1. 24<sup>d</sup>.  
 तेन निःक्षत्रिया कृत्वा 31. 104<sup>d</sup>.  
 तेन नो वर्षावैरुप्यम् 110. 13<sup>d</sup>.  
 तेन पुत्रेषु बालेषु 23. 65<sup>d</sup>.  
 तेन प्रागानधरयन् 2. 26<sup>d</sup>.  
 तेन बालेन रंहसा 51. 18<sup>d</sup>.  
 तेन ब्रह्मशिरो नाम 20. 33<sup>d</sup>.  
 तेन भायेन ते यत्नं 115. 28<sup>d</sup>.  
 तेन मत्तेन नागेन 74. 22<sup>d</sup>.  
 तेन म्लेच्छेन शत्रुणा 85. 46<sup>d</sup>.  
 तेन रत्नाकराः सर्वे 100. 55<sup>d</sup>.  
 तेन विद्यासिता देवाः 37. 46<sup>d</sup>.  
 तेन धीरेण मोक्षितः 9. 100<sup>d</sup>.  
 तेन वैरं त्वया साधे 109. 44<sup>d</sup>.  
 तेन शक्रः सहस्राक्षः 37. 47<sup>d</sup>.  
 तेन शब्देन विग्रन्त्वाः 50. 23<sup>d</sup>.  
 तेन शब्देन संशुद्धं 56. 4<sup>d</sup>.  
 तेन शैला विवर्धिताः 6 9<sup>d</sup>.  
 तेन शैलाः प्रतिष्ठिताः 6. 36<sup>d</sup>.  
 तेन सप्तसु द्वीपेषु 23. 145<sup>d</sup>.  
 तेन सचादिता भेवाः 59. 6<sup>d</sup>.  
 तेन संपादितं सत्यं 59. 8<sup>d</sup>.  
 तेन संजुगयतां शिरं 93. 8<sup>d</sup>.  
 तेन सवर्धिता गावः 59. 10<sup>d</sup>.  
 तेन सौदासकर्मणा 67. 10<sup>d</sup>.  
 तेन खहेन भगवात् 20. 32<sup>d</sup>.  
 तेन स परितृष्टाश्च 83. 14<sup>d</sup>.  
 तेन देहयराजस्य 31. 97<sup>d</sup>.  
 तेनाधर्मेण वै वदा 9. 95<sup>d</sup>.  
 तेनागन्त इति स्मृतः 58 43<sup>d</sup>.  
 तेनाग्नेन प्रजास्तात 6. 15<sup>d</sup>.  
 तेनाश्रयण विभित्तः 60. 35<sup>d</sup>.  
 तेनासौ मोक्षमास्थाय 22. 2<sup>d</sup>.  
 तेनास्मि परितोषितः 62. 12<sup>d</sup>.  
 ते निषेदुर्पयोक्तेषु 42. 11<sup>d</sup>.  
 तेनेमाः श्रुतयो व्याहाः 40. 21<sup>d</sup>.  
 तेनेयं गीर्मेहारात्र 2. 24<sup>d</sup>.  
 तेनेयं वृषिता सर्वा 55. 50<sup>d</sup>.  
 तेनेयं पृथिवी कृत्वा 23. 144<sup>d</sup>.  
 तेनैव गजदन्तेन 74. 37<sup>d</sup>.  
 तेनैव प्राहरकृत्वा 74. 33<sup>d</sup>.  
 तेनैव प्राहरदक्षत्रे 64. 20<sup>d</sup>.  
 तेनैव वर्तयन्पुत्राः 6. 24<sup>d</sup>.

तेनोत्पन्नोऽपि दोषो न 106 5<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्यमभिसपेदु 37 26<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्यवपुषा बद्धा 61 11<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्य दृष्ट्युभौमा 94 20<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्य नाचबुध्यन्त 35 14<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्य भयपीडिता 108 47<sup>०</sup>  
 तेऽन्योन्य लघुविक्रमा 58 20<sup>०</sup>  
 ते पराजयसप्रह्ला 106 9<sup>०</sup>  
 ते परावरदृष्टार्था 41 12<sup>०</sup>  
 ते पर्यत रैवतक 100 10<sup>०</sup>  
 तेऽपि गोदृत्तय सर्वे 64 24<sup>०</sup>  
 तेऽपि तेनैव मार्गेण 3 21<sup>०</sup>  
 तेऽपि सर्वे भय लवत्वा 37 5<sup>०</sup>  
 तेऽपि स्वर्गजितो नरा 13 57<sup>०</sup>  
 तेऽप्युभे तस्य वै भार्ये 45 33<sup>०</sup>  
 ते प्रजानां शुभकरा 41 6<sup>०</sup>  
 ते प्रदीप्तप्रहरणा 110 39<sup>०</sup>  
 ते प्राप्य तां रष्टुर्दि भूय 13 10<sup>०</sup>  
 ते ब्राह्ममुत्सृज्य रणे 108 50<sup>०</sup>  
 ते ब्रह्मचारिण सर्वे 16 33<sup>०</sup>  
 ते भग्ना सहसा यान्ति 113 14<sup>०</sup>  
 ते भयन्त पुरस्कृत्य 89 21<sup>०</sup>  
 ते भूय प्रणता सर्वे 12 23<sup>०</sup>  
 तेभ्यस्ते प्रयत्नप्रमान 12 25<sup>०</sup>  
 तेभ्य पुष्टि प्रजाश्चैव 12 38<sup>०</sup>  
 तेभ्यो ब्रह्मर्षिसुत्पयेभ्य 20 25<sup>०</sup>  
 तेभ्योऽभवन्महात्मन्य 32 8<sup>०</sup>  
 तेऽमृतप्राप्तनोपमा 47 12<sup>०</sup>  
 ते युद्धरामा रथिन 81 78<sup>०</sup>  
 तेऽप्युच्यन्तृष्णसगता 110 39<sup>०</sup>  
 ते योगधर्मनिरवा 18 1<sup>०</sup>  
 ते योगनिरता सिद्धा 18 26<sup>०</sup>  
 ते रक्तसूर्ये विवसे 84 31<sup>०</sup>  
 ते रथैर्विविधाकरे 87 43<sup>०</sup>  
 तेऽर्धमुच्यन्तश्च ताम् 13 35<sup>०</sup>  
 ते वध्यमाना बलिभि 35 8<sup>०</sup>  
 ते वध्यमाना विमुखा 32 12<sup>०</sup>  
 ते वध्यमाना वीरिण 10 39<sup>०</sup>  
 ते वनालयजीविन 59 26<sup>०</sup>  
 ते वय सामपूर्वे वै 15 49<sup>०</sup>  
 ते वाय पितरोऽप्ये वा 11 32<sup>०</sup>  
 ते वाहयन्तस्वयमोभ्य 58 22<sup>०</sup>  
 ते विध्यमाना रामेण 81 70<sup>०</sup>

ते वीतभयसत्रासा 37 3<sup>०</sup>  
 ते वृका पञ्चवद्धाश्च 52 32<sup>०</sup>  
 ते वै पुत्रा प्रजापते 13 7<sup>०</sup>  
 ते वै सदीप्तमनस 37 14<sup>०</sup>  
 ते वै हिंस्रतया दूरा 16 15<sup>०</sup>  
 ते दासा ब्रह्मणा मूढा 12 22<sup>०</sup>  
 ते शुभा काञ्चनसर्भा 89 22<sup>०</sup>  
 ते शूरसेनानाविद्य 80 17<sup>०</sup>  
 ते श्रुत्वा पृथिवीवाक्य 43 1<sup>०</sup>  
 तेषामथाम्युपगमात् 13 64<sup>०</sup>  
 तेषामन्यतरस्य वै 16 10<sup>०</sup>  
 तेषामपि च ता प्रिया 77 24<sup>०</sup>  
 तेषामपि च राजेन्द्र 3 56<sup>०</sup>  
 तेषामरतिनादानम् 89 26<sup>०</sup>  
 तेषामापतता सख्ये 113 14<sup>०</sup>  
 तेषामासीत्कुरुद्रह 6 31<sup>०</sup>  
 तेषामुत्वादनार्थाय 43 43<sup>०</sup>  
 तेषामेव च त्रयाद 108 40<sup>०</sup>  
 तेषामेव प्रनावेन 41 13<sup>०</sup>  
 तेषामेव महात्मनाम् 82 23<sup>०</sup>  
 तेषामेव प्रष्टुद्वानां 3 110<sup>०</sup>  
 तेषामेव भविष्यति 112 121<sup>०</sup>  
 तेषामेवासि यत्स्रष्टा 100 63<sup>०</sup>  
 तेषामिरावतो दोष्या 6 23<sup>०</sup>  
 तेषा कर्मवदावाति 1 10<sup>०</sup>  
 तेषा कसस्तु पूर्वेज 27 28<sup>०</sup>  
 तेषा कुले महाराज 23 159<sup>०</sup>  
 तेषा क्यतानि गोप्राणि 23 88<sup>०</sup>  
 तेषा च बणिना बले 41 22<sup>०</sup>  
 तेषा च बुद्धिसमाहम् 21 34<sup>०</sup>  
 तेषा चरितमुत्तमम् 19 31<sup>०</sup>  
 तेषा च ब्रजवासिनाम् 56 26<sup>०</sup>  
 तेषा च मुरुचिस्वासीत् 6 34<sup>०</sup>  
 तेषा चित्रा कयास्त 100 16<sup>०</sup>  
 तेषा जनपदा पञ्च 23 32<sup>०</sup>  
 तेषा जनपदा स्कीलाः 23 129<sup>०</sup>  
 तेषा जाल्यन्तरेऽभवत् 16 16<sup>०</sup>  
 तेषा ज्येष्ठस्तु राजासीत् 114 4<sup>०</sup>  
 तेषा ज्वलितकीर्तीनाम् 41 17<sup>०</sup>  
 तेषा जत्र बिहंगानां 16 34<sup>०</sup>  
 तेषा तु तपसा तेन 16 31<sup>०</sup>  
 तेषा तु दिवि दैत्याना 36 20<sup>०</sup>  
 तेषा द्वाभ्यां वदा 10 40<sup>०</sup>

तेषा देवा भविष्यथ 12 3<sup>0</sup>  
 तेषां देवाहुरोपमम् 61 52<sup>0</sup> 87 73<sup>0</sup>  
 तेषा धर्माभिमानाना 117 43<sup>0</sup>  
 तेषा मानानि मे शृणु 23 86<sup>0</sup>  
 तेषां नामानि लोकाश्च 13 6<sup>0</sup>  
 तेषा नारायण तेज 10 63<sup>0</sup>  
 तेषा नास्त्वनवागम 62 57<sup>0</sup>  
 तेषां पथि क्षुधावार्ता 16 7<sup>0</sup>  
 तेषा पाप्रविशेषाश्च 4 21<sup>0</sup>  
 तेषा पितृप्रसादेन 14 6<sup>0</sup>  
 तेषा पुत्राश्च पौत्राश्च 3 79<sup>0</sup>, 94<sup>0</sup> 114 16<sup>0</sup>  
 तेषा बुरह्मदेवानाम् 45 10<sup>0</sup>  
 तेषां पूर्वविसृष्टिं च 1 13<sup>0</sup> 7 1<sup>0</sup>  
 तेषां प्रत्यक्षदर्शितान् 1 12<sup>0</sup>  
 तेषां प्रधाना सप्त 3 87<sup>0</sup>  
 तेषा प्रसाद चक्रुस्ते 17 7<sup>0</sup>  
 तेषा प्रियार्थं च रणे 109 48<sup>0</sup>  
 तेषा प्रीतोऽभवद्ब्रह्मा 47 14<sup>0</sup>  
 तेषा मत्तमयाज्ञाय 53 7<sup>0</sup>  
 तेषा मध्यममात्रेषु 58 14<sup>0</sup>  
 तेषां मध्ये स्ववह्निषु 109 24<sup>0</sup>  
 तेषा मरु साधयता 16 26<sup>0</sup>  
 तेषां यन्तु मन स्मृतम् 30 52<sup>0</sup>  
 तेषा ययाति पञ्चाना 22 3<sup>0</sup>  
 तेषा यवीयान्पृषत 23 102<sup>0</sup>  
 तेषा युद्ध समन्वद् 81 101<sup>0</sup>  
 तेषा युधि जनार्दन 88 16<sup>0</sup>  
 तेषा ये ते महापरा 9 34<sup>0</sup>  
 तेषां रथाना दसुल 37 31<sup>0</sup>  
 तेषा लोक विसर्गं च 13 5<sup>0</sup>  
 तेषा वक्ष्यामि विस्तरम् 3 31<sup>0</sup>  
 तेषां वधाधर्ममक्षेप 110 42<sup>0</sup>  
 तेषा वशकरो राजा 15 20<sup>0</sup>  
 तेषा वदाक्षिषा भूत 24 2<sup>0</sup>  
 तेषां विदुक्षिर्ज्यैष्ठ्येषु 9 39<sup>0</sup>  
 तेषा विमर्दं दाशाये 43 54<sup>0</sup>  
 तेषा विसर्गाश्चत्वार 27 2<sup>0</sup>  
 तेषां वै मानसी कन्या 13 52<sup>0</sup>, 60<sup>0</sup>, 65<sup>0</sup>  
 तेषा शृणु गतिं विष्णो 44 20<sup>0</sup>  
 तेषा सकद्रुकोष्णीया 81 30<sup>0</sup>  
 तेषा स गायतामेव 55 26<sup>0</sup>  
 तेषा सप्त महावशा 1 33<sup>0</sup>  
 तेषां सविद्वेषोत्पत्ता 18 26<sup>0</sup>

तेषा सुतमुल शब्द 81 29<sup>0</sup>  
 तेषु कथनसन्धिषु 93 62<sup>0</sup>  
 तेषु तं नाति कारणम् 35 29<sup>0</sup>  
 तेषु तेषु च पात्रेषु 2 26<sup>0</sup>  
 तेषु तेष्ववकाशेषु 81 37<sup>0</sup>  
 तेषु प्रभवमानेषु 117 19<sup>0</sup>  
 तेषु वेदमसु युक्तषु 86 18<sup>0</sup>  
 तेषु सर्वेषु दैत्येषु 33 54<sup>0</sup>  
 ते सर्वे गोपपतय 69 30<sup>0</sup>  
 ते सव चतुरश्रणि 69 22<sup>0</sup>  
 ते सर्वे याणवर्षश्च 108 22<sup>0</sup>  
 ते सर्वे ब्राह्मिभिर्यासा 38 51<sup>0</sup>  
 ते सर्वे श्रुभकर्मणि 16 25<sup>0</sup>  
 ते सर्वे सदसा देवान् 113 2<sup>0</sup>  
 ते सर्वे साधुलोचना 56 19<sup>0</sup>  
 तेऽर्च्यज्जातमन्यव 2 36<sup>0</sup>  
 ते सूक्ष्म प्राणिनानोधा 40 14<sup>0</sup>  
 तेऽज्जालैः प्रमथिता 35 9<sup>0</sup>  
 ते स्म कालवशा प्राप्य 42 49<sup>0</sup>  
 ते स्म नानारताचिः 84 21<sup>0</sup>  
 ते ह्यपमाना रौद्रेण 108 35<sup>0</sup>  
 ते ह्यै काञ्चनारीडै 81 75<sup>0</sup>  
 ते ह्यष्टमनस सर्वे 21 19<sup>0</sup>  
 तेऽतिरिक्तनयोऽभवत् 27 17<sup>0</sup>  
 तेरासकारिभिर्नित्य 55 52<sup>0</sup>  
 तेरिय पृथिवी त्वाव 7 47<sup>0</sup>  
 तेरिय पृथिवी सर्वा 4 15<sup>0</sup> 22 18<sup>0</sup>  
 तेरुत्ता सा तु मा भैषी 13 30<sup>0</sup>  
 तेरेव च महायुदे 108 40<sup>0</sup>  
 तेरेव तत्कर्मकळ 13 32<sup>0</sup>  
 तेरेव सुयिनैस्त्वात 16 20<sup>0</sup>  
 तेदावादेर्महाभाग 93 35<sup>0</sup>  
 तेहन्वमान दैत्यानाम् 110 55<sup>0</sup>  
 तेऽक्षैरुपातदर्शनै 106 53<sup>0</sup>  
 तेऽस्मिन्नि सह पादवै 110 21<sup>0</sup>  
 ते ह्यपमानो गोविन्द 94 21<sup>0</sup>  
 तोत्रादितं ह्यव द्विप 108 19<sup>0</sup>  
 तोमराङ्गनापदितै 33 29<sup>0</sup>  
 तोमरेण विभेदात् 87 67<sup>0</sup>  
 तोमरेणासदेवो त 87 66<sup>0</sup>  
 तोमरे पद्विसेलया 108 69<sup>0</sup>  
 तोमरे स परश्वधै 33 12<sup>0</sup>  
 तोयगम्भीररत्ननेषु 54 16<sup>0</sup>

तोषदानामयाश्रयीन् 61. 1<sup>d</sup>.  
 तोषदान्यामिवान्वरम् 34. 44<sup>d</sup>.  
 तोषदाविद्वेषसना 37. 17<sup>d</sup>.  
 तोषदाः शशिनं यथा 67 17<sup>d</sup>.  
 तोषधर्मेक्ष रङ्गः 75 19<sup>d</sup>.  
 तोषपैः श्रवणैस्त्यक्तं 55 41<sup>d</sup>.  
 तोषप्रदानमात्रेण 78 26<sup>d</sup>.  
 तोषमभ्यासमुद्रता 42. 34<sup>d</sup>.  
 तोषमुत्तरयन्तीभिः 53 28<sup>d</sup>.  
 तोषयोनिनिशाकरः 35 74<sup>d</sup>.  
 तोषलम्ब इषाम्बुदः 58 28<sup>d</sup>.  
 तोषवातोद्धतैर्वैद्यैः 55. 29<sup>d</sup>.  
 तोषव्यादृच्छगामिनीम् 83 44<sup>d</sup>.  
 तोषं च मम जायते 83 42<sup>d</sup>.  
 तोषं सुसुखरक्षयम् 61. 49<sup>d</sup>.  
 तोषानि चाभिपेकार्यं 5 25<sup>d</sup>.  
 तोषार्यं कूलमाश्रिताः 117. 35<sup>d</sup>.  
 तोषे चरसि नि.शङ्कः 100 36<sup>d</sup>.  
 तोषणैर्ज्वलनप्रक्षयैः 94 2<sup>d</sup>.  
 तोषयामास वीर्यवान् 71 41<sup>d</sup>.  
 तोषयित्वा यथाकामं 71 42<sup>d</sup>.  
 तोषयामास कश्यपम् 3 97<sup>d</sup>.  
 तोषयिव्याम्यहं जगत् 75 21<sup>d</sup>.  
 तोषिता वसुधा जलैः 54 8<sup>d</sup>.  
 तोषी क्षीणशक्तौ विरथी 82 9<sup>d</sup>.  
 तोष च कृत्वा मनसि मां 47 49<sup>d</sup>.  
 तोष च श्रुतिधरौ वीरौ 79 5<sup>d</sup>.  
 तोष चामरधराजुभौ 70 33<sup>d</sup>.  
 तोषोषोपविष्टावभितः 115 9<sup>d</sup>.  
 तोष जातदासावन्योन्यं 71 34<sup>d</sup>.  
 तोष जितारी जितक्रोधौ 76 46<sup>d</sup>.  
 तोषिद्धेरेरा इति श्यावाः 23 160<sup>d</sup>.  
 तोष ततः शरनिश्चिञ्चैः 112. 64<sup>d</sup>.  
 तोष तत्र परिधावेतां 51. 8<sup>d</sup>.  
 तोष तालपर्णप्रतते 57. 4<sup>d</sup>.  
 तोष तु पूर्वमतिक्रम्य 96 9<sup>d</sup>.  
 तोष तु भाण्डोरमुचिते 58 5<sup>d</sup>.  
 तोष तु मल्लौ महावीर्यौ 72 14<sup>d</sup>.  
 तोष तु सागंगतं दृष्ट्वा 71 7<sup>d</sup>.  
 तोष तु घृन्दवान्ने प्रासौ 54 1<sup>d</sup>.  
 तोष तु स्वभवनं वीरौ 71 2<sup>d</sup>.  
 तोष दिवं छात्र्यन्तौ तौ 42 16<sup>d</sup>.  
 तोषैर्द्वयौ कृतनामानौ 42. 19<sup>d</sup>.

तोषैर्द्वयौ युद्धदुर्मदौ 42. 27<sup>d</sup>.  
 तोषौ पाशाशुङ्खोपुष्यौ 36. 14<sup>d</sup>.  
 तोषौ पाशाहिमयोधिना 36 16<sup>d</sup>.  
 तोषौ प्रजङ्गुरन्वोन्यं 82 16<sup>d</sup>.  
 तोषौ बालकौ ललितकौ 51. 11<sup>d</sup>.  
 तोषौ मायानपकर्षताम् 36 32<sup>d</sup>.  
 तोषौ यथाहं निषोदतुः 57. 26<sup>d</sup>.  
 तोषौ युद्धकुशलवुभौ 65. 87<sup>d</sup>.  
 तोषौ रामयन्तावन्योन्यं 54 42<sup>d</sup>.  
 तोषौ विवेषा स्वयं वायुः 42. 16<sup>d</sup>.  
 तोषौ व्याधामप्रजुपताम् 58. 10<sup>d</sup>.  
 तोषौ द्युपारमतां चैव 82. 22<sup>d</sup>.  
 तोषौ शरैः साधुनिशितैः 44. 48<sup>d</sup>.  
 तोषौ सप्रहरणौ वीरौ 81. 65<sup>d</sup>.  
 तोषौ समोपगतौ महौ 72 15<sup>d</sup>.  
 तोषकावाञ्छिज्जसत्तम 85. 3<sup>d</sup>.  
 तोषकव्या तात रामने 71. 3<sup>d</sup>.  
 तोषकरा कामांस्तपस्तेषु 18 9<sup>d</sup>.  
 तोषकरा प्राणानरिदम् 15. 60<sup>d</sup>.  
 तोषकरा प्राणानवर्तत 81. 95<sup>d</sup>.  
 तोषकरा भेषमयं चासः 59. 47<sup>d</sup>.  
 तोषकरा सहचरीधर्म 16 28<sup>d</sup>.  
 तोषकरा सा चाससौ पुनः 112 98<sup>d</sup>.  
 तोषकरेभ्यो सागरौ तनुम् 43 38<sup>d</sup>.  
 तोषक्यमित्ति सुवि जीवितम् 61. 6<sup>d</sup>.  
 तोषक्याम्यहं प्रियाम्प्राणान् 107. 60<sup>d</sup>.  
 तोषक्य कोपं युष्यौ वर 113 31<sup>d</sup>.  
 तोषक्य यमैर्कृतां चिन्तां 48. 40<sup>d</sup>.  
 तोषक्यन्ति विद्वगा नगान् 66. 30<sup>d</sup>.  
 तोषक्यनां निगुणं वनम् 52. 28<sup>d</sup>.  
 तोषक्यित्तो धनदक्रियाम् 37. 49<sup>d</sup>.  
 तोषक्य पृते गणाः प्रोक्ताः 13 61<sup>d</sup>.  
 तोषक्य पृते मया प्रोक्ताः 13. 50<sup>d</sup>.  
 तोषक्य एव महारथाः 23 15<sup>d</sup>, 114<sup>d</sup>.  
 तोषक्य एषाममृतैषः 13 4<sup>d</sup>.  
 तोषक्यस्तु परिमोक्षिताः 18. 14<sup>d</sup>.  
 तोषक्यस्ते सहचारिणः 17 6<sup>d</sup>.  
 तोषक्यश्च वृन्दायः 112. 1<sup>d</sup>, 34<sup>d</sup>.  
 तोषक्यश्चानाणां लोकानां 110. 18<sup>d</sup>.  
 तोषक्यश्चिभिरनुत्तमैः 112 33<sup>d</sup>.  
 तोषक्यश्चिश्चानु कामजाः 3. 56<sup>d</sup>.  
 तोषक्यं स्वाहमभसजितम् 35. 41<sup>d</sup>.  
 तोषक्यः परमपार्श्विकाः 9 15<sup>d</sup>, 23. 43<sup>d</sup>, 135<sup>d</sup>, 26 21<sup>d</sup>.



अथ पूर्व हता ये च 103 27°  
 अयोदश महाथला 3 76°  
 अयोऽपायास्त्रयो गुणा 30 28°  
 अयोऽभिसंधिता लोका 10 65°  
 अयो ये परमा गणा 13 6°  
 अयो रथगता जग्मु 70 7°  
 अयो वर्णाश्च लोकास्त्रि 38 72°  
 अयो वर्णास्त्रयो लोका 30 28°  
 अयो हताश्चतुर्भे त्व 101 11°  
 अत्स्युर्महीपति 9 86°  
 अत्स्युर्महीपति 13 63°  
 अत्सरेणुप्रमाणानि 13 28°  
 अत्समीनविहगमा 83 36°  
 अत्ससमूहवाहनम् 81 53°  
 अत्सं प्रापानिलेरितम् 43 36°  
 अत्सव्या प्रथम गाव 45 30°  
 अत्स स पुरपन्थाय 5 24°  
 अत्सत् मनसा जग्मु 32 12°  
 अत्सत् धारणार्थिनाम् 65 16°  
 अत्सत्स्त्रायणित ता द्विचान् 45 30°  
 अत्सुकाम ममभ्ययात् 110 56°  
 अत्सुभ्रमित्स्वुवाघातां 13 29°  
 अत्सुव नोऽद्य देवेश 31 60°  
 अत्सुन यादवै हतम् 85 32°  
 अत्सुन परसैन्याना 67 21°  
 अत्सुन सर्वभूताना 44 23°  
 अत्सुन सुरसवाना 91 5°, 55°  
 अत्सुयद्विश्च गोब्रजान् 52 34°  
 अत्सुयद्विश्च दानवै 97 22°  
 अत्सुयद्विश्चैशिकान् 89 45°  
 अत्सुयद्विश्च नभश्चरान् 81 58°  
 अत्सुयद्विश्च ब्रुमच्छिद् 59 25°  
 अत्सुयद्विश्च बली 108 34°  
 अत्सुयद्विश्च गोष्ठान् 64 1°  
 अत्सुयद्विश्च देवता 36 58°  
 अत्सुयान स दुर्मति 57 13°  
 अत्सुयान्मास दुष्टारमा 64 10°  
 अत्सुयान्मास पार्थिवान् 89 44°  
 अत्सुय विस्वय चैरस्था 108 30°  
 अत्सुयान्मास अग्निवान् 23 83°  
 अत्सुयान्मास जलद्वैरुण 54 8°  
 अत्सुयान्मास रथार्थिनो युधि 98 2°  
 अत्सुयान्मास सविभ्रा 16 22°

अत्सुयान्मास सत्रजा गाव 61 28°  
 अत्सुयान्मासो गजेन वै 74 24°  
 अत्सुयान्मासो जन सर्वै 77 58°  
 अत्सुयान्मासो वदुर्नैर्द्वि 61 24°  
 अत्सुयान्मासो येश्वर 80 14°  
 अत्सुयान्मासो धराम् 55 33°  
 अत्सुयान्मासो चक्रार स 31 118°  
 अत्सुयान्मासो च वर्षेकि 3 40°  
 अत्सुयान्मासो च शाश्वत 109 86°  
 अत्सुयान्मासो धुरधर 68 27°  
 अत्सुयान्मासो वय मान्वा 83 10°  
 अत्सुयान्मासो कृष्ण 86 21°  
 अत्सुयान्मासो त्रिदिवद्वारस्त्रि 34 21°  
 अत्सुयान्मासो गतिश्च स 46 16°  
 अत्सुयान्मासो स्व गतिश्च 47 45°  
 अत्सुयान्मासो त्रिदिवारोहिभिर्ज्याले 35 52°  
 अत्सुयान्मासो त्रिदिवै श्वम्बकेऽपि वा 67 53°  
 अत्सुयान्मासो त्रिधन्वा नाम पार्थिव 9 87°  
 अत्सुयान्मासो दीप्यनु पावक 38 72°  
 अत्सुयान्मासो त्रिनन्वातरसव्ययम् 33 2°  
 अत्सुयान्मासो गणसकृत् 112 129°  
 अत्सुयान्मासो धर्मै 36 43°  
 अत्सुयान्मासो विहायसि 61 44°  
 अत्सुयान्मासो वाण 112 29°  
 अत्सुयान्मासो तु रक्षस 9 73°  
 अत्सुयान्मासो सलक 81 82°  
 अत्सुयान्मासो चक्रान्ते 45 48°  
 अत्सुयान्मासो नाराचै 81 84°  
 अत्सुयान्मासो शिद्वशेषपा 30 9°  
 अत्सुयान्मासो कार्णै 43 32°  
 अत्सुयान्मासो यज्जसतयज्जान 118 24°  
 अत्सुयान्मासो यज्जसतयाजिन 118 29°, 29°, 32°  
 अत्सुयान्मासो सदीद 60 12°  
 अत्सुयान्मासो यथा 70 7°  
 अत्सुयान्मासो नृप 9 83°  
 अत्सुयान्मासो भवान् 30 9°  
 अत्सुयान्मासो प्रवर्तका 65 12°  
 अत्सुयान्मासो परिचारीभि 6 48°  
 अत्सुयान्मासो परिचो भानो 106 47°  
 अत्सुयान्मासो त्रिविक्रम 54 30°  
 अत्सुयान्मासो विक्रमन्त 36 57°  
 अत्सुयान्मासो व्यतिक्रम 10 17°  
 अत्सुयान्मासो त्रिविध भुवि विद्यते 41 11°

त्रिविष्टपसमे देशे 92 25<sup>०</sup>  
 त्रिविष्टपादापत्ति 46 2<sup>०</sup>  
 त्रिशाङ्कुरिति होराच 10 18<sup>०</sup>  
 त्रिशाङ्कुरेतेन स स्मृत 10 18<sup>०</sup>  
 त्रिशाङ्कुरस्यचरिताम् 62 48<sup>०</sup>  
 त्रिशानुरपरान्तित 23 123<sup>०</sup>  
 त्रिशिख शूलमुच्यते 47 40<sup>०</sup>  
 त्रिशिला भुवुर्वा कृत्वा 108 95<sup>०</sup>  
 त्रिशीर्षाणिव पद्मगौ 52 3<sup>०</sup>  
 त्रिदाल तस्य तद्गीत 110 30<sup>०</sup>  
 त्रिपु पिण्डेषु निखदा 11 12<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु दुर्लभम् 11 25<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु भामिनी 8 1<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु विश्रुतम् 93 50<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु विश्रुता 21 11<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु शोभने 9 12<sup>०</sup>  
 त्रिपु लोकेषु सुन्दरी 13 19<sup>०</sup>  
 त्रिषता प्रत्यविष्यत् 87 64<sup>०</sup>  
 त्रिशीर्षानिबद्धाश्च 52 39<sup>०</sup>  
 त्रि सप्तकृत्य पृथिवी 31 104<sup>०</sup>  
 त्रि सप्तकृत्योऽतिथया 20 14<sup>०</sup>  
 त्रीणि दिव्यानि भारत 2 10<sup>०</sup>  
 त्रीणि वर्षसहस्राणि 20 3<sup>०</sup>  
 त्रीणि वर्षाणि विषये 24 6<sup>०</sup>  
 त्रीण्यपत्यानि कौरव्य 8 0<sup>०</sup>  
 त्रीण्यपश्यद्दिनानानि 13 28<sup>०</sup>  
 त्रीन्ध्वार चचार च 34 27<sup>०</sup>  
 त्रीन्पिण्डानामगोत्रत 12 39<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकानित न श्रुतम् 20 25<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकान्कन्द्यपात्मज 8 5<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकान्धारयन्तीमात्र 12 14<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकाज्ञात्र सशय 21 15<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकाभावयामास 20 20<sup>०</sup>  
 त्रील्लोकाश्च जहर्षिष 38 20<sup>०</sup>  
 त्रता चित्र युगात्तमम् 40 35<sup>०</sup>  
 त्रतायुगे समुत्पन्न 85 59<sup>०</sup>  
 त्रीकाल्य त्रीणि वर्माणि 30 28<sup>०</sup>  
 त्रीलाक्यचारिणो सा ख 47 50<sup>०</sup>  
 त्रीलोकेयज्ञापिका वाचम् 86 25<sup>०</sup>  
 त्रीलोकेयमप्युत्सहते 61 55<sup>०</sup>  
 त्रीलोकेयमातर सर्वा 38 75<sup>०</sup>  
 त्रीलोकेयमिदमव्ययम् 30 12<sup>०</sup>  
 त्रीलोकेयराज्य कूर 31 123<sup>०</sup>

त्रैलोक्यस्य हितार्थाप 45 2<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्य प्रतिगुह्यताम् 32 32<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्य चन्द्रमानीय 31 56<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्य सचराचरम् 115 31<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्यस्यान्तिभूताम् 69 25<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्यमातरचारिणा 68 50<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्यमातरविचारि 36 50<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्ये जलता गते 42 25<sup>०</sup>  
 त्रैलोक्ये मुक्तवधने 36 38<sup>०</sup>  
 त्रैविद्य पावकाख्य 30 28<sup>०</sup>  
 त्रैशाङ्कव इति स्मृत 10 22<sup>०</sup>  
 त्र्यक्षपत्या समादिष्ट 107 77<sup>०</sup>  
 त्र्यम्बकश्च महायया 31 18<sup>०</sup>  
 त्र्यम्बकश्च यथाव्यय 86 24<sup>०</sup>  
 त्र्यम्बकश्चापराजित 3 43<sup>०</sup>  
 त्र्यम्बकेन महायया 106 18<sup>०</sup>  
 त्र्यहसुम्नत्तवद्युद्ध 15 59<sup>०</sup>  
 त्र्यज्ञो नाम प्रजापति 5 1<sup>०</sup>  
 त्र्यच्छरीरगत कृष्ण 62 21<sup>०</sup>  
 त्र्यत्कथयद्दृगिण सर्वे 44 76<sup>०</sup>  
 त्र्यष्टितररत्नराज्य 43 29<sup>०</sup>  
 त्र्यष्टिते कृष्ण घोषोऽयं 60 4<sup>०</sup>  
 त्र्यष्टिते भर्यस्यमागौ 61 69 16<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तश्चैव सुदुर्भर्गात् 118 29<sup>०</sup>  
 त्र्यत्त श्रुत्वता ध्रुव 106 1<sup>०</sup>  
 त्र्यत्त सर्वमिद ज्ञात 100 61<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तो विष्णुर्न सागरे 44 77<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तोऽस्यनुज्ञा संप्राप्य 11 26<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तोऽर्हामि महायुते 11 29<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तुरीनाश्च गच्छन्तु 101 17<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तणीतोऽय गोपाता 60 10<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रभावात्र सशय 67 65<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रलायेष्वकुशला 69 12<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रवृत्तन शोभने 69 11<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रसादाश्च सशय 35 74<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रसूनमिद जगत् 112 108<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रसृत फल भवेत् 39 28<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तप्रियार्थं न सशय 21 33<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तद्वै क्राडित गतम् 77 16<sup>०</sup>  
 त्र्यत्ततो यो हि न ह्यह 66 34<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तद्वैनेनपरायणम् 69 9<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तद्वैनेनपर निरय 69 11<sup>०</sup>  
 त्र्यत्तद्वैनेन जनेन ह 69 2<sup>०</sup>

रङ्गता पुण्डरीकाक्ष 45 43<sup>०</sup>  
 स्वहृदो वर्तमान स 62 71<sup>०</sup>  
 स्वद्विधेनापि सिद्धेन 13 73<sup>०</sup>  
 स्वनिहृदेन भारत 89 16<sup>०</sup>  
 स्वमय सर्वलोकाना 36 3<sup>०</sup>  
 स्वमयान्मन्त्रि मागन् 44 76<sup>०</sup>  
 स्वमयास्ववत्प्रचोदिता 44 18<sup>०</sup>  
 स्वमपत्वं भविष्यति 13 35<sup>०</sup>  
 स्वमप्रतिमवीर्यश्च 36 3<sup>०</sup>  
 स्वमस्य यज्ञपूतस्य 39 26<sup>०</sup>  
 स्वमादित्यपथावूर्ध्वं 36 6<sup>०</sup>  
 स्वमाश्रयंशरीरोजसि 100 35<sup>०</sup>  
 स्वमाश्रयं जनार्दन 100 81<sup>०</sup>  
 स्वमिन्द्रो वै भविष्यति 62 41<sup>०</sup>  
 स्वमिमा शोःकारिकाम् 48 40<sup>०</sup>  
 स्वमिवाज्ञातवसति 54 23<sup>०</sup>  
 स्वमेकोऽस्य मृधे हुन्ता 38 58<sup>०</sup>  
 स्वमेव च भविष्यति 9 11<sup>०</sup>  
 स्वमोर्वैर्दक्षितेजसे 112 62<sup>०</sup>  
 स्वया गोविन्द मच्छते 62 78<sup>०</sup>  
 स्वया च भरतश्रेष्ठ 11 24<sup>०</sup>  
 स्वया चैव गजेन्द्रग 73 4<sup>०</sup>  
 स्वया हृद्यार्येर्दक्षिणा 44 15<sup>०</sup>  
 स्वया त्वमिहित प्रह्वन् 115 12<sup>०</sup>  
 स्वया रिचदमद् शृष्ट 115 26<sup>०</sup>  
 स्वया दायादवानपि 11 21<sup>०</sup>  
 स्वयाद्य कृष्णपासन 9 12<sup>०</sup>  
 स्वया एत प्रनुशैव 115 35<sup>०</sup>  
 स्वयानय नमोऽस्तु ते 113 35<sup>०</sup>  
 स्वया नान्येन श्रीधर 44 78<sup>०</sup>  
 स्वया नियम्या सर्वे वै 45 26<sup>०</sup>  
 स्वया पौरजनस्वार्थे 77 29<sup>०</sup>  
 स्वया प्रवर्तिते गाधे 103 5<sup>०</sup>  
 स्वया प्रीतिमता गवाम् 62 11<sup>०</sup>  
 स्वया धान्धवक्राम्यया 65 66<sup>०</sup>  
 स्वया वरुणे विद्योत्तिताम् 69 12<sup>०</sup>  
 स्वया भाव्यथेर्दक्षिणा 62 86<sup>०</sup>  
 स्वया मान्यश्च नित्यदा 62 79<sup>०</sup>  
 स्वया यत्नयेतेति वै 75 7<sup>०</sup>  
 स्वया याद्वनन्दन 83 9<sup>०</sup>  
 स्वया याद्वनुप्राणा 66 16<sup>०</sup>  
 स्वया युद्धे पराजित 44 86<sup>०</sup>  
 स्वया लोकानिमाजित्वा 62 82<sup>०</sup>

स्वयानुदसिता राजन् 19 6<sup>०</sup>  
 स्वया विधाने विहिते 110 18<sup>०</sup>  
 स्वया वि षो निराहृता 44 75<sup>०</sup>  
 स्वया सनाथा देवाना 44 18<sup>०</sup>  
 स्वया सागरमक्षोभ्य 77 28<sup>०</sup>  
 स्वया साध्विति भाषिते 66 10<sup>०</sup>  
 स्वया सृष्ट जगदिद 113 33<sup>०</sup>  
 स्वया स्या पूर्वमेव हि 21 32<sup>०</sup>  
 स्वया स्वर्गप्रतिच्छन्दै 77 18<sup>०</sup>  
 स्वया हि नित्य रक्ष्य स 62 80<sup>०</sup>  
 स्वया हि मद्बोधोपाय 65 81<sup>०</sup>  
 स्वया हीनाविज्ञासितुम् 70 15<sup>०</sup>  
 स्वया झनुगृहीत स 62 71<sup>०</sup>  
 स्वयि कामवशा स्वयां 77 18<sup>०</sup>  
 स्वयि कार्यान्तरगते 67 60<sup>०</sup>  
 स्वयि चासुरसूदने 41 3<sup>०</sup>  
 स्वयि जाग्रति केशव 44 79<sup>०</sup>  
 स्वयि देवकिनन्दन 96 5<sup>०</sup>  
 स्वयि न प्रभविष्यन्ति 113 31<sup>०</sup>  
 स्वयि न महूरिष्यति 56 39<sup>०</sup>  
 स्वयि नाधे निपातिते 77 32<sup>०</sup>  
 स्वयि पञ्चत्वमापके 77 5<sup>०</sup>  
 स्वयि मानुष्यमापके 62 17<sup>०</sup>  
 स्वयि योद्धु गने विष्णो 39 27<sup>०</sup>  
 स्वयि राजासनस्थे हि 67 65<sup>०</sup>  
 स्वयि लोकान्तर गते 77 10<sup>०</sup>  
 स्वयि वीरव्रतधिये 77 3<sup>०</sup>  
 स्वयेद दवनासनम् 43 42<sup>०</sup>  
 स्वयेह नगने मद्य 8 10<sup>०</sup>  
 स्वथैव बहुलोहवत् 113 35<sup>०</sup>  
 स्वथैव विनिपातित 91 59<sup>०</sup>  
 स्वथैव साधिते पूर्वम् 103 5<sup>०</sup>  
 स्वथैवाराध्यमानास्ते 11 39<sup>०</sup>  
 स्वथोक्त लोमदर्शणे 1 5<sup>०</sup>  
 स्वथोक्त शार्ङ्गधननि 31 1<sup>०</sup>  
 स्वथोक्तानि द्विजात्म 1 10<sup>०</sup>  
 स्वथोक्तो मत्तकालिनि 73 29<sup>०</sup>  
 स्वय्यध शरुते सुप्त 50 10<sup>०</sup>  
 स्वय्यावेश्य जयान्वयौ 109 21<sup>०</sup>  
 स्वय्येव केवल युक्त 67 53<sup>०</sup>  
 स्वय्येव पर्वतस्तम्भा 58 44<sup>०</sup>  
 स्वयता धेन कर्तव्य 43 42<sup>०</sup>  
 खरते खलु कसोऽय 74 25<sup>०</sup>

स्वरते खलु कार्याये 81 2<sup>d</sup>  
 स्वरयन्तोऽभिधावन्तु 81 46<sup>d</sup>  
 स्वरित मुक्तकेयुषश्च 71 14<sup>d</sup>  
 स्वरिता वामिनी प्राद 108 9<sup>d</sup>  
 स्वरिता पृष्ठत कृत्वा 70 6<sup>d</sup>  
 स्वर्यमाणा महेश्च 61 49<sup>d</sup>  
 स्वरुप्य च दादकम् 102 22<sup>d</sup>  
 स्वष्टा तु स ययान्यायम् 8 30<sup>d</sup>  
 स्वष्टा तु तेजसा तेन 8 45<sup>d</sup>  
 स्वष्टा स्वष्टाद्गहय 33 18<sup>d</sup>  
 स्वष्टा पूषा तथैव च 3 50<sup>d</sup>  
 स्वष्टा रुद्रश्च वीर्यवान् 3 42<sup>d</sup>  
 स्वष्टा वासवचोदित 93 38<sup>d</sup>  
 स्वष्टुर्दुहितर भौम 91 7<sup>d</sup>  
 स्वष्टुर्वात्मज धीमान् 3 42<sup>d</sup>  
 स्वष्टु समीपमगमत् 8 13<sup>d</sup>  
 स्वदमेको ज्वरो सुवि 111 8<sup>d</sup>  
 स्व कान्ति कान्तवपुषा 36 9<sup>d</sup>  
 स्व क्षिप्रमपनीयसे 77 12<sup>d</sup>  
 स्व गच्छ भारते वसे 43 38<sup>d</sup>  
 स्व गच्छ विनयाय वै 45 46<sup>d</sup>  
 स्व गतिस्त्व रतिश्चैव 60 3<sup>d</sup>  
 स्व गति परमा नृणाम् 47 53<sup>d</sup>  
 स्व गवामिन्द्रवा गत 62 43<sup>d</sup>  
 स्व चक्षुस्त्वं परायण 44 83<sup>d</sup>  
 स्व च गच्छ महाणवम् 56 38<sup>d</sup>  
 स्व च प्रातो भविष्यसि 8 27<sup>d</sup>  
 स्व च स्थापयितेति ह 23 30<sup>d</sup>  
 स्व चापि विष्टतलाभ्या 66 21<sup>d</sup>  
 स्व चापि स्वजनद्वेषी 66 32<sup>d</sup>  
 स्व चाशौचगत प्रभो 15 48<sup>d</sup>  
 स्व चैव सुहृदा सुहृत् 60 3<sup>d</sup>  
 स्व जाता वृष्णिनन्दन 99 17<sup>d</sup>  
 स्व तु कर्कशशीलश्च 65 72<sup>d</sup>  
 स्व तु नरत्पत्रय गच्छसि 17 11<sup>d</sup>  
 स्व तु शक्रमम पुत्र 69 15<sup>d</sup>  
 स्व द्वि भन देवकीम् 47 37<sup>d</sup>  
 स्व नो वृत्ति विषत्स्येति 5 41<sup>d</sup>  
 स्व पूरो यदि गन्पसे 22 32<sup>d</sup>  
 स्व बाणाप्रतिभ महत् 106 35<sup>d</sup>  
 स्व भारते कार्यगुरु 44 83<sup>d</sup>  
 स्व मया विनियोजित 43 43<sup>d</sup>  
 स्व मुखेन विराजिता 47 45<sup>d</sup>

स्व विप्र जनयिष्यसि 13 36<sup>d</sup>  
 स्व वेत्ता स्व परायणम् 60 3<sup>d</sup>  
 स्वं सिद्धि धीर्भूति कीर्ति 47 54<sup>d</sup>  
 स्व सोम सोमवृत्तिनाम् 36 9<sup>d</sup>  
 स्व हि चक्षुष्मता चक्षु 44 16<sup>d</sup>  
 स्व हि तस्य वधायैक 9 59<sup>d</sup>  
 स्व हि न परमा गति 45 26<sup>d</sup>  
 स्व हि न परमो गुरु 31 60<sup>d</sup>  
 स्व हि न परमो देव 31 60<sup>d</sup>  
 स्व हि न परमो धाता 31 60<sup>d</sup>  
 स्व हि न सा गतिश्छिन्ना 77 14<sup>d</sup>  
 स्व हि लोकास्य चेश्वर 43 2<sup>d</sup>  
 स्व हि शेष सनातन 58 47<sup>d</sup>  
 स्व हि सुहृमो महानेक 58 43<sup>d</sup>  
 स्वामृते न च रस्यते 62 72<sup>d</sup>  
 स्वामी देवी विवस्वत 8 1<sup>d</sup>  
 स्वा च सत्यमय ज्ञात्वा 62 83<sup>d</sup>  
 स्वा चाप्रतिमकर्मणा 67 64<sup>d</sup>  
 स्वा निहत्याद्य बाणेन 6 4<sup>d</sup>  
 स्वा पति सुपति प्राप्य 77 53<sup>d</sup>  
 स्वा बालमनुशोचती 99 20<sup>d</sup>  
 स्वा भत्या मानुषं प्रभो 56 28<sup>d</sup>

दु

दक्ष एव प्रजापति 3 6<sup>d</sup>  
 दक्षशापभयात्सुनि 3 8<sup>d</sup>  
 दक्षश्चोक्तस्त्वपानघ 2 51<sup>d</sup>  
 दक्षस्तु परमैष्टिना 3 12<sup>d</sup>  
 दक्षस्य च महात्मान 2 50<sup>d</sup>  
 दक्षस्य पुत्रा इयंश्वा 3 15<sup>d</sup>  
 दक्षस्य वै दुहितरि 3 8<sup>d</sup>  
 दक्षस्यैते हि दौहित्र्या 7 40<sup>d</sup>  
 दक्ष प्राचेतस पुन 3 18<sup>d</sup>  
 दक्ष प्राचेतसो ददौ 3 30<sup>d</sup>  
 दक्षिणस्या तथा दिशि 9 41<sup>d</sup>  
 दक्षिणस्यां महात्मान 4 12<sup>d</sup>  
 दक्षिणस्यां रतावेष्ट 93 15<sup>d</sup>  
 दक्षिण नगरद्वार 81 47<sup>d</sup>  
 दक्षिण पक्षमासेदु 81 97<sup>d</sup>  
 दक्षिण पार्श्वमास्थिता 110 5<sup>d</sup>  
 दक्षिणापथगामिनी 13 63<sup>d</sup>  
 दक्षिणापथवासिन 88 4<sup>d</sup>  
 दक्षिणाभि सहेत्यहम् 100 23<sup>d</sup>  
 दक्षिणाभि सहेत्येव 100 26<sup>d</sup>, 82<sup>d</sup>, 83<sup>d</sup>

दक्षिणामददत्सोम 20 25<sup>१</sup>  
 दक्षिणार्थं हि सा दत्ता 23 126<sup>१</sup>  
 दक्षिणाश्वापि वतेन्ता 38 73<sup>१</sup>  
 दक्षिणाहृदयो योगी 31 27<sup>१</sup>  
 दक्षिणा दिशमास्थाय 106 46<sup>१</sup>  
 दक्षिणा भृगुनन्दन 31 106<sup>१</sup>  
 दक्षिणेन कराम्रेण 96 16<sup>१</sup>  
 दक्षिणेन च पक्षेण 112 79<sup>१</sup>  
 दक्षिणेन वपुःमता 36 55<sup>१</sup>  
 दक्षो जज्ञे महातेजा 2 45<sup>१</sup>  
 दक्षो नाम प्रजापति 2 42<sup>१</sup>  
 दग्ध कृष्ण इति हुवन् 112 45<sup>१</sup>  
 दग्धाञ्जनगिरिप्रभम् 58 25<sup>१</sup>  
 दग्धाद्विसदो व्योम्नि 68 12<sup>१</sup>  
 दग्धान्यादित्तरदिमभि 7 53<sup>१</sup>  
 दग्धा वाराणसी चैव 97 11<sup>१</sup>  
 दग्धा सा पार्वती माया 36 33<sup>१</sup>  
 दग्धा सर्वे महाराज 10 49<sup>१</sup>  
 दग्धसेनारमज शूर 15 27<sup>१</sup>  
 दग्धसेनो महीपति 15 26<sup>१</sup>  
 दग्धाथरपितृथी तु 9 78<sup>१</sup>  
 दग्धी कमण्डलुधर 44 9<sup>१</sup>  
 दत्तमाराधयामास 23 139<sup>१</sup>  
 दत्तवान्विचरयन् 11 19<sup>१</sup>  
 दत्तगमुश्च शत्रुजित् 28 3<sup>१</sup>  
 दत्तस्त्वयैर गोविन्द 91 59<sup>१</sup>  
 दत्त नदनदीपते 103 3<sup>१</sup>  
 दत्त स्वधा पुरोपाय 13 66<sup>१</sup>  
 दत्त पूर्वमभूत्किञ्च 10 33<sup>१</sup>  
 दत्त पुत्रेण तुष्टेन 22 13<sup>१</sup>  
 दत्तातदत्तौ बलिनी 28 2<sup>१</sup>  
 दत्ताग्नेय इति ख्यात 31 93<sup>१</sup>  
 दत्ताग्नेय धीमता 31 97<sup>१</sup>  
 दत्तोऽत्रिऋयवनस्तथा 7 11<sup>१</sup>  
 दत्तो वृत्तनिगहन 73 33<sup>१</sup>  
 दत्तोऽस्माकमतर्कित 77 36<sup>१</sup>  
 दत्त्वा घोराननेकदा 112 79<sup>१</sup>  
 दत्त्वा च वरमन्वय 3 100<sup>१</sup>  
 दत्त्वा जगाम शिरसं 9 28<sup>१</sup>  
 दत्त्वाभय तु कृष्णो वै 67 15<sup>१</sup>  
 ददत्वश्राक्षयं विस 9 76<sup>१</sup>  
 ददयै कृष्णमकूर 70 32<sup>१</sup>  
 ददर्श च महच्छत्र 92 5<sup>१</sup>

ददर्श च महात्मानौ 79 8<sup>१</sup>  
 ददर्श तान्मया सा मध्ये 51 26<sup>१</sup>  
 ददर्श दर्शने राजा 19 11<sup>१</sup>  
 ददर्श द्वारका चैव 107 87<sup>१</sup>  
 ददर्श धनमक्षय 92 2<sup>१</sup>  
 ददर्श नरकालयम् 92 1<sup>१</sup>  
 ददर्श पृथिवीपतिम् 85 48<sup>१</sup>  
 ददर्श पृथुलश्रोणी 92 24<sup>१</sup>  
 ददर्श भवन यत्र 108 1<sup>१</sup>  
 ददर्श भोगिना नाथ 70 29<sup>१</sup>  
 ददर्श मधुसूदन 92 21<sup>१</sup>, 23<sup>१</sup>, 47<sup>१</sup>  
 ददर्श मध्ये नारीणा 108 2<sup>१</sup>  
 ददर्श यदुनन्दनम् 107 71<sup>१</sup>  
 ददर्श यमुना नदीम् 25 28<sup>१</sup>  
 ददर्श योगमास्थाय 8 36<sup>१</sup>  
 ददर्श विपुल दश 84 24<sup>१</sup>  
 ददर्श विपुलानि वै 83 2<sup>१</sup>  
 ददर्श विपुलोद्गम 55 17<sup>१</sup>  
 ददर्श विबुधाधिपम् 92 50<sup>१</sup>  
 ददर्श स नृपात्मज 10 13<sup>१</sup>  
 ददर्श हृदयुक्तमम् 55 40<sup>१</sup>  
 ददर्शाथ पुरीं कृष्ण 93 1<sup>१</sup>  
 ददर्शादोहने गवाम् 68 16<sup>१</sup>  
 ददर्शाद्भुतरूपिणौ 70 30<sup>१</sup>  
 ददर्शात्तरमच्युत 3 105<sup>१</sup>  
 ददर्शापलनयन 76 23<sup>१</sup>  
 ददर्शात्पमात्मन 40 4<sup>१</sup>  
 ददर्शनं जगोप च 87 29<sup>१</sup>  
 ददद्भुवंशनरतीशौ 56 13<sup>१</sup>  
 ददानि स्व प्रतीच्छत्व 11 25<sup>१</sup>  
 ददानि वरमुत्तमम् 11 27<sup>१</sup>  
 ददानीत्यमरीद्धाना 89 12<sup>१</sup>  
 ददानाङ्गिरसे तारां 20 36<sup>१</sup>  
 ददावाहनयुक्तम् 83 54<sup>१</sup>  
 ददासि यदि नो परम् 47 17<sup>१</sup>  
 ददाह पावकस्त तु 85 52<sup>१</sup>  
 ददुर्न चैन समरे 82 27<sup>१</sup>  
 ददशातेऽथ तौ यीशौ 57 3<sup>१</sup>  
 ददशाते महात्मानौ 82 10<sup>१</sup>, 92 54<sup>१</sup>  
 ददशुर्दानवा सोम 34 26<sup>१</sup>  
 ददशुर्वैवताकर 42 6<sup>१</sup>  
 ददशुर्न हि त सर्वे 76 27<sup>१</sup>  
 ददशुस्तां मिथा मध्ये 96 18<sup>१</sup>,

दृष्टान्ता विनिर्दिता 96 32<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते स्थिते देव 32 28<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते कृष्णमासीन 96 8<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते पुरवासिन 76 27<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते रणमूर्धनि 108 44<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते द्वारका चारु 93 36<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते द्वारका पुरीम् 93 25<sup>०</sup>, 27<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते यादवी पुरीम् 92 69<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते वासुदेवस्य 93 37<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते जिराजसुमती 30 12<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते तस्मिन्महायज्ञे 31 107<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते तं चामुदकस्य 99 7<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते प्रापेततो दक्ष 20 21<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते प्रीत प्रजापति 109 85<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते विधेपु नित्यम् 24 7<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते शक्राय वसुधा 31 91<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते शिष्य तदात्मान 90 13<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते सनात्रिते त वै 28 30<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते स वस भर्गाय 2 47<sup>०</sup> 3 24<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते स्तन च कृष्णाय 50 22<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते हृष्टमना कृष्ण 29 39<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धार मन्दर विष्णु 65 42<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धार सद्वा वपु 62 62<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धारापुत्रजातानि 34 38<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते देव हस्तेन 61 58<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धर्मशास्त्राद्वैदिकम् 49 25<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धिवाहनपुत्रस्तु 23 33<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते धिहृदी घृतावते 60 15<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते सार्पैर्यथा नयेत् 39 12<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते द्युत्तरस्य च 65 91<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते द्युवशाविषयना 3 79<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य कारुण्य 105 11<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य धीर्यवान् 81 41<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य तनय 87 3<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य शमुना 82 2<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य यायिना 87 26<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य जरासन्ध 87 49<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य महाबल 24 22<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य मानस्तु 67 28<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य सरम्भत् 89 44<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य सन्ध 89 32<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य मातङ्गौ 82 16<sup>०</sup>  
 दृष्टान्ते दन्तवक्त्रस्य तापुधम् 75 4<sup>०</sup>

दन्तोल्लसलिनस्तथा 35 35<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य पुत्रास्तु 87 20<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्योपि चेदिराट् 87 19<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य कालिधम् 55 51<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य सर्पराजे तु 57 1<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य यमुनाहृदे 69 19<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य हतविष 56 33<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य हरिनेनाथ 21 11<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य वै क्षिप्र 56 27<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य मेघास्तु 114 10<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य कसगोपते 47 33<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य कर्तुदुग्धे 25 1<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य महाबल 80 14<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य गृह्यतेन च 54 13<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य जनान्यावत् 112 93<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य विनयस्य च 37 21<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य गुणवचस 58 33<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो द्रुपदस्य 15 29<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य सत्यन 57 15<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य विनयेन च 35 3<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य बलवान् 69 20<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य लीनूत 57 5<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य सुमतीभवत् 23 23<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य सक्तेरा 10 44<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य भारत 15 44<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य च लोकेषु 81 63<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य सुदर्शनम् 38 39<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य कृताभां हि 92 34<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य मुहुर्मुहु 41 19<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य यदीच्छामि 71 39<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य त घटम् 85 31<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य त तद्वा 79 13<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य भास्करा 8 40<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य गानहृत् 107 63<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य हृत्वाणि 89 35<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य च भारत 21 5<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य चाष्टौ च भूमिषा 100 9<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्य चाष्टौ च समामान् 82 27<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो द्युन्मत् 20 6<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो राजा 10 14<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो तद्गत क्षत्र 9 17<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो यदिरा 20 5<sup>०</sup>  
 दन्तवक्त्रस्यो भाग्यन्दिना 20 27<sup>०</sup>

दशानव्य महाारथम् 103 57<sup>d</sup>  
 दशानव्या तुतोद् ह 74 31<sup>f</sup>  
 दशानैर्दूलनिसुंके 67 31<sup>f</sup>  
 दशानौष्टेक्षणायुधः 33 23<sup>b</sup>  
 दश पुत्रान्मनोरमान् 7 16<sup>d</sup>  
 दश पुत्रान्महात्मान 23 13<sup>d</sup>  
 दश पुत्रा महात्मन 7 33<sup>d</sup>  
 दश पुत्रा महाबला 7 21<sup>b</sup>  
 दश पुत्रा महौजस 7 10<sup>b</sup>  
 दश पुत्राश्च विश्रुता 7 29<sup>d</sup>  
 दश प्राचीनवर्द्धिप 2 32<sup>b</sup>  
 दश यद्वाक्यपरि 52 32<sup>b</sup>  
 दशम्यस्तु प्रचेनोम्य 2 45<sup>m</sup>  
 दशवर्षरातानि च 31 138<sup>b</sup>  
 दशवर्षसद्वाणि 2 33<sup>d</sup>, 35<sup>d</sup> 31 33<sup>d</sup>, 138<sup>m</sup>  
 दश वर्षाणि पञ्च च 21 5<sup>b</sup>  
 दशान्ते शोपित वृद्ध 69 6<sup>d</sup>  
 दशार्णाधिपतिस्तथा 80 13<sup>b</sup>  
 दशाह्वस्य सुतो व्योमा 26 22<sup>d</sup>  
 दशाधमेयाञ्जाकृत्वात् 31 128<sup>d</sup>  
 दस्युमिवां निरुद्वाना 47 53<sup>d</sup>  
 दस्युनि शलभैरिव 85 20<sup>b</sup>  
 दहत्यर्को भुरा कान्त 77 7<sup>d</sup>  
 ददन शोषणश्चैव 110 24<sup>d</sup>  
 ददन सर्वभूताना 35 61<sup>d</sup>  
 ददमानो ष्यराजत 112 5<sup>d</sup>  
 ददन्ते वाहणा सर्वे 113 27<sup>m</sup>  
 ददमानमियाम्बरम् 32 15<sup>d</sup>  
 ददमानं दिवा रात्री 69 7<sup>d</sup>  
 ददमान समन्तत 113 16<sup>b</sup>  
 ददमाना दिवीकस 35 20<sup>b</sup>  
 ददमानाश्च वद्विना 112 20<sup>d</sup>  
 ददमाने च वपावे 112 71<sup>d</sup>  
 ददमाने च दानवै 35 22<sup>b</sup>  
 ददमानेन चेतसा 46 31<sup>d</sup>  
 ददामि सर्वतस्मात् 110 65<sup>d</sup>  
 ददातानि दिशो दश 81 53<sup>d</sup>  
 ददया य मसुदुत्य 31 29<sup>m</sup>  
 ददामे परिचरते 109 6<sup>b</sup>  
 ददामुधयल हयम् 96 42<sup>b</sup>  
 ददार्णोष्ठपुगनन 36 50<sup>b</sup>  
 दद्विणा मुखपरिणाम् 53 4<sup>b</sup>  
 दाशायण्यामरिंदन 8 1<sup>b</sup>

दाशायण्यो महाजता 20 21<sup>b</sup>  
 दाक्षिणात्या त्रिवास्त 88 10<sup>d</sup>  
 दाक्षिणात्या नराधिपा 89 25<sup>b</sup>  
 दाक्षिणात्याभिरक्षिताम् 97 3<sup>b</sup>  
 दाक्षिणात्या महर्द्वय 89 19<sup>b</sup>  
 दाक्षिणारथेश्वर जना 87 12<sup>d</sup>  
 दाता यजवा च धीरश्च 24 8<sup>d</sup>  
 दातुमर्हसि मानद 77 19<sup>d</sup>  
 दानमानगृहीतानि 77 57<sup>d</sup>  
 दाव कालनेमिनम् 37 4<sup>d</sup>  
 दानव दुष्टवादिनम् 73 30<sup>d</sup>  
 दानव देवसदन 35 17<sup>d</sup>  
 दानव मल्लदेहिनम् 75 39<sup>b</sup>  
 दानरा कालचोदित 99 7<sup>d</sup>  
 दानव प्रत्यदव्यत 36 47<sup>d</sup>  
 दानव स विचेतन 112 116<sup>d</sup>  
 दानव सुमहाबल 96 39<sup>b</sup>  
 दानवा अतिदारणा 3 75<sup>b</sup>  
 दानवा गिरिच्छद्धाना 108 49<sup>d</sup>  
 दानवा जनयन्ति हि 99 22<sup>d</sup>  
 दानवा देवते सार्ध 35 2<sup>d</sup>  
 दानवानामभ्यावाय 40 29<sup>d</sup>  
 दानवाना क्षयो भवेत् 44 76<sup>d</sup>  
 दानवाना च भारत 3 97<sup>b</sup>  
 दानवाना च विष्णोश्च 38 80<sup>d</sup>  
 दानवाना तु पित्रीषु 37 1<sup>m</sup>  
 दानवाना परंवत 91 52<sup>b</sup>  
 दावाना पितामह 65 31<sup>d</sup>  
 दानवाना पुरा रणे 108 48<sup>b</sup>  
 दानवाना भयावदम् 38 16<sup>d</sup> 107 85<sup>b</sup>  
 दानवाना महाारथान् 106 49<sup>d</sup> 112 3<sup>d</sup>  
 दानवाना महासूये 32 30<sup>d</sup>  
 दानवाना विनासाय 38 3<sup>d</sup> 44 80<sup>d</sup>  
 दानवाना विमानेषु 36 36<sup>d</sup>  
 दानवा निजितास्तदा 108 50<sup>d</sup>  
 दानवानचिकीर्षया 8 45<sup>d</sup>  
 दानवानिद्विदि दानव 36 21<sup>d</sup>  
 दानवान्देवनिद्वान् 36 55<sup>d</sup>  
 दानवान्पुरुषव्याघ्र 110 52<sup>d</sup>  
 दानवान्पुत्रदुर्मदान् 108 27<sup>b</sup>  
 दानवा भयपीडिता 112 10<sup>d</sup>  
 दानवा यदुन दनम् 92 29<sup>b</sup>  
 दानवा सुदवाक्षिण 37 3<sup>d</sup>

दानवा विज्रमोपेता 38 66°  
 दानवाश्चापि समरे 38 30°  
 दानवास्ते महाबला 3 74°  
 दानवास्त्र प्रदान्त तु 112 73°  
 दानवा हतशिष्टा ये 92 9°  
 दानवाश्चाप्यनीवयत् 36 25°  
 दानवा कृतिनो जम्मु 37 8°  
 दानवा पेतुरम्बरात् 91 49°  
 दानवा समभिक्षुदा 108 18°  
 दानवा समरे जम्मु 35 7°  
 दानवा सुमदाबला 3 70°  
 दानवी काममोहिता 99 8°  
 दानवेन्द्र निहानि तम् 31 63°  
 दानवेन्द्र प्रचोदित 108 78°  
 दानवैजित्कामिभि 35 3°  
 दानवैर्द्वारका पुरीम् 92 17°  
 दानवै सह सयुगे 108 39°  
 दानवो दानवेशर 35 25°  
 दानवोऽप्रतिमो युधि 67 20°  
 दानवो मुष्टिपैत्रेन 96 43°  
 दानवो युद्धुर्मुद 99 4°  
 दानवो युधि दुर्जय 44 29°  
 दानवो विष्णुमक्षोभ्य 38 5°  
 दानवो दानयान्तक 44 74°  
 दानवो नगचारिणौ 47 49° 65 51°  
 दानवो मयुकैटभौ 31 18°  
 दानसस्यसमन्विता 117 10°  
 दान भेद तथैव च 15 49°  
 दानोत्कटकदश्रण्ड 73 2°  
 दामनीदामभारैश्च 53 17°  
 दामनीपादापाशितै 53 24°  
 दामनीप्रायबहुल 49 24°  
 दामभिर्यम्पमानेषु 70 5°  
 दामभिश्च विभूषितम् 49 23°  
 दामोदर इति ख्यात 96 34°  
 दामोदरपरायणा 61 3° 63 29° 76 22°  
 दामोदरमुजा स्थिता 61 24°  
 दामोदरवच श्रुत्वा 57 10° 60 1°  
 दामोदर च श्रीमन्त 67 40°  
 दामोदरोहामरवा 54 29°  
 दाश्रु चैवोदरे बध्ना 51 14°  
 दाश्रा चोत्पले यद् 96 34°  
 दाश्रा निबद्धमुदर 51 26°

दाग्भिकास्ते भविष्यन्ति 117 9°  
 दापाद् दाश्वती समा 98 14°  
 दापाद्यमिन्द्रदाज्जु 21 27°  
 दापाद्यमिव धार्यते 117 47°  
 दारक क्षिप्रमेव तु 48 18°  
 दारक जग्गुहे तदा 50 8°  
 दारवेण सहानेन 50 28°  
 दारकौ कृतनामकौ 51 1°  
 दारकौ वृत्तनामानौ 50 2°  
 दारकौ सुकुमारकौ 51 11°  
 दारस्यन्तु पुरीमिमाग् 81 49°  
 दारपोयं विना स्रष्टे 35 46°  
 दारास्तु तस्य विषये 9 96°  
 दारिका पुत्र जातेति 48 24°  
 दारिका था स्वया राजौ 65 49°  
 दारिकेय हतैवैपा 48 25°  
 दारिद्र्यमनपाट्टल 18 28°  
 दारुक् प्रत्यभाषत 102 21°  
 दारुक् केशवस्य वै 86 78°  
 दारुण प्रतिभाति न 77 20°  
 दारुण विरल्लुभम् 52 13°  
 दारुण स्वेन कर्मणा 3 84°  
 दारुणाभिनिवेदेन 44 64°  
 दारुणास्त्रोमहर्षणात् 102 8°  
 दारुणेनान्तरात्मना 44 64°  
 दारुणेऽपि पितृ पुत्र 66 16°  
 दारुणो धेनुको नाम 57 12°  
 दारुणो लोमहर्षण 82 5°  
 दार्यता चैव दक्षौघ 81 35°  
 दावाग्निज्वलितप्रसवै 93 34°  
 दाशाहंगममथ्येऽद्य 109 26°  
 दाशाहंगमसचमा 113 51°  
 दाशाहंगममथोक्षज 95 11°  
 दाशाहोणा यशस्विनाम् 93 29°  
 दाशाहोम्यदुसत्वाम् 95 14°  
 दासा किं पुत्रे किंकरा 60 23°  
 दासीभिर्धेनसचये 94 25°  
 दास्यन्ति पितर सदा 12 38°  
 दास्यन्ते च परस्परम् 116 24°  
 दाहित च चन घोरे 105 16°  
 दिक्पूर्वा भरतश्रेष्ठ 9 16°  
 दिक्षु ख्याता नराधिप 28 33°  
 दिक्षु समागु वैद् स्व 37 51°



दिव्य सर्वासु धार्मिक 9 35<sup>d</sup>  
 दिव्य सर्वासु भारत 7 34<sup>d</sup>  
 दिव्य सर्वासु शुद्धासु 36 39<sup>d</sup>  
 दिव्य सर्वासु सर्वत 68 2<sup>d</sup>  
 दिव्य सर्वासु सहाद 92 44<sup>d</sup>  
 दिव्य सयानवतिपु 36 42<sup>d</sup>  
 दिग्गन्तरो नमोभूत 30 31<sup>d</sup>  
 दिग्धा क्षत्रियसोणितै 42 41<sup>d</sup>  
 दिग्भ्यो गर्भं प्रनाम्बित 20 7<sup>d</sup>  
 दिग्वासा कोटवी स्थिता 112 97<sup>d</sup>  
 दिगिर्विनष्टपुत्रा वै 3 97<sup>d</sup>  
 दिगिति ज्ञपनमाविशत् 3 109<sup>d</sup>  
 दिव्या पुत्रद्वय जज्ञे 3 58<sup>d</sup>  
 दिवक्षन्ती महत्तत्र 71 38<sup>d</sup>  
 दिवेशान्धकटूष्णियु 97 45<sup>d</sup>  
 दिधक्षन्तमिव प्रजा 35 47<sup>d</sup>  
 दिधक्षन्तमित्रायान्त 36 52<sup>d</sup>  
 दिधक्षश्चिव लोकास्त्रीन् 35 50<sup>d</sup>  
 दिनसवास्तराक्षया 30 26<sup>d</sup>  
 दिलीपस्य तनय 10 64<sup>d</sup>, 73<sup>d</sup>  
 दिलीपस्य तु दायाद 10 86<sup>d</sup>  
 दिलीपस्य महात्मन 13 55<sup>d</sup>  
 दिलीप यजमान ये 13 57<sup>d</sup>  
 दिवमाचरमे मसु 31 142<sup>d</sup>  
 दिवमावृष्य तिष्ठत 2 2<sup>d</sup>  
 दिवच्छयुतस्य दैत्यस्य 44 78<sup>d</sup>  
 दिवसः को विना सृष्टे 56 25<sup>d</sup>  
 दिवसानेकविंशतिसु 28 26<sup>d</sup>  
 दिवसान्ते दिवाकर 70 39<sup>d</sup>  
 दिवसे दीप्तभास्करे 61 62<sup>d</sup>  
 दिवसे सप्तमे बाल 99 18<sup>d</sup>  
 दिव च पृथिवीं चैव 1 37<sup>d</sup>  
 दिव ग्योतिर्गौदिव 82 14<sup>d</sup>  
 दिवं प्रज्वाल्य तेजसा 12 5<sup>d</sup>  
 दिव मासे महीपतौ 21 27<sup>d</sup>  
 दिवं भुवमयापि च 1 26<sup>d</sup>  
 दिगाकरमरिदम् 9 17<sup>d</sup>  
 दिवा नचमजायत 66 25<sup>d</sup>  
 दिवि चत्वा महारमान 21 10<sup>d</sup>  
 दिविज्ञाताश्च भूमिजा 37 56<sup>d</sup>  
 दिवि शरिय सस्थिताम् 107 87<sup>d</sup>  
 दिवि भागित सुदर्शना 13 41<sup>d</sup>  
 दिवि शब्दो महागभूर् 9 66<sup>d</sup>

दिवि सचरता तद्वा 113 56<sup>d</sup>  
 दिविस्थाश्च दिव्यैरुस 58 56<sup>d</sup>  
 दिवोदास इति श्यात 23 57<sup>d</sup>  
 दिवोदासस्य पुत्रस्तु 23 62<sup>d</sup>  
 दिवोदासद्वत्त बडात् 23 64<sup>d</sup>  
 दिवोदास प्रजेश्वर 23 60<sup>d</sup>, 61<sup>d</sup>  
 दिवोदासेन बालो हि 23 64<sup>d</sup>  
 दिव्यकुण्डलपूर्णाभ्या 47 42<sup>d</sup>  
 दिव्यगन्धो बर्वा वासु 91 26<sup>d</sup>  
 दिव्यभृङ्गात्चम्रै 65 56<sup>d</sup>  
 दिव्यमप्रतिम बली 90 10<sup>d</sup>  
 दिव्यमम्यर्षितं चैव 92 63<sup>d</sup>  
 दिव्यमाकाशमात्रे 37 41<sup>d</sup>  
 दिव्यमालाकुल मृध 81 61<sup>d</sup>  
 दिव्यमाल्याम्बरधर 106 27<sup>d</sup>  
 दिव्यमाल्याम्बरधर 108 12<sup>d</sup>  
 दिव्यलोकमये रथे 32 28<sup>d</sup>  
 दिव्यगुह्याम्बरधर 62 67<sup>d</sup>  
 दिव्यसहनना चैव 9 5<sup>d</sup>  
 दिव्यस्य पयसो घटै 62 42<sup>d</sup>  
 दिव्यस्रगतुलेपनम् 60 21<sup>d</sup>, 106 27<sup>d</sup>  
 दिव्यस्रगतुलेपन 62 9<sup>d</sup>, 108 12<sup>d</sup>  
 दिव्यस्रगतुलेपना 48 25<sup>d</sup>  
 दिव्यस्रगदामधारिणी 81 58<sup>d</sup>  
 दिव्यस्रगर्भाक्षित 62 66<sup>d</sup>  
 दिव्य कृष्णवपुर्हरि 32 20<sup>d</sup>  
 दिव्य देवावृष चूपम् 27 1<sup>d</sup>  
 दिव्य न कथयाम्यहम् 46 17<sup>d</sup>  
 दिव्य नारायणाश्रमम् 40 1<sup>d</sup>  
 दिव्य भगवतो दिवि 39 6<sup>d</sup>  
 दिव्य मन्त्रपद महत् 100 27<sup>d</sup>  
 दिव्य वपुरधारयत् 96 36<sup>d</sup>  
 दिव्य स्वयन्तक नाम 28 12<sup>d</sup>  
 दिव्य स्वयन्तस्थित 51 19<sup>d</sup>  
 दिव्य स्वर्गानुदर्शितम् 37 52<sup>d</sup>  
 दिव्याश्चहृदयज्ञो वै 10 69<sup>d</sup>  
 दिव्या त्रिधारा दृष्टा मे 46 10<sup>d</sup>  
 दिव्या त्वमपरा शतु 99 40<sup>d</sup>  
 दिव्या देवगान्धिता 1 33<sup>d</sup>  
 दिव्या द्युगुणैर्गुता 31 149<sup>d</sup>  
 दिव्या देवमहाचम् 37 19<sup>d</sup>  
 दिव्या देवैर्भिष्टुता 38 29<sup>d</sup>  
 दिव्यानीति हि न श्रुतम् 20 3<sup>d</sup>

दिव्याभरणभूषिता 9 5 <sup>d</sup>	दीनया सज्जमानया 78 17 <sup>d</sup>
दिव्याभिरुपपत्तिभि 40 18 <sup>b</sup>	दीन पुत्रवधध्या-त 69 9 <sup>d</sup>
दिव्यामभरस हरि 92 66 <sup>b</sup>	दीप्तचापधरस्य च 112 36 <sup>b</sup>
दिव्यासनगतान्देवान् 46 13 <sup>d</sup>	दीप्ततेजसमच्युतम् 5 45 <sup>b</sup>
दिव्याभ्यु सविशेषत 118 36 <sup>d</sup>	दीप्ततोयाशनीपाते 32 15 <sup>d</sup>
दिव्यास्रत्णीरधर 33 4 <sup>d</sup>	दीप्तवीताम्बरधर 32 22 <sup>a</sup>
दिव्या पुण्या कया शुभाम् 31 11 <sup>b</sup>	दीप्तप्रहरण तदा 110 37 <sup>d</sup>
दिव्या कामदुषा विभो 45 24 <sup>b</sup>	दीप्तम-उभेत तस्य 76 15 <sup>d</sup>
दिव्येन विधिना मया 61 53 <sup>d</sup>	दीप्तमाकाशग दि-य 33 8 <sup>a</sup>
दिव्येषु च यथाक्रमम् 46 10 <sup>d</sup>	दीप्तराक्षाणि सद्युगे 113 15 <sup>d</sup>
दिव्यैर्मागतैर्मैत्रै 70 10 <sup>d</sup>	दीप्तशूङ्ग इवाचल 33 14 <sup>d</sup>
दिव्यैर्मर्त्यैश्च त देवा 9 67 <sup>a</sup>	दीप्त तेजोनिधि तदा 103 25 <sup>b</sup>
दिव्यै परमवाग्निभि 22 5 <sup>d</sup>	दीप्त प्रह्वारो नाम 112 67 <sup>a</sup>
दिव्यामृत्यु पञ्चमाम् 9 70 <sup>d</sup>	दीप्तान्निषटशे घोर 38 39 <sup>d</sup>
दिव्याक्षके जनादेन 113 21 <sup>d</sup>	दीप्तान्यमिततेजसात् 3 53 <sup>d</sup>
दिव्याश्च दशाद्य दधे 1 27 <sup>d</sup>	दीप्तान्याहवसद्भ्ये 81 56 <sup>b</sup>
दिव्याश्च समपूरयत् 37 24 <sup>d</sup>	दीप्तावा दिशि वारान्त 102 3 <sup>d</sup>
दिव्याश्च पुपरिरे 71 45 <sup>d</sup>	दीप्ता शीतोष्णतेजोभ्या 37 16 <sup>d</sup>
दिव्या वरण एव च 38 68 <sup>b</sup>	दीप्तास्यो मितभाषिता 31 137 <sup>b</sup>
दिव्या प्रच्छाव बाहुभि 38 38 <sup>d</sup>	दीप्तिसिद्धि सदस्यैश्च 34 5 <sup>d</sup>
दिव्या प्रदुद्भुत्तु सर 112 27 <sup>d</sup>	दीप्तिसिद्धि च तेजासि 32 35 <sup>d</sup>
दिव्या प्राक्रमदध्युत 9 33 <sup>d</sup>	दीप्तिसिद्धि बहुश्रुता 7 43 <sup>b</sup>
दिव्यापाल सुधम्बान 4 11 <sup>d</sup>	दीप्तिरङ्गिरसामिव 65 18 <sup>d</sup>
दिव्याभिर्विदिशाभिश्च 31 37 <sup>a</sup>	दीप्तन समधायत 110 29 <sup>b</sup>
दिव्या पागानय तथा 4 10 <sup>d</sup>	दीप्तन सुमहायता 110 31 <sup>b</sup>
दिव्या दक्षिणपूर्वस्था 22 16 <sup>a</sup>	दीप्तनेह समि-वता 8 2 <sup>f</sup>
दिव्या पूर्वात्तरस्थां तु 22 17 <sup>a</sup>	दीप्तान्निधापि तोमरै 37 13 <sup>b</sup>
दिव्या जम्बुद्वीपस 108 46 <sup>d</sup>	दीप्तमानमिव श्रिया 91 53 <sup>d</sup>
दिव्या भीता प्रदुद्भुत्तु 113 27 <sup>d</sup>	दीप्तमान प्रकाशते 109 84 <sup>f</sup>
दिव्या यालय विक्षता 110 28 <sup>d</sup>	दीप्तमान स्वतेजसा 31 140 <sup>b</sup> 76 44 <sup>d</sup>
दिव्या ते निहता मला 83 11 <sup>a</sup>	दीप्तमान स्ववपुषा 5 21 <sup>d</sup>
दिव्या ते मातरुत्थिता 31 2 <sup>b</sup>	दीप्तमानाननयो दैत्य 58. 26 <sup>d</sup>
दिव्या बाहुसदृशस्य 106 15 <sup>a</sup>	दीप्तमानेन वपुषा 87 32 <sup>d</sup>
दिव्या सदृशस्यमई 106 15 <sup>d</sup>	दीप्तमानेषु सर्वैरा 68 8 <sup>b</sup>
दिव्येदानीं समक्ष मे 38 15 <sup>a</sup>	दीप्तमानैश्च रश्मिभि 34. 20 <sup>d</sup>
दीक्षणीयैर्द्विजातिभि 38 73 <sup>b</sup>	दीप्ततामनु-पेनम् 71 27 <sup>d</sup>
दीक्षामय स कवच 29 25 <sup>a</sup>	दीयता भुज्यतामिति 31 139 <sup>d</sup>
दीक्षा तामुद्दहन्वली 10 13 <sup>b</sup>	दीयता मे सरदा शक 35 74 <sup>d</sup>
दीक्षां तां दुर्घटा मुचि 10 11 <sup>b</sup>	दीयता शीप्रमित्येवं 48 23 <sup>d</sup>
दीक्षा द्वादशवार्षिकीम् 10 3 <sup>b</sup>	दीर्घकालगत प्रत 79 18 <sup>d</sup>
दाक्षितो मधुसूदन 101 7 <sup>b</sup>	दीर्घकाल महापान 82 23 <sup>d</sup>
दाक्षितो वाग्निमेघाय 118 11 <sup>d</sup>	दीर्घविद्धोऽर्कनयन 81 73 <sup>d</sup>
दाक्षिताऽस्मि व्रताविति 101 13 <sup>d</sup>	



दु पन्तस्य महायना 23 49<sup>१</sup>  
 दु पन्तं पौरवं चापि 23 126<sup>०</sup>  
 दु सहाना यथा ध्वस 115 15<sup>१</sup>  
 दु स्वर्णां पात्रकैरपि 35 69<sup>१</sup>  
 दूत च प्रेषयामास 25 14<sup>०</sup>  
 दूत तस्मै ससजं ह 85 29<sup>१</sup>  
 दूत पुररपवादिनम् 44 26<sup>१</sup>  
 दूताम्बरितमेतद्वै 15 42<sup>०</sup>  
 दूतैस्ते वृत्तसधाना 100 7<sup>१</sup>  
 दूतोऽभ्येस्य वचोऽनवीत् 15 38<sup>१</sup>  
 दूरादेव तु तां दृष्ट्वा 113 47<sup>०</sup>  
 दूयन्तिव्यामि यन्मतम् 75 18<sup>१</sup>  
 दूयित च जगद्भवत् 41 25<sup>१</sup>  
 दूयित तद्वन महत् 67 11<sup>१</sup>  
 दूयित दूयितात्मना 108 15<sup>१</sup>, 88<sup>१</sup>  
 दूयिताश्च वनीरुस 44 35<sup>१</sup>  
 दृढजानुर्महोदर 64 5<sup>१</sup>  
 दृढनेमिसुतश्चापि 15 32<sup>०</sup>  
 दृढनेमि भतापवान् 15 32<sup>१</sup>  
 दृढप्रतिवृत्ती चैव 65 86<sup>०</sup>  
 दृढायुश्च वनायुश्च 21 10<sup>०</sup>  
 दृढाश्वा ज्येष्ठ उच्यते 9 78<sup>१</sup>  
 दृढेन दाग्ना वरैव 51 23<sup>१</sup>  
 दृसकुट्टसनाद 65 54<sup>१</sup>  
 दृसगोधजनाकुलम् 81 22<sup>१</sup>  
 दृससावूलनिर्घोषा 33 27<sup>०</sup>  
 दृससावूलविक्रमम् 31 67<sup>१</sup>  
 दृससारङ्गनिनदै 54 13<sup>१</sup>  
 दृस मृत्युनिर्घोरितम् 36 53<sup>१</sup>  
 दृस धूपभदानवम् 64 22<sup>१</sup>  
 दृसेदंयलगणैर्गुप्त 31 67<sup>१</sup>  
 दृसो गच्छत्यनातवम् 64 8<sup>१</sup>  
 दृसौ वलभकावित्र 51 7<sup>१</sup>  
 दृसवते दवसूनुवत् 108 91<sup>१</sup>  
 दृश्यते मासचक्षुषा 13 73<sup>१</sup>  
 दृश्यते यत्र दृश्यते 59 11<sup>०</sup>  
 दृश्यन्ते गात्र एनास्ता 113 11<sup>०</sup>  
 दृश्यन्तेऽद्य यथामुखम् 52 10<sup>१</sup>  
 दृश्यमाने विनाश च 65 4<sup>०</sup>  
 दृद्य सर्वमिदं यत् 100 82<sup>१</sup>  
 दृद्यादृद्या सुरोरुमै 44 81<sup>१</sup>  
 दृद्यादृद्येन घर्मेना 30 10<sup>१</sup>  
 दृपदोल्लखलस्य च 86 17<sup>१</sup>

दृपद्वतीसुतश्चापि 23 93<sup>०</sup>  
 दृपद्वत्यास्तु सज्जे 23 24<sup>१</sup>  
 दृष्टोपा ह्या मया 29 18<sup>१</sup>  
 दृष्टपूर्वं पुमान्कवित् 12 10<sup>१</sup>  
 दृष्टपूर्वो न वेनचित् 97 39<sup>१</sup>  
 दृष्टपूर्वो न च धृत 92 7<sup>१</sup>  
 दृष्टमत्र प्रणाशनम् 115 38<sup>१</sup>  
 दृष्टमेतद्यदृच्छया 50 18<sup>१</sup>  
 दृष्टवीर्यस्य शत्रुभि 77 31<sup>१</sup>  
 दृष्टश्चाय मया विष्णु 100 80<sup>०</sup>  
 दृष्टश्चासि मया प्रभो 67 67<sup>१</sup>  
 दृष्ट मे बहसदत्तं 46 11<sup>१</sup>  
 दृष्ट मे भवत कर्म 67 67<sup>१</sup>  
 दृष्ट रृष्टश्च कृष्णेन 113 3<sup>१</sup>  
 दृष्ट च्छमे त्यमानचे 107 49<sup>१</sup>  
 दृष्टा कमललोचना 40 32<sup>१</sup>  
 दृष्टि परिदूधे कृष्णे 58 16<sup>०</sup>  
 दृष्टो योगो गवामिति 61 26<sup>१</sup>  
 दृष्टो राजन्महाराणे 108 91<sup>१</sup>  
 दृष्ट्या वाचा च माधव 92 35<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कंसस्तु तां कन्याम् 48 26<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कालमिवायान्त 36 60<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कृपान्वितौ गृह्य 114 11<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कृष्णमवस्थितम् 67 18<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कृष्ण निपातितम् 73 6<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कृष्ण हृद्गत 56 9<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा कृष्णेन धीमता 96 37<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा क्रोधपरीतात्मा 15 45<sup>०</sup>  
 दृष्ट्वा चासुधरान्यनात् 54 21<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा चन्द्रस्य वनम् 46 9<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा चैनं श्रिया जुष्ट 62 6<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा जगति विश्रुतौ 72 15<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा जहपिरे भीमा 94 11<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तरुमै वज्रमृत् 61 60<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तत्तस्य भास्वत 63 22<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तत्र मतिं चक्रे 55 22<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तत्सर्वमागच्छ 110 22<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तमभिविच्यन्त 62 59<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तस्यपिमागतम् 115 8<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तावसुरी घोरी 42 24<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तां वाहिनीं तदा 108 51<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा तु सौ महावीर्यौ 65 93<sup>१</sup>  
 दृष्ट्वा ते दानवैश्वरा 37 2<sup>१</sup>

दृष्टा दैत्यविनाशार्थ 33 5<sup>०</sup>  
 दृष्टा पैतानहं पदम् 39 18<sup>०</sup>  
 दृष्टा यमवुरस्वत्या 19 20<sup>०</sup>  
 दृष्टा बाण पदातिनम् 108 59<sup>०</sup>  
 दृष्टा मधुनिघातिनम् 102 19<sup>०</sup>  
 दृष्टा मूर्धसु सागरे 56 39<sup>०</sup>  
 दृष्टायान्त शिषोपेत 16 36<sup>०</sup>  
 दृष्टा रथस्य स्वां वृद्धिं 29 16<sup>०</sup>  
 दृष्टा ओकान्सुदु खितान् 40 36<sup>०</sup>  
 दृष्टा वृषभदानवम् 64 14<sup>०</sup>  
 दृष्टा सा मत्तकाशिनी 107 71<sup>०</sup>  
 दृष्टा सुमददद्रुतम् 79 19<sup>०</sup>  
 दृष्टा द्वैत्वर्थंकारणौ 68 39<sup>०</sup>  
 देवकश्चोम्रसेनश्च 27 25<sup>०</sup>  
 देवकस्याभवन्पुत्रा 27 26<sup>०</sup>  
 देवकार्यादपि मुने 13 69<sup>०</sup>  
 देवकीगर्भहृन्तने 47 8<sup>०</sup>  
 देवकी च गृहे गुप्ता 47 3<sup>०</sup>  
 देवकी च यशोदा च 48 11<sup>०</sup>  
 देवकी देवतोपमा 48 1<sup>०</sup>  
 देवकीनन्दनवच 91 33<sup>०</sup>  
 देवकीप्रसुरा स्त्रिय 48 24<sup>०</sup>  
 देवकीभयमान्तिष्ठम् 47 26<sup>०</sup>  
 देवकी रोहिणी चैव 45 36<sup>०</sup>  
 देवकीभावनेऽन्यसत् 48 19<sup>०</sup>  
 देवकी शान्तिदेवा च 27 27<sup>०</sup>  
 देवकीसप्तमा देव्य 96 8<sup>०</sup>  
 देवकी ससुदैक्षत 76 11<sup>०</sup>  
 देवकीं देवसंकारां 69 8<sup>०</sup>  
 देवकीं रामनयावौ 96 9<sup>०</sup>  
 देवकीं रोहिणीं चैव 45 38<sup>०</sup>  
 देवक्यज्ञानयद्विष्णु 48 13<sup>०</sup>  
 देवक्या गर्भहृन्तने 47 1<sup>०</sup>  
 देवक्या सह रोहिण्या 94 26<sup>०</sup>  
 देवक्याः सपत्ने धमे 47 28<sup>०</sup>  
 देवक्षयस्य नन्दन 26 25<sup>०</sup>  
 देवक्षत्रोऽभवत्सत्य 26 24<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वनिर्घोषं 48 11<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वं मा मैव 100 52<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्ववधौपि 34 5<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वैरनानि 92 16<sup>०</sup>  
 देवगन्धर्वंतेषितम् 92 47<sup>०</sup>  
 देवगर्भंतामावुरौ 27 25<sup>०</sup>

देवगर्भसमो जज्ञे 26 25<sup>०</sup>  
 देवगर्भोपम सुतम् 89 9<sup>०</sup>  
 देवगुह्यश्च प्रसुम् 86 64<sup>०</sup>  
 देवतानामपि चम् 37 16<sup>०</sup>  
 देवतानामवप्यश्च 9 53<sup>०</sup>  
 देवतानामृषीणा च 31 135<sup>०</sup>  
 देवताना कृतो राजा 62 82<sup>०</sup>  
 देवताना त्रिषिष्टपे 68 32<sup>०</sup>  
 देवताना दिविस्थानां 67 66<sup>०</sup>  
 देवताना न सदाय 81 2<sup>०</sup>  
 देवतानां भवान्वर 62 23<sup>०</sup>  
 देवताना मया श्रुत 46 14<sup>०</sup>  
 देवताना हि पितर 13 69<sup>०</sup>  
 देवतायतन शुभा 87 31<sup>०</sup>  
 देवतायतनान्तिके 87 33<sup>०</sup>  
 देवतार्थं च मे अरु 109 48<sup>०</sup>  
 देवतार्थं वय चापि 109 53<sup>०</sup>  
 देवतास्त्वदानीयांर 37 27<sup>०</sup>  
 देवतुल्य महासुते 63 3<sup>०</sup>  
 देवतुर्धनिनादैश्च 65 56<sup>०</sup>  
 देवतुर्धन्यनेकरा 75 36<sup>०</sup>  
 देवतुर्धनुनादिषु 34 8<sup>०</sup>  
 देववधे प्रथ भावुपे 13 33<sup>०</sup>  
 देववृत्तवरो नृप 85 60<sup>०</sup>  
 देवदानवगृहिजा 12 14<sup>०</sup>  
 देवदानववक्षणां 107 63<sup>०</sup>  
 देवदानवसङ्कुलम् 35 6<sup>०</sup> 37 21<sup>०</sup>  
 देवदानवसङ्कुल्य 37 35<sup>०</sup>  
 देवदानवसघानां 106 59<sup>०</sup>  
 देवदुःसुभयश्चैव 9 67<sup>०</sup>  
 देवदेव वृषिधर्ये 44 16<sup>०</sup>  
 देवदेव सदा बुद्धे 113 4<sup>०</sup>  
 देवदेव सनातनम् 112 107<sup>०</sup>  
 देवदेव सुवपुष 107 5<sup>०</sup>  
 देवदेव सनातन 100 63<sup>०</sup>  
 देवदेवेन भास्वता 13 1<sup>०</sup>  
 देवदेवो जगत्पति 31 14<sup>०</sup>  
 देवदेवो हरिं देव 38 56<sup>०</sup>  
 देवदैत्यसमागमे 65 42<sup>०</sup>  
 देवपक्षे प्रसुदिते 36 43<sup>०</sup>  
 देवपुत्रसमयुती 96 47<sup>०</sup>  
 देवपुत्रीपमौ वीरौ 71 49<sup>०</sup>  
 देवप्रहरणा सुता 2 55<sup>०</sup>

देवभागस्ततो जज्ञे 24 18 <sup>d</sup>	द्वयश्रवा कतिश्चैव 23 87 <sup>d</sup>
देवभागान्यतान्दृष्ट्वा 44 17 <sup>d</sup>	देवश्रेष्ठमगात्तदा 19 10 <sup>d</sup>
देवमाता यशस्विनी 92 58 <sup>b</sup>	देवसम्प्रतीकाशा 92 1 <sup>d</sup>
देवमातुर्देवो चापि 97 29 <sup>d</sup>	देवसज्जानि सर्वाणि 92 47 <sup>d</sup>
देवमातुर्महद्विभक्त् 92 53 <sup>d</sup>	देवसगीतयोमिन् 67 68 <sup>d</sup>
देवमाता महायत्न 92 61 <sup>b</sup>	देव सजायते मम 106 34 <sup>d</sup>
देवमानुषयोनता 30 5 <sup>d</sup>	देवहेतो सुदारणे 109 41 <sup>b</sup>
देवमायाधरां दिव्या 42 9 <sup>d</sup>	देव गिरिधरे स्थितम् 60 23 <sup>d</sup>
देवमायानुवर्तिन 99 4 <sup>b</sup>	देव नारायण प्रभुम् 32 13 <sup>d</sup>
देवयानीमुशानस 22 3 <sup>d</sup>	देव नारायणं हरिम् 19 11 <sup>d</sup> 42 27 <sup>d</sup>
देवयानी व्यजायत 22 4 <sup>b</sup>	देव प्रक्रीडित दृष्ट्वा 107 9 <sup>d</sup>
देवयोश्चन्द्रसूर्ययो 92 46 <sup>b</sup>	देव ब्रह्ममय यज्ञ 31 59 <sup>d</sup>
देवयोषोषमे भुवि 43 51 <sup>d</sup>	देव विवृम्भित दृष्ट्वा 112 39 <sup>d</sup>
देवराजपरिपुर्महान् 91 5 <sup>d</sup>	देवा अपि न तद्विदु 58 41 <sup>d</sup>
देवराज घरप्रद 36 11 <sup>b</sup>	देवा अपि पितृन्स्वर्गे 11 14 <sup>d</sup>
देवराजविराजितम् 34 48 <sup>d</sup>	देवा इव पितामहम् 37 59 <sup>d</sup>
देवराज पुरदर 62 35 <sup>b</sup>	देवा इव शतक्रतुम् 78 41 <sup>d</sup>
देवराज शतक्रतु 92 50 <sup>d</sup>	देवा इवान मोदन्तु 86 8 <sup>d</sup>
देवराजाभ्यनुज्ञात 92 61 <sup>d</sup>	देवा एकोनपञ्चाशत् 3 109 <sup>d</sup>
देवराजेन केशव 91 38 <sup>d</sup>	देवास्त्रीडान्परिक्रामन् 92 62 <sup>d</sup>
देवराजोऽप्रवीदिदम् 62 67 <sup>d</sup> 93 2 <sup>d</sup>	देवा ज्योति पुरोगमा 3 31 <sup>d</sup>
देवरातादय स्मृता 23 86 <sup>d</sup>	देवार्चनायमुखान्स्वर्गान् 38 64 <sup>d</sup>
देवरातोऽभवन्नप 26 24 <sup>b</sup>	देवा दशैककङ्घ्रिण 40 37 <sup>d</sup>
देवार्पिगणपूजितम् 93 48 <sup>d</sup>	देवा देवर्षिभि सह 35 24 <sup>d</sup>
देवार्पिभित्तपोवृद्धे 31 38 <sup>d</sup>	देवा देव्यपराजिता 32 28 <sup>b</sup>
देवार्परिपरि नारद 92 32 <sup>d</sup>	देवानजोदयद्रुहा 43 67 <sup>d</sup>
देवार्पि वीतकल्मषम् 46 4 <sup>b</sup>	देवानभिमुख तस्थौ 33 31 <sup>d</sup>
देवार्पि प्रियसवाद् 3 7 <sup>d</sup>	देवानदत्तत ब्रह्मा 12 21 <sup>d</sup>
देवलस्य महात्मन 13 22 <sup>b</sup>	देवानामपि दुर्लभम् 13 74 <sup>d</sup>
देवलस्य सुता वदा 19 24 <sup>b</sup>	देवानामपि देवता 11 2 <sup>d</sup> , 32 <sup>d</sup>
देवलस्यात्मजाभवत् 18 22 <sup>d</sup>	देवानामपि यो देव 106 49 <sup>d</sup>
देवलायोग्यमिणीम् 18 23 <sup>d</sup>	देवानामामितौ जलाम् 3 103 <sup>d</sup>
देवलोकमरिदम् 92 49 <sup>d</sup>	देवानामाक्षिपद्दु 20 39 <sup>d</sup>
देवलोक समुत्सृज्य 30 4 <sup>d</sup>	देवानामीश्वर शक 59 5 <sup>d</sup>
देवलोक परत्नसात् 62 26 <sup>d</sup>	देवाना कार्यगौरवात् 40 41 <sup>d</sup>
देवलोकान्द्रिदम 92 68 <sup>d</sup>	देवाना च सनातन 62 19 <sup>b</sup>
देवलोकोपमो लोक 62 66 <sup>d</sup>	देवानो त्रिदिवे यथा 86 73 <sup>d</sup>
देवचन्द्रियचतुषा 96 15 <sup>d</sup>	देवानां दानवानां च 1 2 <sup>d</sup> 2 80 <sup>d</sup> 3 1 <sup>d</sup> 20 3 <sup>d</sup>
देवचतुषदेवम् 27 36 <sup>d</sup>	देवानां द्विवि वैष्णवी 39 14 <sup>d</sup>
देवचूत्तान्तमानुषो 51 5 <sup>d</sup>	देवानां प्राणद्विद्वि 48 16 <sup>d</sup>
देवध्यायातकारिणम् 38 27 <sup>d</sup>	देवाना यद्भवन्नता 62 18 <sup>d</sup>
देवशत्रुमारिदमम् 107 27 <sup>d</sup>	देवाना विधिषे नित्यम् 91 35 <sup>d</sup>
देवश्रवणमुद्भवम् 24 25 <sup>d</sup>	देवाना स तु सर्वे 46 16 <sup>d</sup>

देवाना सुमहत्कार्ये 96 69<sup>d</sup>  
 देवाना सोमवर्षेणा 13 3<sup>d</sup>  
 देवानिन्द्रपुरोगमान् 35 7<sup>d</sup>  
 देवानीकस्य तस्त्विवाद् 34 15<sup>b</sup>  
 देवानीक प्रतापवान् 10 77<sup>d</sup>  
 देवानीकान्तमत्र प्रभु 10 77<sup>d</sup>  
 देवानुयात्रनिर्घोष 113 48<sup>d</sup>  
 देवान्तश्च नरान्तश्च 28 6<sup>d</sup>  
 देवान्तस्याभवत्पुत्र 28 7<sup>d</sup>  
 देवान्या वाहनानि वा 35 14<sup>b</sup>  
 देवान्प्रतिरिपुर्वया 86 4<sup>d</sup>  
 देवास्त्य न विग्रहे 65 9<sup>b</sup>  
 देवापिरभवन्मुनि 23 117<sup>b</sup>  
 देवापिर्वाङ्मिदृशश्च 23 114<sup>d</sup>  
 देवा मर्दादिभि सह 7 52<sup>b</sup>  
 देवा मज्जुले स्थिता 38 11<sup>b</sup>  
 देवाभिः प्रविराजन्तम् 86 31<sup>d</sup>  
 देवायुधविरानितम् 37 36<sup>b</sup>  
 देवा वा स्वा विना प्रभो 62 77<sup>d</sup>  
 देवाश्च तुपिता नाम 7 12<sup>d</sup>  
 देवाश्च पितरश्च इ 12 41<sup>d</sup>  
 देवाश्च पितरश्चैव 12 31<sup>d</sup>  
 देवाश्च पितरस्तथा 12 41<sup>b</sup>  
 देवाश्च बलिदोमेन 38 71<sup>d</sup>  
 देवाश्चाभूतरजस 7 23<sup>d</sup>  
 देवाश्चैतन्मया द्विवि 39 9<sup>d</sup>  
 देवाश्चैत्रभ यथा 56 46<sup>d</sup>  
 देवाश्चैवासुराश्चैव 21 13<sup>d</sup>  
 देवासुरागानां हि 31 122<sup>d</sup>  
 देवासुरमभूयुद् 115 17<sup>d</sup>  
 देवासुरमिवाभवत् 15 59<sup>d</sup>  
 देवासुरमिदं स 36 31<sup>d</sup>  
 देवासुरमिदं तु 34 41<sup>d</sup>  
 देवासुराणामाचार्य 2 12<sup>d</sup>  
 देवास्तान्भाषयन्त्युत 13 24<sup>d</sup>  
 देवा हुताशनप्राणा 30 38<sup>d</sup>  
 देवाश्चाग्निपुरोगमान् 43 68<sup>b</sup>  
 देवास्त्रिभुवनस्थाश्च 31 56<sup>d</sup>  
 देवा पादपमुत्तमम् 93 56<sup>d</sup>  
 देवा प्रीति परां जग्मु 32 33<sup>d</sup>  
 देवा शक्रपुरोगमा 32 29<sup>d</sup>  
 देवा ससर्पेश्चैव 31 15<sup>d</sup>  
 देवा सर्पिण्यश्च 38 50<sup>b</sup> 40 10<sup>d</sup>

देवा तपिगणा पुरा 31 19<sup>d</sup>  
 देवा स्वर्गागता इव 84 23<sup>d</sup>  
 देवि देवी भविष्यसि 47 29<sup>d</sup>  
 देवी कारया वपुर्मा 118 12<sup>b</sup>  
 देवी च प्राहसत्तदा 107 6<sup>d</sup>  
 देवी तव मनोगतम् 107 42<sup>d</sup>  
 देवी दुश्चरचारिणी 13 19<sup>d</sup>  
 देवी नम्रजितो तथा 98 3<sup>b</sup>  
 देवी पृथ्वीति चोच्यते 6 40<sup>d</sup>  
 देवी प्रहास मुमुचे 107 7<sup>d</sup>  
 देवीं सरस्वतीं ध्रुव 1 0<sup>d</sup>  
 देवेन वर्धते यद्दि 39 10<sup>d</sup>  
 देवेनोपा रजेजैषे 21 17<sup>d</sup>  
 देवेन्द्रेणाभिरापित 118 34<sup>d</sup>  
 देवेभ्यस्तस्मिन्नात्म 86 67<sup>d</sup>  
 देवेषु स परिज्ञात 23 18<sup>d</sup>  
 देवेषु सुचिरोपिता 14 4<sup>b</sup>  
 देवेष्वपि दधारीना 40 31<sup>d</sup>  
 देवेष्वपि पुरातनम् 40 20<sup>b</sup>  
 देवेष्वपि सदैवेषु 113 76<sup>d</sup>  
 देवेष्विव निशाकर 60 7<sup>d</sup>  
 देवेष्विव सुरद 60 6<sup>d</sup>  
 देवैरकृतसन्त्रिय 39 2<sup>d</sup>  
 देवैरपि दुरानुगा 39 8<sup>d</sup>  
 देवैरपि दुरासदम् 9 60<sup>d</sup>  
 देवैरपि दुरासदा 35 72<sup>d</sup>  
 देवैरपि दुरासदे 58 58<sup>d</sup>  
 देवैरपि सप्तसर्वे 46 23<sup>b</sup> 71 40<sup>d</sup>  
 देवैरपि सुदुःकरम् 96 6<sup>b</sup>  
 देवैरपि सुदुःसदम् 96 64<sup>b</sup>  
 देवैराक्षिरसै सह 5 26<sup>d</sup>  
 देवैरिव स तै सह 93 21<sup>d</sup>  
 देवैरुक्तः स पाथिव 21 22<sup>d</sup>  
 देवैर्गुप्तो महात्मभि 97 14<sup>d</sup>  
 देवैर्देवायुध सम 27 13<sup>d</sup>  
 देवैर्देवैश्च कथ्यते 30 56<sup>d</sup>  
 देवेन दृष्ट्यामस्ते 58 43<sup>d</sup>  
 देवेर्निगदिताभेस्य 81 64<sup>d</sup>  
 देवैश्चोक्त द्विवि स्थिवै 58 57<sup>d</sup>  
 देवै परिब्रूत प्राह 43 11<sup>d</sup>  
 देवै सदानवर्गण 62 15<sup>d</sup>  
 देवै सर्पिण्यै सह 2 24<sup>d</sup>  
 देवै सह शतमृत 21 24<sup>b</sup>

देवोऽद्दयत सयुगे 36 28 <sup>d</sup>	दैत्यदानवहन्तार 43 70 <sup>d</sup>
देवो देवसभा वर्या 86 72 <sup>d</sup>	दैत्यपक्षे विप्रीदति 36 43 <sup>d</sup>
देवो वर्यति छोर्येषु 59 9 <sup>d</sup>	दैत्यमन्तदेषु स्वनम् 37 25 <sup>d</sup>
देवो वा दानयो वा त्व 63 8 <sup>d</sup>	दैत्यमायापरकर्मणम् 36 11 <sup>d</sup>
देवो किं कर्याणि वाम् 9 8 <sup>d</sup>	दैत्ययोमदुसा छत्रा 42 33 <sup>d</sup>
देवो तस्यामन्त्रयेतान् 8 33 <sup>d</sup>	दैत्यराजोऽभवत्पुरा 24 21 <sup>d</sup>
देवो देतेयनिमित्तम् 36 17 <sup>d</sup>	दैत्यवशासमुत्पन्ना 112 7 <sup>d</sup>
देवो वैचख्यतो स्मृतौ 7 32 <sup>d</sup>	दैत्यव्यूहगतो भाति 33 32 <sup>d</sup>
देव्या वचनचोदित 107 20 <sup>d</sup>	दैत्यसयान्महाहवे 36 12 <sup>d</sup>
देव्याश्च चरणी शुभौ 92 57 <sup>d</sup>	दैत्यसेना दवहतु 36 34 <sup>d</sup>
देव्या सह नदीगतम् 107 9 <sup>d</sup>	दैत्यस्कन्धगत श्रीमान् 58 31 <sup>d</sup>
देव्या सह नदीतीरे 107 1 <sup>d</sup>	दैत्य तुरगविग्रहम् 45 4 <sup>d</sup>
देव्या श्रीडागते भवे 107 45 <sup>d</sup>	दैत्य पञ्चजन तथा 96 66 <sup>d</sup>
देशकालानुवाकिनी 117 49 <sup>d</sup>	दैत्यं वचनमयवीन् 31 39 <sup>d</sup>
देशज्ञाश्चोत्तमा हया 92 12 <sup>d</sup>	दैत्यं वृषभरूपिणम् 45 5 <sup>d</sup> 64 13 <sup>d</sup>
देशान्मन्त्र ध्वजी रथी 26 13 <sup>d</sup>	दैत्य सोऽतिथल एत 31 67 <sup>d</sup>
देशान्मन्त्रप्रदानेन 83 48 <sup>d</sup>	दैत्य कसस्य चाहन 44 70 <sup>d</sup>
देशानामिति विश्रुता 23 97 <sup>d</sup>	दैत्य क्षित्तिचर कृष्ण 67 47 <sup>d</sup>
देशो विदनापूजिते 86 43 <sup>d</sup>	दैत्य पञ्चजनो महान् 79 14 <sup>d</sup>
देशो देशे पृथक्पृथक् 117 26 <sup>d</sup>	दैत्य पुष्पानि विग्रहम् 45 3 <sup>d</sup>
देशो पुण्यतमे चैव 21 9 <sup>d</sup>	दैत्यानामय सिद्धाना 1 2 <sup>d</sup>
देशो पुरनिवेशाय 84 32 <sup>d</sup>	दैत्यानामादिपुरुष 31 32 <sup>d</sup>
देशोऽक्षिरत्नमपासुले 89 35 <sup>d</sup>	दैत्याना दानवाना च 4 4 <sup>d</sup>
देशो नृपविधीयते 61 50 <sup>d</sup>	दैत्याना शुभ्रुभे चम् 37 15 <sup>d</sup>
देशकृष्टा चकार ह 76 36 <sup>d</sup>	दैत्यान्नादेन भीषयन् 34 11 <sup>d</sup>
देशव्यासहृनोऽभवन् 18 13 <sup>d</sup>	दैत्यान्मानुपदहत्यान् 31 145 <sup>d</sup>
देशव्यानमानुषान् 94 20 <sup>d</sup>	दैत्यान्मेघगणा ह्व 36 13 <sup>d</sup>
देशभूताश्च सिन्धु 37 55 <sup>d</sup>	दैत्या महाशरमयुवन् 47 15 <sup>d</sup>
देशस्य मध्ये हृदय 30 44 <sup>d</sup>	दैत्याश्च सह दानवै 91 10 <sup>d</sup>
देश हरिरुदारथी 45 49 <sup>d</sup>	दैत्याश्चादित्यवपुद 35 19 <sup>d</sup>
देश पथगागानिभि 108 83 <sup>d</sup>	दैत्येद्र सहसैनिकम् 109 90 <sup>d</sup>
देशसुखाद् शोणितम् 58 54 <sup>d</sup>	दैत्येभ्यस्तपश्चकार भीति 38 76 <sup>d</sup>
देशान्तरगतो हरि 50 3 <sup>d</sup>	दैत्येभ्य रथमासिद्ध 112 86 <sup>d</sup>
देशीति चाभिभाषत 86 60 <sup>d</sup>	दैत्ये सर्वांगुधोद्यते 38 31 <sup>d</sup>
देशीर्युवाच तत्काल 71 17 <sup>d</sup>	दैत्यो गर्दभरूपवान् 57 12 <sup>d</sup>
देशेन तस्य रङ्गस्य 75 45 <sup>d</sup>	दैत्यो वृषभरूपेण 64 7 <sup>d</sup>
दैतेय श्रीधर्मूणिन 112 74 <sup>d</sup>	दैत्यशर्मिर्मेघाम्बन 26 24 <sup>d</sup>
दैतेया सह दानवै 91 4 <sup>d</sup>	दैत्यशा कथयति हि 66 31 <sup>d</sup>
दैत्यदानपनारीभि 106 52 <sup>d</sup>	दैत्यत इति दैवानां 12 8 <sup>d</sup>
दैत्यदानवदोषित 109 56 <sup>d</sup>	दैत्यतानां चकार ह 3 41 <sup>d</sup>
दैत्यदानमहासाम् 32 6 <sup>d</sup>	दैत्यानि च सर्वाणि 79 34 <sup>d</sup>
दैत्यदानमहासाम् 110 39 <sup>d</sup>	दैत्यान्यभिगद्य च 15 49 <sup>d</sup>
दैत्यदानवसयोगान् 3 76 <sup>d</sup>	दैत्यैरपि पूजिता 65 57 <sup>d</sup>



द्वैतै समहोरै 47 16<sup>१</sup>  
 द्वैतै सह योक्ष्यते 47 46<sup>१</sup>  
 द्वैवमप्यनुवर्तते 47 7<sup>१</sup>  
 द्वैवं पुरपकारेण 48 39<sup>१</sup> 115 39<sup>१</sup>  
 द्वैयेन परिणामिता 42 51<sup>१</sup>  
 द्वैयेन मनसा क्षिप्र 86 23<sup>१</sup>  
 दोग्धा चाङ्गिरस सुत 6 16<sup>१</sup>  
 दोग्धा तु सविता विभु 6 19<sup>१</sup>  
 दोग्धा भरतसत्तम 6 34<sup>१</sup>  
 दोग्धा मेरुमैहागिरि 6 36<sup>१</sup>  
 दोग्धा रजतनामस्तु 6 31<sup>१</sup>  
 दोग्धार क्षीरमेव च 6 49<sup>१</sup>  
 दोर्भिश्चायतपीनाभि 37 12<sup>१</sup>  
 दोर्भ्योमानस्य हृणस्तु 75 49<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यस्त्रिरिक्षप्य दूर्विता 37 33<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यस्त्रिरिक्षप्य नगर 99 5<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यस्त्रुत्पाटयामास 61 29<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यस्त्रुत्पाट्य भास्वरम् 92 42<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यो वगलपत्राक्ष 71 41<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यो वौ समपीडयत् 42 30<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यो विक्षिप्य स प्रभु 32 20<sup>१</sup>  
 दोर्भ्यो विप्राणस्तुत्पाट्य 74 33<sup>१</sup>  
 दोषभूता हि दानवा 106 58<sup>१</sup>  
 दोषाणा न भवेत्प्रादा 106 57<sup>१</sup>  
 दोष्य च तद्वृत्त धारं 105 17<sup>१</sup>  
 दोषस्तस्याङ्गुपतेरस्य 106 58<sup>१</sup>  
 दोषैर्य भवतामेतत् 118 18<sup>१</sup>  
 दोषकुल द्युरियतेन्द्रियम् 73 23<sup>१</sup>  
 दोहिरश्वैव सोमस्य 2 52<sup>१</sup>  
 धावापृथिव्यो सयोग 37 20<sup>१</sup>  
 धावापृथिव्यो ससर्ग 54 32<sup>१</sup>  
 धा यथैवाध्रमालया 93 12<sup>१</sup>  
 धां वै भुव च रण्येय 5 13<sup>१</sup>  
 धुतिल्लपस्य सुतया 7 20<sup>१</sup>  
 धुति दुष्टि प्रमा वसु 20 26<sup>१</sup>  
 धुमस्तेनमपोययत् 97 7<sup>१</sup>  
 धृत स्वमी महारथ 89 21<sup>१</sup>  
 धोशुं प्रभवथो विभु 30 5<sup>१</sup>  
 धौरप्यनुपृहीता स्यात् 65 17<sup>१</sup>  
 धौरिवा यत्नशारदी 57 22<sup>१</sup>  
 धौर्न भालाभिर्मूर्ताकां 32 19<sup>१</sup>  
 धौर्निमीलितनक्षत्रा 37 15<sup>१</sup>  
 द्रक्ष्याम पितर तव 106 27<sup>१</sup>

द्रक्ष्यावश्वरत सुपम् 52 27<sup>१</sup>  
 द्रव्यतीमन्यधावत 5 43<sup>१</sup>  
 द्रव्याणि विविधानि च 29 26<sup>१</sup>  
 द्रव्यावयवनिर्भूत 53 19<sup>१</sup>  
 द्रव्यैरलकरोति स्य 86 74<sup>१</sup>  
 द्रष्टव्यं स यथाह वै 62 79<sup>१</sup>  
 द्रष्टव्यो च मयावश्य 65 88<sup>१</sup>  
 द्रष्टा हि ता भवानघ 8 32<sup>१</sup>  
 द्रष्टुकामो जनादेन 6 31<sup>१</sup>  
 द्रष्टुमिच्छति वै कस 65 85<sup>१</sup>  
 द्रष्टु कौतूहल हि मे 65 92<sup>१</sup>  
 द्रष्टु दानपति स्वयम् 65 101<sup>१</sup>  
 द्रष्टु धनुर्मह दिव्य 71 28<sup>१</sup>  
 द्रष्टु स्वर्गादिदागत 67 54<sup>१</sup>  
 द्राक्षावनघन घञ्चिन् 84 22<sup>१</sup>  
 द्रुतजलवेगतगमालिनी 90 17<sup>१</sup>  
 द्रुत णगाम विमुक्त 58 23<sup>१</sup>  
 द्रुपदस्य पिता प्रभु 23 102<sup>१</sup>  
 द्रुपदस्य पिता राजन् 15 62<sup>१</sup>  
 द्रुमक्षयमथो बुद्ध्वा 2 38<sup>१</sup>  
 द्रुमपर्णासने वृत्त्वा 57 28<sup>१</sup>  
 द्रुमपर्यंतपट्टा 36 27<sup>१</sup>  
 द्रुमपोताविचोत्रुवा 52 4<sup>१</sup>  
 द्रुमभार्गवतुल्ये वै 89 50<sup>१</sup>  
 द्रुमभार्गवसिद्धिरे 89 50<sup>१</sup>  
 द्रुमयो शकटस्य च 51 32<sup>१</sup>  
 द्रुमसदातनि धृतै 55 16<sup>१</sup>  
 द्रुम किंपुरुषश्वैव 81 39<sup>१</sup>  
 द्रुमार्गां च चरानन 54 36<sup>१</sup>  
 द्रुमात्प्राप महाबल 87 13<sup>१</sup>  
 द्रुमाभ्यानात्मज शिशुम् 51 26<sup>१</sup>  
 द्रुमावेवयतावपि 51 31<sup>१</sup>  
 द्रुमिलस्त्रेवमुक्तस्तु 73 35<sup>१</sup>  
 द्रुमिष्ठो नाम दानव 73 18<sup>१</sup>  
 द्रुसु चानु च नाद्रुप 22 16<sup>१</sup>  
 द्रुसु चानु च पूरु च 22 4<sup>१</sup>  
 द्रुसोश्चानार्थदोक्षव 23 1<sup>१</sup>, 3<sup>१</sup>  
 द्रुसोश्चानोर्थदोस्तथा 23 123<sup>१</sup>  
 द्रुसोस्तु तनयो राजन् 23 130<sup>१</sup>  
 द्रौण द्रौणि रूप कर्ण 97 18<sup>१</sup>  
 द्रौणायाथापरवर्जितम् 15 63<sup>१</sup>  
 द्रौणेनाप्युपितक्षिप्रम् 84 28<sup>१</sup>  
 द्रौण्यश्च विपुलायता 60 11<sup>१</sup>

द्वैपदीय पुरा पतीन् 114 9<sup>d</sup>  
 द्वदमन्ये युयुत्सुच 37 26<sup>d</sup>  
 द्वदशो गोपकन्यका 63 25<sup>d</sup>  
 द्वादशारत्ना दिनेश्वर 34 22<sup>d</sup>  
 द्वादशारत्नसुरोत्तमा 3 46<sup>d</sup>  
 द्वादश्या त्वा दिनक्षये 107 15<sup>d</sup>  
 द्वादश्या शुक्लपक्षस्य 107 19<sup>d</sup>, 41<sup>d</sup>  
 द्वापरस्य युगस्थान्ते 43 56<sup>d</sup>  
 द्वापरे मरत्ययोनिजा 13 39<sup>d</sup>  
 द्वाभ्या भुजाभ्या दीघाभ्या 68 23<sup>d</sup>  
 द्वारका चौरिवाग्भुभि 93 13<sup>d</sup>  
 द्वारकापि तथा भीष्म 107 80<sup>d</sup>  
 द्वारका प्रत्यराजत 86 49<sup>d</sup>  
 द्वारकामभिर्जग्मिवान् 85 35<sup>d</sup>  
 द्वारकामभिर्मप्राप्ते 88 34<sup>d</sup>  
 द्वारकामाग्निसाहृत्वा 97 32<sup>d</sup>  
 द्वारकामावमन्पुरीम् 97 44<sup>d</sup>  
 द्वारकाया महाभुज 109 87<sup>d</sup>  
 द्वारका वरणावास 97 33<sup>d</sup>  
 द्वारका चासवक्षयात् 91 23<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिन सर्वे 113 61<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिना तदा 113 55<sup>d</sup>  
 द्वारकावासिना वाच 113 52<sup>d</sup>  
 द्वारका वृष्णपालिताम् 107 86<sup>d</sup>  
 द्वारका गरुड स्थित 93 1<sup>d</sup>  
 द्वारका च समाश्रित्य 85 5<sup>d</sup>  
 द्वारका द्वारकास्थान्वा 112 52<sup>d</sup>  
 द्वारका द्वारमालिनीम् 113 47<sup>d</sup>  
 द्वारका पुनरागत 113 65<sup>d</sup>  
 द्वारका प्रति दासाई 93 10<sup>d</sup>  
 द्वारका प्राप्य वृष्णस्तु 113 70<sup>d</sup>  
 द्वारका भगवान्विष्णु 91 2<sup>d</sup>  
 द्वारका मयुस्त्वन 29 9<sup>d</sup>  
 द्वारका वृषभेक्षण 94 1<sup>d</sup>  
 द्वारका दोगिनपुरे 112 55<sup>d</sup>  
 द्वारका स्वर्गमतिभाम् 93 4<sup>d</sup>  
 द्वारकोपरि तिष्ठत 113 50<sup>d</sup>  
 द्वारवरायास्तु मा मप्ये 86 73<sup>d</sup>  
 द्वारवराया गृध्रे गृध्रे 86 61<sup>d</sup>, 62<sup>d</sup>  
 द्वारवराया निचमना 105 7<sup>d</sup>  
 द्वारवराया सुपर्णा 95 8<sup>d</sup>  
 द्वारं स्वर्गस्य भातुमान् 62 23<sup>d</sup>  
 द्वाराणि विद्म्युश्च त 86 17<sup>d</sup>

द्वाराणि शयनानि च 92 21<sup>d</sup>  
 द्वाराण्ययातनानि च 86 16<sup>d</sup>  
 द्वारे सौधश्च शोभिता 86 51<sup>d</sup>  
 द्वावन्नो सप्रयुच्येता 110 9<sup>d</sup>  
 द्वापनयो स लभते 59 22<sup>d</sup>  
 द्वावभुनायौ समरे 36 15<sup>d</sup>  
 द्वापिर्मा सचिवौ तव 17 4<sup>d</sup>  
 द्वावृक्षौ तव वदोऽस्मिन् 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव च परीक्षितौ 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव जनमेजयौ 23 113<sup>d</sup>  
 द्वावेव तु विनि सृता 38 67<sup>d</sup>  
 द्वावेव विदितौ ह्यावाम् 58 48<sup>d</sup>  
 द्विगुण दोषदेहस्तु 112 29<sup>d</sup>  
 द्विगुणोपनिवेशा च 93 27<sup>d</sup>  
 द्विचक्रोवध एव वा 65 76<sup>d</sup>  
 द्विजस्येव वध कृतम् 66 11<sup>d</sup>  
 द्विज कृष्णो महायशा 103 31<sup>d</sup>  
 द्विज सुजगभोजनम् 34 39<sup>d</sup>  
 द्विजातीनमिप्यत्र च 86 12<sup>d</sup>  
 द्विजातीना स्ववशिन 100 75<sup>d</sup>  
 द्विजाना वीर्या चैव 4 2<sup>d</sup>  
 द्विजाना वृत्तयस्त्रिभ 35 34<sup>d</sup>  
 द्विजास्तान्भावयन्त्युत 13 51<sup>d</sup>  
 द्विजिद्धवत्तय क्रुद्धा 61 40<sup>d</sup>  
 द्विजिद्ध श्रीविभूयितम् 70 13<sup>d</sup>  
 द्विनो य कययिष्यति 100 28<sup>d</sup>  
 द्वितीय उद्यतश्चैव 68 26<sup>d</sup>  
 द्वितीयमापवस्येतत् 1 38<sup>d</sup>  
 द्वितीयमिव मन्दरम् 33 13<sup>d</sup>  
 द्वितीयमेतत्कथित 7 14<sup>d</sup>  
 द्वितीयश्चाहदेणश्च 98 5<sup>d</sup>  
 द्वितीय जनयिष्यति 35 47<sup>d</sup>  
 द्वितीय नानुपदयामि 62 19<sup>d</sup>  
 द्वितीय स हि मां सिध 65 47<sup>d</sup>  
 द्वितीय स यमो राजा 23 112<sup>d</sup>  
 द्वितीयायां तु सनायां 8 16<sup>d</sup>  
 द्वितीयायां द्वियां वृष्टा 43 49<sup>d</sup>  
 द्वितीया शालोम्बु 43 49<sup>d</sup>  
 द्वितीयां वृष्टं व तपुम् 35 30<sup>d</sup>  
 द्वितीये समुपस्थिते 74 1<sup>d</sup>  
 द्वितीया-प्रतिव ज्यम् 13 74<sup>d</sup>  
 द्वितीया य मुनमप्य 8 47<sup>d</sup>  
 द्वितीयो राशिरूपो 30 41<sup>d</sup>

द्वितीयो वसुदेवाङ्के 65 59<sup>o</sup>  
 द्विधा कृत्वा च तदनुन 30 13<sup>o</sup>  
 द्विधा कृत्वात्मनो देहम् 1 37<sup>o</sup>  
 द्विधामूलमभ्युपगत 71 52<sup>o</sup>  
 द्विधामूलमभ्युपगमे 71 43<sup>o</sup>  
 द्विधामूल वसु कृत्वा 38 19<sup>o</sup>  
 द्विधेद धार्यते जगत् 58 47<sup>o</sup>  
 द्विधदोष्य चतुष्पद 2 46<sup>o</sup>  
 द्विपादपृष्ठपृच्छार्थे 67 42<sup>o</sup>  
 द्विपाहृत्विःपि मे देह 112 127<sup>o</sup>  
 द्विपाहृ समरे कृत 112 91<sup>o</sup>  
 द्विपाहृ समवस्थित 108 97<sup>o</sup>  
 द्विमूर्था शत्रुनिर्धन 3 68<sup>o</sup>  
 द्विरकामरणाश्रिय 73 15<sup>o</sup>  
 द्विवेद कण्ठीकुरु 18 18<sup>o</sup>  
 द्विपतामन्तको यथा 81 67<sup>o</sup>  
 द्विपता कालसमितम् 36 56<sup>o</sup>  
 द्विपता होमद्वर्षणम् 94 8<sup>o</sup>  
 द्विपत्सु प्राप्ततुर्वाणी 81 66<sup>o</sup>  
 द्विपत्सुपमसूदन 64 6<sup>o</sup>  
 द्विपञ्चधनदक्षाम्या 69 20<sup>o</sup>  
 द्विस्वावल्य करणव 92 12<sup>o</sup>  
 द्वोपिचर्मपरिच्छेदम् 33 3<sup>o</sup>  
 द्वे अर्धे रेचतु शितौ 67 42<sup>o</sup>  
 द्वे चैव बहुयुजाय 3 25<sup>o</sup>  
 द्वे चैवाङ्गिरसे तथा 3 25<sup>o</sup>  
 द्वे भार्ये वद्वपस्य तु 45 21<sup>o</sup>  
 द्वे भार्ये यौवनस्थिते 43 51<sup>o</sup>  
 द्वे भार्ये सगरस्वाला 10 55<sup>o</sup>  
 द्वे भृशान्धाय विदुषे 3 25<sup>o</sup>  
 द्वैपायन सर्वपरावरत्न 115 7<sup>o</sup>  
 द्वौ च देवौ समान्धिता 43 61<sup>o</sup>  
 द्वौ युगपदुपवत् 58 18<sup>o</sup>  
 द्वौ युगपत्तिलस्य तु 3 35<sup>o</sup>  
 द्वौ युगौ दवत्त्यापि 3 37<sup>o</sup>  
 द्वौ युगौ सवभूदतु 27 25<sup>o</sup> 114 2<sup>o</sup>  
 द्वयहृत्तेनाप्रपाणिना 71 31<sup>o</sup>  
 ध  
 धश्यते शक्रस्वाला 43 57<sup>o</sup>  
 धनदुश्च धनाप्यक्ष 31 45<sup>o</sup>  
 धनदेन च श्रीमता 37 18<sup>o</sup>  
 धनधान्यापजीविन 116 27<sup>o</sup>  
 धनमदुल लभते द्विपन्ध च 118 45<sup>o</sup>

धन धाम्य च परिचितम् 78 23<sup>o</sup>  
 धनानि श्लाघनीयानि 116 10<sup>o</sup>  
 धनाभ्यादाय सर्पता 89 53<sup>o</sup>  
 धनुषादाय वीर्यवान् 87 70<sup>o</sup>  
 धनुषायागमृपितम् 71 38<sup>o</sup>, 43<sup>o</sup>  
 धनुर्गृह्य प्रपन्काश्च 5 42<sup>o</sup>  
 धनुर्गृह्य महारवम् 5 22<sup>o</sup>  
 धनुर्जैतुनिस्वनम् 81 63<sup>o</sup>  
 धनुर्ग्वस्य एवत्काश्च 22 16<sup>o</sup>  
 धनुमि परिवेषि 37 41<sup>o</sup>  
 धनुर्विस्तारयन्महत 33 16<sup>o</sup>  
 धनुर्वेदचिकीर्षार्थम् 79 5<sup>o</sup>  
 धनुर्वेदपरा सर्वे 41 9<sup>o</sup>  
 धनुषदस्य पारगा 2 32<sup>o</sup>  
 धनुर्वेदे च वेद च 89 9<sup>o</sup>  
 धनुर्व्यावामसालिन 33 28<sup>o</sup>  
 धनुश्चिच्छेद् चाप्यस्य 87 66<sup>o</sup> 88 20<sup>o</sup>  
 धनुश्चिच्छेद् रामस्य 81 87<sup>o</sup>  
 धनुषश्च निनादेन 97 2<sup>o</sup>  
 धनुषा इजितानि च 37 25<sup>o</sup>  
 धनुषा प्रवर शार्ङ्ग 81 59<sup>o</sup>  
 धनुषो मङ्गनादन 71 45<sup>o</sup>  
 धनुषो हाथनेन च 62 77<sup>o</sup>  
 धनुष्कोट्या तदा वैभ्य 6 9<sup>o</sup>  
 धनु शार्ङ्गा गतौ तौ तु 71 37<sup>o</sup>  
 धनेन तर्पयित्वा च 103 31<sup>o</sup>  
 धनौघैरभिवर्त्तयते 71 19<sup>o</sup>  
 धनैरिभिवर्त्तय 86 61<sup>o</sup>  
 धन्यकृद्भयभावन 113 76<sup>o</sup>  
 धन्यमायुधमारागेव 20 48<sup>o</sup>  
 धन्यमेया प्रकौलनम् 7 49<sup>o</sup>  
 धन्यसद्व्योषि वा मुने 100 78<sup>o</sup>  
 धन्यश्च तगतो गुरु 100 60<sup>o</sup>  
 धन्यश्चासि महागदो 100 22<sup>o</sup>  
 धन्यश्चासि महागण 100 44<sup>o</sup>  
 धन्यश्चासौति भवता 100 81<sup>o</sup>  
 धन्यश्चाह कथ विभो 100 37<sup>o</sup>  
 धन्यश्चैवाग्रेवो द्वि 100 43<sup>o</sup>  
 धन्य यज्ञस्य दातुम् 1 21<sup>o</sup>  
 धन्य वेदेन ससितम् 4 25<sup>o</sup>  
 धन्या सचसि शोभते 100 49<sup>o</sup>  
 धन्या द्रव्यवन्ति ते वदु 45 41<sup>o</sup>  
 धन्या धर्म चरित्रान्वित 115 45<sup>o</sup>

धन्या भवन्त पुण्याश्च 100 69<sup>०</sup>  
 धन्या भवन्तो दृश्यन्ते 100 54<sup>०</sup>  
 धन्याया खल्वय पुत्र 99 35<sup>०</sup>  
 धन्या वेदाश्च नारद 100 65<sup>०</sup>  
 धन्याश्चर्याश्रितैर्वाक्यै 100 64<sup>०</sup>  
 धन्यासि त्व नदीश्रेष्ठ 100 39<sup>०</sup>  
 धन्यास्वनुगृहीतासि 107 55<sup>०</sup>, 77<sup>०</sup>  
 धन्या हि भर्तृसहिता 107 10<sup>०</sup>  
 धन्या खलु भवन्तो ये 100 75<sup>०</sup>  
 धन्या स्माऽनुगृहीता स्म 63 2<sup>०</sup> 113 53<sup>०</sup>  
 धन्योऽसीति च माधव 100 26<sup>०</sup>  
 धन्योऽस्म्यनुगृहीतोऽसि 35 55<sup>०</sup>, 68<sup>०</sup> 111 10<sup>०</sup>  
 धन्याऽस्म्यनुगृहीतोऽसि 56 42<sup>०</sup>  
 धन्वन्तरस्तु तनय 23 55<sup>०</sup>  
 धन्विना निक्षितैर्बाणै 26 10<sup>०</sup>  
 धरणी मनुजारणि 100 50<sup>०</sup>  
 धरणी समपीडयद् 106 43<sup>०</sup>  
 धरण्या भारनिणये 41 31<sup>०</sup>  
 धरण्या भारसनति 43 2<sup>०</sup>  
 धरण्याश्रयभूताभ्या 68 25<sup>०</sup>  
 धरण्या सृष्टित दोते 76 38<sup>०</sup>  
 धरण्या विगतात्सवे 61 61<sup>०</sup>  
 धरस्सूतसन्नभूत्सु 35 29<sup>०</sup>  
 धरश्रेयानिलाऽनल 3 32<sup>०</sup>  
 धरस्य पुत्रा द्विविण 3 34<sup>०</sup>  
 धराधर ह्वापर 33 20<sup>०</sup>  
 धराया प्रसव स्मृत 3 91<sup>०</sup>  
 धरिषि दृष्टिना योति 100 49<sup>०</sup>  
 धर्म एव स्वदित्यात् 117 43<sup>०</sup>  
 धर्मकामाधकाविदा 18 20<sup>०</sup>  
 धर्मश्च खल्ववादिनम् 8 25<sup>०</sup> 21 4<sup>०</sup>  
 धर्मश्च कश्च च काम 12 33<sup>०</sup>  
 धर्मश्चन विपश्चिता 11 21<sup>०</sup>  
 धर्मद्वयस्य तस्यास्यात् 70 12<sup>०</sup>  
 धर्मोऽय इति धृता 23 136<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य कान्तस्तु 23 136<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयो मंडायसा 23 46<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य दत्त श्वेता 3 26<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य धीमत 4 31<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य मानसा 117 42<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य गुण 13 49<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य तासना 13 6<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य प्रजा 8 41<sup>०</sup>

धर्मोऽयस्य युधिष्ठिर 104 25<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योक्तमेव च 41 11<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य सुसाधनम् 41 31<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य प्रकीर्तित 104 14<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य श्रीमान् 31 24<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य जयसथा 21 16<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य निराकृत 10 45<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य कन्या सुश्रोणी 2 8<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य गतिरन्वेष्ट्या 66 13<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य च विदुःश्रेय 31 112<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य कुन्या वै 43 63<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य युन्या 40 44<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य बुद्ध 10 29<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य जयान तेष वै 10 41<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य निरसदप्युत 10 27<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य पितृकृतन वै 14 5<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य प्रविचलित्यपति 115 44<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य शुक्रो बृहस्पति 32 4<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य पार्थिव 11 23<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य युधिष्ठिर 24 23<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य नमस्कृतम् 23 119<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य यशस्विन 23 156<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य भद्र वधते 24 4<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य सत्यसगर 20 10<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य सशितमत 20 2<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य युक्त 35 3<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य पार्थिव 5 4<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य महापत्नी 10 74<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य युक्त 118 5<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य तु 88 39<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य प्रभुम् 70 23<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य धीतभाज 113 32<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य गणे 31 95<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य परिवारयो 4 15<sup>०</sup> 22 18<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य रत्नवामस 8 41<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य स्वया 92 15<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य महाराज 2 2<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य नुरजनम् 23 141<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य पराजित 69 40<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य प्रयत्नकालो 41 3<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्य सति च मृतत्वं 0 77<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य गते 31 94<sup>०</sup>  
 धर्मोऽयस्योऽयस्य च 29 41<sup>०</sup>

धर्मधामास सामुपाग् 107 20<sup>१</sup>  
 धर्मयित्वा गृह महत् 99 19<sup>१</sup>  
 धर्मयित्वा यथाकाम 31 102<sup>०</sup>  
 धर्मयिष्यति य स्वमे 107 15<sup>१</sup>  
 धर्मयिष्यन्ति मानवान् 117 24<sup>१</sup>  
 धातुभिर्भान्ति पर्वता 62 65<sup>१</sup>  
 धातुभ्य इव काञ्चनम् 62 21<sup>१</sup>  
 धातुमन्तमिराचलम् 34 42<sup>१</sup>  
 धातूना च विदोषत 100 55<sup>१</sup>  
 धात्री कसस्य भोजस्य 50 20<sup>१</sup>  
 धात्रीश्रैकैकश प्रादात् 10 60<sup>१</sup>  
 धाम्ना वृषमारमादाय 28 23<sup>१</sup>  
 धानजग्यास्तथैव च 23 80<sup>१</sup>  
 धाम रश्म्याश्च वैश्वरम् 85 2<sup>१</sup>  
 धारणाभ्युपगच्छेत् 23 166<sup>१</sup>  
 धारणेनास्य शैलस्य 63 4<sup>१</sup>  
 धारयत्यसिद्धिं नगत् 58 44<sup>१</sup>  
 धारयन्त्वामना जगत् 20 18<sup>१</sup>  
 धारयन्नमितौजसाम् 27 31<sup>१</sup>  
 धारयन्विषुल वपु 36 50<sup>१</sup>  
 धारयन्विषुल घना 24 35<sup>१</sup>  
 धारयन्रेन तेजसा 43 25<sup>१</sup>  
 धारयामास गर्भे तु 3 102<sup>०</sup>  
 धारयामास गार्ग्यस्य 25 10<sup>१</sup> 85 14<sup>१</sup>  
 धारयामास नित्यदा 10 5<sup>१</sup>  
 धारयेया प्रजा गृह 5 50<sup>१</sup>  
 धारा निर्मलनाराच 54 35<sup>१</sup>  
 धाराभिस्तुत्यरूपाभि 61 12<sup>१</sup>  
 धारा दत्तसद्वृत्त 92 6<sup>१</sup> 106 44<sup>१</sup>  
 धारोर्मिकलिलो महार् 9 71<sup>१</sup>  
 धातेराद्वाक्ष मे सरो 62 95<sup>१</sup>  
 धार्मिकस्य महात्मान 9 33<sup>१</sup>  
 धार्मिको जनमेजय 23 110<sup>१</sup>  
 धिक्ते वृत्त सुदुर्वृत्त 73 31<sup>१</sup>  
 धिक्त्वामीष्टतामक्षान्त 73 23<sup>१</sup>  
 धिक्प्रनातेन तप्यते 69 14<sup>१</sup>  
 धिक्सा द्रुपतितथैव 78 9<sup>१</sup>  
 धिक्साव्दूर्वससहृत् 29 21<sup>१</sup>  
 धिमेतस्य वाग्वलम् 38 25<sup>१</sup>  
 धिमेतां क्षत्रयुत्तिताम् 81 73<sup>१</sup>  
 धिमेतां क्षत्रयुत्ति य 81 71<sup>१</sup>  
 धिभिर्जित्ससहृत्ते वै 65 99<sup>१</sup>  
 धिभिर्गिर्येव सोऽग्रवीत् 112 49<sup>१</sup>

धियबाण सव पौम्पस् 112 101<sup>१</sup>  
 धिपणाजनयस्तुता 2 28<sup>१</sup>  
 धीर प्रल्ग्न प्रययौ 58 29<sup>१</sup>  
 धीवरानसृन्चापि 5 18<sup>१</sup>  
 धुन्नुमारत्प्रभागत 9 47<sup>१</sup>, 48<sup>१</sup>  
 धुन्नुमारो न सशाय 9 62<sup>१</sup>  
 धुन्नुमारो भविष्यति 9 66<sup>१</sup>  
 धुन्नुमारात्सदितो राजन् 9 70<sup>१</sup>  
 धुन्नुर्नाम सुदाण्य 9 54<sup>१</sup>  
 धुन्नु धुन्नुविनाशन 9 73<sup>१</sup>  
 धुन्धोर्वैधमद् ब्रह्मन् 9 45<sup>१</sup>  
 धुन्धोस्तस्य निरर्हणे 9 64<sup>१</sup>  
 धुर यस्ते समुद्रहेत् 62 19<sup>१</sup>  
 धुर वदति शौकिकीम् 39 5<sup>१</sup>  
 धूमवेत् स्थितोऽभवत् 106 46<sup>१</sup>  
 धूमवर्ण सुदधेनम् 23 106<sup>१</sup>  
 धूमान्धकारवपुष 32 22<sup>१</sup>  
 धूमिनी च वराङ्गा 23 74<sup>१</sup>  
 धूमिनी पुत्रगृदिनी 23 103<sup>१</sup>  
 धूमिन्या स तथा देव्या 23 106<sup>१</sup>  
 धूमने परिचेष्टितम् 55 43<sup>१</sup>  
 धूमोत्पातोद्दिशो व्यासा 66 29<sup>१</sup>  
 धूम्रवेशो इरिदमशु 36 50<sup>१</sup>  
 धू सर्वा रणाहिनी 62 85<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रवल्गुकां 3 86<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रवसानुगा 100 8<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रस्य सूयेश 3 61<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रस्य राजन् 43 52<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्र प्रतापवात् 6 23<sup>१</sup>  
 धृतराष्ट्रस्य सप्तमे पद् 10 7<sup>१</sup>  
 धृत गोवर्धन दृष्ट्वा 62 1<sup>१</sup>  
 धृत यदुर्वृत्त वार 65 19<sup>१</sup>  
 धृता गर्भेण वै मया 2 40<sup>१</sup>  
 धृतात्तामिच्छथो लोका 73 32<sup>१</sup>  
 धृतिमान् यथो युक्त 7 24<sup>१</sup>  
 धृतिमास्तस्य पुत्रस्तु 15 31<sup>१</sup>  
 धृतिर्मदामना विद्वात् 18 26<sup>१</sup>  
 धृते गोवर्धने चैव 65 3<sup>१</sup>  
 धृतो गोवर्धन दैव 96 37<sup>१</sup>  
 धृतो गोवर्धनो गिरि 65 30<sup>१</sup>  
 धृतो धृतमत्वा वीर 62 33<sup>१</sup>  
 धृतो वैश्व हवाकाशौ 62 13<sup>१</sup>,

श्रुतोऽहं तैर्मया च ते 100 66<sup>d</sup>.  
 श्रुतुमुद्रादयो मृषाः 100 8<sup>d</sup>  
 श्रुतस्य जङ्घिरे शूरा. 26 21<sup>a</sup>  
 श्रुतोक्तः कृष्ण एव च 23 157<sup>b</sup>  
 श्रुष्णुः दार्यातिरेव च 9 1<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोस्तु तनयन्तथा 27 17<sup>b</sup>.  
 श्रुष्णोस्तु धार्मिकं क्षत्र 9 22<sup>a</sup>  
 धेनुकालाशिक्षरात् 65 28<sup>a</sup>  
 धेनुकं च महाकायं 90 16<sup>a</sup>  
 धेनुकः स महाकाय 96 39<sup>a</sup>  
 धेनुक. सोऽसुरोत्तम. 44 72<sup>b</sup>  
 धेनुके प्रलयं नीते 65 2<sup>a</sup>  
 धैर्याद्विवृतं वच 66 2<sup>b</sup>  
 धैर्यादसभ्रान्तवपुः 44 38<sup>a</sup>  
 धैर्यान्मनः सतियम् 89 34<sup>a</sup>, 38<sup>a</sup>.  
 धौम्भुमारिदंढाश्वस्तु 9 79<sup>a</sup>  
 ध्याया प्रसादं ते चतु 13 34<sup>a</sup>  
 ध्रियते सेवनीयेन 40 33<sup>a</sup>  
 ध्रुवमद्यामलानन 83 10<sup>b</sup>  
 ध्रुवस्य जननी शुभा 2 8<sup>d</sup>  
 ध्रुवस्य पुत्रो भगवान् 3 33<sup>a</sup>  
 ध्रुवं च कीर्तिमन्त चापि 2 9<sup>a</sup>  
 ध्रुवं सप्तर्षयः स्थिताः 2 13<sup>d</sup>  
 ध्रुवाच्छंभुर्व्यजायन् 2 14<sup>b</sup>  
 ध्रुवाय तत्र न्यवसत् 84 32<sup>a</sup>  
 ध्रुवाय वरदो विभु 61 64<sup>d</sup>  
 ध्रुवो वर्षसहस्राणि 2 10<sup>a</sup>  
 ध्वजसङ्घश्च नाभवत् 5 30<sup>a</sup>  
 ध्वजस्यास्य यदा भङ्ग 106 13<sup>a</sup>  
 ध्वजं चास्य महायत् 88 9<sup>b</sup>  
 ध्वजं विच्छेदं चोच्छ्रितम् 87 65<sup>b</sup>  
 ध्वजं सततम् पितम् 87 72<sup>d</sup>  
 ध्वज पथान येनेन 106 39<sup>a</sup>  
 ध्वजाकारानु यद्विदु 62 56<sup>b</sup>  
 ध्वजेन तिग्मबर्हाणां 47 44<sup>a</sup>.  
 ध्वंसत्तं सद्यः धाम्प्ये 118 19<sup>b</sup>.  
 ध्वंसेत्तच्छुम्भप्रवीर 118 14<sup>d</sup>.  
 न  
 न कनेश्ये विज्ञानया 75 14<sup>d</sup>.  
 न कश्चित्प्राप्तुमर्हति 70 19<sup>d</sup>  
 न कश्चिद्दरविनाम 116 31<sup>a</sup>.  
 गहारी तस्य क्रमेण 28 18<sup>b</sup>  
 न किञ्चिपरिहायते 62 18<sup>b</sup>, 90<sup>d</sup>.

न किञ्चिदन्यत्पदयामि 100 61<sup>a</sup>.  
 न किञ्चिदपि भापसे 109 23<sup>b</sup>.  
 न कीर्तिर्नापि वौरपम् 107 48<sup>b</sup>.  
 नकुलं सहदेवं च 62 93<sup>d</sup>.  
 न कृतज्ञस्य लोकोऽस्ति 65 63<sup>a</sup>.  
 न कृतप्रतिकर्ता च 116 40<sup>a</sup>.  
 न कृपिनं वणिक्वय 6 11<sup>b</sup>.  
 नक्तंचरेषु हृष्टेषु 69 3<sup>a</sup>.  
 नक्रमेपाननाः शूराः 31 83<sup>a</sup>.  
 नक्षत्रप्रदयोस्तथा 4 2<sup>b</sup>  
 नक्षत्रस्थानसङ्कल्पम् 40 5<sup>b</sup>.  
 नक्षत्राख्या दूरी प्रभु 2 47<sup>d</sup>.  
 नक्षत्राणां गुरु सोम 42 37<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणां यथा दिवि 55 8<sup>d</sup>.  
 नक्षत्राणि द्विदो दश 31. 44<sup>d</sup>.  
 न क्षत्राणि नियोद्भवन्ति 116 32<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणि विहीनानि 116 36<sup>a</sup>.  
 नक्षत्राणीति या विदु 20 21<sup>d</sup>.  
 नक्षत्रे चाभिपूजिते 89 15<sup>b</sup>.  
 नक्षत्रैश्च सुहृत्तैश्च 31 37<sup>a</sup>  
 न क्षुरिपपासे कालं वा 14 13<sup>a</sup>.  
 न खल्वत्राल लोके 40 46<sup>a</sup>.  
 न खल्वयं मृतोऽण्डस्थः 8 4<sup>a</sup>  
 नराम्रा जीवितरिच्छदः 76 41<sup>d</sup>.  
 नगरमभिमुला यदाहता 90 17<sup>a</sup>.  
 नगर कौरवस्य तत् 90 11<sup>d</sup>.  
 नगर होत्रिस्त्रयातम् 107 51<sup>a</sup>.  
 नगर वारणासतम् 29. 6<sup>a</sup>.  
 नगराद्दचनात्पितु 9 93<sup>a</sup>.  
 नगरासि र्गर्गो हृष्टा 81 53<sup>a</sup>.  
 नगरे किञ्चिन्नीजिनाम् 93 26<sup>b</sup>.  
 नगरे शर्मितंजये 85 9<sup>b</sup>  
 नगरे नागवाहये 90 8<sup>d</sup>  
 न गन्धित रणे मिया 112 59<sup>b</sup>.  
 नगर्षो निर्धने नरम् 86 60<sup>d</sup>  
 नगर्षो पक्षिंश्च दूरे 81 39<sup>a</sup>  
 नगर्षेषु घना इव 99 14<sup>d</sup>  
 नगर्षां नगनाटिनाम् 54 18<sup>b</sup>.  
 न गात्रो नेत्रे रजा 53 34<sup>d</sup>.  
 न गात्र परिशिक्षुम् 52. 35<sup>b</sup>.  
 न गृहोऽप्रागन्मथा 52 18<sup>b</sup>  
 नगर्षिच महायत्. 80 15<sup>d</sup>.  
 नमनजिया प्रज्ञा चतु 99 9<sup>b</sup>.

न प्रह्लाध्यामि ते जराम् 22. 23<sup>d</sup>.  
 न गत्यनिरभवत्तदा 14. 13<sup>d</sup>.  
 न च कश्चिरपठिष्यति 116 35<sup>d</sup>.  
 न च्चालु इरियुंद्धे 38 31<sup>d</sup>.  
 न च सुकोषं केनामः 69. 26<sup>d</sup>.  
 न च तं चारयामास 9. 93<sup>d</sup>.  
 न च सावमुर्ता युद्धे 42 26<sup>d</sup>.  
 न च बालमशकुवत् 20. 6<sup>d</sup>.  
 न च ते दुष्यते भीष् 107. 35<sup>d</sup>.  
 न च तौ युद्धवैमुष्यं 44. 48<sup>d</sup>.  
 न च परिगर्हति वपुष्टमां च 118. 41<sup>d</sup>.  
 न च पश्यामि राक्षसम् 102. 10<sup>d</sup>.  
 न च मे कृतिरस्तीह 1 11<sup>d</sup>.  
 न च रक्षसि मे सुतम् 102 14<sup>d</sup>.  
 न च राज्ञा भविष्यति 68. 31<sup>d</sup>.  
 न च वा तरितुं नदीम् 52. 35<sup>d</sup>.  
 न च विनिरतैति वज्रशीलनाम् 118. 41<sup>d</sup>.  
 न च विरमति विप्रवृत्तान् 118 41<sup>d</sup>.  
 न च विपयारिरक्षणायुगोऽसी 118 41<sup>d</sup>.  
 न च वृन्दायने कार्ये 49. 10<sup>d</sup>.  
 न च न्याधिभयं भवेत् 28 13<sup>d</sup>.  
 न च शक्तोपि रक्षितुम् 102 17<sup>d</sup>.  
 न च दारयमविजातेः 107. 81<sup>d</sup>.  
 न च शेते सुखं रात्रौ 96 60<sup>d</sup>.  
 न च सत्यवतलस्मात् 10 7<sup>d</sup>.  
 न च सत्यवतलस्य 10 9<sup>d</sup>.  
 न च सामन्तमिच्छन्ति 44. 27<sup>d</sup>.  
 न च सा श्रद्धाति तत् 19. 7<sup>d</sup>.  
 न चरुद्वेऽप्य पौराणम् 25 8<sup>d</sup>.  
 न च म्य वृद्धा बालानां 31. 131<sup>d</sup>.  
 न चातिनाम्नवानहम् 48 30<sup>d</sup>.  
 न चात्मनो गुणांशत 66 8<sup>d</sup>.  
 न चाषरापः शकस्त 115. 30<sup>d</sup>.  
 न चापि राज्यलुब्धेन 78 33<sup>d</sup>.  
 न चाट्टो प्रतीभ्यम् 115. 24<sup>d</sup>.  
 न चाशक्यस्त ते हायवां 16 8<sup>d</sup>.  
 न चापसात् तं घातं 79. 15<sup>d</sup>.  
 न चासुरगणैः सर्वैः 91. 17<sup>d</sup>.  
 न चास्य विद्वो वै कर्तै 5. 36<sup>d</sup>.  
 न चाहमुपसेनेन 73 9<sup>d</sup>.  
 न चिन्तयति नः स्थितान् 108 95<sup>d</sup>.  
 न चिन्तयति राज्ञस्यो 108 96<sup>d</sup>.  
 न चिरात्प्रनिवृत्तसे 21 23<sup>d</sup>.

न सुकोप गदाधरः 38. 23<sup>d</sup>.  
 न सुकोप गदाधरः 86. 30<sup>d</sup>.  
 न चेलुः क्षमिभगोपनाः 61. 21<sup>d</sup>.  
 न चैषां द्रष्टुमिच्छामि 76 19<sup>d</sup>.  
 न चैतमसकृद्गता 85 39<sup>d</sup>.  
 न चैनं शैबुरम्बेष्टुं 40 18<sup>d</sup>.  
 न चैष प्रथमः कल्पः 15 48<sup>d</sup>.  
 न चैषा तस्य कौमरि 99. 47<sup>d</sup>.  
 न चैषां संस्थितिर्भुङ्गा 88 78<sup>d</sup>.  
 न जरा क्षुत्विपासे वा 9 31<sup>d</sup>.  
 न जरा रेवती प्रासा 9 29<sup>d</sup>.  
 न जाल कामः कामानो 22 37<sup>d</sup>.  
 न जाने कोऽप्यसौ रूप 71. 53<sup>d</sup>.  
 न जीर्णानि मद्दासुराः 113. 9<sup>d</sup>.  
 न ह्यरायो मद्दोषमः 2 16<sup>d</sup>, 17<sup>d</sup>.  
 न तत्र कश्चिदो गो वा 79 32<sup>d</sup>.  
 न तत्र पुराण. सन्ति 38 25<sup>d</sup>.  
 न तत्र घस्ताः सीदन्ति 53 34<sup>d</sup>.  
 न तत्र विपयो वायोः 40. 6<sup>d</sup>.  
 न तथा पूर्वजेषु वै 8 18<sup>d</sup>.  
 न तथा स्थणं यस्तः 5 36<sup>d</sup>.  
 न तन्मिच्छ्या भविष्यति 106. 55<sup>d</sup>.  
 न तन्नं जलजेतनाम् 55 34<sup>d</sup>.  
 न तस्य वित्तनामः स्यात् 29 163<sup>d</sup>.  
 न तं नसिष्टो भगवन् 10 12<sup>d</sup>.  
 न तं वेद स्वयं ब्रह्मा 40 15<sup>d</sup>.  
 न तावत्क्रियते तस्मान् 112. 112<sup>d</sup>.  
 न तु कश्चन सातुपः 60 6<sup>d</sup>.  
 न तु देहे निपातितः 8 23<sup>d</sup>.  
 न तु या वृत्रिमा भवेत् 86 68<sup>d</sup>.  
 न तु घृत्प्यन्धकानां वै 1 5<sup>d</sup>.  
 न तु छद. त्रिधाः पतिः 77. 24<sup>d</sup>.  
 न तुष्णं सुव्रते गावः 52 13<sup>d</sup>.  
 न ते तपः सुचरितं 12 9<sup>d</sup>.  
 न ते घर्मे चरिष्यन्ति 116 19<sup>d</sup>.  
 न ते प्रभविता मृत्युः 11 26<sup>d</sup>.  
 न तेषां दुर्लभं किञ्चिद् 47. 53<sup>d</sup>.  
 न तेषु वारं त्रिवेयं 109 50<sup>d</sup>.  
 न तेऽहं विमुच्यन्तात् 112 12<sup>d</sup>.  
 न त्वन्नयगमाप्राणि 54 15<sup>d</sup>.  
 न त्वमर्हसि माधव 109 23<sup>d</sup>.  
 न त्वया न च वृत्तिभिः 29 23<sup>d</sup>.  
 न त्वया राम वधोऽप्यम् 82 20<sup>d</sup>.

न खद तस्य जाने वै 15 57<sup>a</sup>  
 न त्व मम पतिर्धुवम् 73 20<sup>b</sup>  
 न त्व मम सुत सौभ्य 99 17<sup>a</sup>  
 न श्यानुगन्तु शको वै 62 22<sup>a</sup>  
 नत्वा स वृषभध्वजम् 106 16<sup>d</sup>  
 न त्वा वयमुपास्महे 66 34<sup>d</sup>  
 न द्दर्शान्तर चापि 19 14<sup>a</sup>  
 नदन्त दन्तिना घरम् 74 39<sup>b</sup>  
 नदन्ती द्विपयूयर्षे 36 23<sup>b</sup>  
 नदन्तोऽतिबला रणे 112 2<sup>d</sup>  
 नदक्षिण महास्यन 108 26<sup>d</sup>  
 नदन्मेघ ह्योष्णतो 108 23<sup>d</sup> 112 94<sup>d</sup>  
 नदन्मेघ ह्योष्णान्ते 65 23<sup>a</sup>  
 नदन्मेघतद्वहस्य 110 57<sup>a</sup>  
 न द्वाययोग भीन धा 35 44<sup>a</sup>  
 नदीतीरं च सपंश 107 3<sup>d</sup>  
 नदीनामप सागरम् 4 6<sup>d</sup>  
 नदीभि सागरैस्तथा 31 37<sup>b</sup>  
 नदी घृन्दावन वनम् 83 41<sup>b</sup>  
 नदी सा बाहुदा कृता 9 82<sup>d</sup>  
 नदीस्रोतांमि शोत्वन्ति 117 35<sup>d</sup>  
 नदीं गद्गामुपस्थित 100 39<sup>d</sup>  
 न दुष्यतीय पत्नी त 118 24<sup>a</sup>  
 न देवागुरगधर्मा 31 41<sup>a</sup>  
 न देवा धुद्रकर्मिण 109 47<sup>b</sup>  
 न द्योवापश्यन भद्रा 106 54<sup>d</sup>  
 न द्वायपाचारणा 50 18<sup>a</sup>  
 न धर्म ख्युमर्दयि 5 5<sup>a</sup>  
 न धमाऽस्ति विनोपया 14 10<sup>d</sup>  
 न धारयितुमुत्तरे 42 44<sup>d</sup>  
 न मन्दा नापि च रय 112 28<sup>a</sup>  
 ननौ रघिराद्भद्र 56 31<sup>d</sup>  
 न न सर्वाग्निनामये 108 77<sup>d</sup>  
 न न सर्वो धरो धमे 53 3<sup>d</sup>  
 ननाद स महापान 113 25<sup>d</sup>  
 ननादाग्निर्हितो भूमौ 106 41<sup>a</sup>  
 ननु तेऽहं सुत गौर्ये 93 15<sup>a</sup>  
 ननु नाम विष साध्व 77 11<sup>a</sup>  
 न नूनं चार्त्तार्त्तय 23 14<sup>a</sup>  
 ननुपुंश्चकारिण्य 33 26<sup>d</sup>  
 न नृरा रिश्या भयेन 78 11<sup>d</sup>  
 न नृनिगाधनेरारि 67 11<sup>a</sup>  
 न नृ गणयत् सर्वान् 108 94<sup>d</sup>

नन्दकानन्दितकर 32 24<sup>a</sup>  
 नन्दगोप गाता रात्रि 49 12<sup>a</sup>  
 नन्दगोप तथा कुरु 49 9<sup>d</sup>  
 नन्दगोपपुरोगामा 69 27<sup>d</sup> 76 10<sup>b</sup>  
 नन्दगोप प्रसक्तौ ते 51 31<sup>a</sup>  
 नन्दगोप ममात्मजम् 49 7<sup>b</sup>  
 नन्दगोपमुखा गोपा 56 19<sup>a</sup>  
 नन्दगोपश्च दुर्मेघा 76 20<sup>a</sup>  
 नन्दगोपसुतो योग 65 27<sup>a</sup>  
 नन्दगोपसुतो वजे 65 21<sup>d</sup>  
 नन्दगोपस्तु तच्छ्रुत्वा 56 17<sup>a</sup>  
 नन्दगोपस्तु सहता 51 34<sup>a</sup>  
 नन्दगोपस्य गोपाला 96 48<sup>a</sup>  
 नन्दगोपस्य चालकृत् 68 14<sup>d</sup>  
 नन्दगोपस्य भवने 65 24<sup>a</sup>  
 नन्दगोपस्य भार्या वै 48 12<sup>a</sup>  
 नन्दगोपं च गोपाश्च 65 83<sup>a</sup>  
 नन्दगोप पुरस्त्व 50 25<sup>a</sup>  
 नन्दगोप धनेचरा 56 42<sup>b</sup>  
 नन्दगोप हृदयान्तके 58 23<sup>b</sup>  
 नन्दगोप सखाग्धव 50 29<sup>b</sup>  
 नन्दगोप सुदुर्मेघी 51 12<sup>d</sup>  
 नन्दगोपाद्य स्थिता 60 27<sup>b</sup>  
 नन्दगोपाद्यो गोपा 61 3<sup>a</sup>  
 नन्दगोपाय वै निद्रं 56 16<sup>a</sup>  
 नन्दगोपे च कथाय 76 24<sup>b</sup>  
 नन्दगोपो वृद्धद्वारय 53 8<sup>a</sup>  
 नन्दगोपो विवेदा इ 51 35<sup>b</sup>  
 नन्दगोपो दग्धगितकम् 50 12<sup>d</sup>  
 नन्दनस्येन मन्दर 52 24<sup>d</sup>  
 नन्दन च महद्रनम् 93 20<sup>d</sup>  
 नन्दन मघवाति 18 2<sup>d</sup>  
 नन्दन च वनोत्तमे 21 6<sup>d</sup>  
 नन्दनोपमकाशनम् 53 31<sup>d</sup>  
 नन्दित्थर संवादि 112 83<sup>a</sup>  
 नन्दित्थर्यवयादन् 79 25<sup>a</sup>  
 नन्दित्थावधवधादिन 112 115<sup>d</sup>  
 नन्दित्थावधवधादिन 112 11<sup>a</sup>  
 न पतेज्जम शापन 8 24<sup>d</sup>  
 न पपान द्विषो महीम् 23 11<sup>d</sup>  
 न पपाता भवित्पति 89 32<sup>d</sup>  
 न पदपन्थात्ममं धपम् 58 42<sup>d</sup>  
 न पदपति तिस्रोर्मुंक्षुम् 49 6<sup>d</sup>



न विपुणा परा गति 13 73<sup>३</sup>  
 न पुत्र शम्बरस्य च 99 25<sup>६</sup>  
 नसा कृष्णस्य धीमत 107 75<sup>६</sup>  
 नमुदरानतिक्रमेत् 118 31<sup>६</sup>  
 न प्रज्जे ततस्तस्मै 82 22<sup>६</sup>  
 न प्रमातु महाबाहु 97 33<sup>६</sup>  
 न प्रवेदयश्च सगर 15 51<sup>६</sup>  
 न प्राकम्पत दानव 38 47<sup>६</sup>  
 न प्राज्ञायत किञ्चन 32 18<sup>६</sup> 112 68<sup>६</sup>  
 न प्राणिनां भय चासीत् 31 131<sup>६</sup>  
 न प्रायतन्त न क्रिया 39 27<sup>६</sup>  
 न यभूत् भय तारक 108 4<sup>६</sup>  
 न युधुक्षादत्रो जन 59 11<sup>६</sup>  
 न भयं विद्यते लोके 107 24<sup>६</sup>  
 न भविष्यति मरुत 75 18<sup>६</sup>  
 न भविष्यन्ति कर्हिचित् 19 31<sup>६</sup>  
 न भवेद्द्वन्द्वना यथा 102 8<sup>६</sup>  
 नभस पुण्डरीकरु 10 76<sup>६</sup>  
 नभस्य ह्रव सूर्तिमान् 55 9<sup>६</sup>  
 नभस्यरुणसस्त्रीर्णे 70 2<sup>६</sup>  
 नभस्ये च नभश्चक्षु 54 31<sup>६</sup>  
 नभस्ये जलदस्वने 37 31<sup>६</sup>  
 नभस्यो नभ एव च 7 17<sup>६</sup>  
 नभ पुत्रो नरस्य तु 10 76<sup>३</sup>  
 नभ प्रथममाणस्य 31 89<sup>६</sup>  
 नभ सखान हि यथा 37 31<sup>६</sup>  
 नभ सूर्यस्तथैव च 7 13<sup>६</sup>  
 न भारथेय नभश्चर 54 31<sup>६</sup>  
 न भेतस्य द्विजभ्रष्ट 101 10<sup>६</sup>  
 न भेदं कुर्वते मिथ 41 6<sup>६</sup>  
 न ममार च वीर्यवान् 56 13<sup>६</sup>  
 नमस्ते पुरयोत्तम 104 16<sup>६</sup>  
 नमस्तेऽरु गमिष्यामि 112 112<sup>६</sup>  
 नमस्यश्चैव पुत्रश्च 6 42<sup>६</sup>  
 न मानुषा पिशाचा वा 31 41<sup>६</sup>  
 न मामर्हसि हन्तु वै 5 49<sup>६</sup>  
 न मा प्रातीति भारत 10 8<sup>६</sup>  
 न मा धर्मा हतोऽनन् 9 7<sup>६</sup>  
 न मा पश्यसि सयुगे 110 56<sup>६</sup>  
 न मा भविष्य पश्यतु 115 24<sup>६</sup>  
 न मिष्या मम तर्कितम् 99 38<sup>६</sup>  
 न मृत्युभरतपेभ 9 31<sup>६</sup>  
 न मृत्युन्नाय विद्यते 112 110<sup>६</sup>

न शृत्यु प्रभविव्यति 62 80<sup>६</sup>  
 न मे कार्यं नृपस्वेन 78 36<sup>६</sup>  
 न मेघाना प्रवृष्टाना 61 34<sup>६</sup>  
 न मेघा सचरन्ति च 112 71<sup>६</sup>  
 न मे बहुमतस्त्वेय 37 33<sup>६</sup>  
 न मे युद्ध विना देव 106 11<sup>६</sup>  
 न मे घृद्धर्ष कश्चित् 65 76<sup>६</sup>  
 न मे श्रेयोऽथ जीवितम् 107 28<sup>६</sup>  
 नमो दामोदरायेति 63 22<sup>६</sup>  
 न यक्षोरगराक्षसा 31 41<sup>६</sup>  
 न यक्षयन्तीति शौनक 118 17<sup>६</sup>  
 नयता त्वा रणप्रियम् 77 25<sup>६</sup>  
 नयनानि चक्राशिरे 109 10<sup>६</sup>, 11<sup>६</sup>  
 न यष्टव्य न होतव्य 5 6<sup>६</sup>  
 नयस्यम्बुजपत्राक्षि 71 23<sup>६</sup>  
 नयानामुपदेदो न 44 30<sup>६</sup>  
 न युक्त जानता देव 44 15<sup>६</sup>  
 न युद्ध प्राप्यते मया 106 33<sup>६</sup>  
 न योग न परायणम् 65 24<sup>६</sup>  
 नरकश्च हत सपथे 31 146<sup>६</sup>  
 नरकश्च हतो भौम 96 67<sup>६</sup>  
 नरकस्य जनादेनः 92 2<sup>६</sup>  
 नरकस्य धन बहु 92 7<sup>६</sup>  
 नरकस्य नियर्षणम् 91 38<sup>६</sup>  
 नरकस्य निवेदाने 92 16<sup>६</sup>  
 नरकस्य पुरे रतौ 44 74<sup>६</sup>  
 नरकस्य महाबलान् 91 44<sup>६</sup>  
 नरकस्य महापुरम् 91 52<sup>६</sup>  
 नरक निद्वत ज्ञात्वा 92 28<sup>६</sup>  
 नरक मनुसूदन 91 56<sup>६</sup>  
 नरक साधु तर्कये 45 8<sup>६</sup>  
 नरक पुरुषोत्तमम् 91 55<sup>६</sup>  
 नरकायुषित पन्था 65 65<sup>६</sup>  
 नरवेण समानीता 92 24<sup>६</sup>  
 नरकेणेति न श्रुतम् 92 6<sup>६</sup>  
 नरको दानवो हत 105 9<sup>६</sup>  
 नरको नाम दानव 91 5<sup>६</sup>  
 नरको चाकथमन्वीत् 91 8<sup>६</sup>  
 नरर विष्णुरागत 30 53<sup>६</sup>  
 नरनारीगणा सर्वे 79 33<sup>६</sup>  
 नरनारीसमुद्रिता 44 69<sup>६</sup>  
 नररोपानुवतिना 78 4<sup>६</sup>  
 नरभ्रष्टो जनादेन 92 51<sup>६</sup>

नरस्य वृत्रार्धतनु 31 65°  
 नर चैव नरोत्तमम् 1 0°  
 नर चैव पुराणपिं 43 67°  
 नर धर्मपरायणम् 78 13°  
 नरा इव दिव्यैस्त 67 60°  
 नराच्या कपिलो जज्ञे 98 22°  
 न राजधर्माभिरत 44 65°  
 नराणामन्तरात्मसु 32 37°  
 नराणामौर्ध्वदेहिकी 77 23°  
 नराणा च त्रयो वर्णा 41 28°  
 नराणा विजिगीषताम् 81 4°  
 नरा धर्मप्रवृत्ताश्च 78 11°  
 नराधिपसद्वृत्तौधि 81 14°  
 नरा मधामिप्रिया 116 8°  
 नरा स्तैच्छगणै सह 117 30°  
 नरा वै कामरूपिणीम् 96 11°  
 नराश्चैवान्निर्दोत्रिण 116 38°  
 नरान्मदा भविष्यन्ति 117 27°  
 नरास्तथा चैव मा चैव 62 56°  
 नरा क्षुद्रयपीडिता 117 28°  
 नरा श्रयिष्यन्ति वन 117 23°  
 नरिष्यत दात पुत्रा 9 21°  
 नरिष्यन्तन्मथा प्राशु 9 2°  
 न रजा प्रमविष्यति 112 123°  
 न रद् प्रत्यरदयत 112 28°  
 न रेपुश्च दिना दत्त 32 16°  
 नरो कस्यापि सहिषी 71 48°  
 मतका गायत्र्या 96 54°  
 नर्ममानो महादृष्ट 64 11°  
 नर्मदावृत्तमोराठी 26 14°  
 नर्मदायामधारपद्म 9 86°  
 नर्मदा सरितां वरा 13 63°  
 नर्मदां श्रुतिद्वारताम् 26 14°  
 न हृद्मौर्ध्वतिरिष्यत 54 25°  
 नग्निं सरितां वरा 52 26°  
 नग्निं वरं कर्हिषि 22 10°  
 नग्निं सा पतिस्तदा 22 2°  
 नग्निं द्वावय विकयागी 10 75°  
 नवनावापुर्करिणा 54 4°  
 नव दाय विषेर्वर 20 26°  
 न वरं दाय 52 35°  
 न वनातिर्हविदा 72 35°  
 नवमपुत्रि क्रावता 54 7°

नवम्यामेव सजाता 47 34°  
 न वय स्ववदो स्थिता 100 72°  
 नवस्य नवराष्ट्र तु 23 25°  
 न वाट्यात्रेण दुष्यन्ति 44 41°  
 न याचा साधित कार्यम् 66 10°  
 नमोभ्रैभ्राजते वपु 54 7°  
 नवायास्तु नर पुत्र 23 23°  
 न वारयामास मुनि 10 6°  
 नवासु घनराजिपु 52 26°  
 न विग्रह महाशत्रु 32 36°  
 न विनानाम्यद् केन 50 16°  
 न वित्तहरण चासीत् 31 129°  
 न विदुस्त कचिरसुस 40 16°  
 न विदु सोम देवाश्च 36 5°  
 न विद्यते लोकगुरो 45 27°  
 न विद्विष्टस्य जीवितम् 78 8°  
 न विभाति विषयंस्त 76 39°  
 न विरूपो भवेद्भव 112 127°  
 न विषय स भूतात्मा 108 86°  
 न विष्णोर्भयसप्राप्तात् 106 24°  
 न वृषा धारण मम 106 15°  
 नवैते परिकीर्तिता 9 37°  
 नवैते पुरपर्यम 9 2°  
 न च राज्ञा युधेरेण 92 7°  
 नवैश्च दिक्षिष्यिष्ये 54 13°  
 न वै स्यात्सि पौरुषे 115 27°  
 नरोमसेनस्य सुता 27 28°  
 न ह्ययथेय भागिभि 108 94°  
 न ह्यनर्धन्त वै प्रजा 3 4°  
 न शक्ता शान्तिपुरं 107 52°  
 न शशयमन्त तेषां य 7 50°  
 न शशयमेतन्निष्पया तु 8 26°  
 न शशय विन्तं तात 7 3°  
 न शशेन यमो 7 92 7°  
 न शशयामा द्वातरनगम् 84 11°  
 न शर्म शर्मिरे देव्या 109 29°  
 न शशाक सुत प्रदू 70 32°  
 न शशेन न शशेन 31 43°  
 न शशेन शर्मिरे युवा 100 4°  
 न शशेन न शर्मिरे 31 43°  
 न शशुभिमिरीषिपुत्र 85 22°  
 न शशुभिमिरीषिपुत्र 37 47°  
 न शशुभिमिरीषिपुत्र 37 47°

न शोकश्रित्तु देव्या 36 18<sup>d</sup>  
 न शोकश्रित्तु रणे 38 51<sup>d</sup>  
 न शोकश्रित्तु रथा 37 32<sup>d</sup>  
 न शोकश्रित्तु प्रजा 2 35<sup>d</sup>  
 न शोकसे विचेष्टित्तुम् 35 10<sup>d</sup>  
 न शोक सुसनच्युतम् 40 23<sup>d</sup>  
 न शौलत्यासनवापिण 61 31<sup>d</sup>  
 न शोभेते विरुण्डलौ 77 8<sup>d</sup>  
 न शोष त्वमिहाईसि 103 10<sup>d</sup>  
 नष्टदावाग्निधूमनि 54 5<sup>d</sup>  
 नष्टमस्त्रिय मोहिता 14 3<sup>d</sup>  
 नष्टवर्षावसिक्तानि 54 8<sup>d</sup>  
 नष्टवीर्यं महौजसि 112 42<sup>d</sup>  
 नष्टशोकभयो मोहात् 91 8<sup>d</sup>  
 नष्टशोका यय कृता 113 61<sup>d</sup>  
 नष्टसहा विचेतस 12 23<sup>d</sup>  
 नष्ट प्रतिलभेष स 23 163<sup>b</sup>  
 नष्टा बाणपुरात्तदा 107 86<sup>b</sup>  
 नष्टे देवासुरानरे 31 17<sup>d</sup>  
 नष्टे घर्मं प्रजापति 13 64<sup>d</sup>  
 नष्टे स्वावरचङ्गमे 31 17<sup>b</sup>  
 न स दौरात्म्यमाप्नुयात् 21 37<sup>d</sup>  
 न स दोचेरहृत्वाहृतम् 4 26<sup>d</sup>  
 न सस्थानि न गोरक्ष्य 6 11<sup>d</sup>  
 न रूपतन्त्रि रगम्मा 61 14<sup>d</sup>  
 न सरम्भात् वारम्भात् 115 27<sup>d</sup>  
 न सा बुधोष तत्तेन 50 9<sup>d</sup>  
 न सा शोचिदुर्मर्हति 69 15<sup>d</sup>  
 नन्ततोऽप्य स शब्दवत् 64 17<sup>d</sup>  
 न नष्टशन्ति कदाचन 28 45<sup>d</sup>  
 न स कल्पयते राम 82 16<sup>d</sup>  
 न स किञ्चिन्नानन्ति 12 22<sup>d</sup>  
 न स दारान्स विन्दति 85 4<sup>d</sup>  
 न स्याता वैकृतौ पुन 10 16<sup>d</sup>  
 न स्युर्वै लोकेसेवय 45 27<sup>d</sup>  
 न स्वादु लोऽभाति नर 118 22<sup>d</sup>  
 न इतो वासुदेवेन 89 49<sup>d</sup>  
 न हि कर्म विधीयते 39 27<sup>d</sup>  
 न हि कश्चिन्नमाण ते 103 11<sup>d</sup>  
 न हि वद्वचने मिथ्या 107 43<sup>d</sup>  
 न हि तस्य कृत् देवि 107 48<sup>d</sup>  
 न हि ते प्रमुष्टे स्वात् 109 89<sup>d</sup>  
 न हि ते शान्तिरन्यथा 15 41<sup>d</sup>

न हि त्व जनिता मया 99 23<sup>d</sup>  
 न हि त्व शम्भरात्मज 99 22<sup>d</sup>  
 न हि त्वा वादना वीर 66 4<sup>d</sup>  
 न हि धुन्धुर्महातेजा 9 60<sup>d</sup>  
 न हि पूर्वसिद्धौ वै 6 10<sup>d</sup>  
 न हि मे वृषिरत्नीद 101 2<sup>d</sup>  
 न हि मे स्थास्यते नन 112 84<sup>d</sup>  
 न हि योगगतिर्दिग्या 13 73<sup>d</sup>  
 न हि शम्भेन मे कार्यं 78 33<sup>d</sup>  
 न हि शक्तोमि पार्थिव 9 51<sup>d</sup>  
 नहुपत्न्य तु दायादा 22 1<sup>d</sup>  
 नहुप प्रथम जौ 21 11<sup>d</sup>  
 नहुप शङ्खरोमा च 3 90<sup>d</sup>  
 न ह्यन्यस्य भवेच्छक्ति 109 45<sup>d</sup>  
 न ह्यन्येन तमभ्यान 109 78<sup>d</sup>  
 न ह्यप प्राकृत कश्चित् 107 51<sup>d</sup>  
 न ह्यप बाहुयोधाना 75 18<sup>d</sup>  
 न ह्यरुपवीर्याय युक् 15 7<sup>d</sup>  
 न ह्यस्य त्रिषु लोकेषु 107 76<sup>d</sup>  
 न ह्यद प्रवृत्तिद्वेषी 113 36<sup>d</sup>  
 न ह्यात्मनिपता वृद्धि 73 26<sup>d</sup>  
 नाकशृष्टसुपागम्य 106 9<sup>d</sup>  
 नाकशृष्टं विधीयते 75 35<sup>d</sup>  
 नाकभागार्दयच्छय 32 36<sup>d</sup>  
 नाकम्पत तदा वायु 112 71<sup>d</sup>  
 नास्मलधर्मेणा मृत्यु 41 4<sup>d</sup>  
 नाहृत् मादतो वधो 31 129<sup>b</sup>  
 नाहृतज्ञा न वा ह्युष्या 109 47<sup>d</sup>  
 नाहुरोऽभ्युपपद्यत 29 13<sup>d</sup>  
 नाह्युष्यसर्वैर्नृत्तारना 103 23<sup>d</sup>  
 नागच्छेत्ता यथाकाल 65 94<sup>d</sup>  
 नागच्छेद्वश्ययोत इ 10 4 8<sup>d</sup>  
 नागभोगश्च वैदित 108 95<sup>d</sup>  
 नागयुयायुतोपमा 61 11<sup>d</sup>  
 नागलोकेस्तु दारण 62 30<sup>d</sup>  
 नागमीधी च जामिना 3 28<sup>d</sup>  
 नागरत्नधरा परे 33 24<sup>d</sup>  
 नागरत्नैरिवोद्भूतै 57 6<sup>d</sup>  
 नाग कुम्भयापीड 31 145<sup>d</sup>  
 नागा ह्यन्ये गान्धे 61 10<sup>d</sup>  
 नागा दितिनदानवा 2 48<sup>d</sup>  
 नागानामुपरिशङ्क 62 24<sup>d</sup>  
 नागाना भरतश्रेष्ठ 6 23<sup>d</sup>

नागाना वासुकिं चक्रे 4 7°  
 नागायुतवला केचित् 43 71°  
 नागायुतवत्रो महात् 23 48°  
 नागायुतसमयाण 90 7°  
 नागा सर्पा सुपर्णाश्च 13 42°  
 नागे वै दमिते मया 55 55°  
 नागेषु च ह्येषु च 81 68°  
 नागैश्च श्रूयते दुग्धा 6 22°  
 नागैश्चाग्नादमकारौ 81 75°  
 नागिर्विक्रमते ह्यमौ 113 31°  
 नाचचक्षे विवन्वत् 8 28°  
 नाहुल्या महाराज 7 29°  
 नातिश्रा रमिवाभयन् 8 3°  
 नातिदूर्घेण कालेन 42 6°  
 नातिदूरे गिरिर्महात् 52 24°  
 नात्मपक्षमुपायद् 44 65°  
 नात्मराज्यप्रियङ्ग 44 65°  
 नात्मस्त्रियु नायेषु 44 42°  
 नात्यर्थं धार्मिकनात 10 24°  
 नात्यर्थं धार्मिकोऽभयन् 5 2°  
 नात्र कार्या विचारणा 5 13°  
 नाथ कार्पण्यमाश्रिता 77 13°  
 नाथश्चादिक्रश्च न 115 22°  
 नाथ शृणो म्यस्यिते 109 2°  
 नाथेऽस्माक महावत् 77 5°  
 नाद्यत्तो दिना द्वा 82 16°  
 नाद्यातो दिन सर्वा 81 21°  
 नादिनासु समस्त 55 13°  
 नाद्वयं शरैश्छदा 112 20°  
 नादा प्रविनादिकम् 65 55°  
 नापना विद्यते सत्र 68 62°  
 नापमन्नाभ्रमिष्यति 113 60°  
 नापमोऽन्नाभ्रमिष्यति 16 11°  
 नाप्यगच्छत् ता तारा 27 9°  
 नात्रियैस्व मरिप्रयम् 107 59°  
 नात्रयथाभयत् 31 130°  
 नात्रैरिह सुगयम् 24 33°  
 नात्रारुद्रिभूविनम् 112 56°  
 नात्रारुद्रिभूविनम् 89 2°  
 नात्रारु गभिराश्रित 31 26°  
 नात्रादनाश्रयानि च 71 9°  
 नात्रादनाश्रयानि च 71 9°  
 नात्रादनाश्रयानि च 71 9°  
 नात्रादनाश्रयानि च 71 9°

नानापक्षिगता केचित् 33 25°  
 नानापक्षिसमाकुलम् 49 20°  
 नानापक्ष्यसमाकीर्ण 86 45°  
 नानापक्ष्यसमाकीर्ण 91 46°  
 नानापक्ष्यघोरा 31 80°  
 नानापक्ष्यघोषतम् 108 35° 113 13°  
 नानापक्ष्यघोषताम् 112 6°  
 नानापक्ष्यघोषता 35 2°  
 नानापक्ष्यघोषेत 112 56°  
 नानापक्ष्यघोषेत 108 54°  
 नानामालयानुलेपना 31 86°  
 नानायुधविशारद् 108 21°  
 नानायुद्धविशारदा 108 32°  
 नानारत्नविभूषितान् 46 13°  
 नानारत्नसमाधित 13 14°  
 नानारत्नधरास्तु ते 109 18°  
 नानारत्नपाणि सर्वेश 113 56°  
 नानारत्नपात्ररुसर्वत्र 29 24°  
 नानारत्ना भयावहा 110 20°  
 नानारत्नपेरिविद्युत्प्रिय 93 35°  
 नानारत्नपेभंयानके 110 45°  
 नानायर्णा सहस्रता 113 7°  
 नानावर्णमहातारं 91 47°  
 नानावेषधरा दैव्या 31 86°  
 नानावेषधरेभौमे 85 20°  
 नानावेषा महावया 31 86°  
 नानावाद्योद्यतकरा 108 18°  
 नानाहतोऽदमभि कश्चित् 36 25°  
 नानिरुद्रा दुमगायै 30 28°  
 नानुजानाति मे गुरु 45 23°  
 नानुवाक्यञ्च राजान 02 77°  
 नानुस्युम्भदा निपि 82 24°  
 नात्र दक्षं हि कर्मणाम् 105 6°  
 नात्र दक्ष प्रभारण्य 101 3°  
 नात्रयो विद्यत भयम् 109 56°  
 नात्रयत्तु कर्षण 14 77°  
 नात्रयत्तु विद्यत 38 55°  
 नात्रया भार्वाणाम् रति 110 22°  
 नात्रयो भार्वाणाम् रति 20 15°  
 नात्रयो नारायणारत 10 31°  
 नात्रि युजुर्विराजत् 32 37°  
 नात्रि न रात्र्याः दिना 09 17°  
 नात्रि तत्पयो दिवम् 52 15°

नापि ब्रह्मर्षयोऽभ्यया 40. 15<sup>d</sup>.  
 नापि बक्षैर्नै राक्षसैः 109 55<sup>d</sup>.  
 नापुत्रवाप्रासतद. 27 21<sup>d</sup>  
 नाप्यहं राज्यलक्षणः 78 33<sup>d</sup>.  
 नाप्याश्वर्याणि सन्ति नः 100 57<sup>d</sup>.  
 नाप्याश्वर्योपशोभिता 100 42<sup>d</sup>.  
 नाभविष्यत्स्वरिप्रमार्थम् 21 32<sup>d</sup>  
 नाभागस्तु श्रुतस्यासीन् 10 67<sup>d</sup>.  
 नाभागस्य तु पुत्रां द्वौ 9 36<sup>d</sup>.  
 नाभागस्य तु भारत 9 21<sup>d</sup>  
 नाभाभेदिद्वष्टसत्तमा 9 2<sup>d</sup>  
 नाभिकण्ठान्तरस्थस्तु 30 44<sup>d</sup>  
 नाभिमान्ति दिवो ददा 54 39<sup>d</sup>  
 नाभिमध्यासस्तु रियतम् 40 11<sup>d</sup>.  
 नाभिमध्यासस्तु रियते 42 21<sup>d</sup>.  
 नाभ्यरण्यां समुत्पन्नं 30 16<sup>d</sup>.  
 नाभ्यवर्तेत तं देशं 83 29<sup>d</sup>.  
 नाभ्यां भ्रिल समास्थिता 31 89<sup>d</sup>.  
 नाभ्यां पितृं प्रतिष्ठितम् 30 43<sup>d</sup>  
 नाम किं चास्य भासिनि 107 74<sup>d</sup>  
 नामगोत्रादिक्रीदेने. 11 39<sup>d</sup>.  
 नाम चास्याः कृतं पुत्रां. 86 5<sup>d</sup>  
 नामतद्वाञ्छिवांष मे 25 6<sup>d</sup>.  
 नामधेयानि चाप्येषां 16 19<sup>d</sup>.  
 नाम नया बभूव ह 85 23<sup>d</sup>.  
 नामनी तु तयोश्चक्रे 42 16<sup>d</sup>.  
 नामनिर्घ्याहरन्तौ च 58 3<sup>d</sup>  
 नामनिस्तेऽभवन्मुखा 16 23<sup>d</sup>.  
 नामनि कर्मसिद्धे च 1 9<sup>d</sup>  
 नामनि कर्मभित्तया 16 4<sup>d</sup>  
 नामसंश्रवणे स्त्रियम् 58 27<sup>d</sup>.  
 नामयामास चामकृत् 71 42<sup>d</sup>.  
 नामयामास सीत्था 71 61<sup>d</sup>.  
 नाम राजैःसजायत 5 29<sup>d</sup>  
 नामर्षयत संहृद्यः 57 14<sup>d</sup>  
 नाम विप्रवित्तं सुखि 78 18<sup>d</sup>.  
 नाम्नेनापि कृति स्वाद् 115 13<sup>d</sup>.  
 नामैतन्मे प्रतिष्ठितम् 12 16<sup>d</sup>.  
 नाम्ना कौमोदकीति सा 81 64<sup>d</sup>.  
 नाम्ना तेनैव सञ्चित. 23 112<sup>d</sup>.  
 नाम्ना द्वारप्रती नाम 84 29<sup>d</sup>.  
 नाम्ना पूर्वमिति श्रुति 1. 24<sup>d</sup>.  
 नाम्ना मायारती नाम 99 6<sup>d</sup>.

नाम्ना मित्रसहोऽभवत् 10 70<sup>d</sup>.  
 नाम्ना रुम्भवतीति सा 89 10<sup>d</sup>.  
 नाम्ना वसुमिति ख्यातम् 13 26<sup>d</sup>.  
 नाम्ना युन्वाचनं नाम 52 21<sup>d</sup>.  
 नाम्ना शार्ङ्गमिति ख्याते 81. 63<sup>d</sup>.  
 नाम्ना शीलेन कर्मणा 15 3<sup>d</sup>.  
 नाम्यं देवैर्नै गन्धर्वैः 109 55<sup>d</sup>.  
 नाम्यं देशो निषेव्यते 55 50<sup>d</sup>.  
 नाम्यं वधकृतं द्योपम् 108 92<sup>d</sup>  
 नाम्यं धव्योऽप्यथा भवेत् 108 76<sup>d</sup>.  
 नाम्यं सरक्षितुं कार 109 75<sup>d</sup>.  
 नारदस्तातुवाच ह 3 15<sup>d</sup>.  
 नारदस्त्रिदिवं गत. 97 42<sup>d</sup>.  
 नारदस्य वच ध्रुवा 45 1<sup>d</sup>. 67 68<sup>d</sup>. 99. 41<sup>d</sup>.  
 नारदं देवगन्धर्वै 100 41<sup>d</sup>.  
 नारद. पद्ममो मुनि 67. 52<sup>d</sup>.  
 नारदः परमेश्विनः 3 9<sup>d</sup>  
 नारदः प्रत्यद्वयत 44 6<sup>d</sup>. 100 18<sup>d</sup>  
 नारदः प्रहससिच 109. 64<sup>d</sup>.  
 नारदः प्राजवोदिदम् 3 7<sup>d</sup>.  
 नारदान्मञ्जुसूदन. 85 17<sup>d</sup>  
 नारदाय ददां प्रभु 109 65<sup>d</sup>.  
 नारदायं कृवो मया 45 15<sup>d</sup>.  
 नारदे तु गते स्वर्ग 100 86<sup>d</sup>.  
 नारदेन निवेदितम् 85 45<sup>d</sup>.  
 नारदेन महर्षिणा 3 14<sup>d</sup>.  
 नारदेन महात्मना 109 65<sup>d</sup>  
 नारदेन समागत 85 47<sup>d</sup>.  
 नारदेन हि गर्भेभ्य 46 27<sup>d</sup>.  
 नारदेनैव चोदिता 3 19<sup>d</sup>.  
 नारदे सुनिपुणवे 100 20<sup>d</sup>.  
 नारदोऽकथयद्विभु 25 13<sup>d</sup>.  
 नारदोऽभिस्त्रिदावार 100 19<sup>d</sup>.  
 नारदो न विशारद 46 21<sup>d</sup>.  
 नारदोऽम्प्रागमत्सभाम् 96 22<sup>d</sup>  
 नारदो मञ्जुशं ययौ 46 1<sup>d</sup>.  
 नारदो मा यदुक्तवान् 85 45<sup>d</sup>.  
 नारदो वै न्यवेदयत् 85 16<sup>d</sup>.  
 नारसिद्धमत श्शु 31 31<sup>d</sup>.  
 नारसिद्धेन यपुया 31. 55<sup>d</sup>.  
 नारायाना दत्तेन स. 112 16<sup>d</sup>.  
 नारायैर्द्विभिन्दुः सिद्धे 87 68<sup>d</sup>.  
 नाराचैर्मागधस्त्रिभिः 87. 72<sup>d</sup>.

नाराचैर्मुसलायुधः 87 72<sup>d</sup>  
 नाराचैश्च त्रिभिः कुद्दः 88 24<sup>o</sup>.  
 नाराचं कैशिकान्यहून् 87 70<sup>d</sup>.  
 नारायणयुणात्मकम् 12 11<sup>d</sup>  
 नारायणपरायणम् 1 18<sup>d</sup>  
 नारायणपरायणा 37 18<sup>d</sup>  
 नारायणवितानदौ 42 22<sup>d</sup>  
 नारायणमिवापरम् 36 57<sup>d</sup>.  
 नारायणविसर्गं सः 1 39<sup>o</sup>  
 नारायणश्च भगवान् 42 32<sup>o</sup>  
 नारायणं नमस्कृत्य 1. 0<sup>o</sup>.  
 नारायणं विभुं देवाः 31 59<sup>o</sup>  
 नारायणारमक्षाना च 1 30<sup>o</sup>  
 नारायणी चन्द्रसेना 89 7<sup>o</sup>.  
 नारायणेन कौरव्य 9 69<sup>o</sup>.  
 नारायणेनं सिद्धार्थम् 45 17<sup>o</sup>  
 नारायणे समारेष्य 43 75<sup>o</sup>.  
 नारायणो ह्यनन्तारमा 32 3<sup>o</sup>.  
 नारिकेलपनायुतम् 84 21<sup>o</sup>  
 नारीप्लेवं सुदायणम् 77 36<sup>d</sup>.  
 नारिषश्च नरोत्तमो 28 35<sup>d</sup>  
 नारुनस्य रिपु कश्चित् 62 90<sup>o</sup>.  
 नार्यं जानामि किं न्विदम् 50 28<sup>o</sup>  
 नार्यं केशै रलं कृता 116 21<sup>o</sup>  
 नार्यो नाल्यपरम्भर्षुद् 31 133<sup>o</sup>.  
 नारुंसे देव हस्तुं ये 112 99<sup>o</sup>  
 नाडभारसिद्धं क्वचित् 22 11<sup>o</sup>  
 नाडमेकस्य तरसर्वम् 22 38<sup>o</sup>  
 नावशा तत्र कर्त्तव्या 72 20<sup>o</sup>  
 नावगतं कदाचन 24 30<sup>o</sup>  
 नावपंरवाक्शानन 9 93<sup>o</sup> 10 10<sup>d</sup> 24 5<sup>d</sup> 29 31<sup>d</sup>.  
 नावर्भयनायुत 24 4<sup>o</sup>  
 नावन्तिता न बालिता 109 47<sup>o</sup>  
 नावस्पागमद्वयत 110 60<sup>o</sup>  
 नाविसृष्टेय त मनिम् 28 50<sup>d</sup>  
 नावृणभयमर्माद 3 11<sup>o</sup>  
 नावृणोऽङ्गु रजपायुर् 29 4<sup>o</sup>  
 नावृणोऽङ्गु नावृण 116 40<sup>o</sup>  
 नावृणश्च यदा बंन. 00 50<sup>o</sup>  
 नावृणश्च नावृणो वायु 2 35<sup>o</sup>  
 नावृणश्च नावृणो 51 12<sup>o</sup>  
 नावृणश्च नावृणो 112. 95<sup>d</sup>.  
 नावृणश्च नावृण 8. 24<sup>o</sup>.

नाशाय वचन तेषां 3 7<sup>o</sup>.  
 नाशायामितविक्रमः 3 11<sup>o</sup>.  
 नाशिष्यस्यावतस्य वा 4 24<sup>o</sup>.  
 नाशुचे क्षुद्रमनस. 4 24<sup>o</sup>.  
 नाशुद्रकर्मो नाशुद्रा 27 21<sup>o</sup>.  
 नाशुभ्रं प्रामुषार्थं क्वचित् 113 82<sup>o</sup>.  
 नाशुर्वं द्रष्टुमुत्सहे 70 38<sup>d</sup>.  
 नाशुर्वन्वाशुभा वाच 31 129<sup>o</sup>.  
 नासत्यश्चैव दक्षश्च 8 39<sup>o</sup>.  
 नासमौत्रश्च तावुमौ 28 7<sup>o</sup>.  
 नासत्या नाशुणा गाव 59 11<sup>o</sup>.  
 नासद्वृषतायुध 27 21<sup>o</sup>.  
 नासिकाया विरस्यत. 8 38<sup>o</sup>  
 नासीन भविता क्वचित् 97 35<sup>d</sup>.  
 नासि कश्चिद्वपतिक्रम 107 33<sup>d</sup>.  
 नासि कालस्य सस्थितिः 48 42<sup>d</sup>.  
 नासि विचिन्त्य विष्णो 41 2<sup>o</sup>.  
 नासिन्वयपरमाश्रयि 117. 8<sup>o</sup>.  
 नासि ते तस्यसनेन 35 68<sup>o</sup>.  
 नासि देवहृत् भयम् 46 25<sup>d</sup>.  
 नासि धम्यतरोऽप्युतात् 113 76<sup>d</sup>.  
 नासि योग विना सिद्धि 35 39<sup>o</sup>.  
 नासि होकृतमो गुरु 44 30<sup>d</sup>.  
 नासि होन यतोमूर्त् 35 39<sup>o</sup>.  
 नासि स्थायिभवं तत्र 24 4<sup>o</sup>.  
 नासि सामन्त भयम् 44 31<sup>o</sup>.  
 नासि सिद्धि विना यत् 35 39<sup>d</sup>.  
 नासि ति कृष्णश्रोत्राच 29 21<sup>o</sup>  
 नासि धर्ममैष्यणम् 113 75<sup>d</sup>.  
 नासि धर्म्या न चाश्रयं 100 52<sup>o</sup>.  
 नासि धर्मो द्विजोपम 100 47<sup>o</sup>.  
 नासि नासि वै मुन 3 16<sup>o</sup>  
 नासि ता सप्यनायु वा 20 40<sup>o</sup>  
 नासि जीविगुणुत्तरे 10 6<sup>o</sup>  
 नासि धर्म्या द्विजोपम 100 45<sup>o</sup>  
 नासि पुत्रेण पुत्रार्थो 9 9<sup>o</sup>  
 नासि द्रष्टुमुत्सहे 113 35<sup>d</sup>  
 नासि भयं विदुं 46. 25<sup>d</sup>.  
 नासि धर्मं धर्म 27 20<sup>o</sup>  
 नासि धर्म्या धर्मिता 114 17<sup>o</sup>  
 नासि धर्मो विदुं 3 11<sup>o</sup>  
 नासि धर्मो धर्मिता 23 5<sup>o</sup>  
 नासि धर्मो धर्मिता 87 7<sup>o</sup>

निकृत्तराशुं शत्रुभं 24. 26<sup>०</sup>.  
 निकृत्या तं त्रिगीपन्तः 89. 25<sup>०</sup>.  
 निक्षिप्तदासः पृथिवीं 22. 20<sup>०</sup>.  
 निक्षिप्य पितरि प्रभाम् 35 65<sup>०</sup>.  
 निष्ठातोदिङ्गनशाखाभिः 53. 22<sup>०</sup>.  
 निखिलं भावयस्व नः 83. 45<sup>०</sup>.  
 निखिलं सर्वमादितः 13 2<sup>०</sup>.  
 निगृहीतश्च पेशेषु 76 32<sup>०</sup>.  
 निगृहीतस्तदाहं तु 15. 46<sup>०</sup>.  
 निगृह्य च तदात्मानं 89. 48<sup>०</sup>.  
 निगृह्य तं महात्मानः 5. 15<sup>०</sup>.  
 निगृह्यमाणस्तीक्ष्णाभिः 89 33<sup>०</sup>.  
 निग्रहाथं सुरद्विपात् 43 67<sup>०</sup>.  
 निग्राह्यावपि सौ मम 65. 94<sup>०</sup>.  
 निग्रतामितरैतरम् 82 23<sup>०</sup> 87. 73<sup>०</sup>.  
 निग्रतोपद्रवं शयाम् 62. 33<sup>०</sup>.  
 निग्रन्त्या वै लगोपालाः 67. 6<sup>०</sup>.  
 निग्रपुत्रैः यमूचतुः 10. 72<sup>०</sup>.  
 निग्रस्य द्वौ चभूवतुः 28 11<sup>०</sup>.  
 निग्रभाह ततः कोधात् 96 50<sup>०</sup>.  
 निग्रवान महायलः 97 24<sup>०</sup>. 112 79<sup>०</sup>  
 निग्रवान महायलान् 108 41<sup>०</sup>.  
 निग्रवान महात्मनाः 31. 119<sup>०</sup>.  
 निग्रवान महासुरान् 91. 47<sup>०</sup>.  
 निग्रभू रणगोचरम् 108. 22<sup>०</sup>.  
 निग्रभे देवसर्पास्तान् 38 25<sup>०</sup>.  
 नित्यपुत्रपरं दिव्यं 92 64<sup>०</sup>.  
 नित्यमद्भुतकर्मणा 87. 13<sup>०</sup>.  
 नित्यमशुचिर्द्विनात्मना 66 13<sup>०</sup>.  
 नित्यमाश्रयंदेशेने 100 39<sup>०</sup>.  
 नित्यमाश्रयंविश्रुताः 100 69<sup>०</sup>.  
 नित्यमाश्रयंदिपितम् 38. 49<sup>०</sup>.  
 नित्यमेव न शृण्यते 85. 27<sup>०</sup>.  
 नित्यमेव विवस्वतः 8. 5<sup>०</sup>.  
 नित्यमेवोपशोभिताः 23 147<sup>०</sup>.  
 नित्ययात्रिणि पातिने 89. 51<sup>०</sup>.  
 नित्यं हृष्टो महात्मनि 96 72<sup>०</sup>.  
 नित्यं क्षुद्रा हि दानया. 38 77<sup>०</sup>.  
 नित्यं ह्यमघो मम 76 21<sup>०</sup>.  
 नित्यं तत्र मनोरमे 65. 57<sup>०</sup>.  
 नित्यं पवेषु पूजिता 45. 48<sup>०</sup>.  
 नित्यं भक्तानुयायिनः 109 50<sup>०</sup>.  
 नित्यं मन्दिनयामसम् 69. 10<sup>०</sup>.

नित्यं मोक्षवह्निरिया 47 51<sup>०</sup>.  
 नित्यं श्राद्धाद्विको द्विजः 16 9<sup>०</sup>.  
 नित्यं सदसदारत्रकम् 1. 17<sup>०</sup>.  
 नित्यं सांनिध्यता चैव 106. 6<sup>०</sup>.  
 नित्यैः भूतेषु भारत 2 53<sup>०</sup>.  
 निदर्शनार्थं गोपानां 51. 19<sup>०</sup>.  
 निदर्शनार्थं गोविन्दः 85. 31<sup>०</sup>.  
 निदाय इव पावकः 36 49<sup>०</sup>.  
 निद्रया काळरूपिण्या 47. 24<sup>०</sup>.  
 निद्रया चाभिभूयते 111 4<sup>०</sup>.  
 निद्रया सहस्रतद्विष्टा 48 3<sup>०</sup>.  
 निद्रा तं कालरूपिणी 40 8<sup>०</sup>.  
 निद्रान्निवततनुमुद्गुः 110 63<sup>०</sup>.  
 निद्रामादारयामास 3 106<sup>०</sup>.  
 निद्रामेव गृहीतवान् 85. 41<sup>०</sup>.  
 निद्रायै प्रददौ तदा 47 25<sup>०</sup>.  
 निद्राविश्रान्तलोचनः 40. 44<sup>०</sup>.  
 निद्रा सर्वस्य लौकिकी 40. 29<sup>०</sup>.  
 निद्रैति ज्यति स्थिता 40 26<sup>०</sup>.  
 निधनाय मतिं चक्रे 74 32<sup>०</sup>.  
 निधने हि प्रसूतस्त्वं 5 10<sup>०</sup>.  
 निधानममृतस्य च 34 25<sup>०</sup>.  
 निधिस्तासामभूदेवः 20 18<sup>०</sup>.  
 निधीनः केशवस्तः सः 86. 61<sup>०</sup>.  
 निधीनाज्ञापयामास 88 61<sup>०</sup>.  
 निधीनामधिपः प्रभुः 34 16<sup>०</sup>.  
 निधीनामुत्तमं त्रिधियम् 86 55<sup>०</sup>.  
 निनेदुर्यैर्द्विणस्तत्र 61 18<sup>०</sup>.  
 निम्नती तस्य तं चरम् 73. 30<sup>०</sup>.  
 निम्ननीयो महीक्षिताम् 66 9<sup>०</sup>.  
 निम्नमि कृपणं वच. 66 15<sup>०</sup>.  
 निपतत्रम्बुजेक्षणः 56 2<sup>०</sup>.  
 निपयात दिवं त्यक्त्वा 38 49<sup>०</sup>.  
 निपयात महीतले 106 49<sup>०</sup>.  
 निपयात चसुंधराम् 20 8<sup>०</sup>.  
 निपातानन्तरं शीघ्रं 72 19<sup>०</sup>.  
 निपातथापदापीडां 55 38<sup>०</sup>.  
 निपीड्य यदुनन्दनः 76 43<sup>०</sup>.  
 निपीड्य श्रवणाग्रहस्तैः 66 1<sup>०</sup>.  
 निपीतं शक्तिं यथा 77 39<sup>०</sup>.  
 निपुणी चूतमागार्थी 2. 23<sup>०</sup>.  
 निपेतुर्धरणीतले 38. 53<sup>०</sup>.  
 निपेतुलारका श्रुताम् 106. 44<sup>०</sup>.

निपेतुः काश्चिदावुराः 61 22<sup>१</sup>.  
 निषिद्धं पत्रमधयैः 55. 18<sup>१</sup>.  
 निषोष गदतो मम 7. 24<sup>१</sup>  
 निषोष तन्मे गात्रेय 13 2<sup>१</sup>.  
 निषोषानागतानि मे 7 35<sup>१</sup>.  
 निमित्तं भविता तत्र 115. 34<sup>१</sup>.  
 निमित्तानि निशामयन् 106 50<sup>१</sup>.  
 निमित्तान्यनुमानि ते 66 23<sup>१</sup>.  
 निमित्तान्यनुमानि वै 66 31<sup>१</sup>.  
 निमित्तं च कुर्मर्हसि 116 3<sup>१</sup>.  
 निमिर्हसश्च दानयौ 97. 10<sup>१</sup>.  
 निमिश्च क्रमणश्चैव 27. 4<sup>१</sup>.  
 निमीलितगुहामुखः 61 46<sup>१</sup>.  
 निमीलिताक्षो ष्यसृजन् 112 102<sup>१</sup>.  
 निमेषमात्रमिव मे 115 11<sup>१</sup>.  
 निमेषान्तरगामिभिः 76 13<sup>१</sup>.  
 निमेषान्तरचारिणो 97. 8<sup>१</sup>.  
 नियच्छेयं रग्न्धधाम्यम् 6 6<sup>१</sup>  
 नियतं दोष एवायं 106 58<sup>१</sup>.  
 नियतं सुहृत्स्य च 15 61<sup>१</sup>.  
 नियता ब्रह्मचारिणो 107. 35<sup>१</sup>, 38<sup>१</sup>.  
 नियतेः परमर्षिभिः 47. 16<sup>१</sup>.  
 नियन्तुमुपचक्रमे 87 59<sup>१</sup>.  
 नियमैर्गुह्यहृतेन 65 60<sup>१</sup>.  
 नियुक्ता च पुनः पुनः 8 14<sup>१</sup>.  
 नियुक्तामनुलेपने 71. 26<sup>१</sup>.  
 नियुक्ता वेदमक्रमेण 86 10<sup>१</sup>.  
 नियुग्यन्तां च देनेषु 86 10<sup>१</sup>  
 नियुष्यन्त्र पर्यायः 75 12<sup>१</sup>.  
 नियोगार्शारायणैः 53 25<sup>१</sup>.  
 नियोगाण्डुलानिग्नः 25 11<sup>१</sup>, 85 15<sup>१</sup>.  
 नियोगात्ते गुरोस्तस्य 16 6<sup>१</sup>.  
 नियोगाद्दिग्दोम्बस्य 96. 22<sup>१</sup>  
 नियोगो सोपु यः हृत् 62 68<sup>१</sup>.  
 नियोज्य ब्रह्मवादी 80 58<sup>१</sup>.  
 निरता देवलोकेषु 13 51<sup>१</sup>.  
 निरपेक्षा तत्र 77. 23<sup>१</sup>.  
 निरयाधः चन्द्रं पुन 11. 13<sup>१</sup>.  
 निरान्दनुराविष्ट 67 36<sup>१</sup>.  
 निरन्वयि च तं गुणम् 12 24<sup>१</sup>.  
 निरन्वयाना गतने 47. 5<sup>१</sup>.  
 निरान्दुर्दृशं शिवाम् 81. 63<sup>१</sup>.  
 निरान्दं निरान्दार् 52 14<sup>१</sup>.

निरालम्ब्य हृवाभाति 61. 47<sup>१</sup>.  
 निरान्ता मत्पराजये 106 9<sup>१</sup>.  
 निराहारा बहुतिथं 19. 5<sup>१</sup>.  
 निराहाराः कृणोदराः 61 23<sup>१</sup>.  
 निराहाराः क्षमायुक्ताः 112. 121<sup>१</sup>.  
 निरिच्छनामभिमर्षी 35. 69<sup>१</sup>.  
 निरीक्षन्तं वराङ्गनाः 63. 23<sup>१</sup>.  
 निरीक्षस्य यथासुखम् 49. 8<sup>१</sup>.  
 निरीक्ष्य पृथिवीपतिः 22. 20<sup>१</sup>.  
 निरीक्ष्यदाय कुण्डले 91. 58<sup>१</sup>.  
 निरुच्यन्ते च देहयाः 23. 162<sup>१</sup>.  
 निरुपाता च यत्सुधा 41. 14<sup>१</sup>.  
 निरद्विप्रलपश्चतु 9. 51<sup>१</sup>.  
 निरुन्म्यान ह्यामयः 36 19<sup>१</sup>.  
 निरोधोत्पत्तिरुच्यते 3. 56<sup>१</sup>.  
 निरुत्तणः स सुखी भवेत् 25. 17<sup>१</sup>.  
 निर्युगो निरपन्नयः 117. 11<sup>१</sup>.  
 निर्यातश्चाभयम्हान् 106. 45<sup>१</sup>.  
 निर्यातानन्वरं किञ्चित् 75. 14<sup>१</sup>.  
 निर्युगाद्दे शिनोर्वंधे 49. 6<sup>१</sup>.  
 निर्यापः सुमदानम् 92 37<sup>१</sup>.  
 निर्रैगाम गुह्यमुखात् 85 61<sup>१</sup>.  
 निर्रैगाम ततोऽङ्गनात् 51. 14<sup>१</sup>.  
 निर्रैगाम निषेधागात् 48 20<sup>१</sup>.  
 निर्रैगाम सभादारात् 89. 45<sup>१</sup>.  
 निर्रैगामासुरः कंसः 46 3<sup>१</sup>.  
 निर्रैलं गोबुलं हृया 65. 30<sup>१</sup>.  
 निर्रैलाभोदतदाः 37. 45<sup>१</sup>.  
 निर्रैलाणेरतमभः 37. 48<sup>१</sup>.  
 निर्रित्तश्चैव भगवात् 105. 10<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिनः स नराधिपः 89 37<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिनः सह बान्धवैः 112. 55<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिताः पायक्षाश्च 105. 13<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिने तु मने सर्वे 58 41<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिनो षाह्वरीयेण 109 43<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिनो यगुनाद्दे 96. 35<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिय युवर्दे रणे 15 63<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिय युवर्देऽराधः 97. 26<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिय युवर्देषाम् 97. 27<sup>१</sup>.  
 निर्रिजिय युवरोत्तमः 79 17<sup>१</sup>.  
 निर्रिज्युक्तामे रोषेण 8. 30<sup>१</sup>.  
 निर्रिज्यु पृथिवीनाम् 9 ९०<sup>१</sup>.  
 निर्रिज्यो रग्न्धधाम्यं 15 ९०<sup>१</sup>.



निर्देश्युरभवन्मही 31. 133<sup>d</sup>.  
 निर्देश्यन्सर्वमृतानि 35. 62<sup>e</sup>.  
 निर्दिष्टः शार्ङ्गधन्वना 93. 46<sup>d</sup>.  
 निर्द्वेद्वा निष्परिग्रहाः 16. 24<sup>d</sup>.  
 निर्दिभेद कलिङ्गराट् 87. 66<sup>f</sup>.  
 निर्दिभेद ततो बाणं 108. 74<sup>e</sup>.  
 निर्दिभेद रणे कृष्यः 112. 62<sup>e</sup>.  
 निर्भत्स्यमानो यैदृष्टः 69. 22<sup>e</sup>.  
 निर्मथ्य नादिताः सर्वे 3. 10<sup>f</sup>.  
 निर्मस्युः कृत्तिरेव च 16. 19<sup>d</sup>.  
 निर्मम्य यथाचलान् 81. 69<sup>d</sup>.  
 निर्ममेऽन्यत्पुरं महन् 88. 32<sup>d</sup>.  
 निर्ममे पुरुषश्रेष्ठः 84. 33<sup>d</sup>.  
 निर्ममे यज्ञसिद्धये 1. 35<sup>d</sup>.  
 निर्ममे विश्वमीश्वरः 1. 17<sup>d</sup>.  
 निर्मपूरस्तं वनम् 59. 32<sup>d</sup>.  
 निर्मपूरस्तं देवं 61. 47<sup>d</sup>.  
 निर्नाग्नूत्तमिरिणं 57. 11<sup>f</sup>.  
 निर्मितं चन्द्रिस्मिन् 87. 18<sup>d</sup>.  
 निर्मितं विश्वकर्मणा 94. 7<sup>f</sup>.  
 निर्मितं स्थेन तेजसा 85. 56<sup>f</sup>.  
 निर्मितां विश्वकर्मणा 42. 9<sup>d</sup>.  
 निर्मितां स्वेन पुत्रेण 36. 24<sup>d</sup>.  
 निर्मितोविश्वकर्मणा 93. 34<sup>d</sup>.  
 निर्मुक्तजलदे भृशम् 59. 50<sup>d</sup>.  
 निर्मुक्तैरिव पद्मतीः 34. 31<sup>d</sup>.  
 निर्मोहः सत्ययाकृतिः 7. 25<sup>d</sup>.  
 नियत्नचरणाकारः 56. 12<sup>d</sup>.  
 नियत्नचरणोऽभवत् 67. 37<sup>d</sup>.  
 नियत्नाश्च रतैः कृताः 35. 10<sup>f</sup>.  
 नियद्युयोद्वाः सर्वे 84. 17<sup>e</sup>.  
 निययो कमलेश्चणः 100. 11<sup>d</sup>.  
 नियवो च तदा विहात् 28. 29<sup>d</sup>.  
 नियवो चेदिराजः सः 87. 50<sup>d</sup>.  
 नियवो स महाबाहुः 109. 77<sup>d</sup>.  
 निर्वाणसदृशी क्रियाम् 77. 49<sup>d</sup>.  
 निर्वातचैतद्द्वैलोक्यं 38. 63<sup>d</sup>.  
 निर्वात्य जगतो जलम् 62. 51<sup>d</sup>.  
 निर्वातित विजिगीषवः 59. 51<sup>d</sup>.  
 निर्वात सपदातुगाः 84. 14<sup>d</sup>.  
 निर्वाग्याशैरासक्तौ 58. 4<sup>e</sup>.  
 निर्वासरत्सिन्धुपुंगवम् 64. 11<sup>d</sup>.  
 निर्वाणान्नास्तेषामः 64. 2<sup>e</sup>.

निर्वाणान्नास्तेषामः 32. 13<sup>d</sup>.  
 निर्वातयत मे गृहात् 118. 20<sup>d</sup>.  
 निर्वाकरोऽप्य दृश्यते 108. 76<sup>d</sup>.  
 निर्वातरमणीयेषु 59. 39<sup>d</sup>.  
 निर्वाहंगमिदं शून्यं 52. 14<sup>d</sup>.  
 निर्वाहंगकृतवृक्षः 61. 47<sup>d</sup>.  
 निर्वाहारस्य भीतस्य 116. 22<sup>d</sup>.  
 निर्वायैषा न संसपः 35. 73<sup>d</sup>.  
 निर्वृत्तमसिन्काले यत् 71. 47<sup>d</sup>.  
 निर्वृत्तं लोकसाक्षिकम् 35. 65<sup>d</sup>.  
 निर्वृत्तं सुमहद्युत् 109. 71<sup>d</sup>.  
 निर्वृत्ते जनमेजय 113. 81<sup>d</sup>.  
 निर्वेदाद्य तमेवाधेम् 18. 3<sup>d</sup>.  
 निर्वेदादात्मसंबोधः 117. 5<sup>d</sup>.  
 निर्वेदो व्याधिपीडनाव् 117. 4<sup>d</sup>.  
 निर्वेरो निर्वृत्तः क्षान्तः 16. 19<sup>d</sup>.  
 निर्व्यञ्जनमिवाशानम् 52. 14<sup>d</sup>.  
 निर्व्यापारः कृतस्तेन 37. 48<sup>d</sup>.  
 निखिल्ये शक्राक्षे सा 50. 21<sup>f</sup>.  
 निखलान्ति किन्माचाराः 117. 1<sup>f</sup>.  
 नियते मधुसोधि 77. 34<sup>d</sup>.  
 निवसन्ति यथासुखम् 106. 9<sup>d</sup>.  
 निवसन्तु यथासुखम् 61. 54<sup>d</sup>. 65. 90<sup>d</sup>.  
 निवसन्त्यो यथा देव्यः 92. 25<sup>d</sup>.  
 निवातकचचाः कुले 3. 80<sup>d</sup>.  
 निवातदारणं गवाम् 61. 53<sup>d</sup>.  
 निवातेषु च देशेषु 61. 54<sup>d</sup>.  
 निवासकृतलक्षणः 74. 15<sup>d</sup>.  
 निवासश्च कृतान्त्र 93. 63<sup>d</sup>.  
 निवासं तु च मे दाहा 45. 15<sup>d</sup>.  
 निवासं समरोचयन् 6. 12<sup>d</sup>.  
 निवासाय दिवा प्रभुः 55. 22<sup>d</sup>.  
 निवासो द्वात्रका देवैः 91. 22<sup>d</sup>.  
 निवासो यदुपुंगवाः 84. 7<sup>d</sup>.  
 निविशन्त्यां महामणिम् 28. 12<sup>d</sup>.  
 निविष्टः कुहनन्दनः 102. 2<sup>d</sup>.  
 निविष्टा मज्जयात्सासुः 81. 28<sup>d</sup>.  
 निविष्टा यदुनाकीरे 44. 21<sup>d</sup>.  
 निविष्टां सागरान्तरे 100. 6<sup>d</sup>.  
 निविष्टान्नाधाराधिपान् 81. 1<sup>d</sup>.  
 निविष्टेन विराजितम् 34. 40<sup>d</sup>.  
 निविष्टो विषयश्चैव 44. 59<sup>d</sup>.  
 निवृत्तशत्रुः काण्डं 87. 66<sup>d</sup>.

निष्प्रयत्नसुरानना 61 1<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्न सुरातीक 36 29<sup>f</sup>  
 निष्प्रयत्न स्थितश्चापि 108 86<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्न स्थित स्वस्थ 108 84<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्नायुष कृतम् 35 11<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्नास्तत स्थिता 103 21<sup>d</sup>  
 निष्प्रयत्नेषु दैत्येषु 36 38<sup>d</sup>  
 निष्प्रयोजनमारुतम् 52 14<sup>b</sup>  
 निष्प्राणनकराविह 35 60<sup>d</sup>  
 निष्प्राणसददाहृति 35 11<sup>b</sup>  
 निमुद्गराकौ हवौ 96 1<sup>b</sup> 109 40<sup>d</sup>  
 निमुद्गमवपोधपद् 91 45<sup>d</sup>  
 निमुद्ग सगणो हत 96 66<sup>d</sup>  
 निखोयमिष पङ्कजम् 77 7<sup>d</sup>  
 निखिन्न चर्म चोत्सृष्ट 108 42<sup>d</sup>  
 निदत्तलङ्घनीहि मे 15 30<sup>d</sup>  
 निदत्तस्य पिनाकिना 67 41<sup>d</sup>  
 निदत्त सम्परिष्यसि 112 55<sup>d</sup>  
 निदत्ताभिःसामन्त 68 30<sup>d</sup>  
 निदत्ताभिःसामन्त 100 3<sup>d</sup>  
 निदत्ता युद्धदुर्मदा 75 23<sup>b</sup>  
 निदत्ताश्च घृणा सर्पे 105 22<sup>d</sup>  
 निदत्तो दक्षिणापथे 105 11<sup>b</sup>  
 निदत्तो घृतमण्डले 89 49<sup>d</sup>  
 निदत्तोऽरिष्टक क्षितौ 96 38<sup>d</sup>  
 निदत्तो घातुदेवेन 96 39<sup>d</sup>  
 निदत्तौ च निराशौ च 31 114<sup>d</sup>  
 निदत्तौ शाह्मधन्वना 97 9<sup>d</sup>  
 निदत्स्य त मद्वाक्य 9 75<sup>d</sup>  
 निदत्स्य तान्महाबाहु 87 71<sup>d</sup>  
 निदत्स्य दानवासवान् 21 23<sup>d</sup>  
 निदत्स्य नरक भीम 92 1<sup>d</sup> 97 29<sup>d</sup>  
 निदत्स्य पुरपम्वात्र 91 59<sup>d</sup>  
 निदत्स्य मगिरात्त तम् 23 16<sup>d</sup>  
 निदत्स्य दनमकनच 26 10<sup>d</sup>  
 निदत्स्यामुससत्तमम् 99 28<sup>d</sup>  
 निदन्तु घञ्जरायौ 74 23<sup>d</sup>  
 निदन्तुस्त्रिमितस्य धे 81 31<sup>b</sup>  
 निदन्तुस्त्रिमिते तने 75 9<sup>b</sup>  
 निदन्तुस्त्रिमिते तस्मिन् 81 32<sup>d</sup>  
 निदन्तुस्त्रिमिते तस्मिन् 81 31<sup>d</sup>  
 निदन्तुस्त्रिमिते तस्मिन् 42 13<sup>d</sup>  
 निदोषानि रणे रणे 109 41<sup>d</sup>

निधत्तजम्भमाणश्च 110 63<sup>d</sup>  
 निधत्तन्त सुदुर्बुद्ध 109 19<sup>d</sup>  
 निधत्तन्तो व्यतिष्ठत् 109 18<sup>d</sup>  
 निधत्स्य सुचिर पुन 109 24<sup>b</sup>  
 निधत्स्यपरनेरिता 40 13<sup>b</sup>  
 निधत्स्यप्राणवर्षिणी 66 26<sup>b</sup>  
 निधत्स्यप्राणवर्षिणी 108 51<sup>d</sup>  
 निधत्स्य तमसावृता 109 67<sup>d</sup>  
 निधत्स्य पातव्यामास 112 80<sup>d</sup>  
 निधत्स्यत यथा भवेत् 81 35<sup>d</sup>  
 निधत्स्यत कृत पन्था 67 12<sup>d</sup>  
 निधत्स्यार्थं च पश्यामि 115 25<sup>d</sup>  
 निधत्स्य सद् वस्तुभि 117 27<sup>d</sup>  
 निधत्स्य क्षुभिते लोके 117 23<sup>b</sup>  
 निधत्स्य पृथुमूर्धान 61 40<sup>d</sup>  
 निधत्स्येति चनाधिप 85 23<sup>b</sup>  
 निधत्स्येति साक्षुधिरे 75 43<sup>d</sup>  
 निधत्स्येति स्वाध्यायवपङ्कजा 5 5<sup>d</sup> 10 43<sup>d</sup> 117 16<sup>d</sup>  
 नीच नीचेन कर्मणा 73 21<sup>d</sup>  
 नीचा शक्यैरर्षिण 116 26<sup>b</sup>  
 नीचरथेषु विद्युतेषु 68 2<sup>d</sup>  
 नीत सलिलयोनिना 39 2<sup>b</sup>  
 नीत स्वा दिशमाविशत् 37 60<sup>d</sup>  
 नीतिशास्त्रे च पारगम् 89 9<sup>d</sup>  
 नीतेषु च यमक्षयम् 47 28<sup>d</sup>  
 नीतो यान्या दिश रिपु 78 16<sup>b</sup>  
 नीपकन्दलमालिनी 55 8<sup>d</sup>  
 नीपस्थैरुपश्रव तत 15 19<sup>d</sup>  
 नीपा इति तमाश्रयता 15 19<sup>d</sup>  
 नीपा दीपा इवाभासन्ति 73 16<sup>d</sup>  
 नीपानन्त्यांश्च पार्थिवान् 15 37<sup>b</sup>  
 नीपानानन्तपृच्छन् 15 28<sup>b</sup>  
 नीपायामनीधरो राजा 16 34<sup>d</sup>  
 नीपानां कीर्तिरयथ 15 20<sup>b</sup>  
 नीपातकृत्णोऽभवत् 15 36<sup>d</sup>  
 नीपाजुनरुदन्वानां 54 33<sup>d</sup>  
 नीपो नाम महाराज 15 35<sup>d</sup>  
 नीपमाने हि तमासीत् 93 58<sup>d</sup>  
 नीपसे नयकोविद् 77 56<sup>d</sup>  
 नीराचयिषा सैन्यानि 59 51<sup>d</sup>  
 नीलकुञ्जिनमूर्धेन 87 37<sup>d</sup>  
 नीलचिदाङ्गवर्णेन 55 18<sup>d</sup>  
 नीलपीताम्बरधरा 48 30<sup>d</sup>

नैघनेन चित्ताग्निना 78. 44<sup>d</sup>.  
 नैघनेऽस्मिन्कथं लोके 30 53<sup>d</sup>.  
 नैनें गुणमासावात् 9. 18<sup>d</sup>.  
 नैनां द्रष्टुमपीच्छामि 118 21<sup>d</sup>.  
 नैराक्षयेन कृतो यत्नः 48. 39<sup>d</sup>.  
 नैरैतान्प्रायवाद्यत् 91. 3<sup>d</sup>.  
 नैरैताश्च यथासुखाः 91. 10<sup>d</sup>.  
 नैरैतौ नरको नाम 91. 34<sup>d</sup>.  
 नैव तामु मनः कृथाः 113. 10<sup>d</sup>.  
 नैव दारुणतां व्रजेत् 66 16<sup>d</sup>.  
 नैव धर्मो विलुप्यते 107. 36<sup>d</sup>.  
 नैवमर्षं प्रहर्तेव्यम् 110. 72<sup>d</sup>.  
 नैव वर्षराती भवेत् 65. 71<sup>d</sup>.  
 नैव व्यसनेपत्तारो 20. 30<sup>d</sup>.  
 नैव शून्या न चाशून्या 117. 31<sup>d</sup>.  
 नैव स्थानमविन्दत 113. 16<sup>d</sup>.  
 नैव स्थानं दृष्ट्वाभ्यङ्घ्य 56 36<sup>d</sup>.  
 नैवंविधमदं द्योपं 109 30<sup>d</sup>.  
 नैर्विधेषु वासेषु 107. 25<sup>d</sup>.  
 नैसमन्तर्दधे रूपम् 70 3<sup>d</sup>.  
 नैसस्य हमसः क्षयम् 34. 24<sup>d</sup>.  
 नैसाक्षी शरणी च 36 26<sup>d</sup>.  
 नैसाक्षरे रश्मिजाले 70 1<sup>d</sup>.  
 नैसा भयति लोहस्य 40. 29<sup>d</sup>.  
 नैसे तमसि रोहिणीम् 48. 6<sup>d</sup>.  
 नैव कल्पविधिष्टः 11. 19<sup>d</sup>.  
 नैव दृष्टः सतां विधिः 44. 34<sup>d</sup>.  
 नैव धर्मोः सतां मतः 5. 9<sup>d</sup>.  
 नैव भावोऽस्ति पाधिं 19 2<sup>d</sup>.  
 नैवादिष्ये परिश्रुतः 24 27<sup>d</sup>.  
 नैवामविदितं किञ्चिन् 41. 11<sup>d</sup>.  
 नैरोऽर्धे शशयतेऽस्माभिः 107. 61<sup>d</sup>.  
 नैहियेन विधनेन 78 43<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं प्रायपचन 71. 21<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं प्रत्यमापत 65. 98<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं विद्ध्ये वचिन् 109. 25<sup>d</sup>.  
 नोत्तरं व्दानदत् 89. 39<sup>d</sup>.  
 नोद्रेजनीया भूतानां 41. 6<sup>d</sup>.  
 नोपदुग्धवित्त योषिनः 118. 37<sup>d</sup>.  
 नोवाप्यायमणस्य ते 115. 30<sup>d</sup>.  
 नोमाच स तदा किञ्चिन् 89. 48<sup>d</sup>.  
 नौरियामच्चिद्गदा 41. 18<sup>d</sup>.  
 न्यमोषश्च मुनामा च 27. 25<sup>d</sup>.

न्यमोषं पर्यताकारं 55. 22<sup>d</sup>.  
 न्यमोषं शालिनां वरम् 58. 9<sup>d</sup>.  
 न्यमोषो योजनोच्छ्रितः 52. 25<sup>d</sup>.  
 न्यङ्कुभिश्च वराहैश्च 92 40<sup>d</sup>.  
 न्यपीडयद्भुजवलयेन संयुगे 110. 73<sup>d</sup>.  
 न्ययोजयत सात्यकिम् 29 6<sup>d</sup>.  
 न्ययमहानगो भुवि 31 57<sup>d</sup>.  
 न्ययसन्त बहिश्च ते 87. 30<sup>d</sup>.  
 न्ययसं पूजितस्तत्र 101. 6<sup>d</sup>.  
 न्ययारयत द्युर्गणि 75. 35<sup>d</sup>.  
 न्ययेदयत कृष्णाय 89. 47<sup>d</sup>.  
 न्ययेन्नयदनेयारामा 94. 22<sup>d</sup>.  
 न्ययीदृच कथाम्बिवः 88. 14<sup>d</sup>.  
 न्यस्यन्तामोदनस्य च 60 12<sup>d</sup>.  
 न्यस्य पुत्रमुपे रष्टि 56. 23<sup>d</sup>.  
 न्यद्वन्तस्तरंधि चाल 87. 63<sup>d</sup>.  
 न्यायवृत्तान्ततुद्गलाः 65. 12<sup>d</sup>.  
 न्युत्तं पयोधराकाङ्क्षी 50. 6<sup>d</sup>.  
 न्युत्तानि च विमानानि 32. 16<sup>d</sup>.  
 न्युत्तानाः फेचिच जशिरे 37. 25<sup>d</sup>.

प

पकवेद्गारपद्भिषु 62 52<sup>d</sup>.  
 पकात्प्रत्यवहारिण 117. 35<sup>d</sup>.  
 पक्षप्रादो भविष्यसि 67. 64<sup>d</sup>.  
 पक्षतुण्डमदरैस्तौ 112. 77<sup>d</sup>.  
 पक्षप्रदानाभिदत्तान् 110 54<sup>d</sup>.  
 पक्षयानेन साधरम् 113. 12<sup>d</sup>.  
 पक्षाभ्यां चाप्यभ्यां 34. 44<sup>d</sup>.  
 पक्षाभ्यां पश्चिपुंगवः 62 7<sup>d</sup>.  
 पक्षा नामान्नाया क्षयाः 104. 20<sup>d</sup>.  
 पक्षिणः प्रियदर्शनाः 92 14<sup>d</sup>.  
 पक्षिणः सस्यदक्षिणाः 49. 12<sup>d</sup>.  
 पक्षिणामिच शुश्रुणे 87. 76<sup>d</sup>.  
 पक्षिमयवेगवात् 34. 4<sup>d</sup>.  
 पक्षिभिश्च विराजितम् 33. 4<sup>d</sup>.  
 पक्षिण्याद्दाम्यं कुले 70. 1<sup>d</sup>.  
 पद्भुजपद्भुजपुंजम् 70. 25<sup>d</sup>.  
 पद्भुजं च मुनिर्मलम् 47. 40<sup>d</sup>.  
 पद्भुजानि च पद्मानि 59. 41<sup>d</sup>.  
 पद्भुजानि जलरामे 109. 10<sup>d</sup>.  
 पद्भुजोद्भिन्नवर्षेना 55 3<sup>d</sup>.  
 पद्भुजं हि तिमिरं 103. 20<sup>d</sup>.  
 पद्भुजं गतिं यथा 62. 25<sup>d</sup>.

पतिमुपलभते च सत्सु कन्या 118 47<sup>०</sup>.  
 पतिरक्रः परा गतिः 77. 14<sup>०</sup>.  
 पतिलोभेन यं गद्वा 23 76<sup>०</sup>.  
 पतिवन्दी ममान्वयः 73 34<sup>०</sup>.  
 पतिव्रतागुणोपेता 88. 36<sup>०</sup>.  
 पतिव्रता च ज्येष्ठा च 9. 84<sup>०</sup>.  
 पतिव्रता महाभागा 114. 9<sup>०</sup>.  
 पतिं यान्ति समुद्रगाः 59 37<sup>०</sup>.  
 पतीनामपरिव्याज्याः 77 11<sup>०</sup>.  
 पतीन्सुप्तान्वद्ध्यित्वा 116. 39<sup>०</sup>.  
 पत्नयश्च सद्भक्त्याः 81 94<sup>०</sup>.  
 पत्तिनस्त्वपरे दैत्याः 33 26<sup>०</sup>.  
 पत्तिभिर्वैलिंगताम्बरैः 81 18<sup>०</sup>.  
 पत्तिभिः ररगमैरिव 81. 23<sup>०</sup>.  
 पत्नी वृष्णस्य भामिनी 88 36<sup>०</sup>.  
 पत्नी केकयवंधाजा 10 21<sup>०</sup>.  
 पत्नी तु यादवी तस्य 10 33<sup>०</sup>.  
 पत्नीस्यैवं व्यथा भवेत् 99 45<sup>०</sup>.  
 पत्नी दत्ता महाप्रह्वन् 13 22<sup>०</sup>.  
 पत्नी या विश्वमहतः 13. 55<sup>०</sup>.  
 पत्नीशालागताः स्त्रियः 118 20<sup>०</sup>.  
 पत्नी हिमवतः श्रेष्ठा 13 13<sup>०</sup>.  
 पत्नीं घमैण भारिणाम् 2 44<sup>०</sup>.  
 पत्न्यर्थं वरयामास 89 10<sup>०</sup>.  
 पत्न्या चानुगतो दुःखी 10 32<sup>०</sup>.  
 पत्न्या. श्रुत्वा वचस्रदा 19 27<sup>०</sup>.  
 पत्न्येषा मनः पुत्रस्य 99 48<sup>०</sup>.  
 पत्न्यो लोकनमस्कृताः 100 45<sup>०</sup>.  
 पत्न्युर्मै रूपमास्थाय 73 21<sup>०</sup>.  
 पत्न्यैर्हन्ति मेदिनीम् 54 27<sup>०</sup>.  
 पथि सा सुपुत्रे सुभूः 114 8<sup>०</sup>.  
 पदस्थानानि भारत 16 26<sup>०</sup>.  
 पदस्थे रक्षयि केशव 67 63<sup>०</sup>.  
 पदातयः पदार्थाश्च 87. 75<sup>०</sup>.  
 पदाताश्च पदातिभिः 37. 36<sup>०</sup>. 82 4<sup>०</sup>.  
 पदातिगणसङ्कलम् 78 22<sup>०</sup>.  
 पदातिः पुरुषव्याघ्र 85. 37<sup>०</sup>.  
 पदानि यो लोकपदानि हृत्वा 30 20<sup>०</sup>.  
 पदा सतत्रयामास 8 19<sup>०</sup>.  
 पदायामात्रम्य वसुधां 38 38<sup>०</sup>.  
 पदायामुभाभ्यां च पुनः 57. 18<sup>०</sup>.  
 पदायामुभाभ्यां स हयः 67 23<sup>०</sup>.  
 पदायामेव सतो गत्वा 29. 19<sup>०</sup>.

पद्भ्यां गत्या हरिण्यामि 29. 18<sup>०</sup>.  
 पद्भ्यां तं दैत्यगदंभम् 57. 19<sup>०</sup>.  
 पद्भ्यां पार्श्वनिघातांश्च 112. 79<sup>०</sup>  
 पद्भ्यां यस्मैय तिष्ठति 65 61<sup>०</sup>.  
 पद्भक्तिङ्गलकपत्रमे 55 4<sup>०</sup>.  
 पद्भट्टमिति ख्यातं 93. 45<sup>०</sup>.  
 पद्भनाभ इति स्मृतः 38 18<sup>०</sup>.  
 पद्भनाभ महाद्युते 39. 25<sup>०</sup>. 40. 41<sup>०</sup>.  
 पद्भनाभस्त्रिविक्रमः 34 34<sup>०</sup>.  
 पद्भनाभ सितान्नाभं 70 21<sup>०</sup>.  
 पद्भनाभो महाद्युतिः 42 24<sup>०</sup>.  
 पद्भपत्रे पुनर्दुर्गधा 6 35<sup>०</sup>.  
 पद्भयोनिगतानुगम् 42 6<sup>०</sup>.  
 पद्भलोमानुरञ्जिताम् 55. 32<sup>०</sup>.  
 पद्भवन्ति जलानि च 59. 49<sup>०</sup>.  
 पद्भरणं महाप्रभम् 93. 45<sup>०</sup>.  
 पद्भपण्डाकुलाभिश्च 93 11<sup>०</sup>.  
 पद्भकुलजलोपेता 93 59<sup>०</sup>. 94 4<sup>०</sup>.  
 पद्भानां दशतीर्दश 20 17<sup>०</sup>.  
 पद्भ्यानं सप्तवस्थितः 91 20<sup>०</sup>.  
 पद्भ्यात. शोधिताः श्वोद्धि 67. 63<sup>०</sup>.  
 पद्भ्यानो नगरान्तरा 116 19<sup>०</sup>.  
 पद्भगानां च यद्भसु 92 16<sup>०</sup>.  
 पद्भगानां सुवोरानां 118 8<sup>०</sup>.  
 पद्भत धरणीतले 48 3<sup>०</sup>. 57. 20<sup>०</sup> 66 27<sup>०</sup>.  
 106 43<sup>०</sup> 110 32<sup>०</sup>.  
 पद्भत पुष्पवर्षं च 24 16<sup>०</sup>.  
 पद्भत भातयल्लोकान् 20 7<sup>०</sup>.  
 पद्भत भूमौ जायन्त्यां 74 31<sup>०</sup>.  
 पद्भत मणिहस्तम् 75 41<sup>०</sup>.  
 पद्भत महती चोल्का 102 4<sup>०</sup>.  
 पद्भत रथिरोद्गारी 64 21<sup>०</sup>.  
 पद्भत शत्रुनी भुवि 50 22<sup>०</sup>.  
 पद्भत स महामात्रः 74 38<sup>०</sup>.  
 पद्भताभिमुखस्तत्र 76 7<sup>०</sup>.  
 पद्भताभिमुख धूर्तः 15 60<sup>०</sup>.  
 पद्भूर्हि नेत्रभ्रमरैः 76 13<sup>०</sup>.  
 पद्भौ तोयमयं हविः 30 14<sup>०</sup>.  
 पद्भौ पानमनुत्तमम् 48 33<sup>०</sup>. 106 63<sup>०</sup>.  
 पद्भच्छ वृषाळे कृष्णाः 76 44<sup>०</sup>.  
 पद्भच्छ वृषाळे मने 83 55<sup>०</sup>.  
 पद्भच्छनुश्च तौ वीरी 71 38<sup>०</sup>.  
 पद्भच्छ वृषभध्वजम् 106 7<sup>०</sup>.

परिणामे तु गर्भस्य 47 4°  
 परितुष्ट पितामह 35 65<sup>d</sup>  
 परितुष्टोऽस्ति कर्मणा 33 60<sup>b</sup>  
 परित्यक्त प्रिय सुतम् 10 6<sup>b</sup>  
 परित्यक्ता स्म शोभन्ते 77 5<sup>b</sup>  
 परित्यजेतां तौ शोक 69 25°  
 परित्यज्य प्रिय जनम् 77 55<sup>d</sup>  
 परित्राणाय याणस्य 112 98°  
 परित्रात च गोकुलम् 61 1<sup>b</sup>  
 परित्रात जगद्भवेत् 45 30<sup>d</sup>  
 परित्राय च लक्षकम् 118 9<sup>b</sup>  
 परित्रादीति चाववीत् 101 8<sup>d</sup>  
 परिदेवन्ति करण 56 28°  
 परिधावक्षितस्तत 22 10<sup>b</sup>,  
 परिपाल्या नरेश्वरे 7 47<sup>d</sup>  
 परिपनुभृंश केचित् 37 28°  
 परिवर्द्धाश्च पुष्कलाद् 94 28<sup>d</sup>  
 परिवरक्षन्त आसते 91 25<sup>d</sup>  
 परिवरक्ष शिशु ब्रजे 49 3<sup>f</sup>  
 परिवरक्षस्व मा विभो 101 9<sup>b</sup>  
 परिवनमान दृष्टो 83 52°  
 परिवनैस्यदीरात्र 36 4°  
 परिवर्ते कृते साम्या 48 20°  
 परिवर्तेत भारत 19 32<sup>d</sup>  
 परिवत् सुखाश्रये 49 29<sup>f</sup>  
 परिववृर्गिरिवर 60 29°  
 परिववृर्जनानन्दम् 88 10<sup>b</sup>  
 परिववृर्मेदायाहुम् 92 26°  
 परिववृर्द्वैलायुधम् 87 43<sup>d</sup>  
 परिववाय पुरां सर्वे 81 26°  
 परिववायै प्रदक्षिणम् 59 30<sup>b</sup>  
 परिववायानीश्वरा 100 10<sup>b</sup>  
 परिवृत्त युग मेने 85 55°  
 परिवृत्ताण्येष्टु च 52 11<sup>b</sup>  
 परिव्यक्त क्रमन्रणे 36 59<sup>d</sup>  
 परिव्यक्तो हलायुध 110 66<sup>b</sup>  
 परिव्यन्य जनानन्दम् 91 30<sup>b</sup>  
 परिव्यन्याभिनन्द्य च 92 55<sup>b</sup>  
 परिवृत्तै कथचन 115 29°  
 परिवृत्तै न शक्यामि 115 25°  
 परीक्षिच महाबाहु 23 100°  
 परीक्षितस्तु तनय 23 110°

परीत कालधर्मेणा 76 28<sup>b</sup>  
 परेण सृष्टितामिह 118 22<sup>d</sup>  
 परेणाधिष्ठित चैव 85 62°  
 परेणोक्ता गुणा गौण्य 66 8°  
 परेपामप्यमयद 69 15<sup>f</sup>  
 परो धर्मे परो दम 118 32<sup>b</sup>  
 पञ्चन्यतुल्यनिर्घोषै 93 33°  
 पञ्चन्यनिनदेन च 61 19<sup>b</sup>  
 पञ्चन्यस्तपनो व्यक्त 3 111°  
 पञ्चन्यस्य प्रजापते 4 14<sup>b</sup>  
 पञ्चन्य च सप्तमे ह 1 34<sup>d</sup>  
 पञ्चन्य सर्वलोकाना 59 17°  
 पञ्चन्यास्त्राभिमन्त्रिते 112 73<sup>b</sup>  
 पर्णवाच श्रुतिसुख 52 3° 55 11°  
 पर्णवाद्यान्वरे वेणु 55 26°  
 पर्णशय्यासु ससुषी 52 6°  
 पर्णाशया जल स्पृशद् 27 7<sup>b</sup>  
 पर्णोत्करधना सर्वे 59 34<sup>d</sup>  
 पर्यङ्गाश्च हिरण्यया 74 10<sup>b</sup>  
 पर्यङ्गाश्वरोपिते 53 27<sup>d</sup>  
 पर्यगच्छन्ततो द्रष्टु 51 27°  
 पर्यदेवश्च विधवा 31 130°  
 पर्यन्तेत्वायुत दम्प्ये 49 22°  
 पर्यपृच्छद्विजोत्तमम् 85 16<sup>d</sup>  
 पर्यपृच्छद्विजोत्तमाद् 25 13<sup>b</sup>  
 पर्यत्पञ्चत वृष्ण वै 58 55°  
 पर्यस्त शकट भ्रम 50 15<sup>d</sup>  
 पर्यन्ता पृथिवीं कृत्स्ना 97 20°  
 पर्यस्त ज्योतिमण्डले 70 2<sup>b</sup>  
 पर्यस्ते शकते पुत्र 50 11<sup>c</sup>  
 पर्यस्तेवृर्णमानैश्च 61 48°  
 पर्यदीयत दानव 44 49<sup>d</sup>  
 पर्यास्तनृणसहस्रम् 49 20<sup>b</sup> 52 21<sup>b</sup>  
 पर्यास्तनयन शक्र 62 5°  
 पर्यास्तमिव लक्षये 100 58<sup>d</sup>  
 पर्यास्तविषयाकारा 86 37<sup>f</sup>  
 पर्यास्त वचन मम 100 82<sup>d</sup>  
 पर्यास्ता इति मे मति 110 18<sup>b</sup>  
 पर्यास्ति कृष्ण विग्रहे 78 24<sup>b</sup>  
 पर्यास्ति यज्ञसविचौ 60 17<sup>b</sup>  
 पर्यामुवन्तु मा क्षिप्र 60 28°  
 पर्यायेण पुन पुन 112 104<sup>d</sup>  
 पर्येत बहु वाराती 66 25<sup>d</sup>

पर्येति मघवान्गात्रम् 34 7<sup>b</sup>  
 पर्येणा चेन्दुयुक्तेन 43 32<sup>a</sup>  
 पर्येतप्रवर शुभ्र 13 14<sup>a</sup>  
 पर्येतप्रवराकृति 68 19<sup>d</sup>  
 पर्येतस्येव दीर्यत 82 17<sup>d</sup>  
 पर्येता इव निष्कम्पा 65 13<sup>a</sup>  
 पर्येता इव पर्येतै 35 2<sup>d</sup>  
 पर्येताकारसनिभ 110 4<sup>b</sup>  
 पर्येता धारयन्ति माम् 100 53<sup>b</sup>  
 पर्येताना च विवर 104 4<sup>a</sup>  
 पर्येताना सहस्र च 97 7<sup>a</sup>  
 पर्येतान्समुपस्थित 100 54<sup>b</sup>  
 पर्येतान्नेषु मेघेषु 61 14<sup>a</sup>  
 पर्येताश्च ददुर्मांसं 5 30<sup>a</sup>  
 पर्येतास्त्रयुषा वता 100 56<sup>b</sup>  
 पर्येतास्तु शिलाशृङ्गे 34 33<sup>a</sup>  
 पर्येतेषु पतन्तीनाम् 110 71<sup>a</sup>  
 पर्येतैरिव कामगै 34 6<sup>d</sup>  
 पर्येतैरिच्छितैरिव 37 41<sup>d</sup>  
 पर्येतैरेव श्रातयेत् 107 76<sup>d</sup>  
 पर्येतै शैलमुख्यैर्वा 43 7<sup>a</sup>  
 पर्येतोद्ग्रवर्षसा 58 32<sup>b</sup>  
 पर्येतो नातिदूरत 84 27<sup>b</sup>  
 पर्येषु श्रावयेद्दिह्वान् 25 17<sup>a</sup>  
 पर्याणि निखिलानि च 115 1<sup>b</sup>  
 पर्यायष्व महामृधे 112 7<sup>d</sup>  
 पर्यायनमरोचयन् 25 16<sup>b</sup>  
 पर्यवापीठधारिणौ 52 4<sup>b</sup>  
 पर्यलोद्गीर्णरक्षेन 54 19<sup>a</sup>  
 पर्यनस्तोषद् यथा 74 28<sup>d</sup>  
 पर्यनाघूर्णितद्रुमाम् 36 23<sup>d</sup>  
 पर्यनाधिकसपात 34 39<sup>a</sup>  
 पर्यनाभोगकारिणम् 55 18<sup>a</sup>  
 पर्यनाम्भोद्धारिणम् 55 20<sup>d</sup>  
 पर्यनाविद्धनिर्घोष 34 49<sup>a</sup>  
 पर्यिन्नमितभोजना 23 105<sup>b</sup>  
 पर्यिन्न परमात्मयान् 39 16<sup>b</sup>  
 पर्यिन्न परिधीनवि 30 24<sup>b</sup>  
 पर्यिन्नाम्बरितानना 39 24<sup>d</sup>  
 पर्युजानुर्मेडाट्य 31 24<sup>d</sup>  
 पर्योरिव महाघोरं 67 41<sup>a</sup>  
 पर्याच्छिद्यस्तकाशाणु 14 13<sup>a</sup>  
 पर्याद्भिश्च मारणाय 36 33<sup>b</sup>

पश्चाद्द्युजत खिय 2 47<sup>b</sup>  
 पश्चाद्दिदर्भोऽजनयत् 26 16<sup>a</sup>  
 पश्चानुतापाङ्गायन्त 78 2<sup>a</sup>  
 पश्चिमस्या तथाक्षय 93 15<sup>d</sup>  
 पश्चिमस्या दिशि तथा 4 13<sup>a</sup>  
 पश्चिम कससस्कार 78 42<sup>a</sup>  
 पश्चिमाभ्या पराङ्मुख 57 18<sup>b</sup>  
 पश्चिमा तव वैष्टिकीम् 77 4<sup>b</sup>  
 पश्चिमे तु तत पक्षे 53 33<sup>a</sup>  
 पश्चिमेनाग्निना दीप्ते 68 12<sup>a</sup>  
 पश्य कृष्ण घनान्कृष्णान् 54 22<sup>a</sup>  
 पश्य कृष्ण जलोद्भि 54 25<sup>a</sup>  
 पश्यतामेव गोपाना 56 40<sup>a</sup>  
 पश्यता यदुसिंहाना 91 40<sup>a</sup>  
 पश्यता सर्वभूतानाम् 93 55<sup>a</sup> 112 129<sup>a</sup>  
 पश्यष्व देवसप्तवत् 86 5<sup>b</sup>  
 पश्यन्ति सुसमाहिता 13 57<sup>d</sup>  
 पश्य पुत्र जनेश्वरम् 77 48<sup>b</sup>  
 पश्य राजन्यतोर्वायै 108 94<sup>a</sup>  
 पश्य घृन्दवान् कृष्ण 54 40<sup>a</sup>  
 पश्यस्व यदि मन्यसे 48 25<sup>d</sup>  
 पश्यस्व हिमयेष्टितान् 36 12<sup>b</sup>  
 पश्यस्तत्र चचार ह 39 23<sup>d</sup>  
 पश्यामि च रमामि च 70 37<sup>d</sup>  
 पश्येयमहमुत्कटौ 73 4<sup>d</sup>  
 पश्यांश्चैव नि रोपान् 10 38<sup>a</sup>  
 पश्या दातशाक्ष्णये 85 19<sup>a</sup>  
 पश्या इमश्चुपारिण 10 43<sup>b</sup>  
 पश्वैः सह सद्यद् 23 82<sup>a</sup>  
 पाकशासनकल्पस्य 99 19<sup>a</sup>  
 पाञ्चजन्य इति श्रुत 79 16<sup>d</sup>  
 पाञ्चजन्यवन महत् 93 17<sup>b</sup>  
 पाञ्चजन्यस्य घोषेण 112 32<sup>a</sup>  
 पाञ्चजन्यस्य निर्घोष 94 10<sup>a</sup> 113 47<sup>a</sup>  
 पाञ्चजन्यस्य निस्वनम् 113 48<sup>b</sup>  
 पाञ्चजन्यस्वनेन च 97 3<sup>a</sup>  
 पाञ्चजन्यं च माघय 79 20<sup>b</sup>  
 पाञ्चजन्यं महायत् 113 21<sup>b</sup>  
 पाञ्चजन्यो यद्वीहृत 105 14<sup>b</sup>  
 पात्रालकण्ठीकाग्या 18 19<sup>a</sup>  
 पात्राय पद्ममन्त्र 18 17<sup>a</sup>  
 पात्राला इति विमुक्ता 23 9<sup>d</sup>  
 पात्रालाधिपतिर्हृत्ः 15 33<sup>a</sup>



पापा सा प्रोच्यते भुवि 107 34<sup>d</sup>  
 पापेष्वभिरतस्य च 78 7<sup>d</sup>  
 पापेष्वभिरतो मम 76 20<sup>b</sup>  
 पाप्मानं पुरुषोत्तम 91 51<sup>d</sup>  
 पाप्मन्येय घृतिर्मेम 100 52<sup>d</sup>  
 पारदानां च धर्मवित् 10 27<sup>d</sup>  
 पारदा मुक्तेशास्तु 10 43<sup>a</sup>  
 पारदाश्च विद्या पते 10 44<sup>b</sup>  
 पारदास्तृष्णा खशा 85 19<sup>b</sup>  
 पारपुत्रं पृथुर्वभौ 15 21<sup>d</sup>  
 पारमेष्ठ्येन कर्मणा 30 23<sup>b</sup>  
 पारमेष्ठ्येन वाक्येन 100 67<sup>a</sup>  
 पारमेष्ठ्ये स्थितं स्थाने 37 59<sup>a</sup>  
 पारपर्यादिहागतम् 100 84<sup>b</sup>  
 पारंपर्यादुपगत 100 59<sup>a</sup>  
 पाराक्षीपीऽथ जज्ञिवात् 15 18<sup>d</sup>  
 पाराशर्येण दर्शितम् 118 4<sup>d</sup>  
 पारिक्षितस्तु नृपति 115 8<sup>a</sup>  
 पारिक्षितस्य काश्याया 114 2<sup>a</sup>  
 पारिक्षितं द्रष्टुमदीनसत्त्व 115 7<sup>a</sup>  
 पारिजातद्रुमो हृत 97 14<sup>d</sup>  
 पारिजातप्रभायेन 94 20<sup>a</sup>  
 पारिजातममिन्नजित् 94 23<sup>b</sup>  
 पारिजातस्तु तत्रैव 93 57<sup>a</sup>  
 पारिजातस्य हरणे 109 42<sup>a</sup>  
 पारिजातं महाद्रुमम् 92 63<sup>d</sup> 94 19<sup>d</sup>  
 पारिजातो हृतो थलात् 105 10<sup>b</sup>  
 पारिप्लवनिभानि च 93 31<sup>d</sup>  
 पारिप्लवप्रक्षौभां 55 37<sup>a</sup>  
 पारिप्लवश्च वैश्वश्च 7 23<sup>a</sup>  
 पारिप्लव नाम भगवान् 112 72<sup>a</sup>  
 पारिप्लवसमन्तरम् 26 5<sup>d</sup>  
 पाथिवस्वममीप्सुभि 6 44<sup>b</sup>  
 पार्थिवर्षंभसत्तम 9 21<sup>d</sup>  
 पार्थिवर्षंभसत्तमौ 10 72<sup>d</sup>  
 पार्थिवं गन्धमाप्राय 54 12<sup>b</sup>  
 पार्थिव देहमाहस्तु 30 51<sup>a</sup>  
 पार्थिगरपार्थिव गता 42 41<sup>d</sup>  
 पार्थिया देवराताश्च 23 89<sup>a</sup>  
 पार्थिवानां कुलेषु च 43 10<sup>b</sup>  
 पार्थिवानां तपैव च 1 1<sup>a</sup> 4 5<sup>d</sup>  
 पार्थिया ये महीतले 31 141<sup>d</sup>  
 पार्थिवाश्च परस्परम् 41 5<sup>b</sup>

पार्थिवा पृथिवीक्षित 59 51<sup>d</sup>  
 पार्थिवा पृथिवीपते 90 6<sup>b</sup>  
 पार्थिवा प्राहुरीश्वरम् 100 25<sup>d</sup>  
 पार्थिवा सह वाहनै 43 56<sup>d</sup>  
 पार्थिवेन यशास्त्रिणा 109 34<sup>b</sup>  
 पार्थिवे भारते वसो 43 14<sup>a</sup>  
 पार्थिवे वर्त्मनि स्थिताः 81 10<sup>b</sup>  
 पार्थिवेषु महात्मसु 89 5<sup>b</sup>  
 पार्थिवैश्च महाभागै 6 44<sup>a</sup>  
 पार्थिवीचप्रपीडिता 41 26<sup>b</sup>  
 पार्थिवो भुवि सांप्रतम् 43 50<sup>b</sup>  
 पार्थिवीयश्च दामन 81 39<sup>b</sup>  
 पार्थिव्या मत्तकानिनि 107 55<sup>d</sup>  
 पार्थिव्या षडुदाहृतम् 107 43<sup>b</sup>  
 पार्थिव्या सनिधौ तदा 107 10<sup>b</sup>  
 पार्थिवो मे विहार स्यात् 3 63<sup>a</sup>  
 पार्थिव्याभ्युप्यवर्तयत् 29 7<sup>d</sup>  
 पार्थिव्याद्भ्रूयवर्तयत् 109 41<sup>d</sup>  
 पार्थिव्याद्भ्रूयवर्तयत् 20 32<sup>a</sup>  
 पार्थिव्याद्भ्रूयवर्तयत् 20 31<sup>b</sup>  
 पालयन्त उपपासते 91 15<sup>d</sup>  
 पालयन्त क्षमापरा 41 7<sup>b</sup>  
 पालयंश्चतुरो घर्णात् 43 39<sup>a</sup>  
 पालयिष्यन्ति यत्नत 117 34<sup>d</sup>  
 पालयिष्यसि कृत्स्नां च 31 99<sup>a</sup>  
 पालयिष्याम दंशिता 81 47<sup>d</sup>  
 पालसा पात्रमादाय 6 37<sup>a</sup>  
 पालितं च हरिं चैव 26 12<sup>d</sup>  
 पालितं चेदिराजेन 81 97<sup>a</sup>  
 पालितो गुरुपुत्रेण 65 39<sup>a</sup>  
 पावकानिलसघात 37 58<sup>a</sup>  
 पावकनाशतेजसा 43 57<sup>d</sup>  
 पावकेनोर्वसुसुना 35 72<sup>d</sup>  
 पावनायं द्विजोत्तम 22 12<sup>d</sup>  
 पावनी च वसुधरा 6 38<sup>d</sup>  
 पावपातैश्च दानयात् 36 14<sup>d</sup>  
 पावमुत्तरहस्ता वै 31 79<sup>a</sup>  
 पावोश्च प्रसिता सृष्टे 36 18<sup>b</sup>  
 पावुभि परवीहृत 76 33<sup>d</sup>  
 विष्णोरङ्गुलीकरी 25. 2<sup>d</sup>  
 पिताश्च यथोज्ज्वला 11 33<sup>a</sup>  
 पितरं किं नु वक्ष्यामि 107 27<sup>a</sup>  
 पितरं च विदोपत 107 81<sup>d</sup>



पितरं चोपद्रासन 65 7<sup>६</sup>  
 पितरं दीप्तया गिरा 35 51<sup>६</sup>  
 पितरं पुनरेव हि 18 29<sup>६</sup>  
 पितरं प्राथम्येनैव 13 27<sup>६</sup>  
 पितरं मे जयानैक 38 19<sup>६</sup>  
 पितरं वसुदेव च 69 5<sup>६</sup>  
 पितरं वासवानुज 95 10<sup>६</sup>  
 पितरं सोऽग्निमेव च 20 45<sup>६</sup>  
 पितरं सोऽग्निवीर्यम् 9 92<sup>६</sup>  
 पितरं प्रामुदन्ति हि 66 16<sup>६</sup>  
 पितरं प्रीणयन्ति तन् 13 68<sup>६</sup>  
 पितरं सपितामहा 12 39<sup>६</sup>  
 पितरं सोममव्ययम् 12 35<sup>६</sup>  
 पितरो द्विवि देवता 11 36<sup>६</sup>  
 पितरो द्विवि वतन्ते 13 24<sup>६</sup>  
 पितरो द्विवि विधुता 13 41<sup>६</sup>  
 पितरो धर्मकामस्य 11 10<sup>६</sup>  
 पितरो धो न सशय 12 30<sup>६</sup>  
 पितर्युपरते मद्य 15 37<sup>६</sup>  
 पितर्युपरते सर्वे 16 5<sup>६</sup>  
 पिता च परितोषित 16 20<sup>६</sup>  
 पिता सव जनेश्वर 23 121<sup>६</sup>  
 पिता तानमनीषदा 18 27<sup>६</sup>  
 पिता ते कृष्ण ससदि 69 22<sup>६</sup>  
 पिता ते गर्दभवन 99 21<sup>६</sup>  
 पिता स्वेनमथोवाच 9 92<sup>६</sup>  
 पिता देवात्तको रणे 107 24<sup>६</sup>  
 पिता परमकोपन 50 10<sup>६</sup>  
 पितापि मे परिरथत् 73 8<sup>६</sup>  
 पिताप्यस्य वन ययौ 9 94<sup>६</sup>  
 पितान्नहयुरोगमा 40 16<sup>६</sup>  
 पितान्नहप्रसादेन 3 74<sup>६</sup>  
 पितान्नहमयामुजन् 21 13<sup>६</sup> 43 1<sup>६</sup>  
 पितान्नहमुपस्थिता 31 48<sup>६</sup>  
 पितान्नहमुपागच्छन् 12 28<sup>६</sup>  
 पितान्नहश्च भगवान् 5 26<sup>६</sup>  
 पितान्नहस्य मे राजन् 15 10<sup>६</sup>  
 पितान्नह पाण्डवानां 115 10<sup>६</sup>  
 पिता सर्वांश्चिप्यति 47 21<sup>६</sup>  
 पिता सोमस्य वै राजन् 20 1<sup>६</sup>  
 पितुरामीन्महात्मन 10 16<sup>६</sup>  
 पितुर्निषोपाद्भसम् 10 3<sup>६</sup>  
 पितुश्च पितरं तथा 11 12<sup>६</sup>

पितुश्चापरितोषेण 10 17<sup>६</sup>  
 पितुस्ते भगिनीसुत 62 84<sup>६</sup>  
 पितुस्ते चापुद्गेवस्य 99 19<sup>६</sup>  
 पितुं पितामह चैव 11 12<sup>६</sup>  
 पितुं पूढ प्रतापवान् 22 33<sup>६</sup>  
 पितुं पूर्वं वृद्धस्पते 20 31<sup>६</sup>  
 पितुं समीपगा सा तु 8 14<sup>६</sup>  
 पितृकन्या मनीषिणा 18 6<sup>६</sup>  
 पितृकार्यं विनिष्यते 13 69<sup>६</sup>  
 पितृकृत्यानि देशानि 116 20<sup>६</sup>  
 पितृकुल्येन धासन्ति 67 2<sup>६</sup>  
 पितृपक्षेषु पुत्रिणाम् 49 5<sup>६</sup>  
 पितृप्रसादो ह्यस्माभि 17 9<sup>६</sup>  
 पितृभक्तोऽसि विप्रये 13 71<sup>६</sup>  
 पितृभक्तयेव रथ्य च 12 3<sup>६</sup>  
 पितृभिर्दानवैश्चैव 2 25<sup>६</sup>  
 पितृभिर्भूयते चापि 6 20<sup>६</sup>  
 पितृभ्य उपरुष्यताम् 17 10<sup>६</sup>  
 पितृभ्य कल्पयित्वा 16 12<sup>६</sup>  
 पितृराजस्तु दक्षिणम् 34 18<sup>६</sup>  
 पितृवर्तीति निरयात् 15 3<sup>६</sup>  
 पितृवर्ती तु यस्तेषा 16 9<sup>६</sup>  
 पितृवत्तरि कर्म वै 62 94<sup>६</sup>  
 पितृवत्तरि जातस्ते 62 70<sup>६</sup>  
 पितृवत्स कृतो यत्न 48 38<sup>६</sup>  
 पितृवत्सुभे भर्ता च 65 77<sup>६</sup>  
 पितृवत्सु प्रियार्थं च 87 29<sup>६</sup>  
 पितृवत्सु सुतौ सुखौ 65 88<sup>६</sup>  
 पितृसर्षेण वै मथा 18 7<sup>६</sup>  
 पितृणामादिसर्षेण च 11 1<sup>६</sup>  
 पितृणामादिसर्षेण 13 65<sup>६</sup>  
 पितृणामाधिपत्य च 8 42<sup>६</sup>  
 पितृणा कारणं भ्रात्रे 11 35<sup>६</sup>  
 पितृणा सर्गमुत्तमम् 11 4<sup>६</sup>, 5<sup>६</sup>  
 पितृन्मर्थ्यं घर्षेण 16 11<sup>६</sup>, 16<sup>६</sup>  
 पितृनुदिव्य साधिवामान् 16 10<sup>६</sup>  
 पितृनुप्रा नियोद्भवन्ति 116 37<sup>६</sup>  
 पितृश्रीणाति यो भक्त्या 13 68<sup>६</sup>  
 पितृस्त्रान्सप्रसादयन् 13 34<sup>६</sup>  
 पितेव मुनिपुत्रवन् 3 9<sup>६</sup>  
 पित्तमग्निं स्थितस्यैव 30 45<sup>६</sup>  
 पित्तवर्गं च शोणितम् 30 43<sup>६</sup>  
 पित्रा तु सं तदा राष्ट्रात् 10 6<sup>६</sup>,

पित्रा ते मृदितो रणे 107 26<sup>d</sup>  
 पित्रा त्यक्त भ्यवारयत् 10 12<sup>b</sup>  
 पित्रा त्यक्तोऽवसद्वीर 9 94<sup>d</sup>  
 पित्रा निर्भत्सिता शुभा 8 14<sup>b</sup>  
 पित्रापरञ्जितास्तस्य 5 29<sup>a</sup>  
 पित्रा मम पुरा गीत 11 16<sup>c</sup>  
 पित्र्य प्राप्य महाश्रुति 15 62<sup>b</sup>  
 पिनाकरपरिषाद्युधम् 110 44<sup>b</sup>  
 पिनाकिन समुद्दिश्य 96 53<sup>c</sup>  
 पिपीलिकुरुतज्ञताम् 19 25<sup>b</sup>  
 पिपीलिकाना चण्डाना 85 32<sup>d</sup>  
 पिबन्त मधु माध्वीक 108 3<sup>d</sup>  
 पिबन्त स्तनमालक्ष्य 50 15<sup>a</sup>  
 पिबन्ति नयनाक्षेपे 63 19<sup>d</sup>  
 पिबन्ति रत्तिलालसा 63 32<sup>d</sup>  
 पियन्तो मधुमाध्वीक 113 68<sup>a</sup>  
 पिबन्त्यनृसा वनिता 63 31<sup>c</sup>  
 पिबन्त्यो नयनासवम् 99 32<sup>d</sup>  
 पिबन्तिव तदाकाश 112 15<sup>c</sup>  
 पिबन्त्यारिमय हवि 35 59<sup>b</sup>  
 विशितामिपकाङ्क्षिषु 68 3<sup>d</sup>  
 पिशुन कविरव च 16 4<sup>b</sup>  
 पीठं तथा महागडु 97 24<sup>a</sup>  
 पीठेषु च जनाधिपा 100 14<sup>d</sup>  
 पीडयाप्यथ धर्मस्य 16 2<sup>c</sup>  
 पीडितस्य बलीयसा 76 4<sup>b</sup>  
 पीडितो दानवो युधि 44 49<sup>b</sup>  
 पीड्यते वसुधातलम् 41 17<sup>d</sup>  
 पीड्यन्ता वृष्टिमाहते 61 4<sup>d</sup>  
 पीड्यमाना नराधिपै 41 18<sup>b</sup>  
 पीडशर्करवालुका 93 63<sup>b</sup>  
 पीतश्वेतानुलेपनौ 52 2<sup>b</sup> 71 48<sup>d</sup>  
 पीताम्बरधर विष्णु 70 26<sup>c</sup>  
 पीतेनोत्तरवाससा 47 41<sup>b</sup>  
 पीते प्रीतिकरे वृणा 55 4<sup>a</sup>  
 पीते वसानो वसने 42 4<sup>a</sup> 68 24<sup>d</sup>  
 पीनश्रोणिपयोधरे 80 3<sup>d</sup>  
 पीनोहणघनलानी 87 36<sup>a</sup>  
 पीवरी नाम विधुता 13 44<sup>b</sup>  
 पीययी जनयिषति 13 46<sup>b</sup>  
 पुटके पुटके मधु 5 31<sup>d</sup>  
 पुण्डरीकनिमेषणे 75 37<sup>b</sup>  
 पुण्डरीकराजाक्षे 66 35<sup>d</sup>

पुण्डरीकनाथैर्गुह 93 58<sup>c</sup>  
 पुण्ड्र कलिङ्गश्च तथा 23 29<sup>d</sup>  
 पुण्यकर्मभिराहवे 106 63<sup>b</sup>  
 पुण्यकृद्भिरलकृतम् 30 4<sup>b</sup>  
 पुण्यकृद्भिर्निषेवितम् 23 108<sup>b</sup>  
 पुण्यगन्धमनुत्तमम् 92 64<sup>b</sup>  
 पुण्य च रमणीय च 23 108<sup>a</sup>  
 पुण्य सकल्पसाधकम् 20 48<sup>b</sup>  
 पुण्या त्रिपथगा नदी 46 10<sup>b</sup>  
 पुण्यान्देवगुण्युंतात् 31 13<sup>d</sup>  
 पुण्यापणवती दुर्गा 44 58<sup>a</sup>  
 पुण्याहधोपैर्विपुलै 86 3<sup>c</sup>  
 पुण्या पापप्रणाशिनीम् 1 15<sup>d</sup>  
 पुण्येऽहनि महाराज 86 12<sup>c</sup>  
 पुत्र इत्येव बक्ष्यति 45 44<sup>d</sup>  
 पुत्र एको हि मे जात 79 11<sup>d</sup>  
 पुत्रका इति वै वयम् 12 34<sup>b</sup>  
 पुत्रकिल्बिषशक्ति 78 16<sup>d</sup>  
 पुत्र कृत्स्नान्तरेण वै 22 21<sup>d</sup>  
 पुत्रगर्भास्तवया विभो 48 25<sup>b</sup>  
 पुत्रजन्म भवेद्भ्रत 112 120<sup>d</sup>  
 पुत्रतो धनतोऽपि वा 47 52<sup>d</sup>  
 पुत्रस्व प्राप्य योगेन 18 10<sup>c</sup>  
 पुत्रस्वे कल्पयामास 3 96<sup>c</sup>  
 पुत्रनाश धनक्षयम् 47 55<sup>b</sup>  
 पुत्र निर्यातत क्रीय 78 18<sup>a</sup>  
 पुत्रपौत्रराजिनितः 113 19<sup>b</sup>  
 पुत्रप्रपयज देवात् 85 12<sup>c</sup>  
 पुत्रमग्निः प्रजापति 2 7<sup>b</sup>  
 पुत्रमप्य घृणीय वै 22 22<sup>d</sup>  
 पुत्रमारमतनूरदम् 35 46<sup>b</sup>  
 पुत्रमारमतम तदा 8 16<sup>d</sup>  
 पुत्रमानय जीवन्तं 51 24<sup>c</sup>  
 पुत्रमिच्छाम्यह दत्त 79 10<sup>c</sup>  
 पुत्रमिन्द्रवधार्थाय 3 99<sup>a</sup>  
 पुत्रमिन्द्रसम प्रभु 23 83<sup>b</sup>  
 पुत्रयोगेन सयोग्य 69 18<sup>c</sup>  
 पुत्रयाज्ञश्च पदयत् 65 75<sup>c</sup>  
 पुत्रयत्त देवकि 48 43<sup>b</sup>  
 पुत्रराराज्यमाना वै 96 13<sup>d</sup>  
 पुत्रवार्येन तेन वै 12 23<sup>b</sup>  
 पुत्र धारयते पुत्र 77 42<sup>c</sup>  
 पुत्रगोकाभिसत्त 78 1<sup>a</sup>

पुत्रराजेन शुष्यन्ती 69 9<sup>०</sup>  
 पुत्रश्च भीष्मकस्यापि 80 11<sup>०</sup>  
 पुत्रश्चापघरं प्रभु 99 43<sup>०</sup>  
 पुत्रश्चापि प्रसेनजित् 9 81<sup>०</sup>  
 पुत्रसन्नामितश्रीस्तु 9 50<sup>०</sup>  
 पुत्रस्तस्य महायशा 15 15<sup>०</sup>  
 पुत्रस्तव वासुदेवस्य 99 17<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य मुजमीक्षन्ती 77 52<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य मे भय भीरु 50 27<sup>०</sup>  
 पुत्रस्तोपरि तावतौ 51 22<sup>०</sup>  
 पुत्र क्यमिम दृष्ट्वा 56 29<sup>०</sup>  
 पुत्र च पाण्ड्यराजस्य 87 5<sup>०</sup>  
 पुत्र धर्मविदो जना 66 20<sup>०</sup>  
 पुत्र पुत्रमिहारमजम् 99 7<sup>०</sup>  
 पुत्र वै रात्रिपुत्रिका 20 44<sup>०</sup>  
 पुत्र दारुपद नाम 4 12<sup>०</sup>  
 पुत्र समभिरीक्षन्ती 77 40<sup>०</sup>  
 पुत्र ससुद्र च विभु 10 51<sup>०</sup>  
 पुत्र सर्वगुणोपेत 27 11<sup>०</sup>  
 पुत्र सांदीपनेस्तथा 97 27<sup>०</sup>  
 पुत्र स्वस्थोऽयवीर्युत 50 15<sup>०</sup>  
 पुत्र कन्या मुकुन्ध्या च 9 22<sup>०</sup>  
 पुत्र कर्मभिरभिव्रत 26 3<sup>०</sup>  
 पुत्र पद्मायतेक्षण 31 110<sup>०</sup>  
 पुत्र परमधार्मिक 10 67<sup>०</sup> 18 4<sup>०</sup>  
 पुत्र सर्वगुणोपेत 27 6<sup>०</sup>  
 पुत्र सादीपनेरिति 79 13<sup>०</sup>  
 पुत्राण्यममितौजसाम् 15 19<sup>०</sup>  
 पुत्राणां च सहस्राणि 10 53<sup>०</sup>  
 पुत्राणां चाक्षयाल्लोकान् 9 77<sup>०</sup>  
 पुत्राणां नाशुपस्तदा 22 15<sup>०</sup>  
 पुत्राणा हि तयो राणे 43 53<sup>०</sup>  
 पुत्रानपुत्रो लभते सुवचते 118 46<sup>०</sup>  
 पुत्रानमितविप्रमान् 73 27<sup>०</sup>  
 पुत्रानुत्पाद्यामास 2 46<sup>०</sup> 23 28<sup>०</sup>  
 पुत्रान्नुद्दिबोकम् 12 32<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दक्ष प्रजापति 3 23<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दत्त महारथान् 88 37<sup>०</sup>  
 पुत्रान्दृष्ट्वा पुन प्रभो 103 28<sup>०</sup>  
 पुत्रान्देवगणास्तथा 7 6<sup>०</sup>  
 पुत्रान्पद्मच्युतातेरन् 12 25<sup>०</sup>  
 पुत्रान्सर्थाञ्जनादन् 103 27<sup>०</sup>  
 पुत्रान्भ्यां शुशुभेऽधिकम् 96 10<sup>०</sup>

पुत्रार्थश्चैव पुष्कलान् 18 28<sup>०</sup>  
 पुत्रार्थं ह्यापद् कदा 66 16<sup>०</sup>  
 पुत्रा वै कालनेमिन 47 12<sup>०</sup>  
 पुत्रा वै नर तत्समा 9 1<sup>०</sup>  
 पुत्राश्च पितरश्चैव 12 40<sup>०</sup>  
 पुत्रास्तस्य महायशा 87 10<sup>०</sup>  
 पुत्राश्च परिपृच्छथ्य 12 24<sup>०</sup>  
 पुत्रा पञ्चशत स्मृता 9 40<sup>०</sup>  
 पुत्रा परमधर्मज्ञा 15 21<sup>०</sup>  
 पुत्रा पौत्राश्च भारत 7 19<sup>०</sup>  
 पुत्रा सप्त महात्मन 20 44<sup>०</sup>  
 पुत्रा सेननितश्चात्सु 15 17<sup>०</sup>  
 पुत्रिकाश्च दश खिय 23 7<sup>०</sup>  
 पुत्रिकासु सनामकात् 23 13<sup>०</sup>  
 पुत्रस्य परमारमनि 20 11<sup>०</sup>  
 पुत्रद धार्यता तेज 35 53<sup>०</sup>  
 पुत्रेभ्योतेषु भारत 9 3<sup>०</sup>  
 पुत्रैरमृदितस्तनीम् 69 8<sup>०</sup>  
 पुत्रैरुक्ताश्च ते तदा 12 27<sup>०</sup>  
 पुत्रं सकर्षणेन च 89 13<sup>०</sup>  
 पुत्रोऽपि समपद्यत 35 49<sup>०</sup>  
 पुत्रो जशे विदूरथ 23 111<sup>०</sup>  
 पुत्रोऽशुदस्य राज्ञपि 15 24<sup>०</sup>  
 पुत्रो दशरथोऽभवत् 23 36<sup>०</sup>  
 पुत्रो दिविरचस्वासीत् 23 34<sup>०</sup>  
 पुत्रो दीर्घतमास्तथा 23 55<sup>०</sup>  
 पुत्रो नवरथस्तथा 26 23<sup>०</sup>  
 पुत्रो मे हियते विभो 101 11<sup>०</sup>  
 पुत्रो राजन्महासुनि 23 51<sup>०</sup>  
 पुत्रो राजा बभूव इ 10 63<sup>०</sup>  
 पुत्रो विश्वजितश्चापि 15 16<sup>०</sup>  
 पुत्रो सुरसुतोपमौ 96 44<sup>०</sup>  
 पुत्र्या विदर्भे सुभगा 26 18<sup>०</sup>  
 पुनरन्याश्चतु पटया 88 17<sup>०</sup>  
 पुनराप्याययन्ति वै 11 37<sup>०</sup>  
 पुनरायान्गरपति 79 20<sup>०</sup>  
 पुनरायान्महीवल्म् 86 71<sup>०</sup>  
 पुनराशुत्तिदुर्लभाम् 13 10<sup>०</sup>  
 पुनरासीच्छरीरवान् 79 18<sup>०</sup>  
 पुनराह जनाद्वेन 101 16<sup>०</sup>  
 पुनरेव जनार्दनम् 103 8<sup>०</sup>  
 पुनरेव महाराज्ञो 101 1<sup>०</sup>  
 पुनरेव रराज इ 64 23<sup>०</sup>

पुनरेव हलायुध 82 22<sup>d</sup>  
 पुनरेवाववीद्वच 21 24<sup>d</sup> 65 47<sup>d</sup>  
 पुनर्गतोऽयमित्याहु 96 32<sup>d</sup>  
 पुनर्दुग्धा वसुधरा 6 16<sup>b</sup>, 20<sup>b</sup>, 25<sup>b</sup>, 28<sup>b</sup>, 30<sup>b</sup>  
 पुनर्दुग्धा श्रिया वृतम् 68 18<sup>b</sup>  
 पुनर्देवी वसुधरा 6 35<sup>b</sup>  
 पुनर्द्वैश्याम हृत्सुकृत्वा 118 5<sup>d</sup>  
 पुनर्द्वारवतीमेव 28 27<sup>d</sup>  
 पुनर्द्वारवतीं प्राप्ते 29 33<sup>d</sup>  
 पुनर्भस्त्रा प्राद्वक्त 108 45<sup>d</sup>  
 पुनर्धुंगसहृत्त्वान्ते 13 9<sup>d</sup>  
 पुनर्लभे महातपा 2 51<sup>d</sup>  
 पुनर्लोकानवाप्स्यसि 13 38<sup>d</sup>  
 पुनर्विव्याध केशव 88 26<sup>b</sup>  
 पुनश्चक्र स जमाह 112 48<sup>b</sup>  
 पुनश्चरणमध्यग 74 28<sup>b</sup>  
 पुनश्च स्वलते भृशम् 111 4<sup>b</sup>  
 पुनश्चिच्छेद् त चापं 88 22<sup>b</sup>  
 पुनश्चैव निरुध्यन्ते 2 54<sup>b</sup>  
 पुनस्तेन महात्मना 105 9<sup>b</sup>  
 पुन कृष्णोऽभ्यभाषत 109 54<sup>d</sup>  
 पुन पुनरथाववीन् 3 107<sup>d</sup>  
 पुन पुनश्च स बली 67 30<sup>d</sup>  
 पुन पेतुरवाङ्मुखा 61 41<sup>d</sup>  
 पुन प्रतिजगामाहु 83 51<sup>d</sup>  
 पुन प्रद्वानयित्स्याम 106 28<sup>d</sup>  
 पुन प्रत्याहरिष्यति 115 40<sup>d</sup>  
 पुन प्राप्स्यसि दुर्लभान् 13 35<sup>d</sup>  
 पुन स परिध घोर 108 41<sup>d</sup>  
 पुन सवारवामात् 112 75<sup>d</sup>  
 पुन सागर सागरीम् 43 45<sup>d</sup>  
 पुद्गाम्नो नरकात्तदा 5 24<sup>d</sup>  
 पुद्गाम्नो नरकात्पुत्र 66 20<sup>d</sup>  
 पुद्गवे गोपसुनुना 58 19<sup>d</sup>  
 पुरपत्तनमालिनी 6 41<sup>d</sup>  
 पुरमन्त पुर तथा 77 56<sup>d</sup>  
 पुरमासादयामाम 91 53<sup>d</sup>  
 पुरमेतद्विपूयितम् 90 14<sup>d</sup>  
 पुरलक्षणसपन्न 8+ 25<sup>d</sup>  
 पुरवास्तु विचिन्वन्स 84 24<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वैव ननादेनम् 81 1<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वैव पुरदारम् 38 65<sup>d</sup>  
 पुरस्त्वैव महामतिम् 25 15<sup>d</sup>

पुरस्कृत्य वसुधराम् 41 32<sup>d</sup>  
 पुरस्कृत्य हलायुधम् 88 29<sup>d</sup>  
 पुरस्कृत्योप्रसेन वै 78 47<sup>d</sup>  
 पुरस्य स महाबल 90 11<sup>b</sup>  
 पुरजयसुतोऽभवत् 23 17<sup>d</sup>  
 पुरदरपुरोगमै 6 18<sup>b</sup>  
 पुरदरो दिव यात 113 70<sup>d</sup>  
 पुर दुर्षोधनो नृप 90 12<sup>b</sup>  
 पुर पुरस्कृत्य यथा 61 51<sup>d</sup>  
 पुर प्रविशिर्गुह्यै 107 18<sup>d</sup>  
 पुर प्राग्ज्योतिषं गत्वा 105 9<sup>d</sup>  
 पुर प्राग्ज्योतिषं प्रति 96 1<sup>d</sup> 97 22<sup>d</sup>  
 पुरा कमलनामस्य 31 19<sup>d</sup>  
 पुराकरूपे प्रजापतीन् 32 7<sup>d</sup>  
 पुराकरूपे हि बाणेन 3 63<sup>d</sup>  
 पुरा कृतयुगे राजन् 31 32<sup>d</sup>  
 पुरा ज्यैष्ठ्यमाददम् 62 82<sup>d</sup>  
 पुराणदेशोऽथ पुराणि चक्रे 31 16<sup>d</sup>  
 पुराणप्रभवैर्गुणै 43 16<sup>d</sup>  
 पुराणमेतच्चरित महात्मनाम् 118 49<sup>d</sup>  
 पुराणस्य महात्मन 101 2<sup>d</sup>  
 पुराण कथ्यते यत्र 31 20<sup>d</sup>  
 पुराण तत्र विन्यस्य 45 49<sup>d</sup>  
 पुराण त पुराणेषु 40 19<sup>d</sup>  
 पुराण वर्तते यत्र 31 150<sup>d</sup>  
 पुराण शृङ्गणया गिरा 1 4<sup>b</sup>  
 पुराणे कीर्तितास्तात 7 19<sup>d</sup>  
 पुराणे नागराजोऽसौ 90 4<sup>d</sup>  
 पुराणे निश्चय गता 1 30<sup>d</sup>  
 पुराणे परिनिष्ठितम् 4 18<sup>d</sup>  
 पुराणे भरतर्षभ 10 78<sup>d</sup>  
 पुराणोऽथ हि गीयते 68 34<sup>d</sup>  
 पुरातनानां देवाना 58 37<sup>d</sup>  
 पुरा तस्मिन् प्रता 65 38<sup>d</sup>  
 पुरा त्रैविश्ये यथा 45 39<sup>d</sup>  
 पुरा देवामुरे पुत्र 85 40<sup>d</sup>  
 पुरा धर्मितर्षास्तु स 31 65<sup>d</sup>  
 पुरान्तधानमक्षयम् 6 28<sup>d</sup>  
 पुरा परमतेऽसम् 35 25<sup>d</sup>  
 पुरा पुंद्दरो रात्रा 68 32<sup>d</sup>  
 पुरा ब्रह्मर्षिं चक्र 35 25<sup>d</sup>  
 पुरा लोकरूपितामहम् 47 13<sup>d</sup>  
 पुरा स्वर्गगते यथा 55 23<sup>d</sup>

पुराहं द्वारकां यात 101 6<sup>०</sup>  
 पुरा हि कश्यपो विष्णो 45 20<sup>०</sup>  
 पुरी चासीत्तुहास्यली 9 23<sup>०</sup>  
 पुरी रिवय जनस्यास्य 86 37<sup>०</sup>  
 पुरी द्वारवती तदा 86 44<sup>०</sup>  
 पुरी द्वारवती त्वया 93 5<sup>०</sup>  
 पुरीभूमिषु पाथिवा 81 37<sup>०</sup>  
 पुरीर्यं मामक दलम् 86 37<sup>०</sup>  
 पुरीतोष प्रवर्यताम् 81 36<sup>०</sup>  
 पुरी समभिवर्तेत 79 27<sup>०</sup>  
 पुरी सा वै त्रियङ्गी 86 19<sup>०</sup>  
 पुरी स्यात्पुरोत्तम 86 34<sup>०</sup>  
 पुरीं ता सुप्रमांसवत् 79 1<sup>०</sup>  
 पुरीं द्वारवतीं चैव 100 6<sup>०</sup>  
 पुरीं द्वारवतीं ययौ 84 35<sup>०</sup>  
 पुरीं निर्वादाय कृत्वा 73 7<sup>०</sup>  
 पुरीं निवेशयिष्यामि 84 7<sup>०</sup>  
 पुरीं परमधर्मवित् 44 52<sup>०</sup>  
 पुरीं प्रविदिशुर्हेष्टा 82 25<sup>०</sup>  
 पुरीं प्राप्त जनादने 79 35<sup>०</sup>  
 पुरीं प्राप्य सयाग्धवा 84 34<sup>०</sup>  
 पुरीं वाराणसो रूप 23 58<sup>०</sup>, 68<sup>०</sup>  
 पुरीं शङ्खपुरीमिव 86 53<sup>०</sup>  
 पुरीं सस्यापविशति 86 20<sup>०</sup>  
 पुरीं स्ना प्रमदामिव 86 74<sup>०</sup>  
 पुरुतस्तसुतरत्वासंज्ञ 9 86<sup>०</sup>  
 पुरुकुत्सस्य वा परवी 13 63<sup>०</sup>  
 पुरुकुत्स च धर्मज्ञ 9 85<sup>०</sup>  
 पुरुजाति सुशाम्नेस्तु 23 95<sup>०</sup>  
 पुरुवागपुरोत्तम 26 26<sup>०</sup>  
 पुरमिन्नस्य दायाद 15 15<sup>०</sup>  
 पुरुमीढश्च धीर्यवान् 23 75<sup>०</sup>  
 पुरुप्रस्थाल्पमेघस 78 8<sup>०</sup>  
 पुरर त मनु विद्धि 1 38<sup>०</sup>  
 पुरर प्रत्यपघत 2 3<sup>०</sup>  
 पुरपादालयोपमम् 57 11<sup>०</sup>  
 पुरपात्नरित ध्रुवा 17 11<sup>०</sup>  
 पुरपात्नयापनाम्बहून् 76 18<sup>०</sup>  
 पुरुपाल्य बहुश्लोक 116 23<sup>०</sup>  
 पुरुपात्र प्रसुप्तानु 116 39<sup>०</sup>  
 पुरुषा कृष्णनासनात् 95 13<sup>०</sup>  
 पुरपेद्र भषानिह 109 20<sup>०</sup>  
 पुरुपरालकारिभि 28 19<sup>०</sup>

पुरपो मगुरुच्यते 2 4<sup>०</sup>  
 पुरपो मृष्टकृण्डल 95 8<sup>०</sup>  
 पुरुषो वै मनोज्ञ 110 22<sup>०</sup>  
 पुरुहूतस्तु पुरत 34 3<sup>०</sup>  
 पुरुहूतस्य खाण्डवम् 105 16<sup>०</sup>  
 पुरुहूतस्य तेजसा 35 14<sup>०</sup>  
 पुरहूत पुरदर 59 7<sup>०</sup> 62 3<sup>०</sup>  
 पुरे गोमहिपालथा 93 60<sup>०</sup>  
 पुरे पुरे नरपति 41 21<sup>०</sup>  
 पुरे वारणसाहूये 100 5<sup>०</sup> 114 4<sup>०</sup>  
 पुरेऽसिद्धिनि केशव 85 29<sup>०</sup>  
 पुरोदान विधत्स मे 21 30<sup>०</sup>  
 पुर्यं विनिवेशिता 84 30<sup>०</sup>  
 पुर्या यदुकुलस्य च 86 30<sup>०</sup>  
 पुर्या वैधव्यशासीनि 66 24<sup>०</sup>  
 पुर्या तस्या तु रम्याया 93 67<sup>०</sup>  
 पुर्या क्षिप्र निरेर्था 86 18<sup>०</sup>  
 पुर्या सदस्य वास्तु तत् 86 39<sup>०</sup>  
 पुरस्यस्य वसिष्ठश्च 7 7<sup>०</sup>  
 पुरस्यस्य प्रजापते 13 43<sup>०</sup>  
 पुरस्य पुलहं कर्तुम् 1 29<sup>०</sup>  
 पुरस्योऽग्निस्तथाङ्गिरा 12 14<sup>०</sup>  
 पुरलिनश्रोणिमण्डलाम् 85 33<sup>०</sup>  
 पुलिनश्रोणिमण्डला 59 37<sup>०</sup>  
 पुलोमा कालका चैव 3 72<sup>०</sup>  
 पुलोन्नस्तु शची सुता 3 71<sup>०</sup>  
 पुष्कर पुष्करश्चैव 31 71<sup>०</sup>  
 पुष्करिण्यस्तडागानि 59 40<sup>०</sup>  
 पुष्करिण्य सरासि च 93 59<sup>०</sup>  
 पुष्करे यत्र समृता 31 19<sup>०</sup>  
 पुष्टिकामस्य पुष्टि च 11 10<sup>०</sup>  
 पुष्टिकामेन धर्मज्ञ 11 8<sup>०</sup>  
 पुष्पकण्ठकधारिण 73 16<sup>०</sup>  
 पुष्पक च महद्भवम् 93 18<sup>०</sup>  
 पुष्पदन्त तथैव च 86 17<sup>०</sup>  
 पुष्पमुखावच भूर्मा 61 39<sup>०</sup>  
 पुष्पवर्षे पपात ह 91 26<sup>०</sup>  
 पुष्पवर्षश्च सर्वेश 113 80<sup>०</sup>  
 पुष्पवृष्टिसमप्रभे 93 33<sup>०</sup>  
 पुष्पाङ्गुलजलोपेता 93 64<sup>०</sup>  
 पुष्पाणि च फलानि च 83 21<sup>०</sup>  
 पुष्पिताभ्या यथा गत्रा 37 23<sup>०</sup>  
 पुष्पंश्च विविधं शुभे 96 19<sup>०</sup>

पृथिव्या पार्थिवारमकम् 43 46<sup>d</sup>  
 पृथिव्या सारमव्ययम् 83 52<sup>d</sup>  
 पृथिव्युपरि मानुषा 62 24<sup>d</sup>  
 पृथुकाश्च दिवोकसः 7 28<sup>b</sup>  
 पृथुकीर्तिं पृथा चैव 24 19<sup>o</sup>  
 पृथुकीर्त्यां तु सज्जे 24 21<sup>o</sup>  
 पृथुचार्यायतेक्षणा 87 36<sup>b</sup>  
 पृथुना प्रविभक्ता च 6 41<sup>b</sup>  
 पृथुपुत्रो तु धर्मज्ञौ 2 27<sup>b</sup>  
 पृथुभि पञ्चभिर्घोरै 56 6<sup>o</sup>  
 पृथुरानेनस स्मृत 9 44<sup>d</sup>  
 पृथुरनमश्च सश्रित 26 12<sup>d</sup>  
 पृथुरभिर्नराधिपै 4 16<sup>b</sup>  
 पृथुरेव नमस्कार्यै 6 43<sup>o</sup>, 47<sup>o</sup> 48<sup>o</sup>  
 पृथुर्विपृथुरेव च 24 12<sup>b</sup> 28 43<sup>b</sup>  
 पृथुर्वैश्यस्तदा चेमा 2 22<sup>o</sup>  
 पृथुर्वैश्य प्रतापवान् 5 28<sup>d</sup> 6 15<sup>b</sup>, 44<sup>d</sup>  
 पृथुलाश्च इति स्मृत 23 38<sup>b</sup>  
 पृथुलाक्षसुतो राजा 23 38<sup>o</sup>  
 पृथुश्रवा पृथुयशा 26 5<sup>o</sup>  
 पृथुपेणस्य पारस्तु 15 18<sup>o</sup>  
 पृथुपेणो महायशा 15 18<sup>d</sup>  
 पृथुस्तस्मात्समुत्तल्यौ 5 21<sup>o</sup>  
 पृथु वैश्य पितामह 4 1<sup>b</sup>  
 पृथु पश्चान्महाबल 5 37<sup>d</sup>  
 पृथु प्रादात्प्रजेश्वर 5 39<sup>b</sup>  
 पृथोर्वैश्यस्य भारत 6 40<sup>b</sup>  
 पृथोर्वैश्यस्य सभवम् 4 23<sup>b</sup>, 26<sup>b</sup>  
 पृथोस्तु सुकृता नाम 15 22<sup>o</sup>  
 पृथो पूर्वै तु भारत 3 110<sup>f</sup>  
 पृथो स्त्रयार्यै तौ सत्र 5 33<sup>o</sup>  
 पृथि पुत्रो युधानित 28 36<sup>b</sup>  
 पृथतस्य पितामह 15 35<sup>d</sup>  
 पृथभा द्विवयित्वा तु 9 37<sup>o</sup>  
 पृथ षय भदिव्यस्य 116 4<sup>o</sup>  
 पृथवान्देयमव्ययम् 13 1<sup>d</sup>  
 पृथ विपृणा सर्गं च 12 19<sup>o</sup>  
 पृथपोस्तु यत्स्वापि 109 88<sup>o</sup>  
 पेतुराजासगान्यपि 32 16<sup>b</sup>  
 पेतुरार्ता वैपमाना 61 24<sup>o</sup>  
 पेतुरव्क्लासहृत्वाणि 32 16<sup>o</sup>  
 पेतुर्देव्या हिमादिता 36 19<sup>d</sup>  
 पेतुष्मामरसस्रज 83 31<sup>d</sup>

पेतुस्ते दानवगणा 35 16<sup>o</sup>  
 पेतु शरदि निस्तोया 67 40<sup>o</sup>  
 पेतु सद् महोरगै 37 45<sup>d</sup>  
 पैठिक चासिलोमान 97 24<sup>o</sup>  
 पैष्पलादी च तौ द्विजौ 114 11<sup>b</sup>  
 पैशाच राक्षस चैव 112 24<sup>o</sup>  
 पौष्टा हि भगवान्सोम 20 16<sup>o</sup>  
 पौण्ड्रश्च कपिलश्रेव 98 21<sup>o</sup>  
 पौण्ड्रश्च बलिना वर 80 10<sup>d</sup>  
 पौण्ड्रश्च सुतनो सुत 98 22<sup>b</sup>  
 पौण्ड्रस्य वामुदेवस्य 87 4<sup>o</sup>  
 पौण्ड्र पृथुभि शिरीमुखै 87 65<sup>d</sup>  
 पौरजानपदैर्ज्ञै 96 56<sup>b</sup>  
 पौरजानपदैस्त्यक्त 22 10<sup>o</sup>  
 पौरवस्य महात्मन 15 14<sup>d</sup>  
 पौरवस्य महाराज 23 91<sup>o</sup>  
 पौरव तुर्वसोर्वंशः 23 127<sup>o</sup>  
 पौरवी रोहिणी नाम 25 1<sup>a</sup>  
 पौरवो जनमेजय 22 7<sup>d</sup>  
 पौरवो वेणुदारिश्च 81 40<sup>o</sup>  
 पौराण महत्सदनं 40 1<sup>o</sup>  
 पौराणा रतिवधेन 96 21<sup>b</sup>  
 पौराण्यश्च कथाभवन् 83 57<sup>b</sup>  
 पौराश्च पुष्यौ श्रेण्यश्च 78 15<sup>o</sup>  
 पौराश्चगन्तवश्च ह 19 20<sup>d</sup>  
 पौरा प्रोचुर्ज्ञेयाशिप 74 19<sup>d</sup>  
 पौरुषादन कर्मणा 59 26<sup>d</sup>  
 पौरुषेण समायुक्त 108 81<sup>o</sup>  
 पौरुषुद्विदक्षुभि 74 1<sup>o</sup>  
 पौरुषमास्या यथा शशी 112 15<sup>d</sup>  
 पौरुस्य पुररपंभ 31 126<sup>b</sup>  
 पौलोमा कालस्याश्च 3 74<sup>o</sup>  
 पौलोमी सत्यमामा च 92 57<sup>o</sup>  
 पौलोम्येव पुरदर 88 35<sup>d</sup>  
 प्रत्रपादुरगापगम् 71 43<sup>b</sup>  
 प्रकाशदानश्चिरम् 46 20<sup>o</sup>  
 प्रकाशदानक्षणा 67 16<sup>b</sup>  
 प्रशाशा मन्त्रमपया 74 12<sup>o</sup>  
 प्रकाश जीवितभय 109 10<sup>o</sup>  
 प्रकाशादनपर्वत 60 16<sup>b</sup>  
 प्रकीणदामनीरपु 68 2<sup>o</sup>  
 प्रकीर्णश्च कुपाभिप्राः 74 10<sup>o</sup>  
 प्रकुवीमहि गा सम्यक् 16 10<sup>o</sup>

प्रकृतयोऽनुयास्यन्ति 78 21<sup>०</sup>  
 प्रकृतियों विकारेषु 113 37<sup>०</sup>  
 प्रकृतिरिक्तारिमका 113 32<sup>०</sup>  
 प्रकृतिस्थेषु लोकेषु 36 40<sup>०</sup>  
 प्रकृति सा मम परा 104 10<sup>०</sup>  
 प्रकृतीशालार्थेषु च 86 75<sup>०</sup>  
 प्रकृत्यावस्थिता सारा 113 2<sup>०</sup>  
 प्रकृत्यैवैदमादित 113 33<sup>०</sup>  
 प्रकृष्टमायु समवाप्य दुर्लभं 118 43<sup>०</sup>  
 प्रकोप सुमहानभूत् 2 19<sup>०</sup>  
 प्रक्रियासु सपशु च 31 94<sup>०</sup>  
 प्रकीडिताश्च ते सर्वे 58 15<sup>०</sup>, 18<sup>०</sup>  
 प्रक्षीणवृष्णकाष्ठ च 52 9<sup>०</sup>  
 प्रक्षेप्तुमैच्छद्भ्राया 90 11<sup>०</sup>  
 प्रक्षेप्यमाना बहव 33 27<sup>०</sup>  
 प्रक्षयातल्पपौर्य 112 126<sup>०</sup>  
 प्रक्षयातल्परीयस्य 30 57<sup>०</sup>  
 प्रक्षयात सारवामयम् 20 34<sup>०</sup>  
 प्रक्षयात स्वेन कर्मणा 20 18<sup>०</sup>  
 प्रक्षयाता किं भयान्विता 107 23<sup>०</sup>  
 प्रक्षयातास्त्रिषु लोकेषु 23 86<sup>०</sup>  
 प्रक्षयाता सन्न बहव 110 24<sup>०</sup>  
 प्रगाढं यत्नमास्थाय 70 9<sup>०</sup>  
 प्रगृहीतदारसन्तम् 5 44<sup>०</sup>  
 प्रगृहीतदारसन्ता 81 93<sup>०</sup>  
 प्रगृहीते ततो धर्मे 117 44<sup>०</sup>  
 प्रगृहीतोत्तमादुधा 37 14<sup>०</sup>  
 प्रगृह्य रणमूर्धनि 108 41<sup>०</sup>  
 प्रगृह्यान्नाव धनु 20 32<sup>०</sup>  
 प्रगृह्य भोजरात्रस्य 96 42<sup>०</sup>  
 प्रकृताशेषप्रधिक श्रिया 74 15<sup>०</sup>  
 प्रकृताम सभा शुभाम् 42 13<sup>०</sup>  
 प्रकृद्विध सातुभि 61 48<sup>०</sup>  
 प्रकिञ्चन्तौ च पादपान् 58 3<sup>०</sup>  
 प्रकेतस सुचेनस्तु 23 133<sup>०</sup>  
 प्रकेत सु मदीरद् 2 34<sup>०</sup>  
 प्रकेतान्तस्य चारमन् 23 133<sup>०</sup>  
 प्रकृष्टैरभिरक्षिता 47 3<sup>०</sup>  
 प्रकीर्तस भृदा तदा 89 32<sup>०</sup>  
 प्रकाशमस्य चाभिभो 11 10<sup>०</sup>  
 प्रजाता पुत्रमेगमे 49 1<sup>०</sup>  
 प्रजाधर्मं च काम च 12 15<sup>०</sup>  
 प्रजा धर्मेण रक्षन् 23 151<sup>०</sup>

प्रजा धारयिता स्वयम् 6 4<sup>०</sup>  
 प्रजानामभवत्तदा 6 13<sup>०</sup>  
 प्रजानामेति सायुज्य 10 80<sup>०</sup>  
 प्रजाना पङ्क्तयो ह्येषै 40 13<sup>०</sup>  
 प्रजाना पतयो रानन् 7 49<sup>०</sup>  
 प्रजाना पुष्टिदस्य च 10 80<sup>०</sup>  
 प्रजाना पृथिवीपाल 5 49<sup>०</sup>  
 प्रजानां पोषणे नृप 5 51<sup>०</sup>  
 प्रजाना लोभद्वेषेण 44 64<sup>०</sup>  
 प्रजानां वृत्तिकानेषु 2 24<sup>०</sup>  
 प्रजाना वै हितार्थाय 43 76<sup>०</sup>  
 प्रजाना शुभमिच्छता 44 28<sup>०</sup>  
 प्रजाना सदायो धृत् 115 21<sup>०</sup>  
 प्रजापतिर्कृतं सेतु 38 26<sup>०</sup>  
 प्रजापतिरसप्तयम् 5 10<sup>०</sup>  
 प्रजापतिरिव स्थित 61 52<sup>०</sup>  
 प्रजापतिरिव स्वयम् 113 40<sup>०</sup>  
 प्रजापतिसमद्युति 35 29<sup>०</sup>  
 प्रजापतिसुत प्रभु 86 20<sup>०</sup>  
 प्रजापतीना दक्ष तु 4 4<sup>०</sup>  
 प्रजापतीना साध्याना 109 86<sup>०</sup>  
 प्रजापतेरात्मजाया 2 16<sup>०</sup>  
 प्रजापतेर्द्विनाश्रेष्ठ 3 14<sup>०</sup>  
 प्रजापाल महाद्युतिम् 5 27<sup>०</sup>  
 प्रजाभिस्तपसा चैव 7 47<sup>०</sup>  
 प्रजा भोक्तु नरर्षभ 6 30<sup>०</sup>  
 प्रजा मथुनसभवा 2 49<sup>०</sup>  
 प्रजासङ्गणयुक्तेषु 36 45<sup>०</sup>  
 प्रजा रात्रिन्विना मया 5 47<sup>०</sup>  
 प्रजा रद्भ्यश्च भारत 1 32<sup>०</sup>  
 प्रजायैत्युपयोऽध्याय 2 20<sup>०</sup>  
 प्रजावतो महारथा 23 41<sup>०</sup>  
 प्रजागानामुत नर 27 31<sup>०</sup>  
 प्रजायानामुरचाणं 2 56<sup>०</sup>  
 प्रजायश्च भवत्युत 26 28<sup>०</sup>  
 प्रजायश्च भवेत्तर 1 40<sup>०</sup>  
 प्रजाश्च पालयिष्येऽहम् 5 10<sup>०</sup>  
 प्रजाश्च विपुलात्मया 13 68<sup>०</sup>  
 प्रजाश्चैव चतुर्विधा 20 16<sup>०</sup>  
 प्रजा समनुपस्वयंति 117 37<sup>०</sup>  
 प्रजासमुद्देशकर 116 3<sup>०</sup>  
 प्रजासर्गा इदोच्यते 3 95<sup>०</sup>  
 प्रजासर्गेण तत्रत 48 50<sup>०</sup>

प्रजासु शीर्षमाणासु 31 95°  
 प्रजास्तदनुवर्गते 11 29°  
 प्रजास्तस्मिन्प्रजापतौ 5 5°  
 प्रजास्तस्यानुपालय 91 59°  
 प्रजास्तस्यापयोनिजा 1 39°  
 प्रजास्तेनानुरञ्जिता. 5 29°  
 प्रजास्तेषां पुरस्तात् 22 18°  
 प्रजास्त्रयस्त्रय मे शृणु 23 32°  
 प्रजास्त्वन्ति नरास्तदा 116 11°  
 प्रजाहितचिकीर्षया 5 42°  
 प्रजाहितोः प्रजापतिः 3 4°  
 प्रजा पार्थिव विद्दि त्व 5 48°  
 प्रजा प्राहुर्मैदपय 5 40°  
 प्रजा. समभिदुदुदु 5 41°  
 प्रजाः सवर्षेयिष्यति 2 43°  
 प्रजा रज्जोति च्वादिष्ट 3 2°  
 प्रजास्यति दु सद्मम् 109 5°  
 प्रणमिष्यन्ति मन्त्रिणः 78 21°  
 प्रणमिष्यन्ति मानवा 47 52°  
 प्रणमिष्यामि भोगिनम् 70 11°  
 प्रणम्य च जनार्दनम् 95 2°  
 प्रणम्य चादिदेवाय 40 2°  
 प्रणम्य मासेकमना पदेभ्यु यः 111. 11°  
 प्रणम्य मुनिपुत्रवम् 35 71°  
 प्रणम्य शिरसा कृष्णम् 111 12°  
 प्रणम्य शिरसा देवे 106 37°  
 प्रणम्य शिरसानत 45 22°  
 प्रणम्य शिरसा प्रभुम् 12 7°  
 प्रणयावापि कृष्णां सा 71 33°  
 प्रणयात्ता सरसीं सखी 107 58°  
 प्रणामं चक्रे सदा 83 50°  
 प्रणामायनतागत 100 59°  
 प्रणामाचनताभित्यतान् 103 17°  
 प्रणिधाय छतानयः 64 18°  
 प्रणिपत्याभिवाद्य च 106 7°  
 प्रणितुर्मनीषिणम् 10 39°  
 प्रणितुर्वैद्योधिना 92 29°  
 प्रणेतुर्हृषुतदा 112 73°  
 प्रणेतुर्भारतपंथ 9 67°  
 प्रतप्तजाम्बूतदधिप्रदुद्ध 31 120°  
 प्रतदंनया पुत्रो द्वा 23 62°  
 प्रतस्ये गरुडेनाय 91 39°  
 प्रतस्ये दुर्दिनाकारः 42 1°

प्रतस्ये द्वारकां कृष्ण 92 68°  
 प्रतापस्ते प्रकाशित. 78 20°  
 प्रतापार्थे हता मल्हा 75 28°  
 प्रतापाचनता ये हि 80 8°  
 प्रतापाचनता सर्वे 77. 30°  
 प्रतिदुर्लभं च गगने 20 43°  
 प्रतिक्षणस्य चारमत्. 28 4°  
 प्रतिगृहाण कृष्णेद 78 22°  
 प्रतिगृह्य च पर्षता 103 18°  
 प्रतिगृह्य ततो द्रोग 15 64°  
 प्रतिगृह्य तु तां पूजां 103 3°  
 प्रतिगृह्य परीक्ष्य च 92 17°  
 प्रतिगृह्य यथाविधि 87. 30°  
 प्रतिगृहीतुं चर्मैव 22 25°  
 प्रतिच्छन्नाभि भासन्ते 54 36°  
 प्रतिजमुदुर्गशादस्तं 81 51°  
 प्रतिजमुर्पयागतम् 118 7°  
 प्रतिजप्राह तं च स. 90 13°  
 प्रतिजप्राह तं वरम् 71 20°  
 प्रतिजप्राह सौ काश्य. 79. 4°  
 प्रतिजप्राह दुर्धरम् 64 16°  
 प्रतिजप्राह चक्षसा 74 27°  
 प्रतिजप्राह वै द्विज 16 13°  
 प्रतिजने महाबाहु 91 35°  
 प्रतिज्ञात च मे कृष्ण 62. 74°  
 प्रतिज्ञा पाण्डवान्प्रति 105 18°  
 प्रतिज्ञामकरोत्सु 68 1°  
 प्रतिज्ञाय वनं ययौ 28 18°  
 प्रतिज्ञायामि ते सुताम् 105 18°  
 प्रतिपद्यत माचिरम् 31 62°  
 प्रतिभानाच सोभनान् 16 31°  
 प्रतिमनुनिचातजा 75 24°  
 प्रतिपातस्तनो प्रया 35 63°  
 प्रतिरथ्य ततः संज्ञा 19 21°  
 प्रतिश्लेभं च दान्यपेने 60 28°  
 प्रतिश्लेभ स्तोत्रपद 34 30°  
 प्रतिश्लेभे चर्मणा 83 42°  
 प्रतिशारयं जगद्रथ 77 19°  
 प्रतिशारय जगद् ह 62 89°  
 प्रतिशारणीय 73 2°  
 प्रतिविष्णाय तं वृत्र 87 65°  
 प्रतिविष्णाय तं वृत्र 87 56°  
 प्रतिभुष्यानुनादिता 73 12°



प्रतिपिदे मम महे 62 14<sup>६</sup>  
 प्रतिपिद्वयु तूर्पेषु 75 36<sup>६</sup>  
 प्रतिपिद्वौ वराननौ 74 24<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठा धर्मराजस्य 9 19<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठान महात्मन 9 19<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठा योनिरैव च 6 38<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठा च शतक्रतो 21 37<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठितयज्ञास्तया 23 18<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठिता च वसुधा 83 13<sup>६</sup>  
 प्रतिष्ठिताया मेदिन्या 78 24<sup>६</sup>  
 प्रतिसधातुमईसि 99 24<sup>६</sup>  
 प्रतिसद्विद्यतामात्सा 86 36<sup>६</sup>  
 प्रतिस्मरन्तो द्विजमण्डलेषु 118 50<sup>६</sup>  
 प्रतिस्त्रोत हवाम्मस 118 35<sup>६</sup>  
 प्रतिस्त्रोताश्च भीतेव 56 8<sup>६</sup>  
 प्रतीभन्ते सद्गोमता 38 61<sup>६</sup>  
 प्रतीच्यामुत्तरस्या तु 22 16<sup>६</sup>  
 प्रतीपमक्रोत्तदा 91 6<sup>६</sup>  
 प्रतीपस्य तु सानरं 15 10<sup>६</sup>  
 प्रतीपस्य तु शतनु 23 114<sup>६</sup>  
 प्रतीपो भीमसेनस्य 23 114<sup>६</sup>  
 प्रतीयुद्रिपता मृधे 81 103<sup>६</sup>  
 प्रत्यक्षमनुमान च 117 7<sup>६</sup>  
 प्रत्यक्ष कुरु तत्स्वयम् 13 71<sup>६</sup>  
 प्रत्यक्ष शूरसेनाना 96 30<sup>६</sup>  
 प्रत्यगृह्णाद्यथाविधि 91 31<sup>६</sup>  
 प्रत्यमज्जलदुप्रभे 83 25<sup>६</sup>  
 प्रत्यप्रयवसेन्धनम् 50 16<sup>६</sup>  
 प्रत्यप्रमणीयानि 83 21<sup>६</sup>  
 प्रत्यप्रनमालेन 83 53<sup>६</sup>  
 प्रत्यङ्गिरसज्ञा श्रेष्ठा 3 54<sup>६</sup>  
 प्रत्यङ्गुला ययुर्हृष्टा 84 19<sup>६</sup>  
 प्रत्यघट रत्नानि 91 3<sup>६</sup>  
 प्रत्यबन्धदुखले 51 14<sup>६</sup>  
 प्रत्यपारगुनरैव स 61 63<sup>६</sup>  
 प्रत्ययुष्यन्गुह तदा 112 34<sup>६</sup>  
 प्रत्यक्षत वीर्यवान् 91 2<sup>६</sup>  
 प्रत्यगोच सनातनम् 12 18<sup>६</sup>  
 प्रत्याख्यातश्च सैरपि 22 29<sup>६</sup>  
 प्रत्यागच्छदरिदम् 19 21<sup>६</sup>  
 प्रत्यानीतमनोऽस्माभि 109 28<sup>६</sup>  
 प्रत्यानीता हि तेन वै 31 96<sup>६</sup>  
 प्रत्याहते चं हृणोन् 61 7<sup>६</sup>

प्रत्युक्तेऽपि च नारदे 100 26<sup>६</sup>  
 प्रत्युक्तोऽइमनेनाथ 100 82<sup>६</sup>  
 प्रत्युजगाम गोविन्द 67 17<sup>६</sup>  
 प्रत्युदृतो गोपट्टदे 49 29<sup>६</sup>  
 प्रत्युद्रम्य नराधिपान् 87 26<sup>६</sup>  
 प्रत्युद्ययुर्महात्मान 91 29<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच जनार्दनम् 29 21<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच ततो राम 83 16<sup>६</sup>, 56<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच मुनिं प्रभु 100 23<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच यदुश्रेष्ठ 86 26<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच यतोदा त 50 16<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच शुभ वाक्य 45 1<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच स त कृष्ण 70 36<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाच स्मित कृत्वा 63 10<sup>६</sup>  
 प्रत्युवागाथ सा कृष्ण 71 29<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाचाम्बुजक्षणम् 71 24<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाचार्णवधू 83 47<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाचोप्रसेन च 78 30<sup>६</sup>  
 प्रत्युवाचोरगेश्वरम् 56 35<sup>६</sup>  
 प्रत्युचुरविद्याङ्गवा 60 1<sup>६</sup>  
 प्रत्युचुर्मा पर वाक्य 100 77<sup>६</sup>  
 प्रत्युचुस्ते ततो वाक्य 100 71<sup>६</sup>  
 प्रत्युपवनासारै 70 2<sup>६</sup>  
 प्रत्युपश्र प्रभासश्च 3 32<sup>६</sup>  
 प्रत्युपस्य विदु पुत्र 3 37<sup>६</sup>  
 प्रत्येत्य द्वारका विष्णु 91 1<sup>६</sup>  
 प्रथम पदमात्मन 83 27<sup>६</sup>  
 प्रथम पापकर्मणाम् 67 21<sup>६</sup>  
 प्रथम समरातिवि 81 6<sup>६</sup>  
 प्रथम स्वामिद विभो 112 125<sup>६</sup>  
 प्रथमाद्व हन्तव्या 47 2<sup>६</sup>  
 प्रथमे श्लोपमूर्च्छिनो 76 2<sup>६</sup>  
 प्रथितश्च नभस्वश्च 7 13<sup>६</sup>  
 प्रथिता पार्वती माया 36 24<sup>६</sup>  
 प्रथिते चक्रवर्तिनाम् 65 78<sup>६</sup>  
 प्रथितोदात्तकर्मण 105 6<sup>६</sup>  
 प्रददात्तप्रितो वैभ्य 5 44<sup>६</sup>  
 प्रदावसमीजसे 28 8<sup>६</sup>  
 प्रदु कानतो मार्गं 103 18<sup>६</sup>  
 प्रददौ त मणिं बभू 29 38<sup>६</sup>  
 प्रददौ प्राङ्गणायाथ 103 27<sup>६</sup>  
 प्रददौ मधुसूदन 98 13<sup>६</sup>  
 प्रददौ वासुदेवाय 22 14<sup>६</sup>

प्रदर गह्वरोदरम् 61 57<sup>d</sup>  
 प्रदशैषिस्वा महतीं 58 32<sup>d</sup>  
 प्रदाय कुण्डले दिव्ये 92 61<sup>d</sup>  
 प्रदात्वामि यथाकाम 15 40<sup>d</sup>  
 प्रदिशामि च तेऽनघ 13 72<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तचक्रो बलवान् 15 36<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तज्वलनाभानि 92 4<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तज्वलनोपम 93 43<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तवैश्वानरतुल्यतेना 31 16<sup>d</sup>  
 प्रदीप्त पतित तनु 110 62<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तानीव तेजसा 31 87<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तानानिययिष्ये 37 38<sup>b</sup>  
 प्रदीप्ते ऽवभ्यके तदा 112 28<sup>b</sup>  
 प्रदीप्तेनाकरोद्द्विधा 91 56<sup>d</sup>  
 प्रदीप्ते ब्रह्मचारिणि 112 88<sup>d</sup>  
 प्रदीप्तोऽस्त्वभयकर 110 65<sup>d</sup>  
 प्रदीपमाना गास्तास्तु 45 31<sup>d</sup>  
 प्रदोषार्थे कदाचिनु 64 1<sup>d</sup>  
 प्रदोषेऽभ्यासतस्करे 68 4<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नघ्नोऽपहृत 109 55<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नगरिसूदनम् 89 5<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नश्च महाबल 110 18<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नश्चापि नो बाल्ये 109 29<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नस्य महाबाहो 110 8<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नस्य सुतो यस्तु 98 19<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्ने च महाबलम् 88 37<sup>d</sup> 101 17<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न कामदर्शन 99 2<sup>d</sup>, 9<sup>b</sup>  
 प्रद्युम्न प्रथमो जज्ञे 98 5<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न शत्रुकर्शन 109 85<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न शरजालैस्तान् 110 52<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्न स कथ जज्ञे 98 1<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नादिभिरर्जित 94 18<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नो द्वारका ययौ 89 8<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्नो मम पुत्रक 99 37<sup>b</sup>  
 प्रद्युम्नो रक्षिमणोस्तु 94 19<sup>d</sup>  
 प्रद्युम्ना लङ्घयन्तो वै 58 20<sup>d</sup>  
 प्रथपयितुमिच्छति 74 25<sup>d</sup>  
 प्रथर्विता यथा सिद्धा 109 18<sup>d</sup>  
 प्रधानपुरुराध्रया 117 20<sup>d</sup>  
 प्रधान पुरुर तस्मात् 1 17<sup>d</sup>  
 प्रधानं प्रथमो नव 65 95<sup>b</sup>  
 प्रधानात्मा पुरा होर 32 7<sup>d</sup>  
 प्रधानरति यतो हरि 112 14<sup>d</sup>

प्रघावस्तु ततस्तत 112 39<sup>b</sup>  
 प्रघ्माप्य बहुधा शङ्ख 110 53<sup>d</sup>  
 प्रनष्टचेतना मर्यां 116 11<sup>d</sup>  
 प्रनष्टधर्म धर्मज्ञ 116 3<sup>d</sup>  
 प्रनष्टशोका रक्षाम 113 69<sup>d</sup>  
 प्रनष्टोरगराक्षसे 31 17<sup>d</sup>  
 प्रपत्स्वपत्स्वु च 36 36<sup>d</sup>  
 प्रपत्तद्भिश्च पादपै 36 25<sup>b</sup>  
 प्रपत्स्वपत्स्वपत्स्वित च 32 16<sup>d</sup> 36 20<sup>d</sup>  
 प्रपत्स्वपत्स्वित कृत पुन 117 44<sup>d</sup>  
 प्रपत्स्वपत्स्वित कृत युगम् 117 2<sup>d</sup> 8<sup>d</sup>  
 प्रपावापीप्रसन्नोद 86 46<sup>d</sup>  
 प्रप्रेतुर्गुणुगुणावा 84 22<sup>d</sup>  
 प्रबभ्य कर्मणामेव 65 32<sup>d</sup>  
 प्रबभौ मणिपर्वत 92 23<sup>b</sup>  
 प्रयोधन महाबाहो 109 63<sup>d</sup>  
 प्रव्या सर्वनास्तात 105 3<sup>d</sup>  
 प्रभया भासमानानि 81 55<sup>d</sup>  
 प्रभयाभ्यभवन्सर्वाद् 93 41<sup>d</sup>  
 प्रभया स्य समाहृता 110 13<sup>d</sup>  
 प्रभवं तस्य वाचयस्व 100 30<sup>d</sup>  
 प्रभविन्वन्ति शालिन 117 31<sup>d</sup>  
 प्रभवोऽप्यय एव च 32 3<sup>d</sup>  
 प्रभा चन्द्रमसो यथा 118 2<sup>d</sup>  
 प्रभाजालाभिसवृत 91 27<sup>d</sup>  
 प्रभातकाले समाप्ते 35 56<sup>d</sup>  
 प्रभातारनतश्चन्द्र 67 39<sup>d</sup>  
 प्रभाया समपद्यत 51 18<sup>d</sup>  
 प्रभा येन प्रवतिता 23 10<sup>d</sup>  
 प्रभावज्ञोऽपि शक्य 59 19<sup>d</sup>  
 प्रभारक्षय कारणम् 2 55<sup>d</sup>  
 प्रभाव च महत्त्व च 13 6<sup>d</sup>  
 प्रभावात्प्रभामस्य 42 33<sup>d</sup>  
 प्रभावाद्भवद्दम् 51 19<sup>d</sup>  
 प्रभावेन नरेन्द्रस्य 23 154<sup>d</sup>  
 प्रभावेन समन्वित 10 35<sup>b</sup>  
 प्रभायो महामयि 65 18<sup>d</sup>  
 प्रभामद्भिरल्लृता 87 37<sup>d</sup>  
 प्रभामस्य तु भार्या सा 3 32<sup>d</sup>  
 प्रभाते तीर्थेयात्रायां 79 11<sup>d</sup>  
 प्रभुवैः प्रभामात्मना 30 35<sup>d</sup>  
 प्रभुवां स्तुरियनो मरुत् 45 20<sup>d</sup>  
 प्रभुभाषणलापन 50 43<sup>d</sup>

प्रभु लोकनमस्कृतम् 31 59<sup>d</sup>  
 प्रभु प्राणधनेश्वर 43 76<sup>d</sup>  
 प्रभु सर्वधनुष्मताम् 98 23<sup>d</sup>  
 प्रभु सर्वमहीक्षिताम् 81 14<sup>d</sup>  
 प्रभूतघनधान्यवत् 85 3<sup>b</sup>  
 प्रभूतमाख्यापणयान् 71 16<sup>b</sup>  
 प्रभूतयवसेन्धवान् 80 17<sup>b</sup>  
 प्रभूतरथद्वैत्यश्च 85 66<sup>b</sup>  
 प्रभूत कमलोत्पलम् 83 22<sup>d</sup>  
 प्रभूत माल्यजीवन 71 18<sup>d</sup>  
 प्रभूतायुधकल्पितम् 96 58<sup>b</sup>  
 प्रमत्ता द्वियुग वृथा 59 48<sup>b</sup>  
 प्रमत्तो मत्त एव वा 46 22<sup>d</sup>  
 प्रमथ्य च वरारोहा 91 8<sup>b</sup>  
 प्रमथ्य तरसा बली 23 153<sup>b</sup>  
 प्रमथ्य सर्वान्दैतेयान् 31 88<sup>b</sup>  
 प्रमदा वासवानुज 92 35<sup>b</sup>  
 प्रमदासु नरात्नदा 116 37<sup>d</sup>  
 प्रमदा केशवलाश्र 116 12<sup>b</sup>  
 प्रममाध दलाद्वरि 38 46<sup>d</sup>  
 प्रमाणमिति निश्चिता 117 7<sup>b</sup>  
 प्रमाण किं करिव्यति 117 7<sup>b</sup>  
 प्रमाण यदि कुरुत 11 23<sup>b</sup>  
 प्रमाण यद्यपेशसे 43 34<sup>d</sup>  
 प्रमाण विविध वृषु 30 27<sup>d</sup>  
 प्रनागाचरित सदा 11 23<sup>d</sup>  
 प्रनागाह्रतिक्रम 64 4<sup>b</sup>  
 प्रमायगणपार्थे हि 112 84<sup>b</sup>  
 प्रमायगणभूमिष्ठ 108 35<sup>b</sup> 110 44<sup>b</sup>  
 प्रमायगणमुख्याश्च 110 39<sup>b</sup>  
 प्रमायगणवंदास्य 112 125<sup>b</sup>  
 प्रमायगणदोषं तु 112 11<sup>b</sup>  
 प्रमायोन्मयनैस्तथा 75 30<sup>d</sup>  
 प्रमादात्किमुपेशसे 108 77<sup>d</sup>  
 प्रमुखस्यो वनौकसौ 72 24<sup>d</sup>  
 प्रमुखे तस्य सस्थित 113 23<sup>d</sup>  
 प्रमुखे तस्य सैम्यस्य 33 14<sup>b</sup>  
 प्रमुखे वामुदेवस्य 112 97<sup>b</sup> 113 13<sup>b</sup>  
 प्रमुखे शक्रस्य वै 112 116<sup>d</sup>  
 प्रमुखे सुमुखो ब्रह्म 33 23<sup>d</sup>  
 प्रमृष्टवैरगाधोऽथ 68 34<sup>b</sup>  
 प्रपच्छ कुरुगुण 15 39<sup>d</sup>  
 प्रपच्छन्ति युधिष्ठिर 11 10<sup>d</sup>

प्रयच्छन्ती महात्मने 96 31<sup>f</sup>  
 प्रयतिव्याप्ति दवेन्द्र 21 33<sup>b</sup>  
 प्रययुर्द्वारिका हृदा 88 29<sup>b</sup>  
 प्रययुर्वृष्णयश्चाभ्ये 87 29<sup>b</sup>  
 प्रययु पुरुपर्यभा 113 6<sup>b</sup>  
 प्रययौ केशवौ रणे 109 91<sup>d</sup>  
 प्रययौ त्वरया युक्त 110 43<sup>b</sup>  
 प्रययौ द्वारका चापि 113 44<sup>b</sup>  
 प्रययौ रथमारुह्य 29 6<sup>b</sup>  
 प्रययौ स्वपुर तत 88 30<sup>d</sup>  
 प्रययौ स्वा पुरीं तत 88 28<sup>d</sup>  
 प्रयागे पृथिवीपात 21 9<sup>d</sup>  
 प्रयात सह सेनया 101 18<sup>d</sup>  
 प्रयाता नन्दनस्वेद 52 26<sup>b</sup>  
 प्रयाता सर्वतोदिशाम् 3 17<sup>b</sup>, 21<sup>b</sup>  
 प्रयाता स्म दिशः सौम्याम् 102 23<sup>b</sup>  
 प्रयाते पुण्डरीकाक्षे 88 30<sup>b</sup>  
 प्रयातो नश्यति विमो 3 22<sup>b</sup>  
 प्रयान्तमृपित्तमम् 118 6<sup>b</sup>  
 प्रयान्त प्रत्यवारयन् 9 50<sup>d</sup>  
 प्रयास्तन्ति दिशोऽसुरा 106 24<sup>f</sup>  
 प्रयास्तसि जयाय वै 15 50<sup>d</sup>  
 प्रयास्तुत्तिष्ठ गच्छाम 53 13<sup>b</sup>  
 प्रयुक्त शास्त्रकोविदैः 15 54<sup>b</sup>  
 प्रयुक्ता विज्ञमिच्छता 118 28<sup>b</sup>  
 प्रयुक्ते मन्त्रक्षरिणि 112 38<sup>b</sup>  
 प्रयुक्तैषा इदमत्र 11 22<sup>b</sup>  
 प्रयोजु कार्यमीरताम् 44 15<sup>d</sup>  
 प्रयोक्ष्यामस्तु श्रुद् 15 49<sup>b</sup>  
 प्रलम्बनरकावुभौ 31 76<sup>d</sup>  
 प्रलम्बश्च महाकाय 96 45<sup>b</sup>  
 प्रलम्बश्च महासुर 45 6<sup>b</sup>  
 प्रलम्बस्य प्रवृद्धस्य 58 33<sup>b</sup>  
 प्रलम्बस्याम्बरस्थस्य 58 53<sup>b</sup>  
 प्रलम्ब्ये मुष्टिभैरव 90 16<sup>b</sup>  
 प्रलम्ब य मूढ देवा 65 29<sup>b</sup>  
 प्रलम्ब रोहिणीसुत 58 21<sup>b</sup>  
 प्रलम्बाभ्या च बाहुभ्या 76 33<sup>b</sup>  
 प्रलम्बाम्बरभूपण 33 22<sup>b</sup> 58 28<sup>b</sup>  
 प्रलम्बे च निपातते 65 2<sup>d</sup>  
 प्रलम्बन सहानघ 58 19<sup>d</sup>  
 प्रलम्बो गोपता गत 58 16<sup>b</sup>  
 प्रलम्बो दानवोत्तम 58 14<sup>d</sup>, 20<sup>d</sup>

प्रलम्बो धेनुकस्तथा 46 25 <sup>b</sup>	प्रविशन्नैव पमच्छ 68 14 <sup>a</sup>
प्रलम्बो नाम भूत्वास्तौ 44 71 <sup>a</sup>	प्रविशन्नैव भगवान् 40 3 <sup>a</sup>
प्रलम्बोऽभ्यागमत्तेषां 58 12 <sup>a</sup>	प्रविशामो न यास्याम 56 24 <sup>a</sup>
प्रवक्तार सुनियता 65 16 <sup>a</sup>	प्रविश्य चासुरीं माया 65 39 <sup>a</sup>
प्रवक्तुमुपचक्रमे 100 30 <sup>d</sup>	प्रविश्य तास्वास्तनव 59 21 <sup>a</sup>
प्रवदन्ति मनीषिण 66 8 <sup>b</sup> 81 72 <sup>d</sup>	प्रविश्य द्वारका पुरीम् 107 84 <sup>b</sup>
प्रवरश्चारिमेजय 23 109 <sup>d</sup>	प्रविश्य श्रमकश्चित 85 44 <sup>b</sup>
प्रवरा लोकविश्रुता 107 64 <sup>d</sup>	प्रविश्यान्त पुर सखि 107 50 <sup>d</sup>
प्रवर्ग्यावर्तभूषण 31 27 <sup>d</sup>	प्रविष्ट तमसावृतम् 40 15 <sup>d</sup>
प्रवर्तता च यज्ञोऽप्य 60 13 <sup>a</sup>	प्रविष्ट शोणितपुर 107 53 <sup>a</sup>
प्रवर्तयति श्राद्धानि 13 64 <sup>a</sup>	प्रविष्ट सहवन्तव 69 1 <sup>b</sup>
प्रवर्धयन्ते तस्मिन् प्रवर्तिता 118 45 <sup>d</sup>	प्रविष्टा दानवीं मायां 35 10 <sup>a</sup>
प्रवचर्ष सहस्राक्ष 29 33 <sup>a</sup>	प्रविष्टाना महात्मनाम् 10 63 <sup>b</sup>
प्रवचर्षुर्महाघोरा 54 3 <sup>a</sup>	प्रविष्टा पुण्यसलिला 93 23 <sup>a</sup>
प्रवतुश्च शिवा वासा 32 34 <sup>a</sup>	प्रविष्टाश्च रसातलम् 43 43 <sup>b</sup>
प्रवतु सप्त मारुता 32 14 <sup>d</sup>	प्रविष्टा कुरुनन्दन 9 35 <sup>d</sup>
प्रववै व्यथयन्दैत्यान् 34 30 <sup>a</sup>	प्रविष्टे तु विल कृष्णे 28 27 <sup>a</sup>
प्रवालपुष्पशयला 62 64 <sup>a</sup>	प्रविष्टे तु मनीं तात 9 17 <sup>a</sup>
प्रवालमणिमूषण 43 19 <sup>b</sup>	प्रविष्टो न सुषालिदा 108 17 <sup>d</sup>
प्रवालरुचिराङ्गद 34 14 <sup>b</sup>	प्रविष्टोऽस्ति वृत्तश्च तत् 104 5 <sup>d</sup>
प्रवालचिकृवाङ्कुशा 92 10 <sup>d</sup>	प्रविष्टो राजचेदम तत् 71 36 <sup>d</sup>
प्रवासात्पुनरागतम् 83 6 <sup>d</sup>	प्रविष्टो राजससदम् 71 35 <sup>d</sup>
प्रविभाग पुराणा वा 6 10 <sup>a</sup>	प्रविष्टो हृष्टवदनी 79 38 <sup>a</sup>
प्रविवेश गृह शौरि 94 18 <sup>a</sup>	प्रवीरमनर्षं तथा 23 47 <sup>d</sup>
प्रविवेश गृह श्रीमान् 94 21 <sup>a</sup>	प्रवृत्तचक्र पापोऽसौ 15 48 <sup>a</sup>
प्रविवेश गृहोत्तमम् 71 54 <sup>d</sup>	प्रवृत्तधर्मां सवृत्तां 32 39 <sup>a</sup>
प्रविवेश जनादेन 92 49 <sup>d</sup>	प्रवृत्त तस्य तच्छक 15 56 <sup>a</sup>
प्रविवेश जनावृत 118 10 <sup>b</sup>	प्रवृत्तास्तसमागमे 100 16 <sup>a</sup>
प्रविवेश ततो राम 29 23 <sup>a</sup>	प्रवृत्ते क्षणदामुखे 68 10 <sup>b</sup>
प्रविवेश तपोवनम् 114 5 <sup>d</sup>	प्रवृत्ते धर्मसखरे 36 39 <sup>d</sup>
प्रविवेश नृपोत्तम 23 127 <sup>d</sup>	प्रवृत्तेषु मखेषु च 62 54 <sup>a</sup>
प्रविवेश पुर कृष्ण 110 35 <sup>a</sup>	प्रवृत्तेरिव सवृत्तम् 36 16 <sup>d</sup>
प्रविवेश पुरीं प्रीत 19 15 <sup>a</sup>	प्रवृत्ताभ्यां महावृत्ते 36 33 <sup>a</sup>
प्रविवेश मनोजवा 108 7 <sup>d</sup>	प्रवृत्तेरिन्द्रियारिभि 44 32 <sup>a</sup>
प्रविवेश महद्दहनम् 85 63 <sup>b</sup>	प्रवृत्तैश्च बहादकै 43 32 <sup>a</sup>
प्रविवेश महाबल 68 15 <sup>d</sup>	प्रवक्ष्यात् सकालना 97 33 <sup>d</sup>
प्रविवेश विनीतवत् 85 46 <sup>a</sup>	प्रवेद्यायामास गृहं 94 19 <sup>a</sup>
प्रविवेश सभामेक 109 64 <sup>a</sup>	प्रवेद्यायामास तदा 108 6 <sup>a</sup>
प्रविवेशाण्यमुखं 35 62 <sup>a</sup>	प्रवेद्यायामास भवन 99 49 <sup>a</sup>
प्रविशन्त तु वेगेन 75 1 <sup>a</sup>	प्रवेदितश्च ते सर्वे 56 12 <sup>a</sup>
प्रविशन्ति ततो राय 61 57 <sup>a</sup>	प्रवेदितां बुद्धिमता 71 2 <sup>a</sup>
प्रविशन्ति सुरध्रेष्ठ 7 54 <sup>a</sup>	प्रवष्टानि तनु स्वराया 43 45 <sup>a</sup>
प्रविशन्नैव च द्वारि 68 16 <sup>a</sup>	प्रवेष्टुमुपचक्रमे 03 9 <sup>d</sup>

प्रवेष्टुं बुगिडनं पुरम् 88 31<sup>d</sup>.  
 प्रवेष्टुं द्वारकां पुरीम् 107. 81<sup>b</sup>.  
 प्रवेष्टुं भीमविक्रमाः 107 52<sup>d</sup>.  
 प्रयाद्दरत धर्मावित् 68 17<sup>d</sup>.  
 प्रनास्तं सर्वदैवतैः 93 50<sup>d</sup>.  
 प्रशास्ता वै प्रजा लोके 50 18<sup>d</sup>.  
 प्रशंसन्तोऽद्भुतं कृतम् 96 20<sup>d</sup>.  
 प्रशाण्टकल्पपे लोके 36 45<sup>d</sup>.  
 प्रशान्तमभवद्गजः 48 18<sup>b</sup>.  
 प्रशान्तः स वनस्थस्तु 26 18<sup>d</sup>.  
 प्रभमारो महार्जुन 31 1<sup>d</sup>.  
 प्रभमिच्छाम्यहं किञ्चित् 11 29<sup>d</sup>.  
 प्रभं तमेवान्वपृच्छं 12 1<sup>d</sup>.  
 प्रभैश्च बहुभि श्रुतः 68 34<sup>b</sup>.  
 प्रभो मम समाप्तवान् 100 83<sup>d</sup>.  
 प्रभयेण दमेन च 9 10<sup>b</sup>.  
 प्रसक्तमभवद्गुदं 82 23<sup>d</sup>.  
 प्रसज्जन्तौ तु तां देवीं 99 11<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नवदनो भूत्वा 106 14<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नसखिला हृदाः 93 63<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नाश्च दिशो दश 32 34<sup>d</sup>.  
 प्रसन्ना ईसदातिनीम् 55. 34<sup>b</sup>.  
 प्रसन्ने रयि सत्तम 11 28<sup>d</sup>.  
 प्रसन्नोऽसि मद्गामते 43 37<sup>d</sup>.  
 प्रसह्य धरिषत्सत्र 20 45<sup>d</sup>.  
 प्रसह्य यदुपुंगवः 89 43<sup>d</sup>.  
 प्रसह्य हृतवान्प्रभु 97 19<sup>d</sup>.  
 प्रसह्यमितविक्रमः 92 93<sup>b</sup>.  
 प्रसादं ह्यस्य विभोः 32 6<sup>d</sup>.  
 प्रसादनार्थं लोकस्य 31 112<sup>d</sup>.  
 प्रसादनागम्य बहुष्टमाम् 118 39<sup>b</sup>.  
 प्रसादमुपयान्ति वै 59 49<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुमुखस्तत्र 106 30<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुमुखोऽहं ते 112 117<sup>d</sup>.  
 प्रसादसुखो ह्यहम् 112 124<sup>d</sup>.  
 प्रसादं कर्तुं नर्हसि 43 35<sup>d</sup>.  
 प्रसादं कुरु मे वीर 83 45<sup>d</sup>.  
 प्रसादं ते करिष्यामि 47. 59<sup>d</sup>.  
 प्रसादं यान्ति पादपाः 59. 34<sup>d</sup>.  
 प्रसादं सागरा जम्बुः 62 63<sup>d</sup>.  
 प्रसादापस्य देवस्य 13 75<sup>d</sup>. 14 13<sup>d</sup>.  
 प्रसादादमितौतसः 79 18<sup>d</sup>.  
 प्रसादात्पुण्यं तदा 17. 7<sup>d</sup>.

प्रसादे ते भुजा लक्ष्मीः 109. 90<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्य तु ततो रामः 29 29<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्यमाना भर्त्रा सा 19 6<sup>d</sup>.  
 प्रसाद्योमापति प्रभुम् 3 63<sup>b</sup>.  
 प्रसीद नाथ भीताः सा 77. 34<sup>d</sup>.  
 प्रसीद भगवन्मैत्रयम् 103. 4<sup>d</sup>.  
 प्रसीद राम भीतासि 83 42<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्त इव खे गिरिः 61. 46<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तश्चासि विद्युते 77. 43<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तं बोधयेद्यो मां 85. 42<sup>d</sup>.  
 प्रसुप्तं सूतवां गतम् 62. 94<sup>d</sup>.  
 प्रसूता देवसकाशान् 73 27<sup>d</sup>.  
 प्रसूता. पादपङ्कजः 76 17<sup>d</sup>.  
 प्रसूता. स्वेदयिन्दवः 76 17<sup>d</sup>.  
 प्रसूष्टानिस्तथैव च 75 31<sup>d</sup>.  
 प्रसेदुश्चापि सिन्धवः 32 36<sup>d</sup>.  
 प्रसेनवधकारणात् 28 17<sup>b</sup>.  
 प्रसेनश्चाथ सत्राञ्जित्. 28. 11<sup>d</sup>.  
 प्रसेनश्चोपदेवश्च 24 11<sup>d</sup>.  
 प्रसेनरसेन भूषित. 28 15<sup>d</sup>.  
 प्रसेनस्य वदं गृह्य 28 19<sup>d</sup>.  
 प्रसेने चित्रके तथा 87 47<sup>d</sup>.  
 प्रसेनो द्वारचर्यां तु 28 12<sup>d</sup>.  
 प्रस्थानं कृतवानसि 77 42<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितस्रोतचरणाम् 55 32<sup>d</sup>.  
 प्रस्थिताः सर्वे एव हि 18. 25<sup>d</sup>.  
 प्रस्थिताः स्र जलेन वै 103. 12<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितो दीर्घमध्वानं 77. 55<sup>d</sup>.  
 प्रस्थितो प्रेक्षकायुधौ 71. 6<sup>d</sup>.  
 प्रत्नवोर्षीडवर्षिणी 50 21<sup>d</sup>.  
 प्रत्नवोर्षीडिता हृष्यं 76 11<sup>d</sup>.  
 प्रत्नवस्तु नदस्तु च 54 16<sup>d</sup>.  
 प्रत्नवन्नि घना रके 66 30<sup>d</sup>.  
 प्रत्नपन्तं कृतान्तामं 85 48<sup>d</sup>.  
 प्रदरध्वं च सर्वेषु 46 26<sup>d</sup>.  
 प्रदरन्गेषु हुर्मद. 64 9<sup>d</sup>.  
 प्रदरन्तीह मद्विधा 44 42<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमभो चिचरते 65 75<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टं दानवं यत्नम् 34 33<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं गता 113 48<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं व्यापि 107. 6<sup>d</sup>.  
 प्रदुष्टमनुलं लेभे 106 40<sup>d</sup>. 108 59<sup>d</sup>.  
 प्रहर्षादिव सप्तम 106. 21<sup>d</sup>.

प्रहर्षाङ्गिगुणकम. 76 42<sup>०</sup>.  
 प्रहर्षोत्कृष्टनयना 108 9<sup>०</sup>.  
 प्रहसन्मुखलावुषम् 89 30<sup>०</sup>.  
 प्रहस्य नारदः प्राह 109 70<sup>०</sup>  
 प्रहस्य वरुणं देवं 113 44<sup>०</sup>  
 प्रहस्य सुचिरं कालम् 106 35<sup>०</sup>.  
 प्रहृतं केन सर्वासु 77 36<sup>०</sup>.  
 प्रहृतं तस्य भारत 23 65<sup>०</sup>  
 प्रहृतं नः कृत्वान्तेन 77, 25<sup>०</sup>.  
 प्रहृतं राक्षसे नीचे 44, 34<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टमुदितं सर्वं 79 29<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टा गोहृषद्विपाः 79 33<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टास्ता वराङ्गना. 63 33<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टाः कृष्णयोपिताः 99 33<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टेनान्तरात्मना 71 41<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टैर्षीद्वेषधरेः 94 21<sup>०</sup>.  
 प्रहृष्टो ब्राह्मणस्यात 103 28<sup>०</sup>.  
 प्रह्लादबलिशाम्बरैः. 96 65<sup>०</sup>.  
 प्रह्लादमभिमौजसम् 4 4<sup>०</sup>.  
 प्रह्लादश्रेय वीर्यवान् 3, 59<sup>०</sup>.  
 प्रह्लादोऽधशिराः कुम्भ 31 71<sup>०</sup>.  
 प्रह्लादनाथं च गर्वा 55 12<sup>०</sup>.  
 प्राकारवने निव्यस्य 90 11<sup>०</sup>.  
 प्राकाररसंपद्मां 93 24<sup>०</sup>.  
 प्राकारस्तस्य वेदमन. 94 6<sup>०</sup>.  
 प्राकारस्य च या गति. 86 9<sup>०</sup>.  
 प्राकारेणार्कवर्णेन 86 50<sup>०</sup> 93 12<sup>०</sup>.  
 प्राकरिहृषशोभितम् 108, 1<sup>०</sup>.  
 प्राकारो वै हिरण्यवः 93 67<sup>०</sup>.  
 प्राकृतस्यापि ज्ञापते 78 5<sup>०</sup>  
 प्राकृतस्यापि सर्वेशः 105 2<sup>०</sup>  
 प्राक्कामदसुरो युद्धे 36 58<sup>०</sup>  
 प्राक्कस्यैव परिधमस्ता 66 28<sup>०</sup>  
 प्रागल्भ्यं यामिष तोषदाः 24 29<sup>०</sup>.  
 प्रागेन जडि दानवम् 58 49<sup>०</sup>  
 प्रागेव कृतबुद्धिमान् 86 33<sup>०</sup>  
 प्रागेव च अरेऽग्नेय 67 3<sup>०</sup>  
 प्रागेव धरणीं गते 44 3<sup>०</sup>  
 प्रागेव वसुदेवस्य 49 1<sup>०</sup>  
 प्रागेवाभिमतो मम 78 7<sup>०</sup>  
 प्राग्ज्योतिषपतिस्तदा 91 8<sup>०</sup>  
 प्राग्ज्योतिषपुरे चापि 45, 8<sup>०</sup>  
 प्राग्ज्योतिषमुपाद्भवत् 91, 52<sup>०</sup>.

प्राग्ज्योतिषे तौ भौमस्य 44 74<sup>०</sup>.  
 प्राग्दशं सप्त सप्तकाः 7 35<sup>०</sup>.  
 प्राग्लोके परमं यथा. 12 3<sup>०</sup>  
 प्राग्वंशकावो वृत्तिमान् 31 26<sup>०</sup>.  
 प्राग्धरं यज्ञम्भि च 31 7<sup>०</sup>.  
 प्राङ्मुखश्चारुनिर्मुक्त 74 14<sup>०</sup>.  
 प्राङ्मुखैश्चारुनिर्मुक्तैः 74 3<sup>०</sup>  
 प्राङ्मुखै सिन्धुमानैश्च 53 27<sup>०</sup>.  
 प्राचीनवर्द्धिर्भगवान् 2 29<sup>०</sup>.  
 प्राचीनवर्द्धिषं युक्तं 2 28<sup>०</sup>  
 प्राचीनवर्द्धिरभवत् 2 30<sup>०</sup>  
 प्राचीनामा कुशास्तस्य 2 30<sup>०</sup>  
 प्राच्यैश्च दक्षिणार्थैश्च 81 100<sup>०</sup>.  
 प्राजापत्यं च यत्तैः 112 95<sup>०</sup>.  
 प्राजापत्येन कर्मण्य 35 43<sup>०</sup>.  
 प्राजापत्येन विधिना 43 42<sup>०</sup>.  
 प्राजास्यापि सतो मम 49 6<sup>०</sup>.  
 प्राज्ञानां वचन काले 15, 53<sup>०</sup>  
 प्राज्ञलिङ्गैरुडम्बजम् 103, 4<sup>०</sup>  
 प्राज्ञलिङ्गैश्चमनवीत् 9 8<sup>०</sup>, 113 3<sup>०</sup>.  
 प्राज्ञलि प्रणता भूत्वा 8 9<sup>०</sup>.  
 प्राज्ञलि प्रत्यवेदयत् 8 21<sup>०</sup>  
 प्राज्ञलि समुपस्थाप 103, 2<sup>०</sup>.  
 प्राणद्वैतैर्देहा गणा 108 70<sup>०</sup>  
 प्राणद्वय महाबल 62 41<sup>०</sup>.  
 प्राणयोनिस्तु भूतानां 86 64<sup>०</sup>.  
 प्राणस्यैव बहिःश्वरः 67, 20<sup>०</sup>.  
 प्राणारमानं च मानसम् 30 51<sup>०</sup>  
 प्राणानां वा बुद्धस्य वा 15 41<sup>०</sup>.  
 प्राणान्नाशयते शृङ्गम् 40 30<sup>०</sup>  
 प्राणान्वापि परित्यज्ये 19 9<sup>०</sup>  
 प्राणान्वानो समानश्च 30 47<sup>०</sup>  
 प्राणोऽलाप जयैरिणाम् 109 75<sup>०</sup>  
 प्राणोऽस्यैवति मागप 82 21<sup>०</sup>.  
 प्राणोऽस्यैवामि वा प्रियात् 107, 83<sup>०</sup>.  
 प्राणोऽस्यैवाम्यर्द्धं युष्मे 107, 76<sup>०</sup>.  
 प्राणिनां सियत्तं हृष 11 11<sup>०</sup>.  
 प्राणेश्वरैश्च निष्कृत्य 47 25<sup>०</sup>  
 प्राणे प्रियतरो निर्ये 108 50<sup>०</sup>.  
 प्राणे सद् दुरासदा 65 26<sup>०</sup>.  
 प्राणेः सद् ननाद् च 50 21<sup>०</sup>.  
 प्राणोऽग्नेर्गुण्युदनः 30 33<sup>०</sup>  
 प्राणोऽप रमणस्यया 3 31<sup>०</sup>.

प्राणो बृहस्पतिश्चैव 7 11<sup>१</sup>  
 प्राणोऽस्य प्रथम स्थान 30 48<sup>१</sup>  
 प्रादाद्य तस्मै भगवान् 10 51<sup>१</sup>  
 प्रादात्त्वान्या बुक्त्वास्मै 18 5<sup>१</sup>  
 प्रादात्कृष्ण प्रतीताय 79 23<sup>१</sup>  
 प्रादादाहृद्द्रव्यो नृप 80 3<sup>१</sup>  
 प्रादाद्ययोस्तित क्षीर 2 26<sup>१</sup>  
 प्रादुरास महात्मन 114 10<sup>१</sup>  
 प्रादुरासद्धतो रौद्रा 112 68<sup>१</sup>  
 प्रादुरासीन्ममानव 15 1<sup>१</sup>  
 प्रादुरासीन्महात्मन 110 8<sup>१</sup>  
 प्रादुरासीन्महात्मन 81 91<sup>१</sup>  
 प्रादुर्बभूव तुमुल 81 90<sup>१</sup>  
 प्रादुर्बभूव दातदा 52 29<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भक्ति कार्यत 31 13<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भक्ति कार्यवान् 31 14<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भयति मायया 23 143<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावसदस्त्राणि 31 10<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भाव प्रकीर्तित 31 20<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावानुकीतनम् 31 151<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावानुकीतनात् 31 152<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावानुकीर्तने 31 150<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावा महात्मन 31 148<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावाश्च ये त्रिभो 30 2<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावाश्च वै नृप 68 37<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावाश्च वक्ष्यामि 31 13<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावा पुराणेषु 31 149<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावाऽद्युत द्युम 31 100<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भावो महात्मन 31 21<sup>१</sup>, 92<sup>१</sup>, 93<sup>१</sup>, 100<sup>१</sup>, 109<sup>१</sup>,  
 143<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भूत समन्तत 107 8<sup>१</sup>  
 प्रादुर्भूते दिवाकरे 109 64<sup>१</sup>  
 प्रादुश्चकार दिव्यानि 88 21<sup>१</sup>  
 प्रादुश्चके तदा रौद्रम् 112 87<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिगणयो सहये 109 73<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिमपराजितम् 108 64<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिमपराजित 108 58<sup>१</sup>, 81<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिमवक्षणे 108 85<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिष्वसत्सुप्रम् 108 1<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिनाभ्यङ्ग्यत 108 67<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिर्भामिङ्गम 107 75<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रियत्र सोप्रतम् 109 79<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिर्विशिखर्वद् 108 83<sup>१</sup>

प्राद्युस्त्रिर्बृहन्नद्यापि 108 27<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिवधकाङ्क्षया 108 59<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रिवधकाङ्क्षिण 108 18<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रि बुद्ध्मन्वम् 108 6<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रि क प्रवासित 109 30<sup>१</sup>  
 प्राद्युस्त्रि सायकैश्चित 112 113<sup>१</sup>  
 प्राद्रवन्त भयत्सर्वे 108 25<sup>१</sup>  
 प्राधान्येन निबोध तान् 3 65<sup>१</sup>  
 प्राधान्येनेह कीर्तिता 10 79<sup>१</sup>  
 प्राध्यायङ्गुह हरि 109 81<sup>१</sup>  
 प्राद्युयव भये जाते 112 116<sup>१</sup>  
 प्रापयिष्यति कामग 91 36<sup>१</sup>  
 प्रापयिष्याम तत्सर्वे 92 15<sup>१</sup>  
 प्रापित भयतामिह 96 65<sup>१</sup>  
 प्रास्यौचनदेहस्तु 79 2<sup>१</sup>  
 प्रासवानसि सर्वेषाम् 106 31<sup>१</sup>  
 प्रासवान्बलदेवस्तु 86 80<sup>१</sup>  
 प्रासव्य तपस फलम् 31 52<sup>१</sup>  
 प्रास च दिदि देवेषु 96 67<sup>१</sup>  
 प्रास चक्रमह वीरो 59 2<sup>१</sup>  
 प्रास हर्षतले मया 107 45<sup>१</sup>  
 प्रास परमधर्मज्ञ 9 39<sup>१</sup>  
 प्रास त सुनितसत्तम 23 92<sup>१</sup>  
 प्रास सुरसभामिनाम् 44 19<sup>१</sup>  
 प्रासत किलेष हि रात्रां 59 31<sup>१</sup>  
 प्रासा चैकार्णवा राज्ञो 61 20<sup>१</sup>  
 प्रासानि विधिना राज्ञा 23 145<sup>१</sup>  
 प्रासा ममालय विष्णो 41 23<sup>१</sup>  
 प्रासाया गृहमेधिनाम् 68 5<sup>१</sup>  
 प्रासाया प्रावृष क्षये 59 57<sup>१</sup>  
 प्रासातिष्टमिचात्मान 65 6<sup>१</sup>  
 प्रासातिष्टाय भूर्धाय 71 12<sup>१</sup>  
 प्रासा वय च धर्म इव 116 2<sup>१</sup>  
 प्रासा वय हि त काल 116 2<sup>१</sup>  
 प्रासां मा सागरे नून 83 44<sup>१</sup>  
 प्रासा ऋो विषयासाध्द 77 32<sup>१</sup>  
 प्रासुक्रामैर्जय युधि 6 45<sup>१</sup>  
 प्रासु वच्छृणु मे वायव 107 62<sup>१</sup>  
 प्रास कसस्य शासने 47 36<sup>१</sup>  
 प्रास कृष्णे मद्भामाणे 113 52<sup>१</sup>  
 प्रास दिनश्रुपरमे 68 10<sup>१</sup>  
 प्रासो दानपरिद्वेजम् 68 13<sup>१</sup>  
 प्रासो देव्या प्रसादेन 107 55<sup>१</sup>

प्रासोऽन्तकालो लोकाना 61 20<sup>a</sup>  
 प्रासो भवति कर्मणा 89 41<sup>b</sup>  
 प्रासोऽप्य पुण्डरीकाक्ष 113 54<sup>c</sup>  
 प्रासोऽप्य स्वपुरीं हरि 113 66<sup>d</sup>  
 प्रासो रुक्मिणिनन्दन 109 29<sup>d</sup>  
 प्रासो वृन्ददावन वनम् 53 20<sup>f</sup>  
 प्रासौ परमदाखाद्य 58 9<sup>a</sup>  
 प्रासुयाच्च महद्यस 8 48<sup>d</sup>  
 प्रासुयाच्च सुरोत्तम 42 29<sup>b</sup>  
 प्रासुवन्तीह देवता 13 32<sup>c</sup>  
 प्रासोति शीघ्र भगवत्प्रसादात् 31 153<sup>d</sup>  
 प्रासोतु तुमुल भयम् 81 48<sup>d</sup>  
 प्रासोतु सुगतिं तत्र 78 29<sup>a</sup>  
 प्राप्यते यदिहास्माभि 113 59<sup>a</sup>  
 प्राप्य पुण्यकृताल्लोकान् 92 49<sup>a</sup>  
 प्राप्य योगगतिं सिद्ध 19 28<sup>a</sup>  
 प्राप्य योगमवाप्स्यथ 17 8<sup>d</sup>  
 प्राप्य योग वनादेव 19 27<sup>a</sup>  
 प्राप्य लोहितकूपानि 97 13<sup>a</sup>  
 प्राप्यावभृथमव्यग्र 20 27<sup>a</sup>  
 प्राप्येद्वाकुडुल महत् 42 47<sup>b</sup>  
 प्राप्येवाद्युत्तमत्तम् 32 33<sup>d</sup> 37 2<sup>d</sup>  
 प्राप्यते नात्र सदाय 16 11<sup>d</sup>  
 प्राप्यते नृप सस्कार 78 32<sup>a</sup>  
 प्राप्यते विपुल यदा 62 71<sup>d</sup>  
 प्राप्यन्ते हासमायुष 117 3<sup>d</sup>  
 प्राप्यसि ख न सदाय 31 46<sup>d</sup>  
 प्राप्यते सपञ्चकियाम् 47 51<sup>d</sup>  
 प्राप्यसे सिद्धियुत्तमाम् 14 9<sup>d</sup>  
 प्राप्यसे सुमहपुद्गम् 106 36<sup>d</sup>  
 प्राप्यतो गर्भं यदास 47 36<sup>d</sup>  
 प्रापुष्यत महातेजा 40 36<sup>d</sup>  
 प्रायच्छद्भिदित तत्र 15 64<sup>d</sup>  
 प्रायसो भुवि देहिनाम् 40 30<sup>d</sup>  
 प्रायश्चित्तत्रिपार्थे से 12 28<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्तनखो धीर 31 24<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्त चारुष्य वे 12 24<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्तानि चारुष्ये च 31 8<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्तानि धर्मेश 12 26<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्तार्थतपसा 12 27<sup>a</sup>  
 प्रायश्चित्त पितृमदम् 12 23<sup>a</sup>  
 प्रायात्रिकाश्रुदै सभारान् 109 76<sup>a</sup>  
 प्रायात्परस्वपञ्चुं 18 6<sup>a</sup>

प्रायादुत्तङ्गसहित 9 64<sup>a</sup>  
 प्रायोपयमह रिपुम् 15 58<sup>a</sup>  
 प्रायेनां वा मण्डुकेषु 28 17<sup>a</sup>  
 प्रायेयन्ति परां गतिम् 35 36<sup>d</sup>  
 प्रायेयन्सुमहद्यता 2 10<sup>d</sup>  
 प्रायेत परम वरम् 23 140<sup>d</sup>  
 प्रायेत सुमहावता 3 99<sup>d</sup>  
 प्रायोभयत सखिता 99 10<sup>d</sup>  
 प्रायैत्र पयु सोम 5 5<sup>a</sup>  
 प्रायैतयश्च सप्राम 110 21<sup>a</sup>  
 प्रायैगत च गोविन्द 75 16<sup>a</sup>  
 प्रायैशान्वलसालिन 74 20<sup>d</sup>  
 प्रायैप्रवृत्तिं सटस्य 54 21<sup>a</sup>  
 प्रायैच चामृतोपमम् 35 54<sup>d</sup>  
 प्रायैकाश्च निमङ्गयन्तां 72 10<sup>d</sup>  
 प्रायैकै समुदाहृत 75 12<sup>d</sup>  
 प्रासादवरकुण्डला 44 56<sup>b</sup>  
 प्रासादवरचतवै 93 31<sup>d</sup>  
 प्रासादवरसपथै 93 38<sup>d</sup>  
 प्रासादशतशोभितम् 94 1<sup>d</sup>  
 प्रासादक्षिरराणि च 94 28<sup>b</sup>  
 प्रासादक्षत्र सुमदान् 94 3<sup>a</sup>  
 प्रासाद चैव हेमाभ 93 39<sup>a</sup>  
 प्रासादाञ्चारोदन्त 108 20<sup>a</sup>  
 प्रासादैरुपशोभित 92 22<sup>d</sup>  
 प्रासादैरुपशोभिता 86 47<sup>d</sup>  
 प्रासादैरुपशोभिताम् 107 87<sup>d</sup>  
 प्रासादो हरितप्रम 93 47<sup>d</sup>  
 प्रासा चै सोमरान्तया 81 34<sup>d</sup>  
 प्रासै पाशैश्च रङ्गैश्च 33 29<sup>d</sup>  
 प्रासै पाशैश्च मुद्गैश्च 37 19<sup>d</sup>  
 प्रासै पाशैश्च विततै 33 12<sup>d</sup>  
 प्रास्वर्धस्सह हृष्येन 87 13<sup>d</sup>  
 प्राह कृष्ण प्रतापवान् 112 89<sup>d</sup>  
 प्राह रामभीरवा गिरा 112 83<sup>d</sup>  
 प्राह देवो ततो वासपम् 107 11<sup>d</sup>  
 प्राह सपथे गहीरिकाम् 100 24<sup>d</sup>  
 प्राहर्गमुष्टिना मूर्ध्नि 75 4<sup>d</sup>  
 प्राह वासप स वासपते 109 24<sup>d</sup>  
 प्राहिणोत्तमसद्रेन 108 72<sup>d</sup>  
 प्राहियारवाशेऽ शूरात् 87 30<sup>d</sup>  
 प्राहिणोत्तममादनम् 87 57<sup>d</sup>  
 प्रांशुनाकारसंपन्ना 44 83<sup>d</sup>



प्रियका स्वर्णकास्तथा 59 54<sup>६</sup>  
 प्रियकै पुष्टितैगौर 59 32<sup>६</sup>  
 प्रिययूतश्च रामोऽसौ 89 20<sup>६</sup>  
 प्रियभोगेष्वव्यभिचिता 77 11<sup>६</sup>  
 प्रियमावेदुषिष्यामि 106 20<sup>६</sup>  
 प्रियमिच्छसे चेतकतुं 93 3<sup>६</sup>  
 प्रियया प्रीयमाणया 88 35<sup>६</sup>  
 प्रियव्रतोत्तानपादौ 2 6<sup>६</sup>  
 प्रियस्तेऽह महाबाहो 104 18<sup>६</sup>  
 प्रिय द्यूतार्थकाविदा 108 9<sup>६</sup>  
 प्रियं नायमपश्यन्त्य 109 1<sup>६</sup>  
 प्रिय प्रीतस्य भाषितम् 62 99<sup>६</sup>  
 प्रिय प्रोवाच वचन 99 16<sup>६</sup>  
 प्रिय मधुरभाषिण 83 6<sup>६</sup>  
 प्रिया दुहितरस्तया 92 23<sup>६</sup>  
 प्रियाम्या बह्वाक्षरूप 80 7<sup>६</sup>  
 प्रियामिव सर्षीं सखा 96 15<sup>६</sup>  
 प्रियापास्तनया नृप 7 40<sup>६</sup>  
 प्रियार्थं वीरपत्नीभ्या 80 7<sup>६</sup>  
 प्रिया च परमेष्ठिने 3 13<sup>६</sup>  
 प्रियो भेजसि धनञ्जय 104 18<sup>६</sup>  
 प्रियोऽस्ति मम दुर्वाणे 71 29<sup>६</sup>  
 प्रीणयस्वसिद्ध जगत् 59 7<sup>६</sup>  
 प्रीणयस्वैव न सर्वान् 60 2<sup>६</sup>  
 प्रीणयाय स्वकर्मेभिः 5 35<sup>६</sup>  
 प्रीणात्यसृतसमितम् 1 4<sup>६</sup>  
 प्रीणात्यस्मानसृतवत् 115 2<sup>६</sup>  
 प्रीतश्चैवान्यनन्दस 92 50<sup>६</sup>  
 प्रीतस्तु मनसा कृप्या 71 19<sup>६</sup>  
 प्रीत ब्राह्मणुपपन्नासीत् 94 8<sup>६</sup>  
 प्रीतारमा दास्यति स ते 18 31<sup>६</sup>  
 प्रीताश्च पितरो येन 11 4<sup>६</sup>  
 प्रीताश्चैव घय वीर 83 8<sup>६</sup>  
 प्रीतास्तुष्टास्तथा वयम् 96 71<sup>६</sup>  
 प्रीतिमन्व परस्परम् 12 32<sup>६</sup>  
 प्रीतिमाञ्जनमेजय 89 12<sup>६</sup>  
 प्रीतिमानभवद्राज 22 20<sup>६</sup>  
 प्रीतिमागुण्डरीकाक्ष 65 101<sup>६</sup>  
 प्रीतिमान्द्विचरिष्यामि 78 35<sup>६</sup>  
 प्रीतिरस्ते तेन रोचताम् 66 38<sup>६</sup>  
 प्रीतिं बहूति दारण्याम् 65 64<sup>६</sup>  
 प्रीतेन मनसा युक्त 62 89<sup>६</sup>  
 प्रीतो निवेशयामास 61 64<sup>६</sup>

प्रीतोऽस्मि तव भक्तस्य 31 40<sup>६</sup>  
 प्रीतोऽस्मि दर्शनादेव 62 90<sup>६</sup>  
 प्रीतोऽस्मि धियो देवैरा 67 53<sup>६</sup>  
 प्रीतो म्यस्तव युक्तेन 42 28<sup>६</sup>  
 प्रीतो स्यो वरवाग्नि 9 10<sup>६</sup>  
 प्रीत्यर्थं कुचनन्दन 29 34<sup>६</sup>  
 प्रीत्यर्थं वज्रपाणिन 97 29<sup>६</sup>  
 प्रीत्या कौरवचनन्दन 22 14<sup>६</sup>  
 प्रीत्या च रौक्मिण्येयस्य 89 11<sup>६</sup>  
 प्रीत्या परमया युते 92 57<sup>६</sup>  
 प्रीत्या भीता च साभवत् 50 9<sup>६</sup>  
 प्रीत्या वरमनुत्तमम् 11 25<sup>६</sup>  
 प्रीत्यवा तेन भारत 12 18<sup>६</sup>  
 प्रीयता भरतवर्षभ 104 23<sup>६</sup>  
 प्रीयन्ते पितरस्तस्य 31 152<sup>६</sup>  
 प्रीयमाण शतक्रतुम् 21 26<sup>६</sup>  
 प्रीयमाणा सभा जग्मु 96 7<sup>६</sup>  
 प्रीयमाणा समाजग्मु 94 13<sup>६</sup>  
 प्रीयमाणो मयानय 11 20<sup>६</sup>  
 प्रेक्षकाणा तथैव च 72 11<sup>६</sup>  
 प्रेक्षता चानवत्प्रीति 37 4<sup>६</sup>  
 प्रेक्षन्तौ पुरुषर्षभौ 82 11<sup>६</sup>  
 प्रेक्षन्तौ मधुरां वीर 71 5<sup>६</sup>  
 प्रेक्षन्त्यो हृष्टवदना 99 32<sup>६</sup>  
 प्रेक्षमाण शिवस्य 34 17<sup>६</sup>  
 प्रेक्षमाणै प्रचलितै 81 17<sup>६</sup>  
 प्रेक्षागारमयायमी 74 17<sup>६</sup>  
 प्रेक्षागार जगामाशु 72 1<sup>६</sup>  
 प्रेक्षागार नृपोत्तम 72 2<sup>६</sup>  
 प्रेक्षागार स कस्तस्य 74 15<sup>६</sup>  
 प्रेक्षागाराण्यदूरत् 74 6<sup>६</sup>  
 प्रेक्षापूर्वे च हृण्योऽपि 85 38<sup>६</sup>  
 प्रेक्षितु सह सा क्रीमि 73 10<sup>६</sup>  
 प्रेतकार्यं विधेत् इ 78 25<sup>६</sup>  
 प्रेतकार्याणि कार्याणि 77 51<sup>६</sup>  
 प्रेतकार्याणि कुर्वते 31 131<sup>६</sup>  
 प्रवत्सुपपन्नस्य 77 49<sup>६</sup>  
 प्रेतस्त्वो तपस्विनौ 72 23<sup>६</sup>  
 प्रेतसस्कारमात्रेण 78 27<sup>६</sup>  
 प्रेत्य चेद् च ज्ञानव 59 22<sup>६</sup>  
 प्रेत्य चेद् च मोदते 11 9<sup>६</sup>  
 प्रेत्येह प्राप्स्यते फलम् 13 33<sup>६</sup>  
 प्रिययाणा वराहार्णि 77 30<sup>६</sup>

प्रेषयामास कंसस्य 46 2<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास कृष्णाय 85 34<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास रामाय 44 26<sup>o</sup>  
 प्रेषयामास सागरम् 97 26<sup>o</sup>.  
 प्रेषयामि यमक्षयम् 81 73<sup>o</sup>  
 प्रेषित. प्रीतिमानभूत् 65 100<sup>o</sup>  
 प्रेष्यकर्मकरा जना 86 10<sup>o</sup>.  
 प्रेष्यन्तां शिल्पियुक्त्वाश्च 89 10<sup>o</sup>.  
 प्रेष्योऽसाविति चिन्तयन् 87 16<sup>o</sup>.  
 प्रेरयतालन्ध्रलि 57 19<sup>o</sup>.  
 प्रोक्तवाञ्छलचारिणम् 100 35<sup>o</sup>.  
 प्रोक्तं च सर्वेषांशास्ते 113 84<sup>o</sup>.  
 प्रोक्तो जङ्गमणो मया 23 94<sup>o</sup>  
 प्रोक्षणीयं ध्रुवं चैव 30 22<sup>o</sup>  
 प्रोक्षणीं दक्षिणावन्म् 31 6<sup>o</sup>  
 प्रोक्ष्मतीभिश्च वद्वनम् 53 28<sup>o</sup>.  
 प्रोक्षयामास सर्वैत 67 26<sup>o</sup>  
 प्रोक्षयित्वा च गां ततः 16 13<sup>o</sup>.  
 प्रोक्षयित्वा च गां तदा 16 16<sup>o</sup>.  
 प्रोक्षिता खल्विमे मन्ये 81 11<sup>o</sup>.  
 प्रोच्छ्रितानि सितानि च 81 4<sup>o</sup>  
 प्रोवाच गोप्ता गोपानां 61 52<sup>o</sup>  
 प्रोवाच नृपति तदा 106 38<sup>o</sup>.  
 प्रोवाच परमदुःख. 110 67<sup>o</sup>  
 प्रोवाच पितर उदा 8 21<sup>o</sup>  
 प्रोवाच प्रियदर्शन 71 18<sup>o</sup>  
 प्रोवाच बाण समरे 112 100<sup>o</sup>.  
 प्रोवाच भगवान्गार्ह्यं 31 51<sup>o</sup>  
 प्रोवाच मयुरेश्वर 62 11<sup>o</sup>  
 प्रोवाच राज्ञि त्वेत् 106 21<sup>o</sup>  
 प्रोवाच घदन्तां वर. 106 32<sup>o</sup>  
 108 78<sup>o</sup>.  
 प्रोवाच वदन्तां श्रेष्ठ 66 2<sup>o</sup> 86 4<sup>o</sup>.  
 प्रोवाच नृपया गिरा 49 3<sup>o</sup>.  
 प्रोवाचामपितो घच 108 87<sup>o</sup>  
 प्रोवाचामितदक्षिण 69 1<sup>o</sup>  
 प्रोपितौस्तुत्रकारिण. 5-4 29<sup>o</sup>.  
 श्लक्ष्मेनाभ्यपेचयन् 4 5<sup>o</sup>.  
 श्लवगा. सप्रुवं गता 61 18<sup>o</sup>  
 श्लवङ्गिरिव पत्तिभि 81 17<sup>o</sup>  
 श्लवदेवं यथा जले 5 13<sup>o</sup>.  
 श्लवद्विगतपादस्तु 67 28<sup>o</sup>  
 शुकेलैर्द्वयते नभ 67 8<sup>o</sup>.

फ

फलकामा न संशय 11 12<sup>o</sup>.  
 फलवीजमहौपधिः 31. 25<sup>o</sup>.  
 फलवासु वृणेषु च 62 54<sup>o</sup>  
 फलवन्तश्च पादपा 62 64<sup>o</sup>.  
 फलं दत्तस्य चानघ 11. 35<sup>o</sup>.  
 फलं दुष्यस्य कर्मण 78 10<sup>o</sup>.  
 फलं प्राप्स्यति दुर्मति. 38 14<sup>o</sup>.  
 फलं प्राप्स्यन्ति तस्य वत् 12 36<sup>o</sup>.  
 फल श्राद्धस्य चानघ 12 19<sup>o</sup>.  
 फलाप्रशास्त्रिभिर्भाति 57. 6<sup>o</sup>.  
 फलादिन्द्रसमादिह 118 29<sup>o</sup>.  
 फलावदंशपूर्णश्च 74 11<sup>o</sup>.  
 फलेन तेन सर्वेण 118 16<sup>o</sup>  
 फले. प्रवालैश्च घनं 55 19<sup>o</sup>  
 फुल्लनीपद्रुमं वनम् 54 11<sup>o</sup>.  
 फेनप्रहृष्टदशनं 55 34<sup>o</sup>.  
 फेनमेखलधूमश्च 83 35<sup>o</sup>.  
 फेनहांसैर्दक्षिण्यन्ति 83 44<sup>o</sup>.  
 फेनात्तु सुवपा ज्यो 23 27<sup>o</sup>

घ

घदरीपलमात्रं वै 21 30<sup>o</sup>  
 घदगोधाङ्गुलिग्रैश्च 108 54<sup>o</sup>.  
 घदगङ्गवतीषु च 59 52<sup>o</sup>.  
 घदगोता दिशा. सर्वे 63 14<sup>o</sup>.  
 घदपासासु धेनुषु 68 6<sup>o</sup>.  
 घदवस्तेव सौरभी 50 7<sup>o</sup>.  
 घदस्त्व विला नृप 106 26<sup>o</sup>.  
 घद. प्राद्युष्मिदाहये 108 84<sup>o</sup>  
 घदरुद्रपिताम्बरं 49 28<sup>o</sup>.  
 घदो नागैर्महाबल 109 74<sup>o</sup>.  
 घदो वत्स ह्योदरे 51 23<sup>o</sup>  
 घद्या पतित्रं हठम् 56 1<sup>o</sup>.  
 घद्या पितरमाहुकम् 80 4<sup>o</sup> 96 26<sup>o</sup>.  
 घन्दिमागधसूतानां 110 1<sup>o</sup>.  
 घन्पुत्रीयाभितप्रासु 59 52<sup>o</sup>.  
 घन्पुभिश्च समागमम् 68 13<sup>o</sup>  
 घयापे तं गज कृष्ण 74 25<sup>o</sup>  
 घभाजिते रघान्नेचिन् 37. 32<sup>o</sup>.  
 घभञ्जुर्बाहुभिर्पाहन् 37 26<sup>o</sup>.  
 घभार रूप मोमाहं- 110 2<sup>o</sup>.  
 घभार विनये स्थित. 10 1<sup>o</sup>  
 घभारे कृष्णान्ध्रवम् 50 26<sup>o</sup>.



बलमोजश्र माधव 97. 21<sup>d</sup>  
 बलयश्चानुरूपत 72 8<sup>d</sup>  
 बलयश्चोपकल्पन्ता 72 10<sup>d</sup>  
 बलराष्ट्राभिसवृता 81 12<sup>f</sup>  
 बलवन्तो मनस्विन 16 15<sup>f</sup>  
 बलवन्तो महाराथा 80 16<sup>b</sup> 88 44<sup>d</sup>  
 बलवान्मद्लोलाक्ष 73 2<sup>d</sup>  
 बलवान्सवसपन्न 108 92<sup>d</sup>  
 बलवीर्यप्रवतिना 99 19<sup>b</sup>  
 बलश्रेय महाबल 3 77<sup>b</sup>  
 बलश्री शिविरस्य वै 81 26<sup>b</sup>  
 बलस्यो वा स्थितो रक्षे 75 13<sup>f</sup>  
 बल तद्भवतिक्षतौ 110 44<sup>d</sup>  
 बल तावद्विमृश्यताम् 81 7<sup>d</sup>  
 बल तु बलदेवस्य 58 58<sup>d</sup>  
 बल प्रद्युम्नमेव च 112 33<sup>d</sup>  
 बल बलवदुद्धत 34 50<sup>f</sup>  
 बल भग्न समालोक्य 112 12<sup>f</sup>  
 बल रणौघान्मुद्रयाम्युदीर्णं 33 32<sup>d</sup>  
 बल सुराणामसुरे 35 11<sup>f</sup>  
 बलाकाशो महीपति 23 81<sup>d</sup>  
 बलाकोरपातभूषणान् 54 22<sup>b</sup>  
 बलारकुर्वन्ति पादवम् 66 4<sup>d</sup>  
 बलादपि न सशय 59 60<sup>b</sup>  
 बलाद्यश्चमिवायसम् 71 51<sup>b</sup>  
 बलाहर्षं प्रवर्तितम् 77 29<sup>d</sup>  
 बलाध्यक्षाश्च युक्ताश्च 86 75<sup>f</sup>  
 बलानि च न सशय 15 40<sup>b</sup>  
 बलानि च ससैन्यानि 84 11<sup>f</sup>  
 बलानि पृथिवीक्षिताम् 81 33<sup>b</sup>  
 बलाहकतनूरुदम् 32 21<sup>b</sup>  
 बलाहकाञ्जननिभ 32 21<sup>b</sup>  
 बलिना विष्णुना पुरा 31 69<sup>b</sup>  
 बलिनौ युद्धशालिनौ 72 14<sup>b</sup>  
 बलिपुत्रो रणक्षायी 106 5<sup>f</sup>  
 बलिभागस्य पाथिवा 116 5<sup>b</sup>  
 बलिर्ज्ञे विरोचनात् 3 60<sup>f</sup>  
 बलिर्मानुषयोनौ तु 23 27<sup>f</sup>  
 बलिर्विष्णुबलाक्रान्त 106 26<sup>f</sup>  
 बलिवासवयोरिष 109 73<sup>d</sup>  
 बन्धिसूनिर्द वास्य 106 7<sup>f</sup>  
 बन्धि दान्ति परां ययौ 23 31<sup>d</sup>  
 बली बाणमैहावलम् 87 64<sup>b</sup>

बली विष्णुदक्ष य 26 21<sup>d</sup>  
 बलेन च परार्धेन 60 6<sup>d</sup>  
 बलेन च समन्वित 10 37<sup>b</sup>  
 बलेन बलिना चरौ 31 114<sup>d</sup>  
 बलेन महता वृत 80 2<sup>b</sup> 88 3<sup>d</sup>  
 बलेन महता वृता 87 32<sup>d</sup>  
 बलेन महता वृता 81 103<sup>b</sup>  
 बलेनाप हतो दैत्य 58 57<sup>d</sup>  
 बलेनास्त्रबलेन च 15 59<sup>b</sup>  
 बलेनोदकराक्षसम् 9 75<sup>b</sup>  
 बले महति तस्थिवान् 44 23<sup>d</sup>  
 बलेर्बलवतो यज्ञे 31 69<sup>d</sup>  
 बलेर्द्वैस्ताग्निभि क्रमै 62 82<sup>b</sup>  
 बलेस्तु प्रह्लाणा दत्त 23 30<sup>d</sup>  
 बलेस्त्रिभुवन हरि 97 21<sup>d</sup>  
 बले पुत्रशत त्वासीत् 3 61<sup>d</sup>  
 बले पुत्रेण चाणेन 108 14<sup>f</sup>  
 बले पुत्रो महावीर्य 97 23<sup>f</sup>  
 बले सकाशादैत्यस्य 42 35<sup>f</sup>  
 बले सुतसुता च स्व 107 23<sup>f</sup>  
 बले सुतो महावीर्य 105 12<sup>f</sup>  
 बलौघप्रतिवारणा 84 15<sup>d</sup>  
 बलौघानां परिक्षय 82 6<sup>b</sup>  
 बलीधिरभिपीडिता 81 13<sup>d</sup>  
 बहुधरवं प्रकुर्वत 50 1<sup>d</sup>  
 बहुधाय निवेद्यताम् 56 16<sup>b</sup>  
 बहुधश्चैव राजान 90 6<sup>d</sup>  
 बहुध क्षत्रिया दूरा 42 49<sup>f</sup>  
 बहुध पारतन्त्रिण 39 16<sup>b</sup>  
 बहुध पुरपरंभा 1 9<sup>b</sup>  
 बहुधो ज्ञानयश्चैव 85 29<sup>f</sup>  
 बहुधो दानया हता 38 7<sup>d</sup>  
 बहुधुरिकस्युक्तं 58 54<sup>f</sup>  
 बहुधवाप्राप्तुकीर्तिता 23 160<sup>f</sup>  
 बहुधारां मनोरमाम् 9 26<sup>d</sup>  
 बहुधा ब्रह्म साधतम् 32 6<sup>d</sup>  
 बहुधनेत्र रक्षत 59 43<sup>d</sup>  
 बहुधुपयस्य विदुष 3 54<sup>f</sup>  
 बहुभिर्द्वयगर्भै 03 22<sup>d</sup>  
 बहुभि काशर्मर्ष 59 15<sup>d</sup>  
 बहुभि कश्चनित्थी 37 44<sup>d</sup>  
 बहुधायनका हाहा 116 24<sup>d</sup>  
 बहुधारासमाकीर्णा 07 33<sup>d</sup>

बहुवर्षसहस्रिके 12 4<sup>१</sup>  
 बहुविधसुचममन्यदेव च 90 19<sup>१</sup>  
 बहुधा सर्वभूतारमा 31 13<sup>१</sup>  
 बहुपाल महाव्रतसम् 24 35<sup>१</sup>  
 बहुवक्त्रेण मार्गेण 49 15<sup>१</sup>  
 बहुनां स्त्रीसहस्राणाम् 98 1<sup>१</sup>  
 बहुनि विप्रगोत्राणि 35 28<sup>१</sup>  
 बहुन्याश्रयभूतानि 105 4<sup>१</sup>  
 बहुन्वर्षगणानम्सु 42 22<sup>१</sup>  
 बहुन्यै प्राणिनो लोके 6 1<sup>१</sup>  
 बहुदक्षिणा सर्वे 29 27<sup>१</sup>  
 बहुपत्या प्रजाहीना 117 36<sup>१</sup>  
 बहुपर्ये महासत्त्वे 3 72<sup>१</sup>  
 बहुषट्क प्रभापसे 112 60<sup>१</sup>  
 बहुषं बहुविस्तरम् 1 8<sup>१</sup> 115 11<sup>१</sup>  
 बहुषो धृतिसमिताम् 1 16<sup>१</sup>  
 बहुश्रव्याश्च भूषरा 100 54<sup>१</sup>  
 बाढमित्यत्रवीर्युन 89 35<sup>१</sup>  
 बाढमित्यत्रवीर्यु 42 46<sup>१</sup>  
 बाढमित्यत्रवीर्युष्ट 89 24<sup>१</sup>  
 बाढमित्यत्र तोपास्त्री 69 26<sup>१</sup>  
 बाढमित्यत्र सह द्वे 42 1<sup>१</sup>  
 बाढमेवं भविष्यति 103 8<sup>१</sup>  
 बाण किं राज्ञेसे शूरा 112 59<sup>१</sup>  
 बाणगारो मनान्त्य 113 9<sup>१</sup>  
 बाणगाले समागृणोत् 113 20<sup>१</sup>  
 बाणज्येष्ठे भराधिप 3 61<sup>१</sup>  
 बाणनादाथंमच्युतम् 112 106<sup>१</sup>  
 बाणपुत्री सुभेक्षणा 107 44<sup>१</sup>  
 बाण बाण प्रवृत्तस्य 112 114<sup>१</sup>  
 बाणराहुप्रसन्नये 112 94<sup>१</sup>  
 बाणमप्रतिम रणे 106 21<sup>१</sup> 112 89<sup>१</sup>, 99<sup>१</sup>  
 बाणमाश्रम्य सूर्धनि 107 53<sup>१</sup>  
 बाणमाह शनैरिदम् 112 85<sup>१</sup>  
 बाणमाह शुभ वच 112 114<sup>१</sup>  
 बाणयुद्धमनुत्तमम् 113 80<sup>१</sup>  
 बाणरक्षणमातुर 112 82<sup>१</sup>  
 बाणवर्षसमाहृतम् 110 55<sup>१</sup>  
 बाणवर्षाकृता सर्वा 113 21<sup>१</sup>  
 बाणवर्षैर्नैहावग 112 2<sup>१</sup>  
 बाणवर्षैश्च पीडितम् 112 3<sup>१</sup>  
 बाणवर्षे समाहृत 108 66<sup>१</sup>  
 बाणवर्षे समुचलाम् 112 75<sup>१</sup>,

बाणसक्षरणपरा 112 99<sup>१</sup>  
 बाणसाहाय्यकाङ्क्षिणी 106 61<sup>१</sup>  
 बाणस्तेपामतिथत् 3 62<sup>१</sup>  
 बाणस्य च महाशुभे 109 71<sup>१</sup>  
 बाणस्य वृष्टेन चक्रे 112 104<sup>१</sup>  
 बाणस्य जन्मनक्षत्र 106 48<sup>१</sup>  
 बाणस्य दुहिता कन्या 107 9<sup>१</sup>  
 बाणस्य पुत्रमन्त्रिकात् 110 33<sup>१</sup>  
 बाणस्य प्रमुत्ते स्थितम् 112 96<sup>१</sup>  
 बाणस्य रथमूर्धनि 108 68<sup>१</sup>  
 बाणस्य वदत सख्ये 108 56<sup>१</sup>  
 बाणस्य सचिवक्षत्र 106 51<sup>१</sup>  
 बाणस्याद्भुतकर्मण 31 146<sup>१</sup> 110 35<sup>१</sup>  
 बाणस्याप्रतिभोजस 109 72<sup>१</sup>  
 बाणस्यानेदित तदा 103 13<sup>१</sup>  
 बाणस्यात्याभय दत्त 112 110<sup>१</sup>  
 बाण जित्वा महादेव 113 51<sup>१</sup>  
 बाण निःत्वा सुदुर्गम् 113 54<sup>१</sup>  
 बाण प्रति महाबल 112 103<sup>१</sup>  
 बाण प्रति महासुरम् 106 2<sup>१</sup>  
 बाण सदशैथिष्यति 109 80<sup>१</sup>  
 बाण सरक्ष गम्यत्वाम् 112 84<sup>१</sup>  
 बाण स्थितमथान्तिके 112 128<sup>१</sup>  
 बाण कृष्णमभिद्रवत् 112 50<sup>१</sup>  
 बाण कुट्टोऽतिवीर्यवान् 112 87<sup>१</sup>  
 बाण क्रोधोऽप्रसन्नवाल 108 51<sup>१</sup>  
 बाण पञ्चनदस्तथा 81 42<sup>१</sup>  
 बाण परपुरनेष 108 19<sup>१</sup>  
 बाण परमभविष्य 112 81<sup>१</sup>  
 बाण श्रेष्ठमनास्त्वेष 106 52<sup>१</sup>  
 बाणः सत्त्वे पराजित 106 3<sup>१</sup>  
 बाण सुबहुतो मुदा 106 14<sup>१</sup>  
 बाण स्वगृहमाविशत् 108 98<sup>१</sup>  
 बाणानीकानि सहसा 110 36<sup>१</sup>  
 बाणानीकै समभवत् 108 36<sup>१</sup>  
 बाणेन मायामास्थाय 109 74<sup>१</sup>  
 बाणेन सह संगम्य 112 66<sup>१</sup>  
 बाणेन साधे समय 113 42<sup>१</sup>  
 बाणैर्दूतभिराशुगे 87 53<sup>१</sup>  
 बाणैर्वागाश्च चिच्छेत् 88 16<sup>१</sup>  
 बाणैर्मोर्मानिर्गै शिष्टै 87 52<sup>१</sup>  
 बाणैर्युधि जनादंन 88 8<sup>१</sup>  
 बाणैश्च शकटीकृता 37 25<sup>१</sup>

बाणै संनतपर्वैभि 108 65<sup>१</sup>  
 बाणो द्विविगवत्तर 97 23<sup>६</sup>  
 बाणो धृज समाश्रित्य 108 87<sup>१</sup>  
 बाणोऽनिरुद्धधिरसि 108 61<sup>०</sup>  
 बाणो बलमदोऽमत्त 106 50<sup>१</sup>  
 बाणो बाहुसद्वचवाद् 105 12<sup>६</sup>  
 बाणो वाचमसत्तत्ता 106 32<sup>१</sup>  
 बाघते स्म दुरासद् 67 4<sup>६</sup>  
 बाघन्ते भुवि मानवाद् 44 75<sup>६</sup>  
 बाघनाना रिपुयणाद् 86 8<sup>०</sup>  
 बान्धवश्च भविरपति 65 59<sup>६</sup>  
 बान्धवस्य विशेषत 65 63<sup>६</sup>  
 बान्धवानामपि तथा 65 68<sup>६</sup>  
 बान्धवा कुलपासनीम् 73 22<sup>१</sup>  
 बान्धवेन समागमम् 67 2<sup>६</sup>  
 बान्धवेभ्यो भय घोर 77 45<sup>१</sup>  
 बान्धवेषु च सर्वेषु 83 55<sup>१</sup>  
 बान्धवेषु विशेषत 66 3<sup>६</sup>  
 बान्धवैश्च विशेषत 73 37<sup>६</sup>  
 बान्धवो देयसप्रभ 63 13<sup>६</sup>  
 बान्धवो धर्मतो मद्य 65 60<sup>१</sup>  
 बान्धव्य समवाक्षिपत् 19 16<sup>६</sup>  
 बाहूद्वयेन राजेन्द्र 82 29<sup>१</sup>  
 बालक्रीडनक तत 58 18<sup>६</sup>  
 बालचन्द्राकं वचसौ 51 2<sup>६</sup>  
 बालमेवापवाहितम् 99 21<sup>६</sup>  
 बालशूद्राविवर्षमौ 58 4<sup>६</sup>  
 बालस्यासीद्विचैहितम् 51 37<sup>६</sup>  
 बाल कुलान्तकृन्मुद् 66 9<sup>१</sup>  
 बाल कृणो महानम्भ 75 15<sup>१</sup>  
 बाल क्रीडनकैरिय 97 37<sup>६</sup> 113 36<sup>६</sup>  
 बालानुच्चासयन्ति हि 49 7<sup>६</sup>  
 बालाकैसददोक्षण 44 7<sup>१</sup>  
 बालाकैसददोक्षणा 48 31<sup>६</sup>  
 बालावपरिशक्तिवौ 71 3<sup>६</sup>  
 बालारपि नितभ्रमौ 72 18<sup>६</sup>  
 बालाविमौ चपलवौ 72 20<sup>१</sup>  
 बालाविव हुतायानौ 71 49<sup>६</sup>  
 बालिन रव मभापसे 109 50<sup>६</sup>  
 बालिना बल यूय ये 3 16<sup>६</sup>  
 बाळे स्तपि मदाबाहो 45 42<sup>१</sup>  
 बालेन मुष्टिर्वैरेन 65 29<sup>१</sup>  
 बालेनाद्विष्टकर्मणा 58 57<sup>६</sup>

बालेनाबालकर्मणा 65 5<sup>१</sup>  
 बालेय क्षत्रमुच्यते 23 29<sup>६</sup>  
 बालेया ब्राह्मणाश्चैव 23 29<sup>१</sup>  
 बालो वा यदि वा मध्य 75 13<sup>१</sup>  
 बालौ तावमरोपमौ 65 88<sup>६</sup>  
 बाल्यात्कामाद्य मोहाद्य 9 90<sup>१</sup>  
 बाल्यात्मभृति केशव 96 25<sup>६</sup>  
 बाल्यात्मभृति रामेण 100 2<sup>१</sup>  
 बाल्यादेवैकता गतौ 51 2<sup>१</sup>  
 बाल्याद्वा यदि वा मोहात् 8 23<sup>१</sup>  
 बाल्यागमोडाच भारत 16 7<sup>१</sup>  
 बाल्ये केलिक्रिड सर्व 49 4<sup>६</sup>  
 बाल्ये चण्डतम सर्व 49 4<sup>१</sup>  
 बाल्येन चरितेन च 60 8<sup>१</sup>  
 बाल्येऽपि न निवर्तते 48 47<sup>१</sup>  
 बाल्ये मूर्च्छं त्यमानुपा 49 4<sup>१</sup>  
 बाष्कल प्रमदो मद 31 76<sup>६</sup>  
 बापसदिग्धया गिरा 56 14<sup>६</sup>  
 बापसदिग्धया वाचा 78 17<sup>१</sup>  
 बापेणाहुहितेक्षण 76 12<sup>१</sup>  
 बापेणावृत्तलोचनाम् 107 39<sup>१</sup>  
 बाहुच्छाया समाश्रित्य 109 3<sup>१</sup>  
 बाहुदण्डेन वृणुस्य 61 45<sup>१</sup>  
 बाहूना कृचदेहस्य 67 41<sup>१</sup>  
 बाहुप्रहरणस्तदा 85 37<sup>१</sup>  
 बाहुभिश्च ससकटे 75 30<sup>१</sup>  
 बाहुभिस्तु त्रिभिर्यदा 110 70<sup>१</sup>  
 बाहुभिस्तुल्यमन्वोन 36 51<sup>१</sup>  
 बाहुभि परिघाकारै 33 28<sup>१</sup>  
 बाहुभि परिघोरमै 47 43<sup>१</sup>  
 बाहुभि स महायुज 108 54<sup>१</sup>  
 बाहुभ्यामेव गोविन्दः 28 26<sup>१</sup>  
 बाहुभ्यामेव तस्मा 76 45<sup>१</sup>  
 बाहुमानोगिनं हराम 67 33<sup>१</sup>  
 बाहुयुद्धमिद रमे 75 10<sup>१</sup>  
 बाहुयुद्धविधिषु 75 14<sup>१</sup>  
 बाहुयुद्धे परागित 90 7<sup>१</sup>  
 बाहुयोधौ शरीरेण 75 22<sup>१</sup>  
 बाहुल्यमुपवर्णयत् 85 34<sup>१</sup>  
 बाहुनभद्रप्रहारेण 75 3<sup>१</sup>  
 बाहु परिघसंनिभम् 76 29<sup>१</sup>  
 बाहूनां धारण मम 100 10<sup>१</sup>  
 बाहूनां वीर्यसंभर 112 92<sup>१</sup>



ब्रह्मचर्येण चानघ 31 34<sup>b</sup>

ब्रह्मचर्ये स्थित तप 35 33<sup>a</sup>

ब्रह्मचर्ये स्थित धैर्य 35 38<sup>a</sup>

ब्रह्मचारी पुरा भूत्वा 85 7<sup>a</sup>

ब्रह्म चैव सनातनम् 113 78<sup>a</sup>

ब्रह्मणश्च महाभाग 62 34<sup>a</sup>

ब्रह्मण ऋणु मे वाक्य 62 37<sup>a</sup>

ब्रह्मण सलिलस्य च 58 37<sup>b</sup>

ब्रह्मण सूर्यसनिभम् 40 11<sup>a</sup>

ब्रह्मणा छिन्नसदेहा 12 32<sup>a</sup>

ब्रह्मणा देवदेवेन 39 1<sup>a</sup>

ब्रह्मणाभिहित वाक्य 100 74<sup>a</sup>

ब्रह्मणा विहित पूर्वं 112 67<sup>a</sup>

ब्रह्मणा सह गोदत्ते 39 7<sup>a</sup>

ब्रह्मणा साधु चोद्धित 42 12<sup>b</sup>, 16<sup>b</sup>

ब्रह्मणा साधु निर्दिष्ट 62 21<sup>a</sup>

ब्रह्मणा हरिरीश्वर 38 64<sup>b</sup>

ब्रह्मणे पद्मचोचये 40 2<sup>a</sup>

ब्रह्मणो धरदर्पित 91 34<sup>b</sup>

ब्रह्मण्य सत्यसगर 23 66<sup>b</sup>

ब्रह्मण्य सुदहायुध 27 16<sup>b</sup>

ब्रह्मण्या सत्यवादिन 23 44<sup>a</sup>

ब्रह्मतेजोमय दिव्यम् 104 9<sup>a</sup>

ब्रह्मदण्डानुमन्त्रितम् 90 10<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तकुलीयानां 15 68<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तपुरोगमा 18 14<sup>b</sup>

ब्रह्मदत्त प्रभाते त्व 19 12<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तमकल्मषम् 16 21<sup>a</sup>, 30<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तसदानघ 19 13<sup>b</sup>

ब्रह्मदत्तसु सप्तम 16 30<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तस्य चरित 15 8<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तस्य चैव द्व 15 65<sup>b</sup>

ब्रह्मदत्तस्य जननी 13 47<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तस्य तनय 15 25<sup>a</sup>, 19 1<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तस्य पौराण 15 14<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तस्य भार्या तु 18 22<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तेन वरमाह 16 1<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तो नरपति 15 6<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तोऽभयप्रभुः 15 24<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तोऽभयद्राजा 15 5<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तो महापताः 18 15<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तो महाराज 15 11<sup>a</sup>

ब्रह्मदत्तो महाराज 10 1<sup>a</sup>

ब्रह्मदेव सनातनम् 31 59<sup>b</sup>

ब्रह्मद्विपश्च सवृत्ता 21 35<sup>a</sup>

ब्रह्मदृष्टोऽद् विमना 21 31<sup>a</sup>

ब्रह्म पर्यचरत्क्षेत्र 31 132<sup>a</sup>

ब्रह्मभूतोऽभयमुनि 22 2<sup>a</sup>

ब्रह्मयोनी प्रसूतस्य 35 33<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षयस्त्वा तत्रस्था 38 61<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षिगणसेवितम् 31 47<sup>a</sup>, 46 11<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षिगणसेवित 62 27<sup>b</sup>

ब्रह्मर्षिभिरभिष्टुत 34 5<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षीन्पुरात हरवर 3 11<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षे न वय धन्या 100 57<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षे येन तिष्ठेय 21 30<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षे कौन्दिकस्य च 23 91<sup>a</sup>

ब्रह्मलोकचरोऽभ्यय 44 12<sup>b</sup>

ब्रह्मलोकमनामपम् 7 36<sup>a</sup>

ब्रह्मलोक गतो ब्रह्मन् 39 1<sup>a</sup>

ब्रह्मलोक महायया 38 79<sup>a</sup>

ब्रह्मलोक यथारूढ 39 7<sup>a</sup>

ब्रह्मलोक सनातनम् 38 76<sup>a</sup>, 39 21<sup>a</sup>

ब्रह्मलोक परा गति 62 32<sup>a</sup>

ब्रह्मलोके च कि स्थान 39 3<sup>a</sup>

ब्रह्मलोके पुरातनम् 39 17<sup>a</sup>

ब्रह्मलोके सदानघ 9 31<sup>a</sup>

ब्रह्मरक्षाननुत्तमान् 32 8<sup>a</sup>

ब्रह्मवादिन्यधिधी च 23 45<sup>a</sup>

ब्रह्मवादी परामान् 21 2<sup>a</sup>, 23 46<sup>a</sup>

ब्रह्मर्षीर्माहातपा 31 23<sup>a</sup>

ब्रह्म सपद्यते तदा 22 39<sup>a</sup>, 40<sup>a</sup>

ब्रह्मसन्तववादिन 40 38<sup>a</sup>

ब्रह्मसूत्रोच्यतकर 40 12<sup>a</sup>

ब्रह्मस्यलमहाभुमा 93 59<sup>b</sup>

ब्रह्मद्वयामनार स 22 9<sup>a</sup>

ब्रह्मा च कपिशैव 31 15<sup>a</sup>

ब्रह्माणमम्रत हर्या 7 53<sup>a</sup>

ब्रह्माणममि चालयेत् 35 33<sup>a</sup>

ब्रह्माणममितौत्तयम् 1 18<sup>a</sup>

ब्रह्माणममृत्प्रभुः 32 7<sup>a</sup>

ब्रह्माण वरदे प्रभुम् 20 42<sup>a</sup>

ब्रह्माण शरण जग्मु 20 35<sup>a</sup>

ब्रह्मादीनां यथाक्रमम् 86 16<sup>a</sup>

ब्रह्मादीनां पुरोत्तम 31 60<sup>a</sup>

ब्रह्मा परिशुभान्तै 42 17<sup>a</sup>



ब्रह्मा प्रजापतिर्धन्य 100 57<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा प्रीतमनामस्य 31 34<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मत्वमेयिवान् 20 23<sup>d</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मविदा वर 20 19<sup>b</sup>  
 ब्रह्मा ब्रह्मविदा श्रेष्ठ 31 39<sup>a</sup>  
 ब्रह्मा लोकपितामह 20 9<sup>b</sup> 38 55<sup>d</sup> 41 1<sup>b</sup>  
 42 20<sup>b</sup> 100 64<sup>b</sup>  
 ब्रह्मा शक्रश्च सोमश्च 32 4<sup>a</sup>  
 ब्रह्मैव हि पितामह 39 29<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणत्वं विधीयते 35 37<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्य च ते सुता 103 29<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्य प्रतिधुता 22 23<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणस्यात्मज्ञानदा 103 26<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणस्यात्मवर्तिन 35 33<sup>b</sup>  
 ब्राह्मण विपुलैरर्थै 19 29<sup>a</sup>  
 ब्राह्मण पर्यभाषत 102 13<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणा दिवि ते स्थिता 32 38<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणा धनवृष्णार्ता 116 34<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणाननुयायिन 41 28<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणानां च योनिषु 43 73<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणानां महात्मनाम् 19 13<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणान्कौशिकैरत्नज्ञान् 15 2<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणान्स्वस्ति वाच्य च 18 8<sup>d</sup>  
 ब्राह्मणार्थं सदर्शं च 103 7<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणा क्षत्रिया विरा 23 55<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणा क्षत्रिया वैद्या 23 72<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणेनावबोधित 26 13<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणेभ्यो नमस्तुल्य 4 26<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणेभ्योऽपि वासव 118 30<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणेषु निवरस्यति 115 39<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणैरभ्यनुज्ञात 15 50<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणैर्ब्रह्मवादैश्च 68 34<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणश्च महाभागी 6 43<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणो भयविक्षुब्ध 102 7<sup>b</sup>  
 ब्राह्मणोऽऽतंस्वरे कृत्वा 102 12<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणौ साचिवौ च सौ 114 16<sup>d</sup>  
 ब्राह्मण्य प्रतिष्ठन्त्यन्ति 14 7<sup>a</sup>  
 ब्राह्मण्या प्रसवस्य मे 102 8<sup>b</sup>  
 ब्राह्मण्या सुतिकालोऽथ 101 13<sup>a</sup>  
 ब्राह्मणस्यसवाप्तवान् 87 13<sup>d</sup>  
 ब्राह्म कल्परिवापर 44 11<sup>b</sup>  
 ब्राह्म तपसि दुक्तावा 62. 32<sup>d</sup>  
 ब्रुवन्तो राजशासनान् 81 30<sup>d</sup>

भूत यो यस्य य काम 47 14<sup>a</sup>  
 बृहि तत्त्वेन भद्र ते 101 10<sup>a</sup>  
 बृहि त्व यद्यदिच्छसि 66 37<sup>d</sup>  
 बृहि न सर्वैभूतेषां 21 14<sup>a</sup>  
 बृहि नारद तच्चार्यं 100 29<sup>a</sup>  
 बृहि भीष्म यदिच्छसि 11 30<sup>d</sup>

भ

भक्तानां मूलनामेव 112 120<sup>a</sup>  
 भक्तिच्छेदानुहितान्ना 60 31<sup>a</sup>  
 भक्त्या नारायण प्रभुम् 19 10<sup>f</sup>  
 भक्षयन्निश्च तर्षस्तान् 52 34<sup>a</sup>  
 भक्षयित्वा शश तात 9 42<sup>a</sup>  
 भक्षयते सर्वराजेन 56 15<sup>a</sup>  
 भक्षयभोज्यद्वाराश्चिव 117 21<sup>a</sup>  
 भक्षयमाणं किंवाङ्गेषु 85 33<sup>a</sup>  
 भक्षय भोज्य च पेय च 60 12<sup>a</sup>  
 भगदत्तश्च वीर्यवान् 80 15<sup>b</sup>  
 भगवन्श्रोतुमिच्छामि 85 1<sup>a</sup>  
 भगवन्किं मया कार्यं 86 58<sup>a</sup>  
 भगवन्क्रियतामस्या 43 2<sup>a</sup>  
 भगवन्तमरिन्दम 13 2<sup>b</sup>  
 भगवन्त रणानिरे 112 97<sup>b</sup>  
 भगवन्त वृषपञ्चजम् 106 37<sup>b</sup>  
 भगवत्सद्गतमिद्रं 35 65<sup>a</sup>  
 भगवत्सद्वत्सराखोऽद् 9 62<sup>a</sup>  
 भगवन्यदि शत्रवते 115 33<sup>a</sup>  
 भगवन्सर्वैभूतेषां 104 16<sup>a</sup>  
 भगवत्सपित पुत्र 45 56<sup>a</sup>  
 भगवत्सर्वप्रसादिन 43 30<sup>a</sup>  
 भगवत्सर्वस्मो वृष 42 45<sup>b</sup>  
 भगवत्सर्वद्रुसे युक्ता 60 23<sup>a</sup>  
 भगवानपि तेनैव 60 22<sup>a</sup>  
 भगवानप्रवीक्षदा 116 4<sup>d</sup>  
 भगवान्देवकीसुत 91 51<sup>b</sup>  
 भगवान्प्रत्यत्पुत्रत् 39 29<sup>b</sup>  
 भगवान्प्रप्रवीतु मे 98 1<sup>d</sup>  
 भगवान्वासवानुज 92 70<sup>a</sup>  
 भगवान्सर्वभूतानां 31 50<sup>a</sup>  
 भगवान्श्लोकवृत्तिन 15 7<sup>b</sup>  
 भगवान्स्तेजसा प्रभु 9 65<sup>b</sup>  
 भगिनीं रामहृण्ययो 96 18<sup>b</sup>  
 भगिपानुत्पया सह 98 12<sup>d</sup>  
 भगिन्या वसुदेवस्य 87 20<sup>a</sup>

भगीरथसुतो राजा 10 67 <sup>a</sup>	भय च विगत मम 103 23 <sup>d</sup>
भग्नपृष्ठो दुराकृति 57 20 <sup>b</sup>	भय तीव्र च जायते 115 36 <sup>d</sup>
भग्नप्रहरणाविलम् 36 29 <sup>b</sup>	भय लज्जभ्रममरा 31 62 <sup>a</sup>
भग्नस्कन्धश्च दानव 64 21 <sup>b</sup>	भय न समुदाहृतम् 46 27 <sup>d</sup>
भग्न माहेश्वर चाप 31 115 <sup>c</sup>	भयात्तस्योरगवते 55 50 <sup>c</sup>
भग्न वरुणमाश्रित्य 113 16 <sup>c</sup>	भयारपतगराजस्य 55 49 <sup>c</sup>
भग्नान्वशेष युद्धाय 112 11 <sup>c</sup>	भयाभयवर कृष्ण 97 30 <sup>c</sup>
भङ्गत्वा ताश्रापि पाथिवात् 88 29 <sup>d</sup>	भयार्ता विमदुदुषु 103 20 <sup>d</sup>
भङ्गत्वा तु तद्धु श्रेष्ठ 71 44 <sup>d</sup>	भयेन मञ्जयामास 47 8 <sup>c</sup>
भङ्गत्वा लभमिव द्विप 71 53 <sup>d</sup>	भयेष्वभयदत्तव न 60 3 <sup>c</sup>
भङ्गकारस्तु पूर्वज 28 32 <sup>d</sup>	भयेष्वभयदत्तव न 60 3 <sup>c</sup>
भङ्गकरे विदूरे 87 46 <sup>d</sup>	भयेसल्लं च राजान 65 9 <sup>c</sup>
भङ्ग भोजविवर्धन 72 1 <sup>b</sup>	भरण तस्य चाकरात् 9 99 <sup>d</sup>
भङ्गतामयने सह 38 69 <sup>d</sup>	भरतस्य विनष्टेषु 23 50 <sup>d</sup>
भङ्गो भूतमोहिनी 40 34 <sup>d</sup>	भरताना स भारत 1 7 <sup>c</sup>
भङ्गमानश्च चपल 64 8 <sup>c</sup>	भरतो नाम वीर्यवान् 23 48 <sup>b</sup>
भङ्गमानस्य पुत्रोऽप्य 28 1 <sup>a</sup>	भरद्वाजायमजा द्विजा 14 1 <sup>b</sup>
भङ्गमानस्य सृञ्जयौ 27 3 <sup>a</sup>	भरद्वाजास्तुतोऽभवत् 23 52 <sup>d</sup>
भङ्गमानाद्विजसिरे 27 4 <sup>a</sup> , 5 <sup>d</sup>	भर्ता च भविता हि स 92 33 <sup>d</sup>
भङ्गस्य पुनरागतम् 99 49 <sup>d</sup>	भर्ता तव विद्यालाक्षि 107 75 <sup>c</sup>
भङ्गिन भङ्गमान च 27 1 <sup>a</sup>	भर्ता तु मम यथेष 107 46 <sup>c</sup>
भङ्गमानेष्वनीरेषु 110 56 <sup>a</sup>	भर्तारमनुगच्छति 31 117 <sup>d</sup>
भङ्गकारा भङ्गवित् 98 9 <sup>c</sup>	भर्तारमभिवीक्षती 48 44 <sup>b</sup>
भङ्गचारु तथैव च 88 38 <sup>d</sup>	भर्तारममरोपमम् 107 78 <sup>b</sup>
भङ्गवत्यां कुरुद्वई 26 26 <sup>d</sup>	भर्तारमानायाम्यस्य 107 84 <sup>c</sup>
भङ्गवक्ष्ण चसित 63 20 <sup>c</sup>	भर्तार दीक्षतपस 2 3 <sup>c</sup>
भङ्गश्रम्यस्य पुत्राणा 23 61 <sup>a</sup>	भर्तारं ध्यायती सदा 107 40 <sup>b</sup>
भङ्गश्रेष्ठस्य पुत्रेण 23 64 <sup>a</sup>	भर्तारं पतितं दृष्ट्वा 77 1 <sup>a</sup>
भङ्गासनेषु पीठेषु 42 11 <sup>c</sup>	भर्तारं प्रतिहृष्यसे 107 65 <sup>d</sup>
भयक्षोभितसर्वाङ्गा 76 10 <sup>c</sup>	भर्तारं यदि मऽद्य त्वं 107 69 <sup>d</sup>
भयदक्षव वामोह 107 24 <sup>b</sup>	भर्ता वै सिद्धिरायण 25 8 <sup>c</sup>
भयदस्ते पिता रणे 107 26 <sup>b</sup>	भर्तुमानस्य प्रते स्थिता 43 69 <sup>d</sup>
भयदस्य महजयम् 109 4 <sup>b</sup>	भर्तुर्निवच दुःखार्ता 29 7 <sup>c</sup>
भयद सर्वविद्विषाम् 38 42 <sup>b</sup>	भर्तुं समीप गच्छेति 8 14 <sup>c</sup>
भयद सर्वैर्मृतानां 44 63 <sup>c</sup>	भर्तुंरूपेण नागुत्पत् 8 2 <sup>c</sup>
भयमद्यैह सुजन 35 68 <sup>d</sup>	भर्ता रं ह्ये कदा सह 107 13 <sup>c</sup>
भयमन्ति वरानने 107 25 <sup>d</sup>	भर्ता सह रमिष्यति 107 12 <sup>c</sup>
भयमावेदयन्ति मे 102 3 <sup>d</sup>	भर्तस्यन्वी पुन पुन 51 13
भयमुत्पाद्य वीर्यवान् 110 35 <sup>d</sup>	भर्तस्यश्चिद्व सर्वरा 106 45 <sup>d</sup>
भयमोहितलोचना 112 21 <sup>d</sup>	भारयंत च दिपा रात्री 71 4 <sup>c</sup>
भयविदुषहाचन 112 116 <sup>d</sup>	भार्यापुत्रो दुर्बुद्धि 15 27 <sup>c</sup>
भयविदुषलोचना 103 29 <sup>d</sup>	भार्याश्च वृमारोऽभूत् 15 26 <sup>c</sup>
भयविदुषलोचना 38 56 <sup>d</sup>	भार्यासौ द्विधाकरात् 81 82 <sup>d</sup>

भङ्गेनायतपर्यङ्गा 87 66<sup>1</sup>  
 भङ्गनास्य द्विधाऋरोत् 81 85<sup>2</sup>  
 भवकाले भवत्येष 40 22<sup>3</sup>  
 भवत सासुरास्त्येद 46 14<sup>4</sup>  
 भवता परिकीर्तितम् 1 1<sup>5</sup>  
 भवतामसि सूर्य च 96 70<sup>6</sup>  
 भवता रक्षण कार्ये 9 51<sup>7</sup>  
 भवता रक्षिता गाव 62 39<sup>8</sup>  
 भवतां क्रोष्टवी स्थिता 112 101<sup>9</sup>  
 भवता चातंया मति 38 78<sup>10</sup>  
 भवता पुण्यकीर्तौर्णा 96 1<sup>11</sup>  
 भवता भद्रमस्तु व 96 69<sup>12</sup>  
 भवता वैभवाय च 59 81<sup>13</sup>  
 भवतो मनसोऽनुगम् 106 20<sup>14</sup>  
 भवतो स्वमिर्दं चेति 71 18<sup>15</sup>  
 भवत्वद्य द्विवीनस 12 40<sup>16</sup>  
 भवस्तु प्रथम आहित 100 70<sup>17</sup>  
 भवद्विरभिसच्युत 100 80<sup>18</sup>  
 भवद्विर्न हि मे युदे 108 33<sup>19</sup>  
 भवद्विर्नयिद् प्रोक्त 47 18<sup>20</sup>  
 भवद्विर्नयिधताश्व 83 16<sup>21</sup>  
 भवद्विर्नयसुधाधिपै 81 50<sup>22</sup>  
 भवद्विश्रष्टांर्यैण 61 6<sup>23</sup>  
 भवद्वि क्रियुपेक्षित 65 20<sup>24</sup>  
 भवद्वि किं तुनमैद्वी 65 17<sup>25</sup>  
 भवद्वि ययातकीर्तिभि 65 19<sup>26</sup>  
 भवद्वयौ च विनाहृतम् 69 7<sup>27</sup>  
 भवद्वथा स्वेन तेजसा 72 17<sup>28</sup>  
 भवद्वयो माचिगम्यते 100 70<sup>29</sup>  
 भवन् तस्य तन्मद्व 108 2<sup>30</sup>  
 भवनाकारवित्त 55 20<sup>31</sup>  
 भवने मधुसूदनम् 83 52<sup>32</sup>  
 भवन्तमाश्रिता वृष्य 109 20<sup>33</sup>  
 भवन्तं जायते मति 109 39<sup>34</sup>  
 भवन्त वृष्य गता 03 3<sup>35</sup>  
 भवन्त सर्वकार्यज्ञा 65 12<sup>36</sup>  
 भवन्ति सर्वद्वेषा 100 62<sup>37</sup>  
 भवन्तो ब्रह्मसैद्धिदा 83 17<sup>38</sup>  
 भवन्तो भयमोहिता 112 13<sup>39</sup>  
 भवन्तो भोमविक्रमा 63 11<sup>40</sup>  
 भवन्तो भुवि शाश्वता 100 55<sup>41</sup>  
 भवन्तो मन आन्धवा 83 15<sup>42</sup>  
 भवन्तो मा विज्ञेयत 5 13<sup>43</sup>

भवन्तो यान्ति वैकुण्ठ्य 108 31<sup>44</sup>  
 भवन्तो यान्त्यनेकदा 108 32<sup>45</sup>  
 भवन्तो विगतज्वरा 86 8<sup>46</sup>  
 भवन्तो हि ययाकाम 46 28<sup>47</sup>  
 भवन्तो मम विरुन्तौ 72 16<sup>48</sup>  
 भवन्तो सगताङ्गुमै 70 14<sup>49</sup>  
 भवन्त्यगमभेदिन 59 14<sup>50</sup>  
 भवत्य तु गुह सदा 106 60<sup>51</sup>  
 भवत्य सतत मित्र 106 60<sup>52</sup>  
 भवत्यामितेजस 112 87<sup>53</sup>  
 भव प्रसादयामास 107 6<sup>54</sup>  
 भवानक्षेपु कुमाल 89 20<sup>55</sup>  
 भवानगि च सर्वेया 115 22<sup>56</sup>  
 भवानस्तु ययासुखम् 111 9<sup>57</sup>  
 भवानेव जयेद्वित्य 112 60<sup>58</sup>  
 भवानेव महायुते 113 34<sup>59</sup>  
 भवान्यत्र वष स्थिता 86 27<sup>60</sup>  
 भवानराजास्तु मे माप्य 78 37<sup>61</sup>  
 भवान्विकुरत सदा 113 35<sup>62</sup>  
 भवान्यस्य सहस्रता 27 9<sup>63</sup>  
 भवाय जगत प्रसुम् 40 10<sup>64</sup>  
 भवाय तस्य देवस्य 44 52<sup>65</sup>  
 भवाय भवता काले 84 8<sup>66</sup>  
 भवाय भुवि वर्षत 59 17<sup>67</sup>  
 भवाय मधुसूदन 45 37<sup>68</sup>  
 भवाय मधुसूदन 53 34<sup>69</sup>  
 भवाय वशंभुदाल 1 12<sup>70</sup>  
 भवाश्रया परा गति 41 23<sup>71</sup>  
 भवारस्तु तपसा श्रेष्ठ 85 29<sup>72</sup>  
 भविता चाण युद्ध ते 106 12<sup>73</sup>  
 भविता विप्रदो महान् 43 63<sup>74</sup>  
 भविता इ हि ते भर्ता 107 42<sup>75</sup>  
 भवित्रीति नरार्थ 23 59<sup>76</sup>  
 भवित्रीति नराधिप 22 28<sup>77</sup>  
 भवित्री द्राघ्न प्राप्य 19 44<sup>78</sup>  
 भविष्यदुद्दलेर्भुपे 68 26<sup>79</sup>  
 भविष्यत सत्त्वार्थ 17 4<sup>80</sup>  
 भविष्यति कदाचन 114 18<sup>81</sup>  
 भविष्यति च इन्द्राय 68 35<sup>82</sup>  
 भविष्यति च विस्तीर्णा 86 33<sup>83</sup>  
 भविष्यति जनेधर 5 40<sup>84</sup>  
 भविष्यति तदा तेषां 117 39<sup>85</sup>  
 भविष्यति तदा लोक 117 11<sup>86</sup>

भविष्यति द्विजश्रेष्ठ 9 8<sup>२</sup>  
 भविष्यति धनुर्मह 69 4<sup>१</sup>  
 भविष्यति नरेन्द्रावै 81 13<sup>२</sup>  
 भविष्यति न सदाय 31 98<sup>२</sup> 60 28<sup>२</sup> 106 58<sup>२</sup>  
 भविष्यति पुन पुन 14 9<sup>१</sup>  
 भविष्यति पुरी रम्या 80 6<sup>२</sup>, 42<sup>२</sup>  
 भविष्यति महद्भयम् 43 54<sup>२</sup>  
 भविष्यति महीक्षिताम् 62 86<sup>२</sup> 67 63<sup>२</sup>  
 भविष्यति यदासुर 106 36<sup>२</sup>  
 भविष्यति युगक्षये 116 26<sup>२</sup>  
 भविष्यति युगे क्षीणे 117 14<sup>२</sup>  
 भविष्यति युगे तस्मिन् 13 45<sup>२</sup>  
 भविष्यति वसुधरा 117 31<sup>२</sup>  
 भविष्यति स ते सृष्टु 37 34<sup>२</sup>  
 भविष्यति सुजीविकम् 45 44<sup>१</sup>  
 भविष्यति सुतस्तेषु 3 101<sup>२</sup>  
 भविष्यत्यग्रजो भ्राता 47 31<sup>२</sup>  
 भविष्यत्यत्र कारणात् 8 25<sup>१</sup>  
 भविष्यत्यनुरूपश्च 62 72<sup>२</sup>  
 भविष्यत्यनरे युगे 116 36<sup>२</sup>  
 भविष्यत्यकलो हर्य 116 29<sup>२</sup>  
 भविष्यति कलौ युगे 116 19<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति गते युगे 116 25<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति च कामाना 117 41<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति तत कस 47 22<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति द्विजावय 116 27<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति नरा शूद्रा 117 8<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति नरा सवै 43 61<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति न सदाय 12 34<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति महासुरा 106 25<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति युगक्षये 116 6<sup>२</sup>, 9<sup>२</sup>, 10<sup>२</sup>, 12<sup>२</sup>, 13<sup>२</sup>, 30<sup>२</sup>  
 117 25<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति युगसन्ते 116 21<sup>२</sup>  
 भविष्यन्ति समाहित 14 1<sup>२</sup>  
 भविष्यतीति मे मति 57 9<sup>२</sup>  
 भविष्यति नृणां मर्ता 43 25<sup>२</sup>  
 भविष्यति महाभागो 47 50<sup>२</sup>  
 भविष्यतीन्द्रो जित्वैव 21 22<sup>२</sup>  
 भविष्यत्य निवेदनम् 115 26<sup>२</sup>  
 भविष्य जानता तात 2 40<sup>२</sup>  
 भविष्य पश्यता भार 43 46<sup>२</sup>  
 भविष्य द्युष्ट कारणम् 43 37<sup>२</sup>  
 भविष्या दश भारत 7 45<sup>२</sup>

भविष्यामीति सखा मे 103 23<sup>२</sup>  
 भविष्या मुमिसत्तमा 7 44<sup>२</sup>  
 भविष्या धीत्वहायिनीम् 87 35<sup>२</sup>  
 भविष्यै स्तुपवामिति 5 37<sup>२</sup>  
 भवेच्छयजलानया 55 54<sup>२</sup>  
 भवेता घातितौ रत्ने 73 4<sup>२</sup>  
 भवेत्तस्येह पातकम् 6 1<sup>२</sup>  
 भवेदपि न सदाय 114 18<sup>२</sup>  
 भवेद्यदि न नीत स्यात् 99 31<sup>२</sup>  
 भवेद्युद्धविदारद् 107 54<sup>२</sup>  
 भवेद्भयशत्रुरपि 85 60<sup>२</sup>  
 भवेन च्याजिता वैष्ण 65 38<sup>२</sup>  
 भवेयमहमीदृश 16 36<sup>२</sup>  
 भवेयमहमीवाकं 31 44<sup>२</sup>  
 भवेय सतत विभो 112 118<sup>२</sup>  
 भस्मना कृष्णपूर्वज 110 63<sup>२</sup>  
 भस्मना गुण्डित पाद् 109 31<sup>२</sup>  
 भस्मग्रहरणो घोर् 110 57<sup>२</sup>  
 भस्ममृता नानाद् 36 33<sup>२</sup>  
 भस्मरेणूदित कृत 118 20<sup>२</sup>  
 भस्मावयवमृतेषु 36 36<sup>२</sup>  
 भस्मीभूतोऽभवत्तदा 85 33<sup>२</sup>  
 भाग प्रामोत्यरक्षित 102 16<sup>२</sup>  
 भाग भागवद् च यत् 31 9<sup>२</sup>  
 भाग पक्षिभस्मना 39 20<sup>२</sup>  
 भागार्थे यज्ञविधिना 30 23<sup>२</sup>  
 भागार्थेषु गतेष्वय 44 8<sup>२</sup>  
 भागार्थं त्रिदिवीकृतम् 46 1<sup>२</sup>  
 भागे देयपुरोधस 44 3<sup>२</sup>  
 भागेऽनतीर्णे धर्मस्य 44 2<sup>२</sup>  
 भागे ये भागकरस्य 44 9<sup>२</sup>  
 भागेऽप्येतेषु गणनात् 44 6<sup>२</sup>  
 भागे सोमस्य षट्श 44 4<sup>२</sup>  
 भागैश्च त्रिदशा सर्वे 100 76<sup>२</sup>  
 भाजनानि च भांसस्य 60 13<sup>२</sup>  
 भाण्ड सज्जितोप्यन्त 53 11<sup>२</sup>  
 भाण्डानां चैत्र हरिण 117 31<sup>२</sup>  
 भाण्डोरस्कृष्टगुहिरय 58 22<sup>२</sup>  
 भाण्डोरं च यनस्तिस्र 52 21<sup>२</sup>  
 भाण्डोरं नाम मायत् 55 22<sup>२</sup>  
 भाण्डोरं कथ्यते राज्ञ् 00 15<sup>२</sup>  
 भाण्डोरा नाम गुण्डो 52 25<sup>२</sup>  
 भाति गोवर्धनो पिति 54 25<sup>२</sup>

- भाति चैत्ररथं चैव 93. 20<sup>०</sup>.  
 भाति पुष्करिणी रम्या 93 21<sup>०</sup>.  
 भाति भार्गवरं चैव 93 18<sup>०</sup>.  
 भाति रैवतकं प्रति 93 17<sup>०</sup>.  
 भाति रैवतकः शैलः 93 14<sup>०</sup>.  
 भाति द्वाद्वहमालिनी 54 17<sup>०</sup>.  
 भात्यगाधमपर्यन्तं 54 34<sup>०</sup>.  
 मानवस्तत्र देवाश्च 7. 17<sup>०</sup>.  
 मानुनांश्च निष्प्रमः 102. 4<sup>०</sup>.  
 मानुर्भूमिरथ क्षुपः 93 7<sup>०</sup>.  
 मानोस्तु मानयस्तात 3 28<sup>०</sup>.  
 मानो. प्रभा शिला बह्वेः 118 37<sup>०</sup>.  
 मान्व्यातिवृष्ट्या मातङ्गा 54 20<sup>०</sup>.  
 माभिराहास्यज्ञगद् 34 23<sup>०</sup>.  
 माभिरवैलिततेजसम् 70 21<sup>०</sup>.  
 माभिवैज्ञाति भास्करम् 66 28<sup>०</sup>.  
 भारतल च बंगाल 62 72<sup>०</sup>.  
 भारतस्याधोदधे 67 61<sup>०</sup>.  
 भारतं त्वयि चालकं 62 73<sup>०</sup>.  
 भारतानां कुलोद्भवः 43 25<sup>०</sup>.  
 भारतानां च सर्वेषां 1 1<sup>०</sup>.  
 भारतश्च सुजाताश्च 23 160<sup>०</sup>.  
 भारतीं परिभूय सा 83 29<sup>०</sup>.  
 भारतीं महतीं पुरम् 45 9<sup>०</sup>.  
 भारद्वाजस्यैव द्रीणिः 7. 43<sup>०</sup>.  
 भारमावेश्य कन्युपु 22 19<sup>०</sup>.  
 भारशैथिल्यकारणात् 42 62<sup>०</sup>.  
 भारावतरणोपसया 42 39<sup>०</sup>.  
 भारावतारणार्थं हि 41 27<sup>०</sup>.  
 भारो यद्यत्रोत्सव्य 42 53<sup>०</sup>.  
 भार्यभूमिस्तु भार्यवात् 23 71<sup>०</sup>.  
 भार्यं कौशिकत्वं हि 23 92<sup>०</sup>.  
 भार्यैः सुमहातपाः 31 101<sup>०</sup>.  
 भार्यवासगरो नृप 10 25<sup>०</sup>.  
 भार्येण पिपु श्राद्धे 42 40<sup>०</sup>.  
 भार्येण महारतना 42 43<sup>०</sup>.  
 भार्येणामिर्दक्षितः 10 23<sup>०</sup>.  
 भार्योर्गङ्गिस्मिन् वै 65 35<sup>०</sup>.  
 भार्यया सहितो वने 19. 2<sup>०</sup>.  
 भार्या गोपकुलोद्भवा 47. 33<sup>०</sup>.  
 भार्यामित्रा भविष्यन्ति 116 8<sup>०</sup>.  
 भार्यामुद्राद्य सश्रतात् 26 16<sup>०</sup>.  
 भार्या राजन्मुखोचिता. 77. 63<sup>०</sup>.  
 भार्या रूपगुणाश्रिता 99 6<sup>०</sup>.  
 भार्या वै तनयस्य ते 99. 45<sup>०</sup>.  
 भार्या वोऽस्तु महाभागा 2 41<sup>०</sup>.  
 भार्यास्तु च परस्वियम् 116 39<sup>०</sup>.  
 भार्यास्तस्य विच्युतुस्तुः 71 14<sup>०</sup>.  
 भार्यास्तासां शतं सुताः 28 32<sup>०</sup>.  
 भार्यास्तेतास्तु भूमिप 77. 22<sup>०</sup>.  
 भार्या नाल्यचररपतिः 31. 133<sup>०</sup>.  
 भार्याः कृष्णस्य ता द्रवी 28. 34<sup>०</sup>.  
 भार्याः स इष्ट्वा शोचन्ति 77. 2<sup>०</sup>.  
 भार्याका तुल्यचारिणी 43 52<sup>०</sup>.  
 भार्यानिष्पद्यमधुरं 63 29<sup>०</sup>.  
 भार्यायन्ति फलायिनः 13 54<sup>०</sup>, 69<sup>०</sup>.  
 भार्यायन्ती समन्ततः 93 23<sup>०</sup>.  
 भार्यायन्तो भुवं देवीं 43 13<sup>०</sup>.  
 भार्यायन्त्यमितौजसः 13 42<sup>०</sup>.  
 भार्यायामास सर्वतः 20 13<sup>०</sup>.  
 भार्यायिष्यन्ति सतत 12 39<sup>०</sup>.  
 भार्यािनोर्ध्वस्य वा घटात् 8. 19<sup>०</sup>, 10 5<sup>०</sup>.  
 भार्ये तपसि शुद्धानां 36 42<sup>०</sup>.  
 भार्येनोपसर्प चम् 73 19<sup>०</sup>.  
 भार्या रसानुयायिणी 30 42<sup>०</sup>.  
 भार्य. सोऽनुगाते तस्मिन् 8 43<sup>०</sup>.  
 भार्याभागाः प्रतस्थिरे 78 46<sup>०</sup>.  
 भार्याये यद्यदिच्छसि 73 28<sup>०</sup>.  
 भार्यायै कश्चवादिन 44 38<sup>०</sup>.  
 भार्यायस्यखिलं जगत् 36 6<sup>०</sup>.  
 भार्यायान्गुध्राश्च गुधिका 3. 82<sup>०</sup>.  
 भार्यामिपादानुसृतं 49 19<sup>०</sup>.  
 भार्यास्वरस्यैव तेजसा 34 10<sup>०</sup>.  
 भार्याकारात्सुदृढ 36 48<sup>०</sup>.  
 भार्याकरणालिटेन वा 43 4<sup>०</sup>.  
 भार्याकरे तेजसि गते 68 10<sup>०</sup>.  
 भार्याकरेऽभ्युदिते तदा 86 1<sup>०</sup>.  
 भार्यायता प्रथयत्सुदृढाम् 112 96<sup>०</sup>.  
 भार्यायन्ति तानि इत्यन्ते 113 57<sup>०</sup>.  
 भार्यायं यद्विमदृता च 116 38<sup>०</sup>.  
 भार्यायैपारायुधास्तया 31 78<sup>०</sup>.  
 भार्याय भूमिमवाचत 11. 17<sup>०</sup>.  
 भार्यायै चर्षते पुन 30 47<sup>०</sup>.  
 भार्यायमान इवाणव. 56 3<sup>०</sup>.  
 भार्यायमानाश्चनिचय 61 33<sup>०</sup>.  
 भार्यायभाण्डवटीघटम् 50 13<sup>०</sup>.

भिन्नपैल इवाणं च 34 16<sup>d</sup>  
 भिन्नाज्ञानचयोपनम् 85 30<sup>b</sup>  
 भिन्नालीकस्य तस्य वै 76 16<sup>b</sup>  
 भिन्नोरस्का दितिसुते 35 9<sup>d</sup>  
 भीतस्त्वरितमागम्य 50 14<sup>a</sup>  
 भीतस्त्वरितविक्रम 71 46<sup>b</sup>  
 भीता गद्गदभाषिणी 50 16<sup>b</sup>  
 भीताश्चिरमवस्तदा 99 31<sup>d</sup>  
 भीत्या कस्माश्चित्तेषु 81 73<sup>a</sup>  
 भीनो दानपतिल्लदा 71 3<sup>b</sup>  
 भीमयोपमहायोपै 93 31<sup>d</sup>  
 भीमरूपाश्च मातङ्गा 92 10<sup>d</sup>  
 भीमसेनश्च नामत 23 110<sup>d</sup>  
 भीमसेनलया दावात् 24 23<sup>d</sup>  
 भीमसेन च जानामि 62 92<sup>d</sup>  
 भीमसेन सुयोधनम् 97 18<sup>b</sup>  
 भीमसेनाद्ययो राजत् 23 113<sup>d</sup>  
 भीमसेनोऽभवत्सुत 23 114<sup>b</sup>  
 भीमस्त रथमुत्तमम् 22 14<sup>b</sup>  
 भीमा भक्तवत्सलाश्च 31 82<sup>a</sup>  
 भीमो भीमपराक्रम 90 7<sup>b</sup>  
 भीमो विदर्भस्य सुत 26 20<sup>d</sup>  
 भीरुत्वं समुपागतम् 50 27<sup>d</sup>  
 भिषग्वैतरणश्च य 28 6<sup>b</sup>  
 भीषणा विद्वतानना 33 26<sup>b</sup>  
 भीषयाणश्च त नृपम् 85 31<sup>d</sup>  
 भीष्मकश्च नराधिप 80 10<sup>d</sup>  
 भीष्मकस्य सुतश्चापि 88 5<sup>a</sup>  
 भीष्मकस्य सुताया वै 87 2<sup>a</sup>  
 भीष्मकस्याहुनेन च 82 2<sup>b</sup>  
 भीष्मक भीमविभ्रमम् 87 17<sup>d</sup>  
 भीष्मक वरयामास 87 25<sup>a</sup>  
 भीष्मक बुद्धिने चैव 88 33<sup>d</sup>  
 भीष्मरेणाभिमुखस्य 81 100<sup>a</sup>  
 भीष्म वक्ष्यामि तावेन 12 2<sup>a</sup>  
 भीष्माय परिपृच्छते 11 5<sup>d</sup>  
 भीष्मणे परिषोदित 101 4<sup>b</sup>  
 भीष्मणेदाहत् यथा 11 7<sup>b</sup>  
 भुक्तपूर्वापरपयानि 83 2<sup>a</sup>  
 भुक्तपूर्वाभिव ज्ञानम् 40 37<sup>d</sup>  
 भुक्ता राजकुलेश्चापि 42 48<sup>d</sup>  
 भुक्तरा चापमृये कृष्ण 60 20<sup>d</sup>  
 भुक्तेषु च मन सार्धं 65 62<sup>d</sup>

भुजगाभोगनिर्वापै 47 43<sup>d</sup>  
 भुजगाभोगवर्तिना 83 26<sup>b</sup>  
 भुजगारिष्वज प्रभुः 34 38<sup>d</sup>  
 भुजगेन्द्रेण वदते 34 40<sup>d</sup>  
 भुज विख्याप दक्षिणम् 88 13<sup>d</sup>  
 भुजाप्रे सचनो गिरि 61 50<sup>d</sup>  
 भुजाभ्यां साधु भूयित 68 20<sup>d</sup>  
 भुजाभ्यां साधुवृत्ताभ्यां 55 5<sup>d</sup>  
 भुजाश्चास्य ध्ववर्धन्त 38 35<sup>d</sup>  
 भुजासकैः प्रभुभे 75 5<sup>a</sup>  
 भुजेनायतपर्यया 67 57<sup>b</sup>  
 भुजे प्रहरणावृत्तै 60 32<sup>b</sup>  
 भुज्यन्ता सर्वकामार्था 46 19<sup>d</sup>  
 भुवि पद्भ्यामवस्थित 68 28<sup>d</sup>  
 भुवि यस्ते जनयिता 45 17<sup>d</sup>  
 भुवि सत्योपयाचिता 47 60<sup>b</sup>  
 भूतप्राप्त च पञ्चम् 35 40<sup>b</sup>  
 भूतप्राप्तैर्न सशय 6 43<sup>d</sup>  
 भूतपूर्वश्च तं स्मर 46 18<sup>b</sup>  
 भूतपूर्वश्च मे कृत्य 65 33<sup>d</sup>  
 भूतभयस्यभवत्प्रभु 43 75<sup>d</sup>  
 भूतभयस्यविषयस्य 31 59<sup>d</sup>  
 भूतभेदाश्च भूनेभ्य 1 19<sup>d</sup>  
 भूतल पर्यतेरिव 65 10<sup>d</sup>  
 भूतसर्गामनुत्तमम् 1 23<sup>d</sup>  
 भूतसर्गमिम सायक 3 112<sup>d</sup>  
 भूतस्यनिपेयिवा 65 52<sup>b</sup>  
 भूतसघातयैव च 6 32<sup>d</sup>  
 भूतसतापनल्लया 3 64<sup>d</sup>  
 भूत यद्वयता समम् 100 61<sup>d</sup>  
 भूतानां जननेभ्य 3 110<sup>b</sup>  
 भूतानां भावन प्रभु 109 83<sup>b</sup>  
 भूतानां भूतभावन 40 39<sup>d</sup>  
 भूतानीच मङ्गात्र 23 161<sup>d</sup>  
 भूतातरणं तदा 112 48<sup>d</sup>  
 भूतासहिम्नपद्म 30 49<sup>d</sup>  
 भूत्या चोररादिभो हृष्यां 7 41<sup>d</sup>  
 भूतरा कर्माण सिद्धा 59 23<sup>d</sup>  
 भूत्या भूतहिताधिना 31 30<sup>d</sup>  
 भूत्या सहस्र इरा 82 84<sup>d</sup>  
 भूमिपानां सहस्रांश्च 41 23<sup>d</sup>  
 भूमिरेषा स्वयो गता 41 24<sup>d</sup>  
 भूमिर्निम्नता चैवं 81 12<sup>d</sup>

भूमिनिर्विदरीकृता 41 29<sup>d</sup>  
 भूमिश्चादरीयतृणम् 54 3<sup>f</sup>  
 भूमिलत्वाभरस्तुत 98 27<sup>b</sup>  
 भूमिस्तु पतित पुत्र 91 58<sup>a</sup>  
 भूमिलीयमयी यथा 61 17<sup>d</sup>  
 भूमि चैव प्रवेशित 10 47<sup>d</sup>  
 भूमीपृष्ठनिभोपम 61 25<sup>b</sup>  
 भूमेरासीत्तदानय 6 12<sup>b</sup>  
 भूमेस्तपात्र्यमानस 61 31<sup>a</sup>  
 भूमेर्युगपर पुत्र 98 27<sup>a</sup>  
 भून्धारोऽयोमभूतात्मा 34 35<sup>a</sup>  
 भूय एव तु विप्रये 90 1<sup>a</sup>  
 भूय एव द्वित्रिश्रेष्ठ 105 1<sup>a</sup>  
 भूय एवामिदधते 22 37<sup>d</sup>  
 भूयश्च गामदृश्योऽय 31 100<sup>a</sup>  
 भूयश्च पुद्गरोचम 86 63<sup>b</sup>  
 भूयश्च सहसरोथाय 70 33<sup>a</sup>  
 भूयश्चातो जनादंते 104 24<sup>d</sup>  
 भूयश्चैव मया शस 43 23<sup>a</sup>  
 भूयश्चैव श्रुतानि ते 105 4<sup>d</sup>  
 भूयश्चैव भविष्यति 31 10<sup>a</sup>  
 भूयश्चैरपत्स्यते प्रभु 31 145<sup>d</sup>  
 भूयस्तु बुद्धिरभवत् 86 54<sup>a</sup>  
 भूयस्त्विदानीं समरे 38 21<sup>a</sup>  
 भूय हृत्पुग कर्तु 41 12<sup>a</sup>  
 भूय क्रोधसमाधिष्ट 80 39<sup>a</sup>  
 भूय शापभयादपि 3 13<sup>d</sup>  
 भूय श्चतु यथा विष्णु 43 76<sup>a</sup>  
 भूयः सछादयामास 112 74<sup>a</sup>  
 भूय सामपैताघ्रासी 112 98<sup>d</sup>  
 भूय मिद्धिमनुश्रुता 14 8<sup>a</sup>  
 भूयो देवयिंसत्तम 3 9<sup>d</sup>  
 भूयोऽपि ते धर दधि 112 126<sup>a</sup>  
 भूयो बलसमन्वित 9 69<sup>d</sup>  
 भूयो भाण्डीरमागतौ 58 1<sup>a</sup>  
 भूयो भूतात्मनो विल्यो 31 93<sup>a</sup>  
 भूयोऽय वामनोऽपर 31 68<sup>b</sup>  
 भूयो रम्यतरं यमी 57 23<sup>a</sup>  
 भूरितेजसपद्मोर्ध्व 65 10<sup>a</sup>  
 भूरिर्भूतिश्चका शल 23 116<sup>d</sup>  
 भूरिश्रवसमेव च 65 10<sup>d</sup>  
 भूरिश्रवाञ्जितश्च 81 42<sup>a</sup>  
 भूष्णोमाइयतिलाभसाम् 40 39<sup>d</sup>

भूपण तेषु वेदमसु 93 48<sup>d</sup>  
 भूपणाना च तामिद्वै 74 8<sup>b</sup>  
 भूपणाना च सर्वेषा 3 40<sup>a</sup>  
 भृगुतुङ्गे तपश्चीत्वा 22 42<sup>a</sup>  
 भृगुनेभो विवस्वाश्च 7 26<sup>a</sup>  
 भृगोरैवात्मज्ञे सह 20 12<sup>b</sup>  
 भृत्य इत्यवगन्तव्य 35 66<sup>a</sup>  
 भृत्यवत्तत्करिष्यामि 62 98<sup>a</sup>  
 भृत्या दतिर्विष्टभुज 116 9<sup>a</sup>  
 भृत्यानामप्रत स्थित 46 21<sup>b</sup>  
 भृत्याश्चान्ये महोरगा 56 11<sup>b</sup>  
 भृत्त पीडितमानस 8 41<sup>b</sup>  
 भृदा विपण्णा सेन्द्राश्च 112 45<sup>a</sup>  
 भृदा शापमयोद्दिप्त 8 21<sup>a</sup>  
 भृदासौ धणवीडित 112 120<sup>b</sup>  
 भृदाभस्व तु देव्ये 3 55<sup>a</sup>  
 भेदिने चन्द्रविपय 35 20<sup>a</sup>  
 भेदिने पिहितानना 63 14<sup>d</sup>  
 भेदिने मनस सुखम् 79 33<sup>d</sup>  
 भेदिने वारिजा धियम् 59 41<sup>d</sup>  
 भेजे घृष्णपुरस्कृत 95 17<sup>d</sup>  
 भेजा ऋगति गुह्याना 44 10<sup>a</sup>  
 भेचार परराष्ट्राणा 65 16<sup>a</sup>  
 भेदकाले नरेन्द्राणा 67 64<sup>a</sup>  
 भेदकाले समुत्थिते 65 68<sup>a</sup>  
 भेददर्शनेभ्यो रतिम् 46 29<sup>d</sup>  
 भेदशीलश्च नारद 46 29<sup>b</sup>  
 भेरीणा च महास्वत 94 12<sup>d</sup>  
 भेरीणा च महास्वने 110 36<sup>b</sup> 112 50<sup>b</sup>  
 भेरीणश्चन्द्रद्वाना 87 77<sup>a</sup>  
 भेरीणश्चरुवै सह 94 14<sup>b</sup>  
 भोक्तु गावस्तृणानि च 50 17<sup>b</sup>  
 भोक्ष्यन्त पुराणा स्वयम् 116 38<sup>d</sup>  
 भोगराशि त्लोक्षितम् 56 30<sup>b</sup>  
 भोगाधममिप स्वन्ते 116 35<sup>a</sup>  
 भोगिभोगावसनेन 34 43<sup>a</sup>  
 भोगेनात्तत्रचैसा 56 7<sup>a</sup>  
 भोगिवा स्यात्तुभेक्षणे 107 54<sup>d</sup>  
 भोगैश्च समयोजयन् 19 22<sup>d</sup>  
 भोगोदरासने शुक्रे 70 19<sup>a</sup>  
 भोजन च किमात्मकम् 35 57<sup>a</sup>  
 भोजनान्युपकल्पयन्ता 60 11<sup>a</sup>  
 भोजपुरो वधिष्यति 47 10<sup>d</sup>





मञ्जुशिव महापांथे 40 28 <sup>d</sup>	मरुते विग्रहा लोके 42 50 <sup>d</sup>
मञ्जाया शुक्रमभव 30 40 <sup>b</sup>	मत्तकशिनि विग्रमात् 107 50 <sup>b</sup>
मञ्जुवार्तेरन्तरम् 72 2 <sup>d</sup>	मत्तकौञ्जप्रणादेयु 62 50 <sup>d</sup>
मञ्जागारै सुनियुक्ते 74 4 <sup>a</sup>	मत्तकौञ्जापद्युष्टेयु 59 39 <sup>d</sup>
मञ्जानामवलोकक 72 1 <sup>d</sup>	मत्तद्विपरथातुल्यम् 81 24 <sup>b</sup>
मञ्जासिन्धुस्य वैश्व 76 35 <sup>b</sup>	मत्तवर्हिणस्यैश्च 93 65 <sup>d</sup> 94 5 <sup>d</sup>
मञ्जा भान्यचलोपमा 74 5 <sup>d</sup>	मत्तमातङ्गविग्रमम् 107 60 <sup>b</sup>
मञ्जारीद्वगमुत्तमम् 72 4 <sup>d</sup>	मत्तकद्विदि पाण्डव 104 17 <sup>d</sup>
मञ्जाशिव जुगुणिरै 75 41 <sup>b</sup>	मत्त मदञ्जोक्षितम् 62 2 <sup>b</sup>
मणिक्कान्तवोरणम् 92 38 <sup>d</sup>	मत्त प्रादुर्भवन्ति वै 104 21 <sup>d</sup>
मणिक्कान्तवोरण 93 14 <sup>d</sup>	मत्त प्रियतरा नृप 22 25 <sup>b</sup>
मणिपर्यन्तमुत्पाठ्य 96 2 <sup>d</sup>	मत्ता विरुह्यु खगा 59 45 <sup>d</sup>
मणिपर्यन्तयात्रां हि 93 2 <sup>d</sup>	मत्ताविव गजौ युद्धे 82 12 <sup>d</sup>
मणिपर्यन्तद्वृक्ष च 92 43 <sup>d</sup>	मत्तजस्तसनातनम् 104 9 <sup>d</sup>
मणिभिश्च महाप्रभै 94 25 <sup>d</sup>	मत्तजो भरतपभ 104 19 <sup>d</sup>
मणिमुक्ताप्रवालानि 92 3 <sup>d</sup>	मत्तेय सुदिल्ल नारी 83 38 <sup>d</sup>
मणिमुक्ता सुवर्ण च 89 28 <sup>d</sup>	मत्तेयु नृपभेषु च 62 50 <sup>b</sup>
मणिरत्न स्वमन्तकम् 28 14 <sup>b</sup> 29 1 <sup>b</sup> , 18 <sup>d</sup> , 40 <sup>b</sup>	मत्तेश्व वरवारणै 84 18 <sup>b</sup>
मणिरत्नेन भास्वता 34 43 <sup>d</sup>	मत्तो मदवलाभ्या च 85 26 <sup>d</sup>
मणिरित्येवमाद्य 3 90 <sup>d</sup>	मत्ता हैभवती यथा 96 46 <sup>d</sup>
मणिरत्नेन भास्वता 103 12 <sup>d</sup>	मत्तदादि च ते लपे 56 39 <sup>d</sup>
मणिविद्वमतोरणाम् 95 15 <sup>b</sup>	मत्तप्रदिष्टन कर्मणा 47 46 <sup>b</sup>
मणिविद्वमराजै 94 2 <sup>d</sup>	मत्तप्रभावात्तुरूपैश्च 86 28 <sup>d</sup>
मणिशूद्र इवोच्छ्रित 31 27 <sup>d</sup>	मत्तप्रसादसम सुवि 47 29 <sup>b</sup>
मणिश्यामोत्तरवपु 34 14 <sup>d</sup>	मत्तसमीपाच्च नदयत् 108 33 <sup>d</sup>
मणिस्तम्भसदृशानाम् 94 2 <sup>d</sup>	मत्तसाधनेत्तया प्राप्त 65 45 <sup>d</sup>
मणिहेमनिभाश्चित्रा 94 4 <sup>d</sup>	मत्तस्वयोनावनुपमा 13 40 <sup>d</sup>
मणिहेमरुषाकीर्णा 93 59 <sup>d</sup>	मत्तस्वय गतिरप्स्विद्व 66 13 <sup>d</sup>
मणि चैव स्वमन्तकम् 29 2 <sup>d</sup>	मथुरा नाम नामत 44 21 <sup>b</sup>
मणि स्वमन्तक चैव 28 29 <sup>d</sup>	मथुरा नाम सा पुरी 44 53 <sup>d</sup>
मणीना च विचित्राणां 74 8 <sup>d</sup>	मथुरामपहाय वै 84 17 <sup>d</sup>
मणीनां हेमवर्णानाम् 92 20 <sup>d</sup>	मथुरामभ्ययात्तदा 25 14 <sup>d</sup>
मण्डलानि परिभ्रमन् 67 23 <sup>b</sup>	मथुरामभ्यघटते 85 20 <sup>d</sup>
मण्डलानि विदर्शयन् 76 5 <sup>d</sup>	मथुरामस्युपागमत् 84 12 <sup>d</sup>
मण्डलानि सहस्रत 110 60 <sup>b</sup>	मथुरायास्वदूरत 45 35 <sup>b</sup>
मण्डलै प्रभरिष्यन्ति 117 26 <sup>d</sup>	मथुराया ननाधिप 65 7 <sup>d</sup>
मत्तश शात्रेधन्वन् 97 34 <sup>b</sup>	मथुराया पितृत्वता 46 15 <sup>b</sup>
मत्तिनारसुताश्चासन् 23 43 <sup>d</sup>	मथुराया प्रवेशश्च 83 13 <sup>d</sup>
मत्तिनारो महीपति 23 43 <sup>b</sup>	मथुराया स्वभौ रानन् 79 32 <sup>d</sup>
मत्तिमेतां ददातीद् 35 55 <sup>d</sup>	मथुराया महोरसवम् 96 53 <sup>d</sup>
मत्ति चक्रेऽरिसूदन 67 23 <sup>d</sup>	मथुरार्या शुभाननौ 79 40 <sup>d</sup>
मत्ति मन्त्रतयिष्ठसाम् 100 67 <sup>d</sup>	मथुराया स निर्धयौ 85 101 <sup>d</sup>
मरुते न विन्दयेयु 5 48 <sup>d</sup>	मथुरा राष्ट्रवर्धनी 84 2 <sup>b</sup>

मथुरा पालयिव्यति 65 73<sup>d</sup>  
 मथुरा मधुसूदन 85 2<sup>b</sup>, 37<sup>d</sup>  
 मथुरा यादवाधीना 79 1<sup>c</sup>  
 मथुरा रोहिणीसुत 83 51<sup>f</sup>  
 मथुरोपवने गत्वा 81 1<sup>a</sup>  
 मथुरोपवने वसन् 96 29<sup>b</sup>  
 मथुरोपवने स्थित 46 2<sup>b</sup>  
 मध्यमानेषु भूतेषु 39 12<sup>c</sup>  
 मध्यमानो ररास ह् 74 30<sup>d</sup>  
 मध्यमानौ जलोमिभि 42 31<sup>d</sup>  
 मद्नि श्वसितोपमै 55 15<sup>b</sup>  
 मदनोद्दीपनीषु च 55 13<sup>d</sup>  
 मदपाश्रयमेव च 15 45<sup>b</sup>  
 मदरक्षा प्रवृत्ताश्च 54 6<sup>c</sup>  
 मद जहु सितापाङ्गा 59 42<sup>c</sup>  
 मद प्रसुप्तपुर्नागा 62 65<sup>a</sup>  
 मद सुसाव रोपाच 74 31<sup>c</sup>  
 मदाक्रान्तालसो बल 83 47<sup>d</sup>  
 मदाचलितवृत्तन 67 12<sup>c</sup>  
 मदीयाया न ते योनौ 20 37<sup>c</sup>  
 मदेन रुचिरेण च 75 2<sup>d</sup>  
 मद्गतस्त्वज्यता रोप 48 43<sup>c</sup>  
 मद्गत मन्युकारणम् 48 49<sup>b</sup>  
 मद्दर्शनार्थं ते बाला 104 8<sup>a</sup>  
 मद्दीपात्समदोपाया 43 35<sup>c</sup>  
 मद्दलयैश्चमास्थितै 47 3<sup>d</sup>  
 मद्गक्ताना चने चने 60 26<sup>b</sup>  
 मद्गक्ता ये हि नृत्यन्ति 112 121<sup>f</sup>  
 मद्गक्त्या ते तपश्शीर्ण 12 17<sup>a</sup>  
 मद्गराजश्च बलवान् 80 14<sup>a</sup>  
 मद्गराजमुवा चापि 89 43<sup>c</sup>  
 मद्ग कलिद्राधिपति 81 38<sup>a</sup>  
 मद्गधो वा जयो घाय 65 80<sup>c</sup>  
 मद्गदश्व भविष्यति 61 28<sup>d</sup>  
 मद्गिधै प्रतिहन्यते 47 6<sup>d</sup>  
 मधुकैटभयो हृत्वा 6 39<sup>c</sup>  
 मधुकैटभन्तार 112 107<sup>c</sup>  
 मधुपकं च गा चैर 109 65<sup>c</sup>  
 मधुराक्षोदवाण्डुना 67 27<sup>b</sup>  
 मधुर सृष्ट्या चाचा 109 51<sup>f</sup>  
 मधुर धृषते दान् 109 57<sup>f</sup>  
 मधुरैरौ तौ मन्दौ 65 95<sup>c</sup>  
 मधुरो प्राणसमत 57 9<sup>b</sup>

मधुदोर्गधा महाबल 6 26<sup>d</sup>  
 मधुर्नाम महानालीत् 44 22<sup>a</sup>  
 मधुर्मधुरवागपि 26 25<sup>d</sup>  
 मधुर्माधव एव च 7 17<sup>b</sup>  
 मधुवन्मधुसूदनम् 91 55<sup>d</sup>  
 मधुशाकफलैर्मूले 117 32<sup>c</sup>  
 मधूना वराहृद्राजा 26 25<sup>c</sup>  
 मधोर्जेजे तु वैदर्भ्या 26 26<sup>c</sup>  
 मधोर्वै कैंटभस्य च 38 6<sup>d</sup>  
 मधोश्च तनयो हस 31 127<sup>c</sup>  
 मधोस्तु माधवा स्मृता 23 162<sup>b</sup>  
 मधो पुत्रशत त्वासीत् 23 161<sup>c</sup>  
 मधो पुत्रस्य जज्ञेऽथ 28 36<sup>c</sup>  
 मध्यदेशमवाप्तवान् 9 18<sup>b</sup>  
 मध्यदेशस्य ककुद 85 2<sup>c</sup>  
 मध्यम तन्महच्छिर 56 31<sup>b</sup>  
 मध्यम पुत्रमौरसम् 9 97<sup>b</sup>  
 मध्यस्थ सलिलारम्भ 62 53<sup>c</sup>  
 मध्यस्थो ह्यत्र पार्थिवा 100 81<sup>d</sup>  
 मध्य सागरसनिभम् 100 21<sup>b</sup>  
 मध्याक्षान्तावसायिन 116 17<sup>b</sup>  
 मध्ये काश्चिद्गृह्यत 38 52<sup>d</sup>  
 मध्ये गोस्थानसकुलम् 49 26<sup>d</sup>  
 मध्ये चास्य महाशास 52 25<sup>c</sup>  
 मध्ये तु तेजससस्य 91 28<sup>c</sup>  
 मध्येन चास्य कालिन्दी 52 25<sup>c</sup>  
 मध्ये नि स्तलोचन 75 44<sup>b</sup>  
 मध्ये पावक्यर्षसाम् 100 19<sup>b</sup>  
 मध्ये पूरु च राजान 22 17<sup>c</sup>  
 मध्ये मधुनिपूदन 100 12<sup>b</sup>  
 मध्ये योजनविस्तारं 53 21<sup>c</sup>  
 मध्ये रविरिवोदितः 33 21<sup>d</sup>  
 मध्ये लोहितगङ्गस्य 91 51<sup>c</sup>  
 मनये सप्रयच्छत 42 46<sup>d</sup>  
 मनश्चक्र पुनस्तदा 112 11<sup>c</sup>  
 मनश्चक्र रतिं प्रति 63 15<sup>d</sup>  
 मनश्चक्रे विनाशाय 32 30<sup>c</sup>  
 मनसरनुह्यगामिना 67 1<sup>d</sup>  
 मनसस्तुष्टिकारकम् 103 34<sup>d</sup>  
 मनस कामचारिणी 13 27<sup>b</sup>  
 मनस कामदीपनी 51 3<sup>d</sup>  
 मनसा चैव याणा च 107 34<sup>d</sup>  
 मनसा तमनुष्पाय 86 21<sup>c</sup>

मनसा त्वेव भूतानि 3 3<sup>o</sup>  
 मनसा निमिता चेय 86 41<sup>o</sup>  
 मनसा निमिता धोनि 35 44<sup>o</sup>  
 मनसा मानसी प्रजा 35 4<sup>o</sup><sup>d</sup>  
 मनसा यादयोत्तम 84 33<sup>o</sup>  
 मनसा समनुज्ञात 89 41<sup>o</sup>  
 मनस्तस्या समादधत् 87 39<sup>o</sup>  
 मनस्तियति कान्तासु 59 52<sup>o</sup>  
 मनस्त्युन्मय चारमत्र 23 4<sup>o</sup>  
 मनस्वारभयस्तुत 23 4<sup>o</sup>  
 मन ऋणसुख तन्मा 1 4<sup>o</sup>  
 मन प्रनयित सदा 107 35<sup>o</sup>  
 मन प्रजापतीज्ञय 30 45<sup>o</sup>  
 मन स्रष्ट मनुस्तय 58 38<sup>o</sup>  
 मनासि च मनुष्याणा 59 49<sup>o</sup>  
 मनास्याह्लादयस्त्रिव 113 54<sup>o</sup>  
 मनुराहुतिमाहुदोत् 9 4<sup>o</sup>  
 मनुरिद्व्युच्यते लोके 8 47<sup>o</sup>  
 मनुरिष्टिं प्रनापति 9 3<sup>o</sup>  
 मनुरेषामभवशास्ता 8 17<sup>o</sup>  
 मनुरेण्डधरस्तदा 9 6<sup>o</sup>  
 मनुर्महाराभा भगवान्प्रजाकर 31 16<sup>o</sup>  
 मनुर्वयस्त्वत् पूर्व 8 7<sup>o</sup>  
 मनुष्यबुद्धयो गोपा 67 18<sup>o</sup>  
 मनुष्यलोकाद्व्यै तु 62 25<sup>o</sup>  
 मनुष्यलोकं वृत्त्रसि 24 17<sup>o</sup>  
 मनुष्यलोकं भागेन 106 4<sup>o</sup>  
 मनुष्यलोके ये चापि 107 64<sup>o</sup>  
 मनुष्याणा च सर्वेषा 31 135<sup>o</sup>  
 मनुष्याणा च सर्वेषा 107 69<sup>o</sup>  
 मनुष्याणा मनोभूत 30 36<sup>o</sup>  
 मनुष्या धर्मकाराणात् 41 30<sup>o</sup>  
 मनुष्या कालकारिता 117 37<sup>o</sup>  
 मनुष्या वन पालिता 117 1<sup>o</sup>  
 मनुस्तस्या क्षमत्तनु 8 10<sup>o</sup>  
 मनुस्तान युगे युगे 13 64<sup>o</sup>  
 मनु स्वायम्बु प्रभुम् 6 14<sup>o</sup>  
 मनु प्रापतिस्वामीन् 8 43<sup>o</sup>  
 मनु सावाणकन्तरे 8 43<sup>o</sup>  
 मनु स्वाराविषन्तया 7 4<sup>o</sup>  
 मनोपरो महावीर्य 109 80<sup>o</sup>  
 मनोनिर्माणचिदात्मा 42 8<sup>o</sup>  
 मनोभास्वरक्षसा 34 9<sup>o</sup>

मनोरजायन्त दना 2 16<sup>o</sup>  
 मनोरथफलद्रुमात् 21 7<sup>o</sup>  
 मनोरन्तरमासाद्य 7 42<sup>o</sup>  
 मनोरन्तरमुच्यते 1 38<sup>o</sup> 7 23<sup>o</sup>, 48<sup>o</sup>  
 मनोर्देवानिमांश्चणु 7 27<sup>o</sup>  
 मनोर्वेशकर पुत्र 9 11<sup>o</sup>  
 मनोर्वेशविपथेन 9 12<sup>o</sup>  
 मनोर्वैधस्वतस्य ह 4 16<sup>o</sup> 7 55<sup>o</sup>  
 मनोर्वैधस्वतस्यास्तु 9 1<sup>o</sup>  
 मनोर्वैधस्वतस्यैते 7 33<sup>o</sup>  
 मनोस्तात महाामन 7 13<sup>o</sup>  
 मनोहराया शिदिरि 3 34<sup>o</sup>  
 मनोहर्या मुनेरपि 62 53<sup>o</sup>  
 मनो स्वायभुनस्यैते 7 10<sup>o</sup>  
 मन्त्रग्रामे सुविहित 47 7<sup>o</sup>  
 मन्त्रत प्रतिगृह्यताम् 39 25<sup>o</sup>  
 मन्त्रपूता ऋत्विष्या 40 24<sup>o</sup>  
 मन्त्रप्रवचनाचिंतात् 100 68<sup>o</sup>  
 मन्त्रमभ्यस्यतां तेषा 37 4<sup>o</sup>  
 मन्त्रयज्ञपरा विप्रा 59 27<sup>o</sup>  
 मन्त्रयामस्तवया सह 41 27<sup>o</sup>  
 मन्त्र यज्ञवद वद्वि 31 9<sup>o</sup>  
 मन्त्राश्च विविधा पार्थ 104 21<sup>o</sup>  
 मन्त्रिणोऽथ पुरोहिता 79 27<sup>o</sup>  
 मन्त्रिभि सहितोऽभवत् 96 49<sup>o</sup>  
 मन्त्रैर्मन्त्र ह्वाच्यन्ते 39 15<sup>o</sup>  
 मन्त्रैर्वाहनमुत्तमम् 23 39<sup>o</sup>  
 मन्त्रैश्चैव महर्षय 100 76<sup>o</sup>  
 मन्त्रयन्त्रानुक्रमेण 53 23<sup>o</sup>  
 मन्त्र्यान्वलयोद्धारै 49 25<sup>o</sup>  
 मन्त्र्यावतनपूर्णेणु 70 4<sup>o</sup>  
 मन्त्र्यारोप्यमाणैश्च 53 23<sup>o</sup>  
 मन्त्रमाहृतकविपना 55 10<sup>o</sup>  
 मन्त्ररश्मौ दिताकरे 68 1<sup>o</sup>  
 मन्त्ररश्मौ विराजति 68 9<sup>o</sup>  
 मन्त्रराश्रष्टान्तरे 32 26<sup>o</sup>  
 मन्त्रराशिप्रतीकारा 93 16<sup>o</sup>  
 मन्त्ररादिभिर्गोच्छ्रितम् 34 40<sup>o</sup>  
 मन्त्रोत्कीर्णसकात् 36 48<sup>o</sup>  
 मन्त्रोदप्रवक्षस्य 36 52<sup>o</sup>  
 मन्त्रोदागिपर 84 27<sup>o</sup>  
 मन्त्र वपति घातये 77 29<sup>o</sup>  
 मन्त्र बृधिरितिः 59 43<sup>o</sup>

मन्दारैश्वोपशोभितम् 93 19<sup>b</sup>  
 मन्दासुरिव नि श्वसन् 76 32<sup>b</sup>  
 मन्दा पण्डितमानिन 117 8<sup>d</sup>  
 मन्दिदेशानुवर्तिनी 47 45<sup>b</sup>  
 मन्यथे तु गते नाश 99 46<sup>a</sup>  
 मन्यय विद्धि कौन्तेय 104 22<sup>a</sup>  
 मन्यन्ते नैव त जितम् 82 26<sup>b</sup>  
 मन्यमाना स्ववान्धवम् 58 15<sup>d</sup>  
 मन्यसे यद्यकृतव्य 66 17<sup>a</sup>  
 मन्यसे या वपुष्टमाम् 118 28<sup>f</sup>  
 मन्युनाभिसमीरित 25 9<sup>d</sup>  
 मन्ये दृष्ट स्वयाश्रये 70 35<sup>f</sup>  
 मन्येऽहं कार्यमन्ययम् 62 17<sup>b</sup>  
 मन्वन्तरकथा प्रह्वन् 7 2<sup>a</sup>  
 मन्वन्तरमिहोच्यते 2 4<sup>d</sup>  
 मन्वन्तरमुदाहृतम् 7 10<sup>d</sup>, 17<sup>f</sup>  
 मन्वन्तर चतुर्थे ते 7 18<sup>a</sup>  
 मन्वन्तराणा कौरव्य 7 3<sup>a</sup>  
 मन्वन्तराणि सर्वाणि 7 1<sup>a</sup>, 38<sup>f</sup>  
 मन्वन्तरे प्रसूयाम 3 48<sup>f</sup>  
 मन्वन्तरे व्यतिक्रान्ते 7 36<sup>a</sup>  
 मन्वन्तरेषु सवपु 7 35<sup>a</sup>  
 मन्वन्तरेषु सहार 7 51<sup>a</sup>  
 मन्वन्तरेषु सहारा 7 50<sup>a</sup>  
 मम कृष्णस्य चोभयो 65 82<sup>b</sup>  
 मम गाव प्रतीयन्वा 45 25<sup>a</sup>  
 मम गा कश्यपाद्वे 45 25<sup>b</sup>  
 मम चार्धेन तेजस 2 42<sup>b</sup>  
 मम चित्तानुवर्तिषु 65 20<sup>b</sup>  
 ममजामितदक्षिण 70 16<sup>b</sup>  
 मम हाक्षन्तुमर्हथ 84 7<sup>d</sup>  
 मम ता ह्यक्षया गाव 45 24<sup>a</sup>  
 मम तौ परिभाषितम् 65 94<sup>b</sup>  
 मम त्वेतद्द्वच ध्रुत्वा 100 56<sup>a</sup>  
 मम दर्शनकाङ्क्षया 12 17<sup>b</sup>  
 मम देवनिघातिन 77 45<sup>b</sup>  
 मम धर्ममृता धरे 6 5<sup>b</sup>  
 मम नारायणो गुरु 42 37<sup>d</sup>  
 मम निर्वर्तितातुला 11 24<sup>d</sup>  
 ममन्धुर्जातमन्यव 5 15<sup>d</sup>  
 ममन्धुर्दंष्ट्रिण करम् 2 20<sup>b</sup>  
 ममन्धुस्ते महर्षय 5 20<sup>b</sup>  
 ममन्धेन दभण 35 48<sup>a</sup>

मम पित्रा विवर्धित 65 77<sup>b</sup>  
 म पुत्रस्य धीमत 77 46<sup>b</sup>  
 म पुत्रेण निर्मिताम् 35 69<sup>b</sup>  
 म पुत्रो मम भ्राता 53 5<sup>a</sup>  
 म पुत्रोऽङ्गुनो नाम 62 74<sup>a</sup>  
 म प्रभावाच्च गवा 60 25<sup>a</sup>  
 म प्रज्वलित चक्र 15 44<sup>a</sup>  
 मम प्रत्यक्षमच्युत 19 30<sup>b</sup>  
 मम बाहूपमाग्भुवि 47 39<sup>d</sup>  
 मम भर्त्रा हृतो वीर 99 19<sup>a</sup>  
 मम माता रजस्तला 73 10<sup>b</sup>  
 मम मृत्यु समुत्थित 48 38<sup>d</sup>  
 मम युष्मास्वह स्थित 96 70<sup>d</sup>  
 मम योनिर्जैल विप्र 35 58<sup>a</sup>  
 मम वत्सोऽथ गौर्मम 53 5<sup>b</sup>  
 मम वाक्श्यादनन्तरम् 100 77<sup>b</sup>  
 मम वाक्येन चोदिता 81 73<sup>d</sup>  
 मम वीणाकृति कूर्म 100 34<sup>a</sup>  
 मम शत्रुस्त्वया दग्ध 85 60<sup>a</sup>  
 मम शीतानुदर्शन 47 31<sup>d</sup>  
 मम सद्पितं स्वया 73 21<sup>b</sup>  
 मम स्थानमिदं कार्य 86 30<sup>a</sup>  
 मम स्यादिति निश्चित 27 6<sup>d</sup>  
 ममागमनकारणम् 62 68<sup>d</sup>  
 ममाप्रतो हता गर्भा 48 45<sup>b</sup>  
 ममाग्ने प्रभाविष्यति 62 96<sup>d</sup>  
 ममाचक्ष्व महासुने 30 56<sup>d</sup>  
 ममाद्य द्वारका सर्वा 29 5<sup>a</sup>  
 ममाप्येपेव सजावा 110 47<sup>a</sup>  
 ममामिप्रायज्ञं पच 84 8<sup>b</sup>  
 ममाम्बुप्रभव दुर्ष 62 46<sup>a</sup>  
 ममाश्रमसमीपे वै 9 52<sup>a</sup>  
 ममास्त्रतेजसा दग्धा 110 28<sup>a</sup>  
 ममांशोऽहमिच स्थित 62 70<sup>b</sup>  
 ममैवारमा चतुर्विध 104 15<sup>b</sup>  
 ममैवानुमदाय वै 11 41<sup>b</sup>  
 ममैवानुमत तदा 15 62<sup>d</sup>  
 ममैवोपरिदृष्टिव्यति 91 10<sup>a</sup>  
 ममोपरि यथेन्द्रस्व 62 44<sup>a</sup>  
 मयनारपुरोगमा 37 3<sup>a</sup> 38 30<sup>d</sup>  
 मयनारा वराहश्च 37 6<sup>a</sup>  
 मयन्त्रां तामसीं दहन 35 18<sup>b</sup>  
 मयन्तु काव्यनमय 33 2<sup>a</sup>

मयस्य च परानये 36 39<sup>१</sup>  
 मया कसो निपातित 78 33<sup>१</sup>  
 मया कास्त्र्येन कीर्तिता 113 81<sup>१</sup>  
 मया केशिनियुद्ध 112 110<sup>१</sup>  
 मया च तर निज्ञासा 11 22<sup>१</sup>  
 मया च प्रतिभापितम् 100 29<sup>१</sup>  
 मया जितमिति स्मयन् 89 38<sup>१</sup>  
 मया दत्तवर पूर्वं 103 10<sup>१</sup>  
 मया दत्तास्तथाद्भुता 31 46<sup>१</sup>  
 मया दृष्ट पुरातने 43 56<sup>१</sup>  
 मया दृष्टौ परिस्थक 71 49<sup>१</sup>  
 मया देव पुरा दृष्ट 113 42<sup>१</sup>  
 मया दृष्ट धारयते 42 38<sup>१</sup>  
 मया निस्वृष्ट राज्य स्व 78 38<sup>१</sup>  
 मयानुशिष्टान्निष्ठन्तु 81 37<sup>१</sup>  
 मया पिण्ड समुद्यत 11 17<sup>१</sup>  
 मयापि हि प्रसादाद्दे 12 3<sup>१</sup>  
 मया पुष्टौ विज्ञानता 65 69<sup>१</sup>  
 मया पृथगरा विभो 86 41<sup>१</sup>  
 मया शत्रुमदोरसेकात् 106 8<sup>१</sup>  
 मया भतेरि पाविते 78 5<sup>१</sup>  
 मयाभिभूत धर्मरे 112 53<sup>१</sup>  
 मयापथ बहुतो युद्धे 108 91<sup>१</sup>  
 मया राजर्षिसत्तम 22 30<sup>१</sup>  
 मया निनिद्धतो युधि 15 29<sup>१</sup>  
 मया सद् समागम्य 38 21<sup>१</sup> 112 54<sup>१</sup>  
 मया दृष्टेषु मेघेषु 62 12<sup>१</sup>  
 मया हस्तारनामितै 62 42<sup>१</sup>  
 मयि कामाहप्रवर्तसे 99 12<sup>१</sup>  
 मयि मानार्थेक कृथा 29 36<sup>१</sup>  
 मयि योषो विघ्नस्तन्य 5 7<sup>१</sup>  
 मयि युद्धविशारद् 110 67<sup>१</sup>  
 मयि लोका स्थिता राजन् 5 48<sup>१</sup>  
 मयि होतव्यमित्यपि 5 7<sup>१</sup>  
 मयूरगरुडाणुभौ 112 77<sup>१</sup>  
 मयूरविभ्राद्दिन 60 32<sup>१</sup>  
 मयूरपत्रमद्भस्त्रे 106 36<sup>१</sup>  
 मयूरपत्रदन्तानां 60 32<sup>१</sup>  
 मयूरवयुधसु 55 13<sup>१</sup>  
 मयूरवदनास्त्रया 31 84<sup>१</sup>  
 मयूरस्य च युष्यत 112 76<sup>१</sup>  
 मयूरं दीप्ततेजसम् 112 78<sup>१</sup>  
 मयूराद्दक्षिणैश्च 65 53<sup>१</sup>

मयूराद्दक्ष्याह तौ 52 4<sup>१</sup>  
 मयूराद्भरद्भूमि 59 43<sup>१</sup>  
 मयूराणां कलापिनाम् 54 6<sup>१</sup>  
 मयूरे पाविते तस्मिन् 112 81<sup>१</sup>  
 मयेद धायते जगत् 5 48<sup>१</sup>  
 मयेव रूपितेन वै 62 14<sup>१</sup>  
 मयेते सुवि दानवा 45 3<sup>१</sup>  
 मयेवैते यथाश्रुति 7 6<sup>१</sup>  
 मयोक्त ते समासत 113 73<sup>१</sup>  
 मयो ददौ मायावी 36 21<sup>१</sup>  
 मयोद्यत यथार्थं ते 113 24<sup>१</sup>  
 मय्यासक्ता च जानामि 45 9<sup>१</sup>  
 मय्येव प्रणमिष्यति 38 15<sup>१</sup>  
 मय्येव प्रत्य गता 42 49<sup>१</sup>  
 मय्येवैव प्रलीयताम् 111 9<sup>१</sup>  
 मरणाग्नानि वैराणि 77 51<sup>१</sup>  
 मरीचियर्भान्सा लोकात् 13 63<sup>१</sup>  
 मरीचिद्रमुत्सारात् 5 8<sup>१</sup>  
 मरीचिमध्यङ्गिरसी 1 29<sup>१</sup>  
 मरीचिमिव सोमस्य 87 35<sup>१</sup>  
 मरीचिरत्रिभंगवान् 7 7<sup>१</sup>  
 मरीचिमंघनाश्रव 3 67<sup>१</sup>  
 मरीचेभ्यत्र वै सुता 13 24<sup>१</sup>  
 महनामथ चासवन् 4 4<sup>१</sup>  
 महता पतिरुच्यते 23 130<sup>१</sup>  
 महता वा महावळ 63 5<sup>१</sup>  
 मरता सद्वासात् 91 40<sup>१</sup>  
 महतो देवगन्धर्वा 34 51<sup>१</sup>  
 मरतो नाम दवास्ते 3 108<sup>१</sup>  
 मरत्तस्तस्य चात्मन 23 124<sup>१</sup>  
 मरत्तस्तस्य तनय 26 7<sup>१</sup>  
 मरत्त कथितस्तत् 23 124<sup>१</sup>  
 मरुचोऽरुभत ज्येष्ठ 26 8<sup>१</sup>  
 मरुवत्सा मरुवन्त 3 27<sup>१</sup>  
 मरुभिर्देवते सद् 31 35<sup>१</sup>  
 मरु सायण बहु प्राणान् 16 25<sup>१</sup>  
 मरुत्तोलोऽसिहागत 30 4<sup>१</sup>  
 मरुत्तोलोऽमरोपमन् 62 6<sup>१</sup>  
 मरुत्तं बहुयुग प्रमो 9 25<sup>१</sup>  
 मरुतां पश्यन्तु मे हृदमां 86 30<sup>१</sup>  
 मरुत्तानसि कथ हत 77 27<sup>१</sup>  
 मरुत्तं भेदिभिराणुते 108 64<sup>१</sup> 112 62<sup>१</sup>  
 मर्यादाश्रय सचके 86 75<sup>१</sup>

मर्यादा पुनरागमन् 58 22 <sup>d</sup>	महर्षीणा महौजसाम् 7 34 <sup>b</sup>
मर्यादा स्थापयामास 5 4 <sup>a</sup>	महर्षीणा मदा नर 7 46 <sup>d</sup>
मलदा मलदा वधा 23 8 <sup>b</sup>	महर्षीनन्वीत्तदा 5 11 <sup>b</sup>
मलिनो वा विचेतन 79 32 <sup>b</sup>	महर्षीन्द्रक्षययैवा 41 10 <sup>b</sup>
मलमार्गश्च दूषित 75 23 <sup>a</sup>	महर्षेर्वाद्ययो रस 118 2 <sup>d</sup>
मल्लदम्बुर्वधो हि स 75 28 <sup>d</sup>	मदाकटि स्थूलमुल 64 8 <sup>a</sup>
मला प्रासा वरान्ते 71 26 <sup>b</sup>	मदाकायनितेतनम् 34 45 <sup>d</sup>
महैर्वा स्वयमेव वा 73 7 <sup>b</sup>	मदाकाय महाबलम् 31 125 <sup>d</sup>
महौ चाश्रुमुष्टिक्रौ 45 5 <sup>b</sup> 72 22 <sup>d</sup>	मदाकाया महाबला 96 31 <sup>d</sup>
महौ रत्नगतौ तौ तु 44 73 <sup>c</sup>	मदाकाया महाबला 6 24 <sup>b</sup>
महौ वीरश्वनोचितौ 72 16 <sup>b</sup>	मदाकायो नरान्तङ्ग 96 38 <sup>b</sup>
महतस्त्वपस परि 2 31 <sup>a</sup>	मदाकायो महाबल 9 53 <sup>b</sup>
महतस्त्वमस परि 14 2 <sup>a</sup>	मदाकाल इति ख्यात 112 125 <sup>d</sup>
महता तपसाश्चित 3 73 <sup>d</sup>	मदाकाशगतो महान् 62 28 <sup>d</sup>
महता तपसा युक्ता 7 40 <sup>c</sup>	मदाकुम्भा यथाक्रमम् 72 8 <sup>b</sup>
महता परिवारित 101 18 <sup>b</sup>	मदाकनुभिरिने च 26 2 <sup>c</sup>
महता राशराज्येन 5 27 <sup>c</sup>	महातया स विभ्राज 18 11 <sup>c</sup>
महता स समन्वित 18 11 <sup>b</sup>	महात्म्यं कुलवर्धन 15 57 <sup>b</sup>
महती निर्मिता मया 61 55 <sup>d</sup>	महात्मानो द्विजर्षभा 13 58 <sup>d</sup>
महती लोकाधारणीम् 3 5 <sup>c</sup>	महात्मानो महाभागा 13 43 <sup>c</sup>
महत्त कर्म कृत्स्नतम् 44 33 <sup>d</sup>	महात्मानो महौजस 7 29 <sup>b</sup>
महत्या क्षमया युते 100 49 <sup>d</sup>	महात्मानो महायुवी 110 26 <sup>d</sup>
महत्सूक्ष्मबिडे वार्णी 28 22 <sup>a</sup>	महात्मा सूर्यसन्निभ 6 34 <sup>d</sup>
महद्वयेतदधिष्ठान 4 16 <sup>c</sup>	महादेशमुपस्थिता 13 21 <sup>a</sup>
महद्भि ऋतुभिर्विभु 23 51 <sup>d</sup>	महादेवस्य त रथम् 112 86 <sup>d</sup>
महद्भि साधु पूजिता 75 28 <sup>d</sup>	महादेवस्य मित्त 113 65 <sup>c</sup>
महद्भूत न ज्ञानीम 56 45 <sup>c</sup>	महाद्विसिखरोपम 92 44 <sup>b</sup>
महद्युक्त सुदारणम् 109 73 <sup>b</sup>	महानदी द्वारवती 93 23 <sup>c</sup>
महर्षय सगन्धर्वा 48 17 <sup>c</sup>	महाननो महाप्रीव 58 27 <sup>a</sup>
महर्षयो वीतदोवा 32 38 <sup>d</sup>	महानामश्च विफ्रात 3 64 <sup>c</sup>
महर्षिं कुलसमिते 42 46 <sup>d</sup>	मदानासीरदजापति 2 29 <sup>b</sup>
महर्षिगणसस्तुव 92 58 <sup>b</sup>	मदानिद नरापिपै 84 11 <sup>b</sup>
महर्षिपुत्र धर्मात्मा 9 98 <sup>c</sup>	महागीलमहाच्छणी 3 88 <sup>c</sup>
महर्षिभिरभिदूते 21 9 <sup>b</sup>	महानिन सुरदाणि च 81 56 <sup>c</sup>
महर्षिभिरलकृतम् 82 14 <sup>b</sup>	महान्तौ युद्धदुर्योदौ 42 24 <sup>b</sup>
महर्षिभिरलकृता 1 33 <sup>d</sup>	महान्नागवसक्षये 109 48 <sup>d</sup>
महर्षिरापैराविष्ट 38 42 <sup>c</sup>	महाशैरवल्हन 15 34 <sup>b</sup>
महर्षिर्विमहदधि 44 10 <sup>c</sup>	महामुदितगोशुल 60 14 <sup>b</sup>
महर्षिर्विमौ मधु 110 26 <sup>f</sup>	महान्सा मधुपुद्गन 41 25 <sup>d</sup>
महर्षिं यथातदा 5 41 <sup>c</sup>	महापुण्ड्रिणिया 65 52 <sup>d</sup>
महर्षिसमतास 41 12 <sup>b</sup>	महानाद्वयसंतमम् 44 22 <sup>d</sup>
महर्षि कौशिकेभ्यः 9 100 <sup>c</sup>	महपुराणात्मन्युचि 40 20 <sup>c</sup>
महर्षीणां च संपदा 109 91 <sup>b</sup>	महापुराणसेवितम् 109 71 <sup>b</sup>

महाप्रस्थानमच्युतम् 114 7<sup>d</sup>  
 महापुद्गल भारत 20 4<sup>d</sup>  
 महाभाग सुतोऽभयम् 24 25<sup>b</sup>  
 महाभागा महायज्ञा 88 44<sup>f</sup>  
 महाभागसु सहस्र 25 6<sup>b</sup>  
 महाभागा तपोन्विताम् 92 54<sup>d</sup>  
 महाभारतमारयान 1 8<sup>a</sup> 115 11<sup>a</sup>  
 महाभारतसंहार 115 19<sup>a</sup>  
 महाभिषय युज्ञो च 13 37<sup>a</sup>  
 महाभूतपतिर्मेहान् 37 57<sup>b</sup>  
 महाभूतानि भूतात्मा 30 8<sup>a</sup>  
 महाभूतेषु तर्षेषु 112 39<sup>a</sup>  
 महाभ्रमनयकाश 31 125<sup>a</sup>  
 महाभ्रमनसनिभम् 110 38<sup>b</sup>  
 महामना नाम सुत 23 19<sup>a</sup>  
 महामनास्तु पुत्रो द्वौ 23 20<sup>a</sup>  
 महामात्रचोदितै 81 76<sup>d</sup>  
 महामात्र तव कल 73 1<sup>a</sup>  
 महामात्रोत्तमारुहै 81 16<sup>a</sup>  
 महासूधे तव मम च द्वयोरिम 111 11<sup>a</sup>  
 महासूधे महाराज 105 12<sup>a</sup>  
 महामेघगणार्पितम् 54 10<sup>b</sup>  
 महामेर सकैलास 103 15<sup>a</sup>  
 महापुद्ग महानाद 117 14<sup>a</sup>  
 महाप्योगयलापेता 13 21<sup>a</sup>  
 महायोगी महास्नान 5 45<sup>a</sup>  
 महायोगित्वमायुध 23 30<sup>a</sup>  
 महायोगी तदा गन्ता 13 48<sup>a</sup>  
 महायोगी द्विर्जपेन 13 45<sup>d</sup>  
 महायोगी महापुदि 97 41<sup>a</sup>  
 महायोगी महामना 85 5<sup>d</sup>  
 महायोगी स तु षडि 23 26<sup>a</sup>  
 महारत्नकृत्यानि 92 3<sup>a</sup>  
 महारत्नस्रष्टा 36 48<sup>d</sup>  
 महारथाना राजेन्द्र 15 19<sup>a</sup>  
 महाराजस्य दयिता 71 26<sup>a</sup>  
 महाराजो भगीरथ 10 66<sup>b</sup>  
 महाराजपरिक्षिप्त 91 23<sup>a</sup>  
 महाराजमथायुयम् 43 36<sup>b</sup>  
 महाराजे प्रस्तवा 42 15<sup>a</sup>  
 महार्थ महाय गतिम् 19 32<sup>b</sup>  
 महाहाणि बहूनि च 79 21<sup>a</sup>  
 महाराजलनिर्भवा 91 48<sup>a</sup>

महायज्ञास्थापरे 31 83<sup>b</sup>  
 महारूपे महाभयम् 117 14<sup>b</sup>  
 महावातसमुद्भूत 54 10<sup>a</sup>  
 महादीर्घपराकना 7 13<sup>f</sup>  
 महादीर्घा परानित 26 11<sup>d</sup>  
 महाशक्ति महासूधे 112 46<sup>b</sup>  
 महाशिलाप्रहरणा 31 80<sup>a</sup>  
 महापोडनचत्वराम् 93 28<sup>b</sup>  
 महासत्रमयो महाम् 31 27<sup>d</sup>  
 महासास्य धार्मिक 23 19<sup>b</sup>  
 महासालोऽभवत्सुत 23 18<sup>b</sup>  
 महासूर्य इवोदितौ 112 58<sup>d</sup>  
 महासेनपराक्रम 44 60<sup>d</sup>  
 महिमान निरीक्ष्य च 2 12<sup>b</sup>  
 महिम्ना तस्य विमित 23 14<sup>a</sup>  
 महिम्नारस्तथैव च 15 17<sup>d</sup>  
 महिम्ना व्याप्य तिष्ठति 1 37<sup>f</sup>  
 महिषाश्च वनेचरान् 10 2<sup>b</sup>  
 महिषाश्रोपनायिरान् 69 29<sup>b</sup>  
 महिषी त्वनमीदस्य 23 103<sup>a</sup>  
 महिषी रज्जुहस्य या 13 47<sup>d</sup>  
 महिषी ननुपस्य च 13 60<sup>d</sup>  
 महिषीं प्रियदर्शनाम् 97 16<sup>d</sup>  
 महिषी सत कश्याप्ती 88 40<sup>a</sup>  
 महिष्य देशवस्य वा 99 31<sup>b</sup>  
 महिष्या वानुदेयस्य 93 48<sup>a</sup>, 50<sup>a</sup>  
 महिष्या जशिरे शूरान् 24 14<sup>a</sup>  
 महिष्या परुष पिभो 19 10<sup>b</sup>  
 मही नमनृणच्छदा 73 17<sup>a</sup>  
 महीमहारन पूरै 54 10<sup>a</sup>  
 महीयेतां महीतल 62 58<sup>d</sup>  
 महीं सागरपरेणा 31 28<sup>a</sup>  
 महेंद्रभवन ना 97 14<sup>a</sup>  
 महेंद्रभवनस्रष्टा 97 42<sup>b</sup>  
 महेंद्रप्रेरमात्रेण 94 7<sup>a</sup>  
 महेंद्रशिरसरे चैव 97 5<sup>a</sup>  
 महेंद्रश्वरपुत्रेन्द्रश्च 62 56<sup>a</sup>  
 महेंद्र सजिगेन्द्रदा 38 76<sup>b</sup>  
 महेंद्रस्यैव वृत्तण 82 5<sup>a</sup>  
 महेंद्रायुषसतली 58 5<sup>a</sup>  
 महेंद्रेणामृतसार्धे 34 41<sup>a</sup>  
 महेंद्रे पर्वतोत्तमे 31 108<sup>f</sup>  
 महेंद्रेपेन्द्रसङ्घिते 62 57<sup>a</sup>

महै प्रतिहते शक्र 61 1<sup>a</sup>  
 महेश्वर कुमार च 43 61<sup>a</sup>  
 महेश्वरशोऽपसृते 43 59<sup>a</sup>  
 महेश्वरेण वा मन्त्रान् 43 6<sup>a</sup>  
 महैष्वासानस वीर्यवान् 87 71<sup>b</sup>  
 महैष्वासा महावीर्या 80 9<sup>a</sup>  
 महै सुरेशमर्चयित् 59 18<sup>a</sup>  
 महोत्पातभय चैव 106 55<sup>a</sup>  
 महोद्धिरिवोदये 9 71<sup>d</sup>  
 महोदधे महीपाल 43 39<sup>a</sup>  
 महोऽय गत्य वतते 71 39<sup>d</sup>  
 महोल्कामिन वा दीर्क्षा 112 43<sup>a</sup>  
 महोल्का ज्वलितामिव 108 73<sup>d</sup>  
 मङ्ग तु रोचते कस 66 38<sup>a</sup>  
 मङ्ग पूर्वं ततोऽमघ 9 59<sup>d</sup>  
 मङ्ग शिल्पवता घर 93 3<sup>f</sup>  
 मा कार्षीं पुत्रजा चिन्ता 48 42<sup>a</sup>  
 मागधस्य महामातै 82 1<sup>a</sup>  
 मागधस्य सुत नृप 80 3<sup>d</sup>  
 मागधाना महारथ 87 71<sup>d</sup>  
 मा च ते शम्बरस्येय 99 45<sup>a</sup>  
 मातर मे प्रथयेयन् 73 18<sup>d</sup>  
 माता च पूजिता वृद्धा 16 20<sup>f</sup>  
 माता ज्ञेय वैदुष्या 26 26<sup>f</sup>  
 माता तद्दहरेव मे 73 35<sup>d</sup>  
 माता ते देवकी कृष्ण 69 23<sup>a</sup>  
 मातापितृभ्या सवण 69 24<sup>a</sup>  
 मातापितृभ्या सत्यत् 73 36<sup>a</sup>  
 मातापित्रोरनुग्रहम् 69 9<sup>b</sup>  
 मातापित्रास्तु कार्येण 48 50<sup>f</sup>  
 मातुश्च शिरसा पादौ 76 43<sup>d</sup>  
 मातुस्तत्र भद्रिष्यति 8 9<sup>b</sup>  
 मातुस्तस्यामजायत 26 27<sup>b</sup>  
 मातृभ्यां परित्यज्य 99 11<sup>a</sup>  
 मातृच्छहेन दु खिता 13 16<sup>d</sup>  
 मादृणां तात कारेन 23 50<sup>f</sup>  
 मा तेऽद्भृद्दिहव मन 21 33<sup>f</sup>  
 माया धहेन सर्वेषु 8 2<sup>a</sup>  
 मायुरेणोऽसनिता 67 3<sup>f</sup>  
 मात्री युषामितं पुत्र 24 1<sup>a</sup> 28 10<sup>a</sup>  
 मादयां च विनियुपताम् 43 63<sup>d</sup>  
 मादया कुक्षिभयातुभौ 62 93<sup>d</sup>  
 मादया युयौ तु ज्यते 2+ 3<sup>a</sup>

माघस्य निवेशने 109 57<sup>d</sup>  
 मानयद्भिर्न गच्छय 112 9<sup>a</sup>  
 मानयन्त पिनाकिनम् 25 16<sup>d</sup>  
 मानयामास माधव 113 44<sup>d</sup>  
 मानयिष्यश्च तान्त्वमी 87 23<sup>a</sup>  
 मानवाना कुतो भयम् 41 3<sup>d</sup>  
 मानवाना च पतय 41 5<sup>a</sup>  
 मानवा निर्गते युते 116 19<sup>b</sup>  
 मानवा विगतस्वरा 41 4<sup>b</sup>  
 मानवा प्रणिष्पन्ति 62 57<sup>a</sup>  
 मानवे द्राघ धीमते 42 48<sup>b</sup>  
 मानवेयो महाराज 9 20<sup>a</sup>  
 मानवौघभारक्षमम् 72 5<sup>a</sup>  
 मानसस्य विसृजिता 14 2<sup>d</sup>  
 मानस पूवत्र प्रभो 12 11<sup>b</sup>  
 मानसा नाम ते लोका 13 62<sup>a</sup>  
 मानसा सप्त ये श्रुता 20 11<sup>d</sup>  
 मानसेन प्रवर्तन 86 44<sup>a</sup>  
 मानित सर्वदुष्णिभि 100 2<sup>d</sup>  
 मानुपत्त्वमुपागतः 45 11<sup>d</sup>  
 मानुष्यन्नुपागतः 109 53<sup>d</sup>  
 मानुष पतिमाश्रित्य 73 25<sup>a</sup>  
 मानुष मासमभान 67 5<sup>a</sup>  
 मानुष वसुरास्याय 4+ 70<sup>a</sup> 56 14<sup>a</sup>  
 मानुषाणामनामयम् 30 6<sup>f</sup>  
 मानुषाश्चोपजीवन्ति 3 41<sup>a</sup>  
 मानुषास्ते न चानीयु 103 10<sup>a</sup>  
 मानुषीणा विदोपत 73 26<sup>a</sup>  
 मानुषेणाल्परवीर्येण 73 9<sup>a</sup>  
 मानुषेषु महात्मन 113 67<sup>a</sup>  
 मानुषैरव साध्यते 47 6<sup>b</sup>  
 मानुषो येनुमर्दति 19 8<sup>b</sup>  
 मानुष्यनुवसयितुम् 68 35<sup>d</sup>  
 मानुष्यं मृत्युदुर्बलम् 65 34<sup>d</sup>  
 मानुष्यां गान्धर्वाणां 25 11<sup>a</sup> 85 18<sup>a</sup>  
 मानुष्ये स कथ पुदि 30 6<sup>a</sup>  
 मानुष्ये स्यवपातयन् 30 8<sup>a</sup>  
 मानेषु विनिवाजयन् 100 2<sup>b</sup>  
 माघाता द्वौ सुतो 79 9 83<sup>a</sup>  
 माघाता युगनाश्रय 9 83<sup>a</sup>  
 माघायुष्मु सुतो राजा 85 40<sup>a</sup>  
 माघस्य दय दराताम् 112 111<sup>a</sup>  
 माघस्य महामपि 66 11<sup>a</sup>



मान्याश्रैवाभिगम्याश्च 66 13<sup>o</sup>  
 मा मूढधो नो भगवन् 47 17<sup>o</sup>  
 मा भून्मे देवसत्तम 112 127<sup>b</sup>  
 मा भैष्ट मरुता गणा 32 32<sup>b</sup>  
 मा भैष्ट मा भैष्ट इति 108 30<sup>o</sup>  
 मामनाद्वय दुर्बुद्धे 22 27<sup>o</sup>  
 मामनुजानुमर्हति 112 112<sup>d</sup>  
 मामपि प्रतिगर्जति 38 59<sup>d</sup>  
 मामम्रैपीत्सुरश्रेष्ठ 96 71<sup>o</sup>  
 माममार्त्यं परिवृत 15 38<sup>o</sup>  
 मामुत्सृज्य वरो यस्मात् 47 20<sup>o</sup>  
 मामुपस्थितमग्रत 13 74<sup>b</sup>  
 मामुनाच जनादन 101 15<sup>b</sup>  
 मामुवाच तत शौरि 102 22<sup>o</sup>  
 मामृते न पुमान्कश्चिन् 103 7<sup>o</sup>  
 मामेन तद्वन तेज 104 12<sup>o</sup>  
 मामेव हि विद्येपेण 102 13<sup>o</sup>  
 मा मैत्र देवगन्धर्व 100 47<sup>o</sup>  
 मा यजेथाश्च तं क्रतुम् 115 29<sup>d</sup>  
 मायया कालदाभ्यर 99 27<sup>d</sup>  
 माययाभिज्ञद्वार तम् 99 5<sup>b</sup>  
 मायया योगरूपया 45 40<sup>b</sup>  
 मायया शीघ्रविक्रम 99 29<sup>b</sup>  
 मायापारागन्धिकर्दध 35 12<sup>o</sup>  
 मायापारौर्विसुक्तास्तु 35 15<sup>o</sup>  
 माया मषविरुद्धिपता 35 19<sup>b</sup>  
 मायामयी तु सा सज्ञा 8 8<sup>o</sup>  
 मायास्तश्चिस्व दुष्यस्य 108 76<sup>o</sup>  
 मायामेतां हनिष्यामि 35 74<sup>o</sup>  
 मायामौर्वी समासाद्य 35 20<sup>o</sup>  
 मायायुद्धविशारदम् 99 44<sup>b</sup>  
 मायारूपेण त दैत्य 99 46<sup>o</sup>  
 मायावतीनि विषयाता 99 45<sup>o</sup>  
 मायावत्या प्रभापितम् 99 26<sup>b</sup>  
 मायापारत्या सह तथा 99 30<sup>o</sup>  
 मायावपे विनिर्मुक्त 36 37<sup>o</sup>  
 मायात्रिदधा पुत्रस्य 109 56<sup>o</sup>  
 माया विष्णुशरीरता 40 31<sup>d</sup>  
 मायाश्चास्मि द्वाै सर्वा 99 8<sup>o</sup>  
 मायासु च विदारदम् 87 3<sup>d</sup>  
 माया भूमिगत्यामिव 87 34<sup>b</sup>  
 माया मानुषरूपिणीम् 58 32<sup>d</sup>  
 माया दानुनिवर्द्धणी 6 25<sup>d</sup>

मायेऽन्तर्दधतुन्त 36 26<sup>b</sup>  
 मायेव शुभदर्शना 99 6<sup>d</sup>  
 मायेया वासवेनेह 118 28<sup>o</sup>  
 मारिया नाम नारैया 2 41<sup>o</sup>  
 मारियाया प्रजापति 2 45<sup>b</sup>  
 मारीचश्च सुनाहुश्च 31 114<sup>o</sup>  
 मारीचस्तामभापत 3 100<sup>b</sup>  
 मारीचारकृत्यपाजाता 3 49<sup>o</sup>  
 मारीचाय द्वाै प्रीत 31 106<sup>o</sup>  
 मारीचित्रेनयामास 3 73<sup>o</sup>  
 मारीचेस्तु परिग्रह 3 72<sup>d</sup>  
 भारत जगत प्राण 86 66<sup>o</sup>  
 भारुताग्निभव महत् 36 47<sup>o</sup>  
 भारुतापूर्णिताम्बरम् 36 58<sup>b</sup>  
 भारतान्खिताम्बरम् 75 1<sup>o</sup>  
 भारुतेन नयोदृतम् 54 12<sup>b</sup>  
 मा रोदीरिति त दाक 3 107<sup>o</sup>  
 मा रोदीरित्यथेरिताम् 28 23<sup>d</sup>  
 मार्कण्डेय त्रिदामय 13 72<sup>d</sup>  
 मार्कण्डेयस्तु तेऽज्ञेय 11 40<sup>o</sup>  
 मार्कण्डेयस्य पश्यत 42 34<sup>b</sup>  
 मार्कण्डेय समाहित 12 1<sup>b</sup>  
 मार्कण्डेयाय वृच्छते 11 7<sup>d</sup> 15 66<sup>d</sup>  
 मार्कण्डेयेन कथित 11 5<sup>o</sup>  
 मार्कण्डेयेन कथिता 15 9<sup>o</sup>  
 मार्कण्डेयेन धीमता 19 34<sup>b</sup>  
 मार्कण्डेयो महात्पा 12 2<sup>b</sup> 15 13<sup>o</sup>  
 मार्गध्व त्वरिता ह्यै 109 35<sup>d</sup>  
 मार्गध्व चतुनन्दनम् 109 37<sup>d</sup>  
 मार्गमादिष्टमिच्छामि 83 46<sup>o</sup>  
 मार्गमजवनध्वत्ता 93 53<sup>o</sup>  
 मार्गस्थो विषर्मा भातु 62 64<sup>o</sup>  
 मार्गतत्पस्य देवतै 39 17<sup>o</sup>  
 मार्गितय समन्तत 109 35<sup>b</sup>  
 मार्गितव्यानि भूमिपु 52 12<sup>d</sup>  
 मार्गित न च दृश्यते 109 59<sup>d</sup>  
 मार्चरिदाशचक्राश्च 31 83<sup>o</sup>  
 मानण्ड इति चोच्यते 8 4<sup>o</sup>  
 मानण्डस्य महात्मन 8 2<sup>b</sup>  
 मानण्डस्य विवस्वत 8 34<sup>b</sup>  
 मानण्डस्य स्वतेजसा 8 3<sup>b</sup>  
 मानण्डस्यारुतामेतौ 8 39<sup>o</sup>  
 मारुया छद्रवक्षसम् 70 20<sup>d</sup>

मालाकारमकातरम् 71 17<sup>d</sup>.  
 मालिनी वृद्धतोऽप्यगात् 114 8<sup>d</sup>.  
 मालिनी भ्रातृमालिनी 114 6<sup>d</sup>.  
 माल्यदामान्तंस्तितैः 74 3<sup>d</sup>.  
 माल्यवृत्तिरधोमुख 71 20<sup>b</sup>.  
 माल्यवृत्तिः प्रियंवदः 71 16<sup>b</sup>.  
 माल्यार्थमभिसृष्टया 71 17<sup>b</sup>.  
 मा वधीर्ज्वरमेतं वै 111 7<sup>d</sup>.  
 मा वासवं मा च सुहं 118 33<sup>d</sup>.  
 मा शब्द इति सर्वत्र 42 12<sup>d</sup>.  
 मासान्परिचतुर्दश 23 131<sup>d</sup>.  
 मासान् पुष्पग्रामादीन् 47 4<sup>d</sup>.  
 माहारम्यं केषवस्य च 113 79<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं केषवस्य मे 104 24<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं केषवस्य या 101 4<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं तस्य धीमतः 31 136<sup>d</sup>.  
 माहात्म्यं श्रोतुमिच्छामि 90 1<sup>d</sup>. 101 1<sup>d</sup>.  
 माहात्म्येनानुजेन वै 83 11<sup>d</sup>.  
 मां क्षीमयितुमुत्सहेत् 46 23<sup>d</sup>.  
 मां च इक्षयन्ति तत्त्वतः 63 12<sup>d</sup>.  
 मां च कथा कृवां पूर्व 42 14<sup>d</sup>.  
 मां च वो नाथमाश्रित 46 28<sup>d</sup>.  
 मां चैवात्मानमात्मना 62 81<sup>d</sup>.  
 मां जिह्वा द्विमाश्रिताः 42 49<sup>d</sup>.  
 मां एवं धर्मभृतां वर G 8<sup>d</sup>.  
 मां दृष्ट्वा वरपालयम् 113 11<sup>b</sup>.  
 मां नियोजय गोविन्द 101 14<sup>d</sup>.  
 मां प्रमो देवदेयेन 43 26<sup>d</sup>.  
 मां यक्षन्तीति भागव 12 21<sup>b</sup>.  
 मांसच्छेदघना सर्वे 76 41<sup>d</sup>.  
 मांसमेदोस्विदुर्गन्धा 42 41<sup>d</sup>.  
 मांसराशिप्रकल्पात् 60 16<sup>d</sup>.  
 मांससोणितकर्ममः 82 6<sup>d</sup>.  
 मांस च मायया वृष्ण 60 18<sup>d</sup>.  
 मांस तद्वपन्धत 10 2<sup>d</sup>.  
 मांसासु मेदसां जन्म 30 39<sup>d</sup>.  
 मित्ररूपेण नमुणा 65 50<sup>d</sup>.  
 मित्रवत्पि चाङ्गना 98 8<sup>d</sup>.  
 मित्र्यामित्रविक्रिन्द 98 8<sup>d</sup>.  
 मित्रवाह मुनीयथ 98 9<sup>d</sup>.  
 मित्रविन्द्या च कान्दि 98 4<sup>d</sup>.  
 मित्रथ वरपक्षीभौ 9 9<sup>d</sup>.  
 मित्र 80 6<sup>d</sup>.

मित्राणि एतं भजिष्यन्ति 78 20<sup>d</sup>.  
 मित्राणि बहुलानि च 84. 4<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोरेदौ 9 4<sup>d</sup>. 7<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोरिज 9 8<sup>d</sup>.  
 मित्रावरुणयोस्तात 9 3<sup>d</sup>.  
 मित्रेण वरुणेन च 96 16<sup>d</sup>.  
 मित्रो वरण एव च 3 51<sup>d</sup>.  
 मिथिलामसितो राजन् 29 19<sup>d</sup>.  
 मिथिलामसिदन्त. 29 23<sup>d</sup>.  
 मिथ्यावृत्तौ यज्ञान् 115 21<sup>d</sup>.  
 मिथ्याप्रतिज्ञो जलदान् 61 60<sup>d</sup>.  
 मिथ्याभिसासो गार्ग्यस्तु 25 9<sup>d</sup>.  
 मिथ्या ह्येवं विचारितम् 65. 74<sup>d</sup>.  
 मिथ्योपचर्ये ते तं तु 16 14<sup>d</sup>.  
 मिथीकृत ह्वाभाति 91 35<sup>d</sup>.  
 मिपतां देवतानां च 10 20<sup>d</sup>.  
 मीननिर्मलमेखलाम् 55 37<sup>d</sup>.  
 मीयन्तां राजमार्गाश्च 86 9<sup>d</sup>.  
 सुकुडुम्बापत्तल्य 76 30<sup>d</sup>.  
 सुकृत्याचापि कंसस्य 75 41<sup>d</sup>.  
 सुकुटैर्न त्रिचक्षेण 47 43<sup>d</sup>.  
 सुकुटैर्नाकंबचंसा 58 26<sup>d</sup>.  
 सुककेना विचलितः 116 11<sup>d</sup>.  
 सुक्ततोयासु तोयदै 54 39<sup>d</sup>.  
 सुक्तमाश्रित्वा बाहुभ्यां 111 2<sup>d</sup>.  
 सुक्तमूल क्षितेःपलात् 61 37<sup>d</sup>.  
 सुक्तं चतुसुमुखादि 51 24<sup>d</sup>.  
 सुक्ता भरवत्सत्तन 104 10<sup>d</sup>.  
 सुक्त्वा वृष्णमुद्वलान् 51. 34<sup>d</sup>.  
 सुक्त्वा गा धं महापथा. 113 44<sup>d</sup>.  
 सुपजेनाभिना क्रोधात् 9 71<sup>d</sup>.  
 सुखमस्यापरा धीश्च 63 32<sup>d</sup>.  
 सुखं नारायणरथेय 99 36<sup>d</sup>.  
 सुखाद्दुःखिममत्स्यं 76 4<sup>d</sup>.  
 सुखांश्चैवैरतर्षिणः 37 39<sup>d</sup>. 56 9<sup>d</sup>.  
 सुते हुद. भमादधत् 67 33<sup>d</sup>.  
 सुतेभ्यो यायुर्नामि च 2 36<sup>d</sup>.  
 सुते ह्यस्यते चास्य 67 24<sup>d</sup>.  
 सुषणा सुदूपर मराः 37 5<sup>d</sup>.  
 सुषयेषु मनुष्येभ्यः 67 46<sup>d</sup>.  
 सुषुडुम्बं राजर्षिः 85 50<sup>d</sup>.  
 सुषुडुम्बस्य वेत्तार 85 41<sup>d</sup>.  
 सुषुडुम्बं च पार्थिवम् 0 85<sup>d</sup>.

सुबुद्धन्दो महायाना 85 40<sup>b</sup>  
 सुच्यमानेन चासहृत् 61 17<sup>b</sup>  
 मुञ्चन्त शरयर्पाणि 88 15<sup>a</sup>  
 मुण्डपित्वा व्यसर्जयत् 10 4<sup>a</sup>  
 मुण्डा कापायवात्स 116 15<sup>b</sup>  
 मुदितमना रमयन्चपुष्टमां ताम् 118 40<sup>b</sup>  
 मुदिताश्रानुकुर्वन्त्य 63 28<sup>a</sup>  
 मुदिताश्राप्यगायन्त 79 30<sup>a</sup>  
 मुदिता सिद्धविद्यान्तौ 58 11<sup>a</sup>  
 मुद्रलस्य तु दायाद 23 99<sup>a</sup>  
 मुद्रल सृज्यथशैव 23 96<sup>a</sup>  
 मुनयश्च समाहिता 34 47<sup>b</sup>  
 मुनयश्चाभिमानिन 117 16<sup>b</sup>  
 मुनयो धर्माचारिण 16 28<sup>b</sup>  
 मुनयो बहुरूपिण 117 19<sup>b</sup>  
 मुनिमूर्खे सभाजयन् 35 53<sup>b</sup>  
 मुनिरप्सरसस्तया 3 92<sup>b</sup>  
 मुनिर्मेनसि तादृति 35 31<sup>b</sup>  
 मुनिर्वेदशिरास्तथा 7 22<sup>b</sup>  
 मुनि प्रीतस्त्रिषाङ्गये 10 19<sup>b</sup>  
 मुनीना भावितारामनाम् 31 114<sup>b</sup> 35 28<sup>b</sup>  
 मुनीनां विहित पुरा 35 33<sup>b</sup>  
 मुनीन्चै सशितमतात् 31 55<sup>b</sup>  
 मुमुक्षुगन्धमधिक 73 16<sup>a</sup>  
 मुमुक्षु पुष्पकानौश्च 83 31<sup>a</sup>  
 मुमुदाते यदुवरी 79 39<sup>a</sup>  
 मुमुदुर्वादेवा सर्वे 84 23<sup>a</sup>  
 मुमुदे ब्रह्मलोकस्य 39 29<sup>a</sup>  
 मुमुदे यदुभि सार्धे 86 79<sup>a</sup>  
 मुमुदे शम्पलात् 37 16<sup>a</sup>  
 मुमुषु कारचोदित 112 53<sup>a</sup>  
 मुमोच जलितो घोरा 38 32<sup>a</sup>  
 मुमोच रपितो रुद्र 112 19<sup>a</sup>  
 मुमोच वयस्त्रयेन 64 17<sup>a</sup>  
 मुमोच विशिखान्तीश्वान् 108 82<sup>a</sup>  
 मुमोचास्त्राणि चरवारि 112 24<sup>a</sup>  
 मुरस्य विषय प्रति 91 14<sup>a</sup>  
 मुरं चैव महासुरम् 92 28<sup>a</sup>  
 मुरं हत्वा सद्गान्धवम् 91 45<sup>a</sup>  
 मुर पुत्रमइरैश्च 91 19<sup>a</sup>  
 मुरोश्चैव दनात्मजा 91 15<sup>a</sup>  
 मुष्टिकस्य तर्धव च 72 13<sup>a</sup>  
 मुष्टिक च निपादिते 76 9<sup>a</sup>

मुष्टिदेने विकृजित्वा 71 52<sup>a</sup>  
 मुष्टिना वज्ररूपेण 58 51<sup>a</sup>  
 मुष्टिनैकेन चोरसि 110 70<sup>a</sup>  
 मुष्टिनैकेन तेजस्वी 76 6<sup>a</sup>  
 मुष्टिमिर्जनयन्भयम् 110 59<sup>a</sup>  
 मुष्टिमिर्निहता केचिद् 37 45<sup>a</sup>  
 मुसलाक्षेपताडितात् 81 69<sup>a</sup>  
 मुसलापाश्रितोदरम् 70 17<sup>a</sup>  
 मुसलेन च भास्वता 83 26<sup>a</sup>  
 मुसलेन वपुषोययत् 110 51<sup>a</sup>  
 मुसले पट्टिर्धुश्चापि 112 65<sup>a</sup>  
 मुसले पट्टिर्धुश्च 112 74<sup>a</sup>  
 मुहु कुर्वन्भ्रमस्तदा 110 64<sup>a</sup>  
 मुहूर्तभूत देवस्य 9 25<sup>a</sup>  
 मुहूर्तमन्तरिक्षेऽभूत् 91 27<sup>a</sup>  
 मुहूर्तमभवत्तदा 110 69<sup>a</sup>  
 मुहूर्तमभवत्सुद्धम् 110 72<sup>a</sup>  
 मुहूर्तं प्राप्य जीवितम् 10 65<sup>a</sup>  
 मुहूर्तं बोधयामास 91 56<sup>a</sup>  
 मुहूर्तं व्यधिताभवत् 48 4<sup>a</sup>  
 मुहूर्तादिव चार्धाय 102 9<sup>a</sup>  
 मुहूर्तादिव राजा स 19 21<sup>a</sup>  
 मुहूर्ताश्च कलाश्चैव 104 20<sup>a</sup>  
 मुहूर्तास्त्रिययो मासा 30 26<sup>a</sup>  
 मुहूर्तान्तु मुहूर्तजा 3 28<sup>a</sup>  
 मुहूर्तैर्दमिजिते प्रास 48 13<sup>a</sup>  
 मूढे पण्डितमानिनि 51 24<sup>a</sup> 73 25<sup>a</sup>  
 मूर्धा शङ्कता चैव 85 29<sup>a</sup>  
 मूर्धा स्वाथपरा लुब्धा 117 17<sup>a</sup>  
 मूर्धौ प्राकृतविज्ञानी 71 11<sup>a</sup>  
 मृतयो हि त्वाव्यक्ता 44 81<sup>a</sup>  
 मूर्तिमन्तमिवाग्बुद्धम् 92 19<sup>a</sup>  
 मूर्तिमन्तमिवाणवम् 33 5<sup>a</sup>  
 मूर्तिमन्ति वृद्धन्ति च 81 57<sup>a</sup>  
 मूर्तिमन्तो हि ते स्मृता 13 50<sup>a</sup>  
 मूर्तिमान्सरहस्तात्मा 68 21<sup>a</sup>  
 मूर्धेजयाङ्कुशेणौ 51 11<sup>a</sup>  
 मूर्धेजपु परामृष्ट 76 29<sup>a</sup>  
 मूर्धेऽक्षो मुनेस्तुल्य 99 39<sup>a</sup>  
 मूर्ध्ना पद्भ्यां निपतता 48 46<sup>a</sup>  
 मूर्ध्नि चाध्याय वीर्यवान् 113 63<sup>a</sup>  
 मूर्ध्नि चोत्तिसिधैर् 53 15<sup>a</sup>  
 मूर्ध्नि तिष्ठन्मत्तम 94 8<sup>a</sup>

मूर्ध्नि देवरिपु देव 58 49<sup>o</sup>  
 मूर्ध्नि वीर समाहनत् 58 51<sup>d</sup>  
 मूर्ध्व्युपात्राय सन्धेन 96 17<sup>o</sup>  
 मूलच्छेद कृतस्तस्य 78 14<sup>o</sup>  
 मूल न परिहृन्तति 65 21<sup>d</sup>  
 मूलदेव हि हन्तव्य 47 2<sup>o</sup>  
 मृगयन्ति रतिमिया 63 24<sup>d</sup>  
 मृगान्द्विलोडितम् 92 41<sup>o</sup>  
 मृगाणामथ शार्दूल 4 9<sup>o</sup>  
 मृगाश्च क्रूरभाषिण 102 3<sup>o</sup>  
 मृगा कालजरे गिरौ 19 18<sup>d</sup>  
 मृगैर्मत्स्यैर्विहगैश्च 117 32<sup>o</sup>  
 मृगै सह विवाधितौ 71 10<sup>o</sup>  
 मृग्यो मृगवधे यथा 77 2<sup>d</sup>  
 मृगमयौ द्वौ महासुरौ 42 14<sup>d</sup>  
 मृत ह्यभिविज्ञाय 111 1<sup>o</sup>  
 मृतस्य रत्ने क स्वर्ग 75 27<sup>o</sup>  
 मृत पुनरिवागनम् 51 34<sup>d</sup>  
 मृत किमपराध्यते 77 51<sup>d</sup>  
 मृत्युकाले च भूताना 40 30<sup>o</sup>  
 मृत्युना नृपपुगवा 81 11<sup>o</sup>  
 मृत्युनापहते पूर्वं 48 49<sup>o</sup>  
 मृत्युप्रहरणो रणे 37 50<sup>o</sup>  
 मृत्यु प्राणहर रणे 108 79<sup>o</sup>  
 मृत्यु प्रभविता तव 11 16<sup>d</sup>  
 मृत्योर्भागो क्षितिगते 44 4<sup>o</sup>  
 मृदङ्गादिपु तेषु वै 75 36<sup>o</sup>  
 मृदुरक्षारिमेजय 24 9<sup>o</sup>  
 मृदितैस्त्रोयताडितै 83 35<sup>o</sup>  
 मृदुपादो मृदुमिय 31 73<sup>d</sup>  
 मृदुरक्षारिमर्दन 28 39<sup>o</sup>  
 मृदुरेणाभिरक्षितम् 81 104<sup>o</sup>  
 मृदुरस्त्वय मधुनाम 42 18<sup>o</sup>  
 मृद्यमान स कृष्णेन 56 32<sup>o</sup>  
 मृधे चेतुरम्भोभि 36 15<sup>o</sup>  
 मृधे यापति दानमान् 38 17<sup>d</sup>  
 मृधे प्रतिकरिष्यति 44 43<sup>d</sup>  
 मृधे यद्यसि धीर्यवान् 44 37<sup>d</sup>  
 मृधे धीरस्तपारिणी 38 28<sup>o</sup>  
 मृध्वचर्षणीयेन 68 20<sup>o</sup>  
 मेषनाशमुष्णेपिणम् 59 56<sup>d</sup>  
 मेषकालाशुदयाम् 55 9<sup>o</sup>  
 मेषहृत्पान्तु कृष्णोष्ण 50 3<sup>o</sup>

मेषजालेष्विवाशुमान् 103 19<sup>d</sup>  
 मेषतोयविभूषितम् 54 40<sup>o</sup>  
 मेषनादप्रतिव्यूहै 55 13<sup>o</sup>  
 मेषनादश्च बाह्यत 61 56<sup>d</sup>  
 मेषनादानुसारिण 54 20<sup>o</sup>  
 मेषपुष्पबलाहकौ 102 21<sup>o</sup>  
 मेषपूर्णमिवाम्बरम् 55 42<sup>o</sup>  
 मेषप्रख्यैरनीकैश्च 97 3<sup>o</sup>  
 मेषराशिसमप्रभ 56 5<sup>o</sup>  
 मेषरूपेण तत्सर्वं 62 36<sup>o</sup>  
 मेषवृष्टिर्दुःसादा 62 15<sup>o</sup>  
 मेषश्चन्द्रमिचोद्विरत् 110 34<sup>d</sup>  
 मेषसैन्यमिवावभौ 81 22<sup>d</sup>  
 मेषस्य पयसो दाता 59 7<sup>o</sup>  
 मेषस्येव विदीर्यत 58 53<sup>d</sup>  
 मेषानामिव सपैत 108 24<sup>d</sup>  
 मेषाना चारिसूदन 59 5<sup>o</sup>  
 मेषानीकमिवोद्धतम् 33 31<sup>d</sup>  
 मेषा वातेरिता यथा 108 25<sup>d</sup>  
 मेषाश्च दिवि मुक्ताभि 62 60<sup>o</sup>  
 मेषा पवनवाहना 61 49<sup>o</sup>  
 मेषैरिवातपापाये 112 41<sup>o</sup>  
 मेषैर्द्यौरिव सञ्चता 93 36<sup>o</sup>  
 मेषैर्नभसि दारुणै 61 15<sup>o</sup>  
 मेषै शिखरसधानं 61 35<sup>o</sup>  
 मेषै शीतलपकर 54 31<sup>o</sup>  
 मेषोर्धरेकर्ता गते 61 33<sup>o</sup>  
 मेषोर्धनिष्पभाकार 61 16<sup>o</sup>  
 मेषसा तमल व्यास 42 32<sup>o</sup>  
 मेषसाभिपरिमुता 6 39<sup>d</sup>  
 मेषसोऽस्य निरप्यते 30 39<sup>o</sup>  
 मेषिनीति तत स्मृता 42 33<sup>o</sup>  
 मेषिनीति परिधुता 6 39<sup>o</sup>  
 मेषो मुमुक्षुर्देह्यौ 42 31<sup>o</sup>  
 मेषोरिष्यमाशास्त्रि 38 40<sup>o</sup>  
 मेषोर्दीक्ष ऋत्समान् 30 24<sup>o</sup>  
 मेषा मेषातिधियमु 7 9<sup>o</sup>  
 मेष्यं मेषोपधारितम् 59 12<sup>o</sup>  
 मेष्याश्च विधिपान्मभान् 83 22<sup>o</sup>  
 मेष्येन हविषा सुरान् 62 40<sup>o</sup>  
 मेष्यो या मेष्यकर्मणाम् 30 34<sup>d</sup>  
 मेषा नाम महागिरि 13 13<sup>o</sup>  
 मेषिरे त गतायुषम् 66 1<sup>o</sup>

मेने चाहवमागतम् 106 40<sup>d</sup>  
 मेने तत्रागतं विशुम् 76 28<sup>d</sup>  
 मेने लागगतौ देवौ 79 7<sup>a</sup>  
 मेने स मयुरेश्वर 65 6<sup>b</sup>  
 मेने सकर्षणखदा 53 31<sup>b</sup>  
 मेरुदृष्टनिभानि च 93 32<sup>b</sup>  
 मेरुपर्यन्तगामिना 34 21<sup>b</sup>  
 मेरुदृष्टे तपो नित्य 8 44<sup>a</sup>  
 मेरुदृष्टे महौजस 7 40<sup>d</sup>  
 मेरुप्रभवत महत् 93 18<sup>b</sup>  
 मेरुमन्दारभूपणा 31 104<sup>b</sup>  
 मेरुरित्यभिचिद्युत 93 43<sup>d</sup>  
 मेरुशृङ्गसमग्रभ 74 14<sup>b</sup>  
 मेरुशृङ्ग सथोत्तरे 21 7<sup>d</sup>  
 मेरुस्त्रापरणता गता 7 39<sup>f</sup>  
 मेरुं गतस्य वा तस्य 9 30<sup>a</sup>  
 मेरु दीप्त इवाशुमान् 33 8<sup>d</sup>  
 मेरोरिव गिरिं दृष्टम् 93 39<sup>f</sup>  
 मेरोस्त्वपसि सधित 9 28<sup>b</sup>  
 मेरो शिखरमागतम् 110 62<sup>b</sup>  
 मेरो शिखरमुत्तमम् 93 56<sup>b</sup>  
 मेरो शिखरविन्यस्तां 42 7<sup>a</sup>  
 मैयिलेनाभिपूजित 29 23<sup>d</sup>  
 मैथुनाय विवेष्टवती 8 37<sup>a</sup>  
 मैथुनायोपचक्रमे 25 9<sup>f</sup>  
 मैथुनायोपवर्तिता 9 13<sup>d</sup>  
 मैनाक इत्र पर्वत 108 84<sup>d</sup>  
 मैनाकस्य सुत श्रीमान् 13 14<sup>a</sup>  
 मैन्द्र द्विविदमेव च 31 144<sup>b</sup>  
 मैत्रौ द्विविद एव च 105 20<sup>b</sup> 109 40<sup>d</sup>  
 मोक्षयामास भारत 9 98<sup>d</sup>  
 मोक्षितश्च महातेजा 105 19<sup>a</sup>  
 मोक्षितं च चनादृष्ट 96 2<sup>a</sup>  
 मोक्षिता सर्वपाथिषा 105 15<sup>b</sup>  
 मोक्षयसे रणमूर्धनि 110 58<sup>f</sup> 112 93<sup>d</sup>  
 मोघ गाण्डीवमेतत्ते 102 17<sup>a</sup>  
 मोघ क्षीयं यशश्च ते 102 17<sup>d</sup>  
 मोक्षयेष सदा भूतै 97 37<sup>a</sup>  
 मोक्षन्तां त्रिगाण्डरा 46 28<sup>d</sup>  
 मोक्षमालो ममाज्ञया 43 41<sup>f</sup>  
 मोक्षयन्नगादव्यय 40 31<sup>d</sup>  
 मोक्षयस्वसहचरुना 99 46<sup>f</sup>  
 मोक्षयित्वा च त कसं 47 56<sup>a</sup>

मोक्षारिक्षपसि दुर्बुद्धे 66 33<sup>a</sup>  
 मोक्षारक्त्युदियाद्रिषु 109 6<sup>d</sup>  
 मोक्षरघतिरीश्वर 44 32<sup>d</sup>  
 मोक्षत्यश्रुति विशुक्ता 23 88<sup>d</sup>  
 मोक्षत्य तुमहायता 23 99<sup>b</sup>  
 मोक्षमूत्रेषु बर्हिषु 62 49<sup>b</sup>  
 मोक्षिता हेमचूल्किना 70 20<sup>b</sup>  
 मोक्षेच्छा हैमरतास्तथा 85 19<sup>d</sup>

य

य आजह महामरं 23 75<sup>a</sup>  
 य इदं च्यावन स्वातात् 21 37<sup>a</sup>  
 य इदं जन्म देवाना 8 48<sup>a</sup>  
 य इमामावसेत्कश्चित् 97 35<sup>a</sup>  
 य एष भगवान्प्रभु 32 3<sup>b</sup>  
 य एष भवता पूर्व 99 1<sup>a</sup>  
 यक्षगन्धर्वजातिनी 37 19<sup>d</sup>  
 यक्षगन्धर्वपत्न्या 37 45<sup>a</sup>  
 यक्षगन्धर्वपतिभि 47 17<sup>a</sup>  
 यक्षगन्धर्वराक्षसा 13 42<sup>b</sup>  
 यक्षराक्षमकिनैरे 31 36<sup>d</sup>  
 यक्षराक्षसगन्धर्वे 43 6<sup>a</sup>  
 यक्षराक्षसपक्षिणाम् 31 122<sup>b</sup>  
 यक्षराक्षससैन्येन 34 16<sup>a</sup>  
 यक्ष किपुरपाधिप 31 45<sup>d</sup>  
 यक्षाणां राक्षसानां च 4 5<sup>a</sup>  
 यक्षाविमाविति तदा 71 21<sup>a</sup>  
 यक्षाश्रैवामरोपमा 6 32<sup>f</sup>  
 यक्षेभ्यश्च यते राजन् 6 28<sup>a</sup>  
 यक्षे पुण्यनिस्तथा 6 29<sup>f</sup>  
 यक्षो गन्धर्व एव वा 63 8<sup>d</sup>  
 यद्येऽहं वाजिमेधेन 115 6<sup>a</sup>  
 यच्च जातिपरिज्ञान 68 37<sup>d</sup>  
 यच्च तारुस्थित पूर्व 106 2<sup>d</sup>  
 यच्च तत्परमं तैज 104 5<sup>a</sup>  
 यच्च ते वृषेभ्यश्चान् 104 6<sup>a</sup>  
 यच्च तेषां पर बरम् 11 3<sup>b</sup>  
 यच्च ते हृदि वतने 99 24<sup>f</sup>  
 यच्च वक्ष्यति मां शक्र 62 98<sup>a</sup>  
 यद्यान्यद्भुतु किंचन 78 23<sup>d</sup>  
 यद्यान पर्वतोत्तम 62 13<sup>b</sup>  
 यद्यासि तनुतां गत 43 26<sup>f</sup>  
 यद्यासि वसु किंचन 76 23<sup>d</sup>

यच्चास्य वेद वेदोऽपि 40 21<sup>॥</sup>  
 यच्छ कोप महाद्युते 5 51<sup>॥</sup>  
 यच्छकस्य प्रभो कार्यं 109 52<sup>॥</sup>  
 यच्छन्ति पितर पुष्टि 13 68<sup>॥</sup>  
 यच्छिव च सुखाद्य च 53 2<sup>॥</sup>  
 यच्छिष्ट्यु पुरुषोत्तम 96 33<sup>॥</sup>  
 यज्ञता सह शक्रेण 23 35<sup>॥</sup>  
 यज्ञान्ते तदन्न तु 60 18<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्ति च यथाकाल 41 9<sup>॥</sup>  
 यज्ञन्ति तान्देवगणा 13 8<sup>॥</sup>  
 यजन्तीति च न श्रुतम् 11 14<sup>॥</sup>  
 यजन्तु बहुभिर्यज्ञै 96 68<sup>॥</sup>  
 यज्ञघाल हलायुध 90 16<sup>॥</sup>  
 यज्ञकर्मण्युपरते 117 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञघाट समन्तत 23 77<sup>॥</sup>  
 यज्ञविप्रकरौ येन 31 114<sup>॥</sup>  
 यज्ञशोभिषु देवेषु 36 41<sup>॥</sup>  
 यज्ञश्रैति कुरुद्वद् 5 7<sup>॥</sup>  
 यज्ञस्य पुनरावृत्ति 115 35<sup>॥</sup>  
 यज्ञ गिरेस्त्रिभौ सौम्ये 60 17<sup>॥</sup>  
 यज्ञाङ्गैश्च दुरासदै 115 21<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना च दिवो महीम् 21 2<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना तपसा चैव 4 2<sup>॥</sup>  
 यज्ञाना हि गतिर्विष्णु 100 83<sup>॥</sup>  
 यज्ञार्थं तु वय सृष्टा 100 72<sup>॥</sup>  
 यज्ञाश्चात्मपरायणा 100 71<sup>॥</sup>  
 यज्ञाश्च चयनानलान् 30 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञियानकराद्वैल्यान् 31 57<sup>॥</sup>  
 यज्ञियाति च द्रव्याणि 30 24<sup>॥</sup>  
 यज्ञे पैतामहे क्रमे 5 32<sup>॥</sup>  
 यज्ञे विवरमासात् 118 26<sup>॥</sup>, 28<sup>॥</sup>  
 यज्ञेषु च हवि स्यादु 32 38<sup>॥</sup>  
 यज्ञेषु विनियोजयत् 29 26<sup>॥</sup>  
 यज्ञेष्वग्निधां चैव 23 12<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिज्यन्तमात्मान 39 23<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिष्ट्वासदभिषे 97 31<sup>॥</sup>  
 यज्ञैरिष्ट्वा महारमान 97 44<sup>॥</sup>  
 यज्ञैर्दानैस्त्रयोभिर्वा 23 149<sup>॥</sup>  
 यज्ञैर्विपुलदक्षिणे 41 9<sup>॥</sup>  
 यज्ञान पुण्यकर्मण 23 167<sup>॥</sup>  
 यज्ञा दानपतिर्धामान् 27 15<sup>॥</sup>  
 यज्ञा देवाहृषो राजा 27 6<sup>॥</sup>  
 यज्ञान पुण्यकर्मण 88 44<sup>॥</sup>

यज्वा विपुलदक्षिण 21 1<sup>॥</sup> 23 125<sup>॥</sup> 26 4<sup>॥</sup>  
 28 38<sup>॥</sup> 114 4<sup>॥</sup>  
 यज्वा ह्यसि कुरुश्रेष्ठ 118 26<sup>॥</sup>  
 यतमानस्य चिच्छेद 88 9<sup>॥</sup>  
 यतमानस्य रुक्मिण 88 20<sup>॥</sup>  
 यतमानस्य वीर्यवान् 81 80<sup>॥</sup>  
 यतमान महारथम् 89 28<sup>॥</sup>  
 यतमानाश्च ताञ्शरान् 88 16<sup>॥</sup>  
 यतस्य परिहृत्तुं तत् 115 34<sup>॥</sup>  
 यतिर्ज्यैष्ठ्यस्तु तेषा वै 22 1<sup>॥</sup>  
 यतिर्ययाति सयाति 22 1<sup>॥</sup>  
 यतोऽदृश्यत तदलम् 110 43<sup>॥</sup>  
 यतो धृतिश्च धीक्षेत्र 21 16<sup>॥</sup>  
 यतो बाणस्ततो गत्वा 112 85<sup>॥</sup>  
 यतो बाणस्ततो भीता 108 28<sup>॥</sup>  
 यतो बाणस्ततो रथम् 112 83<sup>॥</sup>  
 यतो रजिर्धैस्त्रि 21 16<sup>॥</sup>  
 यतो हरत्तनुस्तत् 112 18<sup>॥</sup>  
 यत्कतेभ्य महेन्द्रेण 43 3<sup>॥</sup>  
 यत्कार्यं तन्महेश्वर 112 112<sup>॥</sup>  
 यत्कार्यं यदुनन्दन 86 58<sup>॥</sup>  
 यत्किञ्चिन्निषु लोकेषु 93 5<sup>॥</sup>  
 यत्कृत कर्म दुष्करम् 109 42<sup>॥</sup>  
 यत्कृत यदुसिंहेन 96 64<sup>॥</sup>  
 यत्कृत शौरिणा पुरा 90 15<sup>॥</sup>  
 यत्कृते सगण कस 96 12<sup>॥</sup>  
 यत्कृत्वा दुष्कर कर्म 96 6<sup>॥</sup>  
 यत्कृष्ण सुवि दुर्लभम् 70 37<sup>॥</sup>  
 यत्क्षम ततसमाधर 103 6<sup>॥</sup>  
 यत्क्षरस्यग्राहिते कृष्ण 29 1<sup>॥</sup>  
 यत्क्षद्वन मणिर 29 36<sup>॥</sup>  
 यत्ता भवत सर्वे वै 47 1<sup>॥</sup>  
 यत्ता भवत्सिद्धिस्तु 102 8<sup>॥</sup>  
 यत्तु ते हृत्प्रिम रूपं 58 42<sup>॥</sup>  
 यत्तु दाश्वाम्यदं वतु 39 8<sup>॥</sup>  
 यत्ते दक्षितवानहम् 62 36<sup>॥</sup>  
 यत्त भवन्ति यवैत 11 27<sup>॥</sup> 112 117<sup>॥</sup>  
 यत्तमदंस्ति दुर्मते 102 14<sup>॥</sup>  
 यत्तमेवेतिथि मृषे 78 31<sup>॥</sup>  
 यत्तया दर्शित सोऽह 58 40<sup>॥</sup>  
 यत्तया निहतो मोहात् 44 35<sup>॥</sup>  
 यत्तयानुहितो यत्न 65 45<sup>॥</sup>  
 यत्तया नोक्तपूर्वं हि 58 40<sup>॥</sup>

यथा देवासुर युद्धम् 91 46<sup>०</sup>  
 यथा देवैर्यथापिभि 4 20<sup>०</sup>  
 यथा देवो मया साधे 107 12<sup>०</sup>  
 यथा देवैश्च नागैश्च 4 20<sup>०</sup>  
 यथा धर्ममवाप्नोति 69 21<sup>०</sup>  
 यथा धर्मवधो न स्यात् 41 30<sup>०</sup>  
 यथा धियेद्वपत्य मे 101 12<sup>०</sup>  
 यथा न मम पुत्रस्त्व 99 25<sup>०</sup>  
 यथा न सीदेत्तत्कार्ये 41 24<sup>०</sup>  
 यथा नाग सुदुष्टैश्च 69 19<sup>०</sup>  
 यथा नास्ति तथैव स 48 45<sup>०</sup>  
 यथानिवेश त्रिदशा 42 10<sup>०</sup>  
 यथानिदेश सहस्र 86 11<sup>०</sup>  
 यथानिज्ञ प्रजा सर्वा 116 17<sup>०</sup>  
 यथा निज्ञानुसारिणा 54 19<sup>०</sup>  
 यथानेन कृत प्रभु 68 32<sup>०</sup>  
 यथानेन शयानेन 96 30<sup>०</sup>  
 यथान्यायमवेदयन् 109 17<sup>०</sup>  
 यथान्याय निर्मिभिरे 86 16<sup>०</sup>  
 यथान्याय यथावय 83 4<sup>०</sup>  
 यथा पारमह गत 100 31<sup>०</sup>  
 यथा पुरोकानि तथा 115 1<sup>०</sup>  
 यथापूवे यथाविधि 83 4<sup>०</sup>  
 यथापञ्च यथाश्रुतम् 1 20<sup>०</sup>  
 यथाप्रदेशमद्यापि 4 16<sup>०</sup> 22 18<sup>०</sup>  
 यथाप्रधानोत्तान्तर्वात् 107 64<sup>०</sup>  
 यथाप्रीति यथावय 95 18<sup>०</sup>  
 यथाबहू मनुष्याणा 115 42<sup>०</sup>  
 यथा बलिर्निवमित 106 63<sup>०</sup>  
 यथा थाण्णस्य नगर 107 80<sup>०</sup>  
 यथा नाग च रोग्य च 21 33<sup>०</sup>  
 यथाभिलपित सखि 107 70<sup>०</sup>  
 यथाभिलिखितान्मया 107 69<sup>०</sup>  
 यथा भूतेन्द्रियाणां 39 14<sup>०</sup>  
 यथाभूद्विप्रहो महान् 106 4<sup>०</sup>  
 यथा भन्दन्ति मां सर्वे 63 11<sup>०</sup>  
 यथा भम दुरि तथा 93 4<sup>०</sup>  
 यथा महात्मना तेन 4 19<sup>०</sup>  
 यथा मामाह नारद 73 9<sup>०</sup>  
 यथा मुनिजनसङ्घा 117 33<sup>०</sup>  
 यथा यक्षैर्यथा हुमे 4 20<sup>०</sup>  
 यथा यथा नृप स्वर्ग 115 32<sup>०</sup>  
 यथाप नाधत्ते धर्म 95 32<sup>०</sup>

यथाय सनिहृष्टो हि 81 3<sup>०</sup>  
 यथा युगाना परिवर्तनानि 107 51<sup>०</sup>  
 यथायोगमुदाहृतम् 69 24<sup>०</sup>  
 यथा रूप महोदधे 81 26<sup>०</sup>  
 यथार्थंमूह सखित 32 37<sup>०</sup>  
 यथार्थं च वदुर्वाता 41 13<sup>०</sup>  
 यथाईत साम्बवयित्वा 92 36<sup>०</sup>  
 यथाई पुण्डरीकाक्ष 91 3<sup>०</sup> 97 43<sup>०</sup>  
 यथाई पूजयामास 74 17<sup>०</sup>  
 यथावत्प्रतिपद्यताम् 99 5<sup>०</sup>  
 यथावत्समुदाहृतान् 48 1<sup>०</sup>  
 यथावदनुपूर्वेण 38 75<sup>०</sup>  
 यथावद्व्यवीचैव 92 58<sup>०</sup>  
 यथावद्भिनन्दिना 92 62<sup>०</sup>  
 यथा वास्तु तथा वास्तु 45 28<sup>०</sup>  
 यथा विद्युदनादिनात् 76 26<sup>०</sup>  
 यथा विच्यन्दनाने ते 6 8<sup>०</sup>  
 यथा वै चक्रचारिण 52 18<sup>०</sup>  
 यथा वै त्रिदिवे तथा 86 30<sup>०</sup>  
 यथा वै भूपरस्त्वया 69 19<sup>०</sup>  
 यथा वैभ्रवण तथा 86 57<sup>०</sup>  
 यथावज यथायुष 61 54<sup>०</sup>  
 यथाशक्ति तु वक्ष्यामि 31 1<sup>०</sup>  
 यथा श्चाया शतशत 19 2<sup>०</sup>  
 यथा दरदि तोयद 65 72<sup>०</sup>  
 यथा सप्तान् भूतानि 3 2<sup>०</sup>  
 यथासारं च मे सुतम् 61 54<sup>०</sup>  
 यथासार यथायुष 69 29<sup>०</sup>  
 यथा स्वयंस्व कौरव्य 3 57<sup>०</sup>  
 यथास्थानं यथावय 42 10<sup>०</sup> 67 46<sup>०</sup> 76 44<sup>०</sup>  
 91 30<sup>०</sup> 100 13<sup>०</sup>  
 यथा स्वास्त्विति ते नृपा 45 9<sup>०</sup>  
 यथा स्वातां गतायुर्वी 73 3<sup>०</sup>  
 यथा स्वात्पद्ममण्डलम् 55 7<sup>०</sup>  
 यथा स्वात्सर्वमभ्यपन् 65 90<sup>०</sup>  
 यथा स्वादेवदेवेन 86 24<sup>०</sup>  
 यथा स्वायुगपदेवे 37 20<sup>०</sup>  
 यथास्वातीरपक्षिभावे 18 15<sup>०</sup>  
 यथा स्वर्गगतस्तथा 60 4<sup>०</sup>  
 यथा स्वर्गमुत्तेन वा 115 13<sup>०</sup>  
 यथा स्वर्गे नरावती 86 29<sup>०</sup>  
 यथाई सोमिद्यादिना 112 120<sup>०</sup>  
 यथा हानि क्रममासा 117 44<sup>०</sup>

यदिद दुष्करं कर्म 67 53 <sup>a</sup>	यद्वनाममणी प्रभु 78 37 <sup>a</sup>
यदिद ह्यसधर्मार्थं 35 45 <sup>a</sup>	यद्वनामन्तरप्रेषु 105 8 <sup>a</sup>
यदिदेवराणान्सर्वात् 21 20 <sup>a</sup>	यद्वनामभितर्धनी 86 19 <sup>a</sup>
यदि धारयसे शौचं 3 101 <sup>a</sup>	यद्वनामवगुण्डिता 65 80 <sup>a</sup>
यदि निष्प्रभतां गता 110 14 <sup>a</sup>	यद्वनामृषभ रणे 112 51 <sup>a</sup>
यदि नो भगवान्प्रीत 47 16 <sup>a</sup>	यद्वनामृषभो हि स 103 12 <sup>a</sup>
यदि पुत्र शिशुस्तदा 66 17 <sup>a</sup>	यद्वना कुलनन्दन 83 7 <sup>a</sup>
यदि प्रभवता वण्ड 45 27 <sup>a</sup>	यद्वना त्वत्कृते कृत 66 36 <sup>a</sup>
यदि मे वचन नाद्य 6 3 <sup>a</sup>	यद्वना नन्दिवर्धन 111 7 <sup>a</sup>
यदिय ब्रह्मणा सृष्टा 35 42 <sup>a</sup>	यद्वना निदृता वृषै 85 29 <sup>a</sup>
यदि युदानि वचनै 112 60 <sup>a</sup>	यद्वना पार्थिवाना च 100 16 <sup>a</sup>
यदि वा नात्मज शुभे 99 15 <sup>a</sup>	यद्वना प्रयतो गुरु 65 77 <sup>a</sup>
यदि वा नास्ति ते व्यथा 78 38 <sup>a</sup>	यद्वना यूथमुक्त्वत्य 65 79 <sup>a</sup>
यदि वा नोपजस्रोडसि 65 96 <sup>a</sup>	यद्वनां शत्रुसूदन 78 24 <sup>a</sup>
यदि वा प्रतियोत्स्येते 72 24 <sup>a</sup>	यद्वना हृदयानि वै 66 22 <sup>a</sup>
यदि वा मे हुता भार्या 44 40 <sup>a</sup>	यद्यपिचि सतया दुरावबोध 118 43 <sup>a</sup>
यदि वा शत्रुणो हत 44 40 <sup>a</sup>	यदेकस्ते समागत 108 39 <sup>a</sup>
यदि वा विस्मृता वपम् 77 33 <sup>a</sup>	यदेतत्पार्थिवं क्षत्र 44 14 <sup>a</sup>
यदि वा सुहृदो वपम् 59 60 <sup>a</sup>	यदेतद्दृश्यते शत्रुम् 110 46 <sup>a</sup>
यदि वो मरिच्य कायं 61 2 <sup>a</sup>	यदेव भागसे वच 106 38 <sup>a</sup>
यदि शक्रोपि गच्छेति 51 14 <sup>a</sup>	यदेन धीक्षितु देवा 40 23 <sup>a</sup>
यदि शुश्रूषसेऽनघ 4 18 <sup>a</sup>	यदोर्वशाधरस्वेह 23 167 <sup>a</sup>
यदि ध्राव्यमिदं कृष्ण 100 27 <sup>a</sup>	यदोस्तु शत्रु रात्रवं 22 44 <sup>a</sup>
यदिष्ट वो यदुभ्रेष्टा 76 70 <sup>a</sup>	यदि नाभिगत पूर्वे 96 65 <sup>a</sup>
यदि सुखा सती साध्वी 107 36 <sup>a</sup>	यद्यपि स्वास्तुदुष्करम् 101 10 <sup>a</sup>
यदि स सनिकर्षस्था 110 14 <sup>a</sup>	यद्यवदथ प्रहृतेष्व 16 10 <sup>a</sup>
यदि स्यादिह गोविन्द 102 15 <sup>a</sup>	यद्यस्ति तपसो वीर्ये 35 43 <sup>a</sup>
यदि स्वामन तन्मतम् 8 33 <sup>a</sup>	यद्यस्ति मयि कारुण्ये 42 52 <sup>a</sup>
यदि स्युर्निर्भृता लोका 78 11 <sup>a</sup>	यद्यस्ति मयि माणसा 86 36 <sup>a</sup>
यदीच्छेत्सागर किञ्चिद् 86 34 <sup>a</sup>	यद्यस्ति मे यज्ञार्थं 118 16 <sup>a</sup>
यदुक्त चेव युष्माभि 12 33 <sup>a</sup>	यद्यस्ति सुकृत किञ्चित् 18 37 <sup>a</sup>
यदुभिर्यर्मसुखिभि 65 78 <sup>a</sup>	यद्यत्त्वाघातवदर भान् 115 39 <sup>a</sup>
यदुभि वावकोपमे 100 87 <sup>a</sup>	यद्यद् शक्तिरो दहन् 43 30 <sup>a</sup>
यदुभि पूजित सर्वै 97 42 <sup>a</sup>	यद्यद् सं न पश्यामि 107 82 <sup>a</sup>
यदुभि सर्वतो वृता 95 16 <sup>a</sup>	यद्यद् ते सुराश्वेव 62 68 <sup>a</sup>
यदुबंरास्य वर्णित 105 18 <sup>a</sup>	यद्यद् भवतां क्षाण्यः 63 13 <sup>a</sup>
यदुवरा च निदता 66 18 <sup>a</sup>	यद्यद् सापथे मूढ 44 40 <sup>a</sup>
यदुवरो समुपपन्न 85 58 <sup>a</sup>	यद्यत्मानमिहास्माभि 39 28 <sup>a</sup>
यदुब्रह्मस्य धीमत 85 1 <sup>a</sup>	यद्यद्यपोरतौ प्रमुखा 72 23 <sup>a</sup>
यदुसिंहस्य धीमत 105 1 <sup>a</sup>	यद्यत्त भाग्यिष्यति 3 101 <sup>a</sup>
यदुसिंहेन धीमता 105 7 <sup>a</sup>	यद्यत्त मे विनाशाय 107 78 <sup>a</sup>
यदु च तुर्यंशु धैर 22 4 <sup>a</sup>	यद्यद्य पादित शत्रु 21 32 <sup>a</sup>
यदु उद्येह न्ययोजयत् 22 17 <sup>a</sup>	यद्यद्यं साध गन्तव्य 77 33 <sup>a</sup>



यघेपा प्रतिहन्तव्या 35 74<sup>d</sup>

यघेपामीदशो गन्ध 57 9<sup>d</sup>

यघेपोऽनुग्रहो मम 63 13<sup>d</sup>

यद्रोपोऽभूत्तदा मम 29 37<sup>d</sup>

यद्रय युगदै साधे 62 39<sup>d</sup>

यद्वा कार्यं धनेशेन 43 3<sup>d</sup>

यद्वा चन्द्रमसा कार्ये 43 4<sup>d</sup>

यद्विरोधयसे भृशम् 65 69<sup>d</sup>

यद्विष प्रभवित्यति 70 12<sup>d</sup>

यद्वेदितव्य लोकेऽस्मिन् 58 41<sup>d</sup>

यद्गजलैश्च भूयिताम् 93 25<sup>d</sup>

यद्ग कार्यमनन्तरम् 110 16<sup>d</sup>

यद्गामभवने प्रभु 96 36<sup>d</sup>

यद्गामा यरकुलश्च स 107 56<sup>d</sup>

यद्ब्रह्माचारवृष्यसे 77 22<sup>d</sup>

यन्मया त्व पुरस्कृत 65 70<sup>d</sup>

यन्मयाभिहितो ह्येष 100 81<sup>d</sup>

यन्मयासीद्विद्यामितम् 13 75<sup>d</sup>

यन्ना यदसि नारद् 45 2<sup>d</sup>

यन्मा यदसि युद्धार्थे 36 11<sup>d</sup>

यन्मा क्षिपसि द्यौषेण 44 39<sup>d</sup>

यन्मा त्यक्त्वा गमिष्यस्य 18 27<sup>d</sup>

यन्मा त्व नाववृष्यसे 71 26<sup>d</sup>

यन्मा त्व परिपृच्छसि 11 6<sup>d</sup> 38 80<sup>d</sup> 113 72<sup>d</sup>

यन्मा पृच्छसि भारत 11 30<sup>d</sup>, 35<sup>d</sup>

यन्मा पृच्छसि रात्रेन्द्र 104 24<sup>d</sup>

यन्मा भवन्त पृच्छन्ति 100 85<sup>d</sup>

यन्मेऽथ भगवाऽशरतो 35 55<sup>d</sup>

यन्मे पृष्ट पुरा पिता 12 1<sup>d</sup>

यन्मे वैदर्भिरितम् 100 74<sup>d</sup>

यन्मे ध्ययसित कान्त 99 24<sup>d</sup>

यमक्षय ससुपनयज्जगत्पति 110 73<sup>d</sup>

यमजो सबन्वत्तु 8 7<sup>d</sup>

यमदण्डोपमा शुभाम् 108 72<sup>d</sup>

यमय पुरत कुरवा 2 13<sup>d</sup>

यमश्च यमुना चैव 8 7<sup>d</sup>

यमसह्य समात्स्य 85 6<sup>d</sup>

यमस्रस्या न चक्षमे 8 19<sup>d</sup>

यमस्तु कर्मणा तेन 8 41<sup>d</sup>

यमस्तु तस्वितु सर्वे 8 21<sup>d</sup>

यमस्तु दण्डमुद्यम्य 34 11<sup>d</sup>

यमद् भारतस्तदा 42 53<sup>d</sup>

यम राग्येऽन्यवेचयत् 4 5<sup>d</sup>

यम वैवस्वत हरि 97 27<sup>d</sup>

यम सर्वहरस्तेन 37 50<sup>d</sup>

यमान्तकनिभ रणे 112 72<sup>d</sup>

यमान्तकनिभयुधि 110 30<sup>d</sup>

यमान्तकसमप्रभम् 110 42<sup>d</sup>

यमारुढ स भगवान् 34 7<sup>d</sup>

यमासाय जन सर्वे 92 64<sup>d</sup>

यमाहुरभ्येयन्तार 34 28<sup>d</sup>

यमाहुराकाशगम 34 29<sup>d</sup>

यमाहुर्वै युगे युगे 30 16<sup>d</sup>

यमी कन्या यज्ञस्त्रिमी 8 46<sup>d</sup>

यमुनाकरुणं दृष्ट्वा 83 50<sup>d</sup>

यमुनातीरमानीस्था 51 20<sup>d</sup>

यमुनातीरमार्गेण 49 28<sup>d</sup>

यमुनातीरमाश्रितम् 57 3<sup>d</sup>

यमुनातीरमाश्रित 70 8<sup>d</sup>

यमुनातीरशोभिता 44 57<sup>d</sup>

यमुनातीरशोभिता 49 15<sup>d</sup>

यमुनातीरसबद्ध 49 16<sup>d</sup>

यमुनातीरसश्रितम् 52 22<sup>d</sup>

यमुनामनु ने नृपा 81 28<sup>d</sup>

यमुना मुनिसेविता 56 44<sup>d</sup>

यमुनामुपशोभयन् 55 39<sup>d</sup>

यमुना याति सपथा 59 44<sup>d</sup>

यमुनाया हृदे ह्यस्मिन् 70 10<sup>d</sup>

यमुनाया यथा वृषो 71 30<sup>d</sup>

यमुनाया हृदे नाग 65 27<sup>d</sup>

यमुना रामनम्रवीत् 83 41<sup>d</sup>

यमुना लोकावानी 8 46<sup>d</sup>

यमुना सागरगमा 55 50<sup>d</sup>

यमुनाद्दगोचरम् 45 7<sup>d</sup>

यमुना चात्रगाहतो 54 2<sup>d</sup>

यमुना लाङ्गलायुष 83 47<sup>d</sup>

यमेन यरणेन च 43 3<sup>d</sup>

यमेन्द्रवरुणैर्गुता 37 18<sup>d</sup>

यमो वैवस्वतस्तेरां 6 21<sup>d</sup>

यया कृष्णमयोधयत् 29 16<sup>d</sup>

यया जडे सहैश्चर 96 12<sup>d</sup>

ययातिरपराजित 22 20<sup>d</sup>, 30<sup>d</sup>

ययातिरपि रूपेण 22 33<sup>d</sup>

ययातिर्गोहृयसुतम् 22 26<sup>d</sup>

ययातिर्नाम माहुप 85 57<sup>d</sup>

ययातिथेदुमवदीत् 22 21<sup>d</sup>

यथातिथुषि दुर्घर्षः 22 6<sup>o</sup>  
 यथातिवंशज्ञस्वाप 43 77<sup>o</sup>.  
 यथातिस्तु ततः परम् 22 1<sup>o</sup>.  
 यथातेजनीं प्रह्वन् 13 60<sup>o</sup>.  
 यथातेश्चरितं नित्यं 22 45<sup>o</sup>.  
 यथा दह्याम सयुगे 36. 10<sup>d</sup>.  
 यथा मे चरणो मूर्ध्नि 118 20<sup>d</sup>.  
 ययुर्दारवर्ती पुरीम् 89 53<sup>d</sup>.  
 ययुर्दुपराब्ध्या 108 28<sup>d</sup>.  
 ययौ द्वारवर्ती प्रति 87. 48<sup>d</sup>.  
 ययौ नारायणान्तिकम् 38 2<sup>d</sup>.  
 ययौ पूर्वं महोदधिम् 95. 3<sup>d</sup>.  
 ययौ बाणरथ प्रति 108 66<sup>d</sup>.  
 ययौ यत्रानिरद्धो वै 108 52<sup>d</sup>.  
 ययौ वातजवः पक्षी 92 46<sup>o</sup>.  
 ययौ विदर्भान्सहित 87 26<sup>o</sup>.  
 ययौ सौमित्रिणा सह 44 44<sup>o</sup>.  
 ययौ स्वभवनं येन 106 19<sup>o</sup>.  
 यवनश्च कपोरुमान् 97. 6<sup>o</sup>.  
 यवनश्च महाबल 31 146<sup>d</sup>.  
 यवनश्च हत. सख्ये 105. 19<sup>o</sup>.  
 यवनस्य महाराज 25 12<sup>o</sup>.  
 यवनाधिपतिर्वरम् 85 15<sup>o</sup>.  
 यवनाधिपतिश्च 80 15<sup>o</sup>.  
 यवनानां महाबलः 85 18<sup>o</sup>.  
 यवनानां निरः सर्वे 10 42<sup>o</sup>.  
 यवना. पारदाश्च 10 31<sup>o</sup>.  
 यवीनरश्च विक्रान्तः 23 97<sup>o</sup>.  
 यवीयती तपोर्या तु 8 46<sup>o</sup>.  
 यवीयान्कृष्णं हृव तु 50 2<sup>d</sup>.  
 यवीयांसस्तु ते मम 12 13<sup>o</sup>.  
 यवीयास तुभूपति 8 22<sup>d</sup>.  
 यश उत्सृज्य दूरतः 108 31<sup>d</sup>.  
 यशश्च प्राण्यस्ते महत् 2 21<sup>d</sup>.  
 यशश्चायं महावपा 19 26<sup>d</sup>.  
 यशसा त्वं तु योद्धयसे 62. 87<sup>d</sup>.  
 यशसा पौरुषेण च 113 64<sup>d</sup>.  
 यशसाप्रतिम सदा 21 3<sup>d</sup>.  
 यशसा विक्रमेण च 60 6<sup>d</sup>.  
 यशसा विजयेन च 113 46<sup>d</sup>.  
 यशसे विजयाय च 109 75<sup>d</sup>.  
 यश प्रदीपा लोकाणां 65 15<sup>d</sup>.  
 यशोदा च सुविक्रमा 50 2<sup>d</sup>.

यशोदा तं समुत्सृज्य 50 4<sup>d</sup>.  
 यशोदा तां तु कन्यकाम् 48. 13<sup>d</sup>.  
 यशोदा त्वमवीक्षिता 50 28<sup>d</sup>.  
 यशोदा वैषकी तथा 48 13<sup>d</sup>.  
 यशोदा नाम भद्रं वे 47. 33<sup>d</sup>.  
 यशोदा नाम विभ्रुता 13 55<sup>d</sup>.  
 यशोदाविकटं ययुः 51 20<sup>d</sup>.  
 यशोदापि ध्वजायत 48 12<sup>d</sup>.  
 यशोदापि समावच 48 10<sup>d</sup>.  
 यशोदामनुगच्छन्व. 56 24<sup>d</sup>.  
 यशोदामनुचरद्भनाः 51. 21<sup>d</sup>.  
 यशोदायां गृहं भीत. 48 18<sup>d</sup>.  
 यशोदायामजानन्त्यां 50 29<sup>d</sup>.  
 यशोदायास्तवविज्ञातं 48 19<sup>d</sup>.  
 यशोदा शीघ्रगामिनी 50 7<sup>d</sup>.  
 यशोदा नन्दगोपस्तु 50 26<sup>d</sup>.  
 यशोदे चावदीपते 56 22<sup>d</sup>.  
 यशो मातश्च दूषितः 118 21<sup>d</sup>.  
 यश्वकार महावपा. 23 12<sup>d</sup>.  
 यश्वकार महाभाग 93 38<sup>d</sup>.  
 यश्वक्रं घतयत्येक 30 6<sup>d</sup>.  
 यश्वतुर्दिग्धाद्यथञ्च 93 41<sup>d</sup>.  
 यश्व दत्तसवया सुतः 73 34<sup>d</sup>.  
 यश्व दैत्यान्तको विभुः 30 33<sup>d</sup>.  
 यश्व लोकान्तकान्तकः 30 31<sup>d</sup>.  
 यश्वेक्षाकुङ्कुलोद्ग्रह. 10 78<sup>d</sup>.  
 यश्वेह भूयो ह्ययेव 56 37<sup>d</sup>.  
 यश्वेन कीर्तयेद्विराटं 4 26<sup>d</sup>.  
 यश्वेनां धारयेत्तत 1 16<sup>d</sup>.  
 यश्वं स वाजिमथेन 115 5<sup>d</sup>.  
 यस्तु प्रासादमुषयोऽत्र 93 49<sup>d</sup>.  
 यस्तने जनिष्यते पुत्र 26 17<sup>d</sup>.  
 यस्तेऽप्यमा देवता भावः 45 29<sup>d</sup>.  
 यस्ते भवां यथास्व. 107 70<sup>d</sup>.  
 यस्तेषां सप्तमो भिन्न 15 3<sup>d</sup>.  
 यस्त्वमेवमभेदाभ्यां 100 36<sup>d</sup>.  
 यस्त्वयं नन्दगोपत्वं 62 58<sup>d</sup>.  
 यस्तवया वात हृषुकः 45 44<sup>d</sup>.  
 यस्तवया मम पुत्रो वै 73 33<sup>d</sup>.  
 यस्तवया मत्कारिण 44 36<sup>d</sup>.  
 यस्तनं जगन्मयं गुणं 58 35<sup>d</sup>.  
 यस्तयं द्योपमं हृदं 60 33<sup>d</sup>.  
 यस्तयं सोऽहं समाप्तः. 58. 45<sup>d</sup>.

यस्य स्वस्थेन चेतसा 65 75<sup>३</sup>  
 यस्मात्कात्यायना स्मृता 23 87<sup>६</sup>  
 यस्मात्कामप्रधानस्य 17 3<sup>०</sup>  
 यस्माद्वाता पिचुन्सदा 66 20<sup>६</sup>  
 यस्मात्तया हत केनो 67 58<sup>०</sup>  
 यस्मात्स्य राजगुल्येन 43 24<sup>०</sup>  
 यस्मात्तर्वावितमिदं 23 152<sup>०</sup>  
 यस्मिन्नकारणे पाणि 4 22<sup>०</sup>  
 यस्मिन्स्तु निहते शुभे 6 2<sup>६</sup>  
 यस्य चक्रभयत्रया 106 24<sup>०</sup>  
 यस्य ते पुत्र ईदृश 56 42<sup>६</sup>  
 यस्य ते वृत्तमीदृशम् 65 79<sup>६</sup>  
 यस्य तेऽङ्गुलिर्मते 35 68<sup>६</sup>  
 यस्य नाधिगतो मृत्यु 97 22<sup>०</sup>  
 यस्य नास्ति स्य कौरवा 23 108<sup>६</sup>  
 यस्य नास्ति स्य भारता 23 49<sup>६</sup>  
 यस्य पुत्रस्त यमो 23 102<sup>६</sup>  
 यस्य पुत्रो महायशा 15 5<sup>६</sup>  
 यस्य पैतामहं गृहम् 30 16<sup>६</sup>  
 यस्य प्राग्ज्योतिर्षं पुरम् 91 18<sup>६</sup>  
 यस्य बुद्धि परिणतम् 65 71<sup>०</sup>  
 यस्य यज्ञे जगो गाथा 23 148<sup>०</sup>  
 यस्य यस्यान्यये ये ये 1 13<sup>०</sup>  
 यस्य वीर्यात्प्रवर्तिता 30 52<sup>६</sup>  
 यस्य शान्ता सुताभवत् 23 36<sup>६</sup>  
 यस्य शिल्प महात्मन 3 41<sup>६</sup>  
 यस्या द्रुष्ट मनं पुत्रं 107 37<sup>०</sup>  
 यस्यानिर्हृद् पौत्रं स 109 4<sup>०</sup>  
 यस्या नैव विधो भर्ता 107 54<sup>०</sup>  
 यस्यान्ववायजो विष्णु 23 168<sup>०</sup>  
 यस्यामेवविध सुत 27 9<sup>६</sup>  
 यस्या मंशाक उच्यते 13 13<sup>६</sup>  
 यस्यार्थे भूमिरागता 44 8<sup>०</sup>  
 यस्यार्थे विनयामहे 21 21<sup>६</sup>  
 यस्याष्टगुणैश्वर्यं 109 85<sup>०</sup>  
 यस्यास्तीक्ष्णरथायस्य 24 17<sup>०</sup>  
 यस्यास्ते पालरीददा 107 55<sup>६</sup>  
 यस्यास्ते यदुपुगाव 107 77<sup>६</sup>  
 यस्यास्त्वसदसो गुणै 69 16<sup>६</sup>  
 यस्याहमिन्द्र पुत्रस्ते 21 25<sup>०</sup>  
 यस्यां स धर्मविद्राजा 24 23<sup>०</sup>  
 यस्या पश्चाद्दीप्तम् 23 80<sup>६</sup>  
 यस्या पुत्रं पुरोत्तम 3 35<sup>६</sup>

यस्येन्द्रप्रमुखा देवा 109 3<sup>०</sup>  
 यस्यैते परि बत्सका 15 17<sup>६</sup>  
 य कश्यप सुतम् 3 8<sup>०</sup>  
 य त्वद्या विदधे स्वयम् 93 51<sup>६</sup>  
 य मही सुपुत्रे देवी 91 18<sup>०</sup>  
 य यज्ञं शाश्वतं विभुम् 31 9<sup>६</sup>  
 य यान्तं पृष्ठतोऽन्वयु 24 31<sup>६</sup>  
 य वदन्त्यशरीरिणम् 34 29<sup>६</sup>  
 यं वदन्त्युत्तमं भूत् 34 29<sup>०</sup>  
 य विदुर्विदुषो जना 39 11<sup>६</sup>  
 य विदुः सर्वमृतानि 93 47<sup>०</sup>  
 य कर्ता भुवनप्रभु 106 59<sup>६</sup>  
 य कृतज्ञोऽनुबन्धेन 65 64<sup>०</sup>  
 य परं प्रादं परत 30 33<sup>०</sup>  
 य परं श्रूयते ज्योति 30 32<sup>०</sup>  
 य परं श्रूयते तप 30 32<sup>६</sup>  
 य पापमनुतिष्ठति 65 85<sup>०</sup>  
 य पुरं भवनं चेद् 108 17<sup>०</sup>  
 य पुराणो पुराणात्मा 30 11<sup>०</sup>  
 य पुरां पुरुहूतार्थं 30 12<sup>०</sup>  
 य पुरां ह्यनलो भूया 30 14<sup>०</sup>  
 य पूर्वं परवीरहा 89 49<sup>६</sup>  
 य प्रभुर्भोति भूतात्मा 109 85<sup>०</sup>  
 य प्रयागादपक्रम्य 23 107<sup>०</sup>  
 य प्रदिष्टं प्रसन्नं न 107 51<sup>६</sup>  
 य प्राणं सर्वभूतानां 34 27<sup>०</sup>  
 य शुचिर्निवतन्दिप 25 17<sup>६</sup>  
 य शृणोति कृताञ्जलि 31 152<sup>६</sup>  
 य शोते शाश्वतं याग 30 18<sup>०</sup>  
 य स गङ्गा सरिच्छ्रेष्ठा 10 66<sup>०</sup>  
 य स दधमसुयेषु 79 16<sup>०</sup>  
 य स दधो हृषीकेश 34 34<sup>०</sup>  
 य स पुन्धुवधादाना 9 47<sup>०</sup>  
 य स बाहुवद्वेण 23 138<sup>०</sup>  
 य समा सर्वधर्मज्ञ 31 115<sup>०</sup>  
 य सर्वां निन्दसे क्षिय 73 31<sup>६</sup>  
 य सर्वेषां विमानानि 3 41<sup>०</sup>  
 य सहस्रसमास्वेकं 91 45<sup>०</sup>  
 या गात्रं स रजसधयम् 45 29<sup>६</sup>  
 याचत श्रोतवो मृतारं 19 3<sup>६</sup>  
 याचमानाय कस्य 87 16<sup>०</sup>  
 या च सा सुरभिनाम 45 33<sup>०</sup>  
 या चास्य प्रवृत्तिर्ब्रह्मन् 30 2<sup>०</sup>

याचित परमेष्ठिना 3 11<sup>d</sup>  
 याचेता निर्भयाबुधौ 71 8<sup>d</sup>  
 याचेते नेति व तदा 16 8<sup>d</sup>  
 याचे त्वा कृष्णपूर्वज 83 45<sup>b</sup>  
 यात्रयामास चेत्रोत् 22 12<sup>d</sup>  
 यात्रयामास त मुनि 10 20<sup>d</sup>  
 याज्ञिकाना समृद्धाना 43 73<sup>d</sup>  
 याज्योपाध्यायसयोगार 10 4<sup>d</sup>  
 याहास्त्रोपं वने मृगा 62 65<sup>b</sup>  
 या तु सा नन्दगोपस्य 47 33<sup>d</sup>  
 याते भगवति व्यासे 118 7<sup>d</sup>  
 या ते शक्तिर्महान्द्ये 110 67<sup>d</sup>  
 या त्वमेव महाददै 100 40<sup>d</sup>  
 या त्वा पद्म्याभ्यपाठुगम् 50 11<sup>d</sup>  
 यायातध्येन विज्ञाय 96 45<sup>b</sup>  
 याद्वा दीनमानसा 78 47<sup>b</sup>  
 याद्वा धामिका हस्ते 86 68<sup>d</sup>  
 याद्वानामिय भूमि 84 2<sup>d</sup>  
 याद्वावां कुलकरान् 86 77<sup>d</sup>  
 याद्वावा प्रियकर 86 63<sup>d</sup>  
 याद्वाना प्रियकरा 79 30<sup>d</sup>  
 याद्वावा महद्गर्वा 45 18<sup>d</sup>  
 याद्वाभ्यशिसुद्म 86 4<sup>b</sup>  
 याद्वाभ्याद्वापैम 94 17<sup>d</sup>  
 याद्वाभ्यस्त्यसगरान् 84 14<sup>b</sup>  
 याद्वाभ्या मतिर्वभौ 81 55<sup>b</sup>  
 याद्वाभ्या महारणे 81 60<sup>d</sup>  
 याद्वा यदुनन्दनम् 88 2<sup>d</sup>  
 याद्वा यदुनन्दनौ 79 26<sup>b</sup>  
 याद्वा यदुना चाप्रे 23 162<sup>d</sup>  
 याद्वा युद्धुर्मेदा 109 18<sup>d</sup>  
 याद्वा रणशोभिन 84 20<sup>b</sup>  
 याद्वा वीतमत्सरा 96 68<sup>d</sup>  
 याद्वाक्ष धने प्राप्य 97 44<sup>d</sup>  
 याद्वास्तत्र सहिता 75 9<sup>d</sup>  
 याद्वाशैव तान्सर्वान् 76 44<sup>d</sup>  
 याद्वा कृष्णपक्षिण 73 8<sup>d</sup>  
 याद्वा पुष्पकर्मिण 23 161<sup>b</sup>  
 याद्वा धृतविस्तरा 66 40<sup>b</sup>  
 याद्वा प्रत्यरयत् 114 6<sup>b</sup>  
 याद्वा च धिय दृष्टा 100 4<sup>d</sup>  
 याद्वा जेपु जनाईनम् 96 22<sup>b</sup>  
 याद्वा मदात्मसु 86 18<sup>b</sup>

याद्वावैवपि सर्वेषु 83 16<sup>d</sup>  
 याद्वावैरभिसवृत्तम् 78 2<sup>b</sup>  
 याद्वास्ति च सप्तर्षी 1 34<sup>d</sup>  
 यादितिश्च सुरारणि 45 33<sup>d</sup>  
 याद्वत् तु गृहे 84 92 7<sup>d</sup>  
 याद्वत् बुध्पमानानान् 108 48<sup>d</sup>  
 यादोगणतिचित्रेण 43 18<sup>d</sup>  
 यानमास्थाय दानव 33 18<sup>b</sup>  
 या नरेषु प्रसजन्ते 99 14<sup>d</sup>  
 यान यदोदया सार्धे 49 13<sup>d</sup>  
 यानि कर्माणि कृतवान् 5 37<sup>d</sup> 96 25<sup>d</sup>  
 यानि देवमनुष्येषु 91 9<sup>d</sup>  
 यानि राजनिनासाय 66 31<sup>d</sup>  
 यानि शिञ्जानि लोकस्य 79 35<sup>d</sup>  
 यानि शास्त्राणि कानिचिद् 104 21<sup>b</sup>  
 याजुषाच विभुर्मेम 15 2<sup>d</sup>  
 यानि किंकरसप्तके 92 36<sup>d</sup>  
 यान्ति योगमति सिद्धा 13 10<sup>d</sup>  
 यान्ति वेदार्थसमिता 66 8<sup>d</sup>  
 यान्यर्हति जनाईन 92 9<sup>d</sup>  
 यान्यद् विविधायस्य 105 3<sup>d</sup>  
 यान्यद्दयामि द्विजश्रेष्ठ 13 50<sup>d</sup>  
 या पत्नी चयनस्य 8 9 22<sup>d</sup>  
 या पश्यति प्रिय पुत्र 56 21<sup>d</sup>  
 या पुत्रभावमुत्पन्न्य 99 12<sup>d</sup>  
 या पूर्वं गालिनी यमौ 23 39<sup>d</sup>  
 या भावयति भूतानि 13 63<sup>d</sup>  
 याभिर्देवानवापत 99 44<sup>d</sup>  
 यामि प्रत्याहरेकामान् 22 86<sup>d</sup>  
 यामा नाम तथा देवा 7 8<sup>d</sup>  
 यामेव रजनीं कृष्ण 48 12<sup>d</sup>  
 यान्यामयत्सामनर 37 50<sup>d</sup>  
 याम्या यम पालयतां 38 68<sup>d</sup>  
 या राजन्सामपपत्सु 9 30<sup>d</sup>  
 यावन्वीवितुमिच्छति 11 26<sup>d</sup>  
 यावता प्राणधारणम् 16 18<sup>d</sup>  
 यावत्कृष्णस्य दर्शनम् 85 44<sup>d</sup>  
 यावत्तव सनामा वै 22 7<sup>d</sup>  
 यावत्तव हृत्स्य मातुष 92 60<sup>d</sup>  
 यावत्तुल्यवेस्ताये 62 49<sup>d</sup>  
 यावत्सि हृदात्तमात्र 70 14<sup>d</sup>  
 यावद्गौ रण गांौ 81 73<sup>d</sup>  
 यावद्भूमिर्धरिष्यति 115 35<sup>d</sup>

यावदुर्गावैद्य घोरं 53 3<sup>o</sup>  
 यावन्तश्च गणा मोक्षा 11 3<sup>o</sup>  
 यावन्त कालमेव च 7 2<sup>o</sup>  
 यावन्त स्थ समागता 38 65<sup>o</sup> 100 31<sup>o</sup>  
 यावन्तो मनवश्चैव 7 2<sup>o</sup>  
 यावन्नास्त मज्जयेय 70 39<sup>o</sup>  
 या विपन्नमनोरथा 77 53<sup>o</sup>  
 यावेतौ मम सद्बुद्धौ 72 18<sup>o</sup>  
 याश्च देवमनुष्याणा 91 12<sup>o</sup>  
 यासा पीरवा किल क्षीर 113 9<sup>o</sup>  
 यास्येकपत्न्य श्रूयन्ते 73 32<sup>o</sup>  
 यास्यन्ति च मजा सर्वे 69 3<sup>o</sup>  
 यास्यन्ति तु महीतले 8 26<sup>o</sup>  
 यास्यन्ति निपन नृपा 62 73<sup>o</sup>  
 यास्यन्ति निरुपस्थता 117 13<sup>o</sup>  
 यास्यामि गमनीयजाम् 103 5<sup>o</sup>  
 यास्यामि यमसादनम् 107 82<sup>o</sup>  
 यास्याम्यपचितिं दिष्ट्या 38 16<sup>o</sup>  
 यास्यानोऽऽयामतर्कितौ 71 5<sup>o</sup>  
 याद्दि प्रभवसे सात 112 84<sup>o</sup>  
 या क्षया गह्वरी माया 40 26<sup>o</sup>  
 यां न विप्रो वय सर्वे 62 29<sup>o</sup>  
 यां यां तनु समाख्याय 45 3<sup>o</sup>  
 युक्तमृक्षसदृशेण 33 7<sup>o</sup>  
 युक्तस्य तदानय 15 47<sup>o</sup>  
 युक्तश्चन्द्रमसा पूण 43 19<sup>o</sup>  
 युक्तश्च शङ्खपद्माभ्यां 34 16<sup>o</sup>  
 युक्तस्तेनैव दर्पेण 44 64<sup>o</sup>  
 युक्तस्योयदमारुते 43 17<sup>o</sup>  
 युक्तं खरसदृशेण 33 13<sup>o</sup>  
 युक्तं नगति पर्यन्ते 93 38<sup>o</sup>  
 युक्तं मनोत्रे शुभ्रे 22 5<sup>o</sup>  
 युक्तं ह्यसदृशेण 33 15<sup>o</sup>  
 युक्तानि शकटानि च 61 59<sup>o</sup>  
 युक्तं सर्वे प्रचेतस 2 36<sup>o</sup>  
 युक्तैर्नैव स्वतेजसा 62 17<sup>o</sup>  
 युक्तो मातलिना तदा 34 10<sup>o</sup>  
 युक्तो राजत्रिया मन्त्रन् 79 2<sup>o</sup>  
 युक्तो वाग्विसदृशेण 20 10<sup>o</sup>  
 युक्तो ह्यसदृशेण 34 9<sup>o</sup>  
 युक्तगुणव्यतीविन 114 16<sup>o</sup>  
 युक्तसंभारसभृता 117 26<sup>o</sup>  
 युक्तसर्वैर्होपमम् 35 6<sup>o</sup>

युग दारणमानुषम् 43 59<sup>o</sup>  
 युग धर्मश्रुता वरा 13 44<sup>o</sup>  
 युगानि सप्ततिसानि 7 48<sup>o</sup>  
 युगानुरूप य कृत्वा 30 25<sup>o</sup>  
 युगान्तद्वारमृषिभि 115 42<sup>o</sup>  
 युगान्तप्रतिम चैव 43 54<sup>o</sup>  
 युगान्तप्रतिमेन वै 56 10<sup>o</sup>  
 युगान्तसदृशा रूप 41 19<sup>o</sup>  
 युगान्त समुपस्थितम् 116 3<sup>o</sup>  
 युगान्त सृष्ट्याभ्यद्म् 116 1<sup>o</sup>  
 युगान्ताग्निभिर्भाति स 112 24<sup>o</sup>  
 युगान्ताग्निभिर्भौर्वैरै 110 59<sup>o</sup>  
 युगान्ताग्निमिबोरिद्यतम् 32 22<sup>o</sup>  
 युगान्ताग्निरिवाग्निमात् 112 5<sup>o</sup>  
 युगान्ताग्निमममाम् 112 43<sup>o</sup>  
 युगान्तावतकारिषु 62 12<sup>o</sup>  
 युगाते जनने नय 115 45<sup>o</sup> 116 7<sup>o</sup>, 8<sup>o</sup>, 33<sup>o</sup>  
 युगान्तं पूर्वरूपाणि 116 4<sup>o</sup>  
 युगान्ते प्रत्युपस्थिते 116 31<sup>o</sup>, 32<sup>o</sup> 117 15<sup>o</sup>  
 युगान्ते प्रभविष्यन्ति 116 5<sup>o</sup>  
 युगाते निचमानाना 81 29<sup>o</sup>  
 युगातेऽश्वत्थको यश्च 30 34<sup>o</sup>  
 युगान्तेऽपिब मूर्च्छिणी 36 34<sup>o</sup>  
 युगान्ते समनुभाषे 116 22<sup>o</sup>  
 युगान्ते समुपस्थिते 116 34<sup>o</sup>  
 युगान्ते सयमूतानि 110 50<sup>o</sup>  
 युगान्ते सेन्द्रचापाभ्यां 34 44<sup>o</sup>  
 युगान्तोद्गोतत्रनर्तौ 35 18<sup>o</sup>  
 युगापक्रमणे पूर्व 116 27<sup>o</sup>  
 युगे क्षीणे भविष्यति 116 18<sup>o</sup>, 28<sup>o</sup>  
 युगे युगे भग्नयेते 2 51<sup>o</sup>  
 युगे युगे यथाकाल 117 49<sup>o</sup>  
 युगैर्ब्रह्मैश्च निर्मुक्तै 37 11<sup>o</sup>  
 युज्यते परया प्रीत्या 26 25<sup>o</sup>  
 युज्यता शकटानि च 53 10<sup>o</sup>  
 युज्येयमिति भारत 18 10<sup>o</sup>  
 युद्धकाङ्क्षी हि स यथा 65 33<sup>o</sup>  
 युद्धकाल इव हला 81 28<sup>o</sup>  
 युद्धदुर्दिनमात्रमौ 37 36<sup>o</sup>  
 युद्धमल्लङ्घत बभौ 35 3<sup>o</sup>  
 युद्धमस्युक्तकर्मणा 93 58<sup>o</sup>  
 युद्धमप्रतिम रणे 106 17<sup>o</sup>  
 युद्धमार्गविशारद 108 65<sup>o</sup> 110 51<sup>o</sup>

युद्धमार्गेश्वर दशितौ 58 10<sup>b</sup>  
 युद्धमार्गेश्वर विविधै 58 10<sup>c</sup>  
 युद्धमात्सीस्तुदारणम् 110 72<sup>d</sup>  
 युद्धमात्सीदि सैन्याना 82 3<sup>e</sup>  
 युद्धमेव चिकीर्षति 85 26<sup>f</sup>  
 युद्धमेवाभिरपते 106 54<sup>g</sup>  
 युद्धमेवाभ्यरोचयत् 38 22<sup>h</sup>  
 युद्धपेलामभिरपत् 34 15<sup>i</sup>  
 युद्धपतिक्रम कश्चिद् 75 18<sup>j</sup>  
 युद्धशुपरमे ते तु 65 67<sup>k</sup>  
 युद्धसज्जमिवास्वरम् 54 35<sup>l</sup>  
 युद्धसज्जविपाणाग्र 64 6<sup>m</sup>  
 युद्धस्यश्च भविष्यति 31 99<sup>n</sup>  
 युद्ध कृत्वा सुदारणम् 109 28<sup>o</sup>  
 युद्ध कृष्णान्ध्रमह्ययो 75 15<sup>p</sup>  
 युद्ध क्षत्रविनाशनम् 115 15<sup>q</sup>  
 युद्ध चके सुदारणम् 65 41<sup>r</sup>  
 युद्ध चाभूद्वाहनयो 112 70<sup>s</sup>  
 युद्ध नाम कदाचन 15 48<sup>t</sup>  
 युद्ध परमदारणम् 91 54<sup>u</sup>  
 युद्ध मन सदानेन 75 17<sup>v</sup>  
 युद्ध सुनहदासीदि 23 131<sup>w</sup>  
 युद्धाकाङ्क्षी मनर्द ह 64 13<sup>x</sup>  
 युद्धानि समयोजयत् 63 16<sup>y</sup>  
 युद्धाभिकामो राजा तु 85 16<sup>z</sup>  
 युद्धाभिराथ सुमहान् 106 34<sup>aa</sup>  
 युद्धाय युधि दुर्जया 33 1<sup>ab</sup>  
 युद्धाय शिशिरायुधम् 36 1<sup>ac</sup>  
 युद्धाय समवर्तत 34 50<sup>ad</sup>  
 युद्धाय समवस्थितम् 34 49<sup>ae</sup>  
 युद्धायातिष्ठदायस 33 20<sup>af</sup>  
 युद्धायामिमुख स्थित 33 19<sup>ag</sup> 44 46<sup>ah</sup>  
 युद्धायामिमुखे स्थितम् 108 60<sup>ai</sup>  
 युद्धायैव मनो दृष्टे 15 45<sup>aj</sup>  
 युद्धारम्भ प्रयोक्तव्य 81 7<sup>ak</sup>  
 युद्धार्थमुपकल्पितम् 115 15<sup>al</sup>  
 युद्धार्थे सुविभूषिते 74 4<sup>am</sup>  
 युद्धार्थी नवाहन 34 17<sup>an</sup>  
 युद्धे कृष्णवृषापुत्रो 64 18<sup>ao</sup>  
 युद्धे चरुरोत्तमा 112 64<sup>ap</sup>  
 युद्धे दृष्टपराक्रमा 38 51<sup>aq</sup>  
 युधिष्ठिरं च जानामि 62 93<sup>ar</sup>  
 युधिष्ठिरं जितामित्रम् 101 5<sup>as</sup>

युधत किल भारत 23 143<sup>b</sup>  
 युध्यत प्राङ्मुखत्वास्तु 110 48<sup>c</sup>  
 युध्यता युध्यता सख्ये 112 101<sup>d</sup>  
 युध्यतो रोहिण्यस्य 110 50<sup>e</sup>  
 युध्यत्व दानवर्षभा 108 30<sup>f</sup>  
 युध्यमानान्सदृशम् 110 52<sup>g</sup>  
 युध्यमाना रणे स्थिता 112 1<sup>h</sup>  
 युध्यमाने हृषीकेशे 75 37<sup>i</sup>  
 युध्यमानौ बनेचरौ 72 19<sup>j</sup>  
 युध्यस्य पुरुषो भव 112 90<sup>k</sup>  
 युध्यस्त्वाद्य मया सार्धं 44 37<sup>l</sup>  
 युयुत्सयोन्मच्चमिवावभाते 33 33<sup>m</sup>  
 युयुधानपुरोगाश्च 102 6<sup>n</sup>  
 युयुधानश्च वीर्यवान् 81 103<sup>o</sup>  
 युयुधानस्तु सात्त्विकि 24 24<sup>p</sup>  
 युयुधानस्त्वजायत 98 26<sup>q</sup>  
 युयुधाने च वीर्यवान् 87 44<sup>r</sup>  
 युयुधानो महाकृपे 87 52<sup>s</sup>  
 युयुधे वासुदेवस्तु 28 26<sup>t</sup>  
 युयुधो गोपञ्जवाश्च 63 16<sup>u</sup>  
 युयनाधस्य पुत्रो तु 23 80<sup>v</sup>  
 युयनाथो नराधिप 7 83<sup>w</sup>  
 युयामि स्थविरैर्ध्व 53 20<sup>x</sup>  
 युययोर्हि हते युध 71 4<sup>y</sup>  
 युवापि मृत्योर्वैद्यग 48 47<sup>z</sup>  
 युवादाय हस्तेष्वप्य 69 5<sup>aa</sup>  
 युवा रूपेण सपद्य 23 67<sup>ab</sup>  
 युवां कस्य बनेचरौ 71 8<sup>ac</sup>  
 युवां कस्य बने जारौ 71 10<sup>ad</sup>  
 युयुत्से प्रेमयेन वै 2 43<sup>ae</sup>  
 युयुत्सरतर नास्ति 100 70<sup>af</sup>  
 युयुत्साकमपि निश्रय 43 12<sup>ag</sup>  
 युयुत्साकममितारमनाम् 35 45<sup>ah</sup>  
 युयुत्साक तेजसोऽर्षेण 2 42<sup>ai</sup>  
 युयुत्साकं नात्र सदाच 17 8<sup>aj</sup>  
 युयुत्साकं हितक्रामयथा 43 23<sup>ak</sup>  
 युयुत्साभिरीह निर्भये 35 45<sup>al</sup>  
 युयुत्साभिर्पान्ति वर्तिता 100 76<sup>am</sup>  
 युयुत्सानु सज्जु हृदयेने 100 74<sup>an</sup>  
 युयुत्समिरसुवै दारौ 31 7<sup>ao</sup>  
 युयुत्समिरसुय सोम 30 24<sup>ap</sup>  
 युयुत्सं तेजसाऽवसीद्व 19 18<sup>aq</sup>  
 युयु वै रिततोऽसाकं 12 33<sup>ar</sup>

यूप वै ब्रह्मवादिन 12 29<sup>f</sup>  
 यूपं शरीरकर्तार 12 30<sup>f</sup>  
 ये करिष्यन्ति मानवा 12 38<sup>f</sup>  
 ये गता पृथिवीतलम् 44 20<sup>f</sup>  
 ये गृहाश्रमवासिन 35 34<sup>f</sup>  
 ये च त्वां मत्प्रभावज्ञा 47 52<sup>f</sup>  
 ये च नक्षत्रयोगिन 36 5<sup>f</sup>  
 ये च मेरुरुद्रास्तथा 93 61<sup>f</sup>  
 ये च सप्रेक्षका गोपा 76 10<sup>f</sup>  
 ये च द्वैमयता वृक्षा 93 61<sup>f</sup>  
 ये चान्ये दिव्यचक्षुष 68 37<sup>f</sup>  
 ये चान्ये धारयिष्यन्ति 19 31<sup>f</sup>  
 ये चान्ये भेयनादिन 62 47<sup>f</sup>  
 ये चान्ये विन्ध्यतिलया 5 19<sup>f</sup>  
 ये चावयो स्थिता वृत्त 62 57<sup>f</sup>  
 ये चास्यानुचरा रणे 109 89<sup>f</sup>  
 ये चेद् धारयिष्यन्ति 113 80<sup>f</sup>  
 ये चेमे प्रथिता गोपा 60 27<sup>f</sup>  
 ये चेमे प्राकृता गोपा 76 29<sup>f</sup>  
 ये चेमे यादवा मूर्खा 73 6<sup>f</sup>  
 ये चेमे वार्षिक्रा मासा 62 45<sup>f</sup>  
 ये तत्रासम्समागता 104 26<sup>f</sup>  
 ये तस्य चरितं विदु 40 19<sup>f</sup>  
 ये तु केचित्स्वदोषेण 75 28<sup>f</sup>  
 ये तु तत्र मथस्यासन् 37 6<sup>f</sup>  
 ये तु त दद्युस्तत्र 65 99<sup>f</sup>  
 ये त्र्यधाङ्गिरस पुत्रा 13 54<sup>f</sup>  
 ये त्वनेके सुरगणा 3 31<sup>f</sup>  
 ये त्रये ब्रह्मणा पुत्रा 12 13<sup>f</sup>  
 ये त्वया कालरूपिणा 48 45<sup>f</sup>  
 ये त्वया निदृता देव्याः 44 20<sup>f</sup>  
 ये दृष्टा विविधास्त्वया 104 13<sup>f</sup>  
 येन चाणोवमध्यस्थौ 31 17<sup>f</sup>  
 येन तप्त महत्सुत 20 3<sup>f</sup>  
 येन तस्य सुपर्णस्य 38 33<sup>f</sup>  
 येन ते निदृता देव्या 30 17<sup>f</sup>  
 येन त्वमसितापाङ्गे 107 50<sup>f</sup>  
 येन त्वं तात धास्यसि 103 9<sup>f</sup>  
 येन त्वं धतयिष्यसि 18 29<sup>f</sup>  
 येन ह्यग्निगतोऽस्म्यद्य 91 33<sup>f</sup>  
 येन त्वामाविशारकोध 8 23<sup>f</sup>  
 येन दानज्वारीणा 38 8<sup>f</sup>  
 येन न कुलचरित्र 108 15<sup>f</sup>

येन न सयुगोव्यद्य 38 7<sup>f</sup>  
 येन पर्यायकर्माणा 77 12<sup>f</sup>  
 येन भार्या हता पूर्व 9 89<sup>f</sup>  
 येन भार्या समुद्रदत् 22 5<sup>f</sup>  
 येन मां नावयुष्यसे 12 9<sup>f</sup>  
 येन मे मूर्ध्नि पातित 109 31<sup>f</sup>  
 येन य शान्तिमेष्यति 45 12<sup>f</sup>  
 येन लोकान्द्रमैजित्वा 30 9<sup>f</sup>  
 येन वर्तन्ति देवता 6 19<sup>f</sup>  
 येन बृन्दावन वनम् 83 39<sup>f</sup>  
 येन वेपेण वा वसन् 45 16<sup>f</sup>  
 येन घो हृषं जगत 59 3<sup>f</sup>  
 येन सर्वस्य लोकस्य 47 29<sup>f</sup>  
 येन सर्वाधिता प्रजा 2 29<sup>f</sup>  
 येन सैद् वपु कृत्वा 30 13<sup>f</sup>  
 येन स्वर्गादिहामस्य 10 65<sup>f</sup>  
 येनातितापयाम्मास 8 5<sup>f</sup>  
 येनानन्दयेन वर्त्मना 30 28<sup>f</sup>  
 येनासि मलिनीकृता 73 20<sup>f</sup>  
 येनाह दूषिता पूर्वं 107 73<sup>f</sup>  
 येनादोग हता गाव 45 32<sup>f</sup>  
 येनैषा नाशित यज्ञ 20 33<sup>f</sup>  
 ये परित्यज्य दारान्स्वान् 77 23<sup>f</sup>  
 ये पुत्रा जसिरे शूरा 25 6<sup>f</sup>  
 ये पुराणविदो जना 31 136<sup>f</sup> 90 2<sup>f</sup>  
 येप ते वैष्णवी मूर्ति 113 30<sup>f</sup>  
 ये लोकाधारयन्ति वै 23 164<sup>f</sup>  
 ये लोकान्धारयन्ति स 100 65<sup>f</sup>  
 ये वप्या वज्रपाणिना 21 22<sup>f</sup>  
 ये विनाशमिदेष्यन्ति 81 10<sup>f</sup>  
 ये विशिष्टतमा नरा 107 69<sup>f</sup>  
 ये विशिष्टा प्रभावेन 107 63<sup>f</sup>  
 येपानर्थाप सम्प्राप्ते 21 15<sup>f</sup>  
 येषां कुलमिच्छसि 83 56<sup>f</sup>  
 येषां त्वमनुशासिता 66 5<sup>f</sup>, 9<sup>f</sup>  
 येषा नो जगत पति 113 53<sup>f</sup>  
 येषा भवानभयद 41 2<sup>f</sup>  
 येषा वशा प्रतिष्ठिता 12 13<sup>f</sup>  
 ये स्थिता ब्रह्मचर्येण 35 38<sup>f</sup>  
 ये स दृष्टास्त्वया तात 83 10<sup>f</sup>  
 येऽमाके पक्षदृपरा 46 26<sup>f</sup>  
 ये हता सन्वसन्तिना 3 74<sup>f</sup>  
 ये हि देवैर्विरुष्यन्त 106 63<sup>f</sup>

धैर्यं प्रतिबोधिता 12 35<sup>d</sup>  
 धैर्यासा धृषिनी सर्वा 22 43<sup>d</sup>  
 धै क्रियन्ते द्वि कर्माणि 13 32<sup>d</sup>  
 योगकन्यां दुराधर्षी 96 14<sup>d</sup>  
 योगजो यज्ञकर्मेणि 30 23<sup>d</sup>  
 यो गतिधर्मयुक्ताना 30 30<sup>d</sup>  
 योगधर्ममनुष्यान्त 16 33<sup>d</sup>  
 योगधर्ममनुप्राप्य 14 1<sup>d</sup> 18 32<sup>d</sup>  
 योगधर्ममपास्य वै 17 3<sup>d</sup>  
 योगधर्ममवाप्स्यसि 14 11<sup>d</sup>  
 योगधर्मरतां सदा 18 5<sup>d</sup>  
 योगधर्मात्मकाब्जुध 18 3<sup>d</sup>  
 योगधर्मादि धर्मज्ञ 14 10<sup>d</sup>  
 योगधर्मापचारिण 14 2<sup>d</sup>  
 योगधर्मं च निरत 14 9<sup>d</sup>  
 योगधर्मो हृदि सदा 19 32<sup>d</sup>  
 योगभ्रष्टा पपात ह 13 27<sup>d</sup>  
 योगभ्रष्टा विचेतस 17 6<sup>d</sup>  
 योगभ्रष्टास्त्रयश्चैव 18 13<sup>d</sup>  
 योगमाज्ञापय तत्र 102 5<sup>d</sup>  
 योगमाता तथैव च 13 44<sup>d</sup> 18 7<sup>d</sup>  
 योगमास्थाय गोपते 8 32<sup>d</sup>  
 योगसिद्धा जगत्कृत्स्न 3 38<sup>d</sup>  
 योगस्य चाभिनिर्वृत्त्या 16 31<sup>d</sup>  
 योग तमुपलभ्य च 19 22<sup>d</sup>  
 योर्तां विहितमात्मन 85 35<sup>d</sup>  
 योनेन रमते च य 30 29<sup>d</sup>  
 योगा च योगपत्नी च 13 44<sup>d</sup> 18 7<sup>d</sup>  
 योगाचार्यगति प्राप 19 29<sup>d</sup>  
 योगाचार्यान्महाबलान् 13 46<sup>d</sup>  
 योगाचार्यान्महावतान् 13 48<sup>d</sup>  
 योगाचार्याय धीमते 13 22<sup>d</sup>  
 योगाचार्याव्युपस्थिते 13 23<sup>d</sup>  
 योगाचार्यो महायदा 15 13<sup>d</sup>  
 योगाचार्यो महावीर्ये 90 5<sup>d</sup>  
 योगात्मा तपसा युक्त 19 1<sup>d</sup>  
 योगात्मा तस्य तनय 15 24<sup>d</sup>  
 योगादिव महागण्ये 81 32<sup>d</sup>  
 योगाद्योगेश्वरत्वाग्ने 23 143<sup>d</sup>  
 योगाद्नगत नृपम् 19 24<sup>d</sup>  
 योगिना च तपस्विनाम् 104 11<sup>d</sup>  
 योगिनां द्विजसत्तम 13 12<sup>d</sup>  
 योगिनां ब्रह्मचारिणाम् 15 68<sup>d</sup>

योगिना योगवर्धना 13 11<sup>d</sup>  
 योगी योगेन बद्धि च 9 74<sup>d</sup>  
 योगी राजपितृसत्तम 15 11<sup>d</sup>  
 योगीश क्षणदातनु 30 32<sup>d</sup>  
 योगीश्वर महामते 113 29<sup>d</sup>  
 योगी सदृश्यते नृभि 23 150<sup>d</sup>  
 योगेनारमसमुत्पयेन 45 46<sup>d</sup>  
 योजनाना जनार्दन 109 79<sup>d</sup>  
 योजनाना शत साम्र 29 14<sup>d</sup>  
 योजनानि जलाराये 86 36<sup>d</sup>  
 योजनानयतविष्कम्भ 93 51<sup>d</sup>  
 योजनानयतविस्तृता 91 24<sup>d</sup>  
 योजयन्ति रिपुक्षये 62 83<sup>d</sup>  
 योजयस्व यथाक्रमम् 47 27<sup>d</sup>  
 योजयामास योगवित् 62 58<sup>d</sup> 78 39<sup>d</sup>  
 योजयाद्यानिति तदा 102 21<sup>d</sup>  
 योजयित्वा रणे चैव 113 64<sup>d</sup>  
 योजयित्वा रणे तात 49 3<sup>d</sup>  
 योजयिष्यन्ति मृत्युना 62 76<sup>d</sup>  
 योऽस्थते ते विजेष्यन्ति 21 15<sup>d</sup>  
 योऽत्यसे गरुडध्वज 112 54<sup>d</sup>  
 यो दधालकैसप्रभ 77 9<sup>d</sup>  
 यो दधार चकार च 30 8<sup>d</sup>  
 योदस्य सह कृष्णेन 75 7<sup>d</sup>  
 योदुकामौ सुदुर्धरौ 31 18<sup>d</sup>  
 योदुकामौ सुनिर्भरौ 42 19<sup>d</sup>  
 यो द्रवति घने गतम् 66 35<sup>d</sup>  
 योधमुष्यस्य योधानां 86 76<sup>d</sup>  
 योधयामास तेजस्वी 91 55<sup>d</sup>  
 योधयामास धीर्यवान् 63 1<sup>d</sup>  
 योधयित्वा महाबल 76 5<sup>d</sup>  
 योधानां प्रथमो नृप 6 40<sup>d</sup>  
 योधा युयुधिरे नृप 82 4<sup>d</sup>  
 योधास्तप्रायतस्थिरे 110 45<sup>d</sup>  
 योधिरदि च विमाम्ने 6 45<sup>d</sup>  
 यो निगृह्णेन्द्रियमाम 35 40<sup>d</sup>  
 योनिर्गाभिर्दुर्धर्यते 34 28<sup>d</sup>  
 योऽग्निद्वयं च विदुश्चादौ 12 35<sup>d</sup>  
 योऽग्निशाले अगतीया 30 10<sup>d</sup>  
 योऽग्न्यस्य षट्सप्तान् 59 22<sup>d</sup>  
 योऽग्नेस्तौ हयविश्राम् 44 67<sup>d</sup>  
 यो भोगप्रभितः मज्जन् 27 21<sup>d</sup>  
 यो मया वाहित पुरा 55 49<sup>d</sup>



यो मामनेन नागेन 74 25<sup>o</sup>  
 यो मा सागरमालिनीम् 42 45<sup>d</sup>  
 यो मृजो लवणाम्भसि 79 10<sup>d</sup>  
 यो ययामार्गत स्थित 75 1.<sup>b</sup>  
 योऽथ करीपधर्मश्च 75 19<sup>o</sup>  
 योऽथ स्वया हवो विष्णो 38 58<sup>d</sup>  
 योऽथ मया ञ्चर सृष्ट 111 9<sup>o</sup>  
 यो यादवकुलोद्बह 73 8<sup>b</sup>  
 यो विद्यात्सचराचरम् 2 56<sup>b</sup>  
 योपिदिस्त्रव समन्तत 55 15<sup>d</sup>  
 योपेवानुल्ला गता 83 34<sup>d</sup>  
 योऽसि सोऽसि नमोऽस्तु ते 63 8<sup>d</sup>  
 योभ्यौ दैन्येषु दर्पित 44 71<sup>b</sup>  
 योऽसौ विष्णा स्वदा हत 44 61<sup>b</sup>  
 योऽस्माक कुरुर्पासन 66 7<sup>b</sup>  
 योऽहमेकस्य पुत्रस्य 49 5<sup>o</sup>  
 योऽह दोर्म्यामुदाराम्यां 46 23<sup>d</sup>  
 यो हि तिष्ठममाग्रत 65 74<sup>d</sup>  
 यो हि योद्वा रण याति 6 46<sup>o</sup>  
 यो हीद् धारयेन्नप 113 82<sup>b</sup>  
 यो ह्यावां युधि निर्जेता 42 29<sup>o</sup>  
 योऽना सौम्यो ममाग्रज 47 30<sup>d</sup>  
 यो तावदुंनवृक्षो तु 51 22<sup>o</sup>  
 यो तौ मयश्च तारश्च 44 74<sup>o</sup>  
 योपिष्टिर्यो युधिष्ठिरो 98 18<sup>b</sup>  
 योधयास्तु नृगस्य ह 23 24<sup>d</sup>  
 यो भवताविद्वागर्तो 71 11<sup>b</sup>  
 योऽनस्य कदम्बानां 54 7<sup>o</sup>  
 योयनस्येव लक्षपते 54 4<sup>b</sup>  
 योयनस्येव यन्त्रिता 73 17<sup>o</sup>  
 योयनाधन समरे 23 131<sup>o</sup>  
 योयने प्रथमे स्थित 99 35<sup>o</sup>  
 र  
 रत्नचतुनदिध्याङ्ग 70 21<sup>o</sup>  
 रत्नध्यायनाकिनम् 108 57<sup>b</sup>  
 रत्नवीनारुणप्रख्या 93 62<sup>o</sup>  
 रत्नपीनासिनाम्बरा 60 31<sup>d</sup>  
 रत्नमाच्छादनं षड् 71 10<sup>d</sup>  
 रत्नमांसरसासना 52 22<sup>d</sup>  
 रत्नसूर्यायते षड् 76 16<sup>d</sup>  
 रत्न वेमुदना युधि 37 34<sup>b</sup>  
 रत्नानुलिङ्गनाथ 11 18<sup>o</sup>  
 रत्नानुल्लिङ्गपातर 109 83<sup>d</sup>

रक्षणीयस्त्ववानव 111 7<sup>d</sup>  
 रक्षणे सुमहाङ्गुण 108 93<sup>d</sup>  
 रक्षन्तो तापसाल्यान् 100 40<sup>d</sup>  
 रक्ष मा रक्षणीयोऽह 113 35<sup>o</sup>  
 रक्षसल्लय रत्नानि 79 21<sup>o</sup>  
 रक्षमा निप्रदाय च 31 112<sup>b</sup>  
 रक्षसा वातरहसाम् 92 37<sup>b</sup>  
 रक्षा च ब्राह्मणे कर्मां 101 13<sup>o</sup>  
 रक्षाधिकारो भवत 101 9<sup>o</sup>  
 रक्षामि त्वा कुतोऽनघ 101 10<sup>b</sup>  
 रक्षार्थे केनयस्य च 96 14<sup>d</sup>  
 रक्षार्थं प्रविशेदा ह 29 25<sup>b</sup>  
 रक्षा प्रति नराधिप 96 60<sup>b</sup>  
 रक्षार्सि श्वापदानि च 117 24<sup>b</sup>  
 रक्षितन्यमया योय 110 49<sup>o</sup>  
 रक्षितस्य त्यया तस्य 62 80<sup>o</sup>  
 रक्षित सर्पराजस्य 55 52<sup>o</sup>  
 रक्षिता चापि गोला च 113 53<sup>o</sup>  
 रक्षितारो विता पते 9 40<sup>d</sup>, 41<sup>d</sup>  
 रक्षिता एभते फळम् 101 9<sup>d</sup> 102 16<sup>d</sup>  
 रक्षिता तनसा पितु 99 29<sup>d</sup>  
 रक्षिता स्वेन तेजसा 45 24<sup>d</sup>  
 रक्षिमि पुररपंभौ 96 62<sup>b</sup>  
 रक्षिमि सह देवित 48 22<sup>b</sup>  
 रक्षित्वत्यात्मपक्ष च 35 70<sup>o</sup>  
 रक्षिभ्यामि द्विज भवात् 101 14<sup>d</sup>  
 रक्षिभ्यानीति चोक्त ते 102 14<sup>o</sup>, 17<sup>o</sup>  
 रक्षेत्सप्रामनगरा 42 45<sup>o</sup>  
 रक्षयते देवि सर्वत 107 80<sup>b</sup>  
 रक्षयमाणा समन्तत 92 24<sup>d</sup>  
 रक्ष्यो ते ह्याविमो सिद्ध 49 11<sup>d</sup>  
 रघुर्वाङ्गाभवस्तुत 10 73<sup>f</sup>  
 रङ्गद्वारमुपस्थितौ 74 21<sup>d</sup>  
 रङ्गद्वारे गज भक्त 96 58<sup>o</sup>  
 रङ्गप्रतापकामेन 75 9<sup>o</sup>  
 रङ्गनभ्यादयङ्गुलम् 76 27<sup>b</sup>  
 रङ्गनभ्यादुपपत्त 76 26<sup>o</sup>  
 रङ्गनभ्ये घञ्जगु 76 8<sup>d</sup>  
 रङ्गमावहिताम्बरा 74 20<sup>o</sup>  
 रङ्गनाट मद्वाघनम् 96 55<sup>b</sup>  
 रङ्गसिद्धिरतु मलाना 75 24<sup>o</sup>  
 रङ्गस्य द्वारि कुञ्जर 74 17<sup>b</sup>  
 रङ्गं विविशतुस्तदा 96 62<sup>f</sup>

रङ्गे च नियता सिद्धिः 75. 20<sup>d</sup>.  
 रचितं रत्नजालैश्च 33. 3<sup>d</sup>.  
 रज उद्भूयते महत् 9. 56<sup>d</sup>.  
 रजकं रङ्गकारकम् 71. 7<sup>d</sup>.  
 रजकः स तु ती प्राह 71. 8<sup>d</sup>.  
 रजकायाल्पमेघसे 71. 12<sup>d</sup>.  
 रजको वयस्तमस्तकः 71. 13<sup>d</sup>.  
 रजन्यां तु प्रभातायां 78. 42<sup>d</sup>.  
 रजन्यां दिवसे गते 68. 9<sup>d</sup>.  
 रजसः पुत्रमच्युतम् 4. 13<sup>d</sup>.  
 रजसा मुह्यसे कथम् 113. 28<sup>d</sup>.  
 रजसा वापि संदुष्टा 113. 30<sup>d</sup>.  
 रजसा समभिद्युताः 117. 38<sup>d</sup>.  
 रजसा स ह्यः कृष्णं 67. 27<sup>d</sup>.  
 रजस्वलेव युवतिः 42. 41<sup>d</sup>.  
 रजामि विविधानि च 71. 9<sup>d</sup>.  
 रजिपुत्रैः कृतो विभो 21. 31<sup>d</sup>.  
 रजिपुत्रोऽहमित्युक्त्वा 21. 24<sup>d</sup>.  
 रजिरात्तायुधः प्रभुः 21. 15<sup>d</sup>.  
 रजि वैतेयदानवाः 21. 19<sup>d</sup>.  
 रजिः पुत्रशतानीह 21. 12<sup>d</sup>.  
 रज्जुयज्ञोपवीतिनी 52. 5<sup>d</sup>.  
 रणष्टं बभूव ह 9. 22<sup>d</sup>.  
 रणष्टः प्रतापवान् 26. 20<sup>d</sup>.  
 रणात्प्रतिनिवृत्तोऽयम् 95. 7<sup>d</sup>.  
 रणे तेऽभिगता रेजुः 81. 77<sup>d</sup>.  
 रणे नारायणं शरैः 38. 17<sup>d</sup>.  
 रणे पावकमारुती 36. 32<sup>d</sup>.  
 रणे वारुणं सुविक्रयम् 112. 82<sup>d</sup>.  
 रणे राज्ञां महात्मनाम् 97. 16<sup>d</sup>.  
 रणे विजयमानस्य 75. 25<sup>d</sup>.  
 रणे वैश्रवणस्तेन 37. 49<sup>d</sup>.  
 रणे शत्रुभयंकरम् 112. 109<sup>d</sup>.  
 रणे स्वस्थमवस्थितम् 38. 5<sup>d</sup>.  
 रणे ह्युभयतः सिद्धिः 75. 26<sup>d</sup>.  
 रतिचिन्ताकुलीकृताः 63. 34<sup>d</sup>.  
 रतिमाप्स्यन्ति ते त्वयि 45. 43<sup>d</sup>.  
 रतिमिन्द्रेण रम्भायां 118. 28<sup>d</sup>.  
 रतिरस्ति प्रसीद् मे 106. 11<sup>d</sup>.  
 रतिसंसर्गलासः 77. 6<sup>d</sup>.  
 रत्नदृष्टा च ता द्वा 23. 8<sup>d</sup>.  
 रत्नजालानि तत्रैव 93. 53<sup>d</sup>.  
 रत्नजालान्तवर्ती 42. 8<sup>d</sup>.

रत्नज्वालाकुलानि च 74. 6<sup>d</sup>.  
 रत्नप्रवेकैर्दाशार्हैः 95. 6<sup>d</sup>.  
 रत्नभूतं प्रपश्यति 93. 5<sup>d</sup>.  
 रत्नाभूता च कन्येयं 2. 40<sup>d</sup>.  
 रत्नभूतानुभूयताम् 118. 25<sup>d</sup>.  
 रत्नसर्वस्वहरणं 77. 28<sup>d</sup>.  
 रत्नसंचयपरिविता 44. 58<sup>d</sup>.  
 रत्नसंनिचयसाहक्यं 92. 7<sup>d</sup>.  
 रत्नसोपानभूयिताः 94. 4<sup>d</sup>.  
 रत्नसौगन्धिकोरपलाः 93. 59<sup>d</sup>, 94. 4<sup>d</sup>.  
 रत्नं देहीति लाङ्गली 29. 20<sup>d</sup>.  
 रत्नानां चैत्स्वते नरः 103. 11<sup>d</sup>.  
 रत्नानि च महाहाणि 79. 20<sup>d</sup>.  
 रत्नानि च विचित्राणि 84. 4<sup>d</sup>.  
 रत्नानि विविधानि च 6. 35<sup>d</sup>, 91. 9<sup>d</sup>, 92. 2<sup>d</sup>.  
 रत्नान्यन्तःपुराणि च 92. 8<sup>d</sup>.  
 रत्नान्याच्छादनानि च 77. 30<sup>d</sup>, 78. 23<sup>d</sup>.  
 रत्नान्यादाय सर्वेशः 5. 25<sup>d</sup>.  
 रत्ने चोपक्षयं गते 116. 21<sup>d</sup>.  
 रत्नेश्च प्रतिपूजितः 92. 52<sup>d</sup>, 61<sup>d</sup>.  
 रत्नेश्च स्वयमर्जितैः 96. 6<sup>d</sup>.  
 रत्नान्तरगतवा रात्रौ 63. 32<sup>d</sup>.  
 रथ एव स्थितश्चाहं 103. 25<sup>d</sup>.  
 रथपन्थानमिच्छामि 103. 3<sup>d</sup>.  
 रथपन्थानसुत्तमम् 103. 22<sup>d</sup>.  
 रथपार्श्वे व्यवस्थितः 108. 70<sup>d</sup>.  
 रथमारुह्य काञ्चनम् 19. 15<sup>d</sup>.  
 रथमारोपयामास 20. 9<sup>d</sup>.  
 रथमार्गः प्रदीयताम् 103. 17<sup>d</sup>.  
 रथमास्थाय वीर्यवान् 108. 52<sup>d</sup>, 112. 14<sup>d</sup>.  
 रथमुख्यो विदूरथः 28. 1<sup>d</sup>.  
 रथम् हुस्तुरंगमाः 103. 20<sup>d</sup>.  
 रथवेदीनं सर्वेशः 88. 15<sup>d</sup>.  
 रथविस्तीर्णत्रयना 48. 30<sup>d</sup>.  
 रथस्यं पार्थिवं रामः 31. 102<sup>d</sup>.  
 रथस्यौ दंशितौ वैद्य 81. 54<sup>d</sup>.  
 रथं च रथिनां परः 31. 107<sup>d</sup>.  
 रथं तेनैव मागं 70. 33<sup>d</sup>.  
 रथं परममास्वरम् 22. 5<sup>d</sup>.  
 रथं पररथारुजम् 33. 8<sup>d</sup>.  
 रथानां चाप्यनेकताः 109. 37<sup>d</sup>.  
 रथानां धातुरहमात् 81. 5<sup>d</sup>.  
 रथा रथैर्निरूप्यन्ते 37. 30<sup>d</sup>.

रथा रथैर्विमिश्राध्र 82. 4<sup>१</sup>.  
 रथिनः सादिनश्च 81. 94<sup>०</sup>.  
 रथी द्वीपालनुचरन् 23. 150<sup>०</sup>.  
 रथी निष्पन्म्य वै पुरात् 15 58<sup>१</sup>.  
 रथी रामो जरासंधं 82. 8<sup>०</sup>.  
 रथे तिष्ठन्मुदन्तद्रा 112. 33<sup>१</sup>.  
 रथेन क्रिया नृपतीन् 105. 15<sup>१</sup>.  
 रथेन रथिनां वरः 88 5<sup>१</sup>. 112 85<sup>१</sup>.  
 रथेन सद्यूतेन 103 9<sup>१</sup>.  
 रथेनादित्यवर्चसा 23. 138<sup>१</sup>. 97. 4<sup>१</sup>.  
 रथेनाश्वरगामिना 34. 20<sup>१</sup>.  
 रथे युक्तं महात्मना 108. 58<sup>१</sup>.  
 रथेषां च त्रिभिः शरैः 88. 22<sup>१</sup>.  
 रथेषां चापि चिच्छेद् 81. 85<sup>१</sup>.  
 रथेषां तस्य सोऽच्छिनत् 108. 68<sup>१</sup>.  
 रथेष्वतिरथो यन्ता 86. 78<sup>१</sup>.  
 रथै रथाश्च संरब्धाः 87. 74<sup>१</sup>.  
 रथैश्चैश्च दंशितैः 84 16<sup>१</sup>.  
 रथैश्चाम्बुदनादिभिः 81. 75<sup>१</sup>.  
 रथैस्तत्र यज्ञान्विताः 87. 29<sup>१</sup>.  
 रथैः पन्नसंपातैः 81. 23<sup>१</sup>.  
 रथैः संप्रामिहैर्युक्तैः 18 15<sup>१</sup>.  
 रथो भाति घनोन्मुनः 112. 16<sup>१</sup>.  
 रथ्याः पताक्रामादिन्यः 79. 28<sup>१</sup>.  
 रथणं भाजनं चैव 93 20<sup>१</sup>.  
 रथणीयं तदाख्यानं 118 3<sup>१</sup>.  
 रथते बाललीलया 65. 31<sup>१</sup>.  
 रथन्ते क्रमभूमिषु 83. 9<sup>१</sup>.  
 रथन्ते रथेषु सानुषु 59. 24<sup>१</sup>.  
 रथन्त्येवं समागताः 107. 10<sup>१</sup>.  
 रथनागानिरुद्धेन 108 11<sup>१</sup>.  
 रथमाणा यथासुरम् 107. 16<sup>१</sup>.  
 रथयन्ति मनोरमम् 63 25<sup>१</sup>.  
 रथयन्ति स्म बहवः 55 24<sup>१</sup>.  
 रथयन्त्वो यथा नागं 63 30<sup>१</sup>.  
 रथयंश्चर मेदिनीम् 45 40<sup>१</sup>.  
 रथयैश्चासु गर्हितम् 63. 7<sup>१</sup>.  
 रथे त्वयाहं विप्रं 12 20<sup>१</sup>.  
 रथ्मा नामाप्सरा देवी 118. 25<sup>१</sup>.  
 रथ्य पुरोपलक्ष्यते 61. 43<sup>१</sup>.  
 रथ्यसानुगुद्राजितः 93 14<sup>१</sup>.  
 रथ्यसानुगुद्राण्यक्षैः 93. 32<sup>१</sup>.  
 रथ्यं मालवतं तदि 57. 23<sup>१</sup>.

रथ्यं तालवतं महत् 57. 3<sup>१</sup>.  
 रथ्यं वननिवेशं वै 53. 30<sup>१</sup>.  
 रथ्यान्द्रष्टिमनोहरान् 93. 10<sup>१</sup>.  
 रथ्यायां यर्षसहाये 62. 54<sup>१</sup>.  
 रथ्यां निवेशयामास 23. 68<sup>१</sup>.  
 रथ्ये कारुण्ये गिरौ 16 22<sup>१</sup>.  
 रथ्ये तालवते रथौ 57. 4<sup>१</sup>.  
 रथ्ये श्रीमति स प्रभुः 107. 1<sup>१</sup>.  
 रथ्य क्षत्रपूर्वजः 2. 22<sup>१</sup>.  
 रथ्युक्तस्य रक्षिणः 48 9<sup>१</sup>.  
 रथ्य केसी मेघेन 67. 31<sup>१</sup>.  
 रथ्य तस्य वद्वात्ये 55. 6<sup>१</sup>.  
 रथ्य देवराजो वै 62 9<sup>१</sup>.  
 रथ्य बर्हिषत्रेण 55 10<sup>१</sup>.  
 रथ्य माञ्जा शिरसि 55. 8<sup>१</sup>.  
 रथ्य मुखपङ्कजम् 55 7<sup>१</sup>.  
 रथ्य युधि दाम्बः 37. 58<sup>१</sup>.  
 रथ्य वपुषा युधः 83 25<sup>१</sup>.  
 रथ्यवृणिताननः 83. 27<sup>१</sup>.  
 रथ्यतलवती भीमा 37. 19<sup>१</sup>.  
 रथ्य चौरैरुत्पातैः 32 15<sup>१</sup>.  
 रथ्य च नभः कृत्स्नं 94. 9<sup>१</sup>.  
 रथ्यमूलेन कर्मणा 30 40<sup>१</sup>.  
 रथ्यं रसविदो विदुः 36. 3<sup>१</sup>.  
 रथ्यतले चो गीतः 65 27<sup>१</sup>.  
 रथ्यतले स ददौ 70 16<sup>१</sup>.  
 रथ्यै शोषिने भयति 30 39<sup>१</sup>.  
 रथ्यार्ता रथनं प्रभुम् 34. 25<sup>१</sup>.  
 रथ्येनाश्रुतकल्पेन 57. 9<sup>१</sup>.  
 रथ्यस्यृष्टिभिः प्रोक्तं 4. 25<sup>१</sup>.  
 रथ्यं पुरुषोत्तमः 86 66<sup>१</sup>.  
 रथ्ये वसुदेवेन 49. 13<sup>१</sup>.  
 रथ्येते सखिलेश्वरः 43 35<sup>१</sup>.  
 रथ्यामः प्रीतिसंयुताः 113. 68<sup>१</sup>.  
 रथ्ये च सद युष्मिन् 60 26<sup>१</sup>.  
 रथ्यस्य मयोः पुत्रः 9. 54<sup>१</sup>.  
 रथ्यसं तं महाबलम् 9 75<sup>१</sup>.  
 रथ्यसं राक्षसेष्वम् 31. 123<sup>१</sup>.  
 रथ्यसा दानवा नागाः 12. 35<sup>१</sup>.  
 रथ्यसामां च सर्वदाः 107. 68<sup>१</sup>.  
 रथ्यसामां भयार्हे 4-4 25<sup>१</sup>.  
 रथ्यसामां समागमे 77. 44<sup>१</sup>.  
 रथ्यसी निहता रौद्रा 96 31<sup>१</sup>.

राक्षसीं ते बनेचरा 96 32<sup>d</sup>  
 राक्षसैश्च पिशाचैश्च 6 30<sup>a</sup>  
 राक्षसै सा कुशस्थली 9 32<sup>d</sup>  
 राक्षसौ भीमविक्रमौ 31 119<sup>d</sup>  
 रागोन्मत्ता विघर्मिण 21 35<sup>b</sup>  
 राघवेण महारमना 44 44<sup>d</sup>  
 राघवोऽसौ महाबल 31 141<sup>d</sup>  
 राजचोरादिदण्डाते 116 24<sup>a</sup>  
 राजत पात्रमादाय 6 20<sup>a</sup>  
 राजधर्मपराङ्मुख 86 32<sup>b</sup>  
 राजन्पुत्राश्च पात्राश्च 7 34<sup>a</sup>  
 राजन्यानामुपपन्न 115 15<sup>b</sup>  
 राजन्बद्धयाम्यह किंचित् 108 89<sup>a</sup>  
 राजन्वेणुद्वयस्तथा 23 135<sup>d</sup>  
 राजसत्येन ते क्षपे 19 9<sup>d</sup>  
 राजन्सत्यैय स्थिता 7 8<sup>b</sup>  
 राजपुत्र त्रिभि शरै 87 64<sup>d</sup>  
 राजपुत्राश्च रविमणा 89 2<sup>b</sup>  
 राजपुत्री च साभवत् 89 7<sup>b</sup>  
 राजपुत्र्या तु विद्वासी 26 19<sup>a</sup>  
 राजभक्तिपुरस्कृतम् 61 2<sup>d</sup>  
 राजभिश्च तथास्रै 104 26<sup>a</sup>  
 राजभिश्चापि बहुभि 81 104<sup>a</sup>  
 राजभि सहितेन वै 82 29<sup>d</sup>  
 राजमन्त्र महर्द्धिमत् 96 57<sup>b</sup>  
 राजमन्त्रधरा सर्वे 65 14<sup>a</sup>  
 राजमार्गीगतायुजौ 71 22<sup>a</sup>  
 राजमार्ग च धार्मिक 71 5<sup>d</sup>  
 राजमार्गेण गच्छन्ती 83 38<sup>d</sup>  
 राजमार्गेषु गायना 79 30<sup>b</sup>  
 राजराजेश्वर श्रीमान् 34 16<sup>a</sup>  
 राजराज्यं तत कुरु 62 69<sup>d</sup>  
 राजराज्येन राजभि 4 16<sup>d</sup>  
 राजराज्येन राजराट् 20 20<sup>b</sup>  
 राजर्विभि पुण्यकर्म 31 38<sup>a</sup>  
 राजर्विरभवन्नृप 26 7<sup>d</sup>  
 राजर्विर्भुनुनिप्रदे 9 63<sup>a</sup>  
 राजर्विणामनुष्ठित 26 4<sup>d</sup>  
 राजवर्द्धनी तात 13 55<sup>a</sup>  
 राजर्वीर्यादृषस्यासीत् 87 9<sup>a</sup>  
 राजवृत्त स्थिताश्रीरा 116 9<sup>a</sup>  
 राजवेदमाभ्ययात् 106 53<sup>b</sup>  
 राजर्वी बहति प्रभो 67 65<sup>a</sup>

राजसूयमपि क्रतुम् 115 41<sup>b</sup>  
 राजसूय तथा मन्त्रे 115 15<sup>a</sup>  
 राजसूयाभिविक्तश्च 4 16<sup>a</sup>  
 राजसूयाभिविक्तानां 2 23<sup>a</sup>  
 राजसूये ह्यसहायै 115 21<sup>a</sup>  
 राजसूयो मतो मम 115 14<sup>d</sup>  
 राजसूयो महायज्ञ 115 20<sup>a</sup>  
 राजसूयो हि सामेन 115 16<sup>a</sup>  
 राजहस्ता ह्यवाग्नेर 74 13<sup>d</sup>  
 राजश्विरप्रसुतोऽसि 85 54<sup>a</sup>  
 राजा कुण्डलापीड 74 17<sup>a</sup>  
 राजा कौपसमन्वित 22 26<sup>b</sup>  
 राजा चाभवदो नाम 23 4<sup>a</sup>  
 राजा त्रय्यारुणोऽप्यजत् 9 91<sup>b</sup>  
 राजा त्व भविता तात 17 4<sup>a</sup>  
 राजा दिविरधस्तथा 23 33<sup>d</sup>  
 राजा धनुर्मेह नाम 65 89<sup>a</sup>  
 राजा धर्मभृता श्रेष्ठ 15 5<sup>a</sup>  
 राजा धर्मार्थकीविद् 23 165<sup>b</sup>  
 राजाधिदेवस्य सुता 28 2<sup>a</sup>  
 राजाधिदेव द्युरस्तु 28 1<sup>a</sup>  
 राजाधिदेवी च तथा 24 19<sup>a</sup>  
 राजाधिदेवे सृष्टे 87 47<sup>a</sup>  
 राजाधिदेवो सृष्ट 81 102<sup>a</sup>  
 राजा नलमज्ञो बली 10 69<sup>d</sup>  
 राजानश्वोररीलिन 116 9<sup>b</sup>  
 राजानं दृष्यासासनात् 78 41<sup>b</sup>  
 राजानं जनमेजथम् 118 1<sup>b</sup>  
 राजान यदुससदि 78 39<sup>b</sup>  
 राजानं सद्रमप्रिणम् 18 30<sup>a</sup>  
 राजान साऽनगाऽन 114 9<sup>a</sup>  
 राजान मोऽभ्यपेचयत् 4 11<sup>d</sup>, 12<sup>d</sup>, 13<sup>d</sup>, 11<sup>d</sup>  
 राजानं स्थापयामासु 70 95<sup>a</sup>  
 राजान कण्ठे दन 117 16<sup>a</sup>  
 राजान कालचो दत्ता 43 64<sup>b</sup>  
 राजान कीर्निता मया 23 41<sup>b</sup>  
 राजान शय्याधिनि 62 75<sup>a</sup>  
 राजान सर्वं ण्य ते 15 19<sup>a</sup> 83 10<sup>d</sup>  
 राजान ह्यपुराणि त 89 8<sup>b</sup>  
 राजा निरयद्वयुन 10 9<sup>b</sup>  
 राजानो दुर्गमाहिता 103 6<sup>a</sup>  
 राजानानि यथास्थाने 100 14<sup>a</sup>  
 राजानो बहद्विंशत् 43 2<sup>a</sup>

राजानो भूरितेजस 10 79 <sup>d</sup>	राज्ञा बहैर्बैलवतां 41 17 <sup>d</sup>
राजानो राष्ट्रवर्धना 41 28 <sup>b</sup>	राज्ञा भयङ्गरो घोर 44 63 <sup>d</sup>
राजा पञ्चननो नाम 10 58 <sup>d</sup>	राज्ञा भविष्यद्व्युपरि 68 31 <sup>d</sup>
राजा परमतेजस्वी 21 18 <sup>d</sup>	राज्ञा मध्ये महाराज 101 5 <sup>d</sup>
राजा परमधार्मिक 9 47 <sup>b</sup> 15 15 <sup>f</sup> 23 71 <sup>b</sup>	राज्ञा वैश्रवण पतिम् 4 3 <sup>b</sup>
राजा पारित्तितम्दा 115 5 <sup>b</sup>	राज्ञा सप्रानराशिनाम् 62 76 <sup>d</sup>
राजापि हासिनपुर 118 10 <sup>d</sup>	राज्ञा हेतु रणक्षये 42 51 <sup>d</sup>
राजा पृथिव्या विख्यात 44 62 <sup>d</sup>	राज्ञो वातासि यौ मूर्खौ 71 8 <sup>d</sup>
राजा प्रमादी दुर्बुद्धि 106 54 <sup>d</sup>	राज्य वेदलमात्मन 85 62 <sup>f</sup>
राजा वृद्धद्विपुत्र 15 15 <sup>b</sup>	राज्य जन्माद् दुर्बुद्धि 96 26 <sup>d</sup>
राजा वृद्धद्विपुत्र्या 23 96 <sup>d</sup>	राज्य प्राप्य कुशास्थलीम् 9 24 <sup>d</sup>
राजा भोजद्रुलोद्भव 44 60 <sup>b</sup>	राज्य प्राप्य महायज्ञा 9 20 <sup>b</sup>
राजा राजगृहेश्वर 80 1 <sup>b</sup>	राज्य शासति धर्मज्ञे 44 25 <sup>d</sup>
राजादमिदमथ च 71 29 <sup>d</sup>	राज्य स कारयामास 21 9 <sup>d</sup>
राजा वज्रधरोपम 89 49 <sup>f</sup>	राजावदति चैव ह 47 5 <sup>d</sup>
राजा वनचरै सद् 23 89 <sup>d</sup>	राज्ञौ त मणिमादाय 29 3 <sup>d</sup>
राजा विश्रानमानस्तु 18 2 <sup>d</sup>	राज्ञौ व्यावर्तितायेनौ 65 50 <sup>d</sup>
राजा विश्वरथश्च ह 23 84 <sup>d</sup>	राज्ञौ सकाल्य कालवित् 63 18 <sup>d</sup>
राजा धिपमिवोरग 118 8 <sup>d</sup>	राधिपेन हत पुरा 15 26 <sup>d</sup>
राजा सनतिमान्भुवि 23 63 <sup>b</sup>	राम एकोऽभवद्भर्ता 31 133 <sup>d</sup>
राजासीच्छत्राधिपुत्र 26 5 <sup>b</sup>	रामहृण्यपुरोगमा 91 25 <sup>b</sup>
राजासीदणुदात्मज 18 19 <sup>b</sup>	रामहृण्यप्रगाण्मोचान् 81 89 <sup>d</sup>
राजासीद्वाजपत्तम 6 42 <sup>b</sup>	रामहृण्यानुभायपि 87 29 <sup>d</sup>
राजा सोम प्रतापवान् 2 38 <sup>d</sup>	रामहृण्यौ च राजा च 91 29 <sup>d</sup>
राजा ह्यतिथय स वै 82 26 <sup>d</sup>	रामहृण्यौ विचिन्तयन् 96 60 <sup>d</sup>
राजा इत्य प्रमाणत 85 55 <sup>b</sup>	रामहृण्यौ ध्यानाश्रित्य 80 6 <sup>d</sup>
राजिमति शुभानि च 109 11 <sup>d</sup>	रामहृण्यौ समागतौ 96 59 <sup>b</sup>
राज्ञेन्द्रो दधियादन 23 33 <sup>b</sup>	रामहृण्यौ समाश्रित्य 89 53 <sup>d</sup>
राज्ञेयमिग विख्यात 21 12 <sup>d</sup>	रामवराजयोस्तदा 83 57 <sup>d</sup>
राज्ञेयं स्वं भविष्यति 43 24 <sup>d</sup>	रामगोविन्दरक्षणौ 81 66 <sup>d</sup>
राज्ञोयान् महामना 88 33 <sup>d</sup>	रामस्तस्य विमोक्षायम् 90 9 <sup>d</sup>
राज्ञ ऊरौ प्रज्ञसिवात् 5 16 <sup>b</sup>	रामस्य वनयो त्रये 10 76 <sup>d</sup>
राज्ञस्तस्य वसो सुभा 13 40 <sup>d</sup>	रामस्य तु गदायेग 82 19 <sup>d</sup>
राज्ञस्तैजस्विनो द्विजा 5 36 <sup>d</sup>	रामस्य प्रथित भुवि 90 16 <sup>d</sup>
राज्ञश्चिप्यन्नरत्वासात् 9 88 <sup>d</sup>	रामस्य प्रपितामह 10 73 <sup>d</sup>
राज्ञ पण्डितमानिन 75 28 <sup>b</sup>	रामस्य मुमहारात्मन 90 13 <sup>b</sup>
राज्ञ पारिक्षितस्य ह 22 8 <sup>b</sup>	रामस्यानुमते स्थिन 79 12 <sup>b</sup>
राज्ञ घ्नानगृह्णामि 71 25 <sup>d</sup>	राम चैव मद्भुजम् 96 8 <sup>d</sup>
राज्ञा न तेन चोदित 103 30 <sup>b</sup>	राम रमयथा श्रेष्ठ 83 6 <sup>d</sup>
राज्ञा राजनकाम्यथा 44 29 <sup>b</sup>	रामे हाद्रलधारिणम् 83 54 <sup>b</sup>
राज्ञा राजनतरयेन 44 28 <sup>d</sup>	रामे वचनमजनीत् 81 2 <sup>b</sup>
राज्ञां चैव वयं कार्य 41 31 <sup>d</sup>	राम पालयितामवत् 31 133 <sup>d</sup>
राज्ञां भिदियगामिनाम् 67 61 <sup>d</sup>	राम शत्रुभयंकर 83 8 <sup>d</sup> .

रामाच्च निशदो जज्ञे 25 4<sup>o</sup>  
 रामात्ततोऽस्य सृष्टयुर्वे 23 155<sup>o</sup>  
 रामादनन्तर चैव 100 2<sup>o</sup>  
 रामाय विदितारमने 83 19<sup>o</sup>  
 रामाहुकगदाहूर 94 18<sup>o</sup>  
 रामे चासज्य त भार 87 44<sup>o</sup>  
 रामेण सह गोविन्द 95 17<sup>o</sup>  
 रामेण सह निश्चिह्न 87 40<sup>o</sup>  
 रामेण सह भारत 79 9<sup>o</sup>  
 रामेणासीत्समागम 82 5<sup>o</sup>  
 रामे दाशरथी स्थिते 44 25<sup>o</sup>  
 रामे निघण्टास्तवार्था 31 136<sup>o</sup>  
 रामे राज्य प्रशासति 31 129<sup>d</sup>, 130<sup>d</sup>, 134<sup>d</sup>, 135<sup>d</sup>  
 रामे वृष्णिबलान्विते 88 34<sup>o</sup>  
 रामो दशरथाज्जज्ञे 10 74<sup>o</sup>  
 रामो दाशरथिर्वभौ 31 140<sup>d</sup>  
 रामो धर्मश्रुता वर 31 128<sup>o</sup>  
 रामो भूतपति पुरा 31 126<sup>d</sup>  
 रामो मत्समीरित 83 80<sup>o</sup>  
 रामो राज्यमकारयत् 31 138<sup>d</sup>  
 रामोऽञ्जनमनीकस्थ 31 101<sup>o</sup>  
 रामो विराजन्समरे 81 69<sup>o</sup>  
 रामो व्यासस्तथात्रैव 7 43<sup>o</sup>  
 रावणस्त्यभितश्चरी 97 8<sup>d</sup>  
 रावण निजयानाश्रु 31 126<sup>o</sup>  
 रावण युधि दुर्जेयम् 31 122<sup>d</sup>  
 रावण स्वदासत्तदा 65 43<sup>d</sup>  
 रावण सगण हत्वा 31 142<sup>o</sup>  
 रावणेन पुरा गीत 77 44<sup>o</sup>  
 राष्ट्रपालोऽथ सुतनु 27 28<sup>o</sup>  
 राष्ट्रयेच्छसि चेतस्विति 15 41<sup>o</sup>  
 राष्ट्रे चैव महद्विमव् 71 28<sup>d</sup>  
 राष्ट्रानि सृष्टुस्याना 105 7<sup>o</sup>  
 राष्ट्रे राष्ट्रे च यदव 41 21<sup>o</sup>  
 राष्ट्रमसदादित्यम् 106 45<sup>o</sup>  
 रिङ्गिणी समपचताम् 51 1<sup>d</sup>  
 रिपुञ्जमदैववीर्यदास्त्रिनश्च 118 47<sup>d</sup>  
 रिपु रिपुञ्जय विप्र 2 14<sup>o</sup>  
 रिपुणां त्रासजननी 65 57<sup>o</sup>  
 रिपुणा प्रत्ययुष्यताम् 81 65<sup>o</sup>  
 रिपोराधत्त गृह्णी 2 15<sup>o</sup>  
 रिष्टो नाम दिते पुत्र 44 70<sup>o</sup>  
 रीतीनिर्बैतयामास 61 5<sup>o</sup>

रुचमदण्डा पताकिन 93 53<sup>o</sup>  
 रुचमपप्रतिभस्तम्भ 74 14<sup>o</sup>  
 रुचमपप्रकरव्यप्रा 96 18<sup>o</sup>  
 रुचिमणश्च वच श्रुत्वा 89 33<sup>o</sup>  
 रुचिमणस्तनया तदा 89 4<sup>d</sup>  
 रुचिमण निरुतिप्रज्ञं 89 46<sup>o</sup>  
 रुचिमण पतित दृष्ट्वा 88 26<sup>o</sup>  
 रुचिमण रथमारोप्य 88 30<sup>o</sup>  
 रुचिमण रहसि प्रसुम् 89 19<sup>d</sup>  
 रुचिमण रोहिणीसुत 89 36<sup>o</sup>  
 रुचिमण सुहृदश्च ये 89 14<sup>o</sup>  
 रुचिमणा कदावामन 89 29<sup>d</sup>  
 रुचिमणा च महारमना 81 100<sup>o</sup>  
 रुचिमणा वासुदेवस्य 82 2<sup>o</sup>  
 रुचिमणा सह सपाते 89 27<sup>o</sup>  
 रुचिमणी च विद्या पते 87 12<sup>d</sup>  
 रुचिमणी त्वभवद्वाजन् 87 14<sup>o</sup>  
 रुचिमणी त्वेव त दृष्ट्वा 99 34<sup>o</sup>  
 रुचिमणी निर्ययौ यहि 87 31<sup>o</sup>  
 रुचिमणी भीष्मकारमजा 94 27<sup>d</sup>  
 रुचिमणीमात्रदाराशु 97 3<sup>o</sup>  
 रुचिमणी स्वमसनिभाम् 89 10<sup>d</sup>  
 रुचिमणी रूपिणी देवी 87 38<sup>o</sup>  
 रुचिमणी सत्यभामा च 98 3<sup>o</sup>  
 रुचिमणी देवतामिव 99 43<sup>o</sup>  
 रुचिमणो निघनं यथा 89 52<sup>d</sup>  
 रुचिमण्या नन्दिनर्धन 99 17<sup>d</sup>  
 रुचिमण्या भ्रातर ज्येष्ठ 89 42<sup>o</sup>  
 रुचिमण्याप्राप्युपमद्राव 89 11<sup>d</sup>  
 रुचिमण्या रुचमभूषण 87 2<sup>o</sup>  
 रुचिमण्या वासुदेवस्य 99 2<sup>o</sup>  
 रुचिमण्या ददाव यतं 88 34<sup>o</sup>  
 रुचिमण्या प्रवरं वासं 93 39<sup>o</sup>  
 रुचमी कृष्णनिर्घांसया 88 21<sup>o</sup>  
 रुचमी क्रोपयशं गत 88 18<sup>o</sup>  
 रुचमी च भोजधिपति 81 40<sup>o</sup>  
 रुचमी चाद्यानि दिपानि 87 13<sup>o</sup>  
 रुचमी तस्मान्मवपुत्र 87 12<sup>o</sup>  
 रुचमी द्वैपाल्यदाय 87 16<sup>o</sup>  
 रुचमी यत्नदाश्रित 89 1<sup>o</sup>  
 रुचमी महति वीर्यवान् 89 1<sup>o</sup>  
 रुचमी मुषयो घट्टुंगाम् 80 11<sup>o</sup>  
 रुचमी वीर्यमदान्वित 88 31<sup>o</sup>

रुमी वेदविदां वर 87. 8<sup>६</sup>.  
 रुमी श्रुत्वा तु रुमिणीम् 88. 1<sup>६</sup>.  
 रुमेपुरभवद्राजा 26. 12<sup>६</sup>.  
 रुमेयुः पृथुरवमश्च 26. 11<sup>६</sup>.  
 रुचितं यदि ते राजन् 108. 97<sup>६</sup>.  
 रुचिरद्रुमसानुषु 73 11<sup>६</sup>.  
 रुचिरस्य तु दायादः 15. 18<sup>६</sup>.  
 रुचिरः श्वेतकाश्यश्च 15. 17<sup>६</sup>.  
 रुचिराप्रकरश्चास्य 68. 26<sup>६</sup>.  
 रुचिरार्द्रं चतुर्दशीम् 91. 7<sup>६</sup>.  
 रुचिराच्छादनघञौ 71. 49<sup>६</sup>.  
 रुचिराभिः पताकाभिः 92. 11<sup>६</sup>.  
 रुचिरोत्पलपत्राक्षीं 55. 34<sup>६</sup>.  
 रुचिरोष्टपुटं सुपम् 55. 6<sup>६</sup>.  
 रुचेः प्रजापतेः पुत्र. 7. 41<sup>६</sup>.  
 रुना तीना हि या मम 112. 122<sup>६</sup>.  
 रुजः सर्वभूतानां 15. 11<sup>६</sup>.  
 रुदवीनां शृङ्गातानां 77. 59<sup>६</sup>.  
 रुदवीनां सहस्रानः 109. 12<sup>६</sup>.  
 रुदवी परिदप्यसे 107 23<sup>६</sup>.  
 रुदवी प्रसभं भुजा 107. 50<sup>६</sup>.  
 रुदवी तव शृङ्गानां 77. 57<sup>६</sup>.  
 रुदितानुवायो नार्थाः 77. 37<sup>६</sup>.  
 रुदिमो भयमोहिताः 109. 2<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्कन्दसहायवान् 106 5<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्वस्मे वरं प्रादात् 85 11<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्तस्य वृद्धरपते. 20 32<sup>६</sup>.  
 रुद्रस्वानुचरामयः 110 20<sup>६</sup>.  
 रुद्र रोषात्मसमयम् 1. 31<sup>६</sup>.  
 रुद्रागामिर्वाजसाम् 3. 44<sup>६</sup>.  
 रुद्राणामिव वः क्रोधः 65. 18<sup>६</sup>.  
 रुद्रादित्वांस्तथाशिनौ 43. 68<sup>६</sup>.  
 रुद्रायां जनयामास 23. 9<sup>६</sup>.  
 रुद्रा शूद्रा च मद्रा च 23 8<sup>६</sup>.  
 रुद्राश्चिभुवनेश्वराः 3. 44<sup>६</sup>.  
 रुद्रैर्वा लोकभावनैः 43. 4<sup>६</sup>.  
 रुद्रैर्विधमहायैश्च 31. 36<sup>६</sup>.  
 रुद्रिरेणात्तनानीव 109 11<sup>६</sup>.  
 रुद्रिरोषपरिभुतः 112. 105<sup>६</sup>.  
 रुद्रिरोजपरिभुताः 108. 45<sup>६</sup>.  
 रुद्रिरोषभुतंर्गाभिः 108 66<sup>६</sup>. 110 32<sup>६</sup>.  
 रुद्रुर्भूतानुपिचिताः 50. 20<sup>६</sup>.  
 रुद्रुः सर्वयोपितः 109. 1<sup>६</sup>.

रुभिश्च निपेक्षितम् 92. 40<sup>६</sup>.  
 रुहः काश्यप एव च 7. 44<sup>६</sup>.  
 रुरोद् मधुरं कृष्णः 50. 5<sup>६</sup>.  
 रुयद्रुवैर्दतां वरः 26. 2<sup>६</sup>.  
 रुयद्रुः सोऽऽयमात्मजम् 26 3<sup>६</sup>.  
 रुपितस्तल्लशब्देन 64. 13<sup>६</sup>.  
 रूपमप्रतिमं दृष्ट्वा 74. 19<sup>६</sup>.  
 रूपयौवनशालिनी 8. 2<sup>६</sup>.  
 रूपयौवनसंपन्ना 28. 41<sup>६</sup>.  
 रूपवानसि विक्रान्तः 99 17<sup>६</sup>.  
 रूपवानिव मन्मथः 99 30<sup>६</sup>.  
 रूपशीलगुणान्विता 88. 36<sup>६</sup>.  
 रूपं कृत्वा महाभीमं 31. 88<sup>६</sup>.  
 रूपं ते सौम्य पश्यन्ती 99. 23<sup>६</sup>.  
 रूपं देव्यमिनादानम् 31 68<sup>६</sup>.  
 रूपं निर्वैतवाम्यद्य 8. 33<sup>६</sup>.  
 रूपिणं समुपस्थितम् 86. 66<sup>६</sup>.  
 रूपिणी प्रत्यभापत 100. 41<sup>६</sup>.  
 रूपिणी यस्य पार्श्वस्था 31. 117<sup>६</sup>.  
 रूपिणी वै सतिच्छ्रेष्ठा 43. 27<sup>६</sup>.  
 रूपिणी सागरंगने 83. 28<sup>६</sup>.  
 रूपेण न मया कश्चित् 12. 10<sup>६</sup>.  
 रूपेण प्रब्रह्मस वै 60 20<sup>६</sup>.  
 रूपेण यदासा शिवा 87. 38<sup>६</sup>.  
 रूपेणाप्येण संपन्ना 87. 33<sup>६</sup>.  
 रूपेणाच्छादितः प्रभुः 60. 23<sup>६</sup>.  
 रूपेणाप्रतिमो लोके 89. 6<sup>६</sup>.  
 रूपेणाभिजनेन च 107 63<sup>६</sup>.  
 रूपेणासदशी भुवि 9. 84<sup>६</sup>. 87. 14<sup>६</sup>.  
 रूपे भास्वि समो भुवि 24. 17<sup>६</sup>.  
 रूप्यकाञ्चनकश्यानां 27. 22<sup>६</sup>.  
 रेजनुर्मेघसमये 64. 18<sup>६</sup>.  
 रेजनुश्चन्द्रवदनौ 51. 11<sup>६</sup>.  
 रेजनुः पान्द्रुदिग्धातौ 51. 7<sup>६</sup>.  
 रेजुगयोधनगताः 37. 3<sup>६</sup>.  
 रेजुनैविकाक्षेपैः 74. 7<sup>६</sup>.  
 रेजुश्चररोपिताः सिन्धुः 61. 42<sup>६</sup>.  
 रेजुः काञ्चनचित्राणि 74. 6<sup>६</sup>.  
 रेजुः प्रस्तरशस्त्र 74. 12<sup>६</sup>.  
 रेणुना सूर्यमार्गं तु 85. 22<sup>६</sup>.  
 रेणुपंसाय रेणुका 23. 87<sup>६</sup>.  
 रेमिरे वृष्णयज्ञत्र 89. 16<sup>६</sup>.  
 रेमे च तत्र रम्यासु 55. 13<sup>६</sup>.

रैमे परमया मुदा 21 8<sup>d</sup>  
 रैमे यदुगणैर्दृत 113 70<sup>f</sup>  
 रैमे रामोऽपि धर्मात्मा 9 28<sup>e</sup>  
 रैमे रामो महाबल 83 18<sup>f</sup>  
 रैमे वै दिवस कृष्ण 55 23<sup>e</sup>  
 रेवतस्याथ कन्या च 86 80<sup>e</sup>  
 रेवतीं शीलसमताम् 86 80<sup>f</sup>  
 रेवत्या चाहुकेन च 94 26<sup>d</sup>  
 रेवत्या सहित सुखी 9 28<sup>d</sup>  
 रेवत्या ददित सुत 25 4<sup>d</sup>  
 रेवत्यां बलदेवस्य 98 20<sup>e</sup>  
 रेवस्य रैवत पुत्र 9 24<sup>e</sup>  
 रेवो नाम महाद्युति 9 23<sup>f</sup>  
 रैम्योऽथोपदिशो बली 87 21<sup>f</sup>  
 रैवतश्चाद्युयस्तथा 7 4<sup>d</sup>  
 रैवतस्य गतस्य ह 9 32<sup>f</sup>  
 रैवतस्य मनो पुत्रा 7 25<sup>e</sup>  
 रैवत च कडुघ्निनम् 9 29<sup>d</sup>  
 रौगैरिन्द्रियसक्षय 117 39<sup>f</sup>  
 रोचतां यदुससदि 84 8<sup>d</sup>  
 रोचते बाहुशालिना 75 17<sup>d</sup>  
 रोचते मे सुरश्रेष्ठा 43 12<sup>e</sup>  
 रोचयन्ति स्य यादवा 84 30<sup>d</sup>  
 रोचयन्मथुराः कथा 83 5<sup>d</sup>  
 रोचयन् वै गणश्रेष्ठ 3 103<sup>e</sup>  
 रोचयामास वसति 42 21<sup>e</sup>  
 रोचयामास विस्मित 62 1<sup>d</sup>  
 रोदितव्ये ध्रुवे मन्ना 77 15<sup>e</sup>  
 रोदिधीन्द्रुविमानने 107 43<sup>d</sup>  
 रोमाञ्चोत्थितगात्रस्तु 111 4<sup>e</sup>  
 रोमाञ्चोद्भूतराजिमात् 42 3<sup>f</sup>  
 रोह्यमाणे खगमै 83 40<sup>e</sup>  
 रोपनि शालचायुना 76 15<sup>f</sup>  
 रोपपर्याकुलेक्षण 56 4<sup>d</sup>  
 रोपपर्याकुले चैव 112 58<sup>e</sup>  
 रोपमाहारयामास 89 33<sup>e</sup>  
 रोपाग्नि ससकृत्वोऽह 42 39<sup>e</sup>  
 रोपादप्याम्पमाहवे 37 29<sup>d</sup>  
 रोपेण च बलेन च 112 9<sup>f</sup>  
 रोपेणाभिप्रज्ज्वाल 110 63<sup>e</sup>  
 रोपोऽय विनिवर्धताम् 83 45<sup>d</sup>  
 रोपोऽय सश्रदात् 56 33<sup>e</sup>  
 रोहिणी च यथाद्दाम् 94 15<sup>f</sup>

रोहिणी च शुभानना 96 8<sup>f</sup>  
 रोहिणीतनया नव 25 3<sup>f</sup>  
 रोहिणीमभिवाद्य च 96 9<sup>f</sup>  
 रोहिणीमिव सोमस्य 48 5<sup>e</sup>  
 रोहिणा कामरूपिणीम् 88 41<sup>d</sup>  
 रोहिण्यामहनि श्रेष्ठे 86 3<sup>e</sup>  
 रोहितस्य वृक पुत्र 10 23<sup>e</sup>  
 रोहितन्द्रधनूपि च 1 34<sup>f</sup>  
 रोहितो दीप्तिमाश्चैव 98 7<sup>e</sup>  
 रोहितो नाम विश्रुत 10 23<sup>f</sup>  
 रौक्मिणेयानिमाञ्छणु 98 4<sup>d</sup>  
 रौक्मिणेयो महाबाहु 24 30<sup>e</sup>  
 रौच्यो नाम मनु स्मृत 7 41<sup>f</sup>  
 रौद्रमाद्भिरस भय 112 24<sup>f</sup>  
 रौद्र रूपमभूत्तदा 110 50<sup>d</sup>  
 रौद्र शकटचक्राक्ष 58 27<sup>e</sup>  
 रौद्राश्वतनयस्य वै 23 42<sup>f</sup>  
 रौद्राश्वस्तस्य चात्मज 23 5<sup>f</sup>  
 रौद्राश्वस्य दशार्णेषु 23 6<sup>e</sup>  
 रौहिणयवृत्तीयस्य 69 31<sup>e</sup>  
 रौहिणय स्वया कृता 83 43<sup>f</sup>  
 रौहिणयमवस्थितम् 57 16<sup>d</sup>  
 रौहिणयवध यत्न 58 17<sup>e</sup>  
 रौहिणयस्य चाङ्कुर 69 14<sup>e</sup>  
 रौहिणयस्य धीमत् 58 24<sup>f</sup>  
 रौहिणयस्य शीघ्रेण 110 60<sup>e</sup>  
 रौहिणय खरो दुष्ट 57 17<sup>e</sup>  
 रौहिणय च मे पुत्र 49 3<sup>e</sup>  
 रौहिणय निरायुधम् 57 18<sup>d</sup>  
 रौहिणयो महायुग् 58 29<sup>f</sup>  
 रौहिणयो पुराणम् 58 50<sup>e</sup>  
 रौहिणय प्रतापवान् 58 53<sup>d</sup>  
 रौहिणेये च दारणाम् 58 16<sup>d</sup>  
 रौहिणयेन धीमता 96 43<sup>f</sup>  
 रौहिणयेन सगणम् 69 2<sup>f</sup>  
 रौहिणयेन संगत 79 1<sup>f</sup>  
 रौहिणयेन सगणय 96 41<sup>e</sup>  
 रौहिणेये हत तस्मिन् 76 1<sup>e</sup>  
 रौहिणयो महाबल 89 34<sup>f</sup>  
 रौहिणयो मिथ बाल 54 21<sup>e</sup>  
 रौहिणयो हतश्चिव 57 10<sup>f</sup>

ल  
 लक्षण रूपसौष्टवम् 30 2<sup>d</sup>



लक्ष्मणा चारुदासिनी 98 3<sup>d</sup>  
 लक्ष्मणानुचरो राम 31 116<sup>e</sup>  
 लक्ष्मणाया कुरुश्रेष्ठ 93 46<sup>e</sup>  
 लक्ष्मणाया प्रजा शृणु 98 11<sup>d</sup>  
 लक्ष्मणां चारुदासिनीम् 88 42<sup>d</sup>  
 लक्ष्मीकामो धृतवत 99 2<sup>d</sup>  
 लक्ष्मीवाग्माल्यजीवन 71 16<sup>d</sup>  
 लक्ष्मो साक्षादिव स्थिताम् 87 33<sup>d</sup>  
 लक्ष्यन्ते हि ध्वजाप्राणि 81 3<sup>e</sup>  
 लस ताभ्या समूलाभ्या 51 17<sup>e</sup>  
 लम्बादारासपस्विन 16 25<sup>d</sup>  
 लम्बादारी जिनेन्द्रिय 14 11<sup>d</sup>  
 लता ह्य विचेष्टस्य 77 6<sup>e</sup>  
 लतापुष्पसुमण्डितम् 55 20<sup>d</sup>  
 लतालङ्घितपादरम् 55 27<sup>d</sup>  
 लतामहीमहाद्रुमम् 49 17<sup>d</sup>  
 लतावेष्ट समन्तानु 93 18<sup>e</sup>  
 लब्धमात्र वरे चापि 31 54<sup>e</sup>  
 लब्धलक्ष्या महायला 82 25<sup>d</sup>  
 लब्धलक्ष्यो ह्यय वीर 108 76<sup>e</sup>  
 लब्धसत्ता दिवौकस 12 27<sup>d</sup>  
 लब्धा त्रिशुवनश्रियम् 43 13<sup>d</sup>  
 लब्धा नारायणाद्वरम् 19 15<sup>d</sup>  
 लभेत सर्वज्ञफल च वेचलम् 118 43<sup>d</sup>  
 लभेत्पञ्च वराश्रय 23 166<sup>e</sup>  
 लभेयमित्त त शक्र 23 83<sup>e</sup>  
 लभ्यता कण्ठचर्मणा 64 5<sup>d</sup>  
 लभ्यमानमहाभुद्रम् 54 34<sup>d</sup>  
 लभ्यमानाऽभुद्राहति 56 2<sup>d</sup>  
 लभ्यस्तु लभ्यमेवान 33 22<sup>e</sup>  
 लभ्याभरणपूर्णन 36 54<sup>e</sup>  
 लभ्या भायुर्देवत्वती 3 26<sup>d</sup>  
 लभ्याथार्थव घोषीऽथ 3 28<sup>e</sup>  
 लभ्यो नामेति विख्यात 44 71<sup>e</sup>  
 ललासप्रतिम हलग् 81 61<sup>d</sup>  
 लघगतलग्ना मदानदी 90 17<sup>e</sup>  
 लघुस्य महासुष्ठे 44 50<sup>d</sup>  
 लघुणो नाम दानव 31 121<sup>d</sup> 44 23<sup>d</sup>  
 लापव समुपागम्य 112 7<sup>e</sup>  
 लाङ्गलाहृष्टमार्गां च 83 48<sup>e</sup>  
 लाङ्गलाहृष्टमार्गां सा 83 34<sup>e</sup>  
 लाङ्गलायनहस्ता 70 17<sup>e</sup>  
 लाङ्गलाञ्च समुचम्य 90 10<sup>e</sup>

लाङ्गलेनावलकेन 83 26<sup>e</sup>  
 लाङ्गलोत्थितापाङ्गी 83 38<sup>e</sup>  
 लाङ्गल चास्य वेगेन 74 36<sup>e</sup>  
 लाङ्गलापि समन्तत 109 77<sup>d</sup>  
 लाङ्गलै प्रणामैर्धुपैश्च 113 61<sup>e</sup>  
 लायये स्वजन भारी 96 6<sup>e</sup>  
 लायिता स्म रतिप्रिया 77 18<sup>d</sup>  
 लायणरम्भुविसवै 43 20<sup>e</sup>  
 लिप्साचक्र प्रमेतानु 28 14<sup>e</sup>  
 लिप्सु पुत्र ततो गत्वा 85 9<sup>e</sup>  
 लीनमौनप्रदस्यैव 81 31<sup>e</sup>  
 लीलया वदनेन च 107 7<sup>d</sup>  
 लील्यकृतज्ञद वीर 75 2<sup>e</sup>  
 लीलां तद्वलमाप्रिता 67 60<sup>d</sup>  
 लुब्धकस्यात्मजाज्ञात 16 15<sup>e</sup>  
 लुब्धा शूरान्वहृतया 10 57<sup>d</sup>  
 लुप्ताश्च नाम राजेन्द्र 7 28<sup>e</sup>  
 लेखा हि काललिखिता 115 27<sup>e</sup>  
 लेभे कन्यामनुत्तमाम् 18 23<sup>d</sup>  
 लेभे जाम्बवती कन्या 28 28<sup>e</sup>  
 लेभे ज्वेष्ट सुत राम 25 2<sup>e</sup>  
 लेभे तस्माद्द्विद्वय 22 13<sup>d</sup>  
 लेभे पुत्रमकल्मषम् 23 126<sup>d</sup>  
 लेभे प्रसेनविदार्यां 9 82<sup>e</sup>  
 लेभे प्रीतनना भव 107 8<sup>d</sup>  
 लेभे वै पुरर पत्नीं 2 1<sup>e</sup>  
 लेभे साम्वातरस्विनम् 98 24<sup>d</sup>  
 लेलिदिद्रिश्च पञ्चगै 34 12<sup>d</sup>  
 लेलिदन्त इवोरगा 37 40<sup>d</sup>  
 लेलिहान सनिष्पेप 64 3<sup>e</sup>  
 लेलिहानानि दिव्यानि 81 56<sup>e</sup>  
 लेक्षमात्रण भारत 105 6<sup>d</sup>  
 लेदस्य पायसस्यार्थे 60 11<sup>e</sup>  
 लोककान्तस्य साहाय्य 99 48<sup>e</sup>  
 लोकक्षयकरस्य ह 115 20<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकर महत् 20 34<sup>d</sup>  
 लोकक्षयकर काठे 106 45<sup>e</sup>  
 लोकक्षयकरे तदा 112 35<sup>d</sup>  
 लोकच्छायामय लक्ष्म 36 5<sup>e</sup>  
 लोकतन्त्रयो षष्प 39 15<sup>e</sup>  
 लोकनाथस्य भाषया 107 46<sup>d</sup>  
 लोकपालत्वमेव च 8 42<sup>d</sup>  
 लोकपालस्य क्षायत 59 5<sup>d</sup>

लोकपालः सहस्रच्छन्दः 34 3<sup>३</sup>  
 लोकपाला बलोककटा 34 19<sup>३</sup>  
 लोकपालेषु सर्वेषु 36 42<sup>३</sup>  
 लोकपालोपमश्चैव 63 7<sup>३</sup>  
 लोकमाप्याययिष्यति 12 37<sup>३</sup>  
 लोकमूर्तिं प्रयच्छति 100 79<sup>३</sup>  
 लोकमेकार्णव चक्र 30 10<sup>३</sup>  
 लोकयात्रामिमा कृत्वा 91 25<sup>३</sup>  
 लोकयोर्मि चतुर्मुखम् 100 59<sup>३</sup>  
 लोकवृत्तान्ततरपरम् 62 8<sup>३</sup>  
 लोकवेदानुगामिभि 43 16<sup>३</sup>  
 लोकसरक्षणाय च 7 35<sup>३</sup>  
 लोकसरक्षणार्थं हि 112 88<sup>३</sup>  
 लोकस्त्वर्वाग्दुष्कृतिना 62 30<sup>३</sup>  
 लोकस्य विदुधोपमा 65 13<sup>३</sup>  
 लोकस्याप्यायन परम् 13 70<sup>३</sup> 19 35<sup>३</sup>  
 लोकस्यैव महीतले 86 79<sup>३</sup>  
 लोकहेतुरनुत्तम 30 37<sup>३</sup>  
 लोक मानुषमागमत् 85 43<sup>३</sup>  
 लोक क्षुभितमानस 54 12<sup>३</sup>  
 लोक क्षोभमुपागमत् 112 88<sup>३</sup>  
 लोकान्शान्तिमुपागमत् 43 75<sup>३</sup>  
 लोकानटति चञ्चल 46 30<sup>३</sup>  
 लोकाननु परिक्रमन् 30 25<sup>३</sup>  
 लोकानन्तर्गतानपि 66 12<sup>३</sup>  
 लोकानल्पेन कालेन 40 32<sup>३</sup>  
 लोकानामन्तकालज्ञा 40 8<sup>३</sup>  
 लोकानामपि सभवा 100 63<sup>३</sup>  
 लोकाना कृष्णवर्त्मना 40 33<sup>३</sup>  
 लोकाना क्रियता दया 35 53<sup>३</sup>  
 लोकाना गुह्यव्यय 42 4<sup>३</sup>  
 लोकाना स्वप्नवृत्तानां 45 29<sup>३</sup>  
 लोकाना स्व गतिर्देव 112 105<sup>३</sup>  
 लोकाना स्व विपर्यये 58 36<sup>३</sup>  
 लोकाना प्रभवाप्यये 37 59<sup>३</sup>  
 लोकाना प्रभवाय च 31 13<sup>३</sup>  
 लोकाना भूतभानन 40 22<sup>३</sup>  
 लोकानां शृगुणन्दन 31 108<sup>३</sup>  
 लोकानां यज्ञय भवेत् 32 17<sup>३</sup>  
 लोकानां वेद माधव 39 16<sup>३</sup>  
 लोकाना शाश्वतो देव 58 47<sup>३</sup>  
 लोकानां हितकाम्यया 9 58<sup>३</sup>, 65<sup>३</sup> 20 9<sup>३</sup> 31 29<sup>३</sup>  
 लोकानुत्सहते गन्तु 115 37<sup>३</sup>

लोकानुद्गतयन्त्रिव 9 71<sup>३</sup>  
 लोकान्तरगतास्तात 11 33<sup>३</sup>  
 लोकान्तरगतेन चै 11 16<sup>३</sup>  
 लोकान्प्राप्य सनातनान् 13 9<sup>३</sup>  
 लोकान्सतापयामासु 13 16<sup>३</sup>  
 लोका मुदितमानसा 32 39<sup>३</sup>  
 लोकाश्चर्यकरो लोके 100 43<sup>३</sup>  
 लोकाश्चित्तमयास्त्रय 39 9<sup>३</sup>  
 लोका हि यावत्स्यास्यन्ति 83 49<sup>३</sup>  
 लोकाश्च सचराचरान् 38 59<sup>३</sup>  
 लोका सनातना नाम 13 7<sup>३</sup>  
 लोका सस्याणुजगमा 38 43<sup>३</sup>  
 लोका सोमपदा नाम 13 24<sup>३</sup>  
 लोका स्वस्था भवन्त्वच 9 58<sup>३</sup>  
 लोक कार्यमजानताम् 45 27<sup>३</sup>  
 लोके हयात महात्मन 112 40<sup>३</sup>  
 लोके रयातौ महाबली 82 12<sup>३</sup>  
 लोके नश्यविरायुष 43 61<sup>३</sup>  
 लोके नान्योऽस्ति कश्चन 100 22<sup>३</sup>  
 लोके पतितवृत्तस्य 78 8<sup>३</sup>  
 लोके प्रख्यातयदास 112 89<sup>३</sup>  
 लोकेऽप्रतिरथो वीर 24 23<sup>३</sup>  
 लोके प्रथिततेजस 91 22<sup>३</sup>  
 लोके प्रवदता श्रेष्ठ 118 6<sup>३</sup>  
 लोके भूतेन्द्रियात्मका 100 62<sup>३</sup>  
 लोके राम इति हयात 31 111<sup>३</sup>  
 लोकेषु दिवि वर्तन्ते 13 59<sup>३</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मृच्छन्ति निखिले 62 55<sup>३</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मृच्छन्ति च 36 44<sup>३</sup>  
 लोकेऽस्मिन्मनव सृष्टा 7 41<sup>३</sup>  
 लोकाश्च विदितो हरि 39 13<sup>३</sup>  
 लोको बालत्वमेप्यति 45 43<sup>३</sup>  
 लोपामुद्राप्रसादेन 23 67<sup>३</sup>  
 लोभयान स सौ वीरो 58 13<sup>३</sup>  
 लोभानुत्तविरोधिता 116 20<sup>३</sup>  
 लोभायुगविवर्तिना 16 17<sup>३</sup>  
 लोमपाद् इति हयात 23 36<sup>३</sup>  
 लोहयाद्बृहन्नयन 54 38<sup>३</sup>  
 लोहयागागर्भित 57 5<sup>३</sup>  
 लोहयालेन महता 33 11<sup>३</sup>  
 लोहया विदुष्यताम् 70 20<sup>३</sup>  
 लोहिया यमदूताम् 23 90<sup>३</sup>  
 लोहयायुगवर्षाम् 33 10<sup>३</sup>

य

वक्तव्यं च प्रजे तस्मिन् 65 89<sup>०</sup>  
 वक्तव्यं न च कारणम् 47 5<sup>१</sup>  
 बलुकामोऽसि मरिचियम् 106 21<sup>६</sup>  
 बलु वर्षैःसतैरपि 7 3<sup>५</sup>, 50<sup>६</sup> 101 3<sup>६</sup>  
 बस्त्रपोधी महासुर 37 7<sup>६</sup>  
 बस्त्रश्च सह सैन्येन 97 5<sup>०</sup>  
 बस्त्रस्वास्त्रेन्दुवर्षस 69 12<sup>६</sup>  
 बस्त्रेण घाल्य घोरेण 67 30<sup>०</sup>  
 बस्त्रेणामुच्च भारत 56 8<sup>१</sup>  
 बस्त्रेणामिषगृदिना 65 61<sup>६</sup>  
 बस्त्रेभ्यो विपसभवम् 56 11<sup>६</sup>  
 बक्रमद्भारकृशक्रे 66 25<sup>०</sup> 106 48<sup>०</sup>  
 बक्षसाभिविराजता 83 53<sup>६</sup>  
 बक्षस्याहृत्य जानुना 75 42<sup>६</sup>  
 बक्षस्येनमयोऽनदत् 110 31<sup>६</sup>  
 बक्ष्यामि नृपसत्तम 22 18<sup>१</sup>  
 बक्ष्याभ्यागन्तु भावि यत् 115 26<sup>५</sup>  
 बह्मराजस्य कुञ्जरम् 89 69<sup>५</sup>  
 बह्मराज च सधुगे 87 69<sup>६</sup>  
 बह्मराज तथैव च 97 15<sup>६</sup>  
 बह्म सुल्लक्ष्यैव च 23 29<sup>५</sup>  
 बह्मद्वा सुल्लक्षाया 23 32<sup>५</sup>  
 बह्मनामधिपस्तथा 80 12<sup>६</sup>  
 बचनं चेदमत्रवीन् 35 31<sup>६</sup> 91 58<sup>६</sup> 112 12<sup>६</sup>  
 बचनं तस्य सश्रुत्य 108 56<sup>०</sup>  
 बचनं धर्मसहितम् 35 26<sup>५</sup>  
 बचनं भारदेरितम् 100 25<sup>६</sup>  
 बचनं प्राड् द्रुवंच 107 58<sup>५</sup>  
 बचनं मे मुचिस्मिते 107 79<sup>६</sup>  
 बचनं सायु भाषितम् 53 12<sup>५</sup>  
 बचनात्तस्य विप्रैः 23 11<sup>६</sup>  
 बचनात्तस्य वै विभो 15 1<sup>५</sup>  
 बचसा गार्हणेन वै 68 17<sup>५</sup>  
 बचसि बन्धोभिः 100 56<sup>६</sup>  
 बघोभिर्दृष्टमानसां 72 22<sup>५</sup>  
 बघ्नकलेन मुष्टिना 58 49<sup>६</sup>  
 बघ्ननाभस्तथैव च 3 68<sup>५</sup>  
 बघ्ननाभं भवारहम् 38 40<sup>५</sup>  
 बघ्नपाण्डित्यतो गर्भे 3 106<sup>०</sup>  
 बघ्नपातोपम वच 56 17<sup>५</sup>  
 बघ्नपूर्णवरः प्रशु 62 9<sup>६</sup>  
 बघ्नप्रतिभगौरवा 81 43<sup>६</sup>

बघ्नभिन्नं ह्वाचल 74 35<sup>६</sup>  
 बघ्नधिरभूर्जितोदत्तै 34 6<sup>०</sup>  
 बघ्नवेगानलानिहै 32 15<sup>५</sup>  
 बघ्नसघातोरणाम् 42 7<sup>६</sup>  
 बघ्नसहननास्तथा 43 70<sup>१</sup>  
 बघ्नस्त्वादावचायत 98 24<sup>६</sup>  
 बघ्न सुदिप्र एव च 98 17<sup>६</sup>  
 बघ्नान्धे प्रतिवद् 98 25<sup>०</sup>  
 बघ्नान्घातप्रतिम 81 48<sup>०</sup>  
 बघ्नान्घातनिगदाहृष्टै 97 22<sup>०</sup>  
 बघ्नान्घातिसमप्रभम् 61 5<sup>६</sup>  
 बघ्नान्घातिसमा शब्दा 59 14<sup>६</sup>  
 बघ्नान्घातिसिवाचलम् 77 48<sup>६</sup>  
 बघ्नोण हृतलक्षणम् 34 41<sup>६</sup>  
 बघ्नोण प्रहरोद् ह 3 107<sup>५</sup>  
 बघ्नोणं महागिरिम् 76 6<sup>६</sup>  
 बघ्नोणं महागिरीन् 37 43<sup>६</sup>  
 बघ्नोणं विदारिणाम् 50 24<sup>६</sup>  
 बघ्नोणं हतो गिरि 88 25<sup>६</sup>  
 बघ्नोणं वावरगणाना 54 18<sup>०</sup>  
 बघ्नोणं वारिकर्शनं 3 108<sup>६</sup>  
 बघ्नैः प्रहूर्णीयैश्च 37 13<sup>०</sup>  
 बघ्नितरनेन मायया 21 26<sup>०</sup>  
 बघ्न भाण्डीरमाश्रित 44 71<sup>६</sup>  
 बघ्नवासुक्षेऽस्य वसति 35 53<sup>०</sup>  
 बघ्नभिन्निरपतोभिता 86 45<sup>५</sup>  
 बत्सपाले सहानव 55 23<sup>५</sup>  
 बत्समप्ये स्थित कृष्ण 68 16<sup>०</sup>  
 बत्सयूयानि काल्यन्ता 53 11<sup>०</sup>  
 बत्सवत्यश्च निर्धृता 59 10<sup>५</sup>  
 बत्सवानव गृजिम 24 18<sup>६</sup>  
 बत्सश्चावन्तको राजा 15 17<sup>०</sup>  
 बत्सस्तु भयवानासीत् 6 19<sup>०</sup>  
 बत्सस्तु हिमगानासीत् 6 36<sup>०</sup>  
 बत्सस्तेषामभूत्तदा 6 26<sup>५</sup>  
 बत्सस्य बत्सभूमिस्तु 23 71<sup>०</sup>  
 बत्स हृत्वा तु तक्षकम् 6 22<sup>५</sup>  
 बत्स चित्ररथ हृत्वा 6 33<sup>०</sup>  
 बत्स तु मम त पश्य 6 7<sup>०</sup>  
 बत्स देश्रवण हृत्वा 6 29<sup>०</sup>  
 बत्स इक्षोऽभवत्तदा 6 37<sup>१</sup>  
 बत्स सुनाली कौरव्य 6 31<sup>६</sup>  
 बत्स सोमोऽभवत्तथा 6 10<sup>०</sup>

वत्साना रोपितै कौले 49 23<sup>०</sup>  
 वत्सानक्षीरविशेषाश्च 4 21<sup>०</sup>  
 वत्सावते खपुत्राय 24 28<sup>०</sup>  
 वत्साश्रीन्मुखका बाला 61 24<sup>०</sup>  
 वत्साल्लिष्टान्ति मातर 61 23<sup>०</sup>  
 वत्सेषु तरणेषु च 70 5<sup>०</sup>  
 वत्सो भार्गव एव च 23 62<sup>०</sup>  
 वत्सोऽय गृह्यतामिति 16 13<sup>०</sup>  
 वदता मधुसूदन 67 22<sup>०</sup>  
 वदनेन स्मितेन च 60 7<sup>०</sup>  
 वदने पुष्करेक्षण 110 34<sup>०</sup>  
 वदन्क्रोधसमन्वित 9 91<sup>०</sup>  
 वदन्त्यश्च पुन पुन 109 9<sup>०</sup>  
 वदन्त्येव द्विजातय 31 90<sup>०</sup>  
 वदाम्यर्थवर्ती गिरम् 109 26<sup>०</sup>  
 वधमृच्छन्ति वीरय 65 67<sup>०</sup>  
 वध चाम्यधिकाद्रणे 23 142<sup>०</sup>  
 वध प्राप वनेचरात् 28 15<sup>०</sup>  
 वध प्रातोऽप्यय बली 108 94<sup>०</sup>  
 वध विष्णु करिष्यति 31 52<sup>०</sup>  
 वधाय तेया चिक्षेप 108 21<sup>०</sup>  
 वधायोपेन्द्रकारणात् 67 3<sup>०</sup>  
 वधार्थं देवसातृणा 31 113<sup>०</sup>  
 वधार्थं सुरशत्रूणा 32 6<sup>०</sup>  
 वधिष्यति स नोऽसुर 31 49<sup>०</sup>  
 वधिष्यामि महासुरान् 45 12<sup>०</sup>  
 वधेनानेन दत्याना 38 57<sup>०</sup>  
 वधे ह्यस्य महान्दोष 108 93<sup>०</sup>  
 वधोपाय सुदारुण 46 14<sup>०</sup>  
 वधोऽस्य प्रविचिन्त्यताम् 31 49<sup>०</sup>  
 वष्यतामयमधैव 108 77<sup>०</sup>  
 वष्यते योऽन्तरध्रेषु 65 68<sup>०</sup>  
 वष्यश्च प्रत्यपद्यत 23 99<sup>०</sup>  
 वष्य शश्वृक्ष कर्मसु 116 37<sup>०</sup>  
 वननित्यो वनेयुध 23 7<sup>०</sup>  
 वनमार्गेषु कुर्वाणा 58 6<sup>०</sup>  
 वनमालाहृत्तोरस्कौ 52 4 58 4<sup>०</sup>  
 वनमालापरिक्षिप्त 45 41<sup>०</sup>  
 वनमालायलम्बिना 83 24<sup>०</sup>  
 वनरात्रिविनि घ्न 73 14<sup>०</sup>  
 वनरासप्रवृत्तेन 44 34<sup>०</sup>  
 वनस्तम्बस्य जज्ञाते 98 17<sup>०</sup>

वनस्पतीना राजान 4 9<sup>०</sup>  
 वनस्पतीना सर्वेषा 62 61<sup>०</sup>  
 वन चैत्ररथ यथा 54 40<sup>०</sup>  
 वन तत्प्रविवेश ह 16 35<sup>०</sup>  
 वन ते मम हेदय 23 152<sup>०</sup>  
 वन निर्विषयाकार 55 52<sup>०</sup>  
 वन राजा समाविशत् 9 50<sup>०</sup>  
 वन वायसनादितम् 65 54<sup>०</sup>  
 वनाना च जलागमे 54 28<sup>०</sup>  
 वनाना द्विगुणा लक्ष्मी 59 48<sup>०</sup>  
 वनानि परिधायत 45 41<sup>०</sup>  
 वनानि प्रचकाशिते 54 5<sup>०</sup>  
 वनानि शिखराणि च 61 48<sup>०</sup>  
 वनानि स्वानि रक्षन्ति 59 25<sup>०</sup>  
 वनान्तरगतो राम 83 20<sup>०</sup>  
 वनान्ता गिरय सर्वे 59 23<sup>०</sup>  
 वनान्ते निपसाद् ह 86 1<sup>०</sup>  
 वनान्ते युद्धलास 44 45<sup>०</sup>  
 वनान्युपवनानि च 93 68<sup>०</sup>  
 वनान्या पार्वतीयान्या 37 23<sup>०</sup>  
 वनितेवायतक्षणा 86 46<sup>०</sup>  
 वने च बालक्रीडा ते 63 6<sup>०</sup>  
 वने चरति द्वाङ्गुलम् 8 31<sup>०</sup>  
 वने चारयतो गास्तु 45 43<sup>०</sup>  
 वने चैत्ररथे प्रभु 22 34<sup>०</sup>  
 वने चैत्ररथे रम्ये 21 6<sup>०</sup>  
 वने तामभ्यरोदत 10 34<sup>०</sup>  
 वने प्राणानवासुजन् 10 32<sup>०</sup> 16 21<sup>०</sup>  
 वने वरहृष्णमीरुताम् 56 45<sup>०</sup>  
 वने राजीवलोचनम् 114 6<sup>०</sup>  
 वने विचरता पुन 96 41<sup>०</sup>  
 वने विचरतोमासौ 59 1<sup>०</sup>  
 वनेषु च विराजन्ते 59 53<sup>०</sup>  
 वनेषु तालइन्द्राग्ने 63 27<sup>०</sup>  
 वनेषु रमते मन 59 39<sup>०</sup>  
 वन स वीरो गात्रैव 63 17<sup>०</sup>  
 वने सातुचरो च हौ 58 7<sup>०</sup>  
 वनेऽस्मिन्नामस्त्वपि 59 24<sup>०</sup>  
 वन्यनुपविभूयित 59 13<sup>०</sup>  
 वन्यनुपारतमाभि 49 27<sup>०</sup>  
 वन्यमूलपलाणि 35 32<sup>०</sup>  
 वन्यवपधराजुभौ 58 6<sup>०</sup>  
 वन्यवापारयुक्त्याम् 55 5<sup>०</sup>

वन्यानि विविधानि च 83 21<sup>5</sup>  
 वन्याश्रमनिवासिनाम् 35 34<sup>4</sup>  
 वन्येन रमणीयेन 83 3<sup>0</sup>  
 वन्येनानेन विधिना 35 47<sup>0</sup>  
 वन्यैर्वैखानसेभिर्भ्रै 68 5<sup>0</sup>  
 वन्यैः श्रीछनकैस्तदा 55 24<sup>4</sup>  
 वपुर्द्विभ्रान्तरात्मानम् 35 46<sup>0</sup>  
 वपुष्यामेकता गतौ 42 31<sup>5</sup>  
 वपुषा वदन् तदा 18 2<sup>5</sup>  
 वपुषा तेज श्वाद्दत्त 112 96<sup>0</sup>  
 वपुषा षोडशस्थित 99 40<sup>5</sup>  
 वपुषा पद्मनाभस्य 40 6<sup>0</sup>  
 वपुषा पर्वतोपम 75 17<sup>5</sup>  
 वपुषा मन्मथाक्षिना 68 24<sup>5</sup>  
 वपुषा समुपस्थित 43 24<sup>5</sup>  
 वपुषा सूर्यवचसम् 46 4<sup>4</sup>  
 वपु रुद्रसौवामास 32 20<sup>0</sup>  
 वपुषि दैत्यसघाना 35 15<sup>0</sup>  
 वपुषि प्रचकारिरे 81 11<sup>4</sup>  
 वमन्त पावक घोर 56 11<sup>0</sup>  
 वमन्त घोणित जम्बु 108 47<sup>0</sup>  
 वयमद्य महात्मन 92 34<sup>4</sup>  
 वयमभ्ये च मानना 59 8<sup>5</sup>, 18<sup>4</sup>  
 वयमप्याह्वय एव एव 45 45<sup>0</sup>  
 वयमभ्युपपत्स्याम 29 5<sup>0</sup>  
 वयमस्य महात्मन 113 69<sup>5</sup>  
 वयसोऽन्ते महाबाहु 23 68<sup>0</sup>  
 वयं कातरता गता 65 46<sup>4</sup>  
 वय च परितोषिना 38 57<sup>4</sup>  
 वय चापि पराचिवा 77 50<sup>5</sup>  
 वय चापि रिरसव 89 20<sup>5</sup>  
 वय वैधेह सम्भूता 84 2<sup>0</sup>  
 वय तवाचुया सर्वे 63 9<sup>0</sup>  
 वय वीर्णा महाभयात् 63 3<sup>5</sup>  
 वय तु यतधर्मणि 12 15<sup>0</sup>  
 वय स्वय चिनाहृता 109 8<sup>5</sup>  
 वय दीक्षा प्रवेक्ष्याम 5 9<sup>0</sup>  
 वयं दु रोष्वनुधिता 77 13<sup>0</sup>  
 वय वनचरा गोप 59 20<sup>0</sup>  
 वय सर्वे परस्परम् 12 40<sup>4</sup>  
 वय हि देनातिथय 71 28<sup>0</sup>  
 वयाभि साधुवाचयानि 79 33<sup>0</sup>  
 वयोभिवासश्रुभता 68 13<sup>0</sup>

वयोरूपगुणोपेता 89 7<sup>0</sup>  
 वरकालोऽयमागत 112 117<sup>4</sup>  
 वरदत्तामहासुरान् 91 4<sup>4</sup>  
 वरदत्तो महासुर 31 127<sup>4</sup> 91 16<sup>5</sup>, 19<sup>4</sup>  
 वरदा कामरूपिणी 47 50<sup>4</sup>  
 वरदान च देवेभ्य 85 45<sup>0</sup>  
 वरदानात्पिनाकिन 85 25<sup>4</sup>  
 वरदानेन दूर्षितम् 31 63<sup>5</sup>, 124<sup>4</sup>  
 वरदानेन दूर्षित 31 54<sup>4</sup>  
 वरदानेन भगवन् 31 49<sup>0</sup>  
 वरदेन वरो दत्त 31 97<sup>0</sup>  
 वरप्रदान श्रुत्वैव 31 48<sup>0</sup>  
 वरमेत वृणोम्यहम् 31 42<sup>4</sup>  
 वरयामास तां राजा 87 17<sup>0</sup>  
 वरयामास नृपति 27 10<sup>0</sup>  
 वरश्चप हि कौरव्य 23 155<sup>0</sup>  
 वरक्षी मल्लचारिणी 3 38<sup>5</sup>  
 वर वरभृता वर 38 62<sup>5</sup>  
 वर वरय भद्रं ते 31 40<sup>0</sup>  
 वर वृणीष्व याग एव 112 117<sup>0</sup>  
 वर ह्रवानपत्यता 69 13<sup>4</sup>  
 वर प्रीतेन भारत 23 30<sup>5</sup>  
 वराणा वरदो भवान् 38 62<sup>4</sup>  
 वराभ्या च महर्षिभ्यम् 70 19<sup>4</sup>  
 वरासनगत तत्र 108 3<sup>0</sup>  
 वराहभृगपक्षिणाम् 93 66<sup>4</sup>  
 वराहक्षेत्रगता परे 33 24<sup>4</sup>  
 वराहपदनास्तथा 31 81<sup>4</sup>  
 वराहश्च किञ्चोरश्च 4+ 73<sup>0</sup>  
 वराह प्रमुखे वस्यौ 33 16<sup>0</sup>  
 वराह सहरो रुज 31 72<sup>5</sup>  
 वराहण पुणभूत्वा 42 34<sup>0</sup>  
 वराहोद्धतमित्यने 75 31<sup>5</sup>  
 वरिष्ठ सर्वधनर्णा 14 10<sup>0</sup>  
 वरिष्ठो दानयेपु य 44 70<sup>5</sup>  
 वरिष्ठोऽद्विद्विज्जयुध 33 20<sup>5</sup>  
 वरीदासात्मजो विद्वान् 23 148<sup>0</sup>  
 वरीवाश्रावरीवांश्च 7 45<sup>0</sup>  
 वरुणस्य च गां गते 44 4<sup>4</sup>  
 वरुणस्य महात्मन 45 20<sup>5</sup>  
 वरुणस्वामिनि घृता 113 26<sup>4</sup>  
 वरण च वम वैव 43 68<sup>0</sup>  
 वरण पर्यवस्थित 113 17<sup>4</sup>

धरुणः पश्चिमं पक्षम् 34 18<sup>०</sup>.  
 धरुणः पादाभ्युत्थये 34 15<sup>०</sup>.  
 धरुणः पीडितो रणे 113 22<sup>०</sup>.  
 धरुणः प्रत्युत्थयत 113 22<sup>०</sup>.  
 धरुणः समधागत 113 20<sup>०</sup>.  
 धरुणादाहृतं पूर्वं 92 6<sup>०</sup>.  
 धरुणालयमन्तिकात् 113 12<sup>०</sup>.  
 धरुणेन प्रयुक्तानि 113 15<sup>०</sup>.  
 धरुणेन चरुथिना 36 10<sup>०</sup>.  
 धरुणेनाद्रमच्युत 45 31<sup>०</sup>.  
 धरुणेनैवमुत्तस्तु 113 44<sup>०</sup>.  
 धरुणेन्दु मदारणे 36 14<sup>०</sup>.  
 धरुणो लोहितहृदे 105 10<sup>०</sup>.  
 धरुणो वाक्पयमप्रवात् 35 22<sup>०</sup>, 113. 38<sup>०</sup>.  
 धरुणो दासवो यमः 31 45<sup>०</sup>.  
 धरेण च्छन्दयामास 3 98<sup>०</sup>.  
 धरेण च्छन्दितो देवै 85 41<sup>०</sup>.  
 धरेण सा तृतीयेन 112 122<sup>०</sup>.  
 धरेण्यः प्रभुरीश्वर 45 1<sup>०</sup>.  
 धरोऽस्तु यदि मन्यसे 112 118<sup>०</sup>.  
 धरुचरी येन जायते 3 34<sup>०</sup>.  
 धर्जयित्वा गदाधरम् 36 29<sup>०</sup>.  
 धर्णचोरान्समुत्थितात् 54 22<sup>०</sup>.  
 धर्णरूपाणि विभ्रन्तः 103 15<sup>०</sup>.  
 धर्णसारूप्यतां याति 54. 37<sup>०</sup>.  
 धर्णाङ्गुगुरजसा 41 7<sup>०</sup>.  
 धर्णा धर्मपरास्तथा 41. 29<sup>०</sup>.  
 धर्णांनां क्रमपारणा 65 15<sup>०</sup>.  
 धर्तते दानवोरिथितम् 40 46<sup>०</sup>.  
 धर्तते पुरुषोत्तम 113 37<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ति देवप्रवरा 13 3<sup>०</sup>.  
 धर्तन्तेऽद्यापि नित्यतः 6 15<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते पितर स्वर्गे 11 11<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते समित्तिजय 113 26<sup>०</sup>.  
 धर्तन्ते सांप्रतेऽन्तरे 7 33<sup>०</sup>.  
 धर्तमानमवैश्वत 110 23<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने हृते युगे 32 10<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने च सरपथे 36 44<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने जगन्मये 68 11<sup>०</sup>.  
 धर्तमाने मखे येन 31 115<sup>०</sup>.  
 धर्तयन्ति विदाराचाश्च 6 32<sup>०</sup>.  
 धर्तयन्त्यमितप्रज्ञा 6 27<sup>०</sup>.  
 धर्तयाना प्रवेपती 76 11<sup>०</sup>.

धर्तयामोपमुञ्जानाः 59 8<sup>०</sup>.  
 धर्तयामो महासुने 12 15<sup>०</sup>.  
 धर्तयिष्यन्ति मानवाः 117 32<sup>०</sup>.  
 धर्तसे एवं यथाविधि 113 37<sup>०</sup>.  
 धर्तितस्यं सुखार्थिना 118 34<sup>०</sup>.  
 धर्तितस्य सुतेषु वै 8 22<sup>०</sup>.  
 धर्तितेऽर्जुदसनिभे 30 46<sup>०</sup>.  
 धर्धनीया वयं नूनं 83 9<sup>०</sup>.  
 धर्धन्त यत्रेषु तम् 85 17<sup>०</sup>.  
 धर्धमान इवाग्भोद 65 21<sup>०</sup>.  
 धर्धमानमिवानलम् 65 1<sup>०</sup>.  
 धर्धमानं नभस्त्रले 38 37<sup>०</sup>.  
 धर्धमानान्महीपतिः 22 35<sup>०</sup>.  
 धर्धमानास्तुभावेतौ 49 9<sup>०</sup>.  
 धर्धमानां दुरासदाम् 53 1<sup>०</sup>.  
 धर्धमानेषु रात्रुषु 65 5<sup>०</sup>.  
 धर्धमानो ममानभे. 65 20<sup>०</sup>.  
 धर्धयन्ति दिवौकस 45 37<sup>०</sup>.  
 धर्धयन्ति हृषीकेश 40 38<sup>०</sup>.  
 धर्धयन्ती महात्मनः 39 40<sup>०</sup>.  
 धर्धयन्परिवर्तते 30 48<sup>०</sup>.  
 धर्धयस्व मदाग्नादो 45 30<sup>०</sup>.  
 धर्धयात्मानमात्मना 35 30<sup>०</sup>.  
 धर्धयिष्यन्ति नित्यदा 12 36<sup>०</sup>.  
 धर्धाम प्रसवैस्तथा 62 39<sup>०</sup>.  
 धर्धितामृतसचयम् 43 60<sup>०</sup>.  
 धर्मसास्त्रायुष्यजम् 85 66<sup>०</sup>.  
 धर्मनेनुस्रतोऽभवत् 23 69<sup>०</sup>.  
 धर्मनेतोस्तु दायादः 23 70<sup>०</sup>.  
 धर्मतीवामृतं देहे 53 33<sup>०</sup>.  
 धर्मत्राणाय दुर्धरम् 61 27<sup>०</sup>.  
 धर्मपूगाननेकदा 44 24<sup>०</sup>.  
 धर्मप्राप्तमदारया 54 14<sup>०</sup>.  
 धर्ममाणमिवाग्नुदम् 92 5<sup>०</sup>.  
 धर्मसहया. सहभयाः 42 26<sup>०</sup>.  
 धर्म वासयरोपजम् 65 30<sup>०</sup>.  
 धर्माण्यष्टाद्दीप मे 14 12<sup>०</sup>.  
 धर्माणं च परतो मित्यं 62 16<sup>०</sup>.  
 धर्मसु याता पदता 110 26<sup>०</sup>.  
 धर्मण च भयेन च 61 41<sup>०</sup>.  
 धर्मं दारुतामे तरा 23 9<sup>०</sup>.  
 धरुभीभिर्विभूषितम् 72 3<sup>०</sup>.  
 धरुभीरीपयस्यो 72. 7<sup>०</sup>.

बल्योऽन्नतरगामा 67 24<sup>o</sup>  
 बल्लहान्प्रजिनानि च 117 33<sup>o</sup>  
 बल्लगमान यथा सिंह 75 3<sup>o</sup>  
 बल्लामाने तु गोविन्दे 75 6<sup>o</sup>  
 बल्लदाग्मानमारमना 60 22<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे स तदाच्युत 92 51<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे स महीपतिम् 10 52<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे तानृपान्मर्वात् 39 18<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे ता शचीपति 92 55<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे वसुदेवस्य 76 42<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे वृष्णिनृपतिम् 95 9<sup>o</sup>  
 बल्लन्दे सह रामेण 95 10<sup>o</sup>  
 बल्लपं त्रिदिवेश्वर 48 16<sup>o</sup>  
 बल्लपं रत्नमातृत् 67 25<sup>o</sup>  
 बल्लपं शरत्कालानि 108 61<sup>o</sup>  
 बल्लपं हरिवाहन 24 6<sup>o</sup>  
 बल्लपुं पुण्ड्रपं च 62 61<sup>o</sup>  
 बल्लुवांता नगद्विता 62 63<sup>o</sup>  
 बल्लुवांता मुद्रारुणा 106 46<sup>o</sup>  
 बल्लुघाते महात्मानौ 96 44<sup>o</sup>  
 बल्लुघाते महासुरौ 42 16<sup>o</sup>  
 बल्लुघाते सुप्त च तौ 50 2<sup>o</sup>  
 बल्लुघुश्च यथासुखम् 10 59<sup>o</sup>  
 बल्लुघुस्य बाहव 37 40<sup>o</sup>  
 बल्लुघुञ्जत पुर शिशु 25 12<sup>o</sup> 85 15<sup>o</sup>  
 बल्लुघु स पुनर्लोकान् 38 36<sup>o</sup>  
 बल्लुघु सुमहाकाय 58 24<sup>o</sup>  
 बल्लुघु सञ्जतक्रोडनल 35 52<sup>o</sup>  
 बल्लुघुर्मदबोधना 73 16<sup>o</sup>  
 बल्लुघुस्य बटाहका 61 12<sup>o</sup>  
 बल्लुवौ म-मयबोधन 73 14<sup>o</sup>  
 बल्लुवौ मेघरवोद्धत 100 17<sup>o</sup>  
 बल्लुवगस्ते वरानन 56 33<sup>o</sup>  
 बल्लुवगारिस्त्रिभिर्गहे 35 70<sup>o</sup>  
 बल्लुवौ भवति पञ्चानाम् 23 165<sup>o</sup>  
 बल्लुवौ तिष्ठति शोभना 99 47<sup>o</sup>  
 बल्लुवौ तिष्ठत्यसशयम् 29 5<sup>o</sup>  
 बल्लुवट्टकाराश्रयौ पुन 110 26<sup>o</sup>  
 बल्लुवते परममीता 65 57<sup>o</sup>  
 बल्लुवत्यामेच्छया हरि 48 9<sup>o</sup>  
 बल्लुवन्ति दिवि देवता 109 3<sup>o</sup>  
 बल्लुवन्ति सत्प्राशये 106 24<sup>o</sup>  
 बल्लुवन् प्रच्युता स्वर्गात् 43 43<sup>o</sup>

बल्लुवयोऽधाधिगवपि 113 58<sup>o</sup>  
 बल्लुवो नामभि श्रुता 3 32<sup>o</sup>  
 बल्लुवो मरुतस्तथा 7 32<sup>o</sup>  
 बल्लुवो यत्र गङ्गाया 43 47<sup>o</sup>  
 बल्लुवोऽष्टौ समाख्याता 3 31<sup>o</sup>  
 बल्लुवसीह यच्छया 63 9<sup>o</sup>  
 बल्लुवसातिप्रमुखाश्चान्ये 9 41<sup>o</sup>  
 बल्लुवसाना मेचक क्षीम 47 41<sup>o</sup>  
 बल्लुवसाना विविधा कृया 92 11<sup>o</sup>  
 बल्लुवसाना हस्तक्षणाम् 55 36<sup>o</sup>  
 बल्लुवसानो रचमभूषण 44 8<sup>o</sup>  
 बल्लुवसामेदोशिभिर्वृत्तम् 49 19<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठपुरा ससासन् 7 15<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठवचनाच्छासीत् 9 19<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठवचनारभु 9 43<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठवचनाद्वाजन् 10 45<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठवचनं यथाऽनृष्टा 10 40<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठस्य च कौशिक 10 20<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठस्य प्रजापते 13 51<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठस्य महात्मन 10 13<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठ च महातेजा 1 29<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठ शरण गत्वा 10 39<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठ कारणेन हि 10 6<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठ कृतवास्तदा 10 9<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठ पर्यरक्षत 10 4<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठोऽप्यधिक मन्थु 10 5<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठे मनसाकरोत् 10 8<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठोऽप्यस्य सुतुचे 10 15<sup>o</sup>  
 बल्लुवसिष्ठो भगवानृषि 9 93<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेव इति ख्यात 45 34<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेव कुलस्थस्य 65 69<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवकुले धीमान् 30 3<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवकुले प्रभु 113 72<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवकुलेऽभवत् 31 11<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवगृहे प्रभु 45 49<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवगृहे सृष्टा 71 3<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवपुर सरा 28 27<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदवपुरोगमा 84 16<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवविगर्हणात् 66 23<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदव वृथामते 65 73<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदव वृथावृत् 65 70<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवश्च दुर्द्वैच 76 21<sup>o</sup>  
 बल्लुवसुदेवश्च सरहस्य 47 5<sup>o</sup>

वसुदेवसहायवान् 66 38<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुखावहा 49 30<sup>b</sup>  
 वसुदेवसुतकृत 96 34<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुताकुभौ 54 1<sup>d</sup> 57 2<sup>d</sup> 58 1<sup>d</sup> 65 85<sup>d</sup>  
 79 25<sup>d</sup>, 39<sup>d</sup> 81 53<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुतेन वै 63 14<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुतो बली 65 60<sup>b</sup>  
 वसुदेवसुतौ सौ तु 71 22<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुतौ मीचौ 73 3<sup>d</sup>  
 वसुदेवसुतौ हृष्टौ 74 21<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्तथैवाय 65 62<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्तु सगृह्य 48 18<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य तु सुगान् 24 34<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य दुर्गै 65 80<sup>b</sup>  
 वसुदेवस्य धीमत 49 77<sup>b</sup> 45 36<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य भवन 79 38<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य भार्यासु 25 6<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य रोगिणीम् 48 5<sup>d</sup>  
 वसुदेवस्य वीरैवान् 48 29<sup>d</sup>  
 वसुदेव च देवता 65 8<sup>d</sup>  
 वसुदेव च पुत्रार्थे 66 18<sup>d</sup>  
 वसुदेव धत्तवत् 66 33<sup>b</sup>  
 वसुदेव पुरस्त्वस्य 94 14<sup>d</sup>  
 वसुदेव प्रति प्रभो 65 46<sup>b</sup>  
 वसुदेव महाबलम् 69 18<sup>b</sup>  
 वसुदेव सवान्धवम् 96 50<sup>d</sup>  
 वसुदेव कृतार्था वै 48 20<sup>d</sup>  
 वसुदेव पिता तव 63 5<sup>d</sup>  
 वसुदेव प्रतापवान् 24 28<sup>d</sup> 96 28<sup>d</sup>  
 वसुदेव मवान्धव 73 5<sup>d</sup>  
 वसुदेवप्रान पुण्या 83 57<sup>d</sup>  
 वसुदेवथा च देवक्या 25 4<sup>d</sup>  
 वसुदेवाज्ञनादेन 91 21<sup>d</sup>  
 वसुदेवात्मज विभो 85 58<sup>b</sup>  
 वसुदेवान्महाबल 98 23<sup>b</sup>  
 वसुदेवाय ता ददौ 27 26<sup>d</sup>  
 वसुदेवे स्वया क्षिप्ते 66 22<sup>d</sup>  
 वसुदेवेन ता खिप्य 94 26<sup>b</sup>  
 वसुदेवेन ते रात्रौ 65 48<sup>d</sup>  
 वसुदेवेन धीमता 66 37<sup>b</sup>  
 वसुदेवेन पुत्रम् 66 10<sup>d</sup>  
 वसुदेवेन संधाय 65 50<sup>d</sup>  
 वसुदेवेन सुवत् 65 96<sup>d</sup>

वसुदेवो जरा त्यक्त्वा 76 12<sup>d</sup>  
 वसुदेवोऽभयद्वित्य 80 6<sup>d</sup>  
 वसुदेवो वसुपम 65 97<sup>d</sup>  
 वसुधामनुनादयन् 88 25<sup>d</sup>  
 वसुधामिदमब्रवीत् 5 53<sup>d</sup>  
 वसुधा वसुधेश्वर 31 99<sup>d</sup>  
 वसुधेय दिव गता 81 12<sup>d</sup>  
 वसुधेय सुने धन्या 100 47<sup>d</sup>  
 वसु यन्निपु लोवेसु 92 15<sup>d</sup>  
 वसुधराया माहायम् 44 17<sup>d</sup>  
 वसु नामान्तरिक्षगम् 13 26<sup>b</sup>  
 वसुनामथ पावकम् 4 3<sup>d</sup>  
 वसुनामष्टमस्य तु 3 35<sup>b</sup>  
 वसुनामष्टमे भागे 44 3<sup>d</sup>  
 वसुना वा किमर्थं च 63 5<sup>d</sup>  
 वसोरेव तदा वशे 87 19<sup>d</sup>  
 वसोश्चदिपतेलदा 22 13<sup>d</sup>  
 वसोस्तु वसव स्मृता 3 27<sup>d</sup>  
 वसुव्य निर्दिशद्वा 8 10<sup>d</sup>  
 वसुधि विविधादि च 91 11<sup>d</sup>  
 वसुराभरणैर्भोगी 94 25<sup>d</sup>  
 वसुरुद्रथितोच्छ्रिते 53 16<sup>b</sup>  
 वसुव्यो सुवर्जितौ 58 8<sup>d</sup>  
 वदन्सकपेगस्तदा 110 6<sup>d</sup>  
 वदरेव दिव्या दीप्तौ 87 34<sup>d</sup>  
 वद्रेणोमानुरात्मज 23 123<sup>d</sup>  
 वद्रेवैवस्तस्य च 13 67<sup>d</sup>  
 वदमतिष्टामतुला 113 79<sup>d</sup>  
 वदामने महामन 23 2<sup>d</sup>  
 वदामस्य महाराज 20 47<sup>d</sup>  
 वदामाप्रियप्यन्ति 68 29<sup>d</sup>  
 वदामुत्तमगृह्यम् 23 187<sup>d</sup>  
 वदाम्नाथ महाराज 107 28<sup>d</sup>  
 वदाम हृदयामनो महत् 45 19<sup>d</sup>  
 वदाम राजर्षिसहृदम् 22 41<sup>d</sup>  
 वदाम कार्त्स्न्येन वै प्रोषि 15 65<sup>d</sup>  
 वदाम्भूरं हिमपात्राम् 22 9<sup>d</sup>  
 वदाममिदिसिधोपमम् 15 42<sup>d</sup>  
 वदाममात्रण शारथिनि 77 33<sup>d</sup>  
 वदामनेतदुवाच ह 112 99<sup>d</sup>  
 वदामशाल्य वसुधाम् 100 82<sup>d</sup>  
 वदामशाल्य विनिर्णयम् 100 85<sup>d</sup>  
 वदामं कृष्ण स्वतंत्रता 70 25<sup>d</sup>



वाक्य चेदमुवाच ह 35 64<sup>d</sup> 75 16<sup>d</sup>  
 वाक्य दामोदरोऽग्रवीत् 59 19<sup>d</sup>  
 वाक्य पङ्कजन्मन 31 53<sup>d</sup>  
 वाचय मा प्रतिवाधते 100 49<sup>d</sup>  
 वाक्य लोकपितामह 43 11<sup>d</sup>  
 वाचय सज्ञासमीरितम् 56 29<sup>d</sup>  
 वाचये चिन्ताविलेक्षणा 107 13<sup>d</sup>  
 वाचयत्येहाह्यमानस्तु 65 98<sup>d</sup>  
 वागुवाचाशरीरिणी 89 40<sup>d</sup>  
 वागुष्ट श्रोधनो द्विष 16 4<sup>d</sup>  
 वागुद्विनियतास्तथा 113 61<sup>d</sup>  
 वाग्भिरप्रतिरूपाभि 38 22<sup>d</sup>  
 वाग्भिर्भाष्मकसूनुना 89 33<sup>d</sup>  
 वाग्भिर्मन्त्रपरायणा 62 69<sup>d</sup>  
 वाग्भि समभितजंयत् 48 23<sup>d</sup>  
 वाग्भ्यन कर्मज्ञानि वै 12 26<sup>d</sup>  
 वाग्भ्यारण तु फेदलम् 46 31<sup>d</sup>  
 वाच रूक्षामभियुद्ध 108 78<sup>d</sup>  
 वाच श्रोत्रमुखावदा 73 12<sup>d</sup>  
 वाच स परपास्त्रीप्रा 102 12<sup>d</sup>  
 वाचा दुनोपि भर्मेप्रया 66 14<sup>d</sup>  
 वाचा मधुरया तदा 11 20<sup>d</sup>  
 वाचो मुबन्धित सुस्वरा 61 36<sup>d</sup>  
 वाचोऽभ्युपन्त सवैवा 108 38<sup>d</sup>  
 वाच्यश्च नन्दगोपो वै 65 84<sup>d</sup>  
 वाच्यश्च यद्व कृता 65 81<sup>d</sup>  
 वाजिभिर्मेघसकारै 81 17<sup>d</sup>  
 वाजिभिर्दारुणैश्चापि 87 43<sup>d</sup>  
 वाजिमेघ परतप 115 35<sup>d</sup>  
 वाजिमेघाय दीक्षित 10 46<sup>d</sup>  
 वाजिमेघन चेटवान् 31 105<sup>d</sup>  
 वाजिमेघे महामखे 13 56<sup>d</sup>  
 वाजिमेघे महायन्ता 31 107<sup>d</sup>  
 वाजिसारसवर्हिणी 113 51<sup>d</sup>  
 वाजी सुमतिरेव च 7 45<sup>d</sup>  
 वायुभैवंलाहकै 59 14<sup>d</sup>  
 वातस्कृपावबिद्धु 36 37<sup>d</sup>  
 वातस्य प्रतिपेधयन् 110 9<sup>d</sup>  
 वाता हृव बलाहकान् 81 46<sup>d</sup>  
 वातापिनंसुचिश्चैव 3 77<sup>d</sup>  
 वाता मदनदीपना 54 33<sup>d</sup>  
 वातोद्धता ह्योर्मैव 112 57<sup>d</sup>  
 वातोद्भवैरिव धनै 110 45<sup>d</sup>

वाद्ययन्तौ वराननी 52 3<sup>d</sup>  
 वाद्ययान वचिद्वने 55 11<sup>d</sup>  
 वाद्ययामास धीयैवान् 55 26<sup>d</sup>  
 वाद्यशीलपरायणा 117 9<sup>d</sup>  
 वाद्यमाने स शुभाव 107 4<sup>d</sup>  
 वाद्यरेन्द्रो महाजल 31 131<sup>d</sup>  
 वाद्यरौ च महारीयो 105 20<sup>d</sup>  
 वापीयु च सरित्सु च 62 52<sup>d</sup>  
 वाप्यश्च विकचोत्पला 59 40<sup>d</sup>, 94 5<sup>d</sup>  
 वामनेन तु रूपेण 65 38<sup>d</sup>  
 वायव्यमय सावित्र 112 25<sup>d</sup>  
 वायव्याभयपार्जुनै 112 35<sup>d</sup>  
 वायसाना सहस्राणि 24 31<sup>d</sup>  
 वायुसुष्टेन वै पथा 92 66<sup>d</sup>  
 वायुना तुल्यवृत्तिनाम् 62 31<sup>d</sup>  
 वायुनिघोषकारिणा 71 45<sup>d</sup>  
 वायुप्राणो हुताशन 30 38<sup>d</sup>  
 वायुप्राणो तु वी रूढ 42 17<sup>d</sup>  
 वायुप्रोक्ता महाराज 7 21<sup>d</sup>  
 वायुप्रोक्ता महाव्रता 7 11<sup>d</sup>  
 वायुमक्षो महातपा 18 9<sup>d</sup>  
 वायुन्मन्वर्धीयत 86 72<sup>d</sup>  
 वायुरात्मोपमगति 86 70<sup>d</sup>  
 वायुरीचिष्ठो नमुचि 31 74<sup>d</sup>  
 वायुराकायुरच्छास 58 38<sup>d</sup>  
 वायुर्वायुविभायन 30 31<sup>d</sup>  
 वायुवेगती सौम्या 37 17<sup>d</sup>  
 वायुवेगेन व धूमो 110 34<sup>d</sup>  
 वायुश्वरतु मागंस्थ 38 72<sup>d</sup>  
 वायु च तरसा जिह्वा 37 54<sup>d</sup>  
 वायु प्रधावितस्त्र 36 35<sup>d</sup>  
 वायु प्रवेशन चक्रे 30 46<sup>d</sup>  
 वायु प्राणाश्च प्राणियु 38 74<sup>d</sup>  
 वायोःस्त्वश्च च गर्जत 61 34<sup>d</sup>  
 वायो इत्वा सन जवम् 38 48<sup>d</sup>  
 वायो सतानना तनुम् 62 92<sup>d</sup>  
 वायव्यमितोवाग्दुर्द्वैलकल्पम् 33 32<sup>d</sup>  
 वायव्यतरात्मा मन्त्ररिक्त 31 25<sup>d</sup>  
 वायव्यमनुमक्षा सतत 18 1<sup>d</sup>  
 वायवीरितश्लोद्गारै 34 13<sup>d</sup>  
 वायवीरित तु मेघयु 59 13<sup>d</sup>  
 वायन शत्रुवारणम् 23 39<sup>d</sup>  
 वायणात्ता च राजानम् 4 8<sup>d</sup>

चारणाभ्या यथा वने 75 29<sup>d</sup>  
 चारणे घातन तथा 112 40<sup>b</sup>  
 चारणेन्द्रगत शक्र 91 41<sup>a</sup>  
 चारणैर्वारिदोपमे 81 16<sup>b</sup>  
 चारमुत्थाश्र ता सर्वा 76 13<sup>a</sup>  
 चारयन्वाश्रयमत्रवीत् 112 6<sup>d</sup>  
 चारयामास वै विभु 61 60<sup>d</sup>  
 चारयित्वा च केशव 112 26<sup>b</sup>  
 चाराद् एष कथित 31 31<sup>a</sup>  
 चाराहस्तु श्रुतिसुख 31 21<sup>a</sup>  
 चाराह रूपमास्थाय 65 40<sup>a</sup>  
 चाराह रूपमास्थित 31 21<sup>d</sup>  
 चाराह यपुरास्थित 30 11<sup>b</sup>  
 चारिणा मेघमुत्तेज 61 17<sup>a</sup>  
 चारिदुर्गा जनाद्जन 85 5<sup>b</sup>  
 चारिराजपरिक्षिप्त 34 48<sup>a</sup>  
 चारि सुखाच्च वेगेन 9 71<sup>a</sup>  
 चारिस्पर्शसुखानिलात् 55 28<sup>d</sup>  
 चारुणाना सद्ब्रह्म 113 14<sup>b</sup>  
 चारुणास्त्रेण सयोज्य 113 25<sup>a</sup>  
 चारुणास्तुरगाञ्जुभ्रान् 31 107<sup>a</sup>  
 चारुणी दिशमास्थिता 113 7<sup>b</sup>  
 चारुणे वितते प्रती 3 95<sup>b</sup>  
 चार्जिनोवतमिच्छन्ति 26 1<sup>a</sup>  
 चार्पिकेणात्रकल्पिता 59 34<sup>b</sup>  
 चाली विनिर्दूत सत्पदे 31 121<sup>a</sup>  
 चालुकाः तर्हितस्तदा 9 70<sup>d</sup>  
 चालुकान्निर्हितो महाद् 9 53<sup>d</sup>  
 चालुकार्णवमण्ययम् 9 63<sup>d</sup>  
 चारान्तीपु दिशामु च 68 3<sup>b</sup>  
 चासवस्त्वा न सृष्ट्यति 118 24<sup>a</sup>  
 चासवस्थोत्सव भद्रहरा 65 30<sup>a</sup>  
 चासव च रणे जित्वा 105 10<sup>a</sup>  
 चासवं भरती यथा 87 51<sup>d</sup>  
 चासव मोहन तथा 112 23<sup>b</sup>  
 चासव प्रत्यद्वयते 91 28<sup>d</sup>  
 चासव सतवत्सलवर्दान् 119 61<sup>d</sup>  
 चासवावरजो विभु 92 1<sup>a</sup>  
 चासवो धर्मेदिव्योनि 115 28<sup>d</sup>  
 चासवोपमविश्रम 92 1<sup>b</sup>  
 चासवो वसुधाधिप 91 43<sup>b</sup>  
 चासवो चासवानुत्तर 91 32<sup>d</sup>  
 चासवो वासुदवश्च 92 53<sup>a</sup>

चास चास्य प्रदास्यामि 35 54<sup>a</sup>  
 चास त मित्रविन्दया 93 48<sup>a</sup>  
 चास सुपरमार्षित्व 93 45<sup>d</sup>  
 चासाय वसुदोपम 68 15<sup>b</sup>  
 चासायोपगवास्तदा 102 1<sup>d</sup>  
 चासासि विरजामि वै 71 7<sup>d</sup>  
 चासिनेय वनस्थली 57 7<sup>d</sup>  
 चासिष्ठा इति विश्रुता 7 16<sup>b</sup>  
 चासुक्लिप्तमुसै प्रभुम् 70 22<sup>d</sup>  
 चासुक्ति पञ्चोत्तर 70 24<sup>b</sup>  
 चासुदेवगतिश्च 113 7<sup>a</sup>  
 चासुदेवगृह देवा 113 55<sup>a</sup>  
 चासुदेववनागत 30 3<sup>d</sup>  
 चासुदेववदिरक्षया 96 7<sup>d</sup>  
 चासुदेवनिवेदानम् 94 14<sup>d</sup>  
 चासुदेवपुरोगमा 84 20<sup>d</sup>  
 चासुदेवपुरोगमै 9 26<sup>f</sup>  
 चासुदेवमथालक्ष्य 85 55<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्तु त इष्टा 85 35<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्तु निर्जित्य 28 28<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य वी सुवै 68 21<sup>d</sup>  
 चासुदेवस्य धीमत 52 29<sup>d</sup> 106 1<sup>d</sup>  
 चासुदेवस्य माहात्म्य 31 12<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य य क्रोध 109 8<sup>a</sup>  
 चासुदेवस्य सश्रयात् 113 59<sup>d</sup>  
 चासुदेव ततोऽप्ययु 86 18<sup>b</sup>  
 चासुदेव तु त मत्वा 85 49<sup>a</sup>  
 चासुदेव विजानीहि 85 58<sup>a</sup>  
 चासुदेव प्रवापवान् 109 76<sup>b</sup>, 87<sup>d</sup> 112 23<sup>d</sup>, 48<sup>b</sup>  
 चासुदेव समानात्थ 85 24<sup>a</sup>  
 चासुदेवजात्रया तदा 96 13<sup>d</sup>  
 चासुदेवार्जुनात्म्यं य 80 11<sup>a</sup>  
 चासुदेवे च काणित 66 22<sup>d</sup>  
 चासुदेवेति विश्रुत 113 71<sup>d</sup>  
 चासुदेवेन धीमता 87 21<sup>b</sup> 112 3<sup>b</sup>  
 चासुदेवेन यवासौ 106 5<sup>a</sup>  
 चासुदेवेन स कथं 106 3<sup>a</sup>  
 चासुदेवेन्द्रपते 93 35<sup>a</sup>  
 चासुदेवा न्यर्त तदा 110 67<sup>b</sup>  
 चासुदेवोऽनुमान् च 95 1<sup>d</sup>  
 चासुदेवाऽपि धर्मात्मा 85 63<sup>a</sup>  
 चासुदेवोऽप्रयीद्वाच 109 6<sup>a</sup> 113 23<sup>a</sup>  
 चासुदेवा भविष्यति 65 59<sup>a</sup>

वासुदेवो महाबाहु 24 15<sup>a</sup>  
 वासुदेवो मद्रायथा 85 36<sup>b</sup>  
 वासुदेवो सुमोच ह 112 25<sup>d</sup>  
 वासो याचितुमर्हथ 71 11<sup>d</sup>  
 वास्तुदैवतकर्माणि 86 13<sup>a</sup>  
 वास्तुनि च गद्रामज 84 33<sup>b</sup>  
 वाहनाना हितं चैव 84 25<sup>a</sup>  
 वाहनानि च न सन्ति 84 4<sup>a</sup>  
 वाहनैश्च प्रचोदितै 35 4<sup>b</sup>  
 वाहनै सयथा सर्वे 110 45<sup>a</sup>  
 विक्रदु च महाबलम् 65 9<sup>b</sup>  
 विक्रदु मन्त्रिपुत्रम् 86 76<sup>d</sup>  
 विक्रपाल विवेरा ह 58 52<sup>b</sup>  
 विकर्णनस्य चात्मज 23 40<sup>b</sup>  
 विकर्मस्था द्विजातय 116 32<sup>b</sup>  
 विकर्षन्त्ययूथानि 81 68<sup>a</sup>  
 विकारङ्गनागसक्षयम् 110 4<sup>d</sup>  
 विकारायतनेऽनघ 113 38<sup>b</sup>  
 विकाराऽसि विकाराणा 113 38<sup>a</sup>  
 विकीर्यं शुण्डीकाञ्च 97 7<sup>a</sup>  
 विकुक्षिन्वाद्योघताम् 9 39<sup>b</sup>  
 विदुषडलाभ्या कर्णाभ्या 76 33<sup>a</sup>  
 विद्वत् सोमरोषित 31 25<sup>d</sup>  
 विद्वौ पापदर्शिनौ 76 19<sup>b</sup>  
 विद्वप्य च गतायुषम् 76 37<sup>b</sup>  
 विद्वप्य च महाबल 112 80<sup>b</sup>  
 विक्रोशैश्चासिभिस्तोशौ 37 13<sup>a</sup>  
 विक्रमा धर्मनिक्षया 1 3<sup>b</sup>  
 विक्रमेण ध्रुवेन वा 23 149<sup>d</sup>  
 विक्रमैश्चिभिरशोभ्या 31 69<sup>a</sup>  
 विक्रान्तपुपो क्षीसा 47 13<sup>a</sup>  
 विक्रान्त समरेऽनघ 99 27<sup>b</sup>  
 विक्रान्ताश्च सहस्ररा 86 68<sup>a</sup>  
 विक्रावा पष्टिसाद्वा 10 54<sup>a</sup>  
 विमान्वैभुभि दुष्करै 60 6<sup>a</sup>  
 विभीत्वास्पोऽयद्राहू 56 29<sup>a</sup>  
 विभीत्यत नृगराज 9 98<sup>b</sup>  
 विभीषमागौ कष्टैश्च 52 15<sup>a</sup>  
 विभेदारो द्विजातय 115 32<sup>d</sup> 116 14<sup>b</sup>  
 विस्त्रोभणश्च वेतुश्च 3 67<sup>a</sup>  
 विश्रोम्य चारट्टिभि 77 28<sup>b</sup>  
 विश्रोम्य सागर सर्वे 105 14<sup>a</sup>  
 विश्रयातस्त्रिपु लोकेषु 83 8<sup>a</sup>

विश्रयाता कुराऽन्दन 25 3<sup>d</sup>  
 विश्रयाता त्रिपु लोकेषु 9 81<sup>a</sup>  
 विश्रयाता हृदया नाम 29 15<sup>a</sup>  
 विश्रयातो माधुरे वरुपे 31 143<sup>b</sup>  
 विश्रयातो पुरुषर्षभौ 43 50<sup>d</sup>  
 विश्रहंमाणमात्मान 78 3<sup>a</sup>  
 विश्राइति महाबल 93 6<sup>d</sup>  
 विश्रहस्य कलिमूल 43 63<sup>a</sup>  
 विश्रहाणा ब्रह्मोपम 44 10<sup>b</sup>  
 विश्रह्ने जनमेजय 105 17<sup>d</sup>  
 विश्रहो विश्रहाणा 30 37<sup>a</sup>  
 विश्रुदे तस्य ते पार्श्वे 114 12<sup>a</sup>  
 विश्रमिन्द्रेण ते कृतम् 118 26<sup>b</sup>  
 विश्र चक्रे सुदुर्मैति 9 89<sup>b</sup>  
 विश्र तत्राश्रोत्तस्य 91 5<sup>a</sup>  
 विश्रा हि बहूरो लोके 49 7<sup>a</sup>  
 विश्रको दानयो इत 105 8<sup>b</sup>  
 विश्रस्रस्यद्वयत 108 43<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यन्ति न सदा 56 44<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यन्ति रूपिण 86 33<sup>d</sup>  
 विश्रिष्याम्यह सुखी 73 7<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यप्रवसन 34 42<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यमणिसोपान 93 40<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यवीर्ये धर्मेश 13 37<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यवीर्ये बाल च 15 45<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यवीर्यौ सुतमान् 43 49<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यशिखरद्रुमम् 92 40<sup>d</sup>  
 विश्रिष्य चरित घोषे 63 22<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यामा प्रजापते 1 13<sup>d</sup>  
 विश्रिष्याश्च कथा दिव्या 104 2<sup>a</sup>  
 विश्रिष्याश्च कथायोगा 1 3<sup>a</sup>  
 विश्रिष्याश्चेदराचय 74 8<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यैरिव पर्वतै 93 32<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यैस्तस्त्वभवरप्राञ्च 106 51<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यैरुधि ते पृथक् 87 75<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यान महाबल 108 40<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यति वसुधा च क्षरतृप्ति 118 48<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यश्च पराक्रमे 109 90<sup>b</sup>  
 विश्रिष्यस्थातुंनो भोक्ता 62 87<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यधिदिना तत 112 98<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यायाभिदिच्यस्य 78 37<sup>a</sup>  
 विश्रिष्यार च काश्चित् 92 45<sup>d</sup>  
 विश्रिष्यार प्रहृष्टारामा 19 2<sup>a</sup>

विजहार महाकीर्तिः 96 21<sup>०</sup>.  
 विजिगीषुः पुरंदरः 118 31<sup>०</sup>.  
 विजित्य च यम सख्ये 97 12<sup>०</sup>.  
 विजित्य चसुधामिमाम् 22. 3<sup>०</sup>.  
 विजित्येना यक्षधराम् 10 40<sup>०</sup>.  
 विजेता को भविष्यति 21 14<sup>०</sup>.  
 विजेता पुनराद्वे 106 16<sup>०</sup>.  
 विजेष्यसि रणे द्रुमुं 109 90<sup>०</sup>.  
 विज्ञातो यागरक्षिभिः. 108. 12<sup>०</sup>.  
 विज्ञातो वासुदेवेन 112 30<sup>०</sup>.  
 विज्ञातोऽसि मया चिह्नं. 99 38<sup>०</sup>.  
 विज्ञाप्य क्रियतामिदम् 78 30<sup>०</sup>.  
 विज्ञाय च यथं बाल 108 92<sup>०</sup>.  
 विज्ञाय दमभिप्रायम् 107. 11<sup>०</sup>.  
 विज्ञाय पुरुषोत्तम. 111. 5<sup>०</sup>.  
 विज्ञाय मतमच्युत 15 43<sup>०</sup>.  
 विज्ञायान्निर्दिष्टं बाणं 108 81<sup>०</sup>.  
 विज्ञायैवंविध हि माम् 109 49<sup>०</sup>.  
 विज्ञेया भुवि देहिनाम् 46 27<sup>०</sup>.  
 विज्ञेयो यस्य पुत्रस्तु 107 56<sup>०</sup>.  
 विदम्बयन्त. श्रीदन्ति 67. 60<sup>०</sup>.  
 विदतेऽभिससार ह 23 76<sup>०</sup>.  
 विदत्यायतने वृते 59 29<sup>०</sup>.  
 विदोयी जलदाविव 51. 30<sup>०</sup>.  
 विद्यासन. सुकृतिर्न 91 20<sup>०</sup>.  
 विद्यास्य द्विपत सर्वान् 89 46<sup>०</sup>.  
 विदधावि पितामह 45 15<sup>०</sup>.  
 विदधे चैरुपाटला 13 17  
 विदन्तो दन्तिर्नां वर. 74 38<sup>०</sup>.  
 विदर्भान्यो न्यवेदयन् 67 9<sup>०</sup>.  
 विदर्भान्सिचलो ययौ 89 13<sup>०</sup>.  
 विदर्भेषु च वासार्थं 88 32<sup>०</sup>.  
 विदर्भो नाम पं सुत 67 9<sup>०</sup>.  
 विदितं तच्च कृष्णस्य 99 4<sup>०</sup>.  
 विदितं यन्मैरुस्य 58 41<sup>०</sup>.  
 विदितारमा च भार्गव 11 40<sup>०</sup>.  
 विदिता देहिनी जाता 45 3<sup>०</sup>.  
 विदिता युद्धकाङ्क्षिण 62 95<sup>०</sup>.  
 विदितो मे दरशय 45 6<sup>०</sup>.  
 विदितो मे जरासप 45 8<sup>०</sup>.  
 विदितो मेऽसि नारदात् 85 59<sup>०</sup>.  
 विदितो युधि दुषेयो 105 20<sup>०</sup>.  
 विदितां तापतश्च तत् 118 14<sup>०</sup>.

विदुरं चाप्यजीजनत् 23 120<sup>०</sup>.  
 विदुरथसुतोऽभवत् 28 1<sup>०</sup>.  
 विदुरथस्य दायाद. 23 112<sup>०</sup>.  
 विदुरथोऽपि तं पृथुभि 87. 63<sup>०</sup>.  
 विदुरस्यो प्रकाशेते 91 41<sup>०</sup>.  
 विदेहाधिपतिस्तथा 80 13<sup>०</sup>.  
 विदेहेभ्य. पिता ददौ 26. 12<sup>०</sup>.  
 विदि ताप्तेनकल्मषात् 5 19<sup>०</sup>.  
 विदि तामेकपाटलाम् 13 23<sup>०</sup>.  
 विदि मां मत्स्य. पुत्रं 12 11<sup>०</sup>.  
 विवास्त्वां कृष्णमच्ययम् 63. 4<sup>०</sup>.  
 विद्यते शापकारणम् 43 31<sup>०</sup>.  
 विद्यया यो यया युक्त 59 21<sup>०</sup>.  
 विद्यया वा नराधिप 19. 8<sup>०</sup>.  
 विद्यया शुभलोचना 108. 5<sup>०</sup>.  
 विद्यादन्तगते युगे 116 16<sup>०</sup>.  
 विद्याधरगणं सह 34 31<sup>०</sup>.  
 विद्याम र्वा कथं प्रभो 12 8<sup>०</sup>.  
 विद्यान्तश्च ये जनाः 2 63<sup>०</sup>.  
 विद्याश्च वेदितव्यं च 104. 21<sup>०</sup>.  
 विद्या प्रादात्त वैजल. 79. 4<sup>०</sup>.  
 विद्युतोऽशनिमेवाश्च 1. 34<sup>०</sup>.  
 विद्युत्कवचनिर्मलम् 54 35<sup>०</sup>.  
 विद्युत्कुटिलगामिनी 71. 24<sup>०</sup>.  
 विद्युत्प्रपतनं विना 51. 29<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सदनावाससम् 38 4<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सपातचपलः 99. 14<sup>०</sup>.  
 विद्युत्सपातजनना. 61 9<sup>०</sup>.  
 विद्युदिन्द्रावुपापिर्तेः 34 6<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिर्तमेवाम. 92. 29<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिर्दिव्याम्बुदे 108 36<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिर्द्योत्कारिणा 62 10<sup>०</sup>.  
 विद्युद्भिर्दिव्यवर्णाभा 48 31<sup>०</sup>.  
 विद्यायगमदासिरी 3 69<sup>०</sup>.  
 विद्वतं स्वर्गं दृष्ट्वा 88 16<sup>०</sup>.  
 विद्याशीघ्रत उच्यते 26 22<sup>०</sup>.  
 विद्यान्मालतलो नृप. 23 16<sup>०</sup>.  
 विद्यान्मार्गपर्यं वेदविग् 44 10<sup>०</sup>.  
 विद्यापुष्टिदुहोऽभयम् 10 73<sup>०</sup>.  
 विद्यापराशरिः सुत 23 56<sup>०</sup>.  
 विद्यात्पर्यायो नाम 23 54<sup>०</sup>.  
 विद्यापुत्र पुराणा 21 1<sup>०</sup>.

विद्वान्नामा यवीनर 15 31<sup>b</sup>  
 विद्वांसु सुमहायजा 3 64<sup>b</sup>  
 विद्वांसु न मुद्यति 2 54<sup>d</sup>  
 विद्वांसुयारण प्रभु 9 88<sup>b</sup>  
 विद्विपन्ति ममोत्सवम् 61 3<sup>d</sup>  
 विद्विपन्तो जनादनम् 80 16<sup>d</sup>  
 विधत्तैवा महद्भयम् 110 41<sup>d</sup>  
 विधमन्त सुतास्तदा 116 20<sup>b</sup>  
 विधवा दून्यनगरा 42 44<sup>d</sup>  
 विधाया यत्र नीयते 48 48<sup>d</sup>  
 विधानमेव कृत्वा स 86 79<sup>b</sup>  
 विधानं यदुनन्दन 109 60<sup>b</sup>  
 विधाय विधिना विधिम् 97 36<sup>b</sup>  
 विधास्यति भवानस्य 35 57<sup>d</sup>  
 विधास्यामि न सदाय 6 7<sup>b</sup>  
 विधिदहन कर्मणा 13 8<sup>d</sup> 46 7<sup>b</sup> 118 12<sup>d</sup>  
 विधिना कारयन्ति च 86 13<sup>b</sup>  
 विधिना वन वा द्विज 10 54<sup>d</sup>  
 विधिना च न सदाय 3 10<sup>d</sup>  
 विधिना पूर्वदहन 48 50<sup>d</sup>  
 विधिप्रदमेकोविदे 5 28<sup>b</sup>  
 विधिप्रद्विरिक्षिण 118 11<sup>d</sup>  
 विधिप्रद्विरिक्षिणे 97 44<sup>b</sup>  
 विधिन्मधुसूदन 97 43<sup>d</sup> 103 16<sup>d</sup>  
 विधिहितमदानयमन्यथा हि कर्तुं 118 42<sup>b</sup>  
 विधुन्व पर्येता बहून् 110 9<sup>b</sup>  
 विधूमोऽग्निरिव ज्वलन् 13 45<sup>d</sup>  
 विष्टत सुमहत्तदा 61 45<sup>d</sup>  
 विष्टतैश्चा हि तै शूद्रै 61 32<sup>d</sup>  
 विननायास्तु सुभ्रौ द्वौ 3 84<sup>b</sup>  
 विनताश्वस्य पथिमा 9 16<sup>b</sup>  
 विनताश्वस्य भारत 9 15<sup>d</sup>  
 विनयादनयाहता 20 28<sup>d</sup>  
 विनयाद्वर्णि गत 86 57<sup>b</sup>  
 विनयो नथवृत्ताना 30 36<sup>d</sup>  
 विनक्षिण्यं त ङिञ्जाशा 73 6<sup>d</sup>  
 विना हृत्वा न यास्याम 56 25<sup>d</sup>  
 विना हृत्वेन को व्रज 56 25<sup>d</sup>  
 विना चक्र ननादनं 99 38<sup>d</sup>  
 विना चक्रण का निशा 56 25<sup>d</sup>  
 विना युद्ध त गोपुर 64 9<sup>d</sup>  
 विना वात निना वर्षे 51 29<sup>d</sup>  
 विना वृषेण का गाव 56 25<sup>d</sup>

विनाशरासी कसस्य 46 1<sup>d</sup>  
 विनाशे प्रत्युपस्थिते 5 6<sup>d</sup>  
 विना सकर्मण गुहम् 55 1<sup>b</sup>  
 विना हस्तिकृत दोष 51 29<sup>d</sup>  
 विनिगृहसि रोपित 62 16<sup>d</sup>  
 विनिन्दमानौ सयत्तौ 112 64<sup>d</sup>  
 विनिपत्य इदे घोरे 55 57<sup>d</sup>  
 विनिर्जित्य स्वमन्तकम् 28 31<sup>d</sup>  
 विनिर्मुच्य कलेवरम् 85 64<sup>b</sup>  
 विनिर्जित्यते लोके 115 43<sup>d</sup>  
 विनिर्मुच्य स्वशकृत् 66 5<sup>d</sup>  
 विनिश्चयो हि प्रागेव 45 15<sup>d</sup>  
 विनिष्पेतुर्बलाहका 37 38<sup>d</sup>  
 विनिष्पेतुर्भयकरा 52 30<sup>d</sup>  
 विनेय कालदर्शिभि 75 11<sup>b</sup>  
 विनशुर्दानवास्तत्र 91 48<sup>d</sup>  
 विनेशुश्च बलाहका 32 34<sup>b</sup>  
 विन्दातुविन्दावान्यौ 81 41<sup>d</sup>  
 विन्ध्यस्य दक्षिणे पार्श्वे 87 9<sup>d</sup>  
 विन्ध्य गिरिनिवाचरम् 82 18<sup>d</sup>  
 विन्ध्य च गिरिमुत्तमम् 28 19<sup>d</sup>  
 विन्ध्ये पर्वतसतम् 65 51<sup>d</sup>  
 विन्ध्यस्तानामदूरत 81 35<sup>d</sup>  
 विपक्ष पक्ष एव च 43 53<sup>b</sup>  
 विपणन्त परस्परम् 117 35<sup>d</sup>  
 विपक्षस्यौर्ध्वदेहिकम् 78 26<sup>d</sup>  
 विपक्ष त्वयि मानद् 77 17<sup>b</sup>  
 विपरीतप्रभाणि इ 36 20<sup>b</sup>  
 विपरीतमिद रूपं 83 42<sup>d</sup>  
 विपरीतस्य कर्मण 78 14<sup>d</sup>  
 विपरीता दिशस्तथा 116 36<sup>d</sup>  
 विपरीता युगक्षये 116 14<sup>d</sup>  
 विपरीतेन कर्मणा 38 1<sup>d</sup>  
 विपरीतेन भास्वती 48 32<sup>d</sup>  
 विपरीता यथाशुक्रम् 76 39<sup>d</sup>  
 विपाटिनाभ्यामोष्णान्यौ 67 35<sup>d</sup>  
 विपातो बरुणो मृधे 37 48<sup>d</sup>  
 विपुलमपि धनं हमेच वैश्य 118 48<sup>d</sup>  
 विपुलश्च एत शील 69 19<sup>d</sup>  
 विपु मेहवर्षतम् 46 8<sup>d</sup>  
 विपुलाहुष्टिर्वर्णा 36 54<sup>b</sup>  
 विपुतेनासि कातेन 42 47<sup>d</sup>  
 विप्रयुर्वाक्यमम्रवीर्ष 109 19<sup>b</sup>

विद्युत्सु महाबलः 87 59<sup>६</sup>.  
 विद्युत्सु च वृथुश्रियम् 65 9<sup>६</sup>.  
 विद्युत्सु च महाबलम् 113 63<sup>६</sup>.  
 विद्युत्सु, सिमुपालं तु 87, 54<sup>६</sup>.  
 विद्युत्सो चिन्तयाविष्टः 109, 25<sup>६</sup>.  
 विद्युत्सो सारयिश्वापि 87 59<sup>६</sup>.  
 विप्रकीर्णैरिवाचकैः 110 45<sup>६</sup>.  
 विप्रकुर्वन्कुमारकात् 96 34<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्प्रधानास्ते 3 70<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तिश्च वीर्यवान् 3 69<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तिसुत श्वेतः 33 19<sup>६</sup>, 37, 6<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तिः शिविः शङ्खु 31 70<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्तेः परिग्रहः 3 88<sup>६</sup>.  
 विप्रचित्ते सुतास्तथा 3 75<sup>६</sup>.  
 विप्रमुक्तभयं शुभ्र 57 24<sup>६</sup>.  
 विप्रयोगेन नास्य 109 8<sup>६</sup>.  
 विप्ररूपापि रक्षांसि 117 15<sup>६</sup>.  
 विप्रशापाग्निवेज्जला 115 36<sup>६</sup>.  
 विप्र ग्राह दृढस्वतिः 20 37<sup>६</sup>.  
 विप्राणाः सृष्टिकल्पानां 104 1<sup>६</sup>.  
 विप्राणां शाश्वतीं वृत्तिं 117 12<sup>६</sup>.  
 विप्रा मखमुखे स्थिता 34 7<sup>६</sup>.  
 विप्रायैनेप्यते कृष्ण 104 8<sup>६</sup>.  
 विप्राः द्युद्वेपञ्जीभिः 116 6<sup>६</sup>.  
 विप्राः सह मर्दिभिः 118 7<sup>६</sup>.  
 विप्रियं यदुपुंगवे 109 7<sup>६</sup>.  
 विदुतेषु द्युतेषु च 62 49<sup>६</sup>.  
 विफले शक्रशालने 65 3<sup>६</sup>.  
 विवभाज पुरा यश्च 30 35<sup>६</sup>.  
 विवभावुरसा रामः 83 24<sup>६</sup>.  
 विवभो वृण्डीकाश्च 110 4<sup>६</sup>.  
 विवधाम मत्सिद्धात् 20 28<sup>६</sup>.  
 विवलाका विविद्युत् 59 33<sup>६</sup>.  
 विवाणयेन धनुषा 54 30<sup>६</sup>.  
 विवाणं बाहुशालिना 71 52<sup>६</sup>.  
 विवुधागस्तनिरता 106 25<sup>६</sup>.  
 विवक्तव्यवरपथ 86 14<sup>६</sup>.  
 विवर्त्तं क्रकचेनेव 91 67<sup>६</sup>.  
 विवक्ता घट्टणा स्वयम् 40 14<sup>६</sup>.  
 विवग्गतामयं देव 61 53<sup>६</sup>.  
 विवगसोऽस्तुल्यगुणात् 43 44<sup>६</sup>.  
 विभिन्नशृङ्गे भद्रास्यः 64 21<sup>६</sup>.  
 विमुनाम प्रजेधरः 23 70<sup>६</sup>.

विमुनैरायणो हरिः 93 0<sup>६</sup>.  
 विभूतिविल्लरकथं 115 12<sup>६</sup>.  
 विभूपयति वेणुमान् 93 16<sup>६</sup>.  
 विभोभेरतमत्तम 24 6<sup>६</sup>.  
 विभ्राजमानो वपुषा 16 35<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्य चामाजः 15 22<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्त्वपुं राज्ये 18 8<sup>६</sup>.  
 विभ्राजस्य तु पुनोज्ज्वल 15 23<sup>६</sup>.  
 विभ्राज पुनराजात् 15 25<sup>६</sup>.  
 विभ्राज पौरवन्धवः 16 34<sup>६</sup>.  
 विमदा इव कुञ्जराः 59 33<sup>६</sup>.  
 विमना समपद्यत 82 22<sup>६</sup>.  
 विमशंतीला केचित्तु 117, 6<sup>६</sup>.  
 विमलादित्यवर्णानि 93 40<sup>६</sup>.  
 विमलाकेंद्रुसकां 92 38<sup>६</sup>.  
 विमला विजला म्योक्षि 59 33<sup>६</sup>.  
 विमलाश्चत्रपद्म 81, 5<sup>६</sup>.  
 विमानगह्वरो महान् 62 26<sup>६</sup>.  
 विमानप्रतिमोऽस्तः 74 9<sup>६</sup>.  
 विमानयोधी धनद 34 17<sup>६</sup>.  
 विमानस्थैरलंकृताः 23 147<sup>६</sup>.  
 विमानं महदायान्तम् 12 5<sup>६</sup>.  
 विमानं सुकृती यथा 96 67<sup>६</sup>.  
 विमानातुलमादिनाम् 42 8<sup>६</sup>.  
 विमानानि विधिजापि 36 20<sup>६</sup>.  
 विमानानि सद्देशा 113 57<sup>६</sup>.  
 विमानारोहिणोऽर्धगा 67, 62<sup>६</sup>.  
 विमानेनाकैर्येन 31 35<sup>६</sup>.  
 विमाने पुष्पके स्थितः 34 17<sup>६</sup>.  
 विमानेषु समन्ततः 36 36<sup>६</sup>.  
 विमानेऽयामनेषु च 42 11<sup>६</sup>.  
 विमानेश्च हिरण्ये 93 58<sup>६</sup>.  
 विमानैश्चागुणामिभि 37, 29<sup>६</sup>.  
 विमाने शमस्वरिभि 75 38<sup>६</sup>.  
 विमायाऽन्यमदाधेव 36 12<sup>६</sup>.  
 विमिधं सवैदो मानि 81 24<sup>६</sup>.  
 विमुष्ण प्राणतमव्ययश्च 61 23<sup>६</sup>.  
 विमुष्ण वादमप्याच 74 29<sup>६</sup>.  
 विमुष्णित्त भभोगतम् 69 18<sup>६</sup>.  
 विमुष्णयामविशत 51 31<sup>६</sup>.  
 विमुष्णरतुताविर्मा 51 30<sup>६</sup>.  
 विमुष्णमित्ता तं देदं 40 18<sup>६</sup>.  
 विमोक्षयन्त्रि दितेः मुष्ण 100 25<sup>६</sup>.

विषेष्टमाना रुदती 107 20°	विश्वकर्मा स्वमत्या वै 86 20°
विश्व्याध दशभि शरै 88 11°	विश्वक्रियस्य चात्मज 15 16°
विश्व्याध नवभि शरै 81 83° 87 53°	विश्वक्रिद्विश्वकृष्वैव 23 86°
विश्व्याध निशितैस्तीक्ष्ण 108 64°	विश्वस्तं वृष्णु मे विष्णो 32 1°
विश्व्याध युधि मार्गै 87 61°	विश्वरूपाय विश्वते 97 38°
विश्व्याधानौ शित शरै 87 63°	विश्वरूपो महापरा 3 42°
विश्व्याधान्तकतुल्येन 110 31°	विश्वस्य जगत प्रभु 34 34°
विश्व्याधोरसि केशवम् 88 18°	विश्व जगदिद महत् 39 4°
विश्वन्त मधुरां रम्या 79 37°	विश्वधिया सहितो रेमे 22 34°
विश्वान्ति सहिता सर्वा 113 11°	विश्वामित्रकलत्र तत् 10 1°
विश्वसन्नि कुडरैश्च 53 29°	विश्वामित्रपुर सर 31 110°
विश्वस्यन्ता च पशव 60 13°	विश्वामित्ररूपैव च 7 30°
विश्व क्षत्रमनुमता 31 132°	विश्वामित्रस्तु नाशेव 23 84°
विश्वाल इव पादप 38 47°	विश्वामित्रस्तु दाराणाम् 10 19°
विश्वाल खारपरिभ्रमन् 38 49°	विश्वामित्रस्य चात्मजा 10 15°
विश्वालेन गुहेन वा 43 6°	विश्वामित्रस्य तुष्टयधम् 9 89°
विश्वालमाकाशतल 108 50°	विश्वामित्रस्य तु सुता 23 86°
विश्वालमूलावतत 55 20°	विश्वामित्रस्य वै सुता 23 93°
विश्विरस्का इवाद्रव 36 16°	विश्वामित्रात्मजाता तु 23 82°
विशिष्ट शत्रुघ्न 107 53°	विश्वामित्रादपाहक 23 93°
विश्वद्रु स्येन कर्मणा 19 28°	विश्वामित्राश्रमाभ्यासो 10 2°
विश्वद्रुश्च कृतो वजे 65 31°	विश्वामित्रण धीमता 31 113°
विश्वोपेण तु वाक्पथे 65 76°	विश्वामित्रो महातपा 9 86°
विश्वोपेण महीपते 44 30°	विश्वामित्रो महातप 118 23°
विश्वोपो नास्ति मे प्रभो 86 24°	विश्वेऽथ वसवस्तथा 31 58°
विश्वोक्ता समपचन्त 94 10°	विश्वदेवानु विश्वाया 3 27°
विश्वोप्यारमानमच्युत 28 30°	विश्वेया च दिवौकसाम् 44 3°
विश्वान्तवाइना सर्वे 102 1°	विश्वेया मरता चैव 92 48°
विश्वुष सर्वकर्मण 10 71°	विषन्ता इन्द्राक्षस्य 81 64°
विश्वुता साम्बमहिर्षी 28 41°	विषण्णमनसो देवा 35 8°
विश्वुता कौशिक राजन् 23 90°	विषदिग्ध स्नन क्षुद्रा 96 31°
विश्वुतो गुणसपदा 28 35°	विषरीत इव स्वल्प 78 1°
विश्वकर्मा कृत दाल 94 6°	विषमे पृथिवीतले 6 10°
विश्वकर्मा कृतैर्दिव्यै 93 8°	विषमैश्च समीच्यते 61 43°
विश्वकर्मा कृतो दिव्य 93 49°	विषमोद्यपसकटा 81 50°
विश्वकर्मा च ता कृष्या 86 53°	विषमनुवापान धर्मोपदि 118 40°
विश्वकर्माणमाहूय 93 2°	विषय समतिक्रम्य 92 46°
विश्वकर्मा तप कृष्णम् 80 40°	विषय सिन्धुतात्रय 84 26°
विश्वकर्मा तप प्रीत 86 39°	विषयागते पुरीं रम्या 23 60°
विश्वकर्मा पुरीं तप 93 7°	विषयासन्नमूर्तोऽग्नि 44 27°
विश्वकर्मा मतीश्वर 86 31°	विषये मे म कलापे 118 19°
विश्वकर्मा महाभाग 3 39°	विषयेषु मुखाद्रिया 84 23°
विश्वकर्मा सुरधेष्ट 86 22°	विषयेष्वेव सन्नताम् 113 65°

श्रीरुद्रः पर्यतैस्तथा 2. 25<sup>d</sup>.  
 श्रीरेणामित्रपातिना 108 14<sup>d</sup>.  
 श्रीरो भीमस्थः स्मृतः 23 57<sup>b</sup>.  
 श्रीरो राजा पुरंजयः 23 17<sup>b</sup>.  
 श्रीरो राजा प्रतर्दनः 23 62<sup>b</sup>.  
 श्रीरो बालपतिश्चैव 28 33<sup>d</sup>.  
 श्रीरो लावय गृध्रिमौ 24 32<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यतुल्यं महाजसः 35 57<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यैर्यैस्तदाचैयत् 95. 5<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यन्तं बलान्वितम् 87. 5<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यन्तो महाबलाः 87. 21<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यन्तो महारथाः 23 157<sup>f</sup>.  
 श्रीर्यवान्कोऽप्यसौ युवा 108 96<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यं च शशिपावकौ 30 42<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यं हि सुमहत्तस्य 9 60<sup>d</sup>.  
 श्रीर्यास्य मगधेश्वरः 82 19<sup>b</sup>.  
 श्रीरुदेव. सुनामायां 25 7<sup>d</sup>.  
 श्रीरुदेवी व्यजायत 25 7<sup>d</sup>.  
 श्रीरुदेवुपदेवी च 27. 27<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रं रुकनेत्रसम् 2 14<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्राणां कृष्णरश्मिणां 53 4<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्राहुस्तु जज्ञिवात् 10 23<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रिष्पतितान्द्रुवा 52 31<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्राधो वृरुमिष्टुतिः 98 11<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रस्तायते व्रजः 52 34<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रिद्रावयामास 96 40<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रैर्व्यापादितेत्येषं 53 8<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रगर्भीरनिजिडं 65 55<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रमुत्साध्य रामोऽपि 87. 42<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रस्यैवा वृता पृथ्वी 2 39<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्राणामिति निर्मिता 2. 41<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्राणां पर्यगिनी 2. 40<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रैः क्षुपलताकुलैः 55 53<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रिनीवान्महायदाः 26 1<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रिष्यासुर काङ्क्षितम् 112 124<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रवाना भरतर्षभ 21 17<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रं राममवद्रुमे. 2 35<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रं ससुरसेवते 57 12<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रः सर्वैः सुरैस्तथा 31. 39<sup>b</sup>.  
 श्रीरुद्रो देवगणैः सर्वैः 91. 28<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रोऽप्यै रत्नितैः सर्वैः 70. 24<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रो व पद्मसमवार् 47. 20<sup>d</sup>.  
 श्रीरुद्रवृत्तसमुच्चितैः 59. 43<sup>b</sup>.

वृत्तवाहुर्मदाभुजः 109. 84<sup>b</sup>.  
 वृत्तस्य च कुलस्य च 78 31<sup>d</sup>.  
 वृत्तस्य च बलस्य च 58 34<sup>d</sup>.  
 वृत्तं भागवते इदे 70 34<sup>d</sup>.  
 वृत्तं पदपदपद्मीभिः 55 7<sup>d</sup>.  
 वृत्तान्तो वृत्तिमत्स्वपि 115. 43<sup>d</sup>.  
 वृत्ताभ्यामुपशोभितः 68 23<sup>d</sup>.  
 वृत्ता वतेन्त एव च 42 50<sup>d</sup>.  
 वृत्तिद. स सनातनः 6 43<sup>d</sup>.  
 वृत्तिदाता महायशाः 6 47<sup>d</sup>.  
 वृत्तीनामेव यो दाता 5 40<sup>d</sup>.  
 वृत्ते महति तस्थुपः 65. 13<sup>d</sup>.  
 वृत्ते वृत्रवधे तात 32 10<sup>d</sup>.  
 वृत्ते सामासकर्मणि 36 46<sup>b</sup>.  
 वृत्ते स्वयंवरे जग्मुः 89 8<sup>d</sup>.  
 वृत्रहा स्वर्गमुत्तमम् 61 61<sup>d</sup>.  
 वृत्रः क्रोधो विरोचनः 31 75<sup>b</sup>.  
 वृथा एवं स्वर्धसे नित्यं 102 16<sup>d</sup>.  
 वृथारूपसमावृत्तम् 116 23<sup>b</sup>.  
 वृद्धमानकटुं दुर्मिम् 95. 4<sup>d</sup>.  
 वृद्धशर्मा तत परम् 21. 11<sup>d</sup>.  
 वृद्धस्ताल इवारण्ये 67 43<sup>d</sup>.  
 वृद्धानमिसमानिह 66 14<sup>d</sup>.  
 वृद्धाननुपसेव्य च 116 31<sup>b</sup>.  
 वृद्धानामिति शासनम् 15 51<sup>d</sup>.  
 वृद्धानां च विरोधत. 15 53<sup>b</sup>.  
 वृद्धातुद्धृत्य दु. त्वितौ 69 21<sup>b</sup>.  
 वृद्धास्तात यथाश्रयः 86 12<sup>b</sup>.  
 वृद्धिरस्थास्तु शोभना 86 33<sup>b</sup>.  
 वृद्धिश्चापि परस्तात् 84 5<sup>d</sup>.  
 वृद्धौ तत्राग्नापितरौ 69 15<sup>d</sup>.  
 वृन्दशो गोदुःखानि च 60 29<sup>b</sup>.  
 वृन्दावनगवो गोपात् 67. 4<sup>d</sup>.  
 वृन्दावननिधेशाय 53 8<sup>d</sup>.  
 वृन्दावनननुप्राप्ता 53 31<sup>d</sup>.  
 वृन्दावनमितः स्थानम् 53 11<sup>d</sup>.  
 वृन्दावनस्य मध्येन 83 40<sup>d</sup>.  
 वृन्दावने वसत्येकः 44 63<sup>d</sup>.  
 वृषणस्तस्य वंशमारु 23 161<sup>f</sup>.  
 वृषणाहृष्ण्य. सर्वैः 23 162<sup>d</sup>.  
 वृषदंशो जगत्तं च 108 41<sup>d</sup>.  
 वृषपूर्वाधेनायालम् 25 11<sup>d</sup>.  
 वृषपोतावित्रोद्गीता 57 4<sup>d</sup>.



विस्तरेण तथैव च 113 84<sup>d</sup>  
 विस्तरेण तयोधेन 1 12<sup>d</sup> 7 1<sup>b</sup> 10 23<sup>d</sup>  
 13 5<sup>d</sup> 106 2<sup>d</sup>  
 विस्तरेण व्योर्जन्म 4 19<sup>m</sup>  
 विस्तरेण प्रवृत्तय 39 7<sup>b</sup>  
 विस्तरेण मया श्रुतम् 1 8<sup>d</sup>  
 विस्तरेण महात्मन 85 1<sup>b</sup>  
 विस्तरेण महाद्युते 11 14<sup>d</sup> 15 8<sup>b</sup>  
 विस्तरेण यथात्त्वं 39 6<sup>d</sup>  
 विस्तरेणानुपूर्व्यां च 1 14<sup>d</sup> 23 1<sup>a</sup>, 2<sup>a</sup>  
 विस्तरेणैह ताञ्शृणु 27 2<sup>d</sup>  
 विस्तरेणैव चाभिभो 1 10<sup>d</sup>  
 विस्तरेणैव सर्वाणि 30 1<sup>m</sup>  
 विस्तारं यान्ति मित्रगा 54 14<sup>d</sup>  
 विस्तीर्णं सर्वकाञ्चन 94 3<sup>d</sup>  
 विस्पर्धन्नपि कृष्णेन 89 12<sup>m</sup>  
 विस्कारितमहाधनु 108 55<sup>b</sup> 113 19<sup>d</sup>  
 विस्फुरन्त महाबलम् 5 15<sup>b</sup>  
 विस्त्रय च जगाम ह 50 29<sup>d</sup>  
 विस्त्रय समजायत 79 19<sup>d</sup>  
 विस्त्रयोत्फुल्लनयन 106 21<sup>m</sup>  
 विस्त्रयोत्फुल्लोचना 107 72<sup>b</sup>  
 विस्त्रयोत्फुल्लोचना 50 19<sup>b</sup>  
 विस्त्रयो मे महानयम् 50 27<sup>b</sup>  
 विस्त्रयित्सि सागर 43 41<sup>d</sup>  
 विस्त्रितश्चम्बद्राजा 104 25<sup>m</sup>  
 विस्त्रितश्चाभव नृप 103 28<sup>d</sup>  
 विस्त्रित दुर्जय रणे 31 101<sup>b</sup>  
 विस्त्रितानि मनास्वि न 60 5<sup>d</sup>  
 विस्त्रिताश्वैव हृष्टाश्च 99 31<sup>d</sup>  
 विस्त्रितास्तुष्टुवृषोवा 56 41<sup>m</sup>  
 विस्त्रिता स्वानि राष्ट्राणि 100 86<sup>d</sup>  
 विस्त्रितेषु यथायुद्धम् 50 26<sup>b</sup>  
 विस्त्रितोऽमितदक्षिण 70 29<sup>d</sup>  
 विस्त्रितोऽह तत पुन 103 30<sup>d</sup>  
 विस्त्रभो यो न गच्छय 38 77<sup>d</sup>  
 विस्त्रम्बनयनानन 76 7<sup>b</sup>  
 विहरन्ति सा तत्र ह 16 33<sup>d</sup>  
 विहरन्ति सा सुरिण 82 30<sup>d</sup>  
 विहगा कर्मचारिण 16 33<sup>d</sup>  
 विहाय दु प्ताति विमुक्तसह 118 49<sup>d</sup>  
 विहाय मधुरां रम्यां 25 16<sup>d</sup>  
 विहाय शयनोत्तमम् 40 47<sup>b</sup>

विहायतमता रौद्रा 48 33<sup>m</sup>  
 विहाय सहज धैर्यम् 100 51<sup>d</sup>  
 विहायेन गृहे जनम् 77 21<sup>d</sup>  
 विहारभूमिस्तत्रैव 84 29<sup>m</sup>  
 विहित विश्वकर्मणा 93 36<sup>d</sup>, 39<sup>f</sup> 94 21<sup>d</sup>  
 विहित शार्ङ्गधन्वना 110 6<sup>d</sup>  
 विहिता भुवि देहिनाम् 39 14<sup>b</sup>  
 विहिता चासुदेवार्थं 93 59<sup>m</sup>  
 विहिता विश्वकर्मणा 93 61<sup>d</sup>  
 विहितास्तस्य सर्वेश 85 26<sup>b</sup>  
 विहितेषु चपुष्टमा 118 24<sup>d</sup>  
 विहितो विश्वकर्मणा 93 49<sup>b</sup>, 61<sup>d</sup>  
 विहितो विश्वयोनिना 67 57<sup>d</sup>  
 विहितोऽस्य मया मृत्यु 82 21<sup>m</sup>  
 विह्वल समपद्यत 76 31<sup>d</sup>  
 विज्ञानिभैरतर्पभ 82 28<sup>b</sup>  
 वीक्षन्ति स सुरा सर्वे 36 56<sup>d</sup>  
 वीक्षमाणश्च तान्सर्वान् 81 9<sup>m</sup>  
 वीक्षमाण समन्तत 55 39<sup>b</sup>  
 वीक्षमाणो प्रहसितो 71 34<sup>d</sup>  
 वीक्षमाणा वनापि च 58 5<sup>d</sup>  
 वीणासन्नेन धाहुना 100 18<sup>d</sup>  
 वीणा शूरीत्वा महती 44 8<sup>m</sup>  
 वीतराजे तत काले 81 27<sup>m</sup>  
 वीतदोकमयावाथा 96 65<sup>m</sup>  
 वीतदोका वन सर्वे 57 25<sup>d</sup>  
 वीतिदोषा मुक्तासाक्ष 23 159<sup>d</sup>  
 वीथीं मान्यगणानां वै 71 15<sup>d</sup>  
 वीरणस्य प्रजापते 3 5<sup>d</sup>  
 वीरणस्य महात्मन 2 16<sup>b</sup>  
 वीर नैवविधापुत्रान् 99 22<sup>d</sup>  
 वीरपतिन जियेयसे 42 42<sup>d</sup>  
 वीरपत्नीमतमिन्द्र 42 42<sup>m</sup>  
 वीरपत्नयो हते वीर 77 3<sup>d</sup>  
 वीरभोग्यानि राग्यानि 77 50<sup>m</sup>  
 वीरस्वामीश्विराहृत 76 40<sup>d</sup>  
 वीरश्चाधुतुश्चैव 24 32<sup>d</sup>  
 वीरश्चापुम्बतः सुतः 81 44<sup>b</sup>  
 वीरसेनात्मजश्चैव 10 78<sup>d</sup>  
 वीरस्योपपुत्रस्य च 15 65<sup>d</sup>  
 वीर वनापि ना हत 109 4<sup>d</sup>  
 वीरः यश्चजनस्वयं 91 19<sup>d</sup>  
 वीरात्काम्या वृत्तपाठ 2 5<sup>d</sup>

श्रीरुद्रि पर्वतस्तथा 2 25<sup>d</sup>  
 श्रीरिणामित्रघातिना 108 14<sup>d</sup>  
 श्रीरो नीमस्य स्मृत 23 57<sup>d</sup>  
 श्रीरो राज्ञ पुरजय 23 17<sup>b</sup>  
 श्रीरो राज्ञ प्रतर्दन 23 62<sup>b</sup>  
 श्रीरो वातपतिश्चैव 28 33<sup>a</sup>  
 श्रीरौ तावय गुञ्जिमौ 24 32<sup>d</sup>  
 श्रीर्यंतुल्यं महौजस 35 57<sup>d</sup>  
 श्रीर्यंतुल्यं मदावला 95 6<sup>d</sup>  
 श्रीर्यन्तु वलान्वितम् 87 5<sup>d</sup>  
 श्रीर्यन्तो महावला 87 21<sup>d</sup>  
 श्रीर्यन्तो महावथा 23 157<sup>f</sup>  
 श्रीर्यवान्कोऽप्यसौ युवा 108 96<sup>d</sup>  
 श्रीर्यं च शशिपावकी 30 42<sup>d</sup>  
 श्रीर्यं हि सुमहत्तस्य 9 60<sup>a</sup>  
 श्रीर्यास मगधधर 82 19<sup>b</sup>  
 श्रीरुदेव सुनामाया 25 7<sup>a</sup>  
 श्रीरुदेवी व्यनायत 25 7<sup>f</sup>  
 श्रीरुदेव्युपदेवी च 27 27<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्र वृकनेजसम् 2 14<sup>f</sup>  
 श्रीरुद्राणा वृष्णभक्त्यागा 53 4<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्राहुस्तु जज्ञिवान् 10 23<sup>d</sup>  
 श्रीरुद्राश्विपतितानहृद्वा 52 31<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्राशो वृकनिवृत्ति 98 11<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रत्समाद्यते व्रत 52 34<sup>d</sup>  
 श्रीरुद्रैर्विदारयामास 96 40<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रैर्वापादितेत्येव 53 5<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रगम्भीरनिजिड 65 55<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रसुरपात्र्य रामोऽपि 87 42<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रस्य या कृता पृच्छ्वी 2 39<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्राणामिति निमिता 2 41<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्राणा वरवर्गिनी 2 40<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रं क्षुपलताकुलै 55 53<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रिनीवामहायसा 26 1<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रोऽप्यासुर काङ्क्षितम् 112 124<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्राना भरतर्षम 21 17<sup>d</sup>  
 श्रीरुद्र एतमभवद्गुम् 2 35<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्र ससुपसेऽने 57 12<sup>d</sup>  
 श्रीरुद्र सर्वे सुरैस्तथा 31 39<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रो द्रवगणे सर्वे 91 28<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रोऽप्यै सन्निवे सर्वे 70 24<sup>a</sup>  
 श्रीरुद्रो व प्रसमवाद् 47 20<sup>b</sup>  
 श्रीरुद्रवृत्तसमुद्भितै 59 43<sup>b</sup>

वृत्तवाहुर्गैदाशुज 109 84<sup>b</sup>  
 वृत्तस्य च कुलस्य च 78 31<sup>b</sup>  
 वृत्तस्य च बलस्य च 58 34<sup>d</sup>  
 वृत्त भागते हृदे 70 34<sup>d</sup>  
 वृत्त पद्पदपद्मीमि 55 7<sup>a</sup>  
 वृत्तातो वृत्तिमस्त्वपि 115 43<sup>d</sup>  
 वृत्ताभ्यामुपशोभित 63 23<sup>d</sup>  
 वृत्ता वर्तन्त एव च 42 50<sup>b</sup>  
 वृत्तिद् स सनाता 6 43<sup>d</sup>  
 वृत्तिदाता महायशा 6 47<sup>d</sup>  
 वृत्तीनामेप वो दाता 5 40<sup>a</sup>  
 वृत्त महति तस्त्पुप 65 13<sup>d</sup>  
 वृत्ते वृत्रयधे तात 32 10<sup>a</sup>  
 वृत्ते सप्रानकर्मणि 36 46<sup>b</sup>  
 वृत्ते स्वयन्त्रे तस्मु 89 8<sup>a</sup>  
 वृत्रहा स्वर्गमुत्तमम् 61 61<sup>d</sup>  
 वृत्र क्रोधो विरोचन 31 75<sup>b</sup>  
 वृथा त्व स्वर्धसे नित्य 102 16<sup>a</sup>  
 वृथारूपसमावृतम् 116 23<sup>b</sup>  
 वृद्धमानकृदुडुमिम् 95 4<sup>d</sup>  
 वृद्धदामा तत परम् 21 11<sup>d</sup>  
 वृद्धस्ताल इवारण्ये 67 43<sup>a</sup>  
 वृद्धानमिसमानिद 66 14<sup>b</sup>  
 वृद्धाननुपसेय च 116 31<sup>b</sup>  
 वृद्धानामित रासनम् 15 51<sup>d</sup>  
 वृद्धाना च विशेषत 15 53<sup>b</sup>  
 वृद्धानुसृत्य दु खितौ 69 21<sup>b</sup>  
 वृद्धान्नात यथाश्रय 66 12<sup>b</sup>  
 वृद्धिरस्त्वसु गोभना 86 33<sup>b</sup>  
 वृद्धिश्चापि परास्वाक 8+ 5<sup>a</sup>  
 वृद्धौ तत्राभ्यापितरौ 69 16<sup>a</sup>  
 वृन्दशो गोऽनुजानि च 60 29<sup>b</sup>  
 वृन्दावनगवो गोपात् 67 4<sup>a</sup>  
 वृन्दावननिवेशाय 53 8<sup>a</sup>  
 वृन्दावनमनुभासा 53 31<sup>a</sup>  
 वृन्दावनमित स्थानात् 53 11<sup>b</sup>  
 वृन्दावनस्य मन्थेन 83 40<sup>a</sup>  
 वृन्दावने वसत्येक 44 68<sup>a</sup>  
 वृषगस्तस्य वनभाक् 23 151<sup>f</sup>  
 वृषणाहुष्यय सर्वे 23 152<sup>a</sup>  
 वृषदशो तर्गा च 106 41<sup>d</sup>  
 वृषपूर्वाधिकायास्तम् 25 11<sup>a</sup>  
 वृषपोताशिवोद्भवौ

शुभप्रभृतयो राजन् 23 161<sup>d</sup>  
 शुभभागां च गर्जिते 60 14<sup>d</sup>  
 शुभबुद्ध विना केन 50 15<sup>d</sup>  
 शुभ प्रतिशुपोपम 64 16<sup>d</sup>  
 शुभाकृषिश्च नाभुश्च 3 43<sup>d</sup>  
 शुभाणां शृष्टपादपम् 49 18<sup>d</sup>  
 शुभाणां जातरागाणां 63 16<sup>d</sup>  
 श्रुतेष्वेव महाशुभ 64 17<sup>d</sup>  
 श्रुतौ चशशरस्त्र 23 161<sup>d</sup>  
 श्रुष्टिमन्तो यलाहकान् 36 51<sup>d</sup>  
 श्रुष्टिमन्तो बलाहका 59 11<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयश्चान्धकाश्च 89 51<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयस्ते च पार्थिवा 82 22<sup>d</sup>  
 श्रुष्णय कुरुदाहूल 82 26<sup>d</sup>  
 श्रुष्णय पाण्डवास्तथा 1 11<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयो जज्ञिरे नृप 87 11<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयोऽपि जरासध 88 29<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयोऽपि महापात्र 89 53<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयो भरतरंभ 82 29<sup>d</sup> 84 19<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयो मन्त्रमुत्तमम् 84 10<sup>d</sup>  
 श्रुष्णयो हृतसकल्पा 102 13<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिचक्रप्रतापिता 85 27<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिभिर्भरतरंभ 69 52<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिभि सह योधाना 81 95<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिभि सहितोऽच्युत 94 22<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिभोजिश्च सर्वेश 104 2<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिभ्य प्रणिधाय च 87 40<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिवशाप्रसङ्गेन 7 56<sup>d</sup> 19 35<sup>d</sup> 23 2<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिवशो समुत्पन्ना 43 72<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिवीरा महारथा 87 51<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिशत्रु महाबलम् 87 23<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिसन्ननि पूजिता 96 13<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिसिद्धा महारथा 82 30<sup>d</sup>  
 श्रुष्णिसिद्धो महारथ 98 5<sup>d</sup>  
 श्रुष्णि च यदुनन्दनम् 27 2<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोन्ध्यान्सस्वजे च 91 30<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोनामन्धकानां च 85 7<sup>d</sup>, 11<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोनाथास्त्य चैव ह 85 36<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोना कुलपथेन 24 2<sup>d</sup>  
 श्रुष्णीनां च स्यात्तमम् 30 55<sup>d</sup>  
 श्रुष्णीनां तद्विप्रैषिणा 87 23<sup>d</sup>  
 श्रुष्णीनां यदात्तादित 1 6<sup>d</sup>  
 श्रुष्णोऽष्टविप्रमेतं तु 24 35<sup>d</sup>

श्रुष्ण्यन्धककुल तस्य 25 13<sup>d</sup> 85 16<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धककुलान्वया 13 49<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकगणै सह 91 29<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकनिवेशनम् 92 13<sup>d</sup>, 15<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकनिवेशने 25 14<sup>d</sup> 28 13<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकमय महत् 85 25<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकमहारथा 1 0<sup>d</sup> 78 46<sup>d</sup> 101 17<sup>d</sup>  
 102 6<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकमहारथै 29 29<sup>d</sup>  
 श्रुष्ण्यन्धकेषु चाप्येषु 87 48<sup>d</sup>  
 श्रेयगम्भीरवक्राङ्गी 83 36<sup>d</sup>  
 श्रेयवक्रानुगामिनी 83 34<sup>d</sup>  
 श्रेयवद्भूरी शोणितम् 74 35<sup>d</sup>  
 श्रेयवान्हेतुमानुम 31 70<sup>d</sup>  
 श्रेयगत्पवैणि वधित 43 30<sup>d</sup>  
 श्रेयेन वासुदेवस्य 67 42<sup>d</sup>  
 श्रेयेनात्मने हेतुमान् 67 8<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिद्र्ये यतमान् 97 20<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिद्र्ये सह 81 104<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिद्र्याधी 89 17<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिश्च वीर्यवान् 88 4<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिश्च सत्तर्भ 88 11<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिं नराधिपम् 87 6<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिं श्रुतर्वां च 80 12<sup>d</sup>  
 श्रेयुदारिर्ष्वत्र छिन्वा 88 13<sup>d</sup>  
 श्रेयुभेरीशृङ्गाना 81 91<sup>d</sup>  
 श्रेयुमहै समन्तत 93 20<sup>d</sup>  
 श्रेयुमन्त हठाषष्ठ 109 35<sup>d</sup>  
 श्रेयुवीणाशृङ्गैश्च 107 4<sup>d</sup>  
 श्रेयुनां च श्रुधे प्वनित् 87 77<sup>d</sup>  
 श्रेयुनां चैव सत्तर्भ 61 12<sup>d</sup>  
 श्रेयुमिच्छामि त प्रभो 104 16<sup>d</sup>  
 श्रेयु भाग्निं युगते 107 61<sup>d</sup>  
 श्रेयस्ते मा यथातथ 104 18<sup>d</sup>  
 श्रेयस्तेन कर्मणा 38 70<sup>d</sup>  
 यदस्तेन विधिना 4 16<sup>d</sup>  
 श्रेयधर्मानतिशय 5 4<sup>d</sup>  
 श्रेयधर्माश्च साधनाः 11 24<sup>d</sup>  
 श्रेयदादो यूपवह 31 32<sup>d</sup>  
 श्रेयदादुर्बुधम् 7 29<sup>d</sup>  
 श्रेयं निष्वाभिगारात् 28 45<sup>d</sup>  
 श्रेयविशिष्टिर्जरेत् 31 92<sup>d</sup>  
 यद् विष्णुं विजामह 39 11<sup>d</sup>

वेदवेदाङ्गपारगै 6 43<sup>१</sup> 109 86<sup>१</sup>  
 वेदवेदाङ्गपारगै 18 16<sup>१</sup>  
 वेदवतपरायणा 43 73<sup>१</sup>  
 वेदश्रुतिसमाहितम् 31 20<sup>१</sup>, 150<sup>१</sup>  
 वेदाङ्गश्रुतिभूषण 31 23<sup>१</sup>  
 वेदात्मान च सुस्थिरम् 44 39<sup>१</sup>  
 वेदाध्ययनसपञ्चा 18 25<sup>१</sup>  
 वेदानधीत्य दीक्षाभि 41 10<sup>१</sup>  
 वेदानुचैरधीयिरे 32 38<sup>१</sup>  
 वेदाना च परा गति 100 72<sup>१</sup>  
 वेदाना च प्रतिक्रिया 117 50<sup>१</sup>  
 वेदान्यै समुपस्थित 100 68<sup>१</sup>  
 वेदा मामभित स्थिता 100 71<sup>१</sup>  
 वेदायै इति व विदु 117 47<sup>१</sup>  
 वेदायांना विवक्ष्व 65 16<sup>१</sup>  
 वेदान्ना चायंदिक्षिन 100 65<sup>१</sup>  
 वेदिस्फन्धो हविर्गन्ध 31 26<sup>१</sup>  
 वेदि दीक्षा घरु स्रुवम् 31 5<sup>१</sup>  
 वेदीहोत्रे तथाहुति 118 37<sup>१</sup>  
 वेदीं चैव हुतान्श्रुवम् 30 21<sup>१</sup>  
 वेदेषु स पुराणेषु 7 49<sup>१</sup>  
 वेदोक्तमपरे जना 117 7<sup>१</sup>  
 वेदो धर्म क्षमा सत्य 38 1<sup>१</sup>  
 वेदोपस्थानिका चक्रे 100 67<sup>१</sup>  
 वेद्यो यो वेदविदुषा 30 35<sup>१</sup>  
 वेनक मपसभयाद् 5 18<sup>१</sup>  
 वेनमेक व्यज्रापत 2 19<sup>१</sup>  
 वेनश्च त्रिविध सयौ 5 23<sup>१</sup>  
 वेनस्य पाणौ मथिते 2 20<sup>१</sup>  
 वेनस्य मथित पुरा 4 22<sup>१</sup>  
 वेनः काहात्मजात्मन 5 3<sup>१</sup>  
 वेन प्रदस्य दुवुदि 5 11<sup>१</sup>  
 वेमरुस्य तु भाया सम् 114 16<sup>१</sup>  
 वेमवया स तु पुत्रोभूत् 114 16<sup>१</sup>  
 वम् रक्त प्रणैर्षु 35 9<sup>१</sup>  
 वेष्टामासाद्य पश्चिमात् 43 15<sup>१</sup>  
 वेष्टामिन् महोदधे 60 9<sup>१</sup>  
 वेष्टावनविचारिण्य 113 7<sup>१</sup>  
 वेष्टासमीपेऽपहृत 10 47<sup>१</sup>  
 वेष्टेव दुरतिक्रमा 115 27<sup>१</sup>  
 वेष्टमानि जहने दृष्ट्वा 93 30<sup>१</sup>  
 वेष्टमोक्तमपनाथिता 86 47<sup>१</sup>  
 वेष्टान्यत्वं चकार ह 10 41<sup>१</sup>

वेपेण वपुषा चैव 60 8<sup>१</sup>  
 वेपेणालहृत प्रभु 83 3<sup>१</sup>  
 वेष्टमान समाक्षित 76 34<sup>१</sup>  
 वेष्टयन्ति स्म तान्घोरान् 36 13<sup>१</sup>  
 वेष्टयित्वा तनु स्थिता 113 1<sup>१</sup>  
 वेष्टितो बहुधा तस्य 108 83<sup>१</sup>  
 वेष्टुपठय च देवेषु 32 1<sup>१</sup>  
 वेष्टुपठय क्रमाद्दे 38 34<sup>१</sup>  
 वेष्टुपठय दिवौकसाम् 38 9<sup>१</sup>  
 वेष्टुपठ किं चकार ह 39 1<sup>१</sup>  
 वेष्टिप्रवीर्यौ द्वावेव 43 50<sup>१</sup>  
 वैज्रयन्तोऽचलो महान् 93 54<sup>१</sup>  
 वैदर्भं सोमकल्पाया 81 40<sup>१</sup>  
 वैदर्भी वरयानास 89 5<sup>१</sup>  
 वैदर्भ्यां राजसत्तम 98 19<sup>१</sup>  
 वैदिक लौकिक चैव 41 11<sup>१</sup>  
 वैदिका लौकिकाश्च या 40 21<sup>१</sup>  
 वैदिषो वामदेवश्च 81 45<sup>१</sup>  
 वैद्व्यंपत्रैर्नैलजै 93 21<sup>१</sup>  
 वैद्व्यंमणिवर्णान् 93 47<sup>१</sup>  
 वैद्व्यस्य च सचयान् 92 3<sup>१</sup>  
 वैधय्य स्त्रीसदृशाणा 78 4<sup>१</sup>  
 वैध-येनाभिभूता स्म 77 15<sup>१</sup>  
 वैधसो मातृवर्तां च 16 19<sup>१</sup>  
 वैनतेय इवोरगम् 74 36<sup>१</sup>  
 वैनतेयगतो राम 110 46<sup>१</sup>  
 वैनतेयभयादिप्र 45 7<sup>१</sup>  
 वैनतेयसमारूढ 112 51<sup>१</sup>  
 वैनतेयसमासीन 113 49<sup>१</sup>  
 वैनतेयस्त वृत् 112 78<sup>१</sup>  
 वैनतेयस्ततो बली 110 16<sup>१</sup>  
 वैनतेयस्यमस्तम् 112 16<sup>१</sup>  
 वैनतेयस्य भद्र नै 110 3<sup>१</sup>  
 वैनतेय समाख्य 92 62<sup>१</sup> 112 1<sup>१</sup> 113 54<sup>१</sup>  
 वैनतेय प्रतापवान् 109 80<sup>१</sup> 110 54<sup>१</sup>  
 वैनतेयोऽन्तरिक्ष 91 36<sup>१</sup>  
 वैन्यमेवाव्यवद्यत 5 46<sup>१</sup>  
 वैन्यात्प्रभृति राजेद् 6 11<sup>१</sup>  
 वैभ्राजमिति लह्नम् 18 12<sup>१</sup>  
 वैभ्राजमिति शब्दिपठम् 18 12<sup>१</sup>  
 वैभ्राजा नाम ते लोका 13 41<sup>१</sup>  
 वैरज दिव्यमत्रैतम् 66 18<sup>१</sup>  
 वैरण्यामित न धृतम् 3 23<sup>१</sup>

वैरण्यामेव पुत्राणा 3 18°  
 वैरण्या चाक्षुषो मनुम् 2 16°  
 वैरण्या पञ्च वीर्यवाम् 3 8°  
 वैरनिर्यातन प्रति 109 45°  
 वैरस्य च समुत्थान 89 52°  
 वैरस्यान्त महाराज 23 65°  
 वैरस्यान्त विधित्सस्तु 85 36°  
 वैर तदपहाय स 89 12°  
 वैराजस्य प्रजापते 2 16° 4 11°  
 वैराज प्रहसदन 31 47°  
 वैराजा इति विश्रुता 13 8°  
 वैराजासुरपाद्री 2 5°  
 वैरिकेलिक्लिखो विप्र 44 11°  
 वैरुष्यमङ्गज किञ्चित् 112 127°  
 वैरोचनिश्च दैत्येन्द्र 38 67°  
 वैवर्षाद्द्वयाभिसपीडा 117 4°  
 वैवस्वतपथे स्थिते 64 10°  
 वैवस्वतपुर सरम् 34 48°  
 वैवस्वतश्च कौरव्य 7 4°  
 वैवस्वत पित्रुणा च 4 5°  
 वैवस्वताय मनवे 4 17°  
 वैवस्वते तु महति 3 90°  
 वैवस्वतेऽन्तरे ते वै 3 52°  
 वैशापायन कीर्तय 3 1° 4 19°, 21° 7 1°  
 वैशापायनभाषितम् 113 83°  
 वैशापायनमश्वती 1 7°  
 वैशाखे मासि भामिनीम् 107 19°  
 वैशाखे मासि यो तिथि 107 41°  
 वैशाखे मासि हर्म्यस्या 107 15°  
 वैश्यवृत्तिमनुष्ठिते 6 47°  
 वैश्याचाराश्च रात्र्या 116 27°  
 वैश्वैरपि च वित्ताऽऽ 6 47°  
 वैश्वी प्राङ्गणता गतौ 9 36°  
 वैश्वारसुते उभे 3 72°  
 वैश्वानर पुलोमा च 3 69°  
 वैष्णव कर्मे बुर्वाय 40 25°  
 वैष्णव पद्मन्विच्छन् 38 3°  
 वैष्णव शत्रुमर्दनम् 113 24°  
 वैष्णवाख्यस्य शम्भे 113 26°  
 वैष्णवाख्ये विमुक्ते तु 112 27°  
 वैष्णवी विश्वमेणा 86 44°  
 वैष्णवे तु महावीर्ये 113 27°  
 वीहस्या युगवेनेय 62 85°

व्यक्तकिङ्कसातोस्तेषु 94 6°  
 व्यक्तमेव वय गोपा 56 45°  
 व्यक्तमेवानुगृह्यते 58 35°  
 व्यक्तसज्जनोद्देश 93 41°  
 व्यक्त किङ्कसातो सेध 93 67°  
 व्यक्त वृष्णिङ्कमारोज्य 99 38°  
 व्यक्ताव्यक्ता च भारत 104 10°  
 व्यक्तीकृतश्च शब्द स 28 25°  
 व्यक्तीणाद्गोशतेन वै 9 97°  
 व्यगाहन्त युषा वरा 81 78°  
 व्यग्राम्या दण्डरज्जुभि 55 5°  
 व्यग्राम्या तु ययोदाया 51 14°  
 व्यग्रभूत कुलस्यास्य 78 34°  
 व्यग्र शल्यश्च यलिनौ 3 77°  
 व्यजायत महाबाहु 10 35°  
 व्यतिक्रमातिप्रवृणा च 13 38°  
 व्यतिवातौ स्य चार्पिकौ 59 1°  
 व्यतिपत्तरथद्विपम् 81 52°  
 व्यतिष्ठत च कौटवी 112 49°  
 व्यथित स नराधिप 88 12°  
 व्यद्भवन्त नराधिप 88 26°  
 व्यपयातो ननार्दन 85 6°  
 व्यभक्तपञ्चपा राजा 22 15°  
 व्यभिचारप्रथर्षितान् 17 5°  
 व्यभिचारव्यतिक्रमे 73 27°  
 व्यभिचारात्त दुप्यन्ति 73 26°  
 व्यभिचारिण ते देवि 107 33°  
 व्यभिचारो हि व हृत 12 24°  
 व्यरान्त यदुभ्रष्ट 100 12°  
 व्यराजत्तत्र सुप्रभ 93 52°  
 व्यवर्धत गवां मज्जे 50 3°  
 व्यवर्धत च पेगेन 38 35°  
 व्यवर्धता महातेजा 37 1°  
 व्यवर्धत समुद्रैषि 37 37°  
 व्यवस्थान च धमपु 11 22°  
 व्यवहारपराङ्मया 117 40°  
 व्यवहारोपवृत्ताश्च 117 17°  
 व्यसीदत समन्तत 61 39°  
 व्यसनेषु जघन्यस्य 14 31°  
 व्याहोषेण विलम्बितम् 70 35°  
 व्याकथान्त उरुराजप 27 30°  
 व्यापयानु रथमिहाहंसि 2 52°  
 व्याग्राम्भीरनिर्घोषा 50 21°

व्याघ्रयोपमहाधोप 53 14<sup>१</sup>  
 व्याघ्रतुल्यपराक्रमे 52 36<sup>१</sup>  
 व्याघ्राश्र भस्मिनां वरा 59 25<sup>१</sup>  
 व्याघ्रद्वार यथान्यायम् 107 47<sup>१</sup>  
 व्याघ्रद्वार स्वरेण तम् 62 10<sup>१</sup>  
 व्याघ्रानन ह्रवान्तक 57 16<sup>१</sup>  
 व्यादितास्वमिवान्तकम् 108 44<sup>१</sup>  
 व्यादितास्वस्य यो भूत्स्यो 109 6<sup>१</sup>  
 व्यादितास्यान्तक्रोपमम् 112 26<sup>१</sup>  
 व्यादिदेशा रणे धूरान् 108 34<sup>१</sup>  
 व्यादिश्यन्ता चरा नृप 109 33<sup>१</sup>  
 व्यादिष्ट तस्य निग्रहे 108 35<sup>१</sup>  
 व्यादिष्ट भीमकर्मणा 108 14<sup>१</sup>  
 व्यादिष्ट शूलपाणिना 106 22<sup>१</sup>  
 व्यादिष्ट स कथ ज्ञेय 107 46<sup>१</sup>  
 व्यादेष्टुमुपचक्रमे 4 1<sup>१</sup>  
 व्याधा परमधार्मिका 16 19<sup>१</sup>  
 व्याधिसृष्टुमय चैव 47 55<sup>१</sup>  
 व्याधि न चाप्नोति चिर च वन्धन 118 46<sup>१</sup>  
 व्यानो व्यावच्छते येन 30 49<sup>१</sup>  
 व्यास सद्गीसलोचनै 108 36<sup>१</sup>  
 व्यासुन्तो दिशो दत्ता 38 35<sup>१</sup>  
 व्याभुम इव धर्मान्ते 67 38<sup>१</sup>  
 व्यापत बहुसाइल 33 16<sup>१</sup>  
 व्यापतोदमत्तुरगौ 81 15<sup>१</sup>  
 व्यापाम सक्रिया बलम् 75 20<sup>१</sup>  
 व्यावतत नदी भीता 83 33<sup>१</sup>  
 व्यावर्तमान सुमद्वर 65 19<sup>१</sup>  
 व्याविध्यमाने शक्रे तु 112 49<sup>१</sup>  
 व्याविध्यमाने तु तदा 111 6<sup>१</sup>  
 व्यावृत्तदह स गिरि 61 43<sup>१</sup>  
 व्यासशिष्येण धीमता 115 1<sup>१</sup>  
 व्यासाद्वरण्या सभूत 13 45<sup>१</sup>  
 व्याहरन्ति खर द्विजा 66 25<sup>१</sup>  
 व्याहरन्ति अयाद्विता 61 20<sup>१</sup>  
 व्याहरन्ती पुन पुन 50 21<sup>१</sup>  
 व्याहरन्तो शृगद्विजा 66 28<sup>१</sup>  
 व्याहर्तुमुपचक्रमे 70 28<sup>१</sup>  
 व्याहृत भयता स्वयम् 11 29<sup>१</sup>  
 व्याहृत सद्गिरिस्थम् 35 45<sup>१</sup>  
 व्युरियतस्य तु सेदिन्या 44 79<sup>१</sup>  
 व्युरिधत पवनरित 100 46<sup>१</sup>  
 व्युरिधता वनितामिच 83 32<sup>१</sup>

व्युपारमना युद्धानि 82 11<sup>१</sup>  
 व्यूढानीका प्रदारिण 81 51<sup>१</sup>  
 व्यूढोरस्कां मदावाहू 96 49<sup>१</sup>  
 व्यूहस्य पक्ष ते सव्य 81 103<sup>१</sup>  
 व्यूहस्यार्धं समासेदु 81 104<sup>१</sup>  
 व्यूह च परिधात्रताम् 37 4<sup>१</sup>  
 व्यूहानामुत्तमा मार्गा 93 29<sup>१</sup>  
 व्यूहितो दानवैर्व्यूहै 33 18<sup>१</sup>  
 व्रजनिर्वाणभूमिषु 70 4<sup>१</sup>  
 व्रजमात्रमनुत्सो तु 59 2<sup>१</sup>  
 व्रजमेव जगाम ह 54 41<sup>१</sup>  
 व्रजमेव यशोदया 49 2<sup>१</sup>  
 व्रजमेव विवेश ह 67 68<sup>१</sup>  
 व्रजरथ्यासु वीर्यवान् 63 16<sup>१</sup>  
 व्रजरासौ वनेचरो 65 88<sup>१</sup>  
 व्रास्य च निवेशाय 53 7<sup>१</sup>  
 व्रजस्योत्तरतल्लय 55 46<sup>१</sup>  
 व्रजस्योत्थापन चक्रु 53 6<sup>१</sup>  
 व्रज गता सुप्त चेर 63 29<sup>१</sup>  
 व्रजाम मेरुशिखर 41 32<sup>१</sup>  
 व्रजाम सद् गोधनै 53 3<sup>१</sup>  
 व्रजामोऽप्यनमद्वहनम् 53 2<sup>१</sup>  
 व्रजे गोपालकायुनौ 72 18<sup>१</sup>  
 व्रजे च परिवधिता 84 9<sup>१</sup>  
 व्रजे रासोऽभवन्महान् 52 31<sup>१</sup>  
 व्रजे शुभ्राण रोहिणीम् 49 1<sup>१</sup>  
 व्रजे शुभ्रचतुस्रदा 59 2<sup>१</sup>  
 व्रजेषु च त्रिदोषेण 59 55<sup>१</sup>  
 व्रजे सख्योपवाचितौ 51 22<sup>१</sup>  
 व्रजेऽस्मिन्गोपव्रज च 55 56<sup>१</sup>  
 व्रजे निष्पन्दचेष्ट स 52 36<sup>१</sup>  
 व्रजापभोग्या च शुभा 55 55<sup>१</sup>  
 व्रतचर्या समाहित 23 104<sup>१</sup>  
 व्रतमुक्त तपस्विनाम् 35 44<sup>१</sup>  
 व्रतलोपो न विद्यते 107 33<sup>१</sup>  
 व्रतवन्तस्तदाभवन् 16 5<sup>१</sup>  
 व्रतिनी च व्रजता 28 34<sup>१</sup>  
 व्रतेन व्रतिना वर 40 9<sup>१</sup>  
 व्रतैरपि सुदुर्ब्रै 35 38<sup>१</sup>  
 व्रतोपवासस्तम्बद्वय 92 27<sup>१</sup>  
 व्रीडित प्रत्यभापत 48 37<sup>१</sup>  
 व्रीडित शोक्रमत्स 102 19<sup>१</sup>  
 व्रीडिता दीनचेतना 19 5<sup>१</sup>

श्रीद्विताधोमुखं व तु 78 39<sup>a</sup>  
श्रीद्विता विमिताश्वेच 56 20<sup>a</sup>  
श्रीद्वितेव मनस्विनी 8 13<sup>a</sup>  
श्रीद्वितोऽस्मि नराधिप 101 15<sup>a</sup>

श

शकटस्य स्वध सुस 50 4<sup>a</sup>  
शकटं चक्रमालि वै 50 13<sup>a</sup>  
शकट परिवर्तिवम् 50 9<sup>a</sup>  
शकट पर्यवर्तयत् 50 6<sup>a</sup>  
शकट पातित भुवि 50 16<sup>a</sup>  
शकटं वायुना विना 50 8<sup>a</sup>  
शकटान्तरचारिणा 96 30<sup>a</sup>  
शकटारोपित बहु 70 6<sup>a</sup>  
शकटावर्तपर्यन्त 53 21<sup>a</sup>  
शकटावर्तविपुल 49 22<sup>a</sup>  
शकटीसकटस्तु स 53 14<sup>a</sup>  
शकटे च विलोदिते 15 10<sup>a</sup>  
शकटे परिवर्तिते 53 24<sup>a</sup>  
शकटौघेन भास्वता 53 18<sup>a</sup>  
शकाना पद्मवाना च 10 27<sup>a</sup>  
शका यवनकाम्बोजा 10 44<sup>a</sup>  
शकास्तुपारा दरदा 85 19<sup>a</sup>  
शकुना नामत स्मृवा 16 29<sup>a</sup>  
शकुनिप्रमुखास्तस्य 9 40<sup>a</sup>  
शकुनिभ्यस्तयैश्च च 49 11<sup>a</sup>  
शकुनिस्तस्य चात्मज 26 23<sup>a</sup>  
शकुनि निहता भूमौ 50 24<sup>a</sup>  
शकुनि प्रथद्वयत 50 20<sup>a</sup>  
शकुनीवेपधारिणी 96 30<sup>a</sup>  
शकुन्तलाया भरत 23 49<sup>a</sup>  
शकुदिग्धाङ्गमूर्ध्जौ 51 9<sup>a</sup>  
शङ्खमूत्रं समुत्सृजत् 67 37<sup>a</sup>  
शङ्खमूत्रपु तेष्वेव 52 19<sup>a</sup>  
शङ्खमूत्रोपलिसङ्ग 64 4<sup>a</sup>  
शकै साधे विद्या पते 10 30<sup>a</sup>  
शक्तस्त्वमसि भाषिन् 67 59<sup>a</sup>  
शक्तः प्रसहितु देग 40 28<sup>a</sup>  
शक्तिचर्मसिपाणय 87 75<sup>a</sup>  
शक्तिविद्य हलोदम 32 25<sup>a</sup>  
शक्ति जगद् काञ्चनीम् 112 49<sup>a</sup>  
शक्ति प्रज्वलिता दृष्टा 112 45<sup>a</sup>  
शक्ति पाणस्तत इद 108 71<sup>a</sup>  
शक्ता दानुं समागम्य 106 61<sup>a</sup>

शक्तेऽपि न जहार स 28 14<sup>a</sup>  
शक्तेऽपि शास्त्राद्दर्शिक्य 29 13<sup>a</sup>  
शक्तो वै प्रमुखे स्यात् 113 4<sup>a</sup>  
शक्तो ह्यसि महामते 86 29<sup>a</sup>  
शक्तःपृष्टिप्रासबाणौघान् 81 101<sup>a</sup>  
शक्तोति प्रसमीक्षितुम् 41 4<sup>a</sup>  
शक्तयेत यदि रक्षितुम् 101 16<sup>a</sup>  
शक्तयोऽप्य मयुसूदन 97 38<sup>a</sup>  
शक्तगोपकुलानि च 54 8<sup>a</sup>  
शक्तगोपविभूषिता 73 17<sup>a</sup>  
शक्तगोपाङ्गवामोपे 68 4<sup>a</sup>  
शक्तचापविभूषिता 61 9<sup>a</sup>  
शक्तचापाङ्कितोद्गा 54 3<sup>a</sup>  
शक्तचापायते पङ्क्ति 53 16<sup>a</sup>  
शक्तचापासुधधर 54 35<sup>a</sup>  
शक्ततुल्यपराक्रम 23 34<sup>a</sup> 24 23<sup>a</sup> 108 90<sup>a</sup>  
शक्तवज्रसरोत्तरेव 108 53<sup>a</sup>  
शक्तलोके च सप्तिका 45 10<sup>a</sup>  
शक्तलोके महीक्षिताम् 67 62<sup>a</sup>  
शक्तसद्य समासाद्य 92 49<sup>a</sup>  
शक्तश्चिदशवर्धन 36 3<sup>a</sup>  
शक्तस्य दयित द्विजम् 100 41<sup>a</sup>  
शक्तस्य पवनस्य च 44 2<sup>a</sup>  
शक्तस्य घचन श्रुत्वा 62 89<sup>a</sup>  
शक्तस्वेवामरावती 86 6<sup>a</sup>  
शक्त च यो दैत्यगणावरद 30 19<sup>a</sup>  
शक्त द्ववगण इव 79 37<sup>a</sup>  
शक्त स श्रीद्वितोऽभवत् 62 6<sup>a</sup>  
शक्ताणा सदस्य हरि 110 2<sup>a</sup>  
शक्तापि महत्तरा 38 66<sup>a</sup>  
शक्तापिरमरुद्वैत 113 44<sup>a</sup>  
शक्ताय सुमहात्मने 38 63<sup>a</sup>  
शक्तासान्निहमादत् 106 39<sup>a</sup>  
शक्तासान्निहमादत् 106 41<sup>a</sup>  
शक्ते जयति देवेभ्यो 41 3<sup>a</sup>  
शक्तो गोवि दमप्ययम् 62 67<sup>a</sup>  
शक्तो दिव्या पयस्यला 59 12<sup>a</sup>  
शक्तो दैत्यवर्कं घोरं 35 12<sup>a</sup>  
शक्तोऽर्धं यथापरा 100 5<sup>a</sup>  
शक्तो भूदरिपथर 59 18<sup>a</sup>  
शक्तो वा मरुतां वरः 65 43<sup>a</sup>  
शक्त्यगीतेवमुत्सृज 101 15<sup>a</sup>  
शङ्खनीया महीक्षिताम् 44 63<sup>a</sup>

शङ्कमानस्ततो भयम् 65 1<sup>d</sup>  
 शङ्कितं धामवत्पथात् 73 19<sup>d</sup>  
 शङ्कितानि मनसि न 63 6<sup>d</sup>  
 शङ्कितं रिपव कृता 78 19<sup>b</sup>  
 शङ्कितं सर्वपाथिंवा 83 13<sup>d</sup>  
 शङ्कण्यो महास्वन 31 73<sup>b</sup>  
 शङ्खचक्रगदाधरम् 32 25<sup>b</sup> 38 3<sup>b</sup>  
 शङ्खचक्रगदाधर 110 53<sup>b</sup> 112 60<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदापाणि 94 11<sup>d</sup>  
 शङ्खचक्रगदासिन्धुत् 91 21<sup>b</sup>, 89<sup>b</sup> 92 33<sup>b</sup>  
 97 4<sup>d</sup>, 19<sup>b</sup>  
 शङ्खमाह्वयतोपेन्द्र 86 55<sup>d</sup>  
 शङ्खसुकृद्गदधर 34 12<sup>d</sup>  
 शङ्खसुकामलस्तु 43 19<sup>d</sup>  
 शङ्खश्च शङ्खपालश्च 3 89<sup>d</sup>  
 शङ्खस्वगपुरीजवम् 106 29<sup>b</sup>  
 शङ्ख गुणकमुत्तमम् 86 59<sup>b</sup>  
 शङ्ख विवास्व वामत 110 5<sup>d</sup>  
 शङ्ख छेमे जनादेन 79 16<sup>b</sup>  
 शङ्खाना च महास्वने 109 63<sup>b</sup> 110 1<sup>b</sup>  
 शङ्खाना च सहस्रश 81 91<sup>b</sup>  
 शङ्खादभ्युश्च नैकरा 37 24<sup>b</sup>  
 शङ्ख क्षीरमिवाद्दिलन् 115 12<sup>d</sup>  
 शचीमर्ता सुरेश्वर 107 26<sup>b</sup>  
 शतप्रभो क मपविप्रमोक्षण 118 44<sup>d</sup>  
 शतश्रीचक्रहस्ताश्च 31 78<sup>d</sup>  
 शतश्रीमिस्त्रयं च 37 11<sup>b</sup>  
 शतशुभ्रे च वेदाव 87 46<sup>d</sup>  
 शतशुभ्रे विदूरथ 81 99<sup>b</sup>  
 शतधन्या च दुर्जय 97 5<sup>d</sup>  
 शतधन्या ततोऽदूरम् 29 12<sup>d</sup>  
 शतधन्या तु मध्यम 28 5<sup>d</sup>  
 शतधन्यानमच्युत 29 19<sup>b</sup>  
 शतध्वानमादेयत् 29 16<sup>d</sup>  
 शतधन्या महायत् 29 3<sup>b</sup>  
 शतधन्या विदूरथ 81 42<sup>b</sup>  
 शतप्रसवत सुत 26 9<sup>d</sup>  
 शतप्रसूतिमिच्छन्वै 26 3<sup>b</sup>, 9<sup>d</sup>  
 शतप्रहरणोदम् 36 49<sup>d</sup>  
 शतप्रदाभ्यव्यापरे 52 32<sup>d</sup>  
 शतशानु शतानन 36 49<sup>d</sup>  
 शतशुभ्रमधनिवनाम् 9 49<sup>b</sup> 23 61<sup>b</sup> 114 3<sup>b</sup>  
 शतशोत्रक्यामिना 29 16<sup>b</sup>

शतरूपामयोनिजाम् 2 1<sup>d</sup>  
 शतरूपा ध्वजयत् 2 2<sup>d</sup>, 6<sup>b</sup>  
 शतश कृतलक्षणम् 39 22<sup>b</sup>  
 शतश प्रतिनादितम् 65 56<sup>d</sup>  
 शतशाखाश्च रोहिणा 93 60<sup>d</sup>  
 शतशाखंश्च पादपै 34 33<sup>b</sup>  
 शतशोर्षं स्थित श्रीमान् 36 49<sup>d</sup>  
 शतशृङ्ग इवाचल 36 49<sup>d</sup>  
 शतशोऽप्य सहस्रत 3 79<sup>d</sup>, 94<sup>b</sup> 43 72<sup>b</sup>  
 60 30<sup>d</sup> 68 29<sup>b</sup>  
 शतशो दृष्टविज्रमम् 34 41<sup>b</sup>  
 शतशो यान्ति निम्नगा 100 43<sup>d</sup>  
 शतशो विनिपातितै 81 13<sup>d</sup>  
 शतशो ह्यप्सरागणा 34 8<sup>d</sup>  
 शत कवचिना रणे 26 10<sup>b</sup>  
 शत चैव समाख्यात 3 44<sup>d</sup>  
 शत जवान सत्रुद् 87 71<sup>d</sup>  
 शत तीव्रपाक्रमा 3 65<sup>b</sup>  
 शत स सुमहायशा 10 53<sup>d</sup>  
 शतानिचाथ दासक 27 5<sup>b</sup>  
 शतानि तत्राप्सरसा 107 2<sup>d</sup>  
 शतानि दश पञ्च च 31 33<sup>b</sup>  
 शतानि दश बाहूना 31 98<sup>d</sup>  
 शतानि सुबहूनि च 104 1<sup>b</sup>  
 शतशुभ्रोर्षेरीशुता 21 10<sup>d</sup>  
 शतचनमन चैव 93 19<sup>d</sup>  
 शतेन सह पार्थिव 9 64<sup>b</sup>  
 शत्रवश्च पराजिता 84 3<sup>b</sup>  
 शत्रुमे विद्वन्व्याजौ 15 44<sup>d</sup>  
 शत्रुकालप्रदा गदात् 34 37<sup>d</sup>  
 शत्रुघ्न शत्रुतापन 44 49<sup>b</sup>, 60<sup>b</sup>  
 शत्रुघ्नेन पुरा सृष्टा 44 53<sup>d</sup>  
 शत्रुघ्नोऽथारिमर्दन 24 9<sup>d</sup>  
 शत्रुपक्षभवावह 31 61<sup>b</sup>  
 शत्रुभिर्युधि दुर्जय 21 2<sup>b</sup>  
 शत्रुभिश्चापराजयम् 9 76<sup>d</sup>  
 शत्रुभूतास्वनाम्बुद् 47 20<sup>d</sup>  
 शत्रुसेनाभित्तुर्भौ 28 11<sup>d</sup>  
 शत्रुसैन्यस्य भारत 81 97<sup>b</sup>  
 शत्रुघ्ना धारिनेभ्य 23 39<sup>d</sup>  
 शनैस्सुरवाङ्मुखा 65 99<sup>d</sup>  
 शनैर्गद्गदया वाचा 109 58<sup>d</sup>  
 शनै सतोलयामास 71 31<sup>d</sup>



शपेयुरपि योषित 118 36 <sup>१</sup>	शरखड्गनिपातिला 91 48 <sup>१</sup>
शपेयुस्तपसा युक्ता 31 42 <sup>१</sup>	शरणं त्वं भवस्व न 31 61 <sup>१</sup>
शप्तवानजुंन विभु 29 151 <sup>१</sup>	शरणं प्रत्यपद्यत 22 11 <sup>१</sup>
शप्ता हि सा मतिमता 23 59 <sup>१</sup>	शरण्यं शरणं गता 42 36 <sup>१</sup>
शप्ता खगाप्रयस्ते तु 17 6 <sup>१</sup>	शरण्यं शरणं गता 31 59 <sup>१</sup> 82 29 <sup>१</sup>
शप्तोऽहमन्भि लोकेन 8 24 <sup>१</sup>	शरण्यं शरणं विष्णु 31 58 <sup>१</sup>
शप्तवा वानभिन्नाऽथाध 17 5 <sup>१</sup>	शरण्यं सर्वभूतेषां 19 10 <sup>१</sup>
शपरादयश्च सप्तान्ये 23 93 <sup>१</sup>	शरतत्पगत पुरा 11 6 <sup>१</sup>
शपलाथाः प्रजालदा 3 19 <sup>१</sup>	शरतल्पे शयानेन 101 4 <sup>१</sup>
शब्दं पित्राभिवर्धित 47 21 <sup>१</sup>	शरतकालं तु पश्चिमम् 62 45 <sup>१</sup>
शब्दानुसारी सङ्गुद्ध 57 15 <sup>१</sup>	शरत्प्रकाशयोषेव 59 55 <sup>१</sup>
शमयस्वासुरीं माया 36 10 <sup>१</sup>	शरत्प्रचलितं तेज 59 50 <sup>१</sup>
शमयामास वारिणा 9 74 <sup>१</sup>	शरत्प्रमुदितं रम्या 59 31 <sup>१</sup>
शम चाग्निर्गत पुन 110 69 <sup>१</sup>	शरत्प्रवृत्तयो हि 40 24 <sup>१</sup>
शर्मि कम्बलवर्धिपम् 27 16 <sup>१</sup>	शरत्सुप्तोरिधते त्वयि 62 55 <sup>१</sup>
शमीको राज्यमाविहत् 24 33 <sup>१</sup>	शरदीव नभ शशी 100 13 <sup>१</sup>
शमी च दण्डशर्मा च 28 3 <sup>१</sup>	शरद्वृणविदीपित 59 47 <sup>१</sup>
शमीपुत्र प्रतिक्षत्र 28 4 <sup>१</sup>	शरद्येव सुसख्याया 59 57 <sup>१</sup>
शम्बरहेन्दुदाहृत 99 1 <sup>१</sup>	शरद्वाप्तम गीतम् 7 44 <sup>१</sup>
शम्बरस्य गृहोपिता 99 45 <sup>१</sup>	शरभ दन्तभ्रैव 31 72 <sup>१</sup>
शम्बरस्य वधं प्रति 99 41 <sup>१</sup>	शरभूता सुरेन्द्राणा 34 32 <sup>१</sup>
शम्बर चारिमर्दन 97 25 <sup>१</sup>	शररूपा महासर्पा 113 1 <sup>१</sup>
शम्बर छद्मवीहि मे 99 1 <sup>१</sup>	शरवर्षैरवाकिरत् 112 63 <sup>१</sup>
शम्बर मघवानिद 15 52 <sup>१</sup>	शरवर्षै समन्तत 102 11 <sup>१</sup>
शम्बर स समाह्वयत् 99 28 <sup>१</sup>	शरत्सन्धे शिया वृत्तः 3 36 <sup>१</sup>
शम्बरान्तकर सुत 98 5 <sup>१</sup>	शराणा नतपर्वणाम् 112 18 <sup>१</sup>
शम्बरान्तकरो जज्ञे 99 2 <sup>१</sup>	शराणा वनतां शब्द 87 76 <sup>१</sup>
शम्बरेण हृतो ह्यभूत् 109 29 <sup>१</sup>	शराशीविषधारिणम् 32 24 <sup>१</sup>
शम्बरेणात्मघातिना 100 1 <sup>१</sup>	शराश्च दिव्यान्तरिक्षार्थे 5 22 <sup>१</sup>
शम्बरो विक्षरो महात् 31 74 <sup>१</sup>	शरीरकर्ता लोकाना 43 2 <sup>१</sup>
शपनानि महाहोषि 92 4 <sup>१</sup>	शरीरधर्मागानघरं महावृधे 110 75 <sup>१</sup>
शपनान्यासनानि च 92 14 <sup>१</sup>	शरीरमपतज्जुवि 91 57 <sup>१</sup>
शपनायोपचक्रमे 40 7 <sup>१</sup>	शरीरस्त्वविदूत 28 21 <sup>१</sup>
शपनीयानि नेष्यति 77 6 <sup>१</sup>	शरीरगुणुपगोषयम् 18 1 <sup>१</sup>
शपनीये महामति 49 14 <sup>१</sup>	शरीरान्तकरं महत् 77 46 <sup>१</sup>
शपानस्तेन चोदित 15 42 <sup>१</sup>	शरीरिणं प्रत्यवता 112 103 <sup>१</sup>
शपानस्य महात्मन 40 35 <sup>१</sup>	शरीरि पर्वणोपमे 110 61 <sup>१</sup>
शपानस्य हि ते भूमौ 77 35 <sup>१</sup>	शरीरैर्दिवि दैवते 13 32 <sup>१</sup>
शपान दीसतेजसम् 12 6 <sup>१</sup>	शरत्स्थाम प्रजेधर 23 128 <sup>१</sup>
शपान धरणीतले 15 38 <sup>१</sup>	शरत्स्थामानाद्वाक्पीड 23 128 <sup>१</sup>
शपानं वीरस्यने 77 48 <sup>१</sup>	शरिष नतपर्वणा 83 15 <sup>१</sup>
शपानी य चक्रमपु 42 22 <sup>१</sup>	शरीरानाधिपामै 82 6 <sup>१</sup>
शरकल्पश्च वीर्येणाम् 3 78 <sup>१</sup>	शरीरैर्विषयाध चाष्टभि 81 70 <sup>१</sup>

शापेऽस्मिन्सरितां नाथ 43 37°  
 शापो निवर्तयति च 8 21°  
 शापोऽयं विनिवर्तयताम् 43 33°  
 शापो ह्यस्या पुरा दत्त 35 73°  
 शाप्येतामग्निमारुतौ 2 39°  
 शारदीना निशाना च 63 15°  
 शारदीसु सचन्द्रासु 63 35°  
 शारदैरिव तोयदै 74 3°  
 शार्ङ्गधन्वा विलस्य तु 28 25°  
 शार्ङ्गपिरपृञ्जितेन च 112 32°  
 शार्ङ्गादीनि महायशा 34 38°  
 शार्ङ्गलक्ष्म्याभिरुत 49 20°  
 शार्ङ्गसमविक्रमम् 31 124°  
 शार्ङ्गलेन हता धेनु 16 13°  
 शार्ङ्गलौ गोधन पथा 96 61°  
 शार्याता इति विश्रुता 9 34°  
 शार्याते सतति कथम् 9 30°  
 शालापातार्दिरण्याक्ष 23 87°  
 शाव कपालमादाय 6 30°  
 शाश्वतस्यान्ययस्य च 31 109°  
 शाश्वती च नृणा कृता 42 33°  
 शाश्वती जगती स्थिता 58 44°  
 शाश्वतश्च महर्षिभि 40 4°  
 शासन दुष्टचेतस 58 33°  
 शासनार्थं दुरात्मनाम् 55 56°  
 शासने पाकशासन 61 7°  
 शासने मम तिष्ठस्य 15 41°  
 शासिते साधयाम्यहम् 67 67°  
 शान्ता सर्वदुरात्मनाम् 97 28°  
 शास्त्रज्ञानविमूर्च्छिता 117 9°  
 शास्त्रदष्टेन कर्मणा 81 10° 101 7°  
 शास्त्राक्तस्याप्रवचनार 116 30°  
 शिक्षया च व्यपोद्भवत् 82 19°  
 शिक्षामुत्पाद्य केचलाम् 19 29°  
 शिक्षामुत्पाद्य तपसा 15 12°  
 शिरान्दिनी हविर्धान 2 27°  
 शिरस्य चैतद्राहृतम् 96 2°  
 शिरस्य मणिपर्यतम् 94 22°  
 शिखराणि घनैर्घनै 54 36°  
 शिखरैर्धूम्रमानैश्च 61 32°  
 शिराभिस्त्वस्य मुक्ताभि 55 7°  
 शिखाविष्ठतमूर्धनै 71 48°  
 शिरिण काश्यप स्रगम् 38 4°

शिखिन चूडिन चैव 34 42°  
 शिखिताभरणाङ्गद 36 48°  
 शितधारीश्च मुद्गरै 33 29°  
 शितिकण्ठप्रसादेन 106 22°  
 शितिकण्ठविस्तृष्टु 106 19°  
 शितिवष्ट प्रतापवान् 106 33°  
 शिनेयुरभवत्पुत्र 26 7°  
 शिनेस्तु सत्यवाग्जज्ञे 98 26°  
 शिविकार्या समारोप्य 78 43°  
 शिविकाया समाहित 49 14°  
 शिविका वहता तत्र 92 37°  
 शिविरीश्रीनो नृप 23 24°  
 शिवेस्तु शिवयस्तात 23 24°  
 शिरश्चिच्छेद् खन्नेन 44 50°  
 शिरश्चिच्छेद् चारिहा 87 57°  
 शिरसस्त्वस्य कृष्णेन 76 30°  
 शिरसा चारुकेदोः 83 23°  
 शिरसा छत्रवर्धिता 68 22°  
 शिरसा धृतकुम्भाभि 49 28°  
 शिरसा शासन गृह्य 86 61°  
 शिरस्यभ्यदनद्वीर 76 6°  
 शिर ख ते जल मूर्ति 58 38°  
 शिर स्थाने तु राज्ञे 85 47°  
 शिरोधराया सलीनी 77 8°  
 शिरोभिश्चायवर्द्धितै 75 32°  
 शिरोभि परिवारिन 56 6°  
 शिरोऽस्य कृष्णो जमाद् 56 30°  
 शिलाभिश्चाप्यताहित 36 28°  
 शिलाया कस पातिता 65 49°  
 शिलायां निरसिष्यति 47 38°  
 शिलाया विनिपातिता 48 34°  
 शिलायां समपोधयत् 48 28°  
 शिलासघानतिस्रम्य 91 45°  
 शिला प्रतिशिलाश्वत् 61 31°  
 शिला शतसहस्रता 6 9°  
 शिल्पयन्त्रोऽनृतपरा 116 8°  
 शिल्पाचार्यो महामति 80 22°  
 शिल्पिभि सापुनिष्ठितः 90 55°  
 शिल्पिमुखयोऽस्त्रि दवानां 80 20°  
 शिवमाप च पापक 32 36°  
 शिवयुलाश्वगुण्यथा 116 12°  
 शिवश्च वा भविष्यामि 60 26°  
 शिव चास्य जलस्रागु 50 35°

शिव वर्षति वासव 41 13<sup>३</sup>  
 शिव कालरूपैव च 3 60<sup>४</sup>  
 शिवाय गाव पूज्यन्ता 59 59<sup>५</sup>  
 शिवाय भवतामर्थे 40 47<sup>६</sup>  
 शिवाश्च वाता प्रवयु 79 34<sup>७</sup>  
 शिवा इमज्ञानाश्लिष्कस्य 66 26<sup>८</sup>  
 शिवा मप्रवयुर्वाता 48 15<sup>९</sup>  
 शिवेन मनसा दृष्ट 53 32<sup>१०</sup>  
 शिवै सौम्यैश्च कर्मभि 38 74<sup>११</sup>  
 शिवादिशु द्विजेश्वरम् 34 21<sup>१२</sup>  
 शिवादिरीकृतमारता 86 48<sup>१३</sup>  
 शिशुना वासुदेवेन 96 37<sup>१४</sup>  
 शिशुना स्वनपायिता 25 26<sup>१५</sup>  
 शिशुपालश्च निर्मित 97 ६<sup>१६</sup>  
 शिशुपालश्च वीर्यवान् 87 49<sup>१७</sup>  
 शिशुपालश्च सपूर्ण 105 11<sup>१८</sup>  
 शिशुपालस्य नृपते 87 2<sup>१९</sup>  
 शिशुपाल प्रतापवान् 87 54<sup>२०</sup>  
 शिशुपालाय वीर्यवान् 87 25<sup>२१</sup>  
 शिशुपालो दत्ताप्रीव 87 21<sup>२२</sup>  
 शिशुपालो महायत्न 24 20<sup>२३</sup>  
 शिशुरुत्तानसायित 99 18<sup>२४</sup>  
 शिशुर्मन्थववास्तया 97 40<sup>२५</sup>  
 शिशुचीला तत इयं 50 5<sup>२६</sup> 51 15<sup>२७</sup>  
 शिशुरयं न विनाशित 66 19<sup>२८</sup>  
 शिशु वै कालराश्वर 99 3<sup>२९</sup>  
 शिशुर्वै स पञ्च क्लान्त 88 14<sup>३०</sup>  
 शिष्टा सर्वे तपोधना 118 6<sup>३१</sup>  
 शिष्टा सोमाय राजे तु 2 47<sup>३२</sup>  
 शिष्या गणयैस्व मारत 16 5<sup>३३</sup>  
 शिष्यो ऋषासख धीमत 1 6<sup>३४</sup>  
 शीघ्रो शब्दयोनिनम् 34 29<sup>३५</sup>  
 शीघ्रप्रसादा ह्यक्रोधा 13 70<sup>३६</sup>  
 शीघ्रमागच्छ नगर 65 84<sup>३७</sup>  
 शीघ्रमाज्ञाप्यता घोष 53 9<sup>३८</sup>  
 शीघ्रमादृष्टता पुरी 81 37<sup>३९</sup>  
 शीघ्रमिच्छामि वेदितुम् 40 46<sup>४०</sup>  
 शीघ्रमुखिक्षप्य दानव 58 23<sup>४१</sup>  
 शीघ्रमेदि महायत्न 112 66<sup>४२</sup>  
 शीघ्रपाना घनाशुग 49 12<sup>४३</sup>  
 शीघ्रयातसमुद्रा 54 29<sup>४४</sup>  
 शीघ्र गमन्त्यास 53 12<sup>४५</sup>  
 शीघ्र गाव प्रकल्पयन्तां 53 10<sup>४६</sup>

शीघ्र समभिवर्तन्ताम् 81 33<sup>४७</sup>  
 शीघ्रमास्तसेवितम् 49 16<sup>४८</sup>  
 शीघ्रदिमप्रभाणि च 92 4<sup>४९</sup>  
 शीघ्रदिमसमप्रभम् 92 6<sup>५०</sup>  
 शीघ्रवाताद्गिता गाध 96 37<sup>५१</sup>  
 शीघ्रानिलविसर्पिणा 49 15<sup>५२</sup>  
 शीघ्रानुजलनिर्दग्धा 36 18<sup>५३</sup>  
 शीघ्रानुनिहतास्ते तु 36 19<sup>५४</sup>  
 शीघ्रानुसृततापार 36 8<sup>५५</sup>  
 शीघ्रानुसमतेजसा 34 43<sup>५६</sup>  
 शीघ्रानुपल्लिङ्गदम् 35 20<sup>५७</sup>  
 शीघ्रानु शान्तकिरण 70 3<sup>५८</sup>  
 शीघ्रानु सर्वभान 20 7<sup>५९</sup>  
 शीघ्रानु सश्रुतोग्रारा 54 38<sup>६०</sup>  
 शीघ्रानु वै सहस्र तु 110 6<sup>६१</sup>  
 शीघ्रवत्यो नमस्कार्या 118 38<sup>६२</sup>  
 शीघ्रव्यसनमासाद्य 117 3<sup>६३</sup>  
 शुकस्य कन्या वृत्वी त 15 4<sup>६४</sup>  
 शुकस्य महिषी द्विज 13 52<sup>६५</sup>  
 शुको नाम महातपा 13 45<sup>६६</sup>  
 शुक्तिमत्यामुवास स 26 14<sup>६७</sup>  
 शुक सोमात्मक निद्यात् 30 42<sup>६८</sup>  
 शुकदलाडुसम्प्यादै 10 62<sup>६९</sup>  
 शुकद्रुभं समभवत् 30 40<sup>७०</sup>  
 शुकद्रुष्ण्याबिगम्बुदो 58 5<sup>७१</sup>  
 शुकद्रुन्ताजिताक्षत्र 116 15<sup>७२</sup>  
 शुकद्रुर्षन्तर्पास्य 81 26<sup>७३</sup>  
 शुचिरौदकान्पदिगणान् 3 83<sup>७४</sup>  
 शुचिक्षिप्ररथरुथा 98 16<sup>७५</sup>  
 शुचि शुक सहश्रैव 7 17<sup>७६</sup>  
 शुचि सा वसुधाधिप 3 102<sup>७७</sup>  
 शुचीन्गाधाबरोत्तम 6 33<sup>७८</sup>  
 शुद्धभाग मनन्विनी 107 36<sup>७९</sup>  
 शुद्धा न्नाश्विबुन्वन्ती 73 28<sup>८०</sup>  
 शुद्धान्ते पद्मगीर्द्धनम् 108 98<sup>८१</sup>  
 शुभ रोषोऽग्न रम्य 23 92<sup>८२</sup>  
 शुभगन्धो हुताशन 41 15<sup>८३</sup>  
 शुभ गर्भमेषसैन 38 20<sup>८४</sup>  
 शुभ तत्पुत्रमाविशत् 100 3<sup>८५</sup>  
 शुभ मार्गमवातरत् 110 10<sup>८६</sup>  
 शुभ वा यदि वाशुभम् 107 32<sup>८७</sup>  
 शुभाद्भी नाम वैदर्भी 89 4<sup>८८</sup>  
 शुभाष्टभतरा योनि 16 27<sup>८९</sup>

शुभान्यङ्गगतानि वै 67 2<sup>६</sup>  
 शुभान्येव चचार ह 20 1'  
 शुभान्येवाचरिष्यन्ति 117 10<sup>०</sup>  
 शुभा नयति सद्गतिम् 44 35<sup>६</sup>  
 शुभे कुन्ती च माद्री च 43 51<sup>०</sup>  
 शुभे तिथौ महाराज 89 15<sup>०</sup>  
 शुभे देशे सरिद्धीपे 16 28<sup>०</sup>  
 शुभेन कर्मणा तेन 16 22<sup>०</sup>  
 शुभेन परमद्युति 8 42<sup>६</sup>  
 शुभेनाशुभवर्जिता 16 27<sup>६</sup>  
 शुभैरास्त्रणाम्बरे 74 9<sup>६</sup>  
 शुभमेघप्रतीकारौ 86 51<sup>०</sup>  
 शुभस्रगजुलेपना 89 23<sup>६</sup>  
 शुशुभाते वनगतौ 52 3<sup>०</sup>  
 शुशुभाते श्रिया जुष्टौ 51 10<sup>०</sup>  
 शुशुभे दानवोत्तम 108 54<sup>६</sup>  
 शुशुभेऽभ्यधिक राजन् 82 14<sup>०</sup>  
 शुशुभेऽभ्यधिक शुभा 95 16<sup>०</sup>  
 शुशुभे श्वेतमुकुट 74 18<sup>०</sup>  
 शुशुभे सर्वपुष्पवा 55 9<sup>६</sup>  
 शुश्रान निहत कस 80 1<sup>०</sup>  
 शुश्रान पुरुषव्याघ्रौ 96 59<sup>०</sup>  
 शुश्राव प्रमदेरिताम् 28 22<sup>६</sup>  
 शुश्रुवे पृथिवीक्षिताम् 81 29<sup>६</sup>  
 शुश्रुवेऽशननिस्वन 82 17<sup>६</sup>  
 शुश्रुषन्त्यनहृष्टता 31 132<sup>६</sup>  
 शुश्रुष्वो भविष्यन्ति 117 40<sup>०</sup>  
 शुश्रुषामप्रयुक्त्वा च 18 28<sup>०</sup>  
 शुश्रुषुर्नमेजय 4 23<sup>६</sup>  
 शुश्रुर्निरङ्कारौ 79 4<sup>०</sup>  
 शुष्क वृक्षमिवादानि 85 52<sup>६</sup>  
 शुष्कानिसमाहता 66 29<sup>६</sup>  
 शुष्कधनसमीरित 112 4<sup>६</sup>  
 शुद्धा धर्मं चरिष्यन्ति 116 15<sup>०</sup>  
 शुद्धा भोवादिनश्चैव 116 13<sup>०</sup>  
 शुद्धाश्च ब्राह्मणाचारा 116 6<sup>०</sup>  
 शुद्धाश्च भरतर्षभ 23 72<sup>०</sup>  
 शुद्धाश्च हि वर्गोष्ठीन् 31 132<sup>६</sup>  
 शुद्धास्मान्भावयन्त्युत 13 62<sup>६</sup>  
 शुन्यं तोयचरं रत्नौ 55 41<sup>६</sup>  
 शुन्या वर्षसहस्र वै 23 59<sup>०</sup>  
 शुन्या निषेत्तायामास 23 58<sup>०</sup>  
 शुरयो रणमूर्धनि 44 41<sup>६</sup>

शुरसेनश्च शुरश्च 23 157<sup>०</sup>  
 शुरसेनस्ततोऽभवत् 44 59<sup>६</sup>  
 शुरसेनाऽनशास ह 96 52<sup>६</sup>  
 शुरसेनेश्वरो राजा 80 4<sup>०</sup>  
 शुरस्य भवने मद्द्व 24 16<sup>६</sup>  
 शुरं वै देवमीडुपम् 24 14<sup>६</sup>  
 शुर पञ्चजनश्चैव 10 50<sup>०</sup>  
 शुर दानुनिबद्धौ 107 42<sup>६</sup>  
 शुराणां बाहुशालिनाम् 15 19<sup>६</sup>  
 शुराणां वातस्थिरे 81 93<sup>६</sup>  
 शुरैरधिष्ठित कस 96 58<sup>०</sup>  
 शुरैरतैर्यदुपुगवै 96 23<sup>६</sup>  
 शुरौ रणविदारदौ 26 19<sup>६</sup>  
 शूलपट्टिसशक्यपुष्टि 110 44<sup>०</sup>  
 शूलमुद्गरकस्तरे 112 74<sup>०</sup>  
 शूलदस्ताश्च दानवा 31 80<sup>६</sup>  
 शूलैश्च शितनिर्मलै 37 13<sup>६</sup>  
 शूलोद्धतलदस्ताश्च 31 79<sup>०</sup>  
 शूलमहरणो रौद्र 64 9<sup>०</sup>  
 शूल चास्य पुन सस्य 64 20<sup>०</sup>  
 शूलं पृथिव्या स्वाडर्शय 85 3<sup>०</sup>  
 शूलं यपरमार्चितम् 92 38<sup>६</sup>  
 शूलं कृष्णं वचो मह 109 39<sup>०</sup>  
 शूलं गीता यवातिना 22 36<sup>६</sup>  
 शूलं चापि यदुच्यते 73 33<sup>६</sup>  
 शूलं चाप्यत्र कारणम् 44 19<sup>६</sup>  
 शूलं चेद् वचो मम 5 49<sup>६</sup>  
 शूलं तद्गुह्यतां वीर 78 25<sup>०</sup>  
 शूलं तावद्यदुच्यते 66 4<sup>६</sup>  
 शूलं त्व ददतां वर 35 54<sup>०</sup>  
 शूलं त्व वै मयेरितम् 107 56<sup>६</sup>  
 शूलं दिव्या मद्गुह्य 31 2<sup>६</sup>  
 शूलं च याद्वा सर्वे 109 26<sup>०</sup>  
 शूलं च राजशाईना 96 25<sup>०</sup>  
 शूलं नारायणस्यादौ 39 7<sup>०</sup>  
 शूलं पुरीमहाराज 23 2<sup>०</sup>  
 शूलं मे मनुस्मृतन 91 33<sup>६</sup>  
 शूलपादारयेत या 8 48<sup>६</sup>  
 शूलपादारयेत्पि 21 37<sup>०</sup>  
 शूलपादात्पञ्चभीङ्गता 1 16<sup>६</sup>  
 शूलं रात्ररुष्पां दिव्यां 1 16<sup>०</sup>  
 शूलं रात्रमपातभम् 4 23<sup>६</sup> 32 2<sup>०</sup>  
 शूलं वंशमनुषोकं 23 42<sup>०</sup>

शुणु वाक्यमिद शेष 102 14<sup>२</sup>  
 शुणु विष्णो शुभा वाच 40 39<sup>२</sup>  
 शुणु वै यत्तदा वृत्त 39 17<sup>२</sup>  
 शुणुष्व प्रयतोऽनय 12 9<sup>२</sup>  
 शुणुष्वान्वहितो राजन् 106 4<sup>२</sup>  
 शुणुर्वक्रमना नृप 105 6<sup>१</sup>  
 शुणु सर्वमरोपत 31 13<sup>२</sup>  
 श्यु सर्वं यथातथम् 12 20<sup>२</sup>  
 श्यु सर्वं समाहित 11 35<sup>१</sup>  
 श्योमि व्यायतोयमौ 65 86<sup>२</sup>  
 श्यवतस्तस्य धीमत 101 2<sup>२</sup>  
 श्यवतस्त्वामचिन्त्य वै 112 10<sup>२</sup>  
 श्यवन्ती कामचननी 73 12<sup>२</sup>  
 श्यववाचोऽन्तरिक्षस्थ 109 91<sup>२</sup>  
 श्यवभवेदान्द्रजेरितान् 39 23<sup>२</sup>  
 शकु प्रातसमीक्षितुम् 96 48<sup>२</sup>  
 शते लोकविनाशाय 9 54<sup>२</sup>  
 शते स्म हि तदा विष्णु 40 34<sup>२</sup>  
 शरते हृत्लक्षणा 77 43<sup>२</sup>  
 शेषरासुकितक्षका 3 87<sup>२</sup>  
 शेषस्ते नोमिषि धीमान् 90 4<sup>२</sup>  
 शेषस्य धरणीभृत् 90 1<sup>२</sup>  
 शेषस्य भरणार्थाय 9 97<sup>२</sup>  
 शेषस्य सुमहारमन 90 18<sup>२</sup>  
 शेष च धरणीधरम् 43 67<sup>२</sup>  
 शेष ज्ञास्यामहे वयम् 47 4<sup>२</sup>  
 शेष धर्मपरा काल 16 18<sup>२</sup>  
 शेषाश्च मे परित्यक्ता 73 8<sup>२</sup>  
 शेषास्ततोऽग्रय सर्वे 110 33<sup>२</sup>  
 शेषारतु चक्रवाका वै 18 24<sup>२</sup>  
 शेषंभुजे प्रदीप्तानि 34 38<sup>२</sup>  
 शेषो हेतु प्रवर्तते 48 49<sup>२</sup>  
 शेषययोगाच्च हृदयते 112 103<sup>२</sup>  
 शेषयाहृद्वेषे निपतिते 110 61<sup>२</sup>  
 शैनेय सत्यकन्तास्य 24 24<sup>२</sup>  
 शैत्यायामङ्गद सुतम् 98 15<sup>२</sup>  
 शैल्या सुदचा रूपेण 88 42<sup>२</sup>  
 शैल्यृष्टार्थसलीन 74 36<sup>२</sup>  
 शैल्येषप्रतीकादौ 110 45<sup>२</sup>  
 शैल्यृष्टाप्रपादपै 37 43<sup>२</sup>  
 शैल्यृष्टादिवोदङ्गम् 58 54<sup>२</sup>  
 शैल्ययानतिग्रन्थ 96 66<sup>२</sup>  
 शैल्यम्भ इतोच्छ्रित 61 58<sup>२</sup>

शैल प्रियमिवातिथिम् 61 58<sup>२</sup>  
 शैलानां च वनाना च 54 36<sup>२</sup>  
 शैलाना भूपण घोष 50 16<sup>२</sup>  
 शैलाना हिमयत्त च 4 6<sup>२</sup>  
 शैलैश्च धृतने दुग्धा 6 35<sup>२</sup>  
 शैलोद्यतितचन्धनम् 41 19<sup>२</sup>  
 शैलोत्करिमसकाश 33 9<sup>२</sup>  
 शैलोत्पादनभूरेपा 61 55<sup>२</sup>  
 शैवारमलिनैश्चापि 55 53<sup>२</sup>  
 शैशिरीधिवव रात्रीषु 83 27<sup>२</sup>  
 शोकसतहमानसा 77 15<sup>२</sup>  
 शोक्रसागरमक्षोभ्य 109 22<sup>२</sup>  
 शोक खलु विधीयते 78 6<sup>२</sup>  
 शोकात् प्रमदाजन 78 15<sup>२</sup>  
 शोकार्ता पुत्रपृक्षिनी 99 34<sup>२</sup>  
 शोकार्ताश्च पुन पुन 56 20<sup>२</sup>  
 शोचनीय त्वया हृतम् 65 70<sup>२</sup>  
 शोणाश्च श्वतवाहन 28 2<sup>२</sup>  
 शोणितस्यात्तचन्वीता 106 44<sup>२</sup>  
 शोणित शोणितपुरे 106 42<sup>२</sup>  
 शोणितान्ता प्रवर्ती 107 21<sup>२</sup>  
 शोणितान्तासमुच्यते 30 39<sup>२</sup>  
 शोणितान्ताविलेक्षण 67 38<sup>२</sup>  
 शोणितौवलुतैर्गात्रे 108 95<sup>२</sup> 112 34<sup>२</sup>, 115<sup>२</sup>  
 शोचिता च वसुधरा 6 41<sup>२</sup>  
 शोध्यमानैर्गैरा स्यान् 53 26<sup>२</sup>  
 शोभतेऽथ सुवि श्रष्ट 68 27<sup>२</sup>  
 शोभमानो हि गाविन्द 63 21<sup>२</sup>  
 शोभयत्त प्रकर्षिण 84 19<sup>२</sup>  
 शोभयन्ति महाद्रुमा 93 60<sup>२</sup>  
 शोभयन्ती महावनम् 52 7<sup>२</sup>  
 शोभयामास त व्रजम् 63 21<sup>२</sup>  
 शोभित श्वासनीयैश्च 33 12<sup>२</sup>  
 शोभित पुरलक्षणे 84 26<sup>२</sup>  
 शोभिता वारमुष्यामि 74 9<sup>२</sup>  
 शोभितो मत्स्यद्वामैश्च 74 15<sup>२</sup>  
 शोभेतां गोमूत्रे तस्मिन् 49 5<sup>२</sup>  
 शोषवान्येय मार्गे ते 103 9<sup>२</sup>  
 शौण्डेयं मेज्जया भ्रम 118 21<sup>२</sup>  
 शौनको जनमेजय 22 12<sup>२</sup>  
 शौरिणा पृथिवीपाला 96 2<sup>२</sup>  
 शौरि कौशिकनीरसम् 24 28<sup>२</sup>  
 शौरिरास्ता परिग्रह 93 21<sup>२</sup>

इमशानस्थ इवानल 65 35<sup>d</sup>  
 इयामपुत्र सुमित्रस्तु 24 33<sup>d</sup>  
 इयामवर्णे तु तद्दूष 8 8<sup>d</sup>  
 इयाम पाणयने कश्चिन् 59 32<sup>d</sup>  
 इयाम पद्मदलेक्षण 55 2<sup>d</sup>  
 इयाम पीताम्बररत्न 71 50<sup>d</sup>  
 इयाम शमीको गण्डूप 24 19<sup>d</sup>  
 इयाम शान्तिकरोरिहा 34 35<sup>d</sup>  
 इयामानि रसवन्त्रि च 57 8<sup>d</sup>  
 इयामावदाता सा ह्यासीत् 87 36<sup>d</sup>  
 इयामो युवा लोहितवाक् 31 137<sup>d</sup>  
 इयेनो इयेनस्तथा भासी 3 82<sup>d</sup>  
 इयेनेश्रामिपयुद्धिभि 49 19<sup>d</sup>  
 श्रमजा वा कथंचन 40 29<sup>d</sup>  
 श्रममभिविनिवर्त्ये ज्ञातस्य 118 40<sup>d</sup>  
 श्रम वायुपञ्जमतु 44 48<sup>d</sup>  
 श्रम शान्तो मुनिस्तथा 3 33<sup>d</sup>  
 श्रमाचैव क्षुधाश्चित 10 14<sup>d</sup>  
 श्रमात्खेदाच्च भारत 29 17<sup>d</sup>  
 श्रवणमुपेत्य शुभा मुनेस्तु वाच 118 47<sup>d</sup>  
 श्रवणा च श्रविष्ठा च 28 3<sup>d</sup>  
 श्रवणादेव लप्ससे 113 79<sup>d</sup>  
 श्रवणाभ्या विभूषिता 68 22<sup>d</sup>  
 श्रवणाभ्या विभूषिता 47 42<sup>d</sup>  
 श्रवणापरहितेदे 38 65<sup>d</sup>  
 श्रवणैकाक्षिनासिके 67 42<sup>d</sup>  
 श्रवणैकाग्रलन्वेन 83 23<sup>d</sup>  
 श्रवादेव जनादेव 87 15<sup>d</sup>  
 श्रवादेव महाशुलि 87 14<sup>d</sup>  
 श्रविष्ठावाश्च पुत्रैः द्वौ 114 11<sup>d</sup>  
 श्रविष्ठाश्रवणे श्रिर्षा 24 13<sup>d</sup> 28 44<sup>d</sup>  
 श्रान्तगात्रो यरोचत 67 39<sup>d</sup>  
 श्राद्धकर्मणि चोद्दिष्ट 9 42<sup>d</sup>  
 श्राद्धकाले मम पितु 11 17<sup>d</sup>  
 श्राद्धदानेन पूजिता 12 39<sup>d</sup>  
 श्राद्धदेवस्य देवस्य 10 80<sup>d</sup>  
 श्राद्धदेव वदन्ति वै 13 65<sup>d</sup>  
 श्राद्धदेव प्रजापति 8 7<sup>d</sup>  
 श्राद्धस्य च परं विधिम् 11 1<sup>d</sup>  
 श्राद्धस्य फलमुत्तमम् 16 1<sup>d</sup>  
 श्राद्धस्य फलमुद्दिश्य 15 67<sup>d</sup> 19 34<sup>d</sup>  
 श्राद्ध प्रीणाति वै पिप्पु 11 3<sup>d</sup>, 33<sup>d</sup>  
 श्राद्धानि चैव दुर्बन्धि 11 12<sup>d</sup>

श्राद्धानि पुष्टिकामाश्च 12 38<sup>d</sup>  
 श्राद्धो श्राद्धैरतन्द्रित 11 35<sup>d</sup>  
 श्राद्धे च ये प्रदास्यन्ति 12 39<sup>d</sup>  
 श्राद्धेन पितरश्चैव 38 71<sup>d</sup>  
 श्राद्ध प्रीणात वै पिप्पु 13 66<sup>d</sup>  
 श्राद्धैराप्यायित सोम 12 37<sup>d</sup>  
 श्राद्धैराप्यायिताश्चैव 12 36<sup>d</sup>  
 श्राद्धैश्च मेधै शतरा 41 10<sup>d</sup>  
 श्राद्धै प्रीणाति हि पिप्पु 11 9<sup>d</sup>  
 श्राद्धतस्य तस्य वागेव 55 32<sup>d</sup>  
 श्राद्धतस्य तस्य वागेव 85 41<sup>d</sup>  
 श्राद्धतो मेरुमिवाश्रित 67 39<sup>d</sup>  
 श्राद्ध्यतीव वसुधया 41 20<sup>d</sup>  
 श्राद्ध्यते व्यक्तमेव 41 26<sup>d</sup>  
 श्राद्ध्यमाणा पुन पुन 77 39<sup>d</sup>  
 श्राद्ध्यमाणेषु बन्धुषु 77 20<sup>d</sup>  
 श्राचयामात किस्विपम् 15 37<sup>d</sup>  
 श्राचयामात मा सदा 102 12<sup>d</sup>  
 श्राचयामात राजानं 19 17<sup>d</sup>  
 श्राचयाम्यात्मवोचिनम् 100 80<sup>d</sup>  
 श्राचयेथा समागम्य 18 30<sup>d</sup>  
 श्राचल्लस्तस्य चारमज 9 42<sup>d</sup>  
 श्राचल्लस्य तु द्रव्याद् 9 46<sup>d</sup>  
 श्राचस्त्री येन निर्मिता 9 46<sup>d</sup>  
 श्राच्यन्तां पृथिवीक्षित 100 29<sup>d</sup>  
 श्रियमश्रयामि राघवा 87 35<sup>d</sup>  
 श्रियमाप्नोति विपुलं 39 4<sup>d</sup>  
 श्रिय त्यद्वयन्ति राजान 67 65<sup>d</sup>  
 श्रिय द्रष्टु हृषीकेशम् 100 7<sup>d</sup>  
 श्रिय परमहायामि 96 18<sup>d</sup>  
 श्रिय शकृत्पवित्रय 62 40<sup>d</sup>  
 श्रिया जग्जाल सर्वदाः 20 46<sup>d</sup>  
 श्रिया जाञ्जव्यमानेन 34 20<sup>d</sup>  
 श्रिया परमया ज्यलन् 40 42<sup>d</sup>  
 श्रिया परमया युतम् 108 3<sup>d</sup> 113 49<sup>d</sup>  
 श्रिया ह्यस्तरसोपमाम् 88 42<sup>d</sup>  
 श्रीगर्भं स कथं गर्भं 30 8<sup>d</sup>  
 श्रीदामनजयरुष्णा 58 21<sup>d</sup>  
 श्रीपराः कालनेमिनाः 38 45<sup>d</sup>  
 श्रीमतरङ्गनोपनाम् 65 56<sup>d</sup>  
 श्रीमत्सु पट्टिमार्गु 02 54<sup>d</sup>  
 श्रीमत्सहितकर्मूर्धान 70 11<sup>d</sup>

श्रीमद्भिरदितोदिते 65 17<sup>१</sup>  
 श्रीमन्तो मे हुता सप्त 48 15<sup>०</sup>  
 श्रीमान्नायकसखो मुनि 100 19<sup>४</sup>  
 श्रीमानन्त पुरवृत् 16 35<sup>१</sup>  
 श्रीमान्कृष्णस्य पूर्वज 54 41<sup>१</sup>  
 श्रीमान्गण्डवाहन 92 70<sup>४</sup>  
 श्रीमान्गिरिमहस्त्वयम् 60 10<sup>१</sup>  
 श्रीवत्सट्टतरङ्गणा 52 33<sup>१</sup>  
 श्रीवत्साङ्गस्य धीमत 31 10<sup>१</sup>  
 श्रीवत्साङ्कोऽरविन्दाक्ष 109 83<sup>४</sup>  
 श्रीवत्साष्टादितोदरम् 70 26<sup>१</sup>  
 श्रीवत्सेनोदरया युक्त 55 2<sup>०</sup>  
 श्रीवत्सो राजने श्रीमान् 42 3<sup>०</sup>  
 श्रीवृक्ष शार्ङ्गशृङ्गिणम् 32 25<sup>४</sup>  
 श्रीश्र तत्र यतो षति 21 16<sup>१</sup>  
 श्रीश्र नारायणाश्रया 38 1<sup>४</sup>  
 श्रीश्वा मत्सश्रया सौम्य 71 19<sup>०</sup>  
 श्रुत इत्यभिविश्रुत 10 67<sup>४</sup>  
 श्रुतदेवाप्रजातस्तु 24 27<sup>०</sup>  
 श्रुतदेवा व्यजायत 24 26<sup>४</sup>  
 श्रुतदेवा श्रुतश्रवा 24 19<sup>४</sup>  
 श्रुतवेणो नवानाश्वान् 88 13<sup>०</sup>  
 श्रुतवाण्य च भारत 87 6<sup>४</sup>  
 श्रुतवा पञ्चभि हृद् 88 11<sup>०</sup>  
 श्रुतवांग्येय्य सयुगे 88 30<sup>१</sup>  
 श्रुतवागतिधिप्रिय 24 8<sup>१</sup>  
 श्रुतवानमलो भूत्वा 113 83<sup>०</sup>  
 श्रुतवानिति भारत 28 38<sup>१</sup>  
 श्रुतश्रवसि तर्हिरे 87 20<sup>४</sup>  
 श्रुतश्रवाया चैधरतु 24 20<sup>०</sup>  
 श्रुतसेनोप्रसेनो च 23 110<sup>०</sup>  
 श्रुतसेनैवैत्यसैन्यस्य 34 1<sup>०</sup>  
 श्रुत गुणरत्नेषु चै 16 32<sup>१</sup>  
 श्रुत न परमाहवे 83 12<sup>४</sup>  
 श्रुतानि द्विजमत्तम 106 1<sup>१</sup>  
 श्रुतार्यो द्रवगुह्यस्य 86 27<sup>०</sup>  
 श्रुतार्यो नादास व 47 8<sup>४</sup>  
 श्रुतानि ख्यातिमेत्यसि 67 66<sup>१</sup>  
 श्रुतेन च समन्वितता 7 52<sup>४</sup>  
 श्रुतो मे म्वस्य यशस्य 30 55<sup>०</sup>  
 श्रुता वदेषु वै पुरा 12 12<sup>१</sup>  
 श्रुत्या वा तपस्तापि वा 100 70<sup>४</sup>  
 श्रुत्याप्यायमनुत्तमम् 115 3<sup>१</sup>, 4<sup>१</sup>

श्रुत्या चेदनुपाध्यायान 19 32<sup>०</sup>  
 श्रुत्या तदेवराजस्तु 92 ८7<sup>०</sup>  
 श्रुत्या तु याच्यमाना ता 19 4<sup>०</sup>  
 श्रुत्या तु रामहृत्वां च 96 61<sup>०</sup>  
 श्रुत्या स्वरतिविभ्रम 46 3<sup>१</sup>  
 श्रुत्या दम्प्युत्तथापरे 118 4<sup>१</sup>  
 श्रुत्या देव प्रजापति 31 51<sup>१</sup>  
 श्रुत्या दैतेयदानवा 33 1<sup>१</sup>  
 श्रुत्या द्वारवती सर्वा 113 48<sup>०</sup>  
 श्रुत्या नदनदीपति 86 38<sup>१</sup>  
 श्रुत्या नरो मुच्यति सर्षपापै 31 153<sup>०</sup>  
 श्रुत्या पञ्चविसर्गं तु 23 165<sup>०</sup>  
 श्रुत्या परिहरिष्यामि 115 33<sup>०</sup>  
 श्रुत्या पितामहवच 43 66<sup>०</sup>  
 श्रुत्यापि न करिष्याति 115 26<sup>४</sup>  
 श्रुत्या प्रीये महासुते 105 3<sup>१</sup>  
 श्रुत्या राजा महामना 5 53<sup>१</sup>  
 श्रुत्वारिनिधने गिरम् 32 39<sup>४</sup>  
 श्रुत्वाणवमुपस्थित 100 44<sup>१</sup>  
 श्रुत्वा विनीतवचन 86 26<sup>१</sup>  
 श्रुत्वा वृष्णस्यकाप्रणी 85 24<sup>१</sup>  
 श्रुत्वा शक्रपरिग्रहे 59 19<sup>१</sup>  
 श्रुत्वा सुकृष्णान्बहून् 78 3<sup>१</sup>  
 श्रुत्वाहमेव कृष्णस्य 101 14<sup>०</sup>  
 श्रुत्वेतिहास कात्स्न्येन 1 7<sup>०</sup>  
 श्रुत्वेमा भारती कयाम् 115 13<sup>४</sup>  
 श्रुत्वेनौ व्यथित कस 96 49<sup>०</sup>  
 श्रुत्वेतस्त्रिष्वित् सर्व 99 26<sup>०</sup>  
 श्रुत्वेतस्त्रिभ्रित मइत् 43 11<sup>१</sup>  
 श्रुत्वेव धनुषो भद्र 71 54<sup>०</sup>  
 श्रुत्वेव प्रतिवेदिर् 84 13<sup>४</sup>  
 श्रुत्पतामपर चापि 62 68<sup>०</sup>  
 श्रुत्पतामावयोवैच 71 39<sup>१</sup>  
 श्रुत्पतामिदमुत्तमम् 101 3<sup>४</sup>  
 श्रुत्पतामुत्तर वच 45 2<sup>४</sup>  
 श्रुत्पता गृह्यता च वै 46 7<sup>४</sup>  
 श्रुत्पता तात शकस्य 59 4<sup>०</sup>  
 श्रुत्पता निद्रया सर्व 38 65<sup>०</sup>  
 श्रुत्पता नो वरो वर 47 15<sup>४</sup>  
 श्रुत्पता भगवन्निदम् 109 68<sup>०</sup>  
 श्रुत्पता भरतर्षभ 23 94<sup>४</sup>  
 श्रुत्पता भो वृषभश्वा 100 31<sup>०</sup>  
 श्रुत्पता मधुसूदन 109 70<sup>४</sup>

श्रूयता मम भाषितम् 61 2<sup>१</sup>  
 श्रूयता मम विज्ञाप्य 71 47<sup>१</sup>  
 श्रूयता यन्मया कृतम् 43 14<sup>१</sup>  
 श्रूयता येन देव हि 47 6<sup>१</sup>  
 श्रूयता वैष्णवं यदा 31 1<sup>१</sup>  
 श्रूयते च वसुधरा 6 37<sup>१</sup>  
 श्रूयते च्यास्य चरित 40 20<sup>१</sup>  
 श्रूयते पूर्वमाहृत 115 16<sup>१</sup>  
 श्रूयते भरतर्षभ 7 51<sup>१</sup>  
 श्रूयते महदद्भुतम् 96 30<sup>१</sup>  
 श्रूयते सुमहास्विन 109 14<sup>१</sup>  
 श्रूयते हि पुरा विष्णु 65 36<sup>१</sup>  
 श्रूयते हि चन रम्य 52 21<sup>१</sup>  
 श्रूयन्ते गिरयश्चापि 59 24<sup>१</sup>  
 श्रूयन्ते जनमेजय 23 145<sup>१</sup>  
 श्रूयन्ते पितरो देवा 11 32<sup>१</sup>  
 श्रूयन्ते विविधानि स 105 2<sup>१</sup>  
 श्रूयन्ते हि स्त्रियो बहू 73 27<sup>१</sup>  
 श्रेणीनां च गणानां च 74 5<sup>१</sup>  
 श्रेणीना इदस्युक्तं 72 2<sup>१</sup>  
 श्रेणी प्रकृतयस्तथा 86 75<sup>१</sup>  
 श्रेण्यश्च सपुरोगमा 72 10<sup>१</sup>  
 श्रेण्य प्रकृतयश्चैव 79 27<sup>१</sup>  
 श्रेयश्चेत् चिकीर्षसि 5 49<sup>१</sup>  
 श्रेयसा योश्चसे तव 19 30<sup>१</sup>  
 श्रेयसा योजयन्ति हि 11 4<sup>१</sup>  
 श्रेयस्त्वय भविष्यति 112 114<sup>१</sup>  
 श्रेयस्तेऽथ विद्यास्यामि 13 71<sup>१</sup>  
 श्रेय परमभीष्टुभिः 6 48<sup>१</sup>  
 श्रेयो मम भविष्यति 72 21<sup>१</sup>  
 श्रेयो हि मरण मन्दे 107 28<sup>१</sup>  
 श्रेष्ठश्चापविकर्मणे 62 75<sup>१</sup>  
 श्रेष्ठो योगवता योगी 44 16<sup>१</sup>  
 श्रोतव्यमिति तच्छ्रुत्वा 15 53<sup>१</sup>  
 श्रोतव्यं कस्य वा मया 5 12<sup>१</sup>  
 श्रोतव्यं नारदस्त्वेष 100 28<sup>१</sup>  
 श्रोतुमर्हसि कल्याणि 107 79<sup>१</sup>  
 श्रोतुमिच्छाम तत्त्वत 100 27<sup>१</sup>  
 श्रोतुमिच्छामहे वच 21 14<sup>१</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि तत्त्वत 3 14<sup>१</sup> 7 2<sup>१</sup> 9 30<sup>१</sup>, 48<sup>१</sup>  
 23 1<sup>१</sup> 90 3<sup>१</sup> 105 1<sup>१</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि विभ्राण्य 11 1<sup>१</sup>  
 श्रोतुमिच्छामि विष्णोरतु 30 55<sup>१</sup>

श्रोतुमिच्छाम्यशेषेण 30 1<sup>१</sup>  
 श्लाघमानश्च चिल्लेप 89 30<sup>१</sup>  
 श्लाघ्यश्च स हि ते शृणु 46 16<sup>१</sup>  
 श्लाघ्यस्त्व शृणुवाद्भवे 42 28<sup>१</sup>  
 श्लाघ्य प्रभवता प्रभु 44 16<sup>१</sup>  
 श्लाघ्या योगबलोपेता 8 32<sup>१</sup>  
 श्लाघ्योऽसि यदि कर्मण 35 66<sup>१</sup>  
 श्लिष्टराघत्त सुच्छाया 2 14<sup>१</sup>  
 श्लोकमप्युदाना जगौ 2 12<sup>१</sup>  
 श्लोकनेकमुदाहृतम् 17 11<sup>१</sup>  
 श्लोक त सचिगौ च तौ 19 17<sup>१</sup>  
 श्लोक श्रावयितु तदा 19 14<sup>१</sup>  
 श्लोक सोऽधीत्य पुत्रेभ्य 19 19<sup>१</sup>  
 श्लोकोऽपि चात्र गीतोऽय 114 17<sup>१</sup>  
 श्लोकोऽय साधुसमत 77 44<sup>१</sup>  
 श्वापाकावसथान्तिके 9 94<sup>१</sup>  
 श्वापकं सह वतंय 9 92<sup>१</sup>  
 श्वापकपरिवर्ते च 24 6<sup>१</sup>  
 श्वापकश्च महाबल 81 102<sup>१</sup>  
 श्वापकश्चित्रकल्पा 24 3<sup>१</sup> 28 36<sup>१</sup>  
 श्वापकस्तु महाराज 24 4<sup>१</sup>  
 श्वापक परमार्थितम् 24 6<sup>१</sup>  
 श्वापक काशिराजस्य 24 7<sup>१</sup> 28 31<sup>१</sup>  
 श्वापकाद्भूरिदक्षिण 24 8<sup>१</sup>  
 श्वापकं चित्रके श्रूयौ 87 47<sup>१</sup>  
 शशुर कृष्णपासन 96 27<sup>१</sup>  
 शसप्तो रुषिरोक्षिता 108 29<sup>१</sup>  
 श पुरीं मथुरा ताल 69 2<sup>१</sup>  
 श सचिग्रा समाल्याश्च 72 6<sup>१</sup>  
 शपद्प्रचुराव च 116 16<sup>१</sup>  
 शपद्देवपरीमिता 100 40<sup>१</sup>  
 शपद् सर्वैकीटकै 117 32<sup>१</sup>  
 शपद्दोच्छिष्टसलिलं 55 38<sup>१</sup>  
 शेतकर्म प्रजेभ्य 114 7<sup>१</sup>  
 शेतकण प्रतापयान् 114 8<sup>१</sup>  
 शेतङ्गण्डलसूफण 33 19<sup>१</sup>  
 शेतग्रहमिगन्तक 115 41<sup>१</sup>  
 शेतपुल्याश्च पादपा 93 62<sup>१</sup>  
 शेतप्रहरणोऽप्य 110 7<sup>१</sup>  
 शेतभानुर्दिमतनु 36 7<sup>१</sup>  
 शेतलोहितपर्वन्त 100 47<sup>१</sup>  
 शतशयनशामा 74 18<sup>१</sup>  
 शतशैलप्रतीकाश 33 19<sup>१</sup>



श्वेतशैलस्य मूर्धनि 65 38<sup>5</sup>  
 श्वेत श्वेता तथाङ्गनाम् 98 16<sup>5</sup>  
 श्वेतात्र ह्य चन्द्रमा 74 18<sup>5</sup>  
 श्वेतेन परिवारेण 27 30<sup>5</sup>  
 श्वेतेन शिरसा बृद्ध 65 71<sup>5</sup>  
 श्वोभाविनि विवाहे तु 87 31<sup>5</sup>  
 प  
 षट्पदाद्वारादायिनाम् 54 7<sup>5</sup>  
 षट्सद्वान्ददर्श ह 91 44<sup>5</sup>  
 षट्सु गर्भेषु देवक्या 47 27<sup>5</sup>  
 षट् सुता सुमदासत्वा 3 81<sup>5</sup>  
 षड्मासयो महाप्रभात् 2 18<sup>5</sup>  
 षड्विन्दोपमतेनस 21 10<sup>5</sup> 22 1<sup>5</sup>  
 षडेव देवकीगर्भा 47 22<sup>5</sup>  
 षड्रमा इति योज्य व 47 21<sup>5</sup>  
 षड्रमाणा वर दत्त्वा 47 19<sup>5</sup>  
 षड्रमाणा वर ददौ 47 14<sup>5</sup>  
 षड्रमा नाम दानत्वा 47 11<sup>5</sup>  
 षड्रमा गर्भसंस्थितान् 47 24<sup>5</sup>  
 षड्रमास्त्राम देहित 47 27<sup>5</sup>  
 षड्रमांश्चि सुतान्कस 48 2<sup>5</sup>  
 षड्रमा वै महासुरा 47 22<sup>5</sup>  
 षड्रमा सपता सन्ति 47 23<sup>5</sup>  
 षड्रगानुपयुञ्जते 41 8<sup>5</sup>  
 षड्रगानुपयुञ्जता 41 5<sup>5</sup>  
 षड्विन्द्वस्य कारूपान् 87 71<sup>5</sup>  
 षड्विन्द्व्याथ नाराचै 87 52<sup>5</sup>  
 षड्विन्द्व्याथ मागै 87 55<sup>5</sup>  
 षड्राग्रम महापरा 19 11<sup>5</sup>  
 षडात्रगात्रय महाीम् 22 6<sup>5</sup>  
 षडिशालसमुत्सेधम् 93 54<sup>5</sup>  
 षडिश्वर्षगते कात्रे 29 37<sup>5</sup>  
 षडिश्व षट् च पुरपा 27 14<sup>5</sup>  
 षडिश्वस्येति 7 ध्रुवम् 10 53<sup>5</sup>  
 षडि क्षोभस्यत्कन्या 3 23<sup>5</sup>  
 षडि दानवसत्तमान् 3 73<sup>5</sup>  
 षडि पुत्रसद्व्याणि 10 56<sup>5</sup>  
 षडि रथगतानि च 113 15<sup>5</sup>  
 षडि रथसद्व्याणि 113 15<sup>5</sup>  
 षडि वर्षेनानि च 23 66<sup>5</sup>  
 षडि वर्षेसद्व्याणि 23 66<sup>5</sup>  
 षडि वर्षाणि धर्मात्मा 29 26<sup>5</sup>  
 षडि पुत्रसद्व्याणि 10 62<sup>5</sup>

पठरु कण्ठरीसोऽभूत् 16 30<sup>5</sup>  
 पठ ते सप्रवक्ष्यामि 7 26<sup>5</sup>  
 पठ गन्धन्तर स्पृष्टम् 7 29<sup>5</sup>  
 पोडशातुलविक्रम 88 43<sup>5</sup>  
 स  
 स इमा दग्धमूषिष्ठा 2 43<sup>5</sup>  
 स उवाच ततो गोपात् 60 24<sup>5</sup>  
 स एक परिहृष्यने 43 48<sup>5</sup>  
 स एव धन्यो धनिना 113 76<sup>5</sup>  
 स एवमुक्तो मुनिभि 35 31<sup>5</sup>  
 स एवमुक्तो यदुना 22 26<sup>5</sup>  
 स एवमुक्तो रात्रिर्षि 9 61<sup>5</sup>  
 स एवमुक्त्वा बहुधा 38 22<sup>5</sup>  
 स एव रामसज्जो वै 65 43<sup>5</sup>  
 स एव रावणो धन्य 44 36<sup>5</sup>  
 स एव वासुदेवो वै 65 60<sup>5</sup>  
 स एव वो गर्भगतान् 47 21<sup>5</sup>  
 स एव तमस पारे 91 16<sup>5</sup>  
 स एव पौरवो वरा 114 16<sup>5</sup>  
 स एव सुमहातेजा 118 31<sup>5</sup>  
 स कथ गा गतो विष्णु 30 7<sup>5</sup>  
 स कथ मन्वसे मयि 113 33<sup>5</sup>  
 स कदाचिदिनामने 67 13<sup>5</sup>  
 स कदाचिदने तस्मिन् 55 17<sup>5</sup>  
 स कन्यासहित ध्रुत्वा 9 25<sup>5</sup>  
 स करीपाद्दरागासु 63 16<sup>5</sup>  
 स कश्यपस्थारमभुव 34 39<sup>5</sup>  
 स कसस्तत्र समूत 44 66<sup>5</sup>  
 स कस स्व निवेशनम् 48 51<sup>5</sup>  
 स काञ्चनपटोत्तरा 72 9<sup>5</sup>  
 स काननवच गिरिम् 61 27<sup>5</sup>  
 सकारणा मति कृत्वा 43 23<sup>5</sup>  
 स कालयवनश्चापि 85 4<sup>5</sup>  
 स कालयवनो नान 25 11<sup>5</sup> 85 15<sup>5</sup>  
 स कालयवनो नृप 85 16<sup>5</sup>  
 स कालयवनोऽनवत् 25 12<sup>5</sup>  
 स कालयवनो महात् 84 12<sup>5</sup>  
 स कालयवनो रथा 85 38<sup>5</sup>  
 सकिनरमहानाग 93 55<sup>5</sup>  
 सकिनरमहोत्तरा 11 36<sup>5</sup>  
 स ऊजस्तरत्नापत्र 44 70<sup>5</sup>  
 स इन्द्रो रत्नसागर 75 6<sup>5</sup>  
 स कृष्णतलचिन्मयस्य 61 37<sup>5</sup>

स कृष्णपार्श्वमात्मय 109 81<sup>a</sup>  
 स कृष्णलक्षणं बलवान् 79 1<sup>a</sup>  
 स कृष्णहस्तासमाप्त्य 29 40<sup>a</sup>  
 स कृष्ण गोवृषो चङ्गा 64 13<sup>a</sup>  
 स कृष्ण तत्र सहसा 70 28<sup>a</sup>  
 स कृष्ण पुण्डरीकाक्षम् 78 17<sup>a</sup>  
 स कृष्णेनायत कृत्वा 76 29<sup>a</sup>  
 स कृष्णेनावपतता 56 3<sup>a</sup>  
 स कृष्णो भोग्य-धनम् 56 12<sup>b</sup>  
 स केशी बहुचेष्टत 67 36<sup>a</sup>  
 सक्त कामेषु वै मथा 19 25<sup>a</sup>  
 सक्रोधस्त्रिदोश्वर 61 1<sup>b</sup>  
 सक्रोधो दानवेश्वर 38 2<sup>b</sup>  
 सखामात्यश्च वीर्यवान् 112 12<sup>b</sup>  
 सखायौ ब्रह्मदत्तस्य 18 17<sup>a</sup>  
 सखा हि गालवो यस्य 15 12<sup>a</sup>  
 सखिवचोपगृह्येनम् 95 1<sup>a</sup>  
 सखीगणवृत्ता तदा 107 19<sup>a</sup>  
 सखीजनवृत्ता तदा 107 30<sup>b</sup>  
 सखीद वै कथं गुह्य 108 10<sup>a</sup>  
 सखीना च विशेषत 107 67<sup>a</sup>  
 सखी भयसमन्विताम् 107 23<sup>b</sup>  
 सखी सर्वेश्वरस्यैषा 40 31<sup>a</sup>  
 सख्य प्रेम्णा च भाषितम् 107 83<sup>b</sup>  
 सख्य सर्वा विचेतस 107 31<sup>b</sup>  
 सख्ये च विनियुक्त्याम् 62 70<sup>a</sup>  
 सगण स महाबल 97 23<sup>b</sup>  
 सगणा विचचार इ 48 36<sup>a</sup>  
 स गत्वा जयत श्रेष्ठ 9 68<sup>a</sup>  
 स गत्वा ब्रह्मणो लोक 39 18<sup>a</sup>  
 स गत्वा मधुरा राम 83 52<sup>a</sup>  
 सगरधीतिवर्धना 10 61<sup>a</sup>  
 सगरस्तु सुतो बाहो 10 25<sup>a</sup>  
 सगरस्त्यात्मजा धीना 10 54<sup>a</sup>  
 सगर नाम पार्थिवम् 10 35<sup>a</sup>  
 सगर वारवासास 10 40<sup>a</sup>  
 सगर स्वां प्रतिष्ठा च 10 41<sup>a</sup>  
 सगरेण सदात्मना 10 39<sup>b</sup>, 45<sup>a</sup>  
 सगर्मा वृष्टतोऽन्वगात् 10 33<sup>a</sup>  
 सगवाक्षाधैचन्द्राश्च 74 2<sup>a</sup>  
 सगवाक्षेण दक्षितम् 33 11<sup>b</sup>  
 स गाधिरभवद्वाचा 23 84<sup>a</sup>  
 सगालवस्य चरितं 15 68<sup>a</sup>

स गुरो पुत्रमादाय 79 20<sup>a</sup>  
 स गुह्य वचन तस्य 86 70<sup>a</sup>  
 सगोहृत्परिप्रदा 69 3<sup>b</sup>  
 सगोपीगोपवृद्धश्च 51 27<sup>a</sup>  
 स गोपै सद् धर्मात्मा 96 29<sup>a</sup>  
 स घोररूपसमात्मा 6 46<sup>a</sup>  
 स च गोपजन सर्व 51 35<sup>a</sup>  
 स च हरयै वर मादाय 3 99<sup>a</sup>  
 स च वा शुभलोचनाम् 89 3<sup>a</sup>  
 स च तेनैव नात्ता तु 51 36<sup>a</sup>  
 स च विषयो स्थो रात्रि 22 13<sup>a</sup>  
 सचन्द्र इव तोयद 58 23<sup>a</sup>  
 सचन्द्राम्भोदवर्चसम् 42 2<sup>b</sup>  
 स च पुत्रो मन ज्यायान् 49 8<sup>a</sup>  
 स च प्रासादगुह्यो य 93 41<sup>a</sup>  
 स च माङ्गलसत्तम 103 25<sup>a</sup>  
 स च संकर्षणो युवा 53 35<sup>a</sup> 56 16<sup>b</sup> 60 21<sup>b</sup> 71 44<sup>a</sup>  
 स चापि विभिना हत 79 11<sup>b</sup>  
 स चापि विवथ पुत्रान् 23 53<sup>a</sup>  
 स चाप्युग्रायुषस्तात 15 36<sup>a</sup>  
 स चाभिलषितस्तस्या 87 15<sup>a</sup>  
 स चाश्रयं सुरेण्वपि 100 57<sup>a</sup>  
 स चासोरसि विशीर्णे 42 3<sup>a</sup>  
 सचिन्नाशस्त्रिधरणा 74 2<sup>a</sup>  
 स चिन्तयित्वा भद्रुप 72 1<sup>a</sup>  
 स चिन्तयित्वा सरथ 61 26<sup>a</sup>  
 सचिदानात्मनो हितान् 47 1<sup>b</sup>  
 सचिवैर्मन्त्रकोपिदै 15 45<sup>a</sup>  
 सचिवैर्वनत्रासिनि 55 52<sup>b</sup>  
 सचिवै साऽपुंजिता 41 8<sup>a</sup>  
 सचिवी चास्य पात्राश्च 19 19<sup>a</sup>  
 स चेष्टसमारोऽभयान् 15 20<sup>a</sup>  
 स चैवासितदक्षिण 70 7<sup>a</sup>  
 स चोपेन्द्रो वृषं हरया 64 13<sup>a</sup>  
 स चोरगति हुद 56 6<sup>a</sup>  
 सचासाच मर्मयारामा 10 4 22<sup>a</sup>  
 सचन्द्रोस्तेष्विनः सर्वे 81 77<sup>a</sup>  
 स चिद्विषयान् विरप 81 86<sup>a</sup> 88 23<sup>a</sup>  
 स चिद्विषयान् विरप 38 47<sup>a</sup>  
 स जगाम विरिक्तेन 49 15<sup>a</sup>  
 स जगामहल शृण्व 42 2<sup>a</sup>  
 स गरां प्रतिजपाद् 22 33<sup>a</sup>  
 सत्रा इव तोयदा 61 42<sup>a</sup>

सज्जाम्भोदसदृश 38 4<sup>०</sup>  
 स सद्गुरौ वेगेन 58 29<sup>०</sup>  
 सज्जमान पदे पदे 99 33<sup>०</sup>  
 सज्ज घोषायन हृत्वा 69 28<sup>०</sup>  
 सज्जीभवत् माचिरम् 53 9<sup>०</sup>  
 सज्जी जयशतोरसवौ 65 87<sup>०</sup>  
 सज्जरागोत्र शैलस्य 61 48<sup>०</sup>  
 सज्जत कुण्डलप्रिय 77 8<sup>०</sup>  
 सज्जत घानये रत 15 29<sup>०</sup>  
 सज्जत दुःखमाजनम् 69 3<sup>०</sup>  
 सज्जत पीड्यमान च 69 6<sup>०</sup>  
 सज्जत प्रकिया स्मृता 75 11<sup>०</sup>  
 सज्जत विततै कृत् 54 32<sup>०</sup>  
 स सत्कारणमाचष्ट्यौ 19 7<sup>०</sup>  
 स सत्तालवन घोर 57 13<sup>०</sup>  
 स सत्प्राप्य महद्गान्ध 20 29<sup>०</sup>  
 स सत्प्र गात्वा रम्याणि 83 2<sup>०</sup>  
 स सत्प्र गभैवसति 48 9<sup>०</sup>  
 स सत्प्र स्वरितो द्वारि 48 23<sup>०</sup>  
 स सत्प्र दानत्र श्रीदन् 44 24<sup>०</sup>  
 स सत्प्र प्रविशन्नेव 40 7<sup>०</sup>  
 स सत्प्र प्रविशन्नेष्ट 49 29<sup>०</sup>  
 स सत्प्र वयसा तुल्यै 55 23<sup>०</sup>  
 स सत्प्र वासयामास 24 6<sup>०</sup>  
 स सत्प्र विविधो हृष्ट 40 2<sup>०</sup>  
 स सत्प्र समुद्राचार 100 13<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपतिप्रणय 40 4<sup>०</sup>  
 स सत्प्रैरुन पादेन 50 6<sup>०</sup>  
 स सत्प्रैरु हरीदेश 92 17<sup>०</sup>  
 सत्प्रुत्रा सनिष्ठिरा 81 76<sup>०</sup>  
 स सथा निद्रया छद्य 40 34<sup>०</sup>  
 स सथा मालया वीर 55 9<sup>०</sup>  
 स सथोद्देशंयामास 71 40<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमव्ययौ 71 34<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमभूयिता 74 2<sup>०</sup>  
 स सत्य देहो विमुक्त 38 49<sup>०</sup>  
 स सत्य प्रमुखे पाद 74 33<sup>०</sup>  
 स सत्या नयामास 89 9<sup>०</sup>  
 स सत्या नारदो जज्ञे 3 13<sup>०</sup>  
 स सत्या भिन्नुन्याया 13 45<sup>०</sup>  
 स सत्यैव नयन्धन 44 6<sup>०</sup>  
 स स देन तदा पुत्रे 10 47<sup>०</sup>  
 स स नारायणाश्रमम् 40 3<sup>०</sup>

स स निद्वय समरे 109 29<sup>०</sup>  
 स स याहुमराको वै 67 34<sup>०</sup>  
 स स मूर्धन्यताडयत् 71 13<sup>०</sup>  
 स स श्यादिश्य तनय 9 63<sup>०</sup>  
 स स श्रीरसलक्षणम् 62 7<sup>०</sup>  
 स स हृषीकेशिने 68 17<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमोऽतिघले 38 31<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमलघरान् 18 3<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमनाम्भाये 83 4<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमसहस्रैवाथ 20 7<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपममुमुदे राजा 80 4<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमधत्तो धर्म 44 35<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमप्रसन्नार्त्ता 73 24<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमजनीयस्य 78 7<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमौघीरि सा 86 49<sup>०</sup>  
 स सत्प्रानुपमजयामास 23 13<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमगतिरिय नाया 41 31<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपममाता द्यद्वती 9 81<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपममार्गमनुव्रता 91 13<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमवृत्तमपूजितम् 116 10<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमकालविपर्यये 48 40<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसती देय शुभा साची 99 45<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसती वमसि भानिनि 107 37<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 46 29<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 58 16<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 71 83<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 67 4<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 12 12<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 57 5<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 10 13<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 40 36<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 79 16<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 113 20<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 51 18<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 102 20<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 22 29<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 62 33<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 114 14<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 108 84<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 21 26<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 9 94<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 47 31<sup>०</sup> 58 30<sup>०</sup>  
 सत्प्रानुपमसुकेलिक्रियो विप्र 81 76<sup>०</sup>

स त्स्मृत्संज्ञाशीर्षि 110 2<sup>a</sup>  
 स तेन रथमुष्येन 20 14<sup>a</sup> 22 6<sup>a</sup>  
 स तेन वज्रकल्पेन 74 34<sup>a</sup>  
 स तेन व्यचरन्मार्गान् 108 42<sup>a</sup>  
 स तेनास्त्रवलेनाजौ 10 37<sup>a</sup>  
 स तेनाशेन जगती 45 39<sup>a</sup>  
 स तेनैवानुवन्धेन 19 33<sup>a</sup>  
 स ते दन्तु सहायश्च 62 78<sup>a</sup>  
 स ते मर्ता भविष्यति 107 16<sup>d</sup>  
 स ते स्मृत्युर्भविष्यति 46 15<sup>d</sup>, 16<sup>d</sup>  
 स ते रक्ष्यश्च मान्पश्च 62 70<sup>a</sup>  
 स ते विन्ध्ये नगधेष्टे 47 48<sup>a</sup>  
 स तेषामनुपस्थानात् 38 2<sup>a</sup>  
 स तेषामभवद्वाजा 15 28<sup>a</sup>  
 स तेषा ता गिर ध्रुवा 32 30<sup>a</sup>  
 स तेषा नरदेवाना 100 12<sup>a</sup>  
 स तैर्वृत पुरीं गत्वा 91 2<sup>a</sup>  
 स तै परिश्रुतो राजा 85 20<sup>a</sup>  
 सतोरणपताकानि 92 21<sup>a</sup>  
 स तौ रथस्थावासीनी 70 30<sup>a</sup>  
 सत्काराहो विक्षेपत 72 16<sup>d</sup>  
 सत्कृत्य च यथाहृत 95 11<sup>b</sup>  
 सत्कृत्य परिश्रुस्तु 1 14<sup>a</sup>  
 सत्सवान्गुणसपञ्च 31 140<sup>a</sup>  
 सत्सद्रीलुगुणोपेवा 18 5<sup>a</sup>  
 सत्सस्थो नित्यमासीस्य 113 29<sup>a</sup>  
 सत्सिपु पृथिवीपाल 5 59<sup>a</sup>  
 सत्सप्याद्वाहता गत 44 63<sup>d</sup>  
 सत्सपथे हि स्थिता सर्वे 41 28<sup>a</sup>  
 सत्सुत्रेण स्वया पुत्र 11 21<sup>a</sup>  
 सत्सुत्रेण महात्मना 5 24<sup>b</sup>  
 सत्यकणस्य दायाद 114 5<sup>a</sup>  
 सत्यकर्णो महाबाहु 114 4<sup>a</sup>  
 सत्यकृश्च महाराथ 87 68<sup>b</sup> 98 26<sup>d</sup>  
 सत्यकस्तामन घ्न 98 27<sup>a</sup>  
 सत्यक दारुक चैव 65 8<sup>a</sup>  
 सत्यकेतुरज्ञायत 25 5<sup>a</sup>  
 सत्यकेतुर्महाराथ 23 71<sup>a</sup>  
 सत्यजितस्य तनय 15 16<sup>a</sup>  
 सत्यचित्सेनजिचैव 98 10<sup>a</sup>  
 सत्यधर्मैश्वर्या धेष्टा 18 7<sup>a</sup>  
 सत्यधर्मैश्वर्या दायात् 31 55<sup>a</sup>  
 सत्यनेत्रसुधाश्रेय 7 29<sup>a</sup>

सत्यभामा च पौलोम्या 92 59<sup>a</sup>  
 सत्यभामा तु तद्भुक्त 29 7<sup>a</sup>  
 सत्यभामा पुनर्वेदम् 93 40<sup>a</sup>  
 सत्यभामामेतिद्वाम् 29 2<sup>b</sup>  
 सत्यभामा यशस्विनी 29 6<sup>b</sup>  
 सत्यभामासहायवान् 91 39<sup>a</sup>  
 सत्यभामोत्तम रक्षिता 28 34<sup>a</sup> 92 60<sup>a</sup> 94 27<sup>a</sup>  
 सत्यमाह बल श्रीमान् 89 40<sup>a</sup>  
 सत्यमेतद्भवीमि ते 88 2<sup>d</sup>  
 सत्यवत्सामजापत 23 85<sup>d</sup>  
 सत्यवन्त महात्मान 13 57<sup>a</sup>  
 सत्यवादी पुष्पमति 21 5<sup>a</sup>  
 सत्यवतस्तदा रोप 10 8<sup>a</sup>  
 सत्यवतस्तु शाल्यादा 10 6<sup>a</sup>  
 सत्यवतस्तु भक्त्या च 10 1<sup>a</sup>  
 सत्यवता महात्मान 23 41<sup>a</sup>  
 सत्यवतो महाबाहु 9 99<sup>a</sup>  
 सत्यसपस्य तच्छ्रुत्वा 62 99<sup>a</sup>  
 सत्य च प्रियमच्युत 62 88<sup>d</sup>  
 सत्य चापि प्रसृत्यन्वि 117 40<sup>a</sup>  
 सत्य धर्मैश्वर्यैव 113 78<sup>a</sup>  
 सत्य धत पुरा वायु 92 32<sup>a</sup>  
 सत्य बृहि सुत कस्य 20 40<sup>a</sup>  
 सत्य देवगणेश्वर 7 19<sup>a</sup>  
 सत्याश्रवपरायणा 112 191<sup>b</sup>  
 सत्या नाम्नित्वीमपि 88 41<sup>b</sup>  
 सत्ये धर्मो च निरताः 41 4<sup>a</sup>  
 सत्येन चैव भुभोलि 9 10<sup>a</sup>  
 सत्येण प्रमवीमि ते 78 36<sup>b</sup>  
 सत्ये नष्टेऽनुते स्थिते 31 95<sup>a</sup>  
 सत्येनापेस वृषा वै 62 83<sup>a</sup>  
 सत्ये प्राणाभिरक्षणे 117 43<sup>b</sup>  
 सत्येष्ट सत्यविप्रमम् 62 83<sup>a</sup>  
 सत्याजिच प्रलेनथ 81 103<sup>a</sup>  
 सत्याच्छत्रधर्यना 29 10<sup>b</sup>  
 सत्याजित ततो हस्या 29 3<sup>a</sup>  
 सत्याजितो सत्यभामा 88 42<sup>a</sup>  
 सत्याजितो द्वा स्यात् 28 32<sup>a</sup>  
 सत्याजि सत्रवत् 39 15<sup>a</sup>  
 स रवश्ममि गर्भस्य 114 7<sup>a</sup>  
 सत्सव नरसंघान् 27 1<sup>a</sup>  
 स स्वायुषागारनर 71 46<sup>a</sup>  
 सत्सु प्रादुर्भावसिपु 68 2<sup>d</sup>

सत्सु यास्यन्ति पुरुषा 65 80<sup>d</sup>  
 सत्सु वक्तव्यतां गावा 65 79<sup>b</sup>  
 सद्क्षिणस्य यज्ञस्य 39 28<sup>d</sup>  
 सद्क्षिणोऽग्निपुरुषे 100 84<sup>d</sup>  
 स ददर्श गृहे कृष्ण 78 2<sup>d</sup>  
 स ददर्श जल सुप्तान् 47 24<sup>d</sup>  
 स ददर्श मखेध्वान् 39 20<sup>d</sup>  
 स ददर्श महाबाहु 92 63<sup>d</sup>  
 स ददर्श महामना 28 20<sup>d</sup>  
 स ददर्श विपर्यस्त 50 13<sup>d</sup>  
 स ददर्श शिचे देवो 49 16<sup>d</sup>  
 स ददर्श सुपर्णस्थ 38 3<sup>d</sup>  
 स ददर्श सुरान्सर्वान् 40 43<sup>d</sup>  
 स ददर्शान्तिथिं श्लाघ्यं 46 4<sup>d</sup>  
 स ददर्शोऽपिष्टतान्पुषान् 39 22<sup>d</sup>  
 स ददर्शोऽपिष्ट वै 62 3<sup>d</sup>  
 सदन मे सुरोत्तम 86 27<sup>d</sup>  
 सदनै ब्रह्मणो यथा 100 15<sup>d</sup>  
 सदनै वासुदेवस्य 93 53<sup>d</sup>  
 स दर्पपूर्णां हत्वानौ 15 37<sup>d</sup>  
 सद्बन्ध इति ते त्रय 15 21<sup>b</sup>  
 सद्बन्धव यत्परम् 104 22<sup>d</sup>  
 सद्बलस्य भगवान् 20 24<sup>d</sup>  
 सद्बल्य सदन सवम् 31 6<sup>d</sup>  
 सद्बलानां च विप्राणां 43 10<sup>d</sup>  
 सद्बलान्यजमानाश्च 30 24<sup>d</sup>  
 सद्बला सोऽग्न्यनुज्ञाय 118 5<sup>d</sup>  
 सद्बलान्तस्य शौनके 115 9<sup>d</sup>  
 सद्बला सवति स्थिता 39 24<sup>b</sup>  
 सद्बल्येभ्यश्च भारत 20 25<sup>d</sup>  
 सद्बल्यैरभिपूजिता 38 70<sup>b</sup>  
 सदा गा प्रवदौ हि सा 28 37<sup>d</sup>  
 स दानवसदृशाणि 112 5<sup>d</sup>  
 स दानवो यत्क्षुधा 44 26<sup>d</sup>  
 सदा पापमति शठे 65 69<sup>d</sup>  
 सदार प्राविशद्भवम् 22 41<sup>b</sup>  
 सदार स्वर्गमासवान् 22 42<sup>d</sup>  
 सदारापत्यवाधव 56 34<sup>b</sup>  
 सदारो वनमेव ह 19 23<sup>d</sup>  
 सदा सरिस्वतरेषु च 44 41<sup>d</sup>  
 सदा हि प्राथेयामास 29 2<sup>d</sup>  
 स दित्त प्रदिशश्चैव 38 36<sup>d</sup>  
 स दुरात्मा विवर्धते 65 23<sup>d</sup>

सद्गुदिन इवाचल 42 1<sup>d</sup>  
 स दुष्टो हेपितपटु 44 68<sup>d</sup>  
 स दूत कालयजन 85 31<sup>d</sup>  
 सदा पुण्टरीकस्य 55 6<sup>d</sup>  
 सदा प्राप्यसे वीर 106 17<sup>d</sup>  
 सदा राजशार्ङ्ग 78 31<sup>d</sup>  
 सदा सज्जन पति 107 77<sup>d</sup>  
 सदाशो ब्रह्मणो गुणै 35 23<sup>d</sup>  
 सदाशोऽयमिति प्रभु 8 17<sup>b</sup>  
 सदाशोऽस्ति पराक्रमे 107 76<sup>b</sup>  
 स दृष्टमात्र बुद्धन 85 51<sup>d</sup>  
 स दृष्ट सतत मत 39 26<sup>d</sup>  
 स दृष्टा तूर्णमायाव 83 54<sup>d</sup>  
 स दृष्टा भूषित रहस्य 72 6<sup>d</sup>  
 सदेवदानवा मार्या 100 62<sup>d</sup>  
 सदेवनरदानवा 11 36<sup>d</sup>  
 स देवान्मनुज्ञाय 45 47<sup>d</sup>  
 सदेवासुरमनुष्यै 112 103<sup>d</sup>  
 सदेवासुररक्षसाम् 35 61<sup>d</sup>  
 सदेवो विनशिष्यति 38 21<sup>d</sup>  
 स दशस्तेजसा दृष्ट 40 6<sup>d</sup>  
 स दैत्यसंधान्समरे 108 41<sup>d</sup>  
 स दैत्य क्रोधमूर्च्छित 44 46<sup>b</sup>  
 स दैत्या-प्रमुखे हत्वा 35 13<sup>d</sup>  
 सदेवतगणाल्लोकान् 44 24<sup>d</sup>  
 सद्योपस्थितस्तस्य 27 7<sup>d</sup>  
 सन्नक्षत्र न सशय 13 71<sup>d</sup>  
 सन्नावस्त्वयि यो मम 99 25<sup>d</sup>  
 सन्निष्पिपत्रणाग्निभि 55 44<sup>d</sup>  
 सन्नि स्यान्मे निवर्हणम् 23 141<sup>b</sup>  
 सद्य उक्तस्तुवाहवे 35 19<sup>d</sup>  
 सद्यश्चात् निवर्तितम् 15 56<sup>d</sup>  
 सद्य फलति कर्माणि 13 33<sup>d</sup>  
 सद्य फलमवामुहि 23 78<sup>d</sup>  
 स धा किरीटेन स्थित् 38 38<sup>d</sup>  
 स धां दिव भुव धैव 37 24<sup>d</sup>  
 सद्योजातश्च बालक 103 27<sup>d</sup>  
 सद्योद्धातवमुक्त च 83 22<sup>d</sup>  
 सधनज्ञाविवाधवा 84 17<sup>b</sup>  
 स ध-चो कवचो जात 2 22<sup>d</sup>  
 स धर्मविजयी राजा 10 46<sup>d</sup>  
 सधर्माणो वनेचरा 16 25<sup>b</sup>  
 सधूममतिदारणम् 9 57<sup>b</sup>



सप्तर्षीणां प्रजापति 2 11<sup>d</sup>  
 सप्तवर्षीं बभूवतु 52 1<sup>d</sup>  
 सप्तविंशतिमिन्द्रोस्तु 20 21<sup>d</sup>.  
 सप्तविंशति सोमाय 3 24<sup>d</sup>  
 सप्तविंशतु या भोक्ता 3 53<sup>d</sup>  
 सप्त श्याभा दुराणेषु 19 18<sup>d</sup>  
 सप्तस्वर्गगतो लोकात् 34 27<sup>d</sup>  
 सप्तस्वरगता वस्य 34 28<sup>d</sup>  
 सप्तानाप्यत सोदरा 16 15<sup>d</sup>  
 सप्तातीतानि भारत 7 38<sup>d</sup>  
 सप्ताना प्रह्वन्नमनाम् 1 30<sup>d</sup>  
 सप्ताद् भूमिकम्पनम् 9 56<sup>d</sup>  
 सप्तैमादेवकीगर्भान् 47 10<sup>d</sup>  
 सप्तमे वसव प्रासा 43 48<sup>d</sup>  
 सप्तैते जपतां श्रेष्ठ 13 4<sup>d</sup>  
 सप्तैते प्रह्वग्य सुता 7 7<sup>d</sup>  
 सप्तैवासञ्जलीकृत 16 28<sup>d</sup>  
 सप्तविंशतिद वच 32 31<sup>d</sup>  
 सप्तपातमहासातु 92 40<sup>d</sup>  
 सप्तमोदा करेणव 63 30<sup>d</sup>  
 सप्तप्रविष्ट प्रवेगेन 83 3<sup>d</sup>  
 सप्तशिक्षकालरम् 75 10<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च दिशो दश 108 81<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च रुधिर वमन् 67 34<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च वक्त्रज चैव 67 25<sup>d</sup>  
 सप्तैर्नागप्रनिर्गमै 67 26<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च सुहृत् श्रीमान् 78 40<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च दशमिर्बुध 63 21<sup>d</sup>  
 सप्तैर्नागैर्भूतिर्हृत्स्थ 91 6<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च तत मदीपाला 81 25<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च सातुगाश्चैव 34 2<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च तदा पूर्ण 58 50<sup>d</sup>  
 सप्तैषु नरेन्द्रेषु 43 55<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च शयणो हत 44 33<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च पारिषत् 76 40<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च युवतीवृद्ध 56 16<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च ददा सा चैव 79 27<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च हृष्टमनस 79 26<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च चानयमश्वीत् 99 34<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च हिमवृष्टय 36 13<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च शतसुचम्य 38 29<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च स्फटिमीव 57 20<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च कान्तिकयश्च 106 59<sup>d</sup>

सप्तैश्च भवानकथयन्वेना 11 15<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च काञ्चनतोरणा 91 24<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चो भद्रकारातु 28 35<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च यथा पुरा 83 14<sup>d</sup>  
 सप्तैश्च भाण्डीरवदप्रणय 58 25<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमुपागता 109 58<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारश्चाधुपश्च 23 15<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारस्य पुत्रस्तु 23 16<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमध्यगत प्राह 29 35<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमगम्य विहित्वा 109 16<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमिविनिर्मुहंटा 89 22<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमाहता तदा 109 16<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारया यदुससदि 84 1<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमसहलस्य 58 24<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमैस्त्वमिहागत 99 36<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै च जनादनम् 92 43<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै तस्य धीमत 90 12<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै सहवान्धव 56 36<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै विनशिष्यति 73 5<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै विवृषुश्चैष्ट 92 51<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै वा स सुरेश्वर 91 31<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समानयामासु 95 13<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै सुघर्मादाय 86 67<sup>d</sup>, 71<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै भिक्षाम्दवाहीर 23 151<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै भीत प्राञ्जलिर्भूत्वा 5 17<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै सपुरोहित 85 85<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै भृश भयसविभ्र 71 21<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै भीम नरक हत्वा 92 33<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै भीष्मकस्य इ 88 1<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समग्र वैष्णव तेज 62 16<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समग्र शुचये शुचि 1 22<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै विसद्विष्यति 86 37<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै मणि स्वन्दते स्वम 28 13<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समतीतान्यनेकदा 31 10<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समतीते द्विजपंथ 9 29<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समतीते महावल 21 29<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समतीतयज्जलाशयम् 49 18<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै स मत्तद्वनी दुष्टरमा 74 23<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै स मत्तो घलिना श्रेष्ठ 83 27<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै स मत्तो यदुनामाइ 83 26<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समनहन्त दासादां 87 42<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै समनहन्त सर्वेश 110 36<sup>d</sup>  
 सप्तैश्चोद्धारमै सम ततश्चाप्सरस 82 13<sup>d</sup>

समन्ततः संबृताङ्गी 86. 46<sup>०</sup>.  
 समन्तात्पर्यवारयन् 77. 1<sup>०</sup>.  
 समन्तात्प्रतिगादिताम् 93. 1<sup>०</sup>.  
 समन्तात्प्रत्यवारयत् 110. 53<sup>०</sup>.  
 समन्तात्समवाकिरत् 9. 61<sup>०</sup>.  
 समन्तादर्थयोजनम् 94. 7<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्योजनं स्वयं 55. 45<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्द्विगिसैन्येन 102. 2<sup>०</sup>.  
 समन्ताद्देहिना बलैः 81. 46<sup>०</sup>.  
 समन्तान्मदुर्षिताः 54. 26<sup>०</sup>.  
 समपृच्छन्त वाद्वाः 109. 17<sup>०</sup>.  
 समप्रचारं च गर्वा 49. 18<sup>०</sup>.  
 समभित्यक्तीवितम् 81. 101<sup>०</sup>.  
 समभित्यक्तीवितः 81. 98<sup>०</sup>.  
 समभिलषन्नमेतयो यदा स्वम् 118. 40<sup>०</sup>.  
 समभ्युचिष्ठते युधः 20. 43<sup>०</sup>.  
 सममभ्युत्सवन्तीव 59. 38<sup>०</sup>.  
 स ममार भुशं इतः 64. 20<sup>०</sup>.  
 समयं कार्याचक्रे 29. 4<sup>०</sup>.  
 स मयाह्वयतापेन 15. 40<sup>०</sup>.  
 समयाः क्षरथास्तथा 116. 28<sup>०</sup>.  
 समयेन महाह्रुविः 10. 40<sup>०</sup>.  
 स समेनासुरेन्द्रं 36. 49<sup>०</sup>.  
 समयो ज्ञेय कल्पितः 75. 19<sup>०</sup>.  
 समरत्न परः पारः 15. 21<sup>०</sup>.  
 समराताः प्रज्जमिरे 81. 70<sup>०</sup>.  
 समरे कातरात्वनम् 81. 71<sup>०</sup>.  
 समरे कालतेमिना 37. 46<sup>०</sup>.  
 समरे क्षत्रियर्षभाः 81. 70<sup>०</sup>.  
 समरे बुद्धसौण्डेन 31. 127<sup>०</sup>.  
 समरे राज्ञश्मेष 62. 78<sup>०</sup>.  
 समरे रामगोविन्दौ 5. 60<sup>०</sup>.  
 समरे स्वैन तेजसा 38. 46<sup>०</sup>.  
 समर्थदमितौजसम् 3. 99<sup>०</sup>.  
 समर्थं युधि निग्रहे 85. 11<sup>०</sup>.  
 समर्थेः पृथिवीपते 9. 59<sup>०</sup>.  
 समर्थाः स्वस्ति धारणे 6. 8<sup>०</sup>.  
 समलान्तरसंबृवैः 117. 36<sup>०</sup>.  
 समवच्छाद्य पायिवः 85. 23<sup>०</sup>.  
 समवापीकृताः स्वयं 61. 28<sup>०</sup>.  
 समवाये तदाङ्गते 60. 32<sup>०</sup>.  
 समलताधामापातः 99. 27<sup>०</sup>.  
 समलोऽन्यप्रपदा 53. 1<sup>०</sup>.

स महात्मा महातपाः 1. 14<sup>०</sup>.  
 समकीर्णान्यद्वयन्व 96. 66<sup>०</sup>.  
 समोत्कृष्टलोपेताः 93. 63<sup>०</sup>.  
 समाक्रामन्त बहुधा 21. 28<sup>०</sup>.  
 सभापता महावीर्याः 3. 15<sup>०</sup>.  
 समागम्य तदा वैन्म्य 5. 27<sup>०</sup>.  
 समागम्य परस्परम् 3. 47<sup>०</sup>.  
 समाहृष्टिः समनवः 109. 83<sup>०</sup>.  
 समाजमुर्मैहावीर्याः 89. 2<sup>०</sup>.  
 समाजमुः सद्दशः 82. 13<sup>०</sup>.  
 समाजमुखवो भेरीः 37. 24<sup>०</sup>.  
 समाजद्वारि तिष्ठतु 73. 1<sup>०</sup>.  
 समाजद्वारि माथिरम् 73. 36<sup>०</sup>.  
 समाजवाटः शुशुभे 74. 4<sup>०</sup>.  
 समाजवाटिच्छम् 72. 12<sup>०</sup>.  
 समाजवाटे परितः 76. 36<sup>०</sup>.  
 समाजवाटे विक्रीड्य 76. 37<sup>०</sup>.  
 समाजवाटे संकल्पे 74. 16<sup>०</sup>.  
 समाजवाटे निर्मलः 76. 6<sup>०</sup>.  
 समाजविद्युत्सम् 72. 12<sup>०</sup>.  
 समाजलत्र सर्पाणां 70. 13<sup>०</sup>.  
 समाजदे राजसूर्यं 20. 22<sup>०</sup>.  
 समाजं मैरुर्धनि 46. 12<sup>०</sup>.  
 समाजं सहपूर्वेनः 74. 39<sup>०</sup>.  
 समाजः शुशुभे तदा 100. 16<sup>०</sup>.  
 समाजे त्रिदिवीरुताम् 42. 13<sup>०</sup>.  
 समाजे मद्ययोमाथ 72. 11<sup>०</sup>.  
 समाजे समवर्तेत 75. 16<sup>०</sup>.  
 समाजोत्सवर्धनिषौ 75. 83<sup>०</sup>.  
 स मातामहृदयेण 5. 3<sup>०</sup>.  
 समा द्वादश राजेन्द्र 9. 95<sup>०</sup>.  
 समाधाय स्वर्गां तु 8. 13<sup>०</sup>.  
 समाधायेतिकर्त्तव्यं 81. 45<sup>०</sup>.  
 समाजन्तपुराणि च 86. 7<sup>०</sup>.  
 समाजवर्त्ता कपिलौ 16. 6<sup>०</sup>.  
 समाजवर्त्तौ यथा 49. 0<sup>०</sup>.  
 समाजं धुयैपैता 38. 44<sup>०</sup>.  
 समाजः संमियते 30. 49<sup>०</sup>.  
 समानीय स्वर्ग्यं तु 82. 25<sup>०</sup>.  
 समाजमुर्मैहाताम् 5. 23<sup>०</sup>.  
 समाजकामश्च विराय तन्वति 118. 41<sup>०</sup>.  
 समाजमिदमाश्वारं 43. 65<sup>०</sup>.  
 समाजपरद्विधिः 31. 141<sup>०</sup>.



समाभाष्य च केरावः 92. 36<sup>६</sup>.  
 समाभाष्य यदुश्रेष्ठान् 95 16<sup>६</sup>.  
 स मनुवाच धर्मात्मा 11 30<sup>६</sup>. 12 2<sup>६</sup>, 9<sup>६</sup>.  
 स मनुवाच प्रीतारमा 12 20<sup>६</sup>.  
 स मनुवाचास्तुचर. 100. 37<sup>६</sup>.  
 समाख्येन योगेन 86 38<sup>६</sup>.  
 स मार्गनाथः कामानाम् 22. 34<sup>६</sup>.  
 समाविष्यावधुष च 48 28<sup>६</sup>.  
 समानुल्य ध्यवस्थिता 13. 53<sup>६</sup>.  
 समाश्रित्य जरासघम् 80. 4<sup>६</sup>. 85. 28<sup>६</sup>. 96. 27<sup>६</sup>.  
 समाधस्य च माधस्यः 102 20<sup>६</sup>.  
 समासाकंसमोजता 66. 2<sup>६</sup>.  
 समासाद्य जनार्दनम् 91. 48<sup>६</sup>.  
 समानीषु सर्वेषु 96 22<sup>६</sup>.  
 समाहितो निरादारः 19. 11<sup>६</sup>.  
 समाहूतो मद्रिभिः 5 33<sup>६</sup>.  
 समां च बुरु सर्वत्र 6 8<sup>६</sup>.  
 स मां परिभवधेव 43 20<sup>६</sup>.  
 स मां प्रहानिरप्याह 42. 42<sup>६</sup>.  
 समिद्धोऽग्निरिवाध्वरे 108. 81<sup>६</sup>.  
 समीक्षन्कालमाद्ये 36 31<sup>६</sup>.  
 समीपमाजगामाशु 43 17<sup>६</sup>.  
 समीपं तं महीधरम् 61 29<sup>६</sup>.  
 समीपं दु रितो ययौ 78. 1<sup>६</sup>.  
 समीपं नृपतेर्गया 71. 46<sup>६</sup>.  
 समीपं मानवेन्द्राणां 100. 11<sup>६</sup>.  
 समीपे वीरजा हुमा 56 10<sup>६</sup>.  
 समीपे देवदेवस्य 107 40<sup>६</sup>.  
 समीपे मन्नासिनाम् 65 89<sup>६</sup>.  
 समीपुर्बुदलालसा 81. 27<sup>६</sup>.  
 समीपुर्बुष्यमाना वै 35. 2<sup>६</sup>.  
 समीपुस्ते सुस्वभाः 37. 29<sup>६</sup>.  
 समुत्सर्गविद्योतं 42 2<sup>६</sup>.  
 समुत्सृज्यपराकानि 93 26<sup>६</sup>, 31<sup>६</sup>.  
 समुत्सृज्यमहाध्वजैः 87. 43<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टानि सारसैः 59 36<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टुर्महीक्षितः 81. 27<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टुर्ध्याक्वमन् 10 61<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टस्य सुहृदाव् 13 58<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टा सुमदता 3 80<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टाः स्वधायार्थं तु 13. 50<sup>६</sup>.  
 समुत्सृष्टेन कौरव्य 5. 24<sup>६</sup>.  
 समुदमायुषध्वजम् 88 3<sup>६</sup>.

समुद्गर महाभुज 109. 22<sup>६</sup>.  
 समुद्यतमहासाक्षा 81. 93<sup>६</sup>.  
 समुद्रक्षोभणानुभौ 81 54<sup>६</sup>.  
 समुद्रतनयायां तु 2 31<sup>६</sup>.  
 समुद्र दत्ता च द्वे च 86 36<sup>६</sup>.  
 समुद्ररपंतवनं 12 37<sup>६</sup>.  
 समुद्रमप्ये दुष्टात्मा 105 9<sup>६</sup>.  
 समुद्रमभियास्ततः 5 30<sup>६</sup>.  
 समुद्रमानयधैर्ना 10 66<sup>६</sup>.  
 समुद्रयोनिर्मधुदा 34 35<sup>६</sup>.  
 समुद्रश्चाध्वमादाय 10 52<sup>६</sup>.  
 समुद्रसलिलेरायाः 2 33<sup>६</sup>.  
 समुद्रस्त्वमुवाचेद 79 14<sup>६</sup>.  
 समुद्रस्त्वेवमुक्तस्तु 100 46<sup>६</sup>.  
 समुद्रे खानयामास 9 68<sup>६</sup>.  
 समुद्रे गमयिष्यति 97 33<sup>६</sup>.  
 समुद्रे भकरालयम् 95 3<sup>६</sup>.  
 समुद्रे भेनिरे तं हि 61 13<sup>६</sup>.  
 समुद्र प्राजलिभूत्वा 79 13<sup>६</sup>.  
 समुद्र. सद् गद्गया 43. 17<sup>६</sup>, 23<sup>६</sup>.  
 समुद्र. स्वधत्तोयोऽद्गम् 104 12<sup>६</sup>.  
 समुद्राणां समागमे 58 36<sup>६</sup>.  
 समुद्रादिव सिन्धव. 112 57<sup>६</sup>.  
 समुद्राहुपल्बधवान् 10 53<sup>६</sup> 28 12<sup>६</sup>.  
 समुद्राम्भोदशीतले 40 9<sup>६</sup>.  
 समुद्रे च धृतोऽस्मानि 83 12<sup>६</sup>.  
 समुद्रे पूर्वदक्षिणे 10 47<sup>६</sup>.  
 समुद्रेभ्य हवापगाः 3 17<sup>६</sup>, 21<sup>६</sup>.  
 समुद्रे वै भविष्यति 35 58<sup>६</sup>.  
 समुद्रेऽद्गं सुरा पूर्वं 43 15<sup>६</sup>.  
 समुद्रोद्भूतजनिता 54 36<sup>६</sup>.  
 समुद्रोऽग्निर्विमर्दिनुम् 43 21<sup>६</sup>.  
 समुद्रो बालुकापूर्ण 9 53<sup>६</sup>.  
 समुद्रोवनिभैर्धने 54 32<sup>६</sup>.  
 समुद्रोदे सुदारणे 21 13<sup>६</sup>.  
 स समुद्रांतवः कृष्णः 103 25<sup>६</sup>.  
 समुद्रविद्योती भद्रो 51 18<sup>६</sup>.  
 स मृत्युना परीतायु 99 5<sup>६</sup>.  
 समुद्रचररवती 86 47<sup>६</sup>.  
 समुद्रभवनकुला 44 54<sup>६</sup>.  
 समुद्रमस्य कंसस्य 69 4<sup>६</sup>.  
 समुद्रा वासरोपम 118 26<sup>६</sup>.  
 स मेघनिचयस्यसौ 61. 51<sup>६</sup>.

स मेघोर्धेरिवाणव 74 4<sup>d</sup>  
 समेतमभवत्पुन 108 38<sup>d</sup>  
 समेतान्सपितामहान् 40 43<sup>d</sup>  
 समेता मन्त्रयामासु 25 15<sup>d</sup>  
 समेता प्रत्यपूजयन् 38 50<sup>d</sup>  
 समेत्य धारयामासु 20 6<sup>d</sup>  
 समेत्य मुमुदे राजन् 79 24<sup>d</sup>  
 समेत्य यदुसिंहस्य 92 27<sup>d</sup>  
 स मेने माल्यजीरन 71 21<sup>d</sup>  
 स मे भर्ता भवेदिति 87 15<sup>d</sup>  
 समेपाठा रामकृष्णौ 76 2<sup>d</sup>  
 समेषु सर्वपाथिवा 100 5<sup>d</sup>  
 स मेरुगिरिमास्ताद्य 92 47<sup>d</sup>  
 समेषु मद्यभ्यसु 9 52<sup>d</sup>  
 स मैथुनेन धर्मेण 3 5<sup>d</sup>  
 समैश्वर्यन्तदुर्गमै 61 43<sup>d</sup>  
 सम्यगाराधितस्तया 3 98<sup>d</sup>  
 सम्यगाह महातृपि 3 20<sup>d</sup>  
 सम्यग्यतिर्तुकात्मस्य 44 30<sup>d</sup>  
 सत्राद् कुक्षिर्विराट् प्रभु 2 6<sup>d</sup>  
 सयश्वरक्षोगन्धर्वा 11 36<sup>d</sup>  
 सयश्वीरगचारणान् 32 11<sup>d</sup>  
 सयज्ञा सक्रिया वेदा 31 96<sup>d</sup>  
 स यदा दृढो कामान् 22 35<sup>d</sup>  
 स यदा यौवनस्थस्तु 99 9<sup>d</sup>  
 स यदुप्रकरो विसु 84 32<sup>d</sup>  
 सयत्रै सुसमाहितै 81 15<sup>d</sup>  
 स यमाभ्या प्रवृद्धाभ्या 51 16<sup>d</sup>  
 स याच्यमानो देवैश्च 20 30<sup>d</sup>  
 स याद्वनरेन्द्राणा 100 15<sup>d</sup>  
 स युद्धकामो मृपति 25 13<sup>d</sup>  
 सयुवा च धनलदा 51 27<sup>d</sup>  
 स रत्नाकरभूषणाम् 79 2<sup>d</sup>  
 स रथ पौरवाणां तु 22 7<sup>d</sup>  
 स रथैर्मैपतिषोऽपै 81 20<sup>d</sup>  
 सरनाणस्तया चैव 3 78<sup>d</sup>  
 सरसस्तस्य पार्श्वत 18 9<sup>d</sup>  
 सरस्त्य कुरुमेध 18 12<sup>d</sup>  
 स राजयश्मणा सुप् 20 46<sup>d</sup>  
 स राजराज शुशुभे 34 17<sup>d</sup>  
 स राजा काञ्चनपुधि 23 27<sup>d</sup>  
 स राजा नामैतय 22 9<sup>d</sup> 118 11<sup>d</sup>, 18<sup>d</sup>  
 स राजानमपान्निवष्टन् 19 14<sup>d</sup>

स राजा परमप्रीत 19 27<sup>d</sup>  
 स राजा परमापन्न 19 10<sup>d</sup>  
 स राजा सागराकार 81 21<sup>d</sup>  
 स रामकरमुक्तेन 89 49<sup>d</sup>  
 सराष्ट्रौ विनिर्वातौ 97 10<sup>d</sup>  
 सरासि च श्रियाञ्जलन् 59 40<sup>d</sup>  
 सरासि सुरभीणि च 83 2<sup>d</sup>  
 सरितश्च सरासि च 93 68<sup>d</sup> 103 1<sup>d</sup>  
 सरित नर्मदागजु 88 6<sup>d</sup>  
 सरितो लोकभावना 100 45<sup>d</sup>  
 सरिस्तु सह दैवतै 46 9<sup>d</sup>  
 सरिद्रिवा सुरेश्वर 43 7<sup>d</sup>  
 सरीसृपेभ्य कोटिभ्य 49 11<sup>d</sup>  
 स रत्नरसस्तुद्यम्य 44 50<sup>d</sup>  
 स रत्नमभिसम्प्राय 106 7<sup>d</sup>  
 सरो यस्या समुत्थितम् 13 25<sup>d</sup>  
 सरोष समुद्देशत 75 4<sup>d</sup>  
 स रोपेण तु चाणूर 75 8<sup>d</sup>  
 सरोपो वाक्यममवीट् 47 19<sup>d</sup>  
 सर्गकारश्च सर्गाणा 30 37<sup>d</sup>  
 सर्ग स्वारीचिपे स्मृत 3 94<sup>d</sup>  
 सर्पभूतै समन्तत 108 85<sup>d</sup>  
 सर्पभोगमुज्ज्वलुषी 51 7<sup>d</sup>  
 सर्पभोगमपे शरी 108 86<sup>d</sup>  
 सर्पभोगैर्विवेष्टित 108 85<sup>d</sup>  
 सर्पमज्ञातरूपिणम् 45 7<sup>d</sup>  
 सर्पमाणी विरेजन् 51 9<sup>d</sup>  
 सर्पराजवश गतम् 56 21<sup>d</sup>  
 सर्पराजो विपायुष 56 27<sup>d</sup>  
 सर्पलोकमिमे यथा 70 16<sup>d</sup>  
 सर्पसत्रादनंतरम् 115 3<sup>d</sup>, 4<sup>d</sup>  
 सर्प सर्परिरतन 56 35<sup>d</sup>  
 सर्पाणामथ लक्षकम् 4 7<sup>d</sup>  
 सर्पाणाममितौजसाम् 3 85<sup>d</sup>  
 सर्पर्णां च महीपते 6 23<sup>d</sup>  
 सर्पाणा दर्शन तीम 66 24<sup>d</sup>  
 सर्पाशास्त्रिमं इदम् 56 24<sup>d</sup>  
 सर्पिषा पृथग्मानेन 49 26<sup>d</sup>  
 सर्पेणेति महाइदे 56 16<sup>d</sup>  
 सर्वत्रुमिष कापितः 81 67<sup>d</sup>  
 सर्वैरेष्टिद्यमानैश्च 37 12<sup>d</sup>  
 सर्वैः दुष्कर्मैश्चैव 2. 25<sup>d</sup>  
 सर्व एते दनो पुत्रा 3 70<sup>d</sup>

- सर्वं एव दिवौकसः 43. 1<sup>d</sup>.  
 सर्वं एव महारथाः 83. 5<sup>d</sup>.  
 सर्वं एव शार्वाङ्गिरे 28. 17<sup>d</sup>.  
 सर्वं एव समाहिताः 16. 10<sup>d</sup>.  
 सर्वं एव सुरश्रेष्ठाः 43. 13<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवामराः सुखम् 113. 69<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवामितौजसः 13. 24<sup>f</sup>, 71. 1<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवायुषः क्षये 16. 14<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवावतारयन् 43. 69<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवासुरोत्तमाः 112. 21<sup>f</sup>, 27<sup>d</sup>.  
 सर्वं एवोपतस्थिरे 5. 25<sup>d</sup>.  
 सर्वं कर्मैव विभ्रुतः 10. 71<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामकरः दिवः 60. 25<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामगुणैर्भुतः 93. 46<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामदुष्ठा गावः 5. 31<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामदुष्ठा दोग्ध्री 6 38<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामदुष्ठा दोग्ध्री 10. 13<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामप्रदायिनः 29. 27<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामफलप्रदाः 11. 38<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामफलैरतु यः 11. 9<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामसमृद्धेषु 13. 51<sup>d</sup>.  
 सर्वं कामैरुपचितैः 29. 23<sup>d</sup>.  
 सर्वं कार्यपुरोगमः 62. 18<sup>d</sup>.  
 सर्वं कार्यैव नन्तरान् 86. 77<sup>d</sup>.  
 सर्वं कालपूर्णं वनम् 53. 31<sup>d</sup>.  
 सर्वं गेनाशुपामिना 86. 65<sup>d</sup>.  
 सर्वं गोपसुसंकुलः 60. 13<sup>d</sup>.  
 सर्वं गोपस्य गृह्यताम् 60. 12<sup>f</sup>.  
 सर्वं गोपस्य संदोहः 59. 29<sup>d</sup>.  
 सर्वं गो ह्यसि मे मयः 11. 34<sup>d</sup>.  
 सर्वं तस्यैः पिपीलिकैः 85. 33<sup>d</sup>.  
 सर्वं तस्यैः प्रदीप्तास्यैः 110. 40<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः कृतमिस्त्रनम् 49. 21<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः परिरक्षितम् 55. 52<sup>f</sup>.  
 सर्वं तः पतिवेष्टितः 108. 86<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः पर्वतोपमः 61. 8<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः पुरमन्त्रिकारं 106. 42<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः शतशो वृकाः 52. 30<sup>d</sup>.  
 सर्वं तः सारनिर्मुक्तं 72. 4<sup>d</sup>.  
 सर्वं तीर्थमुष्याश्रया 55. 55<sup>d</sup>.  
 सर्वं तेशोमयं सुतम् 85. 11<sup>d</sup>.  
 सर्वं तो नगरी च्येवं 81. 33<sup>d</sup>.  
 सर्वं तोऽभिविराजते 84. 27<sup>d</sup>.  
 सर्वतो वेष्टिततनुः 108. 94<sup>d</sup>.  
 सर्वत्र कुशलं कृष्ण 83. 56<sup>d</sup>.  
 सर्वत्र यतमानांलान् 12. 39<sup>d</sup>.  
 सर्वथा दुरतिक्रमः 118. 33<sup>d</sup>.  
 सर्वथा मानमर्हति 108. 93<sup>d</sup>.  
 सर्वदेवमयं कृत्वा 30 17<sup>d</sup>.  
 सर्वदेवार्पिपूजितः 20. 27<sup>d</sup>.  
 सर्वदैवतयाधिता 91. 6<sup>d</sup>.  
 सर्वेपापप्रणाशनम् 115. 2<sup>d</sup>.  
 सर्वेपापविनाशाय 31. 105<sup>d</sup>.  
 सर्वेपापैः प्रमुच्यते 20 48<sup>d</sup>, 23 168<sup>d</sup>.  
 सर्वप्रत्यक्षदर्शिवान् 97 41<sup>d</sup>.  
 सर्वप्रभवमव्ययम् 100 58<sup>d</sup>.  
 सर्वप्रभवमीधरम् 34. 28<sup>d</sup>.  
 सर्वप्राणभृतां भुवि 40 27<sup>d</sup>.  
 सर्वप्राणेन महतीं 38 32<sup>d</sup>.  
 सर्वभक्षा वृषामताः 117. 16<sup>d</sup>.  
 सर्वभक्षो ह्यसंगुतः 117. 11<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतक्षयावहम् 115. 17<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतगुणस्रष्टा 30. 29<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतगुणात्मकः 30 29<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतपतेस्त्रनुम् 31. 112<sup>f</sup>.  
 सर्वभूतपिचाशानां 4 6<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतमनोहरम् 93. 39<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतरुतश्च 92. 32<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतहिते रतः 15. 11<sup>d</sup>, 31. 116<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतादिमव्ययम् 113. 45<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतानि तत्रसुः 112 32<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतानुक्रमकः 19. 12<sup>d</sup>.  
 सर्वभूतेषु पापकम् 22. 39<sup>d</sup>.  
 सर्वमासीजगद्गर्भं 31. 130<sup>d</sup>, 133<sup>d</sup>.  
 सर्वमाहारयामास 92. 17<sup>d</sup>.  
 सर्वमिच्छामि वेदितुम् 39. 6<sup>d</sup>.  
 सर्वसुरपातदर्शनम् 106. 55<sup>d</sup>.  
 सर्वमेकार्णवं लोकं 42 19<sup>d</sup>.  
 सर्वमेतत्करिष्यामि 86. 32<sup>d</sup>.  
 सर्वमेतत्कारणम् 44. 13<sup>d</sup>.  
 सर्वमेतद्दहं वीर 6. 7<sup>d</sup>.  
 सर्वमेतद्दवापरः 42. 38<sup>d</sup>.  
 सर्वमेतद्दविष्यति 47. 18<sup>d</sup>.  
 सर्वमेधं महात्मस्य 23. 75<sup>d</sup>.  
 सर्वमेवाजुर्ध्वजः 4. 21<sup>d</sup>.  
 सर्वयाद्वनन्दनः 86. 52<sup>d</sup>, 91. 2<sup>d</sup>, 50<sup>d</sup>.

सर्वरक्ष प्रणामान 23 57<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नमय शुभ 93 51<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नमयानि च 95 12<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नविभूषित 77 9<sup>b</sup>  
 सर्वरत्नसमाकुल 84 28<sup>d</sup>  
 सर्वरत्नानि तेजसा 31 147<sup>b</sup>  
 सर्वैतुकचन चैव 93 17<sup>o</sup>  
 सर्वैतुकचने रम्ये 107 2<sup>o</sup>  
 सर्वैतुंडसुमोरेकटाम् 42 9<sup>b</sup>  
 सर्वैतुंनिलय शुभम् 52 23<sup>d</sup>  
 सर्वैतुंफलसपत्ना 93 62<sup>o</sup>  
 सर्वैतुंसुखसचारा 55 55<sup>o</sup>  
 सर्वैलोकेगुरो भ्रमो 31 151<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकप्रभुं यत् 70 10<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकभयावह 37 57<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकमयो दैत्य 37 57<sup>o</sup>  
 सर्वैलोकहितव वै 31 143<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकं समाविश्य 103 24<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकान्द्रिव्यय 113 8<sup>d</sup>  
 सर्वैलोक धनुर्भ्रुवाम् 79 22<sup>d</sup>  
 सर्वैलोकेश्वरो विभु 97 30<sup>d</sup>  
 सर्वैवज्जिवाचिरिणौ 51 12<sup>o</sup>  
 सर्वैवायुनिर्बहणम् 112 67<sup>d</sup>  
 सर्वैवायुनिकर्ण 109 27<sup>d</sup>  
 सर्वैवज्ञ सर्वैगहनं 9 35<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुविशारद 108 93<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुविशारदा 85 12<sup>b</sup>  
 सर्वैवास्तुज्ञानि धूर्तवत् 22 36<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुगुणोत्थेत् 26 27<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुमयोद्गता 28 41<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवर्तनश्च 17 5<sup>o</sup> 18 19<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुप्ररोहिणी 6 38<sup>f</sup>  
 सर्वैवास्तुवत्ससदि 28 30<sup>d</sup> 29 38<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुपुरस्कुतम् 96 40<sup>b</sup>  
 सर्वैवास्तुस्व स्वभम् 8 11<sup>d</sup>  
 सर्वै तनुयुतप्रस्थम् 70 12<sup>o</sup>  
 सर्वै तदि जनादनात् 39 10<sup>b</sup>  
 सर्वै युद्धमदोत्कटम् 33 31<sup>d</sup>  
 सर्वै विभजते जगत् 104 11<sup>d</sup>  
 सर्वै श्रुतमिगमवत् 56 8<sup>b</sup>  
 सर्वै सत्यमय वाचय 41 29<sup>o</sup>  
 सर्वै सर्वै विज्ञानादि 116 31<sup>d</sup>  
 सर्वैनि तनुनां यान्ति 59 36<sup>o</sup>

सर्वैवास्तुनि कर्माणि 109 41<sup>o</sup>  
 सर्वै दामोदर विवा 56 24<sup>d</sup>  
 सर्वै नसन्नाइयस्तु 3 30<sup>o</sup>  
 सर्वैनन्तर्दितानिव 47 24<sup>d</sup>  
 सर्वैननुत्तदा पुन 108 34<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुसामान्यवान् 109 27<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुमानिमाहात 31 46<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुपात्रिवास्तव 67 10<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुभित्थेन 95 14<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुगणान्मुचे 36 52<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुगणान्मुदा 31 51<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवयथयत् 91 45<sup>f</sup>  
 सर्वैवास्तुवयथयत् 96 26<sup>b</sup>  
 सर्वैवास्तुवयथयत् 100 28<sup>d</sup>  
 सर्वै मेचे स ज समम् 88 43<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुगणैर्द्वैत 113 70<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुपुरोगमा 112 45<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुधर वत् 30 17<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवागवैरपि 101 13<sup>d</sup>  
 सर्वै वीरप्रजाविन्य 98 2<sup>o</sup>  
 सर्वै वैद्यव्यवहृणा 77 17<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तु सिधोऽज्ञरीन् 92 27<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तु नियतेन्द्रिया 92 26<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तु प्रह्लादादिन्य 13 20<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तु सरितो बलात् 37 55<sup>f</sup>  
 सर्वैवास्तुवैधैरिणस 13 20<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवैधैरिणसु 77 23<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवैधैरिणस 92 30<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुविनाशिनीम् 34 27<sup>b</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाला वीरा 87 21<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाला सर्वे 88 44<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाले रणे 39 29<sup>b</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाले महेन्द्राणां 43 73<sup>o</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाले 99 9<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाले 79 22<sup>d</sup>  
 सर्वैवास्तुवृशाले स्थितान् 83 15<sup>b</sup>  
 सर्वै वास्तुवृशाली 92 35<sup>o</sup>  
 सर्वै वावायदासिम्य 92 26<sup>o</sup>  
 सर्वै सोऽवाचत पा 31 54<sup>b</sup>  
 सर्वै कनकराणां 110 12<sup>o</sup>  
 सर्वै वास्तुवृशाल 23 146<sup>o</sup>  
 सर्वै वास्तुवृशाल 23 146<sup>o</sup>  
 सर्वै वास्तुवृशाल 117 27<sup>d</sup>

सर्वे कृष्णपरायणा	73 6 <sup>5</sup>
सर्वे केशवदासनात्	84 15 <sup>5</sup>
सर्वे गोष्ठाक्षिपु गता	52 13 <sup>5</sup>
सर्वे च कुटुराण्यका	94 13 <sup>5</sup>
सर्वे तत्रावतस्थिरे	76 10 <sup>4</sup>
सर्वे तपसि सस्थिता	37 8 <sup>5</sup>
सर्वे ते क्षत्रियास्त्रात	10 45 <sup>4</sup>
सर्वे ते ज्ञातयो गता	109 22 <sup>5</sup>
सर्वे ते पृथिवीक्षित	100 86 <sup>5</sup>
सर्वे ते प्रमविष्णव	7 49 <sup>4</sup>
सर्वे ते बहुपुगवा	66 1 <sup>5</sup>
सर्वे ते मज्जसिन	83 40 <sup>5</sup>
सर्वे दक्षादयो नृप	2 54 <sup>5</sup>
सर्वे देवगणास्त्रात	3 56 <sup>4</sup>
सर्वे देवा सवासवा	112 47 <sup>4</sup>
सर्वे देवैर्महाराज	23 147 <sup>4</sup>
सर्वे धनुषि पारागा	65 14 <sup>4</sup>
सर्वे नीपा विनाशिता	15 25 <sup>4</sup>
सर्वे न्यायागता तदा	16 6 <sup>4</sup>
सर्वे परिधयोधिन	43 71 <sup>4</sup>
सर्वे प्रचेतसो नाम	2 32 <sup>4</sup>
सर्वे प्राचीनवर्द्धिप	2 39 <sup>5</sup>
सर्वे बाण्णाकुलेक्षणा	109 61 <sup>4</sup>
सर्वे ब्रह्म सद्यिनन्ति	116 13 <sup>4</sup>
सर्वे भीमपराक्रमा	28 5 <sup>5</sup>
सर्वे मानुषबुद्धय	56 28 <sup>4</sup>
सर्वे मायाविनोःसुरा	6 27 <sup>5</sup>
सर्वे यज्ञा महाबाहो	23 146 <sup>4</sup>
सर्वे बुद्धरया सन्ना	102 6 <sup>4</sup>
सर्वे यूपध्वजा स्थिता	100 77 <sup>4</sup>
सर्वे वातसनेयिन	116 13 <sup>4</sup>
सर्वे वाणिजकाश्च	116 19 <sup>4</sup>
सर्वे विगतकल्मषा	18 14 <sup>4</sup>
सर्वे विप्रपरा नरा	41 29 <sup>4</sup>
सर्वे विमनसोःभवन्	89 51 <sup>4</sup>
सर्वे विष्णुमभिद्वन्	38 30 <sup>4</sup>
सर्वे वीरा महारया	21 11 <sup>5</sup>
सर्वे वेदपरा विप्रा	41 20 <sup>4</sup>
सर्वे वेदवतस्त्राता	23 44 <sup>4</sup>
सर्वे वेदेषु निष्ठिता	41 9 <sup>5</sup>
सर्वे वै बुद्ध्यासन	73 32 <sup>4</sup>
सर्वे वायपुरोगमा	36 60 <sup>5</sup>
सर्वे शक्र मुदा युता	59 18 <sup>5</sup>

सर्वेपामभवत्तदा	22 7 <sup>5</sup>
सर्वेपामस्त्रीर्याणा	112 40 <sup>4</sup>
सर्वेपामेय गजंताम्	108 19 <sup>5</sup>
सर्वेपामेय भृगानां	79 19 <sup>4</sup>
सर्वेपामेय वचनात्	17 7 <sup>4</sup>
सर्वेपा कालपर्ययम्	40 12 <sup>4</sup>
सर्वेपा देवतद्विपाम्	38 12 <sup>5</sup>
सर्वेपा द्विजसत्तम	13 65 <sup>5</sup>
सर्वेपा नात्र सन्नय	21 25 <sup>5</sup> 59 61 <sup>4</sup>
सर्वेपा नाम जगद्	95 11 <sup>4</sup>
सर्वेपा पुण्यकर्मणाम्	1 21 <sup>4</sup>
सर्वेपा पुरवासिनाम्	94 12 <sup>4</sup>
सर्वेपा योगसाधन	17 10 <sup>4</sup>
सर्वेपा राज्ञ पात्रम्	13 66 <sup>4</sup>
सर्वेपा वै यदास्करम्	115 12 <sup>5</sup>
सर्वेपा सहद्वक्षिण	100 83 <sup>5</sup>
सर्वेषु सत्ततोत्थित	93 6 <sup>5</sup>
सर्वेष्वान्ध्र्यकल्पेषु	113 75 <sup>4</sup>
सर्वे समधिरोद्धत	86 40 <sup>4</sup>
सर्वे सप्रामदर्विता	32 11 <sup>4</sup>
सर्वे सप्रामलालमा	43 64 <sup>4</sup>
सर्वे सिष्यन्सुपक्रमा	5 50 <sup>4</sup>
सर्वेनरैरुद्देशव	62 5 <sup>4</sup>
सर्वेभ्रैक्ष्णविमि सार्ध	38 56 <sup>4</sup>
सर्वेभ्रैक्ष्णपुत्रम्	52 23 <sup>4</sup>
सर्वेभ्रैक्ष्णि सहस्रश	110 1 <sup>4</sup>
सर्वेक्ष्णैर्षु सुख गाव	56 44 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधिभिर्भूयितम्	93 57 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजा भगवात्	20 17 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजा वरमन्वप	71 20 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेसरसत्	67 31 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजा कृष्णस्य	61 50 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	113 18 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	31 44 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	113 77 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	35 61 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	109 10 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	54 17 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	54 37 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	106 26 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	8 42 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	37 51 <sup>4</sup>
सर्वेष्वधितेजाश्च	37 58 <sup>4</sup>

स लोहगन्धी राजर्षि 22 10<sup>०</sup>  
 स लोहगन्धो ग्यनदात् 22 12<sup>०</sup>  
 सवत्सचर्मास्त्रणै 53 27<sup>०</sup>  
 सवत्समिव गोवृषम् 68 16<sup>०</sup>  
 सवत्सा गा परतपौ 58 3<sup>०</sup>  
 सवन इवन चैव 31 5<sup>०</sup>  
 सवन पुत्र एव च 7 9<sup>०</sup>  
 स वरिष्ठो घनुर्धर 62 72<sup>०</sup>  
 सवर्णा जननी तदा 8 20<sup>०</sup>  
 सवर्णाघत्त सामुद्री 2 32<sup>०</sup>  
 सवर्णाया महीपति 2 31<sup>०</sup>  
 सवर्णा निर्दमे तत 8 8<sup>०</sup>  
 स वायु सर्वभूतायु 34 30<sup>०</sup>  
 स वा श्लाघ्यतर सुव 65 66<sup>०</sup>  
 स वासुदेव समरे 109 6<sup>०</sup>  
 स विशेय शनैश्चर 8 47<sup>०</sup>  
 सवितुर्मण्डल महत् 112 41<sup>०</sup>  
 सवितुर्मण्डल यथा 34 36<sup>०</sup>  
 सवितुस्तेजसा तुल्य 38 13<sup>०</sup>  
 सवितु प्रथम सुतम् 62 94<sup>०</sup>  
 सवितुस्तनयित्नुमत् 100 17<sup>०</sup>  
 स विभूयासुरगणान् 110 43<sup>०</sup>  
 स विभनद्या देवाना 21 23<sup>०</sup>  
 स विभुर्भूतभावन 39 3<sup>०</sup>  
 स विभु सलिलोद्भव 42 18<sup>०</sup>  
 स विवृद्धो यदा राजा 85 18<sup>०</sup>  
 स विव्याध चतु पट्या 88 8<sup>०</sup>  
 स विष्टरे स्थित शुभ्रे 109 66<sup>०</sup>  
 सविष्णुरिव मन्दर 36 59<sup>०</sup>  
 सविस्फुलिङ्ग साङ्गार 9 57<sup>०</sup>  
 स वीचिचिपमा कुर्वन् 43 18<sup>०</sup>  
 स वीतरागो विचरेद्भुषणराम् 118 49<sup>०</sup>  
 स वृष कक्षयोर्दंष्टि 64 15<sup>०</sup>  
 सवृषाणि सइत्सग 60 29<sup>०</sup>  
 स वेदमेक ब्रह्मर्षि 13 36<sup>०</sup>  
 स वै तत्र निराहार 18 9<sup>०</sup>  
 स वै ब्राह्मणैर्न ययौ 10 33<sup>०</sup>  
 स वै भवेत्तर विगतज्वरो नर 111 11<sup>०</sup>  
 स वैभ्राजस्त्वजायत 19 1<sup>०</sup>  
 सवैर कर्तुमुद्यत 75 21<sup>०</sup>  
 स वैराज प्रजासर्ग 1 39<sup>०</sup>  
 स वै राजा हरिश्चन्द्र 10 22<sup>०</sup>  
 स य वृद्धतमो मृगाम् 65 71<sup>०</sup>

स वै शक्रसखो मुनि 46 6<sup>०</sup>  
 स वैश्रवणवस्तव्य 86 55<sup>०</sup>  
 स वै स्वायभुवस्तात 2 4<sup>०</sup>  
 सव्य मण्डलमावृत्य 82 15<sup>०</sup>  
 सव्यापवृत्त विपुल 44 7<sup>०</sup>  
 सव्यालमृगापन्नगम् 92 39<sup>०</sup>  
 सव्ये चास्य रथ पार्थे 34 4<sup>०</sup>  
 सव्येतराभ्या बाहुभ्याम् 110 68<sup>०</sup>  
 सव्येन सात्वता धेष्ट 81 62<sup>०</sup>  
 सव्येतालम्ब्य महतीं 34 37<sup>०</sup>  
 सव्ये पार्थे च प्रयुञ्ज 110 48<sup>०</sup>  
 सवजो यदि मस्यते 68 35<sup>०</sup>  
 स वज्रो व्रजता भाति 53 18<sup>०</sup>  
 स शङ्खयमानो धर्मात्मा 28 18<sup>०</sup>  
 स शङ्ख केदावाद्धान 86 56<sup>०</sup>  
 स शङ्ख प्राञ्जलिर्भूत्वा 88 57<sup>०</sup>  
 स शब्द शब्दवाहिनाम् 37 31<sup>०</sup>  
 स शरैरदितस्तेन 112 17<sup>०</sup>  
 सशिक्षयतुम्बकरकौ 52 5<sup>०</sup>  
 स शिलाजालवितता 36 22<sup>०</sup>  
 स शिष्ये शयने दिव्ये 40 5<sup>०</sup>  
 स शीघ्रपान समाप्त 44 45<sup>०</sup>  
 स शुभ्राय नराधिप 19 3<sup>०</sup>  
 सरोपास्त्रय तिष्ठन्ति 7 52<sup>०</sup>  
 सरोलवनकाननाम् 31 28<sup>०</sup>  
 स शैलेनेव लक्ष्मणे 75 45<sup>०</sup>  
 स श्रीमान्धिरजो नाम 93 52<sup>०</sup>  
 सश्रीवत्सेन वक्षसा 68 20<sup>०</sup>  
 स श्रुत्वा भगवान्वाक्य 42 46<sup>०</sup>  
 स समीपगतस्तस्य 62 9<sup>०</sup>  
 स समुद्रान्समानीय 37 55<sup>०</sup>  
 ससमुद्रा सनगरा 23 144<sup>०</sup>  
 ससमुद्रा सपत्न्या 7 47<sup>०</sup>  
 स सन्नान्धिति विश्रुत 10 22<sup>०</sup>  
 ससर्गे पुरुष प्रभु 1 39<sup>०</sup>  
 ससर्गे सृष्टि तद्गर्भा 1 28<sup>०</sup>  
 ससर्गुरागौ निष्क्रान्त 37 27<sup>०</sup>  
 ससर्पोविपुलैर्विलः 55 42<sup>०</sup>  
 स सपे बहूभिस्त्रीणै 85 35<sup>०</sup>  
 स सर्वैर्दमनो नाम 23 48<sup>०</sup>  
 स सर्वाभरदा प्रभु 61 7<sup>०</sup>  
 स सर्वानमवीद्यात् 16 9<sup>०</sup>  
 सप्तस्थाना च सीमाना 54 28<sup>०</sup>

समस्यायां च सीमायां 62 53<sup>०</sup>  
 स सदस्वशिरा भूत्वा 40 7<sup>०</sup>  
 स सप्रामयितभ्यस्ते 47 30<sup>०</sup>  
 स सक्षिप्य जगत्सर्वं 40 42<sup>०</sup>  
 स सचोदयितभ्यस्ते 73 3<sup>०</sup>  
 स सदिग्धमिवात्मान 58 31<sup>०</sup>  
 स सधान करिष्यति 66 36<sup>०</sup>  
 ससप्य ह्य तोयद 55 4<sup>०</sup>  
 सरुष्याश्च ह्वाचल 42 4<sup>०</sup>  
 स सप्रदारस्तुमुल 81 95<sup>०</sup> 110 71<sup>०</sup>  
 स सरुदोऽसदृश्यास 29 37<sup>०</sup>  
 स ससक्तस्तु कृष्णेन 64 17<sup>०</sup> 67 29<sup>०</sup>  
 ससागरमिवाभ्यरम् 54 34<sup>०</sup>  
 ससादिनमरिंदमौ 96 62<sup>०</sup>  
 ससाध्या समरद्रुगा 106 8<sup>०</sup>  
 ससाध्या समित्तिजय 113 45<sup>०</sup>  
 ससानुप्रमहाणि च 74 7<sup>०</sup>  
 स सामादिभिरप्यादौ 15 55<sup>०</sup>  
 स सिद्ध ह्य धेनेन 76 25<sup>०</sup>  
 स सुतो गोषितो गृहे 65 23<sup>०</sup>  
 स सुरैरभ्यनुज्ञात 85 43<sup>०</sup>  
 स सूर्यकरतुल्याभ 38 39<sup>०</sup>  
 ससृजे त्रिविधा प्रजा 1 37<sup>०</sup>  
 ससृजे स समन्तत 36 24<sup>०</sup>  
 स सृष्टानु प्रजात्पेवम् 2 1<sup>०</sup>  
 स सृष्ट्वा मनसा दश 2 47<sup>०</sup>  
 ससंयं हावणं युधि 31 125<sup>०</sup>  
 ससंयः प्रत्यदपत 81 21<sup>०</sup>  
 ससंन्येन तवाश्रयात् 106 8<sup>०</sup>  
 स सौम्यो शशिरुच्यते 30 41<sup>०</sup>  
 ससौपुलोऽथ घोषो वै 53 1<sup>०</sup>  
 ससुपोऽहं सभायैश्च 78 26<sup>०</sup>  
 ससिमत् चैव प्रोवाच 46 21<sup>०</sup>  
 ससिमत् मधुसूदन 45 1<sup>०</sup>  
 ससिमत् राघवोऽग्रवीत् 44 38<sup>०</sup>  
 ससिमत् वाक्यमम्रवीत् 38 23<sup>०</sup>  
 ससिमत् किमसजं ह 71 35<sup>०</sup>  
 सस्यधोरा भविष्यति 117 21<sup>०</sup>  
 सस्यजातानि सर्वाणि 6 15<sup>०</sup>  
 सस्यनिष्पत्तिरफला 116 25<sup>०</sup>  
 सस्यदनवरा भानि 34 10<sup>०</sup>  
 सस्यारवती रणीता 6 41<sup>०</sup>  
 सस्यदा तदमादाश्च 59 45<sup>०</sup>

सरयैर्गुणपती मही 59 48<sup>०</sup>  
 सस्यगपीडशृङ्गाया 60 30<sup>०</sup>  
 सस्यजे बलदेव च 91 30<sup>०</sup>  
 स स्वयभूरिवाभाति 37 57<sup>०</sup>  
 सह कृष्णेन जाप्रत 69 31<sup>०</sup>  
 सह कृष्णेन यादवा 78 45<sup>०</sup>  
 सहज ते शिरस्ताव 66 6<sup>०</sup>  
 सहजा या क्षमा त्यक्त्वा 41 26<sup>०</sup>  
 सहजैरेभ्यते सर्वे 44 32<sup>०</sup>  
 स ह्य प्राहृतो यथा 65 29<sup>०</sup>  
 सह तामिर्मुमोद ह 63 18<sup>०</sup>  
 सह ताम्या रये स्थित 19 21<sup>०</sup>  
 सह तेनामराणि 58 15<sup>०</sup>  
 सह तेनैव यास्यत 45 33<sup>०</sup>  
 सह ते प्रणतो गोपै 60 22<sup>०</sup>  
 सह त्यथा गत काल 77 16<sup>०</sup>  
 स हत्वा दानव सत्ये 44 51<sup>०</sup>  
 स हत्वा यादवैरभ 89 46<sup>०</sup>  
 सह दानवकन्यया 113 5<sup>०</sup>  
 सह दीश्वाम पश्यताम् 89 24<sup>०</sup>  
 सहदेवसुतश्चापि 23 101<sup>०</sup>  
 सहदेवो महायशा 23 101<sup>०</sup>  
 सहनीय त्वया वृत्तम् 48 46<sup>०</sup>  
 सह नौ स भविष्यति 29 11<sup>०</sup>  
 स ह्यन्यमानो नाराचं 108 23<sup>०</sup>  
 सहयन्तु महायज्ञी 29 30<sup>०</sup>  
 सह भर्ता रदामहे 77 37<sup>०</sup>  
 सहमन्त्रिणमच्युतम् 19 14<sup>०</sup>  
 सह यादवपुत्रं 100 11<sup>०</sup>  
 सह ररनैरुदारधी 79 23<sup>०</sup>  
 स हरि पुरयो वीर 3 111<sup>०</sup>  
 स हरेनानतामिण 83 32<sup>०</sup>  
 सह वृष्यन्धकसुतै 102 18<sup>०</sup>  
 सह वै मन्त्रकारणात् 41 32<sup>०</sup>  
 सह सर्वैर्नाराधिपै 81 51<sup>०</sup>  
 सह सर्वे सहैर्दरै 104 26<sup>०</sup>  
 सहसा कंसवापिता 76 41<sup>०</sup>  
 सहसा खादिवानतां 71 49<sup>०</sup>  
 सहसा चडितासन 76 34<sup>०</sup>  
 सहसा च समुत्क्षिप्य 48 34<sup>०</sup>  
 सहसा ते ह्याधम 67 19<sup>०</sup>  
 सहसा प्रविशेह ह 99 41<sup>०</sup>  
 सहसा मुक्तमूर्धजा 48 29<sup>०</sup>

सहसा शोणितपुर 108 7<sup>०</sup>  
 सहसा साधुलेचन 50 14<sup>०</sup>  
 सहसैवोरियत शूर 108 19<sup>०</sup>  
 सहसैवोरियता निशि 107 21<sup>०</sup>  
 सहसोत्थाय गोविन्द 83 54<sup>०</sup>  
 सहसोत्पत्य गोविन्द 74 26<sup>०</sup>  
 स हस्तप्रस्तरेशश्च 76 31<sup>०</sup>  
 स हस्ताद्य विलिष्कान्त 74 29<sup>०</sup>  
 सहसकरमन्ययम् 31 3<sup>०</sup>  
 सहस्रचरण च यम् 31 3<sup>०</sup>  
 सहस्रचरण महान् 30 15<sup>०</sup>  
 सहस्रचरणेक्षण 58 39<sup>०</sup>  
 सहस्रसिद्ध भास्वत् 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रदस्य दायान्ना 23 135<sup>०</sup>  
 सहस्रद सहस्रादि 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रद पयोदश्च 23 134<sup>०</sup>  
 सहस्रपत्रनाभस्य 58 39<sup>०</sup>  
 सहस्रबाहू रामेण 112 91<sup>०</sup>  
 सहस्रबाहोर्बाहूना 113 68<sup>०</sup>  
 सहस्रबाहो समरे 108 97<sup>०</sup>  
 सहस्रभुजमन्थयम् 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्रममितीजस 3 86<sup>०</sup>  
 सहस्रमसृजप्रभुः 3 18<sup>०</sup>  
 सहस्रमिव सूर्याणा 109 84<sup>०</sup>  
 सहस्रमुकुटं प्रभुम् 31 4<sup>०</sup>  
 सहस्ररदिमयुकेन 34 22<sup>०</sup>  
 सहस्ररदिमरादिथ 62 48<sup>०</sup>  
 सहस्रवदनोऽव्यय 65 40<sup>०</sup>  
 सहस्रवसतदक्षिणम् 20 22<sup>०</sup>  
 सहस्रशिरस देव 30 15<sup>०</sup> 31 3<sup>०</sup> 70 11<sup>०</sup>  
 सहस्रगीर्षो देवादि 31 29<sup>०</sup>  
 सहस्रसक्यासयुते 81 18<sup>०</sup>  
 सहस्र चैव ऋषाणा 110 6<sup>०</sup>  
 सहस्राक्षसम युदे 87 3<sup>०</sup>  
 सहस्राणि च सस च 27 14<sup>०</sup>  
 सहस्राणि द्वापि च 27 22<sup>०</sup>  
 सहस्रागबुदनादितम् 33 7<sup>०</sup>  
 सहस्रारमरिक्षयम् 38 39<sup>०</sup>  
 सहस्रात्यधरस्य वै 70 32<sup>०</sup>  
 सहस्रास्य सहस्राक्ष 31 3<sup>०</sup>  
 सहस्रास्य सहस्राङ्ग 58 39<sup>०</sup>  
 सहस्राङ्गधरोऽभिहा 58 39<sup>०</sup>  
 सहस्राङ्गसमप्रभे 112 35<sup>०</sup>

सहस्राङ्ग सहस्रश 30 15<sup>०</sup>  
 सहस्रैरयुतेरपि 85 31<sup>०</sup>  
 सहस्राद्याम पार्थिव 10 77<sup>०</sup>  
 सदादित्यगणैविभो 7 63<sup>०</sup>  
 सदानेन गामिष्यामि 68 36<sup>०</sup>  
 सदाया वज्रपाणिन 3 109<sup>०</sup>  
 सदाया पर्यं पृव ते 15 13<sup>०</sup>  
 सदाभ्रन्ति महावने 65 67<sup>०</sup>  
 सदासाभिर्गत वाद्य 83 16<sup>०</sup>  
 सदासाभी रत वने 83 16<sup>०</sup>  
 सदा परिषवाहव 43 71<sup>०</sup>  
 स हि गृह्य मूधे दैत्यौ 42 30<sup>०</sup>  
 सहित सत्यभामया 92 62<sup>०</sup>  
 सहित सर्ववाद्योभिः 97 13<sup>०</sup>  
 सदिता मुनिमण्डले 40 40<sup>०</sup>  
 सहिता सर्वनेऽंता 91 10<sup>०</sup>  
 स हि ते सङ्गो सूर्यु 65 59<sup>०</sup>  
 सहितै कर्म तसुरा 91 17<sup>०</sup>  
 सहितौ जगत्सन्त 92 53<sup>०</sup>  
 सहितौ रामेश्चरौ 57 1<sup>०</sup> 79 3<sup>०</sup>  
 सहितौ विचरिष्यात् 35 60<sup>०</sup>  
 स हि दानपतिर्धन्य 06 35<sup>०</sup>  
 स हि धर्मयुगोऽभवत् 10 24<sup>०</sup>  
 स हि युद्धगत श्रीमान् 36 30<sup>०</sup>  
 स हि वपुश्चत तप्या 23 139<sup>०</sup>  
 स हि वेदमयस्तात 20 10<sup>०</sup>  
 स हि दानादपि मदात् 09 21<sup>०</sup>  
 स हि शिष्यो महावेजा 20 31<sup>०</sup>  
 सहिष्णुस्वाज्ञगस्वामी 36 30<sup>०</sup>  
 स हि सतसु द्वीपेषु 23 150<sup>०</sup>  
 स हि सर्वगत वृष्ण 62 28<sup>०</sup>  
 स हि सर्वान्बुधाल 89 6<sup>०</sup>  
 स हि स्वर्भोजुर्दाहिय 21 18<sup>०</sup>  
 सदैव विषया स्थियम् 88 6<sup>०</sup>  
 सद्गोमसेनेन तदा 96 51<sup>०</sup>  
 स ह्यस्माक परा गति 100 75<sup>०</sup>  
 स ह्यासिष्टसदा तेन 111 5<sup>०</sup>  
 स ह्येव श्रुतायास्तु 70 16<sup>०</sup>  
 सकर्पणमयप्रता 83 34<sup>०</sup>  
 सकर्पणमिदानीन 70 2<sup>०</sup>  
 सकर्पणमुपाव ह 52 6<sup>०</sup>  
 सकर्पणश्च शृणोश्च 72 18<sup>०</sup>  
 सकर्पणसमानना 47 39<sup>०</sup>



सकृत्सहायवान् 97 40<sup>d</sup>  
 सकृत्सन्मदोत्थाय 89 42<sup>o</sup>  
 सकृत्सु सुतवान् 58 19<sup>o</sup>  
 सकृत्सु सुतुद् 56 26<sup>o</sup>  
 सकृत्सु सुचिर 76 5<sup>o</sup>  
 सकृत्सु मत्तोक्ता 83 29<sup>o</sup>  
 सकृत्सु च कृष्ण च 65 92<sup>o</sup>  
 सकृत्सु तु स्कन्धेन 58 23<sup>o</sup>  
 सकृत्सु पुरस्त्व 87 51<sup>o</sup>  
 सकृत्सु गभस्य 47 31<sup>o</sup>  
 सकृत्सु नवानोमै 87 70<sup>o</sup>  
 सकृत्सु नाम शुभे 48 6<sup>o</sup>  
 सकृत्सु वत्स तु 6 14<sup>d</sup>  
 सकृत्सु पूर्वचिन्तित 18 15<sup>o</sup>  
 सकृत्सु च मुहूर्ता च 3 26<sup>o</sup>  
 सकृत्सु दूर्धानात्परशात् 2 49<sup>o</sup>  
 सकृत्सु सर्वात्मा 3 29<sup>o</sup>  
 सकृत्सु कानि कानि च 61 38<sup>o</sup>  
 सकृत्सु मद्गार 74 1<sup>o</sup>  
 सकृत्सु बुद्धमायया 37 35<sup>d</sup>  
 सकृत्सु धर्म्यां प्राप्य 89 34<sup>o</sup>  
 सकृत्सु तत्कथ पुन 104 6<sup>d</sup>  
 सकृत्सु नरकण या 94 24<sup>d</sup>  
 सकृत्सु पद्मयोनिना 42 14<sup>o</sup>  
 सकृत्सु पियात्रवहम् 23 78<sup>d</sup>  
 सकृत्सु रमे मे दृष्टु 7 3<sup>d</sup>  
 सकृत्सु ते वक्ष्ये 11 35<sup>o</sup>  
 सकृत्सु विद्यते 82 7<sup>d</sup>  
 सकृत्सु लोकानाम् 70 38<sup>o</sup>  
 सकृत्सु परमात्मना 30 46<sup>d</sup>  
 सकृत्सु त कर्त्राणि 84 16<sup>o</sup>  
 सकृत्सु धीणा सत्तनाम् 46 12<sup>o</sup>  
 सकृत्सु कामि 100 52<sup>o</sup>  
 सकृत्सु चिदायत 98 10<sup>o</sup>  
 सकृत्सु कामय 32 10<sup>d</sup>  
 सकृत्सु साऽभ्यङ्गुत 33 17<sup>d</sup>  
 सकृत्सु पारंपाक्ष 93 6<sup>o</sup>  
 सकृत्सु ननुवह्निता 23 14<sup>o</sup>  
 सकृत्सु बदरश्च 105 22<sup>o</sup>  
 सकृत्सु तारकामये 30 17<sup>o</sup> 38 55<sup>o</sup>, 80<sup>o</sup>  
 +4 20<sup>o</sup>, 61<sup>d</sup>  
 सकृत्सु वतमानस्य 23 142<sup>o</sup>  
 सकृत्सु या विदेषा 38 77<sup>o</sup>

सप्रामे विक्रमिष्यत 110 8<sup>d</sup>  
 सप्रामे दाखयोधिनाम् 75 24<sup>o</sup>  
 सप्रामेपु भविष्यति 62 73<sup>o</sup>  
 सप्रामेऽनिरतिनाम् 42 50<sup>d</sup>  
 सप्रुष्ट फलपातने 57 14<sup>o</sup>  
 सप्रारपयसङ्कम् 72 5<sup>o</sup>  
 सप्रुकोप मद्गानीक 112 3<sup>o</sup>  
 सप्रु कसदासनाव 69 27<sup>d</sup>  
 सप्रुसोयमाससा 43 18<sup>d</sup>  
 सप्रु पदान्तरात् 91 45<sup>o</sup>  
 सप्रु तदा भीम 91 11<sup>o</sup>  
 सप्रु महाभ्राणि 92 45<sup>o</sup>  
 सप्रु प्रजा सर्वा 6 5<sup>o</sup>  
 सप्रु वयामास मृत 97 27<sup>o</sup>  
 सप्रु मध्वमाविश्य 118 13<sup>o</sup>  
 सप्रु मध्व तत्राल 118 12<sup>o</sup>  
 सप्रु दृष्ट वाञ्छितम् 118 28<sup>d</sup>  
 सप्रु पाथिवी तात 8 18<sup>o</sup>  
 सप्रु दृष्टा विद्वन्त 8 8<sup>o</sup>  
 सप्रु नाम स्वतपसा 8 2<sup>o</sup>  
 सप्रु तपसा वर 8 6<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित 8 21<sup>d</sup>  
 सप्रु वैवस्वतो यम 8 19<sup>o</sup>  
 सप्रु यमिनि चिन्तयन् 8 16<sup>o</sup>  
 सप्रु तारासारावित्ता 54 15<sup>o</sup>  
 सप्रु तारासारावित्ता 73 15<sup>d</sup>  
 सप्रु भारुकर्त्र 54 9<sup>o</sup>  
 सप्रु शरणीणि 35 21<sup>d</sup>  
 सप्रु मायया सेन्ये 35 22<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित दिनेन 60 20<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित चैव 112 30<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित चैव 85 47<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित सत्ये 112 31<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित चैव 109 62<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित रत्न 112 14<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित महाभुक्त 108 20<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित परमेष्ठिन 118 26<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित मरीचिगेन 56 21<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित शरवर्धन 37 47<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित पातत्रालेश्च 35 10<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित साम 36 1<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित पावकै 53 2<sup>o</sup>  
 सप्रु श्रुतिर्विहित पावकै 100 32<sup>d</sup>

संवेदममरश्रेष्ठं 13 2°.

सधिविग्रहमुष्णस्त्वां 78 21°

सध्यातपप्रसन्नशिखः 37. 42°.

सध्यामयोमिव गुहां 68 4°.

संध्यारक्तले ध्योत्रि 68 1°.

संध्यारागमयाञ्जुणोत् 106 47°.

संध्यारागेण रञ्जितः 77 59°.

संध्यारागोऽथ दिग्दाहः 116 36°.

संध्यारागो जपावर्ण 102 4°.

संध्यारात्रि प्रभा निद्रा 47. 54°.

सध्वेव सपयोधरा 48. 31°.

सनतिर्नाम भारत 18 22°.

सनतिर्नाम वीर्यवान् 15 34°.

सनतिर्दोस्तथा ध्रीश्च 96 72°.

सनतिं सनतिमर्ता 18 23°.

सनतेयुत्सर्धैव च 23 6°.

सनदा निर्ययु वृद्धाः 87. 49°.

सनह्यन्त यथाक्रमम् 34 2°.

सनाहभेदी कृष्णस्य 109 16°.

सनिकर्षगता केचित् 91 49°.

सनिष्ठमयो ह्यसि 66 32°.

सनिष्ठं भयं चैव 65 32°.

सनिष्ठानि यान्यासन् 52 12°.

सनिष्ठे ततो नामो 74 26°.

सनिष्ठे मदाभये 65 4°.

सनिष्ठे प्रज्ञालप्र 65 90°.

सनिधौ मम स्तोभना 18 6°.

सनिपातावधूतैश्च 75 30°

सनिपाते तु शो मष्टौ 76 2°

सनिपेतुरभीतवत् 81 94°

सनिपेतु. सहस्रताः 87 74°

सनिरुद्धो महामार्ग 75 45°

सनिविष्टं विमानस्थं 12 7°.

सन्यस्य सागरानूपे 9 96°

सपूर्णजलमेघात. 68 19°.

सप्रज्ज्वाल सर्वतः 85 51°.

सप्रतरये स पक्षिराट् 110 19°

सप्रत्यतीतां भान्यां च 32 2°.

सप्रदीप्तमिवाभाति 54 11°.

सप्रदीप्तमुखी तत 112 44°

सप्रदीप्तहुताशनम् 34 40°.

सप्रदीप्ताग्निपत्रना 37 18°.

सप्रविष्टे दिवाकरे 68. 4°.

संप्रवृत्तमहावर्ष 54 34°.

संप्रवेष्ट्याम्यहं योगं 45. 11°.

संप्रद्वस्येदमन्नवीत् 107. 14°.

संप्रद्वष्ट स भगवान् 59 7°.

संप्रद्वष्टानि सर्वश. 5 23°.

संप्रद्वष्टा मढावाहुम् 92 31°.

संप्रद्वष्टेषु देवेषु 36 38°.

सप्राप्तं स्वगृहं ततः 108. 8°.

सप्राप्ता शरणेषिणी 42 53°.

सप्राप्ते तारकामये 38 21°.

सप्राप्ते दुर्दिने काले 54. 24°.

संप्राप्य पार्थिवं लोकं 45 11°.

सप्राप्यतंत यज्ञः सः 60 16°.

सप्राप्तिस्यत वेगेन 58 3°

सप्रेष्यद्भिश्च सायकै 35. 5°.

सबन्धीनचलोककः 101. 6°

सबन्धो ह्यस्य बंदोऽस्मिन् 23. 91°

सबभूव नराधिपः 15. 6°.

सबभूव महाभूयिः 2 20°.

सबभूवुर्बुधाकार्लं 10. 59°.

सबाधमेके संप्राप्य 37. 32°.

सबोध्यादमैरीडता 117. 5°.

सभयन्ति युगे युगे 3 51°.

सभवः कथित पूर्व 2 50°.

सभविष्यन्ति भूतले 44 81°.

सभारानुपचक्रमे 115 5°.

सभान्यारते न चाख्येयं 8 11°.

सभूतस्तस्य चारमज 9 86°.

सभूतस्य तु दयाद 9 87°.

सभूता पुरुषेश्वरा 43 70°.

सभूतो द्विजपत्तम 87 8°.

सभूतोऽग्निरिव धनुः 115 19°.

सभ्रमे किं विरम्यसे 51 21°.

समतो एतमान्धसु 7 45°.

समभय विदितारमना 68 38°.

समर्द्धेनुपलक्षणे 84 6°

समार्किततला भूमिः 54 4°.

समुष्णान्द्रानवं तेज 38 45°.

समृद्धा न विदुर्नने 5 12°.

सयम स्थिता शीर्षे 75 20°

सयुक्ता शालयश्च 80. 14°.

सयुक्ता काण्ठधर्मणा 14. 5°.

सयुक्ता सुहृदंस्तथा 80 8°.

सयुक्तौ कालधर्मशास्त्रे 16 21<sup>१</sup>  
 सयुगल्य निरुतने 15 47<sup>१</sup>  
 सयुगोपनिवर्तिना 109 74<sup>१</sup>  
 सयुगारमानमेव स 27 7<sup>१</sup>  
 सख्यमात्र देवैस्त 92 65<sup>१</sup>  
 सख्याश्च वयं देवै 109 53<sup>१</sup>  
 सरयत् जन सयै 75 34<sup>१</sup>  
 सरय्य समतज्यत् 108 87<sup>१</sup>  
 सार्यावभिधावन्तौ 82 11<sup>१</sup>  
 सार्यो गदहोपरि 38 32<sup>१</sup>  
 सार्यो ब्रह्मयुद्धार्थी 106 3<sup>१</sup>  
 सार्यो विष्णुमन्वीत् 44 12<sup>१</sup>  
 सारदा गिरिकन्द्रे 92 24<sup>१</sup>  
 सारसारगणान्बहुन् 5 9<sup>१</sup>  
 सारसार्य पर्यन्ते 9 55<sup>१</sup>  
 सार्वक नाम गण 61 1<sup>१</sup>  
 सार्वकार्युद्घोषेत 40 5<sup>१</sup>  
 सार्वकार्ये तृपित 36 53<sup>१</sup>  
 सार्वमाना समरे 37 30<sup>१</sup>  
 सार्वार्थ महात्मने 23 1<sup>१</sup>  
 सार्वार्थ यथासुखम् 49 3<sup>१</sup>  
 सार्वार्थम् भद्र ते 52 28<sup>१</sup>  
 सार्विधानमयाज्ञाप्य 109 87<sup>१</sup>  
 सार्विकत्वात् सर्वैश्च 109 20<sup>१</sup>  
 सार्विकविष्णुप्रज्ञा 3 7<sup>१</sup>  
 सार्विकोपगम्याथ 118 12<sup>१</sup>  
 सार्विकानामगदह 35 62<sup>१</sup>  
 सार्विक विचारित्यति 115 42<sup>१</sup>  
 सार्विकी गोपदारकी 51 5<sup>१</sup>  
 सार्विका स्म न सदाथ 110 12<sup>१</sup>  
 सार्विकयामास शिशु 49 14<sup>१</sup>  
 सार्विकित्वात् 100 18<sup>१</sup>  
 सार्विकेन्दनाय वै 12 28<sup>१</sup>  
 सार्विक्यन्ति चार्थिन 78 20<sup>१</sup>  
 सार्विक्यन्ति पार्थिवा 67 64<sup>१</sup>  
 सार्विक्यन्ति मानवा 117 29<sup>१</sup>  
 सार्विकानुययुत्सदा 85 18<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तु राधायका 94 10<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं सुपर्णेन 38 32<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तु हर्षागुणम् 67 31<sup>१</sup>  
 सार्विकानां महासुधे 110 23<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तु सोयदी 64 18<sup>१</sup>  
 सार्विकीं सुर्वैर्यथा 42 7<sup>१</sup>

सार्विके द्विजातय 15 9<sup>१</sup>  
 सार्विक्यपि वर्तताम् 16 32<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं प्रतिपादितौ 96 45<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं लम्बयामासु 78 45<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं यथान्याय 78 44<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं स्वैश्च कर्मभि 20 17<sup>१</sup>  
 सार्विक्यमानो गोविन्द 113 50<sup>१</sup>  
 सार्विक्यमानो बहुधा 113 17<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं धननिर्गर्ह्येषु 97 31<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं नन्दनं शुभम् 91 32<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं च चै बपु 58 37<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं स वृष्णेन 58 50<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं च वर शत्राव 85 51<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं नृप 9 80<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं निवृत्तय 9 80<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं मितरगीय 43 22<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं काल एव च 113 78<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चापलेन च 9 90<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तदासा ह्रुवा 58 22<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं च भारत 7 51<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं च नित्यं 7 47<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं च मन्वा 7 50<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं कोपं वृक्षेभ्य 2 44<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं बलमात्मन 58 65<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं लोमा श्वानाथ 110 64<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं दनात्मन 83 18<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं दानाभरण 37 33<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धाऽभूत् 3 60<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तु देवस्य 3 80<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं तु रत्नं 31 77<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं गानप्रिय 31 71<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धे तत्र 96 13<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं मिनी 81 45<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 4 9<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 79 6<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 5 21<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 109 7<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 113 4<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 93 28<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 93 36<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 81 63<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 37 42<sup>१</sup>  
 सार्विक्यं चतुर्धा 110 58<sup>१</sup>

सारसैश्व विनादिताम् 55 30<sup>d</sup>  
 सार्कचन्द्रग्रहणं 32 13<sup>d</sup>.  
 सार्गलद्वाररोवाटं 49 26<sup>d</sup>.  
 सार्गलद्वारवेदिका. 74. 2<sup>d</sup>.  
 सार्चिष्मत्यः सुदाहणाः 112 70<sup>d</sup>.  
 सार्चिष्मन्निरिवानलैः 110 40<sup>d</sup>.  
 सार्धमुत्तमविक्रमः 106. 52<sup>d</sup>.  
 सार्धरात्रे विमूयिते 48 13<sup>d</sup>.  
 सार्धरात्रे स्थितं गर्भं 48 3<sup>d</sup>.  
 सार्धं पौण्ड्रैश्च वीर्यवान् 87. 50<sup>d</sup>.  
 सार्धं सलिलयोनिना 39 1<sup>d</sup>.  
 सार्वभौम इति ख्यातः 15. 33<sup>d</sup>.  
 सार्वभौमः प्रजेश्वरः 15 33<sup>d</sup>.  
 सालङ्कायनसौध्रवाः 23 89<sup>d</sup>.  
 सालस्कन्धाविवोद्गतौ 96 49<sup>d</sup>.  
 सालास्त्रालाः कद्रव्याश्च 93 60<sup>d</sup>.  
 सा लोकान्द्रक्षलोकौकादीन् 5 44<sup>d</sup>.  
 सालरराजश्च विक्रान्तः 80. 14<sup>d</sup>.  
 साल्वश्च विजितः संख्ये 105 13<sup>d</sup>.  
 सा वचत्तथ्यमशिशं 107. 85<sup>d</sup>.  
 सावतसैर्विपाणैश्च 59 58<sup>d</sup>.  
 सावभूता शिलापृष्ठे 48 28<sup>d</sup>.  
 सावरोह इवाचल 33 16<sup>d</sup>.  
 सावरोहद्रुमं घोरं 55 51<sup>d</sup>.  
 सावरोहा इव द्रुमाः 53 17<sup>d</sup>.  
 सावर्णं इति चोत्पत्ते 8 17<sup>d</sup>, 47<sup>d</sup>.  
 सावर्णस्य मनोः पुत्राः 7. 45<sup>d</sup>.  
 सावर्णस्येद् वाग्दशु 7 42<sup>d</sup>.  
 सावर्णः स तपोधनः 8 43<sup>d</sup>.  
 सावर्णा मनवन्तात 7 39<sup>d</sup>.  
 सावर्णिश्च मनुस्तात 7 5<sup>d</sup>.  
 सा विह्वलजलखोता 83 33<sup>d</sup>.  
 सा वै निशि तमोमस्ते 48 32<sup>d</sup>.  
 सा वै भार्या भगवतः 8 2<sup>d</sup>.  
 साशनिलनयित्त्वः 66 30<sup>d</sup>.  
 साशनिलनयिरनुना 76 6<sup>d</sup>.  
 सादमशब्दः शिलावर्षैः 36 25<sup>d</sup>.  
 सादमसंघातवियमा 36 27<sup>d</sup>.  
 साधुपूर्णमुखी दीना 48 44<sup>d</sup>.  
 साधुबिन्दुः प्रवर्तेते 108 30<sup>d</sup>.  
 साधं हतं प्रसेनं पु 28 20<sup>d</sup>.  
 साध. सध्वजसातथि. 108. 80<sup>d</sup>.  
 साधार्थं सरथङ्गतराम् 97. 20<sup>d</sup>.

साधोऽध्वपतिरेव च 31. 71<sup>d</sup>.  
 सा समुद्रौषसदशी 37. 19<sup>d</sup>.  
 सा सरोपा पुनर्भूत्वा 73. 30<sup>d</sup>.  
 सा सांख्यानं गतिः गर्भे 104 11<sup>d</sup>.  
 सासिद्धप्रश्नबोत्पौडः 76 43<sup>d</sup>.  
 सासिद्धस्तैः समन्ततः 35 4<sup>d</sup>.  
 सा स्थितावेक्षिणी भूत्वा 71. 24<sup>d</sup>.  
 सास्मि चेद्यां समारोप्य 42 40<sup>d</sup>.  
 सा स्वप्रमिच तं दृष्ट्वा 48 4<sup>d</sup>.  
 सा स्वप्ने धर्षिता तेन 107. 21<sup>d</sup>.  
 साहं यथैव जानीयां 19. 9<sup>d</sup>.  
 साहं विशापितवती 42 43<sup>d</sup>.  
 साहं विहीना विक्रातैः 42. 44<sup>d</sup>.  
 सा हि तस्याभ्रवज्ज्येष्ठा 88 36<sup>d</sup>.  
 सा हि तं चक्रमे कन्या 89. 3<sup>d</sup>.  
 सा हि प्राणान्तिका यात्रा 75. 26<sup>d</sup>.  
 सा ह्यक्षया समा वारो 86 69<sup>d</sup>.  
 सा सुदिष्टा पुरा भीष्म 18. 6<sup>d</sup>.  
 साहृत्सो गालवो राजन् 23. 68<sup>d</sup>.  
 सांख्ययोगमनुत्तमम् 18 10<sup>d</sup>, 19. 28<sup>d</sup>.  
 सांदांपनेरुष्या पुत्रः 105. 21<sup>d</sup>.  
 सांनिध्यं वेदावस्य सः 68 14<sup>d</sup>.  
 सांप्रतस्य महायुते 7. 58<sup>d</sup>.  
 सांप्रतं खिद्यमानाहं 42. 36<sup>d</sup>.  
 सांप्रतो मनुरुच्यते 7. 4<sup>d</sup>.  
 सिकताताम्रमृत्तिकम् 84. 25<sup>d</sup>.  
 सिकं दानवसभयः 38 40<sup>d</sup>.  
 सिकतां चन्दनवारिणा 89. 22<sup>d</sup>.  
 सितवर्णांशुदोष्णीपं 59 35<sup>d</sup>.  
 सिताभावथवा इव 67. 40<sup>d</sup>.  
 सितेनेति हि नः शुभम् 20. 10<sup>d</sup>.  
 सिद्धचारणमानवैः 47. 17<sup>d</sup>.  
 सिद्धचारणसंघातौ 109. 91<sup>d</sup>, 110. 10<sup>d</sup>.  
 सिद्धचारणसेवितम् 108. 7<sup>d</sup>.  
 सिद्धं भ्रमथलक्षणेः 99 42<sup>d</sup>.  
 सिद्धान्तं भुवि दुर्लभम् 19 33<sup>d</sup>.  
 सिद्धाश्च परमर्षयः 82. 13<sup>d</sup>.  
 सिद्धिमस्तेन कालेन 117. 13<sup>d</sup>.  
 सिद्धिं चाश्रमिन् मानवाः 115 45<sup>d</sup>.  
 सिद्धैः मत्सर्पिभ्रमया 31. 35<sup>d</sup>.  
 सिद्धयन्ति दिनानन्दन 112. 60<sup>d</sup>.  
 सिद्धयन्त्यद्वाभि विन्मया 5. 31<sup>d</sup>.  
 सिनीवाली कुहूक्षेत्र 20. 26<sup>d</sup>.

सिन्धुद्वीपपितामवत् 10 68<sup>६</sup>.  
 सिन्धुद्वीपस्य वीर्यवान् 10. 68<sup>६</sup>.  
 सिटीन्द्राभरणं क्वचित् 54. 11<sup>६</sup>.  
 मिलीन्द्राभरणगामु च 55 14<sup>६</sup>.  
 सिपिचुर्यानि जलदाः 59. 46<sup>६</sup>.  
 सिपिचुस्रोथधारिभिः 62. 60<sup>६</sup>.  
 सिपिचुः कृष्णमव्ययम् 62 59<sup>६</sup>.  
 सिन्धुशतस्तु नाराघान् 81. 87<sup>६</sup>.  
 सिन्धुशुर्विधाः प्रजाः 1. 23<sup>६</sup>.

3. 5<sup>६</sup>.

सिंहनादश्च संज्ञे 94. 12<sup>६</sup>.  
 सिंहनादं सततश्रुतः 112. 21<sup>६</sup>, 47<sup>६</sup>.  
 सिंहनादं नदन्नुदः 108 55<sup>६</sup>.  
 सिंहनादं व्यरोचत 108. 26<sup>६</sup>.  
 सिंहनादश्च देत्वानां 112. 50<sup>६</sup>.  
 सिंहनादश्च मोहयन् 64. 12<sup>६</sup>.  
 सिंहयुक्तो महास्वनः 112. 16<sup>६</sup>.  
 सिंहपैमशृगैर्नागैः 113 57<sup>६</sup>.  
 सिंहविस्पष्टरिचमः 44 62<sup>६</sup>.  
 सिद्ध्याप्रगताकीर्णां 36 23<sup>६</sup>.  
 सिद्ध्याप्रगताश्चान्ये 33 24<sup>६</sup>.  
 सिद्ध्याप्रवराहाणां 65. 55<sup>६</sup>.  
 सिद्धशातुल्विक्रमः 68 19<sup>६</sup>.  
 सिद्धशावाविरोद्गीर्णां 96 46<sup>६</sup>.  
 सिद्धसंहननो युवा 89. 6<sup>६</sup>.  
 109. 84<sup>६</sup>.

सिद्धस्कन्धो महाभुजः 31. 137<sup>६</sup>.  
 सिद्धस्वार्धतनुं तथा 31. 65<sup>६</sup>.  
 सिद्धः शुद्धशृगानिव 89 46<sup>६</sup>.  
 सिद्धः प्रमुपगतो हृद्वा 108. 63<sup>६</sup>.  
 सिद्धः प्रसेनमवधीत् 28 24<sup>६</sup>.  
 सिद्धार्थे भरमस्थितम् 38 19<sup>६</sup>.  
 सिद्धार्थिव्य बज्रोत्कटौ 71 37<sup>६</sup>.  
 सिद्धामनेषु चित्रेषु 100. 14<sup>६</sup>.  
 सिद्धिका चाभवत्कन्या 3. 68<sup>६</sup>.  
 सिद्धिकायामधोरेपश्चा 3 76<sup>६</sup>.  
 सिद्धिमिरिगुहा यथा 95 16<sup>६</sup>.  
 सिद्धो जाम्बवता हतः 28. 24<sup>६</sup>.  
 सीतयेत् पुरा रामः 89 35<sup>६</sup>.  
 सीतायज्ञाश्च कर्षकाः 59 27<sup>६</sup>.  
 सीतायाः पदमन्त्रिच्छन् 31. 119<sup>६</sup>.  
 सीतेति प्रथिता जनेः 31. 117<sup>६</sup>.  
 सीदन्तीं विदत्प्रभाम् 69. 8<sup>६</sup>.

सीदन्तीं वै तपस्विनीम् 69 11<sup>६</sup>.  
 सीदमानः कृतात्मना 62. 33<sup>६</sup>.  
 सीदमानंश्च सर्वतः 61. 32<sup>६</sup>.  
 सीदामि हृदि दुर्बला 99. 23<sup>६</sup>.  
 सीमन्तमिव कुर्वती 52 26<sup>६</sup>.  
 सीमन्तोदरणं कृतम् 38 8<sup>६</sup>.  
 सीमान्तं धृयते वनम् 59. 23<sup>६</sup>.  
 सुकद्वितमदासुधम् 33 2<sup>६</sup>.  
 सुकाला नाम पितरः 13 51<sup>६</sup>.  
 सुकुमारक मा रोदीः 28. 24<sup>६</sup>.  
 सुकुमारततोऽभवत् 23. 70<sup>६</sup>.  
 सुकुमारस्य पुत्रस्तु 23 71<sup>६</sup>.  
 सुकुमारः कुमारोऽसौ 114 10<sup>६</sup>.  
 सुकुमारामिताश्रेण 55. 3<sup>६</sup>.  
 सुकृती मद्दिधो जनः 115. 37<sup>६</sup>.  
 सुकृतेनेह कर्मणा 15 22<sup>६</sup>, 23<sup>६</sup>.  
 सुपमल्पेन कर्मणा 116. 2<sup>६</sup>.  
 सुपमेघप्रित् वदयः 6 2<sup>६</sup>.  
 सुवध्रभ्यतया गतम् 115 11<sup>६</sup>.  
 सुख भवन्तो विचरन्तु लोकम् 118. 50<sup>६</sup>.  
 सुखं व्यधयामहे प्रजाः 3 20<sup>६</sup>.  
 सुखं स्वपिति निश्चिन्त 109. 21<sup>६</sup>.  
 सुखं स्वपिति वा रहः 118 22<sup>६</sup>.  
 सुखाय त्रिदिवीरुगम् 62 96<sup>६</sup>.  
 सुखासीनस्य धीमतः 74 19<sup>६</sup>.  
 सुरिनो भवत्सन्नादन् 84. 34<sup>६</sup>.  
 सुरिन्यः कामयार्त्रिणाः 92 25<sup>६</sup>.  
 सुरोत्तरे तु योजिताः 77. 13<sup>६</sup>.  
 सुरोपदिष्टान्दृग्गीन् 96 24<sup>६</sup>.  
 सुरातिमियाचक्रवर्णाश्च दृग्जानिः 118 48<sup>६</sup>.  
 सुराणां वृद्धतन्द 24. 11<sup>६</sup>.  
 28. 42<sup>६</sup>.  
 सुगुप्तां चरणीचरेः 37. 56<sup>६</sup>.  
 सुधीराश्रामिनेचिनः 31. 121<sup>६</sup>.  
 सुधीराश्च हृते येन 31 121<sup>६</sup>.  
 सुधीरं चैव दीक्ष्यं च 102 21<sup>६</sup>.  
 सुधीरी तु परंतप 3 83<sup>६</sup>.  
 सुधीरी सुशिश्रुधरे 3 81<sup>६</sup>.  
 सुषादचक्रवर्णः 34. 4<sup>६</sup>.  
 सुषादन्स्य चारमः 98 25<sup>६</sup>.  
 सुषारोर्दुहिता सुभ्र. 114 6<sup>६</sup>.  
 सुषुप्तयताया लोके 43 26<sup>६</sup>.  
 सुतनुश्च नराची च 99 21<sup>६</sup>.

सुतन् राष्ट्रपाली च 27 29<sup>१</sup>  
 सुतलेनोच्छ्रयवता 36 54<sup>१</sup>  
 सुतस्य प्रभववारणिम् 35 48<sup>१</sup>  
 सुतद्वेषु सुतद्वयम् 23 54<sup>१</sup>  
 सुत कम्बलवर्हिपम् 26 8<sup>१</sup>  
 सुत कम्बलवर्हिप 26 9<sup>१</sup>  
 सुत जाम्बवतो नृप 28 23<sup>१</sup>  
 सुत परमकोपनम् 46 6<sup>१</sup>  
 सुत पञ्चजनस्यासीत् 10 64<sup>१</sup>  
 सुत पञ्चवनस्यापि 23 100<sup>१</sup>  
 सुता चारुमती तथा 88 39<sup>१</sup>  
 सुता जाम्बवतश्चापि 88 41<sup>१</sup>  
 सुता भार्यामवाप ह 22 3<sup>१</sup>  
 सुता भार्यामविन्दत 24 7<sup>१</sup>  
 28 37<sup>१</sup>  
 सुता सुतपसा युक्ता 3 5<sup>१</sup>  
 सुतीर्था स्वादुसलिला 55 29<sup>१</sup>  
 सुतोऽभवन्महातेजा 23 71<sup>१</sup>  
 सुतो भीमरथस्य वै 23 65<sup>१</sup>  
 सुतो रणविशारद 9 80<sup>१</sup>  
 सुतौ कनकस्य तु 24 32<sup>१</sup>  
 सुतौ वृषण्यन्धकायुभौ 24 3<sup>१</sup>  
 सुदत्ता च तथा दैव्या 98 3<sup>१</sup>  
 सुदत्ताया निवास तं 93 50<sup>१</sup>  
 सुदत्तायास्तु दैव्याया 98 10<sup>१</sup>  
 सुदरीद्रे सहोदरा 18 24<sup>१</sup>  
 सुदह च सुचारु च 28 8<sup>१</sup>  
 सुदहो हुम एव च 98 6<sup>१</sup>  
 सुदान्तश्चाधिदान्तश्च 28 6<sup>१</sup>  
 सुदासाहोति विख्याता 91 24<sup>१</sup>  
 सुदासाहो सुदासाहा 95 15<sup>१</sup>  
 सुदेवश्रोपदेवश्च 28 42<sup>१</sup>  
 सुदेव वीर्यसपत्नं 87 4<sup>१</sup>  
 सुदेवा देवरक्षिता 27 27<sup>१</sup>  
 सुदेवो देवरक्षित 27 26<sup>१</sup>  
 सुद्युम्न इति विख्यात 9 12<sup>१</sup>  
 सुद्युम्नश्चति ते नय 2 17<sup>१</sup>  
 सुद्युम्नस्य कुरुदह 9 19<sup>१</sup>  
 सुद्युम्नस्य तु दायादा 9 15<sup>१</sup>  
 सुद्वारा प्राप्यतोरणा 86 42<sup>१</sup>  
 सुघन्वन सुतश्चापि 9 87<sup>१</sup>  
 सुघन्वन मुखाहुस्तु 23 5<sup>१</sup>  
 सुघन्वा च महीपति 23 5<sup>१</sup>

सुघन्वा रिमुमर्दन 9 87<sup>१</sup>  
 सुघन्वा सुघनुस्रथा 23 109<sup>१</sup>  
 सुघर्मा धर्मश्रुत्तया 24 13<sup>१</sup>  
 सुघर्मा नाम पार्थिव 15 3<sup>१</sup>  
 सुघर्मा यदुमुत्पाना 86 73<sup>१</sup>  
 सुघर्मा वा सुघर्माय 86 72<sup>१</sup>  
 सुघापाण्डुरलेपनाम् 93 24<sup>१</sup>  
 सुघामा विरजास्रथा 7 26<sup>१</sup>  
 सुनामानमपोथयत् 76 45<sup>१</sup>  
 सुनामानममिग्रह 96 40<sup>१</sup>  
 सुनामान महाभुजम् 78 45<sup>१</sup>  
 सुनासरी चैव सप्तमी 27 27<sup>१</sup>  
 सुनिविष्टद्वैवतम् 86 14<sup>१</sup>  
 सुनीथ प्रददा सुतम् 87 22<sup>१</sup>  
 सुनीथ समवाकिरन् 87 60<sup>१</sup>  
 सुनीथाया प्रजापति 5 2<sup>१</sup>  
 सुनीथार्थेऽथ रुक्मिणीम् 87 25<sup>१</sup>  
 सुनेत्रश्च स्वतन्त्रश्च 16 29<sup>१</sup>  
 सुन्दरा च वराहना 24 10<sup>१</sup>  
 28 40<sup>१</sup>  
 सुपर्णध्वजमास्थाय 81 79<sup>१</sup>  
 सुपर्णध्वजशोभिते 32 26<sup>१</sup>  
 सुपर्णवशागा नागा 3 86<sup>१</sup>  
 सुपर्णस्योरगाशिन 55 49<sup>१</sup>  
 सुपर्ण खेचरोत्तमम् 34 46<sup>१</sup>  
 सुपर्ण व्यथित इष्टा 38 34<sup>१</sup>  
 सुपर्ण पतता ध्रष्ट 3 84<sup>१</sup>  
 सुपर्ण हवेन वपुषा 34 46<sup>१</sup>  
 सुपर्णेन सम विभु 38 35<sup>१</sup>  
 सुपर्णो वै ममाग्रत 110 45<sup>१</sup>  
 सुपर्णभङ्गवेपथौ 24 12<sup>१</sup>  
 28 43<sup>१</sup>  
 सुप्तनिष्प्रतिभासु च 70 3<sup>१</sup>  
 सुप्तमगुरुदक्षिणम् 70 18<sup>१</sup>  
 सुप्तस्यैतुल्यदो 61 15<sup>१</sup>  
 सुसाक्ष सुकृतं विना 76 39<sup>१</sup>  
 सुसाक्षिनि विचेतस 43 57<sup>१</sup>  
 सुसा दान्देन बोधिता 50 28<sup>१</sup>  
 सुस विष्णो पुरंदर 40 25<sup>१</sup>  
 सुत्वा सुगतदह स 31 14<sup>१</sup>  
 सुप्रणाराश्च ये प्रदा 41 14<sup>१</sup>  
 सुप्रमाण च ज्योतीषि 32 35<sup>१</sup>  
 सुप्रभा रोहिणी यपा 48 7<sup>१</sup>

सुप्रसन्नशिलावल्गुम् 92 39<sup>d</sup>  
 सुप्रियं वत् पदयाम 92 34<sup>d</sup>  
 सुप्रितेनान्तरालमना 47 18<sup>b</sup>  
 सुप्रदेन महासुज 58 51<sup>d</sup>  
 सुप्रको बलवाग्धडी 90 5<sup>b</sup>  
 सुप्रहृति समन्तत 82 7<sup>b</sup>  
 सुबाहुशंभुबाहुश्च 24 13<sup>d</sup>  
 28 44<sup>d</sup>  
 सुबाहुश्च धार्मिक 23 44<sup>b</sup>  
 सुभगा स्थिरयौवना 92 60<sup>b</sup>  
 सुभद्राया रथी पायात् 25 5<sup>d</sup>  
 सुभीमा च तथा माद्री 98 4<sup>d</sup>  
 सुभीमाया महाहृदं 93 45<sup>d</sup>  
 सुभीमाया सुतो माया 98 11<sup>d</sup>  
 सुसुज देवकीसुतम् 75 2<sup>b</sup>  
 सुमना मुनि सुवाग्धुद 16 29<sup>d</sup>  
 सुमदश्च रिपोश्चैलम् 84 10<sup>d</sup>  
 सुमद्वकर्म कारणम् 65 58<sup>d</sup>  
 सुमदानस्यते 50 1<sup>b</sup>  
 सुमदानन्तकोपम 58 27<sup>b</sup>  
 सुमदानमवर्षि 24 16<sup>b</sup>  
 सुमदान्मृणालसूक्त 57 5<sup>d</sup>  
 सुमित्र मिश्रनन्दनम् 28 9<sup>d</sup>  
 सुमुहूर्तेन तु यय 102 1<sup>d</sup>  
 सुप्रयत्नयोऽभवत् 26 6<sup>b</sup>  
 सुपानुन नाम गिरि 73 10<sup>d</sup>  
 सुप्रथम्य तु विक्रान्तः 23 111<sup>d</sup>  
 सुरभो महिमालया 23 111<sup>d</sup>  
 सुरदेवार्थिगार्थै 45 14<sup>d</sup>  
 सुरभिर्विनता चैव 3 45<sup>d</sup>  
 सुरभीष्टनमाफलम् 49 26<sup>d</sup>  
 सुरभी महिषी तथा 3 91<sup>d</sup>  
 सुरमाया मदर्थं तु 3 85<sup>d</sup>  
 सुराणामपेक्षितद्वये 65 44<sup>d</sup>  
 सुराणामसुराणां च 35 1<sup>d</sup> 65 41<sup>d</sup>  
 100 15<sup>d</sup>  
 सुराणामसुरास्तक 41 1<sup>d</sup>  
 सुराणामेकद्वार्याणां 43 11<sup>d</sup>  
 सुराणां कारणान्तरे 65 36<sup>d</sup>  
 सुराणां च महायया 07 30<sup>d</sup>  
 सुराणां प्रीतिवर्षेनात् 43 44<sup>d</sup>  
 सुराणां भावने कुले 44 1<sup>d</sup>  
 सुराणां विपरिक्षिणा 86 58<sup>d</sup>

सुराणा शल्यमुद्बुतम् 38 57<sup>d</sup>  
 सुराणा सर्वसैन्यस्य 34 1<sup>d</sup>  
 सुराणा सुरसत्तम 30 12<sup>d</sup>  
 सुराया ब्रह्मवादिन 116 33<sup>b</sup>  
 सुरापिशितपूर्णाया 65 53<sup>d</sup>  
 सुराणिर्गर्भमाधत्त दिव्यं 30 19<sup>d</sup>  
 सुरारिवल्दर्वित 31 32<sup>b</sup>  
 सुरार्थं श्वक्कजीवित 38 13<sup>b</sup>  
 सुरासुरनराचिंताम् 39 4<sup>d</sup>  
 सुरासुरमनुष्येषु 97 35<sup>d</sup>  
 सुरा कुरत मा चितम् 43 63<sup>d</sup>  
 सुरेयुरिति विख्याता 8 1<sup>d</sup>  
 सुरेन्द्रवज्राशनिगुण्यसारी 31 120<sup>d</sup>  
 सुरेन्दोऽरिनिपुदन 30 3<sup>d</sup>  
 सुरेष्वापि सदैर्येषु 38 63<sup>d</sup>  
 सुरैराचरितेषु च 21 8<sup>d</sup>  
 सुरैर्यस्य प्रवर्तितम् 23 12<sup>d</sup>  
 सुवक्त्रममिर्वातनम् 87. 3<sup>d</sup>  
 सुवर्णकोटि तप्राद् 89 29<sup>d</sup>  
 सुरणैरेणुष्यन्त 38 40<sup>d</sup>  
 सुवर्णवर्णाङ्गुक्षामाद् 112 53<sup>d</sup>  
 सुवयस्य दनाङ्कित 89 27<sup>b</sup>  
 सुराणाञ्जनवर्णाभौ 58 5<sup>d</sup>  
 सुयाक प्रथमायत 17 2<sup>d</sup>  
 सुयामिना वयुष्मान् 72 7<sup>d</sup>  
 सुविर्माणौ यक्षया 68 23<sup>b</sup>  
 सुयतस्य तथाम्यथा 23 25<sup>d</sup>  
 सुयतां नाम रेयनीम् 9 27<sup>d</sup>  
 सुताग्निरद्वयपत 23 95<sup>d</sup>  
 सुतीलां पुत्रगोचनम् 88 42<sup>d</sup>  
 सुपुत्र वादसी विभ्रत् 74 18<sup>d</sup>  
 सुस्त्रिणवति होत्रेषु 46 29<sup>d</sup>  
 सुपुत्राने स्मरं तदा 48 11<sup>d</sup>  
 सुपुत्रे भरितां यथा 27 11<sup>d</sup>  
 सुपेगधारगुप्तश्च 98 6<sup>d</sup>  
 सुपेग चारुगुत् 89 38<sup>d</sup>  
 सुप्राप काष्ठीयै 85 44<sup>d</sup>  
 सुप्राप जनमे 23 105<sup>d</sup>  
 सुपनदैर्गर्भे 84 16<sup>d</sup>  
 सुमैत्रद्वारमुग्गी 44 56<sup>d</sup>  
 सुवीला सुमन्दिता 44 53<sup>d</sup>  
 सुसुहृत्मानारिश्चकार 13 29<sup>d</sup>  
 सुखावेन्दुनिर्भं पद्य 62 61<sup>d</sup>

सुसुबु क्रोधज जलम् 67 24<sup>d</sup>  
 सुस्वधा नाम पितर 13 58<sup>d</sup>  
 सुस्वरा लोकसाक्षिणी 82 20<sup>b</sup>  
 सुहृदो द्रक्ष्यसे न च 112 52<sup>d</sup>  
 सुहृद्भिर्नैरपुगव 15 46<sup>d</sup>  
 सुहोत्रस्य वृद्धयुत्र 23 73<sup>d</sup>  
 सुहोत्र सुतहोतार 23 53<sup>d</sup>  
 सुहृत्श्वरश्च विक्रान्त 80 13<sup>d</sup>  
 सुहृत्सालावलोकिन 74 13<sup>d</sup>  
 सुहृत्से घसानो घसने 55 4<sup>d</sup>  
 सुहृत्सैरपि दुरासद 58 43<sup>d</sup>  
 सुतमागधकल्पैश्चापि 107 5<sup>d</sup>  
 सुतमागधयन्दिनाम् 109 57<sup>b</sup>  
 सुतमागधयन्दिनि 5 38<sup>d</sup>  
 109 86<sup>d</sup>  
 सुत सुत्या समुत्पन्न 5 32<sup>d</sup>  
 सुत्तिकागारमध्यात्न 99 18<sup>d</sup>  
 सुत्रदृक्छास्त्रतो मान 86 12<sup>d</sup>  
 सुद्रयामास वीर्यवान् 31 145<sup>d</sup>  
 सुद्रुता नाम विद्युत्वा 2 8<sup>b</sup>  
 सुद्रुताया प्रजापति 2 9<sup>d</sup>  
 सुद्रुता सुपुत्र सुतान् 2 7<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट ददर्श ह 70 26<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट शिलाष्टुष्टे 62 6<sup>d</sup>  
 सुपविष्ट स्त्रलकृत 100 30<sup>d</sup>  
 सुपह्यमगमोपमघ् 33 5<sup>b</sup>  
 सुर्षप्रभस्तु प्रासाद 93 46<sup>d</sup>  
 सुर्षश्च भविता स्वयम् 97 36<sup>d</sup>  
 सुर्षेस्थेव गभस्त्रिभि 22 43<sup>d</sup>  
 सुर्षे भिन्ना महाल्का च 106 43<sup>d</sup>  
 सुर्षे ससाशयुक्त 34 20<sup>d</sup>  
 सुर्षाक्कात ह्वास्तुद 58 26<sup>d</sup>  
 सुर्षाक्षश्चैव मालव 81 40<sup>d</sup>  
 सुर्षाच द्रमसाविच 91 41<sup>d</sup>  
 96 59<sup>d</sup>  
 सुर्षोच द्रमसा तथा 43 68<sup>d</sup>  
 सुर्षापीडश्च मोक्षविन् 114 2<sup>d</sup>  
 सुर्षो द्विवि चरन्मध्ये 108 24<sup>d</sup>  
 सुगालसृगामिदंश्च 49 19<sup>d</sup>  
 सुज्ञा तेन रोषान्ति 56 10<sup>d</sup>  
 सुज्ञतां सुमुल मद्द्व 81 101<sup>d</sup>  
 सुज्ञतां शरवर्षाणि 87 73<sup>d</sup>  
 सुज्ञत वाद्यव विपन् 71 12<sup>d</sup>

सुज्ञतो हि प्रजापते 1 36<sup>d</sup>  
 सुज्ञध्व मानसाम्पुत्रान् 35 43<sup>d</sup>  
 सुज्ञध्व स्वशरीरारादान् 43 12<sup>d</sup>  
 सुज्ञत शरजालानि 81 74<sup>d</sup>  
 सुज्ञन्त शरवर्षाणि 81 98<sup>d</sup>  
 सुज्ञन्त सर्पपतय 34 32<sup>d</sup>  
 सुज्ञलोकान्समावसान् 30 53<sup>d</sup>  
 सुज्ञाम जगतीतले 43 10<sup>d</sup>  
 सुज्ञयस्य मद्दामन 23 100<sup>d</sup>  
 सुज्ञयस्याभवयुत्र 23. 17<sup>d</sup>  
 सुभयो नाम वै सुत 23 16<sup>d</sup>  
 सुतयुतेश्च सुरगै 84 18<sup>d</sup>  
 सुमरा पितृकाश्चैव 59 54<sup>d</sup>  
 सुत पुत्रद्वय शुभम् 62 93<sup>d</sup>  
 सुधामौर्वेण वह्निना 35 18<sup>d</sup>  
 सुध्या येन स नारद् 100 72<sup>d</sup>  
 सुध्या येनैव तेजसा 35 73<sup>d</sup>  
 सुध्या लोकाश्रयोऽनन 30 28<sup>d</sup>  
 सुधोऽय नैष्टिको राज्ञां 43 65<sup>d</sup>  
 सेतुर्यो लोकसेतूनां 30 34<sup>d</sup>  
 सेत्स्यते च स कार्याय 44 82<sup>d</sup>  
 सेत्स्यते वीर कार्याय 62 18<sup>d</sup>  
 सेनन्तितृधिवीपति 15 16<sup>d</sup>  
 सेनयोरुभयोलयो 81 90<sup>d</sup>  
 सेनाभ्यक्षाश्च सर्वदा 15 43<sup>d</sup>  
 सेनानोक्षात् मा मैव 109 47<sup>d</sup>  
 सेनानी काश्यपो द्विज 115 40<sup>d</sup>  
 सेनानी कैशिकश्चैव 81 81<sup>d</sup>  
 सेनापतिमनाष्टुष्टि 86 76<sup>d</sup>  
 सेनापतिनाष्टुष्टि 109 38<sup>d</sup>  
 सेनापालाश्च सचक्रु 84 31<sup>d</sup>  
 सेनां बाण समासाय 112 6<sup>d</sup>  
 सेन्द्राचपयनोपमम् 55 19<sup>d</sup>  
 सेन्द्रान्निरिवाभ्योद 64 11<sup>d</sup>  
 सेयमन्यानपादाय 8 22<sup>d</sup>  
 सेय धात्री मिधात्री च 6 38<sup>d</sup>  
 सेय निराग्निं हरया 41 25<sup>d</sup>  
 सेय भारपरिधाता 41 18<sup>d</sup>  
 सेयिव षड्भिर्दिने 55 19<sup>d</sup>  
 सेयिनां त्रिपुनेत्रे 55 30<sup>d</sup>  
 सेयते चतसृषिभि 67 11<sup>d</sup>  
 सेयमानमितकृत 108 3<sup>d</sup>  
 सेयमानो नवैर्वातेः 55 16<sup>d</sup>



सैन्य सर्वेक्षणाम् 67 48<sup>3</sup>  
 सेहे धैर्येण महता 82 19<sup>0</sup>  
 सैक्यनां समाचरत् 13 17<sup>1</sup>  
 सैनिकैर्भरतर्षभ 82 3<sup>4</sup>  
 सैन्यस्वर्धेन दृशिता 81 96<sup>4</sup>, 99<sup>4</sup>  
 सैन्येन तद्विधेनेन 84 12<sup>0</sup>  
 सैन्येन महता तदा 85 21<sup>4</sup>  
 सैन्येन समुज्जे नदीम् 85 22<sup>4</sup>  
 सैन्ये समुदितैर्दृशा 80 9<sup>1</sup>  
 सैन्यमुखावा मनु देव 9 8<sup>0</sup>  
 सैषा दुर्विपदा माया 35 72<sup>0</sup>  
 सैषा नारायणमुते 40 32<sup>0</sup>  
 सैषा योषिद्वरा राजन् 118 25<sup>0</sup>  
 सैद्धिदेया इति ख्याता 3 76<sup>0</sup>  
 सोऽग्नि देयमुद्ये रट्वा 37 84<sup>0</sup>  
 सोऽग्नि प्रावसयने रट्वा 39 19<sup>0</sup>  
 सोऽग्रस्यप्रो महासुर 31 70<sup>1</sup>  
 सोऽग्रयान्श्लोकाणान्दत्वा 91 44<sup>0</sup>  
 सोऽहणादि सून कृष्ण 51 15<sup>0</sup>  
 सोऽह्यन्प्रथम पादं 36 58<sup>0</sup>  
 सोऽऽपयत सङ्घ 76 18<sup>0</sup>  
 सोऽऽपयत सरम्भ 47 1<sup>0</sup>  
 सोऽतिक्रायस्तु समुख 74 30<sup>0</sup>  
 सोऽतिविद् शरीर्वस्तु 108 67<sup>0</sup>  
 सोऽतिविद्मो महाबाहु 108 65<sup>0</sup>  
 सोऽल्लण्डेनारारमना 69 7<sup>4</sup>  
 सोऽरुष्टनिनदोरिधत 75 34<sup>1</sup>  
 सोऽत्तमागारयुष्ठाभि 72 3<sup>0</sup>  
 सोऽथ संपुनित पूर्य 96 23<sup>0</sup>  
 सोऽद्भुतदनागुच 57 17<sup>4</sup>  
 सोऽभर्मिर्नरतोऽभयम् 5 4<sup>4</sup>  
 सोऽभ्यारोहद्वयात्तमम् 33 13<sup>4</sup>  
 सोऽनर्वो यत्र सतय 47 2<sup>0</sup>  
 सोऽनलोऽनिलसयुक्तः 36 54<sup>0</sup>  
 सोऽग्रीरदो महारमना 113 3<sup>4</sup>  
 सोऽतिश्चानलाहुल 36 34<sup>1</sup>  
 सोऽनिलोद्धतयमन 37 42<sup>0</sup>  
 सोऽनुशापो महारमना 49 13<sup>4</sup>  
 सोऽनुशातो दि सरुख्य 95 2<sup>0</sup>  
 सोऽनुभूय सुगंगात् 70 29<sup>0</sup>  
 सोऽनुमाय सुरात्मर्षात् 86 71<sup>0</sup>  
 सोऽन्तर्निष्कगतो भूत्वा 99 29<sup>0</sup>  
 सोऽन्तर्निष्कारप्रपतित 99 30<sup>0</sup>

सोऽन्वदारुक्षिणा दिशम् 88 33<sup>4</sup>  
 सोऽपथा प्रियमादत्ता 117 18<sup>4</sup>  
 सोऽपथासमिद् यच 72 15<sup>4</sup>  
 सोऽपदयत सुत ज्येष्ठ 99 42<sup>0</sup>  
 सोऽपश्य सख्यमाभा च 92 66<sup>0</sup>  
 सोऽपश्यदुक्षपण्डाश्च 93 10<sup>0</sup>  
 सोऽपस्यूव नदीवीर 56 1<sup>0</sup>  
 सोऽपसूतो जनादेवम् 83 53<sup>0</sup>  
 सोऽपि कसस्तथापन्न 76 28<sup>0</sup>  
 सोऽपिवत्पाण्डुराज्राभ 83 20<sup>0</sup>  
 सोऽप्यवयंत वासव 106 42<sup>1</sup>  
 सोऽप्रवीरसदृसा देवीं 99 43<sup>0</sup>  
 सोऽभवत्सत्तथा गर्भे 3 105<sup>0</sup>  
 सोऽभवद्ग्राह्यो नाम 9 100<sup>0</sup>  
 सोऽभवद्भीमदधेन 76 9<sup>0</sup>  
 सोऽभिरायमाणोऽप्रवीत् 43 28<sup>0</sup>  
 सोऽभिदुत प्रनाभिरनु 5 42<sup>0</sup>  
 सोऽभिपत्य महोपाहु 92 69<sup>0</sup>  
 सोऽभिदुत्य तदा शक्ति 108 73<sup>0</sup>  
 सोऽभिभूय रणे पाणम् 108 63<sup>0</sup>  
 सोऽभिवाचधैये हरम् 46 5<sup>0</sup>  
 सोऽभिवासस्तदा राजन् 85 9<sup>0</sup>  
 सोऽभिपिका महावेना 5 28<sup>0</sup>  
 20 20<sup>0</sup>  
 सोमकल्य सुतो जन्तु 23 102<sup>0</sup>  
 सोमको नाम पार्थिव 23 101<sup>4</sup>  
 सोमदं यदुरारवेद 20 4<sup>1</sup>  
 सोमं व भाजितामन 20 5<sup>1</sup>  
 सोमदान्य द्रावाद् 23 101<sup>0</sup>  
 सोमदत्तो महाद्याया 23 116<sup>4</sup>  
 सोमदत्तो मदीपति 23 100<sup>0</sup>  
 सोमदत्तयाऽथ सुयया 3 53<sup>1</sup>  
 सोमगानामनुत्तम 13 12<sup>0</sup>  
 सोमगा व कर्णे मुला 13 61<sup>4</sup>  
 सोमगुवाहुषाद्रात् 9 14<sup>0</sup>  
 सोमभूयश्च भूगानां 30 35<sup>0</sup>  
 सोमवत्तविरथेन 21 15<sup>4</sup>  
 सोमवत्तविरथेन 2 46<sup>1</sup>  
 सोमवत्तविरथिनी 2 41<sup>4</sup>  
 सोमवत्तविरथे 85 57<sup>0</sup>  
 सोमवत्तविरथे 20 46<sup>0</sup>  
 सोमवत्तविरथे 3 31<sup>0</sup>  
 सोमवत्तविरथे 9 71<sup>0</sup>

सोमस्याय बृहस्पते 20 40<sup>६</sup>  
 सोमस्याप्यायन कृत्वा 13 67<sup>२</sup>  
 सोमस्याप्यायनाय वै 19 34<sup>६</sup>  
 सोमस्यांशेन भारत 2 46<sup>६</sup>  
 सोमस्येति महात्मान 20 42<sup>६</sup>  
 सोम पुत्र यशस्विनम् 23 9<sup>६</sup>  
 सोम योगबलेन वै 13 11<sup>६</sup>  
 सोम राज्येऽभ्यपेचयत् 4 2<sup>६</sup>  
 सोम खमिव भासयन् 86 62<sup>६</sup>  
 सोम पीतो महात्मना 23 35<sup>६</sup>  
 सोम प्रक्षीणमण्डल 20 45<sup>६</sup>  
 सोम श्वेतहयो भाति 34 23<sup>६</sup>  
 सोम सोमवता वर 20 22<sup>६</sup>  
 सोमो धाता प्रजापति 20 43<sup>६</sup>  
 सोमो योगेन सगत 62 64<sup>६</sup>  
 सोमो वायुर्हृताशन 31 44<sup>६</sup>  
 सोमो हि भगवान्देव 19 35<sup>६</sup>  
 सोऽयमेतै शतगुण 107 53<sup>६</sup>  
 सोऽयश्चूर्णमभक्षयत् 85 10<sup>६</sup>  
 सोऽय विज्ञातरूपो मे 107 73<sup>६</sup>  
 सोऽय विष्णु सनातन 68 24<sup>६</sup>  
 सोऽयोध्याधिपति प्रभु 9 39<sup>६</sup>  
 सोऽर्कममाविरोधन्त 34 36<sup>६</sup>  
 सोऽर्चितो देवराजेन 92 52<sup>६</sup>  
 सोऽर्जुनो नाम मे पुत्र 62 84<sup>६</sup>  
 सोऽर्जुनाद् महश्कृत्वा 74 38<sup>६</sup>  
 सोऽश्वगाढो हि सहसा 113 12<sup>६</sup>  
 सोऽश्वगाहत नि शक्नो 58 14<sup>६</sup>  
 सोऽश्वगाह्य नरेन्द्राणां 100 21<sup>६</sup>  
 सोऽश्वतीर्थं गजान्चूर्णं 91 30<sup>६</sup>  
 सोऽश्विद्वाराद्विदूरधम् 87 63<sup>६</sup>  
 सोऽश्वरूपेण भगवान् 8 37<sup>६</sup>  
 सोऽस्तिमुद्यम्य दारुणम् 108 52<sup>६</sup>  
 सोऽसुरो ध्वजमुत्तमम् 106 40<sup>६</sup>  
 सोऽसृजत्स्वरमस्य तु 111 5<sup>६</sup>  
 सोऽसृजत्स्वरुण विराट् 1 38<sup>६</sup>  
 सोऽसृजत्स्वरुण 32 7<sup>६</sup>  
 सोऽसृजत्सप्त मानसात् 1 29<sup>६</sup>  
 सोऽसृजत्सप्तैर्बहुविधै 37 41<sup>६</sup>  
 सोऽसृजाणां पातकप्रस 62 75<sup>६</sup>  
 सोऽस्मान्मी रतितस्कर 107 49<sup>६</sup>  
 सोऽस्मि भागैव भद्र ते 12 12<sup>६</sup>  
 सोऽस्य मूर्तिं स्थित कृण 56 31<sup>६</sup>

सोऽह कदाचिद्देवाना 46 12<sup>६</sup>  
 सोऽह कुतूहलाविष्ट 100 39<sup>६</sup>  
 सोऽह कृष्णेन वै रात्रौ 68 38<sup>६</sup>  
 सोऽह तत्र सितोष्णीयान् 46 13<sup>६</sup>  
 सोऽह तस्मै नमस्कृत्वा 12 7<sup>६</sup>  
 सोऽह त पाणिना स्पृष्ट्वा 100 35<sup>६</sup>  
 सोऽह त्रिपथगावाक्य 100 44<sup>६</sup>  
 सोऽह निरासो युद्धस्य 106 10<sup>६</sup>  
 सोऽह पितामह गत्वा 100 58<sup>६</sup>  
 सोऽह पृथिव्या वाक्येन 100 54<sup>६</sup>  
 सोऽह प्रजानिमित्त त्वा 6 3<sup>६</sup>  
 सोऽह युगस्य पर्यन्ते 12 4<sup>६</sup>  
 सोऽह वाक्यसमाप्त्यर्थे 100 60<sup>६</sup>  
 सोऽह विष्णोर्गति प्रेष्यु 100 80<sup>६</sup>  
 सोऽह सागरवाक्येन 100 48<sup>६</sup>  
 सोऽह स्वयभुवचनात् 100 68<sup>६</sup>  
 सोऽह स्वयभुवं देव 100 59<sup>६</sup>  
 सोऽह मायै तथा रूपे 116 21<sup>६</sup>  
 सोऽह किमकरोत्पश्चात् 115 3<sup>६</sup>  
 सोऽह सुमहदाप्यायन 1 1<sup>६</sup>  
 सोऽह्येऽहनि महामति 5 32<sup>६</sup>  
 सौनन्द च तत धीमान् 81 62<sup>६</sup>  
 सौनन्द सुसल तथा 81 59<sup>६</sup>  
 सौभद्रस्तस्य चारुमज 23 121<sup>६</sup>  
 सौभद्र ददधन्वना 97 6<sup>६</sup>  
 सौभद्र विनियतित 105 13<sup>६</sup>  
 सौभद्र पतिरुदित 73 24<sup>६</sup>  
 सौभ साहस्य निहत्तौ 109 40<sup>६</sup>  
 सौभाग्येनाभवत्तदा 94 27<sup>६</sup>  
 सौमित्रिर्मित्रनन्दन 44 51<sup>६</sup>  
 सौमित्रेन्द्रानवल च 44 47<sup>६</sup>  
 सौम्यस्त्वं सर्वभूतानां 36 9<sup>६</sup>  
 सौम्य चरति योगत 41 14<sup>६</sup>  
 सौम्य शैल्यमयं रसम् 34 26<sup>६</sup>  
 सौम्यानासृजुभारानां 38 78<sup>६</sup>  
 सौम्यानु वनरात्रिषु 55 16<sup>६</sup>  
 सौम्यां स्त्रीविग्रहां सुवि 87 35<sup>६</sup>  
 सौम्ये तेपस्वुपस्थिते 68 10<sup>६</sup>  
 सौम्येन्द्रो प्रयुपस्थिते 68 11<sup>६</sup>  
 सौम्यां पानकुम्भाश्च 74 11<sup>६</sup>  
 सौम्यैर्नोरोणा बली 89 42<sup>६</sup>  
 सौम्यैर्व्यासनेच्छामां 89 25<sup>६</sup>  
 सौवीरराज्य मुता 97 19<sup>६</sup>

सौवीरराजः दौष्यश्च 80. 15<sup>०</sup>.  
 सौहीप्रिरप्रवीरुह्रां 23. 77<sup>०</sup>.  
 स्कन्दगोपायनेन च 106. 22<sup>०</sup>.  
 स्कन्दः सनत्कुमारश्च 1. 32<sup>०</sup>.  
 स्कन्ददेशे घनावृत्ते 67. 24<sup>०</sup>.  
 स्कन्धाभ्यां युगलक्षणौ 58 4<sup>०</sup>.  
 स्कन्धावारनिवेशनम् 84. 31<sup>०</sup>.  
 सनद्रूपमुक्ताञ्चितः 42 3<sup>०</sup>.  
 सनवानेषुना पीता 65. 26<sup>०</sup>.  
 सनैः प्रमद्वसंयुक्तैः 62. 59<sup>०</sup>.  
 सन्धकर्णो विज्ञोचनः 16 23<sup>०</sup>.  
 सन्धाक्षो हेपितपट्टः 57. 15<sup>०</sup>.  
 सन्धः काश्यप एव च 7. 11<sup>०</sup>.  
 सन्धः सन्धवचनश्च ह 98. 17<sup>०</sup>.  
 सन्धनीभिर्धैतैश्चापि 53. 24<sup>०</sup>.  
 सार्धं समायाः सावर्णे 89 45<sup>०</sup>.  
 सन्मिहस्येव द्रेणेण 61. 44<sup>०</sup>.  
 सन्मितेन यथा भूमौ 103. 12<sup>०</sup>.  
 सन्वारीःशयमा गायाः 79 30<sup>०</sup>.  
 सन्वेषु जनमेजय 5. 38<sup>०</sup>.  
 सन्वेषुमेवं शतशः 97. 39<sup>०</sup>.  
 सन्वन्तः कृष्णस्ययम् 56. 46<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति देव दिग्भाभिः 40. 40<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति सुतयः सर्वे 62. 69<sup>०</sup>.  
 सन्वन्तो मनुसूदनम् 48 17<sup>०</sup>.  
 सन्वन्त्याङ्गिरामवीत् 34. 51<sup>०</sup>.  
 सन्वन्तामेव पार्थिवः 5 34<sup>०</sup>.  
 सन्वमानः स्वैः सर्वैः 109 86<sup>०</sup>.  
 सन्वमाने गदाधरे 36. 31<sup>०</sup>.  
 सन्वमानो महर्षिभिः 40 36<sup>०</sup>.  
 सन्वमानो यथा शक्रः 91. 42<sup>०</sup>.  
 सन्वमानो हि मानयैः 110 3<sup>०</sup>.  
 सन्वन्त्याल्लहताः श्रगाः 61. 18<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ते येनास्य कुर्वाव 5. 36<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति सर्व द्विजातयः 78 21<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति सुरि शाश्वतम् 62. 43<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति सुजनेधरम् 70. 10<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति सिन्धुभिः सद् 67. 14<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति यतोदां च 56 21<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति स्त्रीमानार्जिते 73 26<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति मूषाया एतः 30. 8<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति जाम्बवैपागतम् 96 19<sup>०</sup>.  
 सन्वन्ति यस्तं सुप्येत् 93. 28<sup>०</sup>.

सिधो हिरण्यं वासांसि 78. 23<sup>०</sup>.  
 सीमां वादण्यसंभवः 78 6<sup>०</sup>.  
 सीमां चारित्रलुब्धानां 77. 14<sup>०</sup>.  
 सीमां प्रेक्षागृहा भान्ति 74. 13<sup>०</sup>.  
 सीत्येन चलमानसा 99. 12<sup>०</sup>.  
 सीधर्ममभिरोचयत् 73. 13<sup>०</sup>.  
 सीनिमित्तं हतो बुद्धे 44. 36<sup>०</sup>.  
 सीपुंसोर्लक्षणैर्बुतः 9 20<sup>०</sup>.  
 सीवालनिरपत्रपः 38. 8<sup>०</sup>.  
 सीभावमुपनेष्यति 107. 41<sup>०</sup>.  
 सीमावं चापि लभिमता 107. 21<sup>०</sup>.  
 सीमिर्वैदंशैश्च 45 5<sup>०</sup>.  
 सीमिर्दुदाभिरिव च 49. 29<sup>०</sup>.  
 सीभिः परमदुधरम् 23. 104<sup>०</sup>.  
 सीरानमुपयुद्ध्यैमां 118. 35<sup>०</sup>.  
 सीरानं मम भावार्थं 15. 39<sup>०</sup>.  
 सीपधे परिपद्यसि 5. 47<sup>०</sup>.  
 सीतनापास्तु भूमिषु 47. 5<sup>०</sup>.  
 सीतद्विद्यानि धान्यानि 88 43<sup>०</sup>.  
 सीतद्विद्योपचर्षण 68. 24<sup>०</sup>.  
 सीत्स्वमायेन मोहिता 83. 29<sup>०</sup>.  
 सीत्स्वितानि इशांलया 31. 8<sup>०</sup>.  
 सीपतीथय गोविन्दः 86 13<sup>०</sup>.  
 सीतजाः पशिणोऽञ्जाश्च 3 91<sup>०</sup>.  
 सीतप्रापास्तु रम्यास्तु 52. 20<sup>०</sup>.  
 सीतलेशु च महाशूलः 23. 7<sup>०</sup>.  
 सीतले वा यदि वा जले 58 37<sup>०</sup>.  
 सीरिगान्द्रा तत्र च 86 77<sup>०</sup>.  
 सीवित्ता वेप्रपाणयः 81. 30<sup>०</sup>.  
 सीवित्तो मृत एव तु 48 47<sup>०</sup>.  
 सीवित्तो वा इन्द्रोऽपि वा 75 13<sup>०</sup>.  
 सीपानुयो हिमवाग्ध्रुवः 62 23<sup>०</sup>.  
 सीपानमात्मसमं प्रभुः 2 11<sup>०</sup>.  
 सीपानमौनदहनतः 31 33<sup>०</sup>.  
 सीपानं तद्वृत्पमयुत 7. 37<sup>०</sup>.  
 सीपानं तु मनसः स्मृतम् 30 44<sup>०</sup>.  
 सीपान दाम्यति शाश्वतम् 47. 48<sup>०</sup>.  
 सीपानं प्राप्स्यति शाश्वतम् 14 8<sup>०</sup>.  
 सीपानं प्राप्स्यति शाश्वतम् 47. 35<sup>०</sup>.  
 सीपानानि विद्म्युञ्जात्र 86 16<sup>०</sup>.  
 सीपाने रया यारिवादिभ्यः 100 45<sup>०</sup>.  
 सीपाने रिवद् भवेत् ५५ 38<sup>०</sup>.

स्थानेनेह न न कार्ये 53 2<sup>०</sup>  
 स्थाने भारपरिधान्ता 81 12<sup>०</sup>  
 स्थाने यदुकुल मूढ 65 70<sup>०</sup>  
 स्थापयामास जगतीं 37 56<sup>०</sup>  
 स्थापयामास भारत 4 10<sup>०</sup>  
 स्थापयामास मतिमान् 86 77<sup>०</sup>  
 स्थापयामास बीरवान् 96 58<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा जगद्भद्रो 68 31<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा द्वियाहुतये 113 66<sup>०</sup>  
 स्थापयित्वा नरेश्वर 18 8<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यति राजान 68 33<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यसि मर्यादा 45 19<sup>०</sup>  
 स्थापयिष्यामि देवता 38 27<sup>०</sup>  
 स्थापित ससु माहात्म्य 78 19<sup>०</sup>  
 स्थापित स्वेन तेजसा 73 36<sup>०</sup>  
 स्थापिता जगतो मार्गा 30 9<sup>०</sup>  
 स्थापितो गोभिरीश्वर 62 44<sup>०</sup>  
 स्थापितो यादवो वश 78 19<sup>०</sup>  
 स्थाप्यन्ता सुनिखाताश्च 72 9<sup>०</sup>  
 स्थाप्यमानैरुद्वलै 53 26<sup>०</sup>  
 स्थापराणि च भूतानि 5 26<sup>०</sup>  
 स्थावराणि चराणि च 31 8<sup>०</sup>  
 स्थास्येते गोपकिल्बिषौ 72 23<sup>०</sup>  
 स्थितमकूरमागतम् 70 34<sup>०</sup>  
 स्थितमद्भिरस दृष्ट्वा 110 27<sup>०</sup>  
 स्थितमेकाणोवेश्वरम् 70 22<sup>०</sup>  
 स्थितवाजनमेवञ्च 5 17<sup>०</sup>  
 स्थितविप्रस्थितद्विजम् 52 13<sup>०</sup>  
 स्थितस्य परमाहवे 106 24<sup>०</sup>  
 स्थितस्थानिमिपस्य ६ 20 4<sup>०</sup>  
 स्थित त्वयि विधीश्वर 44 14<sup>०</sup>  
 स्थित धरण्यां मेवाभ 55 16<sup>०</sup>  
 स्थित पुरुषविग्रहम् 103 24<sup>०</sup>  
 स्थित किं करवाणि च 40 47<sup>०</sup>  
 स्थित प्रीतमना भूत्वा 113 3<sup>०</sup>  
 स्थित शाक्रमहस्तात 60 10<sup>०</sup>  
 स्थित सूर्य इवोदये 108 62<sup>०</sup>  
 स्थिता धर्मस्यवस्वार्थ 7 35<sup>०</sup>  
 स्थितान्देव प्रददयन्ते 113 56<sup>०</sup>  
 स्थिता दृष्टिष्यामद्यापि 9 30<sup>०</sup>  
 स्थिता ये भीतभीतवन् 108 11<sup>०</sup>  
 स्थितास्मि तथ निर्देतो 8 9<sup>०</sup>  
 स्थितास्वयागच्छ भद्र ते 71 25<sup>०</sup>

स्थितो देवसभामध्ये 44 12<sup>०</sup>  
 स्थितो भूमिगतश्चैव 75 12<sup>०</sup>  
 स्थितो मूर्ध्नि महीक्षिताम् 45 8<sup>०</sup>  
 स्थितो राजश्रिया उवलन् 43 22<sup>०</sup>  
 स्थितौ धनुर्गृहे सौम्यौ 71 49<sup>०</sup>  
 स्थितौ यौवनगो मुखे 96 46<sup>०</sup>  
 स्थिरप्रसादाश्च सदा 13 70<sup>०</sup>  
 स्थिर मन्त्रोद्यज बलम् 38 24<sup>०</sup>  
 स्थिरो भव महामात्र 73 38<sup>०</sup>  
 स्थूणाकण्ठेन चाक्षेण 110 31<sup>०</sup>  
 स्थैर्येण जातेन पुन स्मरन्त 118 50<sup>०</sup>  
 ज्ञातमेकार्णवाग्भुभि 70 25<sup>०</sup>  
 ज्ञाता प्रजवदिग्धाङ्गी 50 7<sup>०</sup>  
 ज्ञानुमिच्छे महानदि 83 28<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरनिर्घोष 106 29<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरनिर्घोष 109 84<sup>०</sup>  
 क्षिग्धगम्भीरया वाचा 109 54<sup>०</sup>  
 क्षिग्धवतीतानिलघन 52 23<sup>०</sup>  
 क्षिग्धाङ्गनचयप्रस्य 110 53<sup>०</sup>  
 क्षिग्धैश्च शास्त्रविद्विभ 15 41<sup>०</sup>  
 क्षुपाणामातेनान्देन 77 40<sup>०</sup>  
 क्षुपा तव वराङ्गना 99 46<sup>०</sup>  
 क्षुपाया क्रयकेशिकौ 26 19<sup>०</sup>  
 क्षुपा वै वृद्धशर्मण 13 55<sup>०</sup>  
 क्षुपा माशावतीं चैव 99 42<sup>०</sup>  
 क्षुपेति स नरेश्वर 26 16<sup>०</sup>  
 स्नहविक्रमगृहदा 109 15<sup>०</sup>  
 स्नेहेन तरुणायते 76 12<sup>०</sup>  
 स्नेहोऽत्र मम पुज्यताम् 78 29<sup>०</sup>  
 स्पर्धते स्य सदा सले 80 11<sup>०</sup>  
 स्पर्ध्यांस्तरणसदृते 109 66<sup>०</sup>  
 स्पर्शाद्विश्वायतेऽनघ 103 20<sup>०</sup>  
 स्पर्ष्टो यद्यसि पर्वणि 43 31<sup>०</sup>  
 स्पर्ष्टणीयेन कर्मणा 65 3<sup>०</sup>  
 स्पर्ष्टणीयो हि लोफस्य 68 35<sup>०</sup>  
 स्पर्ष्टयामास सं श्रुम् 16 36<sup>०</sup>  
 स्पाटिकस्तम्भविष्टत 94 3<sup>०</sup>  
 स्फीतक्रोधावहस्येन 34 43<sup>०</sup>  
 स्फीतसस्यप्रहृदानि 58 2<sup>०</sup>  
 स्फीत वृत्तयुगे यथा 68 30<sup>०</sup>  
 स्फीतं निहतकष्टकम् 39 63<sup>०</sup>  
 स्फीत विपयमिष्टता 44 26<sup>०</sup>  
 स्फीता जनरदायुता 44 31<sup>०</sup>

स्त्रीताञ्जनपदान्स्वाङ्खान् 41 7<sup>d</sup>  
 स्त्रीतापुष्यनतावृतान् 23 9<sup>b</sup>  
 स्त्रीता राष्ट्रसमाक्रीर्णा 44 5<sup>d</sup>  
 स्त्रीतो जनपदो महान् 61 51<sup>d</sup>  
 स्तुरङ्गनोष्ठवदन 33 17<sup>e</sup>  
 स्तुरङ्गिव स रोपेण 56 7<sup>e</sup>  
 स्तोत्रपन्तश्च दानवा 33 27<sup>b</sup>  
 सपथिव तदा कृष्ण 113 29<sup>e</sup>  
 सपथिव पुन पुन 110 27<sup>d</sup>  
 सपय्यागस्तत कृष्ण 112 63<sup>d</sup>  
 सपमान ह्वानय 12 9<sup>b</sup>  
 सरण वैनेतेयस्य 109 78<sup>d</sup>  
 सर ता प्रष्टति पूर्वो 113 28<sup>e</sup>  
 सर भामिनि तद्वच 107 40<sup>d</sup>  
 सरामि भामिनि वच 107 45<sup>d</sup>  
 सरामि मनुनर्पमा 109 30<sup>d</sup>  
 सरार्थं तनुमात्मान 58 36<sup>e</sup>  
 सर्यते सुहृतानि वा 72 17<sup>b</sup>  
 सितं कृत्वा यचन्तदा 109 33<sup>b</sup>  
 स्यूता दिनि महर्षय 7 42<sup>b</sup>  
 स्यूता स्वारोचिप्रेम्नरे 7 12<sup>b</sup>  
 स्यूतिमन्तोऽय चरवार 18 14<sup>e</sup>  
 स्यूतिरस्त्वस्यते प्राप्य 14 6<sup>e</sup>  
 स्यूति प्रत्यमरांश्च 16 16<sup>e</sup>  
 स्यूतो द्वावश्विनाविति 8 39<sup>b</sup>  
 स्यूत्वा गोपेषु वरकृतम् 83 1<sup>b</sup>  
 स्यूत्वा देवीवचस्तत 107 44<sup>b</sup>  
 स्यन्दनस्या महीक्षित 81 77<sup>d</sup>  
 स्यन्दन तात रक्षस्य 70 8<sup>e</sup>  
 स्यन्दन बाहवासात् 33 15<sup>e</sup>  
 स्यन्दनेनारिमर्दन 79 36<sup>b</sup>  
 स्यन्दने पुरोत्तम 110 27<sup>b</sup>  
 स्यन्दने शीतरश्मिवात् 34 23<sup>b</sup>  
 स्यन्दने काञ्चनारीष्टे 84 18<sup>d</sup>  
 स्यन्दन्वीभिरलङ्कृतम् 49 17<sup>d</sup>  
 स्यमन्तकृते प्राज्ञ 29 25<sup>e</sup>  
 स्यमन्तकृते सिंहाय 28 15<sup>e</sup>  
 स्यमन्तक च नापश्यत् 29 20<sup>e</sup>  
 स्यमन्तकः स मन्त्रामी 29 10<sup>e</sup>  
 स्यमन्तको महापादो 29 11<sup>e</sup>  
 स्याच धर्मस्त्यागुत् 69 25<sup>d</sup>  
 स्यानु साशा भवेत्सीति 59 61<sup>e</sup>  
 स्याच शक्तिघरस्तुभ्य 60 8<sup>e</sup>

स्यान्न चान्येन मे वध 31 43<sup>d</sup>  
 स्यान्नाम वायव ध्रुवैव 65 94<sup>d</sup>  
 स्यारोऽभिरासवान्नाग्यै 85 8<sup>e</sup>  
 स्युश्च धर्मपरा प्रजा 78 11<sup>b</sup>  
 स्युश्च धर्मपरा 61 5<sup>e</sup>  
 स्युद्दाममालावितत 38 41<sup>e</sup>  
 स्युद्दामलम्बाभरण 58 28<sup>e</sup>  
 स्युर्विण रक्तवाससम् 107 5<sup>d</sup>  
 स्युर्वीपु नव जलम् 55 14<sup>d</sup>  
 स्युष्टा च हृष्यक्याना 31 50<sup>e</sup>  
 स्युष्टार धर्मैस्य कश्चात् 5 13<sup>e</sup>  
 स्युष्टार सर्मभूता 1 18<sup>e</sup>  
 7 54<sup>e</sup>  
 स्युष्टमिच्छन्मजापतिम् 1 28<sup>d</sup>  
 स्युष्टरश्मिप्रतोदौ तौ 19 20<sup>e</sup>  
 स्युष्टसोमशूर्यमुपभृत् 31 6<sup>e</sup>  
 स्युष्टो तुलिविम्बोष्ठी 83 35<sup>e</sup>  
 स्युष्टो स्तलितगामिनी 83 39<sup>b</sup>  
 स्युष्टोभि परिहृत्तानि 54 18<sup>e</sup>  
 स्युष्टर्मद्रभ्युत्तमि 74 5<sup>e</sup>  
 स्युष्ट रथवरोदार 33 5<sup>e</sup>  
 स्युष्टर्षो चाहितस्य व 48 6<sup>b</sup>  
 स्युष्ट प्रतिजम्भतु 72 23<sup>d</sup>  
 स्युष्टदे स्वर्गलोके वा 38 77<sup>e</sup>  
 स्युष्टर्षे च समेत्पद 69 4<sup>d</sup>  
 स्युष्टने प्रह्लन मया 48 39<sup>b</sup>  
 स्युष्टनो याति विक्रियाम् 65 65<sup>d</sup>  
 स्युष्टाति चैव यास च 112 9<sup>e</sup>  
 स्युष्टातीशोऽस्मि चान्धव 63 11<sup>e</sup>  
 स्युष्टान् द्वाजस्तदा 52 30<sup>b</sup>  
 स्युष्टप्रश्नकवाक्स्तु 16 36<sup>e</sup>  
 स्युष्टप्रस्तवगुहाज्जे 18 15<sup>e</sup>  
 स्युष्टप्रोप्य भविष्यति 17 9<sup>b</sup>  
 स्युष्टदेभ्य परिभ्रष्टा 117 27<sup>e</sup>  
 स्युष्टदेहमर स्थितम् 39 20<sup>e</sup>  
 स्युष्टेऽश्वेन तेजसा 43 35<sup>d</sup>  
 स्युष्टधर्मनिरता सर्वे 16 17<sup>e</sup>  
 स्युष्टधर्ममुतातां चर 26 6<sup>e</sup>  
 स्युष्टधर्मस्येपु वर्गेषु 36 44<sup>e</sup>  
 स्युष्टधर्मं प्रष्टन हृत्वा 5 3<sup>e</sup>  
 स्युष्टधर्माधिगता कीर्तिं 78 18<sup>e</sup>  
 स्युष्टपाद्यास्य तिर्य्ये 110 24<sup>e</sup>  
 स्युष्टयामनितविक्रमे 6 20<sup>d</sup>

स्वधिशिव मूलगणै 40 4<sup>०</sup>  
 स्वपक्षक्षयपीडिता 117 41<sup>०</sup>  
 स्वपक्षयविक्षेपै 110 19<sup>०</sup>  
 स्वपक्षे चोदित सूर्य 106 43<sup>०</sup>  
 स्वपक्षमलिनैस्तीरै 59 44<sup>०</sup>  
 स्वपत्र सागराम्भसि 31 19<sup>०</sup>  
 स्वपन्त पुरुष तदा 10 48<sup>०</sup>  
 स्वपथेद मदासुनि 40 15<sup>०</sup>  
 स्वपितृभेवनं वीरौ 76 46<sup>०</sup>  
 स्वपुत्र परैरक्षत 96 28<sup>०</sup>  
 स्वपुत्रा पद्मलोचन 46 3<sup>०</sup>  
 स्वप्रयोगेव कल्याणि 107 33<sup>०</sup>  
 स्वमरुतेण तेषा वै 47 25<sup>०</sup>  
 स्वमोना च निम्नाक्षये 66 24<sup>०</sup>  
 स्वमोते क्षीयते क्षेपा 40 30<sup>०</sup>  
 स्वमोयमानो जरुदै 61 46<sup>०</sup>  
 स्वमे य इक्ष्वत्सि 107 70<sup>०</sup>  
 स्वमे हर्म्यगता सती 107 73<sup>०</sup>  
 स्वमहाहृष्टमाश्रित 108 95<sup>०</sup>  
 स्वमेव सखु घोषिताम् 99 14<sup>०</sup>  
 स्वमेसा भास्वता वर 20 20<sup>०</sup>  
 स्वमिष्टुष्ट्यासृत्तोपमम् 53 30<sup>०</sup>  
 स्वमार्गस्यचिचारिणी 83 43<sup>०</sup>  
 स्वमेव भवन वितु 8 10<sup>०</sup>  
 स्वमेव भवन प्रायात् 91 43<sup>०</sup>  
 स्वमेव भवन वीर 100 87<sup>०</sup>  
 स्वमेव स्वजनावृत 89 47<sup>०</sup>  
 स्वयनस्ये दिवाकरे 36 40<sup>०</sup>  
 स्वयभागम मूषते 31 35<sup>०</sup>  
 स्वयमुनिक्षिप्य माधव 92 18<sup>०</sup>  
 स्वयमेव पित्तमद् 3 95<sup>०</sup>  
 20 36<sup>०</sup>  
 स्वयमेव प्रयाचन्त 75 37<sup>०</sup>  
 स्वयमेव शूज पुरा 23 155<sup>०</sup>  
 स्वयमेवानदाशु धै 65 95<sup>०</sup>  
 स्वयमेवाभ्युदास्य 61 5<sup>०</sup>  
 स्वय कृत्वा निवसन्ति 117 33<sup>०</sup>  
 स्वयप्रादमधर्षयत् 108 16<sup>०</sup>  
 स्वय चाई तथामवम् 102 6<sup>०</sup>  
 स्वयं नारायणेन वा 43 5<sup>०</sup>  
 स्वयदाला स्वयचोरा 117 26<sup>०</sup>  
 स्वयमुवोऽपीह परं 100 70<sup>०</sup>  
 स्वयंसुवोऽपीह परा 100 72<sup>०</sup>

स्वयमुरादिद्विभु 31 50<sup>०</sup>  
 स्वयमूरिति च युवम् 1 25<sup>०</sup>  
 स्वयमूर्धुतभावन 113 34<sup>०</sup>  
 स्वयमूर्ध स्वयमुव 38 9<sup>०</sup>  
 स्वयमूर्ध स्वयमुवाम् 46 17<sup>०</sup>  
 स्वयमूर्धदिव गत 47 19<sup>०</sup>  
 स्वयभोज स्वयभोजात् 28 4<sup>०</sup>  
 स्वय पुद्गविशाद 109 43<sup>०</sup>  
 स्वयवत्परिदम् 69 1<sup>०</sup>  
 स्वय स्वयमुवा सृष्ट 38 49<sup>०</sup>  
 स्वय स्वयमूर्धैगवान् 62 23<sup>०</sup>  
 स्वयक्षणपरायणा 116 5<sup>०</sup>  
 स्वयान्ये शान्तसन्तम् 78 37<sup>०</sup>  
 स्वयंगानि तथा क्षय 81 11<sup>०</sup>  
 स्वयंगारात् भारकरम् 37 53<sup>०</sup>  
 स्वयंगारोगयमेवाव 13 68<sup>०</sup>  
 स्वयंगलोक त्रिविष्टपम् 21 28<sup>०</sup>  
 स्वयंगलोकै मदीयते 1 16<sup>०</sup>  
 2 58<sup>०</sup>  
 स्वयंगीणा प्रिया शूरा 77 24<sup>०</sup>  
 स्वयंगानपि भारत 11 39<sup>०</sup>  
 स्वयंग्या वितरोज्ये स 11 2<sup>०</sup>  
 स्वयंग सुकृतक्रीणाम् 62 31<sup>०</sup>  
 स्वयंगूर्ध्वै ब्रह्मलोक 62 37<sup>०</sup>  
 स्वयंगर्थे दर्शयन्तु च 36 41<sup>०</sup>  
 स्वयंगे वपोभृदा वात 78 10<sup>०</sup>  
 स्वयंगे देवगता इव 84 34<sup>०</sup>  
 स्वयंगे पितृगणा ससता 13 4<sup>०</sup>  
 स्वयंगे ये रक्षसा इता 10 51<sup>०</sup>  
 स्वयंगे वसति दानवः 31 56<sup>०</sup>  
 स्वयंगे वास तयोश्चाम् 9 77<sup>०</sup>  
 10 61<sup>०</sup>  
 स्वयंग शक्रनिवामरा G+ 24<sup>०</sup>  
 स्वयंगे शक्रानुवातेषु 34 8<sup>०</sup>  
 स्वयंगमासुर्विषयनम् 1 21<sup>०</sup>  
 स्वयंगे यदाशयमाशुष्य 4 25<sup>०</sup>  
 स्वयंगुह्यन्तुक्षरम् 33 6<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुना हते सूर्ये 23 10<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुनास्वयोधी शु 33 23<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुनैर्गपयं च 3 69<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुनैर्गपयं 69 10<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुर्ध महामद् 38 6<sup>०</sup>  
 स्वयंगनुश्रामप्रत्ये 37 7<sup>०</sup>

सर्मानोस्तु प्रभा कन्या 3 71<sup>a</sup>  
 स्वल्पधर्मपरिमहम् 43 60<sup>b</sup>  
 स्वप्नेन खलु कारेन 81 13<sup>c</sup>  
 स्वराधारण वृत्वा 1 16<sup>d</sup>  
 स्वृद्धयर्थमह चैव 47 56<sup>e</sup>  
 स्वराषयैर महाबल 108 74<sup>f</sup>  
 स्वसार द्दुग्न्धका 27 24<sup>g</sup>  
 स्वसार शीलसमताम् 29 34<sup>h</sup>  
 स्वसारो गरुडध्वनात् 98 7<sup>i</sup>  
 स्वगारौ सवभूवतु 28 3<sup>j</sup>  
 स्वलिहायतन द्दुधा 70 13<sup>k</sup>  
 स्वलिहार्षनिभूयिता 61 40<sup>l</sup>  
 स्वस्ति तेऽस्तु मनाम्हम् 29 22<sup>m</sup> 46 19<sup>n</sup>  
 85 54<sup>o</sup>  
 स्वस्ति तेऽसिरति षोक्तो वै 23 11<sup>p</sup>  
 स्वस्तिप्रणिहिता बुद्धि 106 62<sup>q</sup>  
 स्वस्ति मे द्वारकायेति 50 9<sup>r</sup>  
 स्वस्ति वाच्य द्विजोत्तमान् 86 3<sup>s</sup>  
 स्वस्ति वाच्य यथानुत्तम् 60 19<sup>t</sup>  
 स्वस्ति घोऽस्तु गमिष्यामि 38 76<sup>u</sup>  
 स्वस्त्वस्तु देवेश्य इति 34 51<sup>v</sup>  
 स्वस्त्वस्तु देव्येभ्य इति 34 51<sup>w</sup>  
 स्वस्त्वस्तु भवतो शोने 67 59<sup>x</sup>  
 स्वस्त्यात्रेया इति ख्याता 23 14<sup>y</sup>  
 स्वस्य प्राराणायुमान् 22 45<sup>z</sup>  
 स्वस्य सप्रामहास 81 5<sup>aa</sup>  
 स्वस्थान प्रतपस्वते 97 31<sup>ab</sup>  
 स्वस्थानेऽथ गृहेऽपि वा 62 85<sup>ac</sup>  
 स्वस्थाने द्दार्ढ्यं चैव 50 19<sup>ad</sup>  
 स्वस्थाने स्थापितस्वाय 106 13<sup>ae</sup>  
 स्वस्थान स्वारात्मवान् 61 64<sup>af</sup>  
 स्वस्थानस्थ भविष्यति 112 123<sup>ag</sup>  
 स्वस्य पुत्रस्य वै तदा 8 18<sup>ah</sup>  
 स्वान्नचरणौ क्षिपन् 50 5<sup>ai</sup>  
 स्वदलमुक्ति परिधि 35 7<sup>aj</sup>  
 स्वदस्तानावनाम्य च 56 30<sup>ak</sup>  
 स्वं च कर्म सुगुप्ता 18 46<sup>al</sup>  
 स्वं च स्नातुवागमत् 23 31<sup>am</sup>  
 स्वं च स्थान ततो घाय 61 63<sup>an</sup>  
 स्व जगान महासुर 99 5<sup>ao</sup>  
 स्वं जडौघाले भिरा 100 46<sup>ap</sup>  
 स्व दुभारातवं यतु 73 17<sup>aq</sup>  
 स्व निनाय रणोत्तमम् 87 41<sup>ar</sup>

स्व नियोगनमभ्ययात् 94 16<sup>as</sup>  
 स्व रजोरञ्जित जलम् 83 31<sup>at</sup>  
 स्व वपुर्दशैयामास 58 25<sup>au</sup>  
 स्व यत्र पूर्वमेव हि 23 2<sup>av</sup>  
 स्वं स्व योग प्रचक्रिरे 30 50<sup>aw</sup>  
 स्वागत ते महावाहो 83 7<sup>ax</sup>  
 स्वागत ते सुरश्रेष्ठ 39 25<sup>ay</sup>  
 स्वातु कि न्विति विश्वाय 117 43<sup>az</sup>  
 स्वातुपुष्पपल रम्य 49 20<sup>ba</sup>  
 स्वातुवीर्यवृणा गुणै 59 31<sup>bb</sup>  
 स्वातुवृक्षफलोद्कम् 52 21<sup>bc</sup>  
 स्वातुना विनिवृत्तिश्च 116 16<sup>bd</sup>  
 स्वातुन्यार्थ सुगन्धीनि 57 8<sup>be</sup>  
 स्वाध्यायेन महर्षय 38 71<sup>bf</sup>  
 स्वानि स्थानानि दिव्यानि 31 53<sup>bg</sup>  
 स्वानि स्वाति बलामाणि 84 19<sup>bh</sup>  
 स्वान्निवृन्दोनया गिरा 13 30<sup>bi</sup>  
 स्वान्मायुधानि सगृह्य 31 87<sup>bj</sup>  
 स्वभि प्रभाभिर्दोना स 110 11<sup>bk</sup>  
 स्वामगच्छ पुरीं पितु 99 28<sup>bl</sup>  
 स्वायत सुप्रतिष्ठितम् 72 4<sup>bm</sup>  
 स्वायतान्नी शुचिस्मिता 71 33<sup>bn</sup>  
 स्वायताशपदीयमा 8 + 29<sup>bo</sup>  
 स्वायभुवेन योगेन 62 13<sup>bp</sup>  
 स्वायभुवो मनुन्नात 7 4<sup>bq</sup>  
 स्वारूढ स्वपवत्राय 38 4<sup>br</sup>  
 स्वारूढे सादिभियुक्ति 81 17<sup>bs</sup>  
 स्वाराधितस्व दुद्रास्ते 7 13<sup>bt</sup>  
 स्वाराधितधनुष्मत् 81 76<sup>bu</sup>  
 स्वार्सीन स्वस्तिशाम्ना च 70 19<sup>bv</sup>  
 स्वानु स्वाम्बरीन् 100 10<sup>bw</sup>  
 स्वादान्ताश्रया पद्म 110 25<sup>bx</sup>  
 स्वाह्निदुद्राश्रयद्राता 26 2<sup>by</sup>  
 स्वाह्नि स्वाहाहतां धरम् 26 1<sup>bz</sup>  
 स्वां जरा प्रत्यगत् 22 35<sup>ca</sup>  
 स्वा पुरीं यादुवैतुनाम् 9 26<sup>cb</sup>  
 स्वा भार्या वदता तन 8 36<sup>cc</sup>  
 स्वां भार्यां गुभधारिणीम् 8 32<sup>cd</sup>  
 स्वा यानि लोकधारिणी 43 65<sup>ce</sup>  
 स्वां घर्णां समन्विष्टम् 43 20<sup>cf</sup>  
 स्वां श्रिय द्रैष्टि वागव 100 4<sup>cg</sup>  
 स्वां मभा कामस्विणीम् 42 6<sup>ch</sup>  
 स्वां स्त्रीं गतिमुपाश्रिता 35 63<sup>ci</sup>

स्वधित्तं भूतगणैः 40 4<sup>०</sup>.  
 स्वपक्षक्षयपीडिताः 117. 41<sup>०</sup>.  
 स्वपक्षबलविशेषैः 110. 19<sup>०</sup>.  
 स्वपक्षे चोदितः सूर्यः 106. 43<sup>०</sup>.  
 स्वपङ्कमलिनैस्तोरैः 59. 44<sup>०</sup>.  
 स्वपतः सागराग्भसि 31. 19<sup>०</sup>.  
 स्वपन्तं पुरं तदा 10. 48<sup>०</sup>.  
 स्वपञ्च महासुनिः 40. 12<sup>०</sup>.  
 स्वपितुर्भवनं वीर्यं 76. 46<sup>०</sup>.  
 स्वपुरं पर्यस्त 96. 28<sup>०</sup>.  
 स्वपुर्याः यज्ञलोचनः 46. 3<sup>०</sup>.  
 स्वप्रयोगेन कल्याणि 107. 33<sup>०</sup>.  
 स्वप्ररूपेण तेषां वै 47. 25<sup>०</sup>.  
 स्वप्रानां च निष्ठाक्षये 66. 24<sup>०</sup>.  
 स्वप्रान्ते क्षीयते क्षेपा 40. 30<sup>०</sup>.  
 स्वप्राममानो जलद्वैः 61. 46<sup>०</sup>.  
 स्वप्ने यं दृष्टवत्यासि 107. 70<sup>०</sup>.  
 स्वप्ने हर्म्यता सती 107. 73<sup>०</sup>.  
 स्वयाहुबलमाश्रितः 108. 96<sup>०</sup>.  
 स्वभावः खलु योपिताम् 99. 14<sup>०</sup>.  
 स्वनासा भास्वतां यरः 20. 20<sup>०</sup>.  
 स्वनिवृष्टयारुलोपमम् 53. 30<sup>०</sup>.  
 स्वनामैव्यमिचारिणी 83. 43<sup>०</sup>.  
 स्वतेव भवनं पितुः 8. 10<sup>०</sup>.  
 स्वतेव भवनं प्रायात् 91. 43<sup>०</sup>.  
 स्वतेव भवनं वीरः 100. 87<sup>०</sup>.  
 स्वमेव स्वजनादृतः 89. 47<sup>०</sup>.  
 स्वदनरये दिवाकरे 38. 40<sup>०</sup>.  
 स्वदमागम्य भूपते 31. 35<sup>०</sup>.  
 स्वयमुदिक्रम्य माघवः 92. 18<sup>०</sup>.  
 स्वयमेव पितामहः 3. 96<sup>०</sup>.  
 20. 36<sup>०</sup>.  
 स्वयमेव प्रवाचन्त 75. 37<sup>०</sup>.  
 स्वयमेव वृत्तः पुरा 23. 165<sup>०</sup>.  
 स्वयमेवानयातु वै 65. 95<sup>०</sup>.  
 स्वयमेवानुद्रारणम् 61. 5<sup>०</sup>.  
 स्वयं कृत्वा निवस्वन्ति 117. 35<sup>०</sup>.  
 स्वयंप्राहमधर्षयत् 108. 16<sup>०</sup>.  
 स्वयं चादौ तयाभवत् 102. 6<sup>०</sup>.  
 स्वयं नारायणेन वा 43. 3<sup>०</sup>.  
 स्वयंपादाः स्वयंचोराः 117. 26<sup>०</sup>.  
 स्वयंसुयोऽग्नीह परं 100. 70<sup>०</sup>.  
 स्वयंसुयोऽग्नीह पराः 100. 72<sup>०</sup>.

स्वयंभूरादिद्विभुः 31. 50<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूरिति नः श्रुतम् 1. 25<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूर्भूतभाववः 113. 34<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूश्च स्वयंसुवः 38. 9<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूश्च स्वयंसुवाम् 46. 17<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूस्त्रिदिवं गहः 47. 19<sup>०</sup>.  
 स्वयंभोजः स्वयंभोजात् 28. 4<sup>०</sup>.  
 स्वयं युद्धविदारदः 109. 43<sup>०</sup>.  
 स्वयंवरानिर्दिष्टः 89. 1<sup>०</sup>.  
 स्वयं स्वयंसुवा वृष्टं 39. 42<sup>०</sup>.  
 स्वयं स्वयंभूर्भूतगम् 62. 22<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूतपरायणाः 116. 5<sup>०</sup>.  
 स्वराज्ये राजसत्तम 78. 37<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूति तथा क्षेपां 81. 11<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूतास्त भास्करम् 37. 53<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूतास्तमेवाय 13. 68<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते क्विदृष्टम् 21. 28<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते क्वीयते 1. 16<sup>०</sup>.  
 2. 56<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूतां भियाः शूराः 77. 24<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूतास्ति भारत 11. 39<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूताः पितरोऽन्ये स 11. 2<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूताः सुकृतकर्मणाम् 62. 31<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूर्भूतं ब्रह्मलोकः 62. 27<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते दशरथसु च 36. 41<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते तपोभूतां वासः 78. 10<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते देवगणा इव 64. 34<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते पितृगणाः सृताः 13. 4<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते ये रक्षसा इवाः 10. 51<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वसति दानवः 31. 56<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वासं तपाक्षयम् 9. 77<sup>०</sup>.  
 10. 51<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभिवारताः 64. 24<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 34. 8<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 1. 21<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 4. 25<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 33. 6<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 23. 10<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 33. 23<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 3. 69<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 69. 10<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 38. 67<sup>०</sup>.  
 स्वयंभूते वाकभुवति 37. 7<sup>०</sup>.



स्वानोत्तु प्रमा कन्या 3 71°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 43 60°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 81 13°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 1 16°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 47 56°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 108 74°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 27 24°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 29 31°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 98 7°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 28 34°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 70 13°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 61 40°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 29 29° 46 19°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 85 54°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 23 11°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 106 62°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 50 9°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 86 3°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 60 19°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 38 76°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 34 51°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 34 51°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 67 59°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 23 14°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 22 45°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 81 8°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 97 31°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 62 85°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 50 19°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 106 13°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 61 64°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 112 123°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 8 18°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 50 5°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 35 7°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 56 30°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 48 46°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 23 31°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 61 63°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 99 5°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 100 46°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 73 17°  
 स्वानोत्तु प्रमा कन्या 87 41°

स्व विवेक्षणमभ्ययात् 94 16°  
 स्व रजोरञ्जित बलम् 83 31°  
 स्व वपुर्दशोचामात् 58 25°  
 स्व यत्र पूर्वमेव हि 23 2°  
 स्व स्व योष प्रचक्रिरे 30 50°  
 स्वागत ते महाबाहो 83 7°  
 स्वागत ते सुरश्रेष्ठ 39 25°  
 स्वादु किं निवृत्ति विज्ञाय 117 43°  
 स्वादुमुप्यपल रम्य 49 20°  
 स्वादुवीर्यतृणा गुणै 59 31°  
 स्वादुबुद्धफलोदकम् 52 21°  
 स्वादूना विनिवृत्तिश्च 116 16°  
 स्वादून्याय सुगन्धीनि 57 8°  
 स्वाध्यायेन मद्दपय 38 71°  
 स्वाति स्थानानि दिव्यानि 31 53°  
 स्वानि स्वानि वराप्राणि 8+ 19°  
 स्वान्निवृत्तौनया गिरा 13 30°  
 स्वान्यायुधानि सगृह्य 31 81°  
 स्वामि प्रभाभिर्द्विना स 110 11°  
 स्वामगच्छपुरीं पितु 99 25°  
 स्वायत सुप्रतिष्ठितम् 72 4°  
 स्वायताद्रीं शुचिस्त्रिता 71 32°  
 स्वायताद्यापदोपमा 84 29°  
 स्वायमुनेन घोषेन 62 13°  
 स्वायमुषो मनुस्मात् 7 4°  
 स्वारूढ स्वणपत्राङ्ग 38 4°  
 स्वारूढै सादिभिर्वृक्ते 81 17°  
 स्वाराविपत्स युवास्ते 7 13°  
 स्वाराविपत्सुष्मत् 81 76°  
 स्वारीन स्वस्तिगम्या च 70 19°  
 स्वासु स्वास्वानीन्प 100 10°  
 स्वाहाकाराश्रया पद्म 110 25°  
 स्वाहिपुत्राऽभयद्राजा 26 2°  
 स्वाहि स्वाहाहता वरम् 26 1°  
 स्वात्ता प्रत्यपद्यत 22 35°  
 स्वात्ता यद्वैष्टिताम् 9 25°  
 स्वा भाषां वदतां तत 8 36°  
 स्वा भाषां पुनचारिणीम् 8 32°  
 स्वा याति लोकचारिणी 43 65°  
 स्वा वेदा समतिक्रमन् 43 20°  
 स्वा श्रिय द्रष्टि वाम्प 100 4°  
 स्वा सभा कामरूपिणीम् 42 6°  
 स्वा स्वां गतिमुपाधिता 35 63°

स्वा स्वा दिश ररक्षुस्ते 34 19<sup>o</sup>  
 स्विच्चाद्रौलोमा श्रान्तस्तु 67 37<sup>o</sup>  
 स्वैग दन्तेन कुञ्जर 74 34<sup>o</sup>  
 स्वैन दूत्वेन द्वारयन् 85 31<sup>o</sup>  
 स्वैन देहेन कल्पिते 70 19<sup>o</sup>  
 स्वैन नागा परिज्ञात 40 3<sup>o</sup>  
 स्वैन सीम्येन तेजसा 62 37<sup>o</sup>  
 स्वे पाणौ पुरुषन्यास 6 14<sup>o</sup>  
 स्वे पुरे निर्भया सर्वे 79 31<sup>o</sup>  
 स्वेपु वेदमपु देवकी 94 15<sup>o</sup>  
 स्वेपु स्वेपु च स्थानेषु 38 27<sup>o</sup>  
 स्वैरनीकैः संरक्षिता 110 25<sup>o</sup>  
 स्वैर चरतु विद्वन्धा 47 3<sup>o</sup>

ह

हतवानेकपाणिना 31 67<sup>o</sup>  
 हतविभ्रा हतकृमा 67 45<sup>o</sup>  
 हतवीर्यपराक्रमा 21 35<sup>o</sup>  
 हतस्वरिष्टो बलवान् 65 31<sup>o</sup>  
 हतस्त्व जगतीपते 77 26<sup>o</sup>  
 हतस्त्व दर्पजैर्दोषे 38 24<sup>o</sup>  
 हतस्यापि ध्रुतोऽपि वा 75 26<sup>o</sup>  
 हतस्यापि रणे शस्त्रे 75 25<sup>o</sup>  
 हत कृष्ण न्यवेदयन् 28 27<sup>o</sup>  
 हत स्वकर्मणा तनु 15 57<sup>o</sup>  
 हत प्रसेन सिंहेन 29 10<sup>o</sup>  
 हत सोऽय मया कस 78 14<sup>o</sup>  
 हत सौभपति सात्व 97 6<sup>o</sup>  
 हतानेन दुरारमना 67 49<sup>o</sup>  
 हता नो बह्वा गोपा 67 49<sup>o</sup>  
 हता पुष्यजन्मैस्तात 9 32<sup>o</sup>  
 हता ब्रह्मद्विप सर्व 95 7<sup>o</sup>  
 हता मायाश्र ग सर्ग 99 44<sup>o</sup>  
 हतावित्यवगन्तव्या 72 23<sup>o</sup>  
 हताना हतवाधवा 77 3<sup>o</sup>  
 हताश्व स रथ स्वशवा 87 58<sup>o</sup>  
 हताश्वौ हतमारथी 82 9<sup>o</sup>  
 हतास्ता समजा गान 61 6<sup>o</sup>  
 हत कंसे दुरारमनि 80 6<sup>o</sup>  
 हते कसे मम सुत 65 73<sup>o</sup>  
 हते घोषाद्युधे 7पे 15 61<sup>o</sup>  
 हते नोपेश्वर धेव 15 61<sup>o</sup>  
 हते पितरि दुःपार्ता 29 6<sup>o</sup>

हते गौमे निसुन्दे च 92 8<sup>o</sup>  
 हते रुषिमणि वीर्यान् 91 1<sup>o</sup>  
 हते शत्रु महाराज 112 74<sup>o</sup>  
 हतेषु पुरुषोत्तम 38 54<sup>o</sup>  
 हतैवैषा यदा कन्या 48 26<sup>o</sup>  
 हतो मधुचने भीम 31 127<sup>o</sup>  
 हतोऽयमिति विज्ञाय 108 70<sup>o</sup>  
 112 21<sup>o</sup>

हतोऽय लोककण्ठक 67 47<sup>o</sup>  
 हतो हिरण्यकशिपु 65 37<sup>o</sup>  
 हतो च तव पुत्रव 42 29<sup>o</sup>  
 हतौजा दुर्पलो मूढ 21. 31<sup>o</sup>  
 हतौ प्रभवता तेन 31 18<sup>o</sup>  
 हत्वा कुबल्यापीठ 96 63<sup>o</sup>  
 हत्वा सेमन्नाससम् 23 68<sup>o</sup>  
 हत्वा गोपालकातुमौ 73 37<sup>o</sup>  
 हत्वा चानिन्सहस्र 23 142<sup>o</sup>  
 हत्वा चासुरपुंगवान् 31 91<sup>o</sup>  
 हत्वा जरासंधवत् 77 26<sup>o</sup>  
 हत्वा त दानव रणे 44 53<sup>o</sup>  
 हत्वा निवेशायामास 23 61<sup>o</sup>  
 हत्वापि मा न शक्तस्त्वं 5 51<sup>o</sup>  
 हत्वा भोज महाबलम् 29 20<sup>o</sup>  
 हत्वा मा नय गावस्त्व 113 43<sup>o</sup>  
 हत्वा मृगान्नरादाश्व 10 2<sup>o</sup>  
 हत्वा रजिसुतानसर्वात् 21 35<sup>o</sup>  
 हत्वा शुभनिशुम्भौ द्वौ 65 51<sup>o</sup>  
 हत्वा सत्राजितं युद्धे 29 30<sup>o</sup>  
 हनिष्यति स भागव 23 153<sup>o</sup>  
 हनिष्यामि वसुधरे 6 3<sup>o</sup>  
 हत ते कथयिष्यामि 4 23<sup>o</sup>

11 8<sup>o</sup>

हत ते वतेविष्यामि 16 1<sup>o</sup>  
 23 3<sup>o</sup>  
 हन्त विष्णो समखासव 31 2<sup>o</sup>  
 हन्तव्या रिपवो युधि 45 13<sup>o</sup>  
 हन्तव्यो नात्र सत्राय 72 19<sup>o</sup>  
 हन्ता हतैर्विष्यति 117 22<sup>o</sup>  
 हन्तु हृष्णमदाहूयन् 74 30<sup>o</sup>  
 हन्तु वर्षतैरपि 84 11<sup>o</sup>  
 हन्तु दोऽनुमहारया 82 27<sup>o</sup>  
 हन्ति हतामहापुत्रान् 109 48<sup>o</sup>  
 हन्यवानेव दुर्मति 108 15<sup>o</sup>



हविषेवानलस्याधि 87 39<sup>१</sup>  
 हवींदि भरतपैभ 116 7<sup>३</sup>  
 हव्यकन्यप्रदानमखे 30 22<sup>४</sup>  
 हव्यकन्यासिधेगवान् 31 26<sup>५</sup>  
 हव्यभुषकनुसकृत 34 35<sup>६</sup>  
 हव्य हीतारमेव च 31 5<sup>७</sup>  
 हव्यादांश्च सुराश्रके 30 23<sup>८</sup>  
 हव्यैश्च निविधेस्तुस 41 15<sup>९</sup>  
 हसन्तौ च कचिद्वचिच् 51 10<sup>१०</sup>  
 हसस्तत्रैव लक्ष्यवान् 67 44<sup>११</sup>  
 हसस्तिष्ठति दैत्यानां 33 23<sup>१२</sup>  
 हस्तप्राप्तानि युद्धानि 67 61<sup>१३</sup>  
 हस्ताभरणपूर्णेन 11 18<sup>१४</sup>  
 हस्ताश्रक च सायुधान् 38 28<sup>१५</sup>  
 हस्तित्वं चोपहापीड 45 5<sup>१६</sup>  
 हस्तिना कलहे घोरे 65 67<sup>१७</sup>  
 हस्ती कुवलयपीड 73 1<sup>१८</sup>  
 हस्तोद्भिद्वयमुखा नन्या 54 20<sup>१९</sup>  
 हस्त्यश्वरथसकुला 44 57<sup>२०</sup>  
 हस्त्यश्वरथसपूर्ण 78 32<sup>२१</sup>  
 हस्तकरण्डचोद्दुष्टा 55 30<sup>२२</sup>  
 हस्तकृष्टस्य यस्मिन् 93 54<sup>२३</sup>  
 हस्तचामरवीजितम् 59 35<sup>२४</sup>  
 हस्तयुक्तेन भास्वता 31 35<sup>२५</sup>  
 हस्तलक्षणहासि-य 59 37<sup>२६</sup>  
 हस्तसारसविन्यासे 59 44<sup>२७</sup>  
 हस्तसेवितयारिभि 93 11<sup>२८</sup>  
 हस्तेषु विचरन्तु च 62 51<sup>२९</sup>  
 हस्तेष्विंहिसिखानीव 59 33<sup>३०</sup>  
 हा धिगित्यपरे पुन 56 20<sup>३१</sup>  
 हातभारारिषिवोदर 34 14<sup>३२</sup>  
 हाताङ्गण च पीनेन 68 23<sup>३३</sup>  
 हातेणोरसि रापता 47 41<sup>३४</sup>  
 हातेक्षन्द्राशुसकानौ 94 25<sup>३५</sup>  
 हासित कुटजे फुट्टे 54 8<sup>३६</sup>  
 हास्य खलु स सत्पेषु 46 21<sup>३७</sup>  
 हास्यै क्रीडनकैलया 58 13<sup>३८</sup>  
 हा हातासीति शुभुशु 56 21<sup>३९</sup>  
 हा हातासीति याताती 77 40<sup>४०</sup>  
 हा हाता ममहाबाहो 77 3<sup>४१</sup>  
 हादाकारं प्रकुर्वती 51 25<sup>४२</sup>  
 हादाकारं प्रकुर्वन्त 56 19<sup>४३</sup>  
 हादेति कुर्वतस्तस्य 63 33<sup>४४</sup>

हादेति कृत्वा स्वरिता 50 8<sup>४५</sup>  
 हादेति द्विसमाणस्य 102 10<sup>४६</sup>  
 हित सर्वैदिवीकसाम् 41 1<sup>४७</sup>  
 हिलापै च सुरोत्तमा 43 40<sup>४८</sup>  
 हितार्थं सर्वलोकाणा 3 47<sup>४९</sup>  
 हितार्थं सुरमत्यानां 31 13<sup>५०</sup>  
 हित्वा गर्भततु चापि 48 29<sup>५१</sup>  
 हित्वा मान यदास्तिनी 21 4<sup>५२</sup>  
 हित्वायोध्या दिव यात 31 141<sup>५३</sup>  
 हिमकाले यथा न्योम्नि 67 25<sup>५४</sup>  
 हिमतोयप्रपूर्णाभि 34 23<sup>५५</sup>  
 हिमप्रहरणे स्थितम् 34 26<sup>५६</sup>  
 हिमप्लावितसर्वाद्वा 36 19<sup>५७</sup>  
 हिमवद्वनसभूतौ 71 37<sup>५८</sup>  
 हिमवन्तमगाद्वाजा 85 63<sup>५९</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्दुष्टा 35 64<sup>६०</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्द्वैत्य 31 54<sup>६१</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्गोप्ती 24 21<sup>६२</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्द्वैत 30 13<sup>६३</sup> 31 31<sup>६४</sup>  
 38 10<sup>६५</sup>  
 हिरण्यकशिपुर्द्वैत 3 68<sup>६६</sup> 35 25<sup>६७</sup>  
 हिरण्यकशिपुं पुरा 38 19<sup>६८</sup>  
 हिरण्यकशिपो राजन् 31 64<sup>६९</sup>  
 हिरण्यकशिपोर्वैघात् 31 60<sup>७०</sup>  
 हिरण्यकशिपो पुत्रा 3 59<sup>७१</sup>  
 हिरण्यगर्भेशोत्पत्ता 20 23<sup>७२</sup>  
 हिरण्यगर्भस्य सुता 7 15<sup>७३</sup>  
 13 62<sup>७४</sup>  
 हिरण्यगर्भो भगवान् 1 26<sup>७५</sup>  
 हिरण्यपुरवासिन 3 74<sup>७६</sup>  
 हिरण्यप्रतिपूर्णश्च 86 80<sup>७७</sup>  
 हिरण्यमशयं धनु 31 107<sup>७८</sup>  
 हिरण्यममितं मया 89 31<sup>७९</sup>  
 हिरण्यनोमा यैम्य 7 22<sup>८०</sup>  
 हिरण्यलोभेत्याहुषं 87 12<sup>८१</sup>  
 हिरण्ययणमभवत् 1 23<sup>८२</sup>  
 हिरण्ययणं रुचिरं 92 5<sup>८३</sup>  
 हिरण्ययणां वा दस्य 20 18<sup>८४</sup>  
 हिरण्ययणं वर्षन्तम् 92 18<sup>८५</sup>  
 हिरण्यं पत्नयं क्षिय 22 35<sup>८६</sup>  
 हिरण्याशश्च भारत 3 58<sup>८७</sup>  
 हिरण्यारमुता पत्न 3 64<sup>८८</sup>  
 हितया विचरिष्यन्त 14 5<sup>८९</sup>

हिंसा चोपरमित्यति 117 3<sup>d</sup>  
 हिंसाधर्मपरवेने 16 20<sup>b</sup>  
 हीनप्रतिज्ञो नैच्छत्स 88 31<sup>c</sup>  
 हीनमायोऽपि वा नर 86 62<sup>b</sup>  
 हीनवर्णो यथा शस्त्री 117 45<sup>d</sup>  
 हीनवीर्यपराक्रमम् 73 25<sup>d</sup>  
 हीनादीन तदा धर्म 117 37<sup>c</sup>  
 हुतमग्निषु पाननम् 100 79<sup>b</sup>  
 हुतदन्व्यनदस्तथा 3 34<sup>b</sup>  
 हुव यत्रेषु देवता 5 5<sup>d</sup>  
 हुवाचिंमुदायुधम् 31 9<sup>d</sup>  
 हुतानानाकींस्तुतद्विषकाशै 31 120<sup>a</sup>  
 हुवाग्निं विधिवत्सा तु 23 105<sup>a</sup>  
 हुत्वाग्निन्वाप्य च द्विजान् 15 50<sup>b</sup>  
 हुंकारेणैव निर्भेत्स्वयं 112 46<sup>c</sup>  
 हुयन्ताममयो विप्रै 38 70<sup>c</sup>  
 हुयमानं महर्षिभि 39 19<sup>b</sup>  
 हुयमाने हुताशने 36 41<sup>b</sup> 68 5<sup>d</sup>  
 हुत पूव स थालक 102 11<sup>d</sup>  
 हुतभागो बृहस्पतिम् 21 29<sup>d</sup>  
 हुतराज्यसदा राजा 10 32<sup>a</sup>  
 हुतराज्योऽज्जरीच्छक 21 29<sup>b</sup>  
 हुतराज्यो हुताशन 21 31<sup>c</sup>  
 हुतवान्ध्वे महीपति 23 63<sup>d</sup>  
 हुतस्वय दाम्बरेण ह 99 19<sup>c</sup>  
 हुतस्य नृशरीरिण 44 79<sup>b</sup>  
 हुतं राज्यमभूत्किञ्च 10 30<sup>b</sup>  
 हुव सास्त्रेण वै पुरा 109 28<sup>b</sup>  
 हुतानि च महीपाना 31 147<sup>a</sup>  
 हुताकैङ्गोक्तानिमात्रमभो 106 28<sup>b</sup>  
 हुतास्त्रेण महारमना 104 8<sup>b</sup>  
 हुताह क्रमता भूप 42 35<sup>c</sup>  
 हुने तस्मिन्नुमारके 102 12<sup>d</sup>  
 हुतो यदैव प्रद्युम्न 100 1<sup>a</sup>  
 हुत्वा तेषां च कर्म तत् 37 51<sup>b</sup>  
 हुत्वा स मेदिनीं कृत्वा 31 91<sup>a</sup>  
 हुद्वयस्वाति मे विप 71 25<sup>d</sup>  
 हुद्वय वेदभिरुद्वयते 56 22<sup>b</sup>  
 हुद्वयं ते यथाचरन् 70 35<sup>d</sup>  
 हुद्वय मानवामिना 76 15<sup>d</sup>  
 हुद्वये विद्विजिन 77 39<sup>c</sup>  
 हुद्वयेनालको रिपु 65 60<sup>d</sup>  
 हुद्विक संघभूय ह 28 4<sup>d</sup>

हुचनि श्वासमास्तम् 77 7<sup>b</sup>  
 हुच [कुसुमगन्धास्य 73 14<sup>d</sup>  
 हुपिताश्च सबाब्धवा 83 14<sup>d</sup>  
 हुपीकेना पुरस्त्वय 81 99<sup>c</sup>  
 हुष्टचेता जनादेन 99 42<sup>d</sup>  
 हुष्टपुष्टजनायुतम् 49 24<sup>b</sup>  
 हुष्टलाङ्गल्लोचन 64 13<sup>b</sup>  
 हुष्टलोमाङ्गतनव 61 31<sup>c</sup>  
 हुष्ट सर्वाधेसपन्न 93 9<sup>c</sup>  
 हुष्टा किञ्चिद्वाङ्मुखी 48 7<sup>b</sup>  
 हुष्टास्त्रपायतनेष्वपि 79 34<sup>d</sup>  
 हुष्टा घोडमुपस्थिता 37 5<sup>d</sup>  
 हुष्टा योद्ध स्वयस्थिता 81 74<sup>d</sup>  
 हुष्टास्ते गोपु जीविन 60 1<sup>b</sup>  
 हुष्टेन मनसा तदा 84 9<sup>b</sup>  
 हुष्टो वसति चन्द्रमा 59 47<sup>d</sup>  
 हुष्टो विविशतुस्तदा 72 14<sup>d</sup>  
 हुष्टभूतश्च मद्दिधः 48 41<sup>d</sup>  
 हुष्टभूतस्त्वह तेपा 48 40<sup>c</sup>  
 हुष्टमद्वाषयमुत्तमम् 84 1<sup>d</sup>  
 हुष्टवाद्बहुहृष्टा 117 6<sup>c</sup>  
 हुष्टुं कुरुणां नारास्य 115 14<sup>c</sup>  
 हुष्टमकृष्यैर्महाघष्टे 81 16<sup>c</sup>  
 हुष्टमनेयूरवलय 33 6<sup>c</sup>  
 हुष्टमचिन्विमानैश्च 92 22<sup>c</sup>  
 हुष्टमज्जैश्च शोभितम् 33 3<sup>c</sup>  
 हुष्टमतालोच्छ्रितध्वजम् 70 17<sup>b</sup>  
 हुष्टमयज्ञोपवीतवान् 44 9<sup>b</sup>  
 हुष्टमवज्रपरिप्लुत 34 4<sup>c</sup>  
 हुष्टमशकैरवालुका 93 64<sup>c</sup>  
 हुष्टमसूत्रमहाकृष्या 92 11<sup>c</sup>  
 हुष्टमगणैश्च सुरगै 81 20<sup>c</sup>  
 हुष्टमगणो जगोद्गम 67 16<sup>c</sup>  
 हुष्टमिते स्वर्धते वारु 67 6<sup>c</sup>  
 हुष्टमितोद्गायाकीरैः 67 26<sup>c</sup>  
 हुष्टयश्च ह्यश्वय 23 135<sup>c</sup>  
 हुष्टयस्य तु दायाय 23 63<sup>c</sup>  
 हुष्टयस्यामवपुत्र 23 136<sup>c</sup>  
 हुष्टयानां महारामनाम् 23 159<sup>b</sup>  
 हुष्टयाञ्चिन्नपानानु 10 37<sup>c</sup>  
 हुष्टयार्थे पराक्रमन् 10 31<sup>c</sup>  
 हुष्टयान्नालब्रह्मा 10 24<sup>c</sup>  
 हुष्टयेनालब्रह्मै 10 13<sup>c</sup>

होताभिदीप्तशिरसं 118 9<sup>०</sup>  
 होतारं चयनं च यत् 31 7<sup>०</sup>  
 होतास्य भगवानग्नि 20 23<sup>०</sup>  
 हृद्दीर्घललाटान्तां 55 35<sup>०</sup>  
 हृद्प्रस्थितसचया 83 33<sup>०</sup>  
 हृदमप्येऽकरोऽच्छब्दं 56. 2<sup>०</sup>  
 हृदगातोदराक्रान्तां 55 33<sup>०</sup>  
 हृदस्य पुत्रोऽप्यायुर्वै 3 60<sup>०</sup>  
 हृदसास्य तटावुभौ 55 53<sup>०</sup>  
 हृदानां चरुणालयः 62 23<sup>०</sup>  
 हृदिनी सागरं यासि 100. 40<sup>०</sup>  
 हृदिनीं वेगगामिनीम् 55 29<sup>०</sup>

हृत्स्वान्यतिप्रमाणानि 31. 8<sup>०</sup>  
 हृत्सोऽतिमात्रं पुरुषः 5. 16<sup>०</sup>  
 हृदपुत्रो हृदस्तथा 3. 60<sup>०</sup>  
 हृद्यते हि यत्राप्यज्ञा 49. 6<sup>०</sup>  
 हृद्यते हृद्यते इति 102. 9<sup>०</sup>  
 हृद्यमाण. प्रलम्बेन 58 30<sup>०</sup>  
 हृद्येऽहं कृष्ण दैत्येन 58 32<sup>०</sup>  
 ह्रीर्विद्या सनतिमैतिः 47. 54<sup>०</sup>  
 ह्यद्भुवं जगतो गतिम् 100 48<sup>०</sup>  
 ह्यभवंश्चामलाः प्रभाः 92. 20<sup>०</sup>  
 ह्यस्त्रमस्त्रविदां चरः 112 22<sup>०</sup>  
 ह्यष्टं पात्रैर्न्यमुत्तमम् 112. 17<sup>०</sup>